

ERGESTERED NO. D-(DN)-73

He Gazette of India

पाधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

₹ 33]

नई विस्लो, शनिवार, अगस्त 17, 1985 (श्रावण 26, 1907) NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 17, 1985 (SRAVANA 26, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संस्थलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part is order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III-खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्व न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेबापरीक्षक, संघ लोक सेत्रा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अभील कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 जुलाई 1985

ए० 32013/1/80-प्रमा०-II—-प्रध्यक्ष, संघ लोक क्ष्रीयोग, एतदद्वारा संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय स्थायी प्रोग्रामर सर्वेश्री एम० एल० रुस्तगी तथा जे० पी० प्रथाल को ग्रायोग के कार्यालय में 2-5-1985 से 1-11-1985 तक 6 महीने की ग्रायधि के लिए ग्राथवा श्रागामी तदेशों तक, जो भी पहले हो, तदर्थ श्राधार पर वरिष्ठ ग्रामर के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. वरिष्ठ प्रोग्रामर के पद पर उपर्युक्त नियुक्तियां पूर्णतः तद्यं प्राधार पर हैं भौर इससे उक्त श्रधिकारी को नियमित नियुक्ति श्रथवा वरिष्ठ प्रोग्रामर के पद पर वरिष्ठता का कोई हकं नहीं मिलेगा।

दिनांक 11 जुलाई 1985

सं० ए० 32011/3/85-प्रणा० I—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा भ्रायोग में इस समय कार्यरत उप सचिव श्री एस० के सिंगल, भा० रा० से० (सी० एवं सी० ई०) को श्रायोग के कार्यालय में 1-7-85 (पूर्वा०) से केन्द्र में उनके शेष कार्यशाला के लिए या भ्रागामी भ्रादेशों तक जो भी पहले हो,

रु० 2000-2250 के वेतनमान में संयुक्त सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. यह मंत्रीमण्डल की नियुक्ति समिति के भ्रनुमोदन से जारी हुन्ना है।

> एम० पी० जैन भ्रवरसचिव (प्रशः०) संघ लोक सेवा भ्रायोग

कार्मिक एंव प्रणिक्षण विभाग

केन्द्रीय ग्रन्वेषण अ्यूरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 25 जुलाई 1985

सं० ए-19020/1/80-प्रशा० 5—प्रत्यावर्तन होने पर, श्री एस० एन० सिन्हा, भा० पू० सेवा (उडीसा-1956), पुलिस उपमहानिरीक्षक, केन्द्रीय धन्वेषण ब्यूरो, विशेष प्लिस स्थापना, की सेवाएं, दिनांक 25 जून, 1985 के ध्रपराह्म से, उड़ीसा सरकार को सौंपी जाती हैं।

सं० ए-19021/8/80-प्रकास 5—प्रत्यावतन होने पर, श्री ग्रानन्द कुमार, भा० पु० सेवा (मध्य प्रदेश-1907), पुलिस ग्रधीक्षक, के० ग्र० ब्यू० विशेष पुलिस स्थापना, स्न० ग्राई०

(27907)

---196GI|85

यू० (ई-2) शाखा, की सेवाएं 90 दिन की श्राजित छुटटी दिनोंक 1-4-85 से 29-6-85 तक का लाभ उठाने के बाद दिनांक 30 जून, 1985 के पूर्वाहन से मध्य प्रदेश सरकार को सींपी जाती हैं।

धार० एस० नागपाल प्रशासनिक श्रधिकारी (स्था०), केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय के० री० पु० बल नई दिल्ली, दिनांक 22 जुलाई 1985

स० ग्रो० दो० 1083/73 स्था०—श्री रघुबीर सिंह, सहायक कमाडेन्ट ने सरकारी सेवा से निवृत होने के फलस्वरूप दिनांक 30-4-85 (भ्रपराह्म) से श्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ग्रो० दो० 1573/81 स्था—श्री ग्रार० के० खन्डेलवाल, भा० पु० से० (उ० प्र० 1953) ने उनके चयरमेन जे० ग्राई० सी० (एक्सटरनल) केबिनट सैकेंटेंट और नेशनल निक्युरिटी में सैकेंट्री पोलिसी प्लानिंग ग्रुप के पद पर निगुविन कनस्वरूप महानिरिक्षक सै-3 के० रि०पु० बल नई दिल्ली के पद का कार्यभार दिनांक 26-4-85 (ग्रपराह्म) को त्याग विया है।

भ्रशोक राज महीपथी सहायक निदेशक (स्था०)

महानिदेशालय

केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, विनांक 23 जुलाई 1985 सं० ई-32015(3)/24/84-कार्मिक-I—-राष्ट्रपति श्री एम० के० चोपड़ा को 8 जुलाई, 1985 के पूर्वाह्न से 27-8-1985 की श्रवधि तक, या इस श्रवधि में नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थं श्राधार पर श्रौर श्रस्थाई रूप से के० श्रो० सु० ब० यूनिट, श्राई० पी० सी० एल०, बड़ीवा का कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

दिनांक 24 जुलाई 1985

सं० ई-16013 (2)/12/85-कार्मिक-I—प्रितिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर, श्री एम० लक्ष्मीनारायण, भा० पु० से० (ए० पी० एस० पी० एस०) ने 4 जुलाई, 1985 के प्रका्ति से के० श्री० सु० ब० यूनिट, बी० एस० पी०, विषाखापटनम के कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 26 जुलाई 1985

सं० ई-32015 (3)/23/84-कार्मिक-I—राष्ट्रपति, श्री एस० श्रार० गर्मा को 10 जुलाई, 1985 के अपराह्म से 27-8-85 तक, या इस श्रवधि में नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ श्राधार पर ग्रौर ग्रस्थाई रूप से के० भौ० मु० ब० यूनिट, सी० टी० पी० एस० (डी० वी० सी०), चन्द्रपुरा का कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

सं० ई•32015 (3)/7/85-कार्मिक-I—राष्ट्रपति, श्री शिवराज सिंह को प्रोन्नित पर, 8 जुलाई, 1985 के पूर्वाह्न से 27-8-85 तक की श्रविध के लिए या इस श्रविध में नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थं श्राधार पर श्रौर श्रस्थाई रूप से के० ग्रौ० सु० ब० यूनिट, सी० सी० डब्ल्यू० ग्रो० धनबाद का उप कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

> एस० प्रोनन्दूराम महानिदेशक/के० श्रौसुब

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 जुलाई 1985

सं० 10/6/82-प्रणा०—1—राष्ट्रपति, श्री प्रदीप मेहरा, सहायक निदेशक (प्रोग्राम) को, जो इस समय भारत के महारिजस्ट्रार के कार्यालय, नई दिल्ली में उप निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर तदर्थ श्राधार पर कार्य कर रहे हैं, उसी कार्यालय में श्रगले झादेशों तक 12 जुलाई, 1985 के पूर्वाह्न से झस्थायी क्षमता में नियमित श्राधार पर उप निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर पदोन्नित द्वारा सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2 श्री प्रदीप मेहरा का मुख्यालय नई दिल्ली होगा।

वी० एस० वर्मा भारत के महारजिस्ट्रार,

वित्त मंद्रालय

राजस्व विभाग

सीम मुल्क केन्द्रीय उत्पाद मुल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण भ्रपील श्रधिकरण नई दिल्ली, दिनांक जुलाई 1985

सं० 6/सी० शु० उ० शु० स्व० नि० श्र० श्र०/1985—श्री एम० श्रार० शर्मा जो कि पहले वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग (कर श्रनुसधान एकक) नई दिल्ली में किन्छि विश्लेयक तथा संगठन श्रीर प्रबन्ध सेवाएं निदेशालय (सीमा- शुरुक तथा केन्द्रीय उत्पाद शुरुक) नई दिल्ली में कार्यालय श्रिधिक के पद पर कार्यरत थे, ने 5 जुलाई 1985 श्रपराह्म से सीमाशुरुक केन्द्रीय उत्पाद शुरुक तथा स्वर्ण

> फौजा सिंह गिल ग्रह्मक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय, निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्य नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 जुलाई 1985

मं० प्रशासम 1/कार्यालय आदेश सं० 197—श्रीमान निवेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-1 इस कार्यालय के श्री बिमल कुमार वर्मा स्थायी श्रृतभाग अधिकारी (अब सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी) को स्थापनापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के वेतनकम 810-1200 द० में 19-7-85 अपराह्म से अगले आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

> मोहन खुराना उप-मिदेशक लेखापरीक्षा (प्रशासन)

महालेखा गार (लेखा) का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद-500 463, दिशांक 25 जुलाई 1985

सं० ए० प्रमा० ए तथा द्व/1/8-88/85-86/1044—महालेखा कार (लेखा) आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद, महोदय ने सहर्ष निम्नलिखित अनुभाग अधिकारी को स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में 840-40-1000-द० अ० 40-1200 ए० वेतममान में उनके नाम के सामने बतायी गयी तारीख से प्रभावी अगले आदेशों तक पदोन्नत किया है :—

माम तथा भारग्रहण की तिथि श्री रामाराय-1 --- 19-7-1985 (पूर्वाह्म)

यह पदोन्नति आदेश उसकं वरिष्ठों के दावों पर विधा कोई प्रतिकूल प्रभाव डाले, यदि कोई हो और आन्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चनम न्यायालय में लंबित रिट याचिकाश्रों के परिणाम के अधीन होंगे।

> वेद कुमारी उपमहालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार (ले० प०), कार्नाटक बैंगलोर, दिनांक 8 जुलाई 1985 कार्यालय आदेश

सं० ले०प० 1/प्रणासन-1/ए-1/85-86/207—महालेखा-हार (लेखा) ने निम्नलिखित चार अनुभाग अधिकारियों (लेखाएरीआ) को केवल अम्थायी क्षमता में उनके वरिष्ठों हे प्रतिकृत प्रभाव डाले बिना, उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख में सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्नति सहर्ष किया है '--

सर्वश्री

- 1. सी० सुब्ब राव (I)
- 2. बी० गोपालन
- 3. जी० प्रकाश राव
- 4. डेविड जोसफ

सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी के रूप में उनकी पदोन्नति होने के फलस्वरूप, स्वामी संकलम (7वां० संस्करण) भा० स० गृ० मं० कार्मिक और प्रशासिक मुधार विभाग के का० जा० सं० एफ० 7/1/80 संस्थापन पी० ऐ० दिनांक 26 सितम्बर 1981 के एफ० आर० II (सी०) के नीचे के भारत करकार के निर्णयानुसार उन्हें उच्च वेतममाम में नियत करने के लिए उनकी पदोन्नति की तारीख से एक महीने के अंदर इच्छा प्रकट करनी होगी।

दिभांक 9 जलाई 1985

सं० मले० (ले० प०)/प्रशासन I/1/ए-1/85-86/208—श्री टी० एस० कृष्णराव, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी जो कर्नाष्टका को-आपरेष्टिय मिल्क प्रोड्यूनर्स फेडरेशन लिमिटेड में बाह्य सेवा पर हैं, उनकी पदोन्नति उनके मूल कार्यालय में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लेखा-परीक्षा अधिकारी के रूप में हुईं। देखें कार्यालय आदेश म० ले० (ले० प०), प्रशासन 1/ए-1/85-86/131 दिनांक 30 मई, 1985, श्री टी० एस० कृष्ण राव के वर्तमान बाह्य सेवा कर्नाष्टक को आपरेष्टिय मिल्क प्रोड्यूनर्स फेडरेशन लिमिटेड में सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी के रूप में 22 जुलाई 1985 को समाप्त होगा। बाह्य नियोक्ता ने तथापि उनकी सेवाश्रों को 22 जुलाई 1985 तम उनको लेखापरीक्षा अधिकारी के उच्च ग्रेड में या उनके संगठन में समान पद में बने रखने की आवश्यकता को व्यक्त किए।

महालेखाकार (ले॰ प॰) ने उपयुक्त संदर्भ में श्री टी॰ एस॰ कुष्णराव, स॰ ले॰ प॰ अ॰ को नेक्स्ट बिलो रूल के अधीन 1-6-1985 (पू॰) से एफ॰ आर॰ 30 के मुताबिक उनके तुरन्त किन्छ श्री एम॰ नर्सिह्म (1) के सर तार में अपने मूल विभाग में कार्यभार ग्रंहण करने के समय से लेखापरीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्नति सहर्ष प्रदान किए हैं।

ह० अपठनीय उप-महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार (लेखा परीक्षा) का कार्यालय, उड़ीसा भुवनेण्यर, दिनांक 16 मई 1985

मं० प्रशा० 1 (ले० प०) 17-2-358—महालेखाकार (लेखा परीक्षा) ने इस कार्यालय के भिम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को भारतीय लेखा तथा लेंखा परीक्षा विभाग (प्रशासन अधिकारी, लेखा अधिकारी तथा लेखा परीक्षा अधिकारी) के भर्ती नियम, 1964 के प्रावधान के अनुसार वेतनमान रूपये 840-40-1000-द० अ०-40-1200 पर नाम के सामने श्रंकित तिथि से कार्यवाहक लखा परीक्षा अधिकारी नियुक्त किया है। उनकी पदोन्नित तद्वर्थ आधार पर तथा न्यायालय में विचाराधीन मामलों पर उच्च-यायालय/उच्चतम न्यायालय के अन्तिम िर्णय एवं, उनसे वरिष्ठ अधिकारियों के दावे के बिना पक्षपात के आधार की गई है:—

1. श्री एम० एन० काशीनाथ 27-4-85 (पूर्वाह्न)

श्री एम० सी० दे 7-5-85 (पूर्वाह्म)

दिनांक 28 मई 1985

सं प्रणा०-1 (ले० प०)-17-7-492---महालेखाकार जी ने इस कार्यान्य के श्री ए० सी० दत्त, कार्यवाहक लेखा परीक्षा अधिकारी को दिनांक 1-8-84 (पूर्वाह्म) से लेखा परीक्षा अधिकारी के वर्ग में स्थायी नियुक्त किया है।

> उत्पल भट्टाचार्य वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय भारतीय आर्डनेंस फैंक्टरियां सेवा आर्डनेन्स फैक्टरी बॉर्ड

कल कत्ता-1, दिमांक 22 जुलाई 1985

सं० 27/जि०/85—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री एस० आर० शुक्ता, एडिशनल डी० जी० भ्रो० एफ० (मीलिक सहायक महाविधक सार-1/महाप्रवन्धक स्तर-1) दिनांक 30 जूम, 1985 (अपराह्म) में सेवा- भिवृत्त हुए।

बी० बें • मेहता उप महानिदेशक

उद्योग मंत्रालय ग्राँद्योगिकः विकास विभाग विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिशांक 24 जुलाई 1985

सं० 12 (331)/62-प्रशां० (राज०)—राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान कानपुर के उप निदेशक (चर्म/पादुका) श्री डी० बी० कार को उसी संस्थान में 10 जून, 1985 के पूर्वाह्म से अगले आदेश होने तक, निदेशक, ग्रेड-II (चर्म/पादुका) के हव में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19018 (611)/82-प्रणा० (राज०)-राष्ट्रपति, लवु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलार में सहायक निदेशक, ग्रेड-11 (रसायन) श्री एस० आर० देशपाण्ड को लवु उद्योग सेवा संस्थान, हुंबली के अधीन णा० ल० उ० से० सं०, गुलबर्गा में 30 मई 1985 के पूर्वाह्न से सहायक ािदेशक, ग्रेड-I (रसायम) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19018 (744)/84-प्रणा० (राज०)— राष्ट्रपति, श्री जै० आर० देवीदास को लघु उद्योग-सेवा संस्थान, कलकत्ता में 31 मई, 1985 के पूर्वाह्न में से अगले आदेश होने तक, सहायक निदेशक, ग्रेड-Iय(इलैक्ट्रोनिकी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

> सी० सी० राय उप निदेश हप्र(शा०)

सूवना और प्रसारण मंत्रालय

किल्म प्रभाग

बम्बई 400026, दितांक 22 जुलाई 1985

सं० 5/11/54-ई-1--श्री ए० एस० परमेश के निवर्तन की आयु पूरी कर लेने के परिणामस्वरूप उन्होंने फिल्म प्रभाग दक्षिण प्रादेशिक निर्माण केन्द्र, बैंगलोर के निर्माता के पद का कार्यभार दिनांक 30 जून, 1985 के अपराह्म में छोड़ दिया।

दिशांक 23 जुलाई 1985

सं० 6/85-54-ई-1--श्री एम० एस० व्ही० विनोदवाबू ने अपने कार्य के विवर्ता की आयु पूरी कर लेने के फलस्वरूप फिल्म प्रभाग, बम्बई के शाखा प्रबंधक के पदका कार्यभार 30 जून, 1985 के अपन्यह्म में छोड़ दिया।

> एन० एन० शर्मा प्रशासकीय अधिकारी कृते मुख्य निर्माता

नई दिल्ली, दिनों रू 1 जुलाई 1985

मं० ए० 19012/2/76 प्रका०—सेवाभिवृत्ति की आयु प्राप्त होने पर श्री ए५० पी० सीताराम, स्थायी मुख्य रिकाडिस्ट, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली ने दिनांक 30-6-85 अपराह्न को अन्ना कार्यभार त्याग दिया।

आर० वी० एल० मोरिया सहायक प्रशासन अधिकारी कृते उप मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेव हानिदेशालय

मई दिल्ली, दिनांक 22 जुलाई 1985

सं० ए० 12025/3/83-पी० एच० सी० डी० एण्ड एल०)—गष्ट्रपति ने डा० अग्विन्द राय,को राष्ट्रीय संचारी रोड संस्थान, दिल्ली में 18 जून, 1985 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उप सहायक निदेशक (सूक्ष्मजीव विज्ञान) के पद पर अस्थायी रूप से भियक किया है।

भारायण सिंह उप निदेशक (प्रशासनपी० एच-)

भाभा पत्माणु अनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400 085, विनांक 23 जुलाई 1985

सं० ए० 1054/सी०ई०डी०/स्था०- /2655--श्री राजाराम दामोदर आठले ने वैज्ञानिक अधिकारी/इंजी०
ग्रेड "एस० डी०" पद का पद भार 16-1-1985 (पूर्वाह्न)
को स्वैच्छिक सेवा-निवृत्ति पर छोड़ दिया प

टी० ए० लक्ष्मीभारायणन् नियंत्रक

बम्बई-400 085, दिनांक 23 जुलाई 1985 सं. के-926/स्था.।।/2654 ---

श्री उत्थव शंकर करमरकर

सहायक कार्मिक अधिकारी एंद का पंद भार 31-5-1985 (अपराहन) को अधिवर्षिता पर छोड़ दिया।

के. वे कटकृष्णन् उप स्थापना अधिकारी

परमाणु उज्जा विभाग क्रय और भंडार निक्रोशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 24 जुलाई 1985

सं. कर्मनि/41/1/85-प्रशा./5193.— परमाणु उत्जी विभाग, क्रय और भंडार निदंशालय के निदंशक ने स्थायी क्रय सहायक, श्री चाँयन्तूर विजयन, को इसी निदंशालय में दिनांक 3-6-1985 (पूर्वाह्न) से 19-7-1985 अपराह्न) तक 650-30-740-35-810-द. रो.- 35-880-40-1000-द. रो.- 40-1200 रुपए के वेतनमान में सहायक क्रय अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन रूप से नियुक्त किया हो। यह नियुक्ति सहायक क्रय अधिकारी, श्री एस. एन. दशम्ब के स्थान पर की गई है जिन्हों उक्त अविध के रिए छुट्टी प्रदान की गई है।

पी. गोपालन प्रशासन अधिकारी

राजस्थान परमाण् बिजलीघर अणुबक्ति-323303, दिनांक 24 जुला**र्द** 1985

सं. रापिनध/भती 1/7(9)/85/स्थ/198.— राजस्थान परमाणु विजली घर के मूख्य अधीक्षक, पी. पी. ई. डी. के स्थायी उच्च श्रंणी लिपिक एवं रापिवघ में स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री के. जार्ज को एक जून उन्लीस सी पिच्चामी (1-6-1985) के पूर्वाह्न से अग्निम आवेश तक राजस्थान परमाण् निजली घर में सहायक लेखाधिकारी (रा. 650-960) के पद पर स्थानान्तरण रूप से नियक्त वरतें हैं।

राष्ट्रंस्य चौपड़ा सहायक कार्मिक अधिकारी (भती) इनरों उपग्रह केन्द्र श्रन्तरिक्ष विभाग केंगलूर-560017, दिनांक 18 जुलाई 1985

सं. 020/1/(15.4)/85—स्थापना इसरो उपग्रह केन्द्र के निद्देशक अंतरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलूर के श्री एस. बी. एस. प्रसन्न कुमार वैज्ञानिक/अभियंता-एस. बी. से प्राप्त त्याग पत्र का दिनांक 16 जुलाई, 1985 के अपराह्म में स्वीकार करते हैं।

एचः एसः रामदास प्रशासन अधिकारी-।।

शार केन्द्र

श्री हरिकाटा रॉज-524 124, दिनांक 13 जुलाई 1985

सं एस० सी० एफ०/पी० एण्ड जी० ए०/स्थापना/1.72— निदेशक, शार केन्द्र एतद्द्वारा निम्नलिखित कर्मचारियों को शार केन्द्र, श्रीहरिकोटा में, स्थानापन्न क्षमता के रूप से, उनके सामने अंकित पदों में, उद्धृत निथियों से पदोन्नति के रूप में नियुक्त करता है :--

नाम	पद्मोन्नति कापद	पदोन्नति की तारीख
सर्वश्री		
1. के० आर० मायर	सहायक प्रशासन अधिकारी	21-7-83
2. के० एम० शाम्यूल	सहायक भंडार अधिकारी	29-8-83
3. पी० कमलाकर राव	सहायक लेखा अधिकारी	13-9-84
4. आर० जनार्धम नायर	सहायक प्रशासन अधिकारी	15-10-84
5. के ० गीता भन् द भ	सहायक प्रशासम अधिकारी	11-3-85
6. एस० शंकर भास्री	स ह ायक प्रशासन अधिकारी	4-4-85
7. पी० रवीन्द्र	हिन्दी अधिकारी	6-4-85
8. एम० गोपीनाधन	सहायक प्रणासन अधिकारी	24-5-85

पी० एस० नायर प्रधान, कार्मिक श्रौर सामान्य प्रशासन प्रभाग कृते निर्देशक

विज्ञान एवं प्रौंबोगिकी मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

दिभांक 24 जुलाई 1985

सं० स्था० ई०(I) 00896—डा० कृष्णातन्द, मौसम विज्ञानी, भारत मौसम विज्ञान विभाग, स्वेच्छा से भारत सरकार की सेवा मे 9-7-1985 की अपराह्म को निवृत्त हो गए हैं।

> एस० डी० एस० अब्बी निदेशक (स्थापना) कृते मीसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक, भागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 19 जुलाई 1985

सं० ए० 32013/14/84-ई० सी०---राष्ट्रपति, भागर विमानन विभाग के निम्नलिखित विष्ठ तकनीकी अधि-कारियों को दिशांक 28 मई, 1985 से, अन्य आदेश होने तक, सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं:--

- श्री पी० एस० मलिक, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी।
- 2. श्री रूप चन्द, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ।

वी० जयचन्द्रन उप निदेशक (प्रशासन)

बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 26 जुलाई 1985

सं 16/437/85-स्थापना I—संघ लो ह सेवा आयोग की निफारिश पर अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महा- विद्यालय, देहरादून, डा० (कुमानी) रिष्म को वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून के अर्त्तगत अनुसंधान अधिकारी के पद पर दिनाक 14-6-85 की पूर्वाह्म सं आगामी आदेश होने तक अस्थायी रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

जे० एन० सक्सेना कुल सचिव वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

समाहर्ता, सीमा शुल्क का कार्यालय मद्रास-609001, दिभांक 20 अप्रैल 1985

सं० 2/78/85—सीमा गुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 8 (बी) के अधीन सीमा शुल्म समाहर्ता को प्रयत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं मीनाम्बाकलम मद्रास हवाई एचन की निम्नलिखिन सीमाएं निर्धारित यस्ता हूं। िम्मिलिबित ने सीमा बद्ध प्रांट इसके भीतर संपूर्ण मदास हवाई पत्तन जिसमें धावन पथ, टैक्सी पथ, पार्किंग के, सीमावर्ती भवन, माल कांग्लेक्स, अड्डा प्रांच मरम्मतवाले विमान गृह, एयर लाइन कार्यालय दमकल स्टेणम भवन तेल संस्थापन, मोटर अड्डे थ्रौर सभी प्रकार के ढांचे णामिल हैं।

1. दक्षिण में

14.1 किलो मीटर में 17.9 किलीमीटर तह 45 नेशनल हाई वे द्वारा और 17.9 किलो मीटर में 300 मीटर की दूरी तक उत्तर की श्रोर रेखा खीवने पर और फिर 340 मीटर की दूरी तक पश्चिम की श्रोर मिलिटरी एस० टी० रोड से सटकर 375 मीटर की दूरी तह उत्तर की श्रोर नार्थ वेरक्स रोड तक।

2. पश्चिम में

मिलिटरी एस० टी० रोड से सटकर नार्थ बैरक रोड आँर मिलिटरी एस० टी० रोड के संधिस्थल से रेखा खींचने पर दक्षिण में 75 मीटर दक्षिण में आँर वहां से 140 मीटर की दूरी तक उत्तर पिष्चम की श्रोर और वहां से पिष्चम में माणिक श्रीड की ओर 625 मीटर की दूरी तक श्रीर माणिक श्रीड को काथते हुए उत्तर की श्रोर 150 मीटर की दूरी तक, 1.5 हेक्टेयर क्षेत्र को घेरतें हुए और माणिक श्रोड को काटने काली बिंदू में हवाई अड्डे सीमा स्नंभ सं० 069 में पूर्व की श्रोर 275 मीटर और स्नंभ 70, 71, 72 श्रीर 73 को मिलाने हुए श्रीर अडयार मदी के दक्षिणी किनारे तक।

उत्तर में

काउल बाजार के परिचमांत स रेखा स्त्रींचने पर उत्तर पूर्व की स्रोर अख्यार भदी के दक्षिणी किनारे तक ।

4. पूर्व में

अडयार नदी का दक्षिणी किसारा ग्रींर फिर ग्री० टी० एस० की ग्रीर रेखा खींचने पर ग्रींर वहां से दक्षिण की ग्रीर 375 मीटर दूर 14.1 किलोमीटर नेशनल हाई ये तक ।

> सी'० भुजंगस्वामी सीमा शुल्क समाहर्ता

नीवहम श्रीर परिवहन मंत्रालय नौवहन महाभिदेशालय बम्बई-400 038, दिनांग 25 जलाई 1985

सं० 11-टी० आर० (1)/82--राष्ट्रपति, श्री टी० एन० सरकार, प्रणासिकित अधिकारी, मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण, महानिदेशालय कल्पाता, को दिनांक 36-5-198 (श्रम्यात्व) में कार्य मुक्त करते हैं।

सं० 23-टीं० आर० (6)/85--राष्ट्रपति, कप्तान आर० ए० डी० रोझांरस्त्री को लाल बहादुर मास्त्री नाटिकल और इंजीनियरी कालेज, बम्बई में, तदर्थ आधार पर, तारीख 10-7-1985 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक नावीय अधिकारी के रूप में नियुवत करते हैं।

> अभिताभ चन्द्र नौवहन उप-महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई विल्ली 66 दिनांक 26 जुलाई 1985

सं० ए-19012/1077/84-स्थापना पांच--विभागिय पदोन्नति संमित (समूह ख) की सिफारिकों पर, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल अध्योग, श्री रिबन्द्र मोहन सैन, अभिकल्प महायक/पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल अध्योग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/महायक इंजीनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो-35-880-40-1000 द० रो-40-1200 के वेतनमान में 31-12-1984 की पूर्वाह्न से अन्य ग्रावेगों सक निर्यामन आधार पर नियुक्त करते हैं।

(2) उपरोक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्स महायक निदेशक/महायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की ग्रविध के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

> मीनाक्षी अरोड़ा अवर सचिव (समन्वय) केन्द्रीय जल आयोग

पूर्ति एवं वस्त्र मंत्रालय
पूर्ति विभाग
राष्ट्रीय परीक्षण गृह, श्रलीपुर
कलकत्ता-27, दिनांक 15 जुलाई 1985
जी० 318/ए--महानियेणक, राष्ट्रीय परीक्षण
राष्ट्रीय परीक्षण गृह, मद्रास शाखा, मद्रास

मं श्री टी० जी० जोसेफ, सहायक स्मिण एवं द वास मंत्रालय, को सहायक निदेशक (श्रेणी-II) के पद पर, प्रातानयुवित के आधार पर, नियुक्त करते हैं जो कि 29-4-85 (पूर्वाह्न) से किनी अगले अदेश के जारी न होने तक प्रभावी होगा।

> जे० एम० भट्टाचार्या उप-निदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता

उद्योग तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय

THE CONTROL OF THE STATE OF THE

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर वडमले के ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 15 जुलाई 1985

सं० 4196/560/85—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा स्चना दी जाती है कि बडमलें ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवट लिमिटेड का नाम अ.ज रिजस्टर से काट दिया गया है भ्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर सुपीरियर ट्रान्सपोट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 15 जुलाई 1985

सं० 4419/560/85--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्क्षारा सूचना दी जाती है कि सुपीरियर ट्रान्सप्रोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट विया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

> टी० अमरनाथ कम्पनियों का सहायक राजिस्ट्रार सामलनाडु

प्रकप् नाहुँ हो पुन् पुन् । । । । । ।

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरें ज, ग्रमुतसर

ग्रमृतसर विनांक 18 जुलाई 1985

निदेश सं०एएसआर०/ 85-86/ 21—श्रतः मुझे, जे० प्रसाद, आई० श्रार० एस०,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० खाली भूमि का प्लाट सैल्स टेक्स वफ्तर के पीछे है तथा जो अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 काँ 16) के अधीनअ तारीख नवस्वर, 1984,

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बाबित्व में केसी करने या उससे अधने में सृदिधा के सिए; और/मा
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए

बत: जब, उक्त सीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त सीधीनयम की धारा 269-च की उपभारा (1) कें सधीन, निम्नलिचित स्थनितयों, कर्णात :--- (1) श्रीमिति सुषमा अरोड़ा पहिन प्रेम लाल अरोड़ा, निवासी बाजार जंगी शिवाला, अमृतसर।

(अन्सरक)

(2) श्रीमति राजिन्द्र कौर परिन हरजीत सिह नियासी-सराभा नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार थे। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति)।
- (4) भौर कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितकब है)।

की वह सूचना जारी करकों पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्षीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों बाँद पदों का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस बध्याय में दिया ग्या है।

वन्त्र्ची

1, 2 भाग एक भूमि का प्लाट 562. 1, 3 वर्ग गज जो कोर्ट रोड, सैंस्स टेक्स दफ्सर के पीछे, ग्रमुप्तसर में है जैसा सेल्स डीड नं० 5822, 29-11-84 रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी अमृतसर में दर्ज है।

> जे० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसह

सारीख: 18-7-1985

वक्ष बाहुँ स दील प्रकृत प्रकृत ---

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्थाना

शाउच ब्रह्मा

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 18 जुलाई 1985

निवेश सं० राज०, सहा०आ० अजंन, 2597—अतः मुझे, मोहन सिंह, गुंबायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार ं69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० दुकान है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उन्न बद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विकृत है), रिजस्ट्री-कर्जा अधिक री के कार्यालय, जोधपुर, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 नवम्बर, 1984,

को पूर्वोक्स सम्परित को उपित बाजार मृत्य से कम की द्वयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूऔ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का नन्द्रह प्रतिसात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में गस्तिक स्था से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वावत, उक्त विधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उत्तते वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किमी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में व्याधा के निए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) हे अधीन निम्निलिखित अयिक्तयों, अधाँत :—— 2---196G1[85

(1) श्रीमदन राज द्वारा भेससं मदन राज सोहन राज जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित शकुन्तला पत्नि श्रो भ्रोम प्रकाश, द्वारा मेसर्स विज्ञा स्टोर्स, स्टेशन रोड, जोधपुर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिध् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सक्यित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस कि 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों भर स्थान की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि होते में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में सार्प्त को क्षांकर करने
- (ज) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकर्ण :---इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का को उनक्ष अभिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याव में दिया गया है।

नगृत्यी

मुकान स्थित स्टेशन रोड, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर, द्वारा कि॰ सं॰ 3040 दिनांक 4-11-1984 पर पंजीबद्ध, विकय पक्ष में भौर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> ्मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-7-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाइरं. टी. एन. एस.-----

भागकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के नधीन स्पना

भारत बरकार

कार्यांक्य, सहायक बायकर बाय्क्त (निर्धिकण) अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1985

निर्पेश सं० राजिश्सहा०आ० अर्जन/2598—अतः मुझे, मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इन्नके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० नोहरा है तथा जो चुरू में स्थित है (श्रीर इससे उपायत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विज्ञत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय चुरू में. रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 नवम्बर, 84 का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुदं किसी बाय की बाबत, उक्त अणिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उसते अधने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया यथा था किया जाना चाहिए था, कियाने में सिविधा के सिए;

बतः बब, उक्त विभिनियम की भारा 269-म के बनुसरण बं, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) वै सभीन, निम्निनिवित व्यक्तिवर्षे, वर्षात् म्— (1) श्री हुलास चग्व कोठारी पुत श्रा तोलाराम कोठारी, वार्ड नं० 21, चुरू।

(अन्तरक)

(2) श्रं: जुगराज कोठारी पुक्ष श्री हुलास चन्द कोठारी, निवासी–वार्ड नं०, 21 चुरू।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हु।

उन्स सम्पर्तित के अर्जन के सभय मा लाड़ी भी आक्षप --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पात्त मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरा क पास सिस्ति मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क मा विषय हैं, यही कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

नग्रंची

नोहरा मय निर्माण के स्थित वार्ड नं० 21, चुरू जो उप-पंजियक, चुरू द्वारा क० सं० 941 दिनांक 23-11-1984 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, जयपुर

प्तारी**ख: 18-7-**1985

मोहर 🛭

प्रकल नाइ.टी.एन.एस.------

काश्यकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, बिनोक 18 जुलाई 1985

निदेश सं० राज॰/तहायक श्रा० श्रर्जन/2599—श्रतः मझे, मोहन सिंह,

बाक्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जितको सं हु ान नं 3 है तथा जो जवपुर में स्थित है (भीर इसने उपाबद्ध श्रमुसूत्री में श्रीर पूर्णका से वर्णित है), रिजिस्ट्री रिर्ता श्रीध हारी के जायिल (, जवपुर में, रिजिस्ट्री रिर्मण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रवान, नारोख 14 नवम्बर, 1984

तो पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य में कम के दश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास दिने का कारण है

त्क यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के शिष एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत द्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित हीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उभर अधिनियम के अधीन कर दीन के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उसते बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध आस्तियों का, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त किभिनियम की धारा 269- व के अनूसरण , मैं, उक्त किभिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) अधीन, निमनिस्तित व्यक्तियों, अधीन, —— (1) श्रा िशन पुत्र श्री राधेश्याम जी महाजन खण्डेलवाल, निवासी—सोवियों का प्रस्त, किशान पोल बाजाप, जयपुर।

(भन्तरक)

(2) श्री जिन्दा राम पुत्र श्री ताराचन्द सिंधी, निवासी-मकान नं 102, झालानियों का रास्सा, चौकड़ी तोपखानादेश, जयपुर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपंति के जर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की अविध या तत्सम्बर्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त का किता में से किसी व्यक्ति श्वार श्वार :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षिकरणः ----इसमें प्रयुक्त सब्दों अन्ति वदों का, वां उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

जन्स्यो

दुक्तान नं० 3. खन्दा मोदिखाना, स्थित, राजा उदयसिंह जी की हवेली के नीचे, अयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क० सं० 2760 दिनांक 14-11-1984 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में ग्रौर विस्तृत रूप से विवर्णित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण), द्यर्जन रेंज, अयपुर

लारीख: 18-7-1985

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वार्थ 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर अः (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1985

निषेश सं० राज०/सहा०श्रा०श्रर्जन/2600—श्रातः मुझे, मोहन सिंह,

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि रुध्यावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहे से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० ए 54 है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 17 नवम्बर, 1984

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बातिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया चचा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते अचने में सृजिधा के लिए; और/या
- (स) ए'सी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेजर रमेश नारायण माथुर पुल श्री जगवीश नारायण माथुर, निवासी — प्लाट नं० ए 54, मेजर शैतान सिंह कालोनी, बनी पार्क, जयपुर।

(मन्तरक)

(2) श्री हन्स राज परवाल पुत्र श्री गणेश नारायण परवाल, निवासी—बी 12, नई भनाज मण्डी, चान्दपोल, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक् किसी व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के प लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उ अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में ि गया है।

मन्त्रवी

प्लाट नं० ए 54 का माधा भाग, मेजर शैतान सिंह कालो जयपुर जो उन पंजियक, जयपुर द्वारा क० सं० 2748 दिनां 17-11-1984 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में भीर विस्तृत कप विवर्णित है।

> मोहन िं सक्षम प्राधिकारे सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण धर्जन रेंज, जयपु

तारीख: 18-7-1985

बोहर 🖫

प्रक्य नाइं ्र टी. एन् ्र एस्ट ॥ -- =

बायभर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

भर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1985

निवेश सं० राज सहायक आयुक्त अर्जन/2601---अतः मुझे मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिन्नकी मं० भावासीय मकान है तथा जो बीकानेर में स्थित है (भीर इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री क्रती भाधि तारी के कार्यालय, बीकानेर में, रजिस्ट्रीवरण भाधिनियम 1908 (1908 का 16) के भाधीन, तारीख 17 नवस्बर, 1984

कां पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक कम से कृथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बालत उक्त वार्य-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के निए; बाँड/यां
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्व-कर अधिनियम, या ध्व-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाता वासिए था, जियाने में सुनिया के फिए;

बतः वय, उकत विविनयम को धारा 269-म की वन्तरक में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री लक्ष्मीमारायण पुत्र श्री हनुमान दास जोधरी, निवासी तेलीपाड़ा, बीकानेर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित मीनादेबी पत्नि श्री धनराज सुनार, सुनारों की गवाड़, बीकानेर।

भन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त इध्योत्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस मूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वांभी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बक्थ किसी अन्य स्थावत स्वाय, अभोहस्ताकरी के पाष्ट सिक्ति में किए जा सकत्ये।

स्यव्दिकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत नियम के मध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस कथ्याय में दिया गया है।

वन्स्यो

भावासीय मकान स्थित मोहरून। छीपान, जोगनियों का चौक, बोकानेर जो उप पंजियक, बीकानेर द्वारा कर संर 2888/84 दिनोक 17-11-1984 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में भीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> भोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर् भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-7-1985

मोहर 🗯

अक्स जाई. टी. एन . एवं 🐰 नन्तनननन्त्रस्था

(1) मेसर्स रियाल इस्टेट।

(भ्रन्तरक)

श्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्थीन स्वका

(८) श्री शम्भूणाय सेन।

(अन्तरिती)

नाइट सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायकर (निरीकक) ग्राजैन रेंज-'I कलकत्ता

कलकता दिनांक 18 जुलाई, 1985

निर्वेश सं० ए० सी० 33 रेंज I-कलकता/1985-86---मनः, मुझे, शेखनई मुद्दीन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूँ), की भारा 269-व में अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थानर संपरित विसका उचित बाबार मुख्य

1,00,000/- रा. से **अधिक हैं**

म्रोर जिलकी सं० 87 है, तथा जो शरनचटर्जी रोड, कलक्ता-89 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत मनुसूची में ग्रीर पूर्णक्प से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता ग्रिधिकारी केकार्यालय, एस०ए० कलक्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 24-11-1984,

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान मितफल के लिए नन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्द सम्मतित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का बंदह प्रतिकृत से निध्क है और नंतरक (नंतरकों) और नंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे वंतरण के सिए तब माना चना प्रतिकृत कर निश्नितिया उच्चेदम से उनक मन्तरण किचित में वास्तिविक रूप से किचित महीं किया गमा है :---

- (क) बनारण वे हुई जिल्ली जान की बानक उपस अधिनियन के अधीन कर देने के बनारक दावित्य में कनी करने दा सत्तवे वचने में सुविधा के किए; सरि/या
- (क) ऐसी किसी जाय मा किसी धन या जन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय आयकार अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिवस, मा वन कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया करा या वा किया बाता वाहिए या, कियाओं में सुविका को सिए;

वतः वव, वयत विधिवयम की भारा 269-व की वनुवरन में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलखित व्यक्तियों, वर्धात् ः— को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त संपत्ति अर्थन के किस् कार्यवाहियां करता हो।

डनरा सम्बरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकायन की तारी कर 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर क्षाना की तानील से 30 दिन की बदिए, को भी अविध नाद के समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वो कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षादा;
- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति प्यारा वशोहस्ताक्षरी के पा-सिरीकत में किए जा सकेंगे।

स्वकाष्ट्रिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विस् मधा है।

अनुसूची

678.50 वर्ग फ़िट ब्लाट 87, घरत चटर्जी रोड, ब्लाट नं० 3/सी, कलकत्ता-89, थ.ना लेक टाउन में स्थित है।

दलील सं०-एस०भार०ए० कलकता का 1984 का माई० 14107।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, कलकसा

तारीख: 18-7-1985

महेत्र ३

प्रारूप आहुरं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्भनरेज-II, ्लकत्ता

कलकत्ता दिनांक 18 जुलाई 1985 निदेश सं० एकपू०/32 धार-II/85-86--धात मुझे, णेख नईमुड्डीन ,

तायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें सिकं पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 169- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी सं.

ण्यांर जित्तकी सं० 87 है तथा जो शरण चटर्जी रोड, कलकत्ता में प्रस्थित है (श्रीण इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप देसे विणित हैं), रिजिस्ट्री ति प्रधिकारों के कार्यालय एमा अर्था है (श्रीण इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप कि कार्यालय एमा अर्था है (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 24 नवम्बर 1984 हो पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमाब स्मारित के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमाब सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमाब सम्पत्ति का कारण है कि प्रथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित का निवास का निवास करने का कारण है कि प्रथमान प्रतिफल का निवास (अन्तरित्तों) के बीच एसे अन्तरण के निवास सम्पत्ति का निवास करने का कारण से किया पर से अन्तरण के निवास करने का कारण सिका उच्चेत्र से अक्त बालरण निवास वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है ■—

- (क) बन्तरण संहुइ किसी बाब की बाबत उक्त बिध-नियम के बधीन कर दोने के बंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में तुविधा के लिए; शौर/बा
- (च) ऐसी किसी आद या किसी थन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनिवम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, वा थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जम्म चाहिए था, धिमान में न्विधा में सिष्ट;

गतः वस, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण र्, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) विभिन्न निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं॰ रीयल एस्टेट

(अन्तरक)

(2) श्री॰ परेश नुमार शाह

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के भूजन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्द्धभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस सिखित में किए जा सकोंगे।

स्थण्डीकड्रमः — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पर्वो का, थी उथल् अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है.

नगुसूची

678.50 वर्ग फिट प्लाट 87, मरन चटर्जी रोड, प्ला नं०-1/सी, कलकत्ता-89, थाना-लेक टाउन में श्रव स्थित है।

वलील सं० एस०भार'०ए० कलकत्ता का 1984 का भाई। 14103।

> शेख तईपुदीन स्वाम प्राधिशारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भजेन रेंज-II, कल्लाका

तारीख: 18-7-1985

मोहर 🛭

प्रक्षम् कार्यः _पटीः, पुनः **व्य**ुन्न-पन्तन

आयकर दिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, महायक गयकर आगृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-XI, कल इत्ता

बल्बास्ता, दिनांश 18 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ए० सी० 31 रेंझ-II/ःलनक्ता/1985-86----झतः, मुझे, गोल नई मुद्दीन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरुवास करने का का करने का का करने का का करने का का करने कर करने का करने का करने का करने का करने का करने का करने कर करने कर करने कर करने कर करने कर करन

और जि की सं० 87 है, तथा जो शरत घट जी रोड, बला स्ता-89 में स्थित है (और इन्से उपाबड अनुसूची में और पूर्ण हप से वर्णित है), सी स्ट्रीनती प्रधिनारी के बार्याच्या, एस० प्रारं० ए० इस सा में, रजिल्ही रूण प्रधिनियम, 1908 (1908 वर्ग 16) के प्रधीन, तारीख 24-11-1984,

को पूर्विभित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान कितल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धह प्रतिवात अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्योध्य से उक्त अन्तरण निसित्त में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त आधानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/मा
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

(1) मेल्स ियान एस्टेट।

(भ्रन्तिरती)

(2) श्री राधा श्याम पोद्दार।

(ऋन्सरक्)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व सै 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो जन्म अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वीगा, जो जम अध्याय में विया गया है।

भ्रनुसूची'

678.50 वर्ग फिट प्लाट 87, शरत चटर्जी रोड प्लाट नं० 2/नि, कलकत्ता-69, थाना-लेड टाउन में स्थित है। वलीज सं०--एस० आर० ए० अलकत्ता का 1984 का आई० 14106।

> शेख नई मुद्दीन, सक्षम प्राधिनारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-II, कलक्षा

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 18-7-1985

मोहर 🖫

प्रकप वाइं.टी.एन.एस.-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

अवस्थित, सहायक धावकर धावुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II कलशत्ता व ल ्ताः, दिनां ः 18 जुलाई 1985 निदेश सं० ए० सीं०-30-रेंज-ां/्ल:्ता/1985-86०० श्रतः, मुझे, मुखनईमुदीनं,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित नाजार कृष्ट 1,00,000/~ रा. से अधिक हैं

कोर जि.की मं० 87 है तथा जो गात चट भी रोड, जल भत्ता-89 में स्थित है (ऑट इ.से उनावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्द्द्री स्विधारी के वार्यालय, एट ब्रास्ट ए० टक्ट स्ता, में रिजर्द्द्री रूपण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-11-1984.

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अभे यह विख्वास करने का कारण है कि यथायूवाँक्त संपत्ति का उचित बाजार भूक्य, शसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकाँ) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण खे लिए स्य पाया गया प्रतिक स्मानिकित विद्वार ये उक्त बन्तरण कि खिल में वास्त्र कर कर ये परिश्न पट्टी किया स्वा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियंत्र में अधीय कर दोने के सन्तरक के दायित्व में कनी करने या उखचे क्यमें में सुविधा के निए, बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) वा उक्त अधिनियम, बा धन कर अधिनियम, बा धन कर अधिनियम, बा धन कर अधिनियम, वा धन कर वा धन वा

(1) मेनसं ियाल एस्टेट।

(भग्तरक)

(2) श्री धरूण कुमार मुखर्जी।

(अन्तरिती)

का यह तुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कर्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस स्वाना के राजणक में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के बाद विविद्य में किए बा सकेंने।

ज्यस्टीकरण:--इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, को जनक सिंगियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यया हैं।

वगसची

761,50 वर्ग फिट प्याट 87, भारत जटर्जी रोड, प्लाट नंव 3ए, राज्यक्ता-89, थाला-लेक द्वाउन में स्थित है। प्रतील संव-एयव भारव एवं वालकत्ता वा 1984 का आई 14105।

> शेख नई मुद्दींन सक्षम प्राधिवारी सेद्दायक प्रायक्ष्य प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेज-II, कलकक्ता

तारीङ : 18-7-1985

प्रकृष बाह्" . टी . एन . एस . ------

नाथकार जांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) ने अधीन स्वता

बारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-॥ इसक्ता

बलकत्ता, दिनां: 18 जुलाई 1985

निवेश सं० ए० सी०-29 रेंज/-।।/ःशन्सा/1985-86 श्रतः मुझे, शेखईमुद्दीन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का खारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उधित गाजार मृल्य 3,00,000/-रा. से अधिक है

और जि की सं० 87 है, तथ, जो गरत घटर्जी रोड, इल इस्त.-89 में स्थित है (और इपसे उपायद यनुसूची में और पूर्णक्ष से विभा है), प्रजिस्ट्रीकर्ता प्रति गरी के कार्याच्य एं र० कार्य ए० कलक्षा में जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के प्रधीन, तारीख 24-11-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की पह है और मुफ्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पस्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नितिबित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निविध में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में म्यिधा के लिए; और/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिया को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के असोक्रमार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान मासिया के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात ----

(1) में सर्व रियाल एस्टेट।

(भन्तरकः)

(2) मिस देविका नारायन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके प्यॉक्त स्पत्ति के गर्थन के लिए। कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप:~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की खारीज से 45 दिन की धक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्ति या पर सूचना की वामील से 30 दिन की धक्ति; जो ी धक्ति बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में सिवान व्यक्ति दारा।
- (भा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:----६स में प्रयुक्त काक्यों और पर्यों का, जो जनक अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूचीं

761,50 वर्ग फिट प्लाट 87, शन्त चटर्जी सोड, का सा-89, प्लाट नं 2-ए, थाना ले े टाईन में अब स्थित है।

दतील सं०-एस० भार० ए० कला का 1984 का भारि-14104 ।

> योख नईमुद्दीन मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुषत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-। कलकता

नारीख: 18-7-1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 19 जुलाई 1985

निदेश सं० 1852/एक्बी० श्रार-।।।/85-86---- ग्रतः मुझे, शंकर बनर्जी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 180 एक्वी है तथा जो एस बिहारी एवेन्यु, कलकता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई०ए०सी० एक्वी आर/।।।, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्हरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंदरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथिय नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (†) के अभीन निम्नतिचित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैं धार कार एण्ड एसोसिएट्स।
- (ग्रन्सरक)
- (2) श्री प्रवीन दुश्या।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षाप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति य्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगत्त्वी

फ्लैट नं०डी-3 क्षेत्र—1039 वर्गफिट। 37ईई फार्म मनुसार निबन्ध हमा।

> णंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारी**ण :** 19-7-1985 मोहर !

प्रकप नाई. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्मान

भारत सरकात

कार्याज्ञ , सहायक जायकर बाय्क्स (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनोक 5 जुलाई, 1985

निवेश सं ० हिसार/ 70/84-85--- श्रतः मुझे, एस०के० शर्मा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे ६समें ६सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० प्लाट नं० 2,29-1/2 80 है तथा जो स्टेट बैंक कालोनी, हिसार में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, हिसार में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 9-11-1984

को पूर्वा क्षत संप्रित के उचित बाजार मृस्य से कम के रूपमान प्रतिफल है लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार बृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्निचित्रत उद्यंक में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अस्पारक ज दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी शाय या किसी धन या खन्य जास्तिया करों, जिन्हुं भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर खिमियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

नतः भव, उक्त निभृतिनम् की भारा 269-ण के अनुसरक में, में उक्त निभित्तियम को भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीत निम्नीटिचिट स्थिन्त्यों, निर्णत्— (1) श्री देण राज भ्राहूजा पुत्न श्री हामि राय, नियासी:—स्टेट बैंक कालोनी हिसार (हाल 1404-न्यू० हाउसिंग बीर्ड कालोनी, पानीपत जिला—करनाल) ।

भन्तरक)

(2) श्रीमित उथा मूं गिया परिन प्याम सुन्दर मूं गिया मकान नं 2, स्टेट बैंक कालोनी, दिल्लो रोड, हिसार।

(भ्रन्तरितो)

की यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त क्ष्मित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

उनत संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप --

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन् की सर्वाच सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अवधि, को भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेषत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राव्यन में प्रकारन की तारीय वें 45 दिन के धीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनव्य किसी मृत्य अमित द्वारा नृशोहस्ताकारी के नाव चित्रका में किए वा सकतें ।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यापित्यम्, से बध्याम् 20-क में परिभाषित इ. बही वर्ष होगा, जो उस् अध्याय में विका व्याप्त हैं.

प्रमुखी

सम्पत्ति प्लाट नं० 2 माप 29-1/2 80, जो कि स्टेट बैंक कालोनो, हिसार में स्थित है जितका श्रीवक विवरण, रजिस्ट्रोकर्ता के कार्यालय हिसार में रजिस्ट्री सं० 3809 दिनांक 9-11-84 पर दिया है।

> एस० के० भर्मा सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक **ग्रा**यकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजनरेंज, रोहतक

सारीख: 5-7-198**5**

ष्ट्य बाह्र . टी एम . एस . -----

बाब्कर किप्नियम, 1961 (1961 का 43) की वाउप 269-घ (1) के सधीन सुवना

शारद स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश सं विसार/75/84-85-अतः मुझे, एसव केव शर्मा,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 36 कनाल 3 मी० है तथा जो गांव मायर लह० हिसार में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसारमें रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-11-1984,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के इश्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्विक्त संपत्ति को उधित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहूं प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिक्का, निम्नलिखित उद्वेशय से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप सं कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त आभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्याने में सुविधा के लिए आदि/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया आनी चाहिए था किपान में स्विभा के सिक्;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् (---- (1) श्री चन्वगी राम पुत्र हरीराम पुत्र तेखा, निवासी-भायर, तह०-हिसार।

(भ्रन्तरक)

(2) मेससं एम० पी० काटन टेक्सटाइल मिल्स लि०, हिसार।

(पन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकेंगे।

310.0

सम्पत्ति भूमि 36 कनाल 3 मरले जो कि गांव मायर, तह० हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार में रिजस्ट्री सं० 3984 दिनांक 23-11-1984 पर दिया गया है।

एस० के० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रें ज, रोहलक

तारीख: 5-7-985

प्रकर्प आहाँ, टी. एन. एस्.-----

शायकर वीभिनियम, 1961 (1961 का 43) कॉं वारा 269-व (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश सं० सोनीपत/89/84-85----म्रतः मुझे, एस० के० शर्मा,

भागकर भाषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 259-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से बाधिक हैं

ग्रीर जिसकी मक्तान नं० 569की-2 है तथा जो सारंग गुरूद्वारा रोड, सोनीपत में रिथत है (श्रीर इससे उपायड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण का से विणित है), रजिल्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सोनोगत में रजिल्ट्रोकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908का 16) के ग्रधीन, तारीख 12-11-1984, रजि सं० 3429

की पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयंगान पितफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल, से ऐसे स्वयंगान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकार्गे) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया एका प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बंतरण से हुइ किती बाव की वावत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अतरक के बार्टियल में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय मा किसी भन या अस्य आस्तिय को जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 के 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः जव, उक्त अधिनियम की भारा 269-न कें, वमुकरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निप्तिलिखत, व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री रिवन्द्र लाल पुत्र श्री गोबिन्ट लाल द्वारा टेलीफोन एक्सचेन्ज सोनीपत। श्रीमित पार्वती देवी, श्री सुरेन्द्र कुमार, वेद प्रकाश, राजकुमारी, सुदेश कुमारी उर्मिला रानी, निवासी—सोनीपत।

(मन्तरक)

(2) श्री शीतल कुमार चड्डा पुत्र श्री जैराम पुत्र श्री मदन लाल, निवासी—जी०टी० रोड, फगवाड़ा (पंजाव)। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ब्रनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 569 बी-2 जो सारंग गुरूद्वारा रोड, सोनीपत में स्थित है जिसका प्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि-कारी के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्री सं० 3429 विनाक 12-11-1984 पर दिया है।

> एस० के० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, रोष्टतक

तारीख: 5-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारी 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं ० पानीपत/104/84-85--यतः, मुझे, केन्द्रीय एस० के० शर्मा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विशास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं ग्रीर ग्रीर जिनकी संग्य महराना है, तथा जिसकी संग्य कनाल 3 मरले हैं, तथा में स्थित हैं (इससे उपाबद अनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है),

में स्थित है (इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28 नवम्बर 1984 को रिजस्ट्रेशन संब 4179

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

 श्री इकबाल चन्द, पुत्र चिरंजीलाल निवासी—844 भरबन ईस्टेट करनाल

(ग्रन्तरक)

 श्रो जै रामगुत्र श्रा प्रमू राम निवासो — - गांव प्रराता, तहसील — - करनाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां १-रू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखितः में किए जा सकोंगे।

स्मव्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याग 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याग में दिया गया है।

अनुसूची

सम्बक्ति भूमि 37 कनाल 3 मरले जो कि गांव महराना में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कथार्यालय पानीपत में रजिस्ट्री संख्या 4179 दिनांक 28-11-1984 पर दिया है।

> एस० के० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थास् :--

तारीख: 4-7-1985

प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, पिनांक 5 जुलाई 1985 श सं० पानीपत/100/84-85—यतः, मुझे,

≝एस० के० शर्मा, केन्द्रीय सरकार द्वारा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचाह 'उद्यत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2'69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- एत. से अधिक ह²

म्रोर जिसकी सं० प्लाट 1112 वर्ग गज है, जो कि मझल टाउन पानीपत में स्थित है (म्रोर इससे उपाबक्ष अनुसूची में म्रोर पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, सारीख 28 नयम्बर 1984 रजिस्ट्रीकान नं० 4155

तारीख 28 नवम्बर 1984 रिजस्ट्रेशन न० 4155
को पूर्विक्त संपत्ति के उधित वाबार मृत्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि गथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार
मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के तीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उध्योश से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के शधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उग्नस बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैनेजिंग कमेटी इन्द्रभान लाइया भाव हाई/हायर सकेन्द्री स्कूल पानीवत द्वारा राम किशन गान्धारि पुत्र श्री फलेचन्द्र उप प्रधान

(भ्रन्तरक)

 श्री लालचन्द गर्ग पुत्र श्री नवल कशोर निवासी—-ग्रयन्ध रोड पानीपत

(मन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, औं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिकिए में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याग 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याग में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट 1112 वर्ग गज जो कि माडल टाउन पानीपत में स्थित है जितका स्रविक विवरण रिजास्ट्रीकर्ता के कार्याजय पानोग्त में रिजिस्ट्री सं० 4155 विजाक 8-11-84 पर दिया है।

> एस० कै० गर्मा सक्षम प्राधिकारी स**हायक भाय**कर घ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, **रोह**तक

तारीख: 5-7-1985

प्रकृष आहु^र , टी , एस , प्रस , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक अज्लाई 1985

निर्देश सं० पानीपत/97/84-85—^{—य}तः, मुझे, एस० के० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें परसात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्शाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मन्य

1,00,000/- रह. में अधिक है

स्रौर जिनकी सं भूमि 80 कनाल 16 मरने हैं, तथा जो गांव जाटौल में स्थित है (स्रौर इसमें उपाद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, पानोपन में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 14 नवस्वर 1984 रजिस्ट्रोगन सं 3799

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के द्रश्मान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रशापनीकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्माग प्रतिफल से, एमें द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्षत अन्तरण निस्तित में वास्तिवक रूप में कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सृष्टिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयुकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यिक्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्लिएने में स्विधा के लिए।

श्री दुर्गीदास पुत्र गोलू, ईण्वर दास जैन प्रकाण श्रिनिल कुमार पुत्रान हुकम चन्द,
 निवासी—गांव जाटौल

(भ्रन्तरक)

2. श्री बोध राज पुस्न हेमराज पुत्र निहाल चन्द्र निवासी—63 माडल टाउन, जालन्धर (पंजाब) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां इ-म्ब् करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जर के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन की अविधि या तत्सेबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी शर्घाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पाम निष्तिः में किए जा सकोगे।

स्पष्टिकरण:---इसमे- प्रयुक्त गन्दौं और पदौं या, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 80 कनाल 16 मरले जो कि गांव जाटोल में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रजिस्ट्री सं० 3799 दिनांक 4-11-84 पर दिया है।

एस० के० शर्मा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहनक

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथित्:—— 4—196GI[85

नारीख: 4-7-1985

माहर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ছ (1) के अधीर मुख्या

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहनक

रोहतक, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं० पानीपत 103/84-85—स्यतः, मुझे, एस० के० शर्मा शरकः अभिनियम 1061 (1061 का 42) फिस्से दस्से

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित राजार प्रत्य

1,00,000/- रड. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 15 कनाल 12 मरले हैं, तथा जो गांव महराना में स्थित हैं (श्रीर इससे उशाबब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, पानीपन में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 25- नवस्वर, 1984 रजिस्ट्रेशन नं० 4178 को पूर्वोक्त संगत्ति के उचित बाउर सूल्य से कम के हरणान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुझे यह निव्दास करने का कारण हैं कि राध्यपूर्वोक्त गंपित का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्थमान प्रतिफल सं, एमें इच्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उच्च अन्तरण कि कि सं यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदन अधिनियम, या धनक्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में स्थिधा के लिए।
- अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुरूपण मो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 209-ध की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री इकबाल चन्द्र पुत्र चिरंजीलाल, निवासी---844 अरवन ईस्टेट करनाल (अन्तरक)
- श्रीमती पानपोरी पत्नी श्री रामभज, निवासी --गांव जाटोल, तह्मील पानीपन (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संशंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सहाफ होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में में किसी लाकित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विस्थित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याग 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूकी

ाम्पत्ति भूमि 15 कनाल 12 मण्ले है जो कि गांव महराना में स्थित है जिसका श्रिबिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानोपत में रजिस्ट्री सं० 4178 दिनांक 25-11-84पर दिया है।

> एस० के० धर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, रोहतक

तारीखा : 4-7-1985

नाहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, रोहनक

रोहतक, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० पानीपत/105/84-85-----ग्रतः मुझे, एस० के० गर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मल्य

1,00,000/- रह. में अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० गांव जाटौल तहसील पानीपत पर स्थित भूमि 20 के० 7 में० संख्या वाली, एक लाख रू० में ग्रिधिक के उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पति (जिसका और स्रिधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया हं) को, जिसका अन्तरण (ट्रांस्फर) और रजिस्ट्रेगिन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के पानीपत स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन 28-11-1984 तारीख को रजिस्ट्रेगिन मं० 4180

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मंकमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री इकबाल चन्द पुत्र चिरंजीलाल, निवासी-844, श्ररबन ईस्टेट, करनाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री संजय कुमार पुत्र रामभज, निवासी-गांव जाटोल, तहसील पानीपत । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जर के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- जद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विया गया है।

अनुसची

सम्पत्ति भूमि 20 कनाल 7 मरले जो कि गांव जाटौल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत में रिजस्ट्री संख्या 4180 दिनांक 28-11-84 पर दिया है।

एस०के० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

तारीख: 4-7-1985

महिर् :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० करनाल/131/84-85--श्रतः मुझे, एस०के० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फेन्ड्स कालोनी करनाल पर स्थित मकान नं० 64 संख्या वाली, एक लाख रु० से ग्रिधिक के उचित बाजार मूल्य वाली श्रचल सम्पति (जिसका भ्रौर ग्रिधिक विवरण नीचे श्रनुसूची में दिया गया है को, जिसका श्रवतरण (ट्रांसफर) ग्रौर रिजस्ट्रेशन, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के करनाल स्थित कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 30-11-1984 नारीख को रिजस्ट्रीशन सं० 6851 के

को पूर्विकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एमें स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती सुशमा गुप्ता पत्नी विजय कुमार पुत्न राम किशनदास गुप्ता, निवासी वेदी निवास, रमेश नगर करनाल।

(श्रन्तरक)

(2) श्री हरभजन सिंह पुत्र निहाल सिंह, निवासी-म०नं० 15 प्रेम नगर, करनाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्जन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 64 जो कि फ्रेन्ड्स कालोनी कैथल रोड करनाल पर स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्री कर्ता के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री संख्या 6851, दिनांक 30-11-1984 पर दिया है।

> एस० के० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 4-7-1985

प्रस्मा बाइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-६ (1) के बनीन सुचना

भारत सरकार

भायांत्य, सहायक भायकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 जून 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/14131/84-85—ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

ग्रौर जिसकी सं० 302 वी, तीमरी मंजिल, ब्रीज, 4 बंगलोस, ग्रोणिवरा, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई -400058 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 3-11-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिला बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के अच्च एपं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्येश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से जिथान नहीं किया गया वर्ष प्रतिक रूप से जिथान नहीं किया गया वर्ष प्रतिक

- (क) बन्दर मंत्रण एकसी बाग है। बावह, उक्त बीधनियम के शधीन कर दोने के अन्तरक के अधित्य में कमी करने या उससे उचने में स्विधा के लिए: ब्रीर/या
- (क) एमं किसी लाय का किसी घर का अस्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण धा के कि अधिकार अधिकार का का का किया मा स्विधा के निहा;

बत: बब. उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, दिस्तिलिक्षण व्यक्तियों, अर्थात् :— 20—216GI/85

(1) मेसर्स रविराज बिल्डर्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बिपिन कुमार जैन/सुनीता बी० जैन (ग्रन्तरिती)

को यह स्पना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति को अर्बन को सम्बन्ध को काई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख । 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पक्ति में हितनद्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

ग्रनुसूची

"फ्लैंट सं० 302 बी, जो तीसरी मंजिल, ब्रीज, प्लाट सं० 25, एस० सं० 41 (पार्ट), 4 बंगलोस स्रोशिवरा, वर्सीवा, स्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कं श्रई-2/37ईई/14131/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1984 को रिजिप्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 27-6-1985

मोहर

्रका बाहर्ष की **एन एस. ----**-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 263 व (1) के अध्य मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक दिनांक 1 जुलाई 1985 निदेश सं० गुड़गांव/548/84-85—श्रतः मुझे, एस०के० शर्मा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० गांव चादू पर स्थित भूमि 38 कनाल 7 मरले की संख्या वाली, एक लाख रु० से ग्रीधक के उचित बाजार मूल्य वाली ग्रचल सम्पति (जिसका ग्रीर ग्रीधक विवरण नीचे श्रनुसूची में दिया गया है को, जिसका भ्रन्तरण (ट्रांसफर) ग्रीर रिजस्ट्रेशन, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय ; रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन 16-11-1984 तारीख

को पूर्वा केत सम्पत्ति के उचित बाजार शृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्वास्त का गई हा आर मुफ्ते यह विश्वास करने का प्रमालन हो का स्थापूर्वायत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल का प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत सं आवक हा आर अन्तरक (अन्तरकों) जारे भन्तरित (अतर्रित्या) क बीच एस अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिंखत उद्दास्य सं उचित अन्तरण निचित में बास्तिक रूप सं किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वावत, उक्त अभिनियस के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे अचने में सुविधाय के लिए; और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिश्म, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, धक्त अधिनियम की धारा 269-गी की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अयिक्तयों, अर्थात् :—

- (1) श्री करनवर सिंह पुत्र फूल सिंह उर्फ हर फूल पुत्र खूबी, निवासी चांदू, तहसील व जिला-गुड़गांव। (अन्तरक)
 - (2) सर्व श्री ए०एल० ध्ररोरा पुत्न देशराज पुत्न करमचन्द, वीरावाली विधवा हुकम चन्द्र बग्गा रघुनाथ राय गोवर पुत्न बूटा राम, निवासी-15/42, पंजाबी बाग, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपात में प्रकाशन को तारीस स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवास;
- (क) इस सूचना कं राजपत्र ने अकाशन की तारोछ स 45 दिन कं भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरां के पाउ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वय्डोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है वहीं वर्ष होंगा, जो तम अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

सम्पत्ति भूमि 38 कनाल 7 मरले जो कि चांदू गांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री कर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 6418 दिनांक 16/11/84 पर दिया है।

एस०के० शर्मा मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

सारीख: 1-7-1985

वक्य सहा दी. एवं. एकं. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहनक

रोहतक, दिनांक 1 जुलाई 1985

निदेश सं० गुड़गांव/542/84-85—ग्रतः मुझे, एस०के० शर्मा

भायकर श्रीधिनियम, 1061 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रचात 'चक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० गांव फारुख नगर पर स्थित भृमि 28 कनाल सं० वाली, एक लाख रु० से श्रिधिक के उचित बाजार मूल्य वाली श्रवल सम्पति (जिसका श्रीर श्रिधिक विवरण नीचे श्रनुसूची में दिया गया है को, जिसका श्रन्तरण (ट्रांसफर) श्रीर रिजस्ट्रेशन, रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधिकारी के गुडगांव स्थित कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) 269 के श्रिधीन 12-11-1984 तारीख को (रिजस्ट्रेशन सं० 633)

को पूर्वेक्ति समाहित है ए.जित वाचार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वेक्त सम्मित्त का जीवत बाबार बूक्व, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्तह गतिकत में अभिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतिपितिवों) के बीच एंटे सन्तर्भ के निए तम नाम नम प्रतिक कक्ष पिक्निमिश्च उन्देश्य में उथत अंकरण दिस्का में धारतिक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) गन्तरण सं हा**इं किन्दे आय की बाबत अवस लीय-**नियम के अधीन कार दाने के अंतरक के दायित्व में कार्या कारने या प्रथमें जानने में प्रविका के लिए कीद्र/या
- (स) लागे वंत्रकी प्राप्त ल लिखती सब या बण्य वारिस्कृषी को विकास व्याप्ति आधिकार अधिनियम, 1922 (1922 के. लि.) ए तक्त माभिनियम, या भन्य कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया स्वाध्या के तथा किया का वालिए भा, कियाने में सुविधा की लिए;

अत. अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (१) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्धात :----

- (1) श्री णिव कुमार पुत्न निरमल दाम ढाला राम, निवासी-फारुख नगर, तहसील गुडगांव। (न्त रक)
- (2) सर्वश्री मीर मिह, ड्गर मिह, कनवर लाल, विशम्बर दयाल मेहर चन्द्र पुत्रान बनवारी लाल, राम पाल, जे नारायण, कुलजीत सिंह, पुत्रान करन सिंह, निवासी-चकरपुर, तहसील-गुडगांव।

(श्रन्तरिती)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्कत के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्स संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अधिध था तत्मंबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील में 30 दिन की अधिभ, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति आगेहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, बही कर्ष हांगा जो उस अध्याय में किया गया हैं!

अन्स् ची

सम्पत्ति भूमि 28 कनाल जो कि गांव फारुख नगर में स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 6331 दिनांक 12-11-84 पर दिया है।

एस० के० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारी**ख: 1-**7-1985

मां**हर** अ

प्ररूप बाइं.टी. एन. एत. ------

राशक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के सभीन स्चना

भारत सहकार

धार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निड्रीक्रक)

श्रजन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक । जुलाई 1985

निदेश सं० गुडगांव/544/84-85—श्रतः मुझे, एस०के० शर्मा

नायकर निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इतमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिन्नियम' कहा गया है), की धार 269-ज के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से निभक्त है

श्रौर जिसकी मं० गांव फारुख नगर पर स्थित भूमि 56 कनाल वाली, एक लाख रु० से ग्रधिक के उचित बाजार मूल्य वाली श्रचल सम्पति (जिसका श्रौर श्रधिक विवरण नीचे ग्रनुसूची में दिया गया है) को, जिसका ग्रनंतरण (ट्रांसफर) श्रौर रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के गुडगांव स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 12-11-84 तारीख रजिस्ट्रेशन मं० 6334

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके इस्यबान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रक्षिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितिकाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्निलिसित उद्दोष्ट्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक करण स काधन नहीं किया गया है .—

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आव की वाबत, उक्त जीभीनयम को जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसने वचने में बुविचा के जिए; और/वा
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर सिधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अर्थिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया स्या धा वा किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः वस उक्त किंभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यव्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री सतीश कुमार पुत्र निर्मल दास, निवासी-गाव फारुख नगर, तहसील व जिला-गुड़गांव।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) सर्वश्री बीर सिंह पुत्र इंगर सिंह, कनवर लाल विशम्बर दयाल, मेहण्चन्द्र पुद्रान बनवारी लाल, रामपाल जयनरायण, कुलदीप सिंह पुद्रान धर्म सिंह, निवासी-चकरपुर, तहसील व जिला-गुड़गांव। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हुं।

उक्त.सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच डैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्धों और पर्वो का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्यी

सम्पत्ति भृमि 56 कनाल जो कि गांव फारुख नगर में स्थित है, निसका श्रिधिक जिवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 6332, दिनांक 12-11-84 पर दिया है।

> एस० के० शर्मा मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

नारीख: 1-7-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्याराख, सहायक **बायकर वायुक्त (निरक्षिण)** श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 जुलाई 1985

निर्देश सं० गुड़गांव/541/84-85—श्रतः, मुझे, एस०के० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं . १ रथावर सम्पत्ति, जिसका अचित वाजार मृख्य 1,00,000/-रा. में अधिक हैं

यौर जिसकी सं है नथा जो गांव फारुख नगर पर स्थित है, (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय गुडगांव में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 12-11-1984 तारीख को रिजस्ट्रेशन सं 6330

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को स्वयमान प्रिपिणल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्याक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) को बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण सिखित जें बास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दैने को अंतरक को बायित्य में कामी कारने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/धा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भे, प्रैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्री अधीर निम्मिनिवित व्यक्तियों, अधीत रूक् 5 —196GI|85 (1) श्री श्रर्जन बास पुत्र निरमल दास, निवासी-गांव-फारुख नगर, नहसील गुडगांव।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री मीरसिंह पुत्र डूंगर सिंह, कनवर लाल, विशम्बर दयाल मेहर चन्द पुत्रान बनवारीलाल, राम पाल जैनारायण, कुलदीय सिंह पुत्रान धरम सिंह, गांव चकर पुर, तहमील व जिला गुडगांव।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उन्द सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो औ अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (श) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, स्थाहस्ताक्षरी के पास गया है।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, यही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय भी दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 52 कनाल जो कि गांव फारुख नगर में स्थित है, जिसका प्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 6330, दिनांक 12-11-84 पर दिया है।

एस० के० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारी**ख**: 1-7-1985

क्**रूप बार्ष**ं हो .एन .एस . ------ (1) श्रीतिलक राज प्रव निरमल दास.

बायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन स्वना

नारत सरकार

कामतिय, सङ्घायक जायकर जायकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 जुलाई 1985

निर्देश सं० गुडगांव/543/84-85--श्रतः, मुझे, एस०के० शर्मा

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), अर्थ भाग 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी जो, यह विज्याभ करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उनित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

गीर जिसकी सं० भूमि 48 कनाल है तथा जो गांव फारुख नगर में स्थित है, (श्रीर इपेप उपाबद्ध श्रनुमूची में पूर्ण रूप में विण्त है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ट्रीकरण श्रीक्षितमा 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-11-1984 तारीख को रिजस्ट्रेणन सं० 6332 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे इध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से बाधिक है और बंतरित (जंतरकों) और बंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित के बास्तिविक रूप से किंशत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाब की सस्वतः, उक्त बीधनियत के बंधीय कर दोने के बन्तरक हैं शिवरण के की करने वा उत्तत्ते स्थान के सुविधा के निष्: बीर/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

बत: इब, उबत अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में वबत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत, निम्नलिखिए व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीतिलक राज पुत्र निरमल दास, गांव-फारुख नगर, तहमील, जिला-गुडगांव।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री मीर सिंह पुत्न डूंगर सिंह, कनवर लाल, विणम्बर दयाल, मेहर घन्द्र पुत्नान बनवारी लाल, राम पाल, जय नारायण कुलदीप सिंह पुत्नान धरम सिंह, निवासी चकरपुर, तहसील व जिला गुडगांव।

(भ्रन्तरिती)

की वह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के जर्बन के किस कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीदर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त कृष्यों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गवा है।

धनुस्ची

सम्पत्ति भूमि 48 कनाल जो कि गांव फारुख नगर में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 6332 दिनांक 12-11 1984 पर दिया है।

एस० के० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, रोहतक

तारीख: 1-7-1985

प्रक्रमः, बाह्रं, टी. एन, एस्,------

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269 म (1) के बभीन मुभना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 जुलाई 1985

निर्देश सं० गुडगांव/552/84-85---श्रतः मुझे, एस०के० शर्मा

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गृहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

और जिसकी संख्या गांव फारुख

नगर पर स्थित भूमि 48 कनाल वाली, एक लाख रु० से प्रधिक के उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका ग्रीर ग्रिधिक विवरण नीचे प्रनुसूची में दिया गया है को, जिलका अन्तरण (ट्रांसफर) ग्रीर रजिल्द्रेशन, र्राजस्ट्री-फर्ता अधिकारो के गुडकाव स्थित कार्यालय में रजिल्ट्रेशकरण ग्रिधिनियम 1908(1908 का 16) के प्रधीन 26-11-1984 तारीख (रजिल्ट्रेशन सं० 6527)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के स्वयमान अतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल सं, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्वरेष ने उक्त बंतरण जिल्हित् में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आध की बादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर को कन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससे दक्षने में मृविधा के लिए; बार/या
- (स) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकः अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या क्रिया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः वष उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) कं वधीन, निकालिकित व्यक्तियों, वर्धात् ः—— (1) श्री कुलदीप सिंह पुत्र निरमल दास, निवासी-गांव-फारुख नगर, तहसील-जिला-गुड़गांव।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्रो मोर सिंह पुत्र डुंगर सिंह, कनवर लाल विसम्बर दयाल, मेहरचन्द पुत्रान वनवारी लाल, रामपाल, जय नरायन, कुलदीप सिंह पुत्रान धर्म सिंह, निवासी-चक्करपुर, तहसील-जिला-गुडगांव।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काहे भी आक्षेप है--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 विन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति रा
- (क) इस स्वना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मी हिंह-कव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयाक्त शक्ती और पर्दों का, जो अकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रा है।

श्रनुसूची

सम्पत्ति भूमि 48 कनाल जो कि गांव फारुख नगर में स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण रिजिस्ट्रीकर्ती के कार्यालय गुडगांव में रिजिस्ट्री संख्या 6527 दिनांक 26-11-84 पर दिया है।

एस० के० णर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन २न, रोहतक

तारीख: 1-7-1985

भक्त काई. टी. एन. ए**स**. ------

आपकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-घ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं० फरीदाबाद/19/84-85---श्रन: मुझे, एस० के० शर्मा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विड इसने इसने पश्चात 'स्वत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उदित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मथुरा रोड फरीदाबाद पर स्थित भूमि 14 क० 19 म० वाली, एक लाख रु० से ग्रधिक के उचित बाजार मूल्य वाली श्रचल सम्पति हैं (जिसका श्रीर श्रधिक विवरण नीचे श्रनुसूची में दिया गया हैं) को, जिसका श्रम्तरण (ट्रांस्फर) श्रीर रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रोक्ता श्रिधकारी के फरीदाबाद स्थित कार्यालय म रजिस्ट्रोकरण श्रिधिनयम 1908(1908 का 16) के श्रधीन 19-11-1984 तारीख (रजिस्ट्रेशन सं० 1171)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के टिनित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निग्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है *---

- (क) अन्तरण के हुए किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीर कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उन्नसं अपने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

सता अब उत्तर मधिनियम की भारा 269-ग के बन्दरक में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) दे बभीन, निम्निसिवत व्यक्तियों, क्यांत इ— (1) में भर्स जनरल रबर कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, 14/6 माइल स्टोन मथुरा रोड, फर्रादाबाद, द्वारा मैंनेजिंग डाइरेक्टर श्री के०एल० मनहोत्ना पुत्र लाजपत राय, निवासी-18 बीरबल रोड, जंगपुरा, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

(2) श्री कमलकुमार श्रग्रवाल पुत्र शिवलाल श्रग्रवाल, श्री विजयकुमार श्रग्रवाल पुत्र शिवलाल श्रग्रवाल, श्री पवन कुमार श्रग्रवाल, निवासी(-13/9, पंजाबी बाग (ईस्ट) नई दिल्ली-26।

(भ्रन्तरिती)

का गह स्वना जारी करके पूर्वों कर सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सञ्चिति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी के सं 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पद स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीरी।

स्वव्योकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिपियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

लम्पत्ति भूमि 14 कनाल 19 मरले, जोकि मथुरा रोड फरीदाबाद में स्थित है, जितका अधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्ता के कार्यालय फरीदाबाद में रजिस्ट्री संख्या 1171 दिनांक 19-11-84 पर दिया है।

> एस०के० धर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, रोहतक

तारीख: 4-7-1985

प्ररूप आर्द्द.टी.एन.एस. -----

आयश्वर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहन ह, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० फरीदाबाव, 6/1984--85---अतः मुझे, एस० के० शर्मा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं जाट 1059 वर्ग गज फरीदाबाद पर स्थित बाली, एक लाख र से ग्रीधक के उचित बाजार मूल्य वाली प्रजल सम्पति (जिसका प्रौर ग्रीधक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को, जिसका ग्रान्तरण (ट्रांरफर) प्रौर रिजस्ट्रेशन, रिजस्ट्रोक्ती प्रिधकारी के फरीदाबाद स्थित कार्यालय में रिजस्ट्रोकरण ग्रीधिनियम 1908(1908 का 16) के ग्रिधीन 19-11-1984, तारीख (रिजस्ट्रेशन सं 1153)

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विध्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त जन्तरण निक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाम की बाबत, उचत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

वत: अस, उक्त बिनिनयम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नणिकित व्यक्तिएलों, अर्थात् :---

- 1. डा० धार० के० सूद पुत्र प्यारे लाल निवासी सम्हन्द। (अन्तरक)
 - (2) श्री ग्रोमप्रकाण चावला पुत्र श्री धरम सिंह, डा० श्रेशोक चावला पुत्र श्रोमप्रकाश, निवासी-श्राई०ए०/44, एन०श्राई०टी० फरीदाबाद।

(श्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परिध के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियों जा सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

नम्म ची

सम्पत्ति प्लाट माप 1059 वर्ग गज जो कि सैक्टर 11 फरीदाबाद में स्थित है, जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्ना के कार्यालय फरीदाबाद में रजिस्ट्री संख्या 1153 दिनांक 19-11-84 पर दिया है।

> एस० के० धर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 5-7-1985

वोहर 📱

प्रकृप बार्ड, ही, एत्, एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारो 269-ध (1) के अधीन स्थाना

गारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० फरीदाबाद/7/84-85—-श्रतः मृझे, एस० के० शर्मा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० गांव मेवला महाराजपुर पर स्थित 11 कनाल 13 म० सं० वाली, एक लाख रु० से स्रिधिक के उचित बाजार मूल्य वाली स्रचल सम्पति (जिसका भीर स्रिधिक विवरण नीचे भनुसूची में दिया गया है) की, जिसका भन्तरण (ट्रांस्फर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रेंगिकरण स्रिधिकारी के फरीदाबाद स्थित कार्यालय में र्राजस्ट्रेंगिकरण स्रिधिकारी वियम 1908(1908 का 16) के श्रधीक 23-11-1984 तारीख को रजिस्ट्रेंगिन सं० 1255

को पूर्वोक्त सम्परित के जिन्न वाकार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्म हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरकों) और दूरतिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए त्य गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण शिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क), एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें. में, उक्त अधिनियम की धारा-269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह---

(1) श्री वर्द्धेव कृष्ण मोह्न पुत्र सालिग राम मोहन, निवासी-मञ्जं 59 सेक्टर 9-ए, चन्डीगढ ।

(अन्तरक)

(2) मेनर्स एस्कोर्टम डीलर्स डिवलपमेंट ऐसोसिएसन लिमिटेड, निवासी-19/6 मथुरा रोड, फरीदाबाद।

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परिए के अर्जन को लिए लिए कार्यवाहियां करता हों।

टक्त सम्पृति के शर्जन के संबंध में कोई भी बाधीप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशित की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविष्ट है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम् स्ची

ास्पति भूमि 11 कताल 13 परले जो कि गांव मेवता महाराज पुर में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिन्द्रोक्ष्तों के कार्यालय करोदाबाद में रजिस्ट्रों सं० 1255, दिनांक 23-11-84 पर दिया है।

> एस०के० शर्मा न्क्षम पाधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, रोहतक

तारीख: 4-7-1985

मोहर अ

प्रकल शहर . टी. एन. एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेम रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश मं० रोहनक/44/84-85---अतः मुझ, एस०के० शर्माः

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269~ ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सापत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 / - रु. से अधिक हैं

शर्मा को, यह विश्वाम फरने का कारण है कि बोहर पर स्थित 54 कमाल 5 मरले संख्या वाली. एक लाख क० में अधिक के अतित वाजार मूल्य वाली अचल सम्पति (जिसका श्रांर अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को जिमका अनंतरण (ट्रांसफर) ग्रांर रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के रोहतक स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीम 20-11-1984 तारीख को रजिस्ट्रेशन सं० 5894

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत नाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफास से एमे दृश्यमान प्रतिफाल के पन्तदृ प्रतिकात से अधिक है और सन्तरक (सन्तरकों) और सन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बन्या गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबके, उनके अधिनियम के अभीन कार दोने के जन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविशा अप्रतिए; आरि/बा
- (द) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ ा अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जन्ता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ब्रातः प्रवाः जनतः अधिनियमं की धारा 269-ए के अन्सरणं भों, भीं, जनत अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीनः, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः :— (1) श्री मेद सिंह जिले सिंह पुत्राध जासी, सुभाष चन्द पुत्र सुरजभाभ, भिवासी-बोहर, जिला रोहधक।

(अन्तरक)

(2) इन्द्रप्रस्य हाउस बिल्डिंग मोसाइटी रिजि० रोहनक, द्वारा श्री देविन्दर कुमार चाडा, मैकटरी आफ सोसाइटी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेक्ति व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे का सकरी।

स्थव्यक्तिरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भवा हाँ।

अमृसूची

सम्पत्ति भूमि 54 कनाल 5 मरले, जो कि गांव बोहर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रोहतक में रजिस्ट्री मंक्या 5894, दिमांक 20-11-1984 पर दिया है।

> एस० के० सर्मा मक्षम प्राधिकारी महायक आयक्ष्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहनक

तारीख: 4-7-1985

णेहर :

प्रकल बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) **के अभीन स्**चना

शारत स्रकाइ

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतम, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० हांसी/4/84-85—-अत: मुझे, एस० के० शर्मा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाह् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० हांसी पर स्थित भूमि 42 कनाल 2 मन्त्रे संख्या वाली, एक लाख रू० से अधिक के जित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पति (जिसका ग्राँर अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को, जिसका अनंतरण (ट्रांसफर) श्राँर रजिस्ट्रोक्शन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के हांसी स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-11-1984 तारीख को रजिस्ट्रोग्रम सं० 1887

को पूर्विकत सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक का विम्निलिश्ति स्थूरिय से स्वत अन्तरण निष्ति में वास्तृत्व क्य से कारण निष्ति के वास्तृत्व

- (क) अध्ययण ने हुई कियीं आयं की बायत उचत् वाध-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वाधित्व में कमी करमे वा उसते व्यने के बृत्या के बिए? श्रीप/या
- (च) श्रेमी किसी जाम या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम या धन- कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) खें अमोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खें हैं बुंधु;

जतः अव, उक्त विधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अधार्तः— (1) श्रीराम सम्य पुत्र भाग रामः निवासी-हांसी, जिला-हिसार।

(अन्तरक)

(2) श्री वेद प्रकाश पुत प्रभूदयाल, निवासी-हांसी, जिला हिंसार।

(अन्तरिती)

क्कं बह सृपना भारी करके पृत्रांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षान के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षीप ---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीन से 30 दिन की अवधि, को भी वयीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अभ्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वकारण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पक्षों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 23-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया क्या है।

वनुष्ची

सम्पत्ति भूमि 42 कमाल 2 मरले, जो कि हांसी में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हांसी में रिजस्ट्री संख्या 1887, दिमांक 19-11-84 पर दिया है।

एस० के० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 4-7-1985

मोहर 🖫

प्रस्प भार्द.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० हांसी/5/84-85—अतः मुझैं, एस० के० धर्मा

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूंल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मोहल्ला चेता हिंसार पर स्थित मकान नं० 151/11 संख्या बाली, एक लाख ६० मे अधिक के उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका श्राँर अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है (को जिसका अन्तरण (ट्रांस्फर) श्रीर रिजस्ट्रेशन, रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के हांसी स्थित कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-11-1984 तारीख को रिजस्ट्रेशन सं० 1851 के अन्तर्गत किया गया है, इस सम्पत्ति

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्षम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण ही कि यथायुवांकित अपिता की उभवत बाजार भूका, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितीं (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिसित उद्वरिय से उक्त संतरण मिचित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुएई किसी आय की बाबत, उक्त **विभिनियम वी अधीन कर दोने के अन्तरक वो** दासित्य में कमी करने या उससं बचाने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी बाय था किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अधः, जकत अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अभीन, निम्नेलिखन व्यक्तियम अर्थात .--- 6---196G1185

(1) सर्व श्री महादेब प्रसाद पुत्र श्रीराम पुत्र कालूराम, श्रीमती मित्नी देवी विधवा श्रीश्रीराम, हाल निवासी-पी 4/12 सुन्दर नगर, स्वामी विवका नन्द रोड, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भागवन्ती देवी विधवा रत्तनलाल पुल श्री श्रीराम घीवाला दिल्ली गेट हांसी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी भाक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशभ की तारीश में 45 दिन की जनीं मा सत्त्रम्यन्थी व्यक्तियरें पर तृषना की तामील से 30 दिन की अविधि. जो भी वर्षीय बाद में समान्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्य व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इवारा;
- (क) इत बूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की द्वारीय धें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्कित में दिलबक्ष जिल्ली अन्य व्यक्ति द्वारा अधोत्रस्ताक्षरी के पाक किरिकृत में किए वा सकाने।

स्परतीकरणः — इसमें प्रयुक्त वन्नों और पर्दों का, जो उक्त विधिनियम दें विध्याय 20 क में वीरशावित है, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसू घी

सम्पत्ति मकान नं० 151/11, जो कि चेता मोहल्ला हांसी में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हांसी में रजिस्ट्री संख्या-1817 दिनांक 7-11-84 पर दिया है।

एस० के० धर्मा इक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

भारीख: 10-7-1985

प्ररूप आर्घ टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार कार्यांस्य सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतङ

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश, सं० करनाल/118/84-85—अतः मुझे, एस०के० शर्मा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिमकी सं० जी०टी० रोड करनाल पर स्थित दुकान नं० 655 सी संख्या वाली, एक लाख रु० से अधिक के उचित बाजार मृख्य वाली अचल सम्पति (जिमका ग्रीर अधिक विवरण नीचे अनसूची में दिया गया है) (को जिसका अन्तरण (ट्रांस्फर) ग्रीर रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के करनाल स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिक्यम 1908(1908 का 16) क,ख के अधीन 16-11-1984 सारीख को रजिस्ट्रेशन सं० 6655

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तिरत की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरिनियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर नियन्तिसित व्यक्तियों, अधीर क्रिया

- (1) सर्व श्री गोरधन दास, आसेकरण, मदन गोपाल, शाम सुन्दर पुत्राप श्री कन्हैया लाल पुत्र वीर भान, निवासी-मकाम नं० 5 अशोका कालोनी करनाल । (अन्तरक)
- (2) सर्व श्री मदन मोहन, सुरिन्द्र कुमार, महिन्द्र कुमार पुत्राघ हुङमचन्द्र पुत्र राम रिछपाल, संजय कुमार पुत्र जयप्रकाश पुत्र हुकम चन्द्र, भिवासी-मकान नं० 231 होली मोहल्ला, करमाल (अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति वृकारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाघर संपत्ति में हिसबब्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परद्रीक्षरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हालेगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति दुकान नं० 655सी जो कि जीटी रोड करनाल में स्थित है जिसेका अधिक विवरण रिज ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में रिज ट्री संख्या 6657 दिनांक 16811-1984 पर दिया है।

> एस० के० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 10-7-1985

श्ररूप आहाँ, टी. एन. एम. 🕒 🗸

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

गारत बरकार

कार्यांकय, तहायक मायकार वायुक्त (निरक्षिक)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक' विनांक 11 जुलाई 1985

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क यो अधीन सक्षम प्राविकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्तिः जिसका उजित नामार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिनकी संव मैंक्टर-7ए, फरोदाबाद पर स्थित मकान नंव 210 संख्या वाली, एक लाख रुव से श्रिधिक के उचित बाजार मूल्य वाली श्रवल सम्पति (जिलका ग्रीर श्रिधिक विश्वरण नीचे श्रनुसूची में दिया गया है) को, जिसका श्रम्तरम (ट्रांनफर) श्रीर रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के फरीदाबाद स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) क,ख के श्रधीन 19-11-1984 तारीख को रजिस्ट्रेशन संव 1135

फा प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्र प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत निम्नां चित उद्देश्य से उक्त कारण में लिक्ति नाष्त्रिक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- [फ] नश्तरण सं हुएं किंबी भागकों नावत उपके मधिनियम से नशीन कर क्षेत्रे से अन्तरक से श्राविश्य में कनी करूने वा उससे नवने में सुनिधा के किए; तीर/मा
- (क) िने किसी कृष जा जिस्सी धन का अन्य आस्तिक्यों करें. किया भारती है आया कर अधिनियम, 1922 श्री 922 का 11) या अक्स अधिनियम, गर भन-कर अधिनियम, गर भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षा द्वारा क्या तहा किया अप अस्ति क्या जाता का दिल्ला के स्वांजनार्थ अन्तरिक्षा द्वारा क्या के स्वांजनार्थ अन्तरिक्षा द्वारा क्या के स्वांजनार्थ अन्तरिक्षा जाता का स्वांच्य था, क्या के स्वं स्वांच्य के लिए;

अन् अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण हैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभाष्ट (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री प्रताप सिंह मलिङ पुत्र कैप्टन टोडर सिंह, निवासा-210 सैक्टर 7-ए, फरीदाबाद। (श्रन्तरक)
 - (2) सर्व श्रो गुलशन कुमार, सोमनाथ पुत्रान गोविन्द राम सिक्का, निवासी-के-17, ग्रीन पार्क एक्स्टेंसन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई आक्षेप :--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, को भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मुखना के राजपन में प्रकाशन की तारीय के 45 दिश् के बीधर उसके,स्थाबर सम्पत्ति में हितबब्ध किया कमाइस्ताक्षरी के पांच सिश्चिस में किए या सकेंगे।

स्थाब्दीकरणः — १ तमें प्रमुक्त क्षम्यों और पर्यों का, जा उक्क विभिन्नियम के अध्याय 20 क में परिभावित है. बही वर्ष होंगा को उस अध्याय में विका नवा हैं।

नन्स्ची

सम्मत्ति मज्ञान नं० 210, जोिक सैक्टर-7-ए, 650 वर्गगज माप का फरीदाबाद में स्थित है जिसका प्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय में रजिस्ट्री संख्या 1135, दिनांक 19-11-1984 पर दिया है।

एस० के० जर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, रोहतक

तारीख: 11-7-1985

इका, बार्ड, टी. एन. एस. -----

नायकाः गीभीनयम्, 1961 (1961 मा 43) मही धारा 269-च (1) में नभीन मूलना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, रोहतक
रोहतक दिनांक 10 जुलाई 1985

संदर्भ सं पानीपत / 95 / 84 - 85 - च्यूं कि मू भ है, एस के शर्मा,

शावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात जिस्ते निर्मायम कहा गया है), की धारा 269-स के मधीन मक्षम प्राध्यकारी को, यह विस्थात करने का सारण के कि स्थायर करनी का जिसका क्षिक स्थायर करनी का 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं तरफ राजपूलान पर स्थित भूमि 13 बीघा 12 बिस्पा वाली, एक लाख र से म्रिधिक के उचित बाजार मूल्य वाली म्रचल सम्पति (जिसका भ्रीर म्रिधिक विवरण नीचे म्रनुमूची में दिया गया है) को, जिसका म्रन्तरण (ट्रांसफर) भ्रीर रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकरी म्रिधिकारी के पानीपल स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनयम 1908(1908 का 16) के म्रधीन 14-11-1984 नारीख (रजिस्ट्रेशन सं 3793)

को पृत्रोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मून्य से कम में अपमान प्रिक्ति स के टैक्स् अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने अफने का कारण है कि वथामूर्कोक्त श्रम्भित का उणित बाजार मून्य, उसफे सम्पन्न प्रतिकस से, एसे स्थमना प्रतिकस का नंत्रह प्रतिक्ता से अभिक है और नंत्रापक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकस, निम्निसित्ति उन्दोष्य से उन्तरण निर्मित में बास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किती जाप की बावत उन्त अधि-नियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्ष्मी करने या उत्तरी अपने में सुविधा के सिए; और/अ
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ज्विनियम, या धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ज्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया जाना चाहिए भा कियाने में सुविधा के सिए?

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, धक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) है अभीन, निम्निनित व्यक्तियों, अर्थाइ ४---

- (1) श्री रणबीर सिंह पुत्र चौधरी परमानन्द, निवासी-104 माडल टाउन, पानीपत। (श्रन्सरक)
- (2) मेलर्म लायलपुर रबर मिल्स, जालंधर द्वारा श्री हंसराज धवन पुत्र श्री माहला राम धवन, पार्टनर ग्राफ दा फर्म।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यकारिकां करता हूं।

- (क) इत यूचना के राज्यन में प्रकाशन की तरखेश है 45 बिन की जन्नि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बूचना की तामीन सं 30 बिन की मन्नि, जो भी क्यांजि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्णीकत स्वित्तर्वी में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कार्याचा से 4.5 दिन को भीतर उक्त स्थावर सक्यांत में हिस-वद्भ किसी कम्य स्थानित स्थान क्यांक्र कोक्स्याखरी के पास निश्चित में किए जा सक्षेण।

स्वच्यातैकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदो का, ओ उक्त व्यक्तिकम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहरें अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गक्षा है।

अम्स्ची

सम्पत्ति भूमि 13 बीघा 13 बिसवे, जो कि तरफ राजपूतान में स्थित है, जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्त्ता के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्री संख्या 3793, दिनांक 14-11-1984 पर दिया है।

> ए.स० के० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोह्रतक

तारीखाः 10−7−1985

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्राम

मब्रास, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० 7, 8, 9, 10/84 नवम्बर/ग्रार०-2—भतः, मुझे, श्रीमती एम० सामवेल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि श्रीर मकान-197, पीठसें रोड है, जो मद्रास-14 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याल में, मद्रास सेन्ट्रल-1106, 1112, 1113, 1115/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर 1984

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास में अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आर की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ववारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) डाक्टर ग्रम्मिनी जोपुवा।

(भन्तरक)

(2) श्री ए० नाणेशन श्रौर श्रन्यों।

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हो।

उक्स सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन<u>ु</u>भूभी

भूमि श्रौर मकान-197, पीठर्म रोड, मद्रास-14; मद्रास सेन्ट्रल, लेख सं० 1106, 1112, 1113, 1115/84।

एम० सामुबेल नक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास-6

तारीख: 5-7-1985

प्रकल बाह्र .टी. एन . एस . ------

(1) श्रीमतां मालतो

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० बाक्यराज।

(भ्रन्तरिती)

भागकर कभिनियम, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-म (1) से सभीत स्थता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायुक्त (निरक्षिक)

ग्रर्जन रेंज-2, मदास

मद्रास, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं 16/नवम्बर/84---अतः मुझे, श्रीमती एम० गामवेल

बाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके परचाशः 'जक्त विधिनियम' बद्धा नयो हैं"), की पारा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने स्थ कारण है कि स्थावर तम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 100,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० कृषि खेती, सर्वे नं० 759/2, 759/3, 824/1,824/2, 824/4ए, 824/4बी, 826/2 है, जी मद्रास में स्थित है (ग्रार ६ ले उणाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्राम मेंद्रल लेख मं ० 1124/84 में भारतीय रजिल्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित अधार मृत्य से कम के स्थ्यमान लिए अन्तरित की गई और प्रतिफल की मझं यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उतके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और वंतरक (बंतरकों) और वंतरिखी (अन्तरिधियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिकार, निम्निसिंख उद्देश्य सं उद्देश बन्तरण निवित में बास्तांकिक गर्म संभित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुए किया बाग की बावता, क्या वर्ष्ट्रियम के बभीन कर रोने से बन्दरफ से ब्राधित्य में करी करने या अवने बचने में चुनिया ने विष्; नार/श
- (का) एंसी किसी भाष वा किसी भन वा अन्य आफ्रियों क्ये, चिन्हें भारतीय बाव-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उपत विभिनियम, बा भव-कर अभिनिमम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोषमार्थ कम्हरिती हुनारा प्रकट सही किया नवा वा का किया करना कार्रह्यू था, कियाने जें श्रीक्था ने सिन्;

जत. अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) क् अभीत्, तिस्तीप्रवित व्यक्तिकी, अर्थाव हः---

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के बर्बन के किए कार्यवाद्यियां करता हुं।

क्क कर्मात्त के नर्जन के संबंध में कोई भी काक्षीय :---

- (क) इस स्थान के राज्यम में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जमभि वा सल्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर त्चना की तामील से 30 बिन की नविभ, यो भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, ने भीतर प्रांक व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन को भीतर उक्त स्मावर सम्पत्ति मे हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा, अभाइस्साक्षरी चे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्योकरणः---इसमे प्रमुक्त कर्को और वर्वो का, जो उक्त अधि-नियम के अभ्याम 20-क में परिभाष्ति हैं, नहीं नर्भ होगा, को उस नभ्याब में निवा गवा **E**^ 3

मन्स्यो

कृषि खेती-एस० नं० 759/2, 759/3, 824/1, 824/2, 824/4ए, 824/4बी, 826/2ए, मद्रास सेंट्रल, लेख सं० 1124/84 1

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मब्रास

तारीख: 4-7-1985

मोहर 🛭

भूमक कार्ष . टो. एम एस ------- (1)

आथकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारत 262 लें शंभीन संभाग

भारत गरकार

भाषांत्रमः, महायक भागकार आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रोज, मद्रास

मब्रा १, दिनों । 3 ज्याई 1985

निदेश सं० 17 नबम्बर 84/रंग-11---श्राः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269- म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. में अधिक है

और जिस्की मं० पि होती, धर्वे सं० 836/1, 836/3, है, जो में स्थित है (और इस्ति उपाबद्ध प्रमुख्यी में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजर्द्ध की प्रधि होती के सार्यालय, मद्राम सेंद्रल, लेख मं० 1125/84 में भारतीय रिजर्द्धी रण अधिनयम, 1908(1908 हो 16) के अधीन नवम्बर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीपत वाजार मृत्य से कम के हम्यमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गर्द है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि राश्चानों क्ष्त नंपत्ति का अधित अजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफान में, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गित-क्ष्म निश्वमिनित उद्योक्त में त्रकेन सम्तरण स्विकान में नाम्बिक रूप से कथित नहों किया गया है:—

- (क) अन्तरण में तुइ किसी बाय की बाक्स उक्त ब्रॉच-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के निए; बरि/या
- (का) एमा मेक भी प्राप्त था किसी थन गा अन्य अस्तिवाँ को, जिन्हों पारतीय भागकार अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ती अधितियम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ तन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था गा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा की निष्

धतः अधः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधान (1) के अधीन, जिम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती जयत्रक्ष्मी, एक्मपठ्ठी गांत्र।

(अन्तरकः)

(2) श्री के० बाक्यराज।

(अन्तिस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए का नामिक का का का

वन्त सम्पत्ति के अर्थन के स्थवन्त्र में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस सुधना के लुब्यन में प्रकाशन की तार्रीय से 45 विन की अवधि का तत्सकान्मी व्यक्तियों पर स्वता की तासीस से 30 विन की अवधि, वो भी अवधि प्रथ में समाप्त हाति हो . के भोतास पुर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारापः
- (स) १स सूचना को राजपत्र माँ प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर ज़क्त स्थानर संपत्ति माँ हिस्त । वस्प किसी नना व्यक्ति स्थान अधोहस्ताक्षरी को न प्रतिस्थार पर्काल आधारकार्थ।

स्पष्टिकरण .—इसमे प्रयुक्त शब्दौ और पदा का, जो उन्नस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया स्वा की

बन्स्ची

्रृषि खेती-सर्वे नं० 836/1, 836/2।

एम० हामुवेल सक्षम प्राधि गरी गहावण प्राप्तत्वर स्रायुक्त (तिरीक्षण) शर्ज : रें:-11, भद्रास

तारीख * 3-7-1985 मोहर ∎ प्रारूप आर्ड्: टी. एन . एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जुलाई 1985

निर्देश सं० 18/नवम्बर/84—श्रतः मुझे, श्रीभृती एम० सामुवेल,

जावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और नि की संव भवानी नाल्लू /कुरिजी गांघ है, जो बवानी में स्थित है (और इ मि उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री नर्ती अधि गरी के धार्यानय, मद्राप सेंट्रच लेख संव 1126/84 में भारतीय रिजस्ट्री नरण अधिनियम, 1908(1908 मा 16) के श्रधीन नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और

मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्स सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रति-कल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्स अंतरण लिखित में बास्तियिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, बिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था हिल्पाने में स्विधा के लिए:

अतं अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती जयलक्ष्मी श्रम्माल ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेनर्स राजा फार्म।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षण :---

- (क) इस सुजान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुजान की ताशील से 30 दिन की अविधि, जो भी जदीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्वीकत व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील लें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्यक्थ किसी कम्प व्यक्ति द्वारा नुभोहस्ताक्षरी के पास सिचित मों किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया देश हैं ।

अनुसूची

 $rac{1}{2}$ िष खेती कुरिजी गाव, भवानी वाल्क एस०नं०, $rac{1}{2}$ 825/1 भद्राम सेंट्रल-1126/84।

्रमं० समुवेत सक्षम प्राधि ारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जेत रेज-ध, मद्रात

ारीख : 3 ·7-·1985 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जावकर आयुक्त (निरीकण) श्रर्जन रेंज-2, मद्राम

मद्रास, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश सं० 24/नवम्बर 84/रेंज-II---श्रतः मुझे, श्रीमली एम० सामवेलः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और ि की मं० फ्रान्य्यस्वनं 1585, एस्तूरी रंगा स्ट्रीट, आत्वारपेठ हैं, जो मैं नापूर में स्थित हैं (और इसमे उपाधद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजय्द्री तो प्रधितारी के सामान्य सेन्द्र लेख सं 1056/84 में भारतीय रिजय्द्रीं करण प्रधिनियम, 1908(1908 वर्ष 16) के प्रधीन नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार खूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित ख्वुदिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में के लिए:

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनिय की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-7—196G185

(1) श्रीमती राजलक्मी पार्थणारथी।

(ग्रन्त्रकः)

(2) श्री रमेय कुमार रेड्डी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के कर्मन संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (उ) इत स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया नया है।

मन्स्ची

भूमि-कस्तूरी रंगा स्ट्रीट, धारवण्सवनंव 1585/हिस्सा, 1576/5 हिस्सा, धालबार्पेट, मैथापूर-मद्रास सेन्ट्रल लेख संव 1056/84।

> एम० सामुबेल सक्षय प्राधिकारी सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-II, मद्रास

नारीख: 5-7-1985

महिरु 🛊

प्ररूप साइ टी. एन. एस. ------

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श (1) के अभीन सुचना

गारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांकः 5 जुलाई 1985

निदेण सं० 25/ज्यम्बर 84/रेंज-II---ज्ञतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रत्ये प्रवाह 'उक्त अधिनियम' कहा यया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस्की संव गोपालपुरम्-I स्ट्रीट, मद्राल है, जो में स्थित है (और इममें उपाध्य प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिस्ट्री ति प्रधिारी के टार्यालय, मद्रास सेट्रल लेख संव 1064/84 में भारतीय रिस्ट्री रण शिक्षियम, 1908(1908 का 16) के प्रधीन तमस्वर 1984

को प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान विलिक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विवधास अन्ते का कारण है फि यथाप्कींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिजत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वितिकत, निम्निसित उद्विस्य से उन्तर अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से काथित नहीं किया गया है :----

- (क) अतुरण सं हुई किसी आय की बाबत, अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे अचने मों सुजिधा है लिए; अप्ट/या
- (क) इसी किसी बाब या किसी धन या बन्य जास्तियों की, बिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया या या किया जाना पाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अतः उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मीं उत्तर अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बार्डन, निम्टलिकित व्यक्तियों, बर्बार १--

- (1) संपर्स रोशी श्रमार्टमेन्टन और श्रन्यों। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती पदमा उण्णी।

(श्रन्तरिती)

का बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उबत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी विषय बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टिकिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीवीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विश गगा हैं।

अनुसूची

्नाष्ट-हिस् त-1700/42000, आर््प प्रनं 1250/2, 1204/7, 81/5, गोपान्पुरम-I स्ट्रीट, मद्राप्त-मद्राप्त सेन्द्रल, लेख सं 1064/84।

एम० सामुबेत सक्षम प्राधि ारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजन्[], मद्रास

तारीख: 5-7-1985

प्ररूप माई.टी. एन. एस-------

भायकर माभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) शर्जन रेंज-II, मन्नात

मद्रास, विनांक 5 जुलाई 1985

िदेश म० 26 ऑस 27/त्वम्बर 84/रेज II---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'डक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह-विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

अंद जिनकी सं० 27, गोपालपुरम् I स्ट्रीट, है, जो मद्रास में स्थित है (अंद इतमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संचर्णित है), राजस्ट्री इति अधिकारीं के वार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल लेख सं० 1065 और 1066/84 में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन दिनाँक नवम्बर, 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्रम के द्रव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में मास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबर उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्पान में सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की ारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१०) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :--- (1) रोसी अपार्टमन्ट्स और अन्यों।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कें॰ रामहरण श्रय्यर, और श्र•सों। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख **एं** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्थण्टीकरणः — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं-वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गणा है।

श्रनुसूची

भूमि 127, गांपालपुरम् 1 स्ट्रीट, मद्रात-86, मद्रात सेन्ट्रल, लेख सं० 1065 और 1066/84।

> एम० सामुबेल पक्षम प्राधि गरी राहायक भ्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, भ्रष्टास

तारीख: 5--7--1985

कोहर ह

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. .------

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रैंज-2, मद्रारा

मद्रास, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश मं० 30/नवम्बर 84/रेंज-2--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवैल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. सं अभिक ही

श्रीर जिन्की सं० 23ए, सर देशिका रोड है, जो मद्रास-4
में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत
है), रजिस्ट्रोकर्ती अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल लेख सं० 1076/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन 16 नवम्बर, 1984 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है के

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मैं कमी करने या उक्क अच्च में स्विधा के लिए और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उएधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ६~~

- (1) श्री एस० चंद्रसेकरन श्रीर एस० विश्वनाथन्। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री चौटालाल नालाल गा भीर श्रन्यों। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जा भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचेना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे श

स्पेक्डीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जे उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

भूमि श्रीर मकान-23ए, सर देशिका रोड, मद्रास-4, मद्रास सेन्ट्रल, लेख सं० 1076/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीखा : 5⊶7~1985

प्रकल बाह्री, टी. एन. एत. -----

शासकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (व) (1) के अभीन त्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकार नायुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 ज्लाई 1985

निदेश मं० 68/नवम्बर 84--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ब के अधान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

न्नौर जिसको मं० पुराना डोर नं० 4/130, न्यू नं० 644न्गम्बाकनम् है, जो अण्णा शालैं में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचो में ग्रार पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारो के कार्यालय, थीसंडलैट्स्, लेख सं० 469/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के स्रधीन 16 नवम्बर 1984

का पर्वोक्त सम्पत्ति को उभित बाजार मृल्य से कम को दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गर्द हैं और मुक्कें यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित वाचार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का थन्द्रह प्रतिशत से विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिशी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उत्देषय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने को अंतरक की दाभित्य में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा चे निर्द; और/या
- (का) एोसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती चित्रा नायुड् ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स इन्वेस्टमेन्ट श्रीर कन्स**ट्रकश**न ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उन्ह सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, और भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त म्यन्तियों में से किनी भ्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपच्चोकरणः—-इसमॅ प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में तिकर गया है।

वनुसूची

भूमि ग्रीर मकान न्यू नं० 644 डी०एस० नं० 96, ग्रार०एच० नं० 44/1ए, हिस्सा, नुगम्बाक्कम्, ग्रण्णा मालै, थौसेन्डलेट्स्, लेख सं० 469/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 4-7-1985

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

भागकर आंधिनियम, 1961 (1961 का कउ) का तारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सहस्रह

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० 70/नवम्बर 84/रंज-2—प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परकात् 'उपत अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00 000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि नं० 18 ग्रीर 19, नुंगम्बाककम् ग्रार०एस०नं० हिस्सा 528/45140 है, (ग्रीर इससे उपावड श्रमुर्सी में और पूर्ण रूप से विणत है), र्राजस्ट्रीं कि धार्यालय, श्रीसन्डलैंट्स् लेख सं० 480/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908(1908 का 16 के श्रधीन 16 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को निए अन्तरित की गर्ध है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि दशा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिका है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- ्रिको सम्परण संहुई किसी नाय की शब्द , उपा स्थितियम की स्थीन कर की के अक्षरक की दारिस्य में कमी करने या उससे भूषने में कृषिणा की स्थिए: सीर/या
- (क) इसी किसी आय वा किसी थम या अन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमः की धारा 269-म के अनुसरण वो, वो, उक्त अधिनियम की नारा 269-म की उपधार। (1) वे अधीन, रिम्मिनियत स्वित्यों अधीत् ।— (1) संसर्स मार्क लेण्ड प्राईवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स फार्मर्स फोरम् प्राईवेट लिमीटेड । (श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी कारके पूर्वीवत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्मत्ति के उपन का अभाग्य के अध्योजका अध्योत (सन

- (क) इस स्वना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि को भी अविध बाद मों समाप्त होती हो की भीतर प्रविकत्त प्रकार में से किया को से स्वार्थ,
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन यहें के किए के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितनपूष किसी अन्य व्यक्ति हुवारा, अधिहस्साक्षरी के पार निर्माशत में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण ---- - इससी प्रमुक्त शब्दी और पदी का, की उत्स अभिनियम के अध्याय 20-क मी परिस्कृतिहर ही. बहा अर्थ हिंगा की एक जन्माय मी किल गुमा है।

अनुसूची

भूमि-528/45140 हिस्सा 18 श्रौर 19, नुंगम्बाककम् रोड, मद्रास, थौलन्डलैंट्स्, लेख सं० 480/84।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर** श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

न(रीख: 4-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

- (1) श्री डी० राजगोपालन् ग्रीर ग्रन्यों। भिं (ग्रन्तरक)
- (2) मेजर डी० मण्कुरा फादर श्रीर गाडियन श्री डी० रफीक श्रहमद।

(ग्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रा , दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० 75/नवम्त्रर/84----- प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उन्हें अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-स के अधीन स्थाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00.000/- रु. से अधिक ही

ग्रीर जिनकी सं 1, एंट्यस्मारोड, नुंगम्बाक्कम्,जो मद्रास-34 में स्थिन है (ग्रीर इतने उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, थोसेन्डलैंट्स् लेख सं 563/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908(1908 का 16) के ग्रिधीन 16 नवस्बर, 1984

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के किए उन्कर्तरत की गई है और मूझे यह विश्वास कर, े कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके उद्ध्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मतिक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कोथत नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आर की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नोक्षित व्यक्तियों, अर्थात्:—

कार्यवाहियां करता हूं।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

जकत गम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति यां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजधन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में विष्णु जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रीर मकान-1, कृष्णम्मा रोड, नुंगम्बाक्कम्, मद्रास-34, थीसेन्डलैट्म्, लेख सं० 503/84।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्राग्र

तारीख : 4-7-1985

प्रस्प बार्ड . टी . एन . एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के लभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मन्नास, दिनांक 2 जुलाई 1985

निर्देश सं० 43/नवम्बर 84/रेंज-2--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिलको सं० 943, पुंदमल्ली हाई रोड है, जो मद्रास-84 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पुरश्वावनकम्, लेख सं० 1914/84 में भारतीय, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन 16 नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्मिलि से उचित बाजार मृल्य से कम कै इक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफ्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्रोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप वे कथित नहीं दिवा गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवस के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया धा वा किया धाना वाहिए था, अधिपाने में सुविधा वे किया

सतः अस, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती उषा पी० नायर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री डी॰ ममुठ्ठी हाजी श्रीर अन्यों। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कर्क प्रशंक्त सम्मृतित स्नै कर्णन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स स्थानतयों में से किसी स्थानत स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाचन की तारीच चे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-क्वथ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्साक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्वित के वश्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा बों उस अध्याय में दिया पंसा है।

नमृत्यी

भूमि श्रौर मकान-943, पूंदीमल्ली हाई रोड मद्रास-84 पुरश्रवोबक्कम्-लेख सं० 1914/84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मब्रास

तारी**ख**: 3-7-1985

मोहर 🗓

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयंकर आयंक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 4 ज्लाई 1985

निदेश सं० 105/नधभ्बर/84/----ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

नायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 86 सेकेटेरिएट बालोनी, 7वीं स्ट्रीट, है तथा जो कील्पार्क, मद्रास-1 में स्थित है (जीर इसमें उपाबंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रींव ती श्रिधवारी के बायिलय पुरणवाक्षकम, लेख नं० 2036/84 में रिजस्ट्रींव रण श्रिधकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रिधीन नारीख नवम्बर 1984,

कां पूर्वोक्षतः अस्पितः के उचित बाजागः मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत संपरित का उपित याजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे उपयमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किया गया है ——

- (६) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, अवस अधिनियम के अधीन कर बान के अन्तरक वी दायित्व मों कमी करने या उन्नसंबवने मों सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी भाग या किसी भग या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिणाने में सुनिभए अस्तिए।

बतः सव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 8---196GI|85

(1) ए० म्रूगन

(ग्र≇तरक)

(2) श्रीमती डी० सूशीला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां घुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति त्वारा:
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितयद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रवाहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकरेंगे।

स्वक्तीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों आर पर्दों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिवा गया हो।

भूमि और मकान 86, मेक्टेरियट, कालनी, 7वी स्ट्रीष्ट, कोल्पाक मद्राम-10 पुरणवाधकम लेख सं० 2036/84

> एम० सामुवेर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶II, मद्रास

दिनांक : 3-7-1985

प्ररूप नाईं.टी. एन. एस------

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- 7, मदान

मद्राम, विकास 3 जुलाई 1985

निदेश सं ० 131/नवस्वर 84---श्रतः मुझे, एम० सामुबेल जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि टी० एस० नं० 7053, ब्लाक नं० 131, पुराना नं० 10, हैं, जो लोडिकान स्ट्रीट, टी० नगर मद्रास-17 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, टी० नगर-लेख सं० 1370/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर 84 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित कीगई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोंक्त प्रवेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ब्रिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1967 का 1964 के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया हा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

त्रक्षः अवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुनरणं में, भाँ, उपका अधिनियमं की धारा 269-णं की उपधारा (1) के अधीषः, निम्निलिखिन व्यक्तियों, संधति :---

(1) श्री पी० एम० श्रीनिवासन ग्रौर ग्रन्यों

(म्रन्तरक)

(2) श्रीटी० क्रांति कुमार

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कांद्र भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारीख मं 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकृरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि——3 ग्रोंडस——नं० 7 का हिस्सा~ लोडीकान स्ट्रीट ब्लाक नं० 20, टी० नगर मद्रास-17

> एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , मद्रास

दिनांक : 2 जुलाई 1985

मोहर

प्ररूप भाइं. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) π र्जन रेज $^{-\Pi}$, मद्राम

मद्रास, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश सं० 141 तथा 142/नवस्बर 84/रेंज-<math>11—अतः, मृक्षे, श्रांमर्ताः एम० सामुवेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उन्त अधिनियम', कह्म गया है, की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 75, वें कटरंगन् पिल्लै स्ट्रीट है, जो ट्रिप्लिकेन् मद्रास-5 में स्थित है (श्रीर इससे उपायस श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधनारी के नार्यालय, ट्रिप्लिकेन-लेख सं 782 तथा 783/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का ल्याह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण स्थिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बाधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जरि/सा
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती दशारा उक्तर नहीं किया गण भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारः (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्रों एम० डों० म्नलिंसगराचारी म्रीर म्नन्य । (म्रन्तरक)
- (2) র্মা एন০ স্বানিলাল (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के सिंध् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बचिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (म) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इदारा अक्षेत्रस्ताक्षरों अं पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि भौर मकान--75, वेंकटरंगम् पिल्लै स्ट्रीट, द्रिष्टिकेन मदास-5, द्रिष्टिकेन लेख सं० 783/84 तथा 782/84 ।

> एम॰ सामुवेल स**क्षम प्राधिकारी** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (मिरीक्षण) ऋर्जन रेंज⊶Ⅱ, मद्रास

दिनांक : 5--7-1985

प्ररूप आ**ह**ै.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, मद्रास

मब्रास, दिनांक 3 जुलाई 1985

निवेश सं० 14/नवम्बर 84 रेंज II---अतः मुझे, श्रीमतीः एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रिक पृथ्यात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० ऊत्तुक्कुली—पोल्लाच्ची है, जो तिरूप्पर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, पोल्लाच्ची—लेख सं० 2205, 2206, 2207/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवस्वर 84

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्षिल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से ब्रिक्त है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम निम्मीसित उद्देश्य से उक्त बंतरण निकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया जना है कि

- (क) व्यारण वे हुइ' किसी बाब की बाबस, उपक विभिन्नियम के अभीन कार दोने के बन्तरक की दायित्व में कमी कारने या उससे क्याने में सुविधा के निए; बौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

वतः वव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मीं अवन विभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री ए० एम० घ्रार० मोहन राज

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० गणेश मुदलिय श्रीर श्रन्य

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनक बन्दरित के मर्जन के स्थान में कोई भी नाकोप:--

- (क) इस स्था के राज्यन में प्रकाशन की तार्रीक है 45 विन की अवश्यिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी स्वस्थि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा ।
- (क) इ.स. स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवबृध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके गे।

स्मण्डिकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

अनुस्ची

भूमि—कत्तुक्कुलि—पोल्लाच्ची, तिरूप्यूर- पोल्लाच्ची लेख सं० 2205, 2206, 2207/84

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज।। मद्राक्ष

दिनांक : 4-7-85

मोहर 🕄

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज→2, मद्राम

मद्रास, दिनांक 3 जुलाई 1985

निदेश सं० 150/नवम्बर 1984 रेंज----श्रवः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिल्ला मं० है तथा जो ऊंट्टी में स्थित है (और इससे उपाधद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजर्स्ट्रान्ती अधिशारी के जायिलय दगमण्डलम लेख सं० 908/84 में रिजर्स्ट्रीनरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास बारने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पश्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिंरितियों) के बीच एसे बंदरण के निष्णु तब पावा गया प्रतिक क्य भिम्मिसिय द्रुष्टेस्य से उच्च वन्द्रस्म विक्य में बास्विक रूप से किशित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तर्य से सुद्दं किसी बाय की वायतः, तक्तः विभिन्नियम के बचीन कर दोने के वृत्त्र्युक् के दायित्व में कमी कर्डने या उससे व्यने में सुनिष्ठ के लिए; और/या
- (क) ऐती किसी बाब वा किसी धन वा बन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय वायु-कर विधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा अवद व्यविद्युक्त, वा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के विष्ट;

जतः जव, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ए क अनसरण की, मीं, उक्त जिथिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) कंविधीर, निस्तिविधित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) हेब्राण सकूल्स एसोनिएशन, बाई एकितक्यूटिय कौंभिल मेम्बर्ग-रेवरंड, बारी जान वेस्ली जेन्किस और दूसरे

(अन्तरक)

(2) श्री काण्पिनी और अन्य

(अन्तरितीं)

को सूद्र कुल्या बारी करके पूर्वोक्त बन्दरित के वर्षत से कि। कार्यवाहिन कुरवा हो ।

बक्त करमृतित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्मप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधाहस्ताक्षरी के पा लिखित में किए जा सकीं।

स्थ**क्तीकरणः—इसमें प्रयुक्त सम्ब**ें **शीर पदों का, वा उक्त** विधिनियम, **के अध्याय 20-क में परिभावित** हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया **हैं।**

अवसर्वी

भूमि '-37-10/16, सेंट्रस इन आर० एस० नं० 4221/1ए, ऊठ्ठीं में उदगमण्डलम् लेख सं० 908/84।

एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2 मद्रास

दिनांच : 3-7-19**8**5

प्रकल् बार्चा, दी, एन्, इस ,-----

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज - 7, मद्राय

मद्रात, दिनांक 3 जुलाई 1985

निवेश सं० 151/नवम्बर 1984/रेंज 2---श्रतः, मुझे श्रीमती एम० सामुबेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहां गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000∕- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० विलिगटन वाटेज प्रार० ए५० नं० 4085/ एस० नं० 4085/सी है तथा जो एस० नं० 4075/1 में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से धणित है) रिजस्ट्री ती प्रधिकारी के वायिलय उदगमण्डलम लेख सं० 915/84 में रिजस्ट्री तथा प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीक नवम्बर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृ<mark>ल्य से कम के दश्यमान</mark> प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मुक्तेयह विष्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जम्मारण से हुई जिल्ही भाव की बावस, अवस वीधीनकृत के वृधीन कर दोने के ब्लाइक कें दासित्य में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा फेलिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जान्सियों स्त्रे जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजयार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया नवा भा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में नृतिथा के सिए;

बतः अव, अवतं वीधीनवनं की भारा 269-व के बन्धरण में, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्रीमती मार्गेट टर्नर और दूसरे

(अन्तरकः)

(2) श्रीजो⊣फ प्रभु

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जब्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इत सूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीथ स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-व्यूष् किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अथोहस्ताक्षरी के पास सिम्बित में किए वा स्केंगे।

स्थानिकरणः ----इसमें प्रधुक्तः शृज्यों जीतु वृदों का, वो उनते जिल्ला की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वृक्षा है।

बनुसूची

भूमि और महान — ग्रार० एस० नं० 4085/1, सर्वे नं० 408/2ए और सर्वे नं० 4075/1, विलिगटन काटेज, उद्यगमण्डलम लेख सं० 915/84

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−2, मद्रास

दिनांक: 3-7-1985

प्ररूप बाइ'.टी.एन,एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

माउत बदकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज: - 2, मद्रास

मद्रास, दिनां अ 3 जुलाई 1985

निदेश सं० 152/नवम्बर 1984---पतः मुझे, श्रीमती एम० भामवेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारां 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1.22 एवंड भूमि आर० ए२० नं० 773 2 बी/1 हैं तथा जो उदगमण्डलम में स्थित हैं (और इत्से उपायक अनुसूची में और पूर्ण स्प से घणित हैं) रिजस्ट्री-कर्ता अधिवारी के वार्यालय उदगमण्डलम लेख सं० 916/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नथम्बर 1984

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य उसके दश्यमान प्रतिफल को पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिवक रूप में किथन नहीं किया गया है ---

- 'क) नन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आंध-नियम के बधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सृविधा के फिए: बीर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन वा अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपल वाभिनियम, वा धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के किए:

भतः अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं. मैं, उक्त अधि^{शि}श्यम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) इस्टेट श्राफ रानी पुष्पावर्ती विद्यावर्ती देवी, महारानी श्राफ घिणयनगृदम और श्रन्थ

(ऋक्तिक्ती)

(2) श्री एस० एम० अब्दुल बुकुर

(ऋन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख स 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अनिथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्थों का, जो उन्तर जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

भूमि--उदगमण्डलम, लेख मं० 916/84 और 917/84

एम० सामुबेल सक्तम प्राधिकारी पहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 3-7-1985

मोहर

प्ररूप बाह्र . टी. एन<u>ः</u> ए**व**ः =====

(1) एल० रामैया

(श्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के अधीन सुचना

(2) श्रीबानकृष्णन

(भ्रन्तिश्तीं)

नाउत तरकार

काशीलय, सहायक **वायकर आयुक्त (निर्**क्रिक्र)

श्चर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० 143/ नवस्थर 1984—-प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिन्नी मं० नोंगिलरिन है तथा जो उठटीं में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध प्रानुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री क्रिक्टी क्रिंधिकारी के कार्यालय उदगमण्डलम, लेख सं० 873/84 में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवस्वर 1984

भी पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमाम प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से,, एसे दरमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिश्व से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी आय की वावत, सकत अधिनियम् के अधीन कर दोने के अस्त्रक की शायित्व के अभी करने वा उत्तसे वचने के सृत्विधा के सिए; और/या
- (क) एसे किती जाय वा किसी थम वा बन्च बारिसवाँ को जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बधिनियम, वा धन-कर बधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, स्थिनने में सुविधा के लिए !

आत: अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नजिक्ति स्मिक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी रूपके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमं प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्या हैं॥

वनसची

भूमि -- अंट्री भ्रार० एउ० नं० 32. उदगमण्डतम लेख मं० 873/84

एम० आमुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज- 2, मद्राय

दिनांक 4-·7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एत.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जुलाई, 1985

निवेश सं० 155/नवम्बर-84/रेंज-II--- प्रतः, मुझे, श्रीमतो एम० सामुवेल

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें परचात् 'उक्त जिधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका जिथत बासार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

1,00,000/-रु. से अधिक हैं श्रौर जिसकी सं०तथाजो

श्रविनाशी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से बाँगत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रवनाशी, लेख सं० 1591/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिहत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- क की उपधारा (1) जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269- के अनुसरण के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--9—196GI|85

1. श्री ए० के॰ पलनिसामी, भ्रौर भ्रन्य।

(मन्तरक)

2. श्रीमती धार० सुशीला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां शुरु करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, शो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विक्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि लेख सं० 1591/84 की शिडयूल में दी हुई सम्पत्ति ध्रवनाशी, लेख सं० 1591/81 ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 4-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

27.4 ALL COLLEGE SALES

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 जुलाई 1985 निदेश सं० 157/नवम्बर 84—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हाँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

न्नौर जिसकी सं० पल्लाडम, बीरपांडी गांव है, जो तिरूप्पूर, में स्थित है (श्रीर इसस उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, तिरूप्पूर, लेख सं० 1894/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक नवस्वर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उसित बाजार मृत्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उसित बाजार मृत्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेष्य से उस्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :~~

- (क) अंतरण से हुन्दै किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती पार्वती, श्रम्माल ।

(मन्तरक)

2. श्री जी० जगरनाथन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि वीरपौडी, गांव, पल्लाडम, तालक, तिरूपूर, तिरूपूर लेख सं० 1894/84 ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 4-7-1985

प्रकर बार्च. टी. इन्. एव.----

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के नभीत स्वना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निर्दीक्षण) धर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 3 जुलाई 1985

निदेश सं० 160/नवम्बर, 83—ग्रतः मुझे, एम० सामुवेल, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, वित्रका उचित शायार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 185, टाउन सर्वे नं० 1/94 जो नार्थ हुसूर रोड, कोयम्बटूर, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, कोयम्बत्तूर, लेख सं० 4769/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन बिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूक्त से कम के असमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूक्प, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पेन्न प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधित्यम के ज्थीन कर दोने के बंदुरक के बायित्य में कमी करने वा उत्तसे बचने में स्तिया के तिए; बॉर√वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार स्थिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनाथ जतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चिह्ए था, जिनाने में सुविधा औ सिए;

वर्तः अव, उक्त जिभिनियमं की धारा 269-ग को जनसरक को, मी, उक्त जिभिनियमं की धारा 269-ग की उपभारा (1) के जभीन, निम्निरिक्त व्यक्तियों, जर्मात ध— 1. श्री के० कृष्णन घौर झन्यों।

(भ्रन्तरक)

2. कोयम्बसूर, डिस्ट्रिक्ट स्मालस्केल, इन्डस्ट्रीज, एसोसियेशन, वै: श्री के० के० रामसामि। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चाड़ी कड़के पूर्वोक्त सन्पृतितः के वर्षन् के सिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की नवीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति, को भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाय;
- (क) इस स्वना के राज्यव में प्रकाशन की तार्रीय से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवदृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकेंगे।

न्यव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को स्वयः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावितः है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विशः गया है।

वम्सूची

भूमि नार्थं हुसूर, रोड, सर्वे नं० 185 टाउन, सर्वे नं० 1/94, कोयम्बत्तृर ।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, मब्रास

विनांक: 3-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्थना

1. श्री एन० षण्मुग सुंदरम ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एम० मनोहर ।

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक जायकर आयुक्त (निर्देक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० 163/नवम्बर, 84/रेंज-II—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० संगन्र, गांव, टी० एस० नं० 12/25, सैठ नं० 8, है, जो कोयम्बतूर, तालुक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रतुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय गांधीपुरम, लेख सं० 4368/84 में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुरायत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में बारकतिक क्य से कृथित नहीं किया गया है ह---

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वर्ड प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भागा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा भे लिए।

अतः जव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1), के अभीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, व्यक्ति 🖫

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप रू--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त आयकर मि भिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में दिशः गया छै∗

भन्स्यो

भूमि संगनूर, गांव टी० एस० नं० 12/25, कोयम्बत्त्रर, गांधीपुरम, लेख सं० 4368/84 ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, मद्रास

विनांक: 4-7-1985

मोहर ः

प्रकप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर शीर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-11, मद्रास मद्रास दिनांक 3 जुलाई 1985

निदेश सं० 165/नवम्बर, 84—ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

नायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह जिल्ला करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० संगनूर गांव, तथा जो कोयम्बत्त्र, टाउन में स्थित है (श्रीर इसस उपाबध अनुसूची में धौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गांधीपुरम, लेख सं० 4370/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इद्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई और सुभी यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इदयमान प्रतिफल से, एसे इद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितयार) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम्पाम गमा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उनते अन्तरण निबित् में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी अप की बाबता, उक्त क्रिपिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की बापित्व में कमी करने या उससे बचने में सुक्रिभा के सिए; और√या
- (क) ऐसे किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसर्ग में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जभीग, निम्निजिशिष व्यक्तिस्थों । अधित् क्रिक् 1. श्री ग्रार० शिवरामन ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सोदा ग्रम्माल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख इं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिगग गया है।

प्रमुख्याँ

मिं संगत्र, गांव कोयम्बत्र टाउन, गांधीपुरम, लेख षं० 4370/84 ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज- I, मद्रास

विनोक: 3-7-1985

मोहर 🖫

व्यक्ष बाह् . टी . एन . एक हुन्यक्ष्य

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

माइत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० 200/नवम्बर. 84/रेंज-II---म्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/-रु. से अधिक है

1,00,000/-एं. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० 45, न्यू नं० 61, नेहरू स्ट्रीट हैं, तथा जो
पांडिचेरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण
रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पांडिचेरी
में लेख सं० 2213/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम,
1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
कितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विकास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
भूक्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के
भन्तह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीय एसे अंतरण के लिए तय पाग

गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित

वाँ बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 👸 ३--

- (क) अन्तरण क्षे हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कसी करने या उससे बचने में श्रीवृधा के लिए; और/बा
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या सन्य सास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छियाने में स्विधा के लिए।

अतः इ.ब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती मीनाक्षी श्रम्माल, मैनर बाबू, श्रलैयास, मुख्यन्, ।

(अन्तरक)

 श्री सुत्रमणिय मुदलियार ग्रलैयास्, पलनियांण्डी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मूचि के अर्थन के दिव्य कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति को मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत् :---

- (क) इस स्वया के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी बाध में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

स्वष्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया स्वाहा।

अनुसूची

भूमि ग्रौर मकान---पुराना, नं० 45, न्यू नं० 61, नेहरू स्ट्रीट, पांडिचेरी, लेख सं० 2213/84, पांडिचेरी।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 4-7-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जुलाई 1985

निदेश सं० 201/नवम्बर, $84/\overline{t}$ ज-II—ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

डावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है') की धारा 269-चे के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/-क. से अधिक है

ष्नौर जिसकी भूमि थ्रौर मकान है, जो पांडिचेरी, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय पाण्डिचेरी, लेख संव 2214/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिनांक नयस्वर, 1984

को पूर्विक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कर के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मंद्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया स्तिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं बाय की बाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने औं अन्तरक औं दायित्व में कमी करने या उससे धचने में सुविधा के सिए; बीड़/बा
- (क) इसी किसी बाव वा किसी धन वा कर्ण आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर निभिन्यम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोगनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया दवा था वा किया चाना चाहिए था, कियाने के सविधा के किया

जर्द अच्छ , उसत्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण कों, जों, शक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को क्रधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थान् धु—— श्रीमती मीनाक्षी श्रम्माल, मैनर बाबु श्रीर श्री सोमसुन्दरम ।

(भन्तरक)

2. श्रीमती धनभाग्यम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षम् के सम्बन्ध में कोई भी बाह्येप ए---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारी के की किया के 45 दिन की विविध मा तत्सम्बन्धी स्वितियाँ इड्ड स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वितियाँ में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्वाकरी के पाइ चिकित में किए जा सकेंगे।

स्थळीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्वा हैं।

अमृस्ची

भूमि श्रीर मकान नेहरू स्ट्रीट, पांडिचेरी, टाउन, पांडिचेरी लेख सं० 2214/84।

> एम० सामृवेक्ष सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 4-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आर्द्घ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज़न रेंज II, मद्रास

मद्रास, विनांक 3 जुलाई 1985

निवेश सं० 203/नवम्बर, 184—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल;

शासकर अधिनिषस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रामके परवाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- र. सं अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० 29, वार्ड डी, ब्लाक नं० 30, टी० एस० नं० 49, श्रार० एस० नं० 49, श्रार० एस० नं० 239 है, जो रोमैन, रोलैंडण्ड स्ट्रीट हैं जो पांडिचेरी में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पांडिचेरी लेख सं० 2689/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रतिफल के निए अंतरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान श्रतिफल से, एसे दश्यमान श्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अंतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसों, अर्थात् :—— 1. श्री डिय्डोण लूर्द्रुसिम और ग्रन्यों।

(ग्रन्तरक

2. मैसर्स प्रकर एसोशिएटस, पार्टनर्स-भ्ररिवन्द मिस्ट्री भौर श्रन्य । (श्रन्तिरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की साराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन को भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितदद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

प्रनुसूची

भूमि श्रौर मकान 29, वार्ड 'डी', ब्लाक नं० 30, टी॰ एस० नं० 49, श्रार० एस० नं० 2391/रोमैन रोलँण्ड, स्ट्रीट, पांडिचेरी, पांडिचेरी/लेख सं० 2689/84 ।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, मद्रास

दिनांक: 3-7-1985

मोहर 🤢

प्रकप बाईं.टी.एन.एस. -----

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्थना

भा<u>रत वरकार</u> कार्यातव, सहायक नायकर नावृक्त (नि<u>डी</u>कन)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 3 जुलाई 1985

निदेश सं० 215/नवम्बर, 1984---- प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसके इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं। श्रीर जिसकी सं० 2 ए, मांतारकी स्ट्रीट, जो पांडिचेरी में स्थित

श्रौर जिसकी सं० 2 ए, मांतारकी स्ट्रीट, जो पांडिचेरी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप स वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पांडिचेरी लेख सं० 2762/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवस्थर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दश्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अभ्यारण से हुई किसी जाय की वाबरा, उक्ता जीभीनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व में अभी करने वा उससे वचने में सुविधा के तिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (195/ को 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानः चाहिए था, छिवाने में संविधा के बिक्ट;

अन्द्रः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण जे, मैं उभत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :—— 10—196GI|85

- 1. श्री कृश्टोप मेरी जीसफ़ सेरार, फान्सीन,।
- (भ्रन्तरक)

2. टेलीस ग्रर्मा ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन की जनभि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुलक्का;
- (क) इस बूधना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब तें 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बच्च स्थावत इवारा जभोहस्ताक्षरी को शब निवित में किए वासकीय।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

भूमि ग्रौर मकान 2ए, मंडारचीय, वीधी, पांडिचेरी, पांडिचेरी, लेख सं० 2762/84 ।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- , मद्रास

दिनांक: 3-7-1985

श्रुप्त शर्ष देश क्षा कार्य के क्षा कार्य के क्षा कार्य के क्षा कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारी 269-भ(1) के अभीन सुसार

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिक) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1985

निदेश सं० 216/नवम्बर, 1984--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह धिश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बंग्जार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कुरूमम्बाक्कम, गांव बाहूर है, जो कम्यून, में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पांडिचेरी में लेख सं० 2777/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में जास्तिक हम से किथत नहीं किया गया है ह---

- (क) बन्तरण सं धुद्र निक्ती लाय की बावस, अवस विधिनियम के संपीत कर दोने के बन्तरक की दाबित्व में कभी करने या उससे तचने में स्विधा के सिए; मीर/बा
- (क) एसी किली आय या जिली धन या अत्य आल्तिलों का उल्लं भाषतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1927 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधि-विमान, या धन्-कर अधि-विमान, रा धन्-कर अधि-विमान, रा धन्-कर अधि-विमान, रा धन्-कर अधि-विमान, रा धन्-कर अधि-विमान प्राप्त कर प्राप्त कर करा प्राप्त कर करा प्राप्त कर करा प्राप्त कर करा कराना चाहिये था, स्थिपान में स्विधा के लिए।

अत: अज, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्थ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिकित व्यक्तिरों, अर्थात :---

- 1. श्री श्रक्त देवदास, गांधी श्रम्ल ग्रौर दूसरे। (श्रन्तरक)
- 2. मैंसर्स मधु लेदर्स प्रा० लि०,। (ग्रन्तरिती)

कार कष्ट्रं स्थाना जारी करके पूर्वोक्श सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाहाप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी क्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकतें।

स्यव्यक्तिकरण:---इसमी प्रयुक्त कब्दी और पद्मी का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, तही अर्थ होगा, भो उस अध्याय मी दिया गया ही।

अनस्ची

भूमि किरूमम्बाक्कम, गाँव बाहूर, कम्यून, पांडिचेरी, पांडिचेरी, लेख सं० 2777/84 ।

एम० सः(मुबेल सक्षम प्राधि ारी सहायक अव्यक्त प्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज नी. महास

दिनांक 3-7-1985

. माहर :

प्रस्य भाष् .टी . एन .एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

भायलिश, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजप्-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 जुलाई 1985

निवेश सं० 217/नवम्बर, 1984/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

बायकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,06,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं भंगलम बेली, वडमंगलम, गाँव विलियनूर कम्यन है, तथा जो पांडिचेरी म स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विलियनूर, लेख सं ० 1111/84, 1112/84 एड 1113,84 में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भू अे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य समान प्रतिफल सं, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित को) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण कि विश्व प्रया में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- . (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अल्लादक को दायित्व में कमी करने या उससे अजने के कृतिकथा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

- श्री कामाक्षी, अलैयास कोकिलांनाल, धनपाल चेट्टियार श्रीर कृष्ण वर्नेणि, अम्माल। (अन्तरक)
- 2. मैंसर्स पांडस इण्डिया, लिमिटेड । (अन्तरिसी)

को यह तृक्षा चाड़ी करने नृकोंनद बुम्मित में नृकंद से पिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्ति सं से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में दिसक्य्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा बर्केंगे।

स्पष्टीक १६०: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, को उक्त जिमिनकम के जभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जभें द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि मंगलम, बेल्ली, वडमंगलम, गांव, विलियनूर आर० एस० नं० 16/2, एण्ड 16/4, 16/1, विलियनूर, लेख सं० 1111/84, 1112/84, 1113/84।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की द्वपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिए अधिकतयों, अर्थात् :---

विनोक: 4-7-1985

इक्स कार्ड, डॉ. एस. एस. ------

बावकर बीधीनयम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन सुवना

सारत बड्रमार

कार्यासय, सहायक आयकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11 मद्रास मद्रास, दिनांक 4 जुलाई 1985

निर्देश सं० 224, नवम्बर, 84, रेंज-पष्--अतः मृत्ते, श्रीमती एम० सामुबेल,

जायकर अभिनिक्स, 1961 (1951 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करणे का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

1,00,000/- र. स आधक हैं

श्रीर जिसकी सं० 25, पेरूमाल कोइल सन्नदि स्ट्रीट है, जो
नागपिट्टनम, में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण
रूप से विजित हैं) र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, नागपिट्टनम,
लेख सं० 1224,84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्तह प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखत उष्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से किथत महीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तद्रण वे ह्या कियी नाम की नामत, उक्त निभिनियम के नभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुचिः के लिए; नौड़/बा
- (क) एसी किसी नाम या किसी धन या नन्य आस्तियां की, चिन्हें नारतीय नाय-कर निधियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था मा किया जाना थाहिए था, छिपाने में चृत्विचा के लिए;

जता जब, उनत जिथिनियम की भारा 269-म के अनुबर्ग में, में, उनत जिथिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के वधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, वस्ति :—

1. श्री एस० बालसुनामणियन् ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बी० मीनाक्षी ।

(अन्सरिती)

का कहूं सूचना धारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्पन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अक्त सम्मत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकोंगे।

स्पाक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदों का, वां उत्कल विभिन्नियम, के अध्याय 20-% में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

भूमि श्रीर मकान डोर नं० 25, पेरूमाल स्ट्रीट, नागपद्विनम्।लेख सं० 1334/84 ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक अप्यकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास-6

दिनांक: 4-7-1985

१६४ वार्च, टी. एव. एक.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार कार्यास्य, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्राम मद्रास, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० 139नवम्बर 84, रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

नायकर निधित्यम 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं 171, पैकापटम रोड, रायपेट्टा है, तथा जो मब्रास-17 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ट्रिप्लिकेन लेख सं 769,84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके सश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का नन्द्र प्रतिसत से अधिक है और अंतरिक (बंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रति-क्ष, मिन्नुविष्ठ उद्देश्य के उच्च अन्तरण विश्वित में वास्त-विक क्य से कथित नहीं किया वया है है—

- (क) अन्तरण ये हुए कियाँ नान् की वायत क्या व्यक्ति विश्व निवस के व्यक्ति कर योगे के स्वाहक के सावित्व के कती करने वा कवाचे नचने में कृतिया के विचे; शरि ना/
- (व) एंती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, विन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन- अन्य अधिनियम, या धन- अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया पवा धा वा किया बाना चाहिए था, किनाने में बृत्या की सिए;

नतः बन, उन्त निधिनियम की भारा 269-ग को, ननुसरण वों, मीं, उन्त निधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के नभीन, निस्तिमिक्त व्यक्तियों, अर्थात् कल्प 1. श्रीमती डी० सरोजा ।

(अन्तरक)

2. श्री ई० गोविन्दराजुलु नायुडु ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिक्ष् कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उनक सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गांक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, वो जी अविध याद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोंकर स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति बुवारा;
- (क) इत त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-वब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्वच्यीकरणः — इसमें प्रमुक्त कस्यों बीर पदों का, वो अक्त विधितियम के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

यनसची

भूमि भीर मकान 171, पैकाफ्टस रोड, रायपेट्टा, भद्रास-17, ट्रिप्लिकेन,लेख सं० 769,84 ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास-6

दिनोक: 8-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-व (1) के अधीन स्पना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (मिरोक्षण)

म्रर्जन रेज-3, सम्बर्ध बम्बर्ध, दिनांफ 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई 3/37ईई/14481/84-85—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिख्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य

1,00,000/- रु. से बिधिक हैं
श्रीर जिसकी सं यूनिट नं 126, जी 1 लो मंजिल, गुगोविन्द, मिह इंडस्ट्रियल इस्टेट, वेस्टर्न एक्पप्रेम, हायवे, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई 63 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसुवी में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क्खा के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक

1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित की गई है और मुभे यह विश्वास र का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कर से कि भत नहीं किया गया है हिन्स

- (क) अन्तरणुसे हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त विधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या उससे अव्यने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसे किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियः कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, यः धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्यांजनार्थ अंतिराधि द्यारा अकट नहीं किया कर भा वा किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविभा के किए;

बतः जब, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के जनसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाद्य ः—- 1. श्री लक्ष्मीक्षर, चौधरी ।

भ्रन्तरक)

2. श्रीमती जे० जे० चटलानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके प्रबंकत सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी काक्षोप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यिक्तयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किसे जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त क्षम्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

यूनिट न्॰ 126, जो 1 ली मंजिल, गुरू गोविन्द सिंह इंड.स्ट्रान इन्डेट, बेट्टर्न, एकार्येस, हायवे, गोरेगांव, (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं श्राई-3/37ईई/14481/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 18-7-1985 मोहर :

परूप काई टी. एन. एत. -----

लायकार लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्वेश सं० ग्राई-2/37ईई/14739/84-85---श्रनः मुझे, लक्ष्मण दास,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का जारण है कि स्थानर अमिल, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 1, इमारत नं० 1, लक्ष्मी इस्टेट, को-ग्राप० हाउमिंग सोसायटी लिमिटेड, ग्रोल्ड नगरवाम रोड. अधेरी (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित है (ग्रौर इममे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रॉर जिसका ए गर-नामा ग्रायकर ग्रीधित्यम, 1961 की धारा 269 वस्त्र के भ्रधीन वम्बई सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 19-11-1984

कां पूर्विक्त सम्मति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह व्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मित्त का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्ति-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी साथ की वायस, उथक विभिन्नियम के बधीन कर दोने के सम्तरक की शियत्य में कमी करने मा समये उथने में सविधा के लिए; और/या
- (त) एंसी किसी आय या किसी धन या निष्म नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 के) 11) अ जन्म अधिनियम, या धनकर निष्मित्रमा, 1957 (1957 ना 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था स्थिपने में सविधा के निष्णः

अरा: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण प . में, उक्त अधिनियम की नाग 269-ध की उपधारा (1) के अधीत. निम्निलिसित व्यक्तियों अधीत :---

श्री मनमुख लाल प्रानलाल पोपट श्रीर श्रोमती कुमुम मनमुखलाल पोपट।

(भ्रन्तर्क)

2. श्री विनोद धुदालाल पारीख।

(भ्रन्तरितो)

3. श्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिनके श्रधिमोग में सम्बत्ति है)

को यह स्वता जारी कारक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि**ए** कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाकीप ह-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेरिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितजब पित किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयूक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया गवा हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो इमारत नं० 1, लक्ष्मी इस्टेट, को०ग्राप० हाउभिंग मोनायटी लिमिटेड, श्रोल्ड नगरदास रोड, श्रंधेरी पूर्व, बम्बई-4000 69 में स्थित है।

सनुसूची जैसा कि कि के सं साई-2/37ईई/14739/84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधि हारों बम्बई द्वारा, दिनांक 19-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

दिनांक 12-7-1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एसा.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बाई

बम्बर्ड, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/14696/84-85—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं श्रीद्योगिक गाला नं 69, जो 2 री मंजिल, मेहता इंडस्ट्रियल इस्टेट, लिबर्टी गार्डन रोड नं 4, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अमुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-11-1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृष्ट अतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के दिश्व एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल निम्नलिखत उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से किथत नहीं किया कथा है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन क़र दोने के अन्तरक के दायित्व में और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीगा, निम्नः लिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. मैससं डिसपोल इंडस्ट्रीज ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स नूतन मेटल, फिनिशिंग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारां करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयूक्त हब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

''ग्रीद्योगिक गालानं 69, जो 2 री मंजिल, मेहता इंडस्ट्रीयल इस्टेट, लीबर्टी गार्डन रोड नं 4, मालाङ (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/14696/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विन†क8-7-1985 मोहर :

थरूप बाड़^{*} टी. एन. एस -----

सायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भास 269-व (1) के अभीत स्थता

भारत शरकार

कार्यासय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रार्ड-2/37ईई/14739/84-85—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बावकर अभिनिवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिमकी सं० फ्लैट नं० 1, इमान्त नं० 1, लक्ष्मी इस्टेट, को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ग्रोल्ड नगरदास रोड, अधेरी (पूर्व), बस्बई-400069 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 वस्त्र के श्रधीन बस्बई सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 19-11-1984

को पूर्वेक्ट सम्पति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यास करने शितफल के लिए अंतरित की गई है और मृश्ने वह व्यिवास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ट सम्मत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उख्वांश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी शास की शासक, उक्छ अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने सा उससे अपने में सविभा के लिए; और/या
- (क) एगी किसी आय या किसी धन या कृष्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 192? (1922 अ: !1) या जवल अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-गर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था कियाने में सुविधा के लिए:

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म , कें, उक्त अधितियम की यारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों अधारत क् श्री मनसुख लाल प्रानलाल पोपट ग्रौर श्रोमती कुसुम मनसुखलाल पोपट।

(अन्तरक)

2. श्री विनोद धुदालाल पारीख।

(भ्रन्तरितो)

3. ग्रन्तरिती ।

(शह व्यक्ति जियके अधिभीग में सम्मत्ति है)

कां यह स्वता जारो करकं पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

. इक्त सम्पत्ति के अर्जन को संबंध में को**ड़ भी नाक्षीप** है ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृक्षिका व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त जब्बों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में क्लिंग गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो इमारत नं० 1, लक्ष्मी इस्टेट, को० ग्राप० हाउमिंग मोपायटी लिमिटेड, श्रोल्ड नगरदास रोड, श्रंधेरी पूर्व, बम्बर्ड-4900 69 में स्थित है।

अनुमूर्चा जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/14739/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा, दिनांक 19-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांदः 12-7-1985

प्ररूप आहर . टी. एन. एसा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बाई

बम्बई, दिनांकः 8 जुलाई, 1985

निर्देण सं० अई-3/37ईई/14696/84-85——अतः मुझे, ए० प्रसाव,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

त्रीर जिसकी सं श्रीचोगिक गाला नं 69, जो 2 री मंजिल, मेहता इंडस्ट्रियल इस्टेट, लिवटी गार्डन रोड नं 4, मालाड (प॰), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विज्ञ है । श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-11-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच। एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया क्या है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में और/या
- (स्र) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः उस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मैसर्स डिसपोल इंडस्ट्रीज ।

(अन्तरक)

2. मैंसर्स नूतन मेटल, फिनिशिंग।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्षि में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणं:---इसमें प्रयुक्त अब्बॉ और पदौं का, जो उक्त मधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

''ग्रौद्योगिक गाला नं० 69, जो 2 री मंजिल, मेहता इंडस्ट्रीयल इस्टेट, लीबर्टी गार्डन रोड नं० 4, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37ईई/14696/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिन†क8-7-1985 मोहर : प्रकल बाह्", टी. एव. एव., ≥ - - ----

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) की विभीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनॉक 8 जुलाई 1985

निर्वेश सं० अई-3,37ईई,14776,84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 14, जो 1 ली मंजिल, निजी अपार्ट-मेन्ट्स, नं० 1, प्लाट नं० सी० टी० एस० नं० 419 (1.20) लिबटी, गार्डन, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (भौर इससे उपायद्व अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) भौर जिसका कर रनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय र जस्ट्री है दिनांक 1-11-1984

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिष्ट से अधिक है है और अन्तरिक (अन्तरिकों) को अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित महीं सिश्वा गया है :---

- (क) अभ्यारण ते सूर्व किसी बाय की वाबंत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के शाबित्व भें कमी करने या उससे वचने में सृविधा के सिए और त्या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य जास्तियाँ को, चिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स जधिनियम, सा भनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ क्लारिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था क्रियाने में स्विभा के सिक्;

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरक को, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री भंवारी लाल लक्ष्मीनारायन जी मिल्ल । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री अरुण नाराय नाग्रेग्नीर अन्य । (अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के कर्जन के लिए कार्यनाहियां कुरू करता हुं।

उनत बन्धरित के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों नर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्षीं , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (वा) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की नारीक के 45 विज के भीकर उक्त स्थावर संस्थित में हित-क्यूव किसी जन्म क्यक्ति द्यास संधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस वा सकोंगे।

स्वध्यक्रिरण — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वया है।

अनुसूची

फ्लेंट नं० 14, जो 1 ली मंजिल, निजी अपार्टमेन्ट्स, नं० 1, प्लाट नं० सी० टी० एस० नं० 419 (1.20), लिबर्टी गार्डन, मालाड, (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-3/37ईई/14776/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, विनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, यम्ब**ई**

दिनोक 8-7-1985 मोहर :

प्रकर नाइं.डी.एन.एस्.-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बभीन सुचना

माइव वरकार

कार्यासय, सहायक मामकार वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 8 जुल ई 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/14417/84-85—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उनत अधिनियम' कहा गम है), की धारा 269-च के अधीन तकम प्राधिकारी को वह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 15, जो "द्वारकेश" इमारत, रानी सती मार्ग, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है (भौर इसमे उपाबद्ध अनुमूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणित है) भौर जिसका करारनामा अत्यकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है दिनांक 1-11-1984

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाधार मृश्य से कम के प्रयमान तिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाधार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) भीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बिशिंभयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या कस्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट मुही किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिज्याने में सुविद्या के लिए;

्र**बतः अव, डब्त् विधिन्यम की धारा 26**9-ग **कै अनुसरण** मों, में उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निसिसत व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्री पवन कुम।र जैन, ग्रौर अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री भवरसिंह एम० चडाना ग्रौर अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्वभाहियां करता हुं।

ब बच्च संपत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीय मं 45 दिन की बर्बीय मा तृत्संबंधी व्यक्तियों पर चूचना की दामील वे 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्तं स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार सिसित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः—इसमें प्रमुक्त कन्धों और पदों का, को उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विस्त गया है।

मन्सूची

दुकान नं 15 जो ''द्वारकेण'' इमारत, रानी सती मार्ग, मालाड (पूर्व) बम्बई-97 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/14417/84-85 घोरजो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

महिर ।

प्रकार बार्ड . टी. एर एत्.------

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भाव 269-व (1) के नभीन सुचना

प्राप्त बहुतान

कार्यासम् प्रहायक नायकर नायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985 निर्देश सं० अई-3/37-ईई/14263/84-85---अत: मुझे, ए० प्रसाद

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अभीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित्त बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से जिथक हैं
भी जिसकी सं० गाला नं० 129, जो, 1ली मंजिल, मोनल हैवी
इंडस्ट्रियल इस्टेंट, रामचंद्र लेन, मालाड (प), बम्बई-64 में
स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित
है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी

के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 1 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उच्चित्र बाजार मूस्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित के गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्चित्त बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के निश्न तय गया गया प्रति-फल निश्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण सिखित में वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुर्द किसी नाम की बानत, उपक्ष जिमित्यम के निभीत कर दोने को जन्तरक को दायित्व में कभी करने या उत्तसे ज्ञाने में सुविधा की लिए; जीर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्ध आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविधा के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की कारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को उन्होंद्र, निमालिखिक व्यक्तियों, अधारा ३० 1. श्रीमती उषावैम जयंतीलाल मेहता।

(अन्तरक)

2. मैसर्स अश्वन इंडस्ट्रीज।

(अन्तरिती)

की यह सूचना भारी करके पृथींकत संपत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बक्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 दिन की अविधि या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वीक्स स्थित्यों में से किसी व्यक्ति हवारा:
- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वयतीकरणः — इसमें प्रयम्त कब्दों और पर्दों का, वो अवस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाला नं । 139, जो, 1ली मंजिल, सोनल हैवी इंडस्ट्रियल इस्टट रामचंद्र लेन, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-3/37-ईई/14263/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3**, बस्बई**

दिनांक: 8-7-1985

मोहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

बम्बर्ष, दिनांक 8 जुलाई, 1985 मिर्वेश सं० अई-3/37-ईई/14551/84-85—अतः **मुझ** ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचितः वाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० गाला नं० 86, जो मेहता इंडस्ट्रियल इस्टेट, लिबर्टी गार्डन रोड़ नं० 3, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (मौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजित हैं) और जिसका करारमामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए. ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है जारीख 1 नवम्बए 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्प्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल के एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय का बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

6. श्रीमती डालीबन गल्बा भाई पटेल ।

(अन्तरक)

2. श्री हबीब मेहताब शेख।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रथमित कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गाला नं 86, जो, मेहता इंडस्ट्रियल इस्टेप्ट, लिबर्टी गार्डन रोड़ नं 3, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि० सं० अई-3/37-ईई/14551/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिशोक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, **बम्बई**

अतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को अधीन, निम्नोत्तिक्ति व्यक्तियों, अथित्:—

दिनांक: 8-7-1985

प्रकल नाहाँ, की. एन. एस. - - - ----

भावकर विभिनित्रम, 1961 (1961 का 43) की पाच 269-म (1) के वभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० अर्द-3/37-ईर्द्य/14310/84-85—अतः मुझ ए० प्रसाव

बानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जन्स विभिनियन' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षान प्राधिकारी को यह विकास करने का जारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 63, जो, 6वीं मंजिल, मनाली इमारत नं० 5, विलेज बालनाय, मालाङ (प), अम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) शौर जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बश्यमान प्रतिकास के जिए अन्तरित की गई है और मूओ यह निज्ञास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्रिणत बाजार मूल्य, स्वको दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तियों) के बीच एसे अन्तरिक के निए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नीलिश्वत उद्वेष्य से उस्त अन्तरण जिल्लिस में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है कु--

- (क) जन्तरण सं इन्हें किसी आय की बानत, उक्त अधिनियम के सधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कसी करते है। समार्थ स्थान में स्थित के किस कर्मा
- (क) हुनी किसी जाग या किसी धन वा अन्य आस्थियों को चिन्हें भारतीय आयकर निधिनवम, 1922 (1922 का 11) या उनत जीधनियम, या धनकर अधिनिवम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया बाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के लिए;

बतः अव, उवत प्रधिनियम की धारा 260 म है अन्यस्य में, बैं, जबत अधिनियम की भाग 260-य की उपधान (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मैसर्स मनाली कार्पोरशम ।

(अन्तरक)

2. डा० सिनेशचंद्र शर्मा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के वर्षन के जिए कार्यक्षित्रमं करता हुं।

उन्त बन्नति के क्यांग के संबंध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की शारी के से 45 चिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की संग्रील से 30 दिन की अविध, जो भी क्वी शास में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्वीक्त युवास;
- (क) इस ब्यान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिल में हित-बद्ध किसी बन्ध स्थावत क्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

स्वाच्यीकरण क्रममे प्रयुक्त सन्दर्ग और पर्वो कर, जो खबर अधिनियम के अध्याय 20-क में मध्य परिभाविष इं, बही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिसा गवा है।

वग्स्यी

फ्लैट नं॰ 63, जो, 6वीं मंजिल, मनाली इमारत नं० 5, विलेज वालनाय, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।}

अनुसूची जैसाकि ऋ० गं० अई-3/37-ईई/14310/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधि कारी सहायक आयक≒ आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्ब**ई**

दिनांक: 8-7-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/14245/84-85—अतः मुझे ए० प्रसाद

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उचत निर्धानका' कहा परा हैं), की धारा 269 के मधीन तकाम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्बक्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202, जो, फर्कया पलेस, सोमवार बजार, बाम्बे टाकीज कंपाउंड के पीछे, मालाड, (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रार जिसका करारमामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त संवीत के उचित वाकार क्ष्य से कम् के क्ष्यमान्
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि वजाव्यों क्ष्य संस्थित का उचित वाजार मुक्त उसके क्ष्यबान प्रतिकास से, एके क्ष्यजान प्रतिफल का पत्यह प्रतिकास से अधिक है और मन्तरक (बन्तरका) और मन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एके क्ष्यक्ष के सिन्द तब् धावा चवा प्रतिकास, निम्निलिखित उद्देश्य से उसके अन्तरण कि बिद्ध भें वास्तविक क्ष्य से कांचित नहीं किया नवा है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत, उथल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रीयत्त्र के अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन वा जन्य वास्तियों को, जिल्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा बा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अबः उक्त अधिनियम की थारः 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) हे वधीनः जिल्लानिक स्पीयतयों, अर्थाद :— 1. करमाली इंप्टरप्रायजेस।

(अन्तर्क)

2. श्रीमती मेहमूदा रहमतुल्लाह।

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन् के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकादन की तारीब से 15 दिन की नवीं या तत्वंबंधी व्यक्तियाँ पृष्ट सूचना की तानील वे 30 विन की वच्चीय, जो औं वचींय नाव में सवान्य होती हो, ने भीतार पूर्वीका व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तिया हुनाया;
- (च) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीच को 45 दिन को भीतर उनक स्थाबर सम्प्रीस में हिंद-ब्रांभ किसी व्यक्ति युवारा, नुभोहस्वाक्षणी को राज्य सिविका में किए वा सर्वोंगे।

सम्बद्धिक हुण: इंड में प्रश्वास सम्बद्धे स्वीद कर्या का, को स्वस्क्ष्य विधिनियम, को नभ्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं नर्थ होगा को उस नभ्यान में विधा स्वा ही।

वमुसुची

प्लैट नं० ए०-202 जो क्कैया पलस सोमधार बझार बाम्बे टाकीज कंपाउंड के पीछे मालाड (पन्न), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि॰ सं॰ अई-3/37-ईई/14245/84 85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज-3, बम्बई

दिमांक: 8-7-1985

मातृर :

प्ररूप बाह्र . टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के **जभी**न **म्य**ना

नारक बर्काह

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/14247/84-85—अतः मुझे ए० प्रसाद

अधिकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) विश्वे इसवें इसके पश्चात् 'उसत अभिनियम' कहा गया हैं). की थाड़ 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित ग्राधार मृश्ये 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैंट नं० बी० 105, जो रूकैया पलेस, सोमवार बजार, बाम्बे टाकीज कंपाउंड के पीछे, एस० नं० 388/2, मालाड (प), वम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इससे उपावड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप ने वर्णित है) श्रौर जिसका कर।रनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार स्ट्य से कम के अध्यक्षक शितक्ष्म के लिए अंतरित की गई है जोर मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि सभाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित वाषाद मृत्व उमके दश्यमान प्रतिफल में, एमें अध्यमान प्रतिफल का पत्तुइ शितकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (कन्तरितीयों) के बीच एवं अम्बर्ग के सिए तक पावा जवा भावफस, निम्नसिसित उद्देशमाँ से उक्त अन्तर्त सिवाय में अध्यक्त में कार्य से कार्य में कार्य से कार्य में कार्य से कार्य से

- (क) अन्तरण में **हार्च किसी आय का बावल, उक्छ** जिम्मिनियम के जभीन कार पाने के अन्तरिक **बे** बाधित्व मो सामी घरने या उससे धणने मी सुनिधा के सिए: बरि√वा
- (क) एसे किसी नाय या किसी भन या नन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर निभिन्नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्नयम, या भन-कर निभिन्नयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, ख्याने में स्विधा के लिए?

अतः अब, उक्त जीधनियम की धारा 269-ग के अन्सरण अरं, मंं, उक्त जीधनियम की धारा 269-**ग की उपधारा (1)** के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—— 12—1960185 1. मैंगर्स करमाली इंटरप्राईज।

(अन्तर्क)

2. श्रीमती रशीदा खान।

(अन्तरिती)

को नह बुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही सुक करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों क्यू सूचना की तासींच से 30 दिन की जनिथ, को भी जनिथ याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बब्ध किसी व्यक्ति व्यक्ति, अभोहस्ताकरी के पास निवित में किए जा सकते।

स्वच्छीकारण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विभिनियम के वश्याय 20-क में परिभाविश हैं. बही वर्ष होगा को उस वश्याय में विका गठा हैं।

अनुसुची

प्लैट नं० बी०-105, जो, रुकैया प्लेम, सोमवार बजार, बाम्बे टाकीज कंपाउंड के पीछे, एस० नं० 388/2, मालाड (प) बम्बई-64 में रियत है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/14247/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्यई

दिनांक: 8-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बचीय क्यना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्ष, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्वेश सं० म्रई-3/37-ईई/14248/84-85—-म्रत: मुझे ए० भसाद

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व को अधीन राज्य प्राणिता करें, जा नियाला करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पर्नेट नं० 104, जो, ए०-1, सबाह, सोमवार बाजार, बाम्बे टावीज बंपाउंड के पीछे मालाड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबढ़ प्रमृसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है)/ और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पल्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक में बास्तिविक के बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की आअत, उक्क जिसीनयम के अभीन कर दाने के अस्तरक के रायित्व मा कमी करन या उससं वचने में सुविधा है लिए; और/या
- (ख) एमें किसी आय या िन्सी अन या अन्य जास्तियाँ कों, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियस, या धन-कर जिथितियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धारण विश्वा जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए:

भतः वस, अक्त विधिनियमं की भारा 269-गं की, अनुसरणं माँ, डौँ, अक्त अभिनियमं की भारा २६०-घ की उपधारा (१) १ अर्थाः जिल्लीस्ट व्यक्तियों, सर्थातः :--- करमाली इंटरप्राईज ।

(ग्रन्सरक)

2. श्री वी० वी० नक्सारे।

(भ्रन्तिरती)

की वह सुवना कारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्वन के निए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकाँगे।

स्थान्त्रीकारण लड्समें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उसत विधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही कर्ण अभिः, को उस सध्याय में दिसा गया ही।

प्रत्यूकी

पर्लंट नं ० 1 04, जो, ६०-1 सबाह, सोमवार बन वाम्बे टाकीज कंपाउंड के पीछे मालाड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-3/37-ईई/14248/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> ्रत प्रसाद सक्षम प्राधिक सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बस्बई

दिनांक: 8-7-1985

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस.------

कामकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन स्वना

नारत चंडुकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रकंत रेज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/14246/84-85—-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव पलैट नं. 103, जो, एव-2 मबाह, सोमबार बकार, बाम्बे टाकीज व पाइंड के पीछे, एसव संव 388/2, मालाड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुम् में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका रकरारनामा प्रायकर प्रधिन्तियम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षमं प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1984 की पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके व्यथमान प्रतिफल सं, एस क्यमान प्रतिफल का पन्हिं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकार्ग) और अतिरिक्त (अन्तरिकार्ग) और अतिरिक्त (अन्तरिकार्ग) के बीच ऐसे जंतरण के जिए दय पाम नवा भाराफन, जिम्मिणिकत उद्योग में उन्तर अंतरण जिल्हा में सासाबिक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:--

- (क) अधिरण से हुन्द्र किसी अप्तय की बाबल. अकः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मा कसी करने या उद्यक्त क्ष्मणे में सूविधा के किए; स्टिंग्टर
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजभाष जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बना था वा सिका जाना चाहिए था जियाने में सावधा के लिए,

मतः शकः, उक्त विधिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :---

1. करमाली इंटरप्राईज ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जी० बी० नक्सारे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उकत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बार्ध :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 15 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर उचना की ताशीन स 30 दिन की ववधि, को भी शवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याराः
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ह ८३ कि न नीतर उसर स्थावर सम्मति में दिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधाहस्ताक्षरी से भास निविद्ध में विका का सकींसे।

स्पच्छीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित व्रा, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में विद्या गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 103, भो, ए०-1 सवाह, सोमवार बहार, बाम्बे टाकीज कंपाउंड के पीछे, एस ० नं. 388/2, मालाड, बम्बई में स्थित है।

श्रमुम् को नाकी कि संव श्रई-3/37-ईई/14246/84-85 और को सक्ष्म प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 8-7 1985

प्रकथ कार्च, डी., एन., एस., :-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, तहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ग्राई-3/37-ईई/14549/84-85—स्त्रतः मुझे ए० प्रसाम,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अस्व 1,00,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी संव आपीस नंव 32, जो, प्लॉट सीव टीव एसव नंव 248, एप.० पीव वंव 5-ए, लक्ष्मीनारायण शापिंग सेंटर, पोदार रोड़, मालाड (पू), बम्बई-97 में स्थित है (और इससे उपाबक श्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रद्धिनयम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई में स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यालय में रिजस्दी है तारीख 1 नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्परित का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिल्लित वै सास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुए किसी बाय की बावछ, उनक अधिनियम के अधीन कर दोने अंधन्तरक भ वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वे सिए; शर्डि/बा
- (ण) ऐसे किसी भाव का किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारवीय अध्यक्षर अध्यक्ष्यमं, १९३३ (1922 का 11) या उक्त अधिनयन, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 र प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, डिज्याने में सुविधा के लिए;

नतः ज्या, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के, जनसरण भा, मी, उक्त जिथिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, जभति ;— 1. श्रीमती जे०एच० वेद।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती यु० एन० ठक्कर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के कर्वन कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनंदर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के श्रम लिखित में कियों जा सकारी।

स्थलकीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ष अधिनिक्म, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषय गया है।

नगुसूची

भ्राफीस नं० 32, जो प्लाट सी० टी० एस० नं० 248, एफ० पी० नं० 5-ए०, लक्ष्मीनारायण णापिम सेंटर , पोदार रोड़, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि सं प्रई-3/37-ईई/14549/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई क्षारा दिनांक 1-11-1984 को राजस्टर्ज किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनोक: 8-7-1985

महिर 🖫

बक्य बार्ड .टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्वेश सं० श्रई-3/37-ईई/14546/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का अधरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं० श्रापीस दिमायमेंस मं० 124 और 127, जो, 1ली मंजिल, मालांड नटराज मार्बेट वो-श्राप० हार्डासग मोसायटी लि० स्टेशन रोड़, मालांड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (और ध्रसंस उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम द्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मस्य से कम के दश्यमान प्रतिफाब के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाम् वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाबा गवा प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी भाव की बाबत, अक्त श्रीभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी या किसी धन मा अन्य आस्तियां को जिन्ह भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीय, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री प्रभ्दास भिमजी।

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती एस० पी० खांदारे।

(अन्तरिती)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास निर्वित में किये जा सकरेंगे।

स्पव्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ममुस्ची

श्राफीस प्रिमायसेस नं 124 और 127, ओ, 1ली मंजिल, मालाड नटराज मार्केट को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, स्टेशन रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/14546/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-11-1984 की राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

मोहर 🖫

शक्त बार्चा हो। युन् ्यून ः लाग्ना

नावकर विभिनित्तन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के नुभीत सुभता

नारत सहस्राह

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37 ईई/14265/84-85--श्रतः मुझे, ६० प्रसाद

शायकर श्रीधीनम्ग, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त श्रीधीनम्भ' कहा गया है), की धारा 269-व के श्रीन सक्षम श्रीधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, चित्रका स्थीवत वाचार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संब प्लाट नंव 14, जो, विलेज वालनाय, तालुका बोरिवली, मालाड (प), वम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम 1961की धारा 269क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1984

को भूगों कर सम्मत्ति के उचित् गायार गूल्य सं कम के स्वयं मान् प्रतिकास के सिष्ट गुन्तरिक की गई है और गूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाभूगों कत सम्मत्ति का जियत गायार गूल्य, इसके स्वयं मान प्रतिकास से एसे स्वयं मान प्रतिकास का पंचाइ प्रतिकास से अधिक ही और अन्तरिका (अंतरिका) और अन्तरिती (अन्वरिका) के नीच एसे जन्तरित के निष्ट तय पाता स्वा श्रीतिका , निज्नितिका उद्देश्य के उच्छ बुन्तरुष विश्वत में गास्त्रीयक रूप से कांचित्र वृद्धी किया ग्या है ---

- (क) अन्तरण **से हुई किसी जान की बानत उनक समितिश्**य के भूभीन कर दोने के जुन्<u>यरक नी</u> दायिरन में कभी करने या उससे नभने में सुविधा शे विष्ट; जीद्र/सः
- (क) येती कियी बाम मा किसी भूत ना सून्त वास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोद्यार्थ अन्तरिशी ब्वास प्रकट नहीं किया न्या था सम्मा चाना चाहिए था कियाने में स्विधा के निष्

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अन्सरण कें, कें, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) वे वधीन, निस्तिवित व्यक्तिवीं, वर्षां क्रिक्ट

- 1. श्री क्रिजेंग बी० गुरीया और श्रन्य। (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्स रिलायन्स बिल्डर्स एण्ड डेव्ह्लोपर्स। (ग्रन्तरिक्षी)

कार्य बहु बहुचना बारी करके पृथानित संपरित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के कर्षन के संबंध में काई भी काशेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी बब्धि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति ब्वान्द;
- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीब, से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्लाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु वर्ष क्षेत्रा, वा उस अध्याय में विद्या नवा हैं।

मन्त्र्यी

प्लाट नं० 14, ओ, विलेज वालनाय, तालुका बोरिवली, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० ग्रई-3/37ईई/14265/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-854 को राजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

महिंदु 🕍

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-3, बम्बर्ड

बम्बर्ड, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/14480/84-85—श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिपकी सं० फ्लैंट नं० 305, जो, 3री मंजिल, ए-विंग, ला-चपल को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, एवरशाईन नगर के पास, ग्राफ़ मार्वे रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका दारारनामा ग्रायतर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कृष्य के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है तारी छ । नवस्बर, 1984

को पूर्विकत सम्पर्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमार प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एसे दश्यमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिश्रत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गया ही किया गया है अ

- (क) शन्तरण स क्ष्म किया बाग की वागत, उन्त निधिनियम के निधीन कर क्षेत्र के अन्तरकः ने दासिस्त मीं कमी कारने ए जससे अजले में सक्तिका अतिष्ठः, जौर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अच्य आस्तिया का जिल्हों भारतीय अप्यक्षत्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में मृतिभा के सिक्;

बद: अब, उन्तर विधितियम को धारा 269-ग क अन्सरण ब. म. उन्तर अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, वर्षात क्र— श्री बी० सी० जाधवानी।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती रूखसाना मर्चन्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया अरस्य भाग

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी त्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में हितकपृथ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए भा सकरी।

वन्स्ची

फ्लेट नं० 305, जो, 3री मंजिल, ए-विंग, ला-च-पलको भ्राप० हाउसिंग सासाइटी लि० एवरशाईन नगर के पास, भ्राफ़ मार्वे र.ड़, मालाड (प). बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैस।की कर मंठ श्रई-3/37-ईई/14480/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 का रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए०¦ प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रजन रोज-३, बस्यई

दिनांक : 8-7-1985

महिर 🛭

प्ररूप भाष्ट्र . टॉ. एन . एस . -----

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाड़ा 269-व (1) के बधीन सुमना

पारत सहस्रा

कार्यालय, महामक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रार्जन रेज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/14266/84-85-—श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

त्रायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें शसके पश्चात् 'तक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्यण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उणित वाचार मूल्य 1,00,000/- रठ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1, जो विलेज बालनाय, तालुका बोरिवली, मालाड (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपावड ग्रनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्राधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यील में रिजस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्यक्ति सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रस्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाना बना प्रतिफल निम्नलिखित उद्देशम से उन्त अन्तरण सिचित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया बना है हि—

- (क) जन्तरण संहुद किसी जाम की वायस उक्स अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा को जिए, कोइटेशा
- (का) एसी किसी जाम या धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिन्सिम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्नार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा को किया;

कतः जब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-व के जनुसरण वं में, उक्त जिभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री बी० आग० गुरीया और अन्य। (अन्तरक)
- 2. मैं सर्स रिलायन्स बिल्डर्स एण्ड डेह्मलापसं। (अन्तरिता)

को नइ सूचना वारी करके प्रांक्त सम्परित के वर्षन के बिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्तु बुल्कि के बुर्वन के बुल्का के कोई भी बार्बाक्षाः

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर क्वान की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी विविध वाद में वनाप्त होती हो, के जीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवास
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के बीतर उक्त स्थानर कम्परित में द्वित्ववृथ किसी मृत्व म्यासित ब्वाय संभोहस्ताक्षरी के पांध निवित में किए वा सकों ने।

स्वाक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20 के में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ववा है।

वनसभी

प्लाट नं० 1, जो, विलंज बालनाय, तालूका बोरिवली मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूर्चः जैमाकी ऋ० मं० आई-3/37-ईई/14266/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारा बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को राजस्टर्ड कियागया है।

> ए० प्रसा**द** सक्षम प्राधिकःरो सहाय १ प्रायक्षर श्रायुक्त (निरंक्षण) ग्रर्जन रोज-3, बस्बई

दिनांक: 8-7-1985

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. -----

भायकर मुभिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन तुचना

शारत बरकार

कार्यांतव, तहायक कामकर काम्प्रत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/14267/84-85— सतः मुझे ए० प्रसा

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके परवात जिस्त मिथिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित क्षकार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्लाट नं० 15 जो विलेज वालनाय तालुका बोरिवली, मालाइ, वस्बई में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकार, के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 नवस्बर 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास कुने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त तंपरित का उचित बाजार मृत्य, उत्तक क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकार्य) और अन्तरिती (अन्तरिकार्य) के कि एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उच्चेच्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किची बाय की बावत, बच्क विधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) एंसी किसी नाय वा किसी भन या नम्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उन्त निधिनियम, बा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के इक्केबबार्य नन्तियों द्वारा इक्के नहीं किया ववा वा वा किसा नाना चाहिए वा किसारें में सविभा ने लिए;

- श्री नगर्वका प्रमाण नगराचंद्र गुरीया श्रीर भन्य । (ग्रन्तरक)
- 2. मैंसर्स विकासक क्वाडर्व एण्ड डेह्नुलापर्स। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिन करका हूं:

उक्त सम्पन्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की जबिश या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सायील में 30 दिन की नविश, वो बी अवधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर प्रवेचन स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशित की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बब्ध किसी अन्त व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्कित व्यक्ति का स्काम ।

स्नक्षीकरणः --- इसमें अगुबत शब्दों और पदौं का, जो उन्ह जीभनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

وإستعاده

प्लाट नं 15, जो, ार्यंत्र वालनाय, तालृका **गोरिवली,** मालाड (प), बम्बई-६४ म स्थत है।

स्वतुक्त जैनः १० १० ए० श्रिप्त अर्थ-3/37-ईई/14267/84-85 और जो सक्तम प्राधित ए क्यार्ड द्वारा दिनांक 1-11-1984 की रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद गजन प्राधिकारी १८८८ मः १७०० ग्रापुक्त (विरक्षण) ग्रजन रोज-3, बस्बई

विनांक: 8-7-1985

मोहर ह

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1 मैसर्स मनाली कार्पोरेशन।

(भन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(श्रन्तरिती)

की धारा 269 घ (1) के अधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रें-८, अम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० भई-3/37-ईई/14606/84-85---भतः मुचे ए० प्रसाद

आयकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) विके इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार नृस्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 51, जी, 6वीं मंजिल मनासि इमारन नं० 5, प्लाट नं० 48, 49 श्रीर 50 वालनाम विलेज, मालाड (प), बम्बई 64 में स्थित है (श्रीर इससे उपावट श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप रूप से विणित है) श्रीर जिसका श्रीर जिसका श्रीर जिसका श्रीर जिसका श्रीर जिसका श्रीर जिसका श्रीर विशेष के श्री न, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है तार्श खा। नवस्थर 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरवजान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास क रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित कावार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान ऋतिकस के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिचित उच्चेष्य से उक्त अंतरण सिवित में बास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइं किसी नाम नी वासत, उनत अधिनियम के अधीन कर वंगे ने बनतरक में दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी काम या किसी धन वा कम्म बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा मृविधा के लिख;

वतः अतः, स्वतं विभिनियमं की भारा 269-न के वन्तरम में, में, उन्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नित्विक व्यक्तियों, अवित् को बहु सुकता कारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां बुक्त करता हूं।

बाबत बाम्बरित के बर्जन की संबंध में कांद्र भी बाक्षेप :---

- (क) इस त्याना को राजपण में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की वारी मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की वारी मा को भी वारी वास में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुआता;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तनद्ध किसी बन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकते।

सम्बोकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्त्रों और पदों का थों उक्क अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अन्स्ची

पलट नं० 61, जो, 6वीं मंजिल, मनाली इमारत नं० 5, व्लाट नं० 48, 49 और 50 , त्रालनाय विलेज, मालाड (प) बम्बई 64 में स्थित है।

भ्रनसृषी जैसा कि कि सं प्रई 3/37 ईई/14606/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्वत (निरक्षिण) श्रर्जन रोज 3, बस्बई

दिनांक: 8-7-1985

मोहर 🖫

प्रकण कार्यं .टी .एम .एस

(ग्रन्सरक)

2. श्री संयद ग्रन्युल कादर। 1961 (1961 का 43), की

(भ्रन्तिरती)

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर शायुक्त (निड्रीकाक)

श्रजन रंज 3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश मं० ऋई 3/37 ईई/14193/84 85——भ्रतः भुने, ए० प्रसाद

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जितका संव दुकान नव 12, जो ग्राउंड फ्लोर, स्रटलांटा, बीव विग, प्ल.ट नंव १८, श्राफ़ बालनाय बिलेज, मार्चे रड़, मालाड, बम्बई 64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 नयम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) बार अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण दिश्वत में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था विया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात 4—

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुई।

1. श्री जवाहर कपूर।

स्वय सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास सिवित में किए का सकींगे।

स्पव्यक्तिणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं र 12, ग्राउंड पत्रोर, एंटलाटा, बंजिया, ध्याट नं र 38, श्राफ़ वालनाय बिलेज, मार्बे शेड, माणाड, ब्य्बर्ज 64 में स्थित है।

श्रनुसूत्री जैसा 6 कि सं श्रई 3/37 इई/14193/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकार बम्बई द्वारा व्यक्ताः --11-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

> ्ष्ठियसाय सदास प्रतिव (३३०) सहासक स्त्रायकर स्त्रायुक्त (विराक्षण) स्रतिन रोग-३, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

श्रुक्त आहु². टी एन. **एस**. -----

श्री नारायन पी० लाखानी ग्रीर मन्य।

(भ्रन्तरक

2 श्रीमती प्रेमलता फ़ोगला।

(भ्रन्तरिती)

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) क अधीन मुखना

गारश तरकार

कार्याजन, शहायक नायकार नायकत (निर्माण)

यार्गन रें प्र 3, बम्बई

यम्बई, दिसां । ४ ज्लाई, 1985

निर्देश मं० ग्रार्ट 3/37-रेडी । 1312/84-85---श्रतः मुझी ए० प्रसाद

नामकर मिनियम, 1961 (196) का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उन्त अधिर्नयम' कहा गया हैं)., की भारा 269-ख के अधीन सक्षय प्रश्वकार का यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर संपरित जिसका उजित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी मं० क्याट गं० 32 श्राण 33. जा, नालंदा नं० 1, एवरणाईन नगर, ।वलंधा, जालनाय, गार्व रोड़, मालाड (प), बम्बई 64 में स्थित हे (सार जेगार उपावड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है)/पार जिस्सार हरारनामा श्रायवर श्रीध नियम 1961 की धारा 360 ए जाके श्रायंन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिक।रं के दार्याल्य से श्रीधरद्र हैं, तार खा। नद्यदर 1984

- (क) भंतरण स हुई किसी आय की नावत, उक्त विभिन्नसभा के अल्लारक के बायित्व मा कभी वर्ष भा उससे वश्ने में सृविधा के सिए; आर/या

नतः जन, अवस्त शिल्डिन में विशेषास्य 269 में के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम के एक १८९० में की उपधारा (1) के बमीन, निम्मीनग्रह १८७० में, अधात :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षंप :---

- (क) इस स्वान के रावपक में प्रकाशन की तारिंच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मेथे हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ण्लाट नं० 32 श्रीर 33, जो नालंदा नं० 1, एवर शाईन नगर, जिलेज बालनाय, मार्वे रोड़, नालाड (प) बम्बर्ड बम्बर्ड 64 में स्थित है।

श्रनुमूचे जैमाको क० .सं० श्रई 3/37 ईई/143 : 2/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज 3-, बस्बई

दिनांकः 8-7-1985 **मोहर** ⊭

प्रकृत् वार्द्वे, टी. एन्. एक्..------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के जभीन सूचना

भारत तरकार

कार्याभय, तहायक भायकर भायूक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेज-3, बम्बई बम्बई, विनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं श्र श्र श्र = 3/37-ईई/14308/84-85--मतः मुझं, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संव पत्नैट तंव 11, जो, 1ली मंजिल, इमारत तंव 5, विलेज वालनाय, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारतामा प्रायकर प्रकित्यम, 1961 की धारा 269क ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

की पृत्रोंकर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के व्यवमान प्रतिकत के लिए जन्तरित की गई है जीर मुक्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार जून्थ, उसके दश्यमान प्रतिकत्त से एसे व्यवमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) जीर जन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखिक उद्देश्य से उक्त जन्तरण मिखित में बास्त्रविक रूप से कवित नहीं किया गया है ——

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियत के ब्धीन कर देने वें ब्नाउल क बाबिरव में कनी करने या उत्तर्ध वज्ने में बृत्यिका के विष्: क्षीं-/या
- (क) एसी किसी बाब वा किसी वन वा शन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय लायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जिन्नाने में सुविधा के जिए;

बतः शव, उनते विभिन्नम की भारा 269 न के बन्सरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के बभीन, निम्मसिचित व्यक्तियों, क्याँत करून 1. मेसर्स मनाली कार्पोरेशन।

(ग्रन्तरक)

2. श्री भ्रवतार सिंह वेरमनी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचभा की तामील से 30 दिन की बविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुकारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकने।

स्पन्धीकरण : — इसमें प्रयुक्त घन्यों और पर्यों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

अनुसूची

पर्लंट नं० 11, जो, 1ली मंजिल, मनाली धुमारत नं० 5, विलेज बालनाय, मालाड (प०), बम्बई--64 में स्थित है।

अनुसूची गैसा कि ऋ० सं० अई-3/37–ईई/14308/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्वारा दिनांक 1-11–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (न्रिरीक्षण) ग्रर्जन रेज--3, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

ए० प्रमाद,

प्रकल बाह्रं. हो, एन, वृह्यः, जनगणनामाना

1. मेसर्फ हेमल इंटरप्राइजेंस।

(भ्रन्तरक)

भारा 269--म (1) में मधीन सूचना नामकर न्धिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985
निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/14410/84-85--ग्रतः मुझे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के कधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्साम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिन बाधार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव फलेट नंव 34, जो, 2री गंजिल, हेमल अपार्टमेंट, विलेज मालवनी, मालाड (पव), बम्बई-64 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 वी धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984 को पूर्वोक्त संपर्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान शितफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास अपने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे क्षयमान प्रतिफल का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे क्षयमान प्रतिफल का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार क्लय, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे क्षयमान प्रतिफल का कारण है किए बाव कारण के विश्व का विश्व के विश्व के विश्व का विश्व के विश्व के विश्व का विश्व के विश्व के विश्व के विश्व का विश्व के विश्व के विश्व का विश्व में वास्तरित के वास्तरित उद्देश्य ते उकते करनरण जिल्हित में वास्तरिक क्षय से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) बल्दरण संहुद्ध किली मान की नामक उक्त कृषि-शिवन में कपीन कर बोने ने जल्दरक के दानिस्य के कपी करने ना उससे कचने में सुविधा के निक; श्रीय/या
- (क) ऐसी किसी जाव वा किसी वन वा जन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीविनयम या पन कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीचन नार्ज क्निएरिसी व्यास मकट नहीं किया नया था ना किया जाना चाहिए था क्रियाने में सविभा के सिए:

वतः ४७, उन्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त बरिधनियम की धारा 269-म की उपलास (1) के बधीन_ निम्मविधित व्यक्तियों, क्रणीय क्रिक्ट 2. श्री विलास पी० श्रांके।

(भ्रन्सरिती)

को वह बूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुंः।

जबत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेत्र हु--

- (क) इस स्वान के ख्यान में प्रकाशन की तारिश ते 45 दिन की अनीन या तत्त्वकान्धी व्यक्तियों पर त्यान की ताजील से 30 दिन की कतिथ, जो भी जनीन बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृत्तेंक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपम में प्रकाशन की तारीश में 45 दिन के मीतर उन्त स्थानर सम्प्रित में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति इसाय सभोहस्ताक्षरी के पास निरात में किए जा तकोंने।

न्नव्यत्रिक्षरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, वो उपध व्यविनियम के वश्याम 20-क में प[®]रशावित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्यान में दियः नवा है ।

श्रनुसुकी

पलैट नं० 34, जो, 2री मंजिल, हेमल प्रगार्टमेंट, विहलेज मालवरी, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है। प्रानुसूची जैगा कि ३० सं० प्रई-3/37-ईई/11416/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्षारा दिनाक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 8-7-1985

प्रस्य नार्षं, टी. एन. एस्.-----

बाबकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च् (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक कार्यकार नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/14413/84-85--- म्रतः सुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका जीवत बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 24, जो, 1ली मंजिल, हेमल अपार्टमेंट, प्लांट बेर्झारग नं० 19, 41, विलेज मालवती, मालाड (प०), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप में बणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 1269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यालय में राजिस्ती है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संप्रतिस का उचित बाजार ब्रुच्य, उसके क्रममान प्रतिफल से, हसे क्रममान प्रतिफल का बन्द्रम प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अल्पिरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निजित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-धिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के नभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसवे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अप, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग व बन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीतिवित व्यक्तियों, अधीत् ह— 1. मेसर्स हेमल इंटरप्राइजेस।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बी० एन० भोईर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

तकत सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी अ्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सै 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 24, जो, 1नी मंजिल, हेमल प्रपार्टमेंट, प्लांट केप्रीरंग सी० एम० नं० 19, 41, मं० 85/5, 96/1, विलेज मालवनी, मालाड (प०), बस्बई में स्थित है। प्रमुस्ची जैसा कि ऋ० मं० प्रई-3/37—ईई/14413/84—85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्त आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन र्जेन-३, बम्बई

विनांक: 8-7-1985

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आवकर अधिन्धिम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निवेश सं० भई-3/37-ईई/14465/84-85--भत: मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अभिनियमं 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-चं के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह शिक्षास कर्ने का कारण है कि स्थापर सम्मित, जिसका उचित नाचार मूल्क 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पर्लंट नं० 502, जो, 5वीं मंजिल, "बंट-लांटा", एफ०-विग, प्लांट नं० 38, श्राप, बालनाय विलेज, मार्वे रोड़, मालांड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपाबंक श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1—11—1984

को पूर्वेक्षित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथावृजेंक्त सम्पति का उचित अन्तरि का कारण है कि यथावृजेंक्त सम्पति का उचित अन्तरिक का पंद्रह प्रतिचत से अधिक है जीउ अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निकिचित उच्चेष्य से उच्त अन्तरण तिचित्त में नास्तरिक स्म से कार्युक वहाँ किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुं दे विस्ती आव की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कंट दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी बाग वा किसी भून या बन्ध आस्तिओं को विन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय बन्दोरिती ब्वास प्रकट नहीं किया ग्या वा या किया जीना चीहिए वा, छिपाने में सुविधा के तिए;

जतः जवः, उक्त अधिनिवमं की भारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निक्तिनिवासं व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मेसर्स ग्रार० जी० बिल्डर्स प्रायवेट লি০। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रजय कुमार सिंग।

(श्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त, स्म्यति के वर्णन् के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के एजप्त्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविभिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी नवृधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाय;
- (व) इस स्वना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवाय अधोहस्ताक्षरी के पाइ सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पथ्टाकरण: -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यास 20-क में परिमाणित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

फ्लैंट नं॰ 502, जो, 5वीं मंजिल, "अंटलांटा", एफ-बिंग, फ्लांट नं० 38, श्राफ वालनाय विलेज, मार्वे रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि से भई-3/37-ईई/14465/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई छारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

Company of the second s

इक्स कार्यः, टी., एस., एस., -----

1. मेसर्स ए० श्रार० कुरेशी एण्ड कम्पनी।

(ग्रन्तरक)

बामकर बाधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के सभीन सुचना

भारत संहकार

कार्कानव यहायक आयकार वाय्**वत (निरक्तिन**)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-55/14544/84-85—श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) जिले इसमें इसके पश्चात् 'उबले अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति जिसका उचित बाबार जुल्ला 1,00000/-रु. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए/203, जो, 2^{7} ी मंजिल, न्यू ग्रीन ग्रपार्टमेंट, तुरेल पखाडी रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबंद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक∜ संपरित के उचित बा<mark>जार मृल्य से कम के दश्यसान</mark> प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और सभा यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से क उक्त अंतरण सिसित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- ्रिं प्राप्तरण नं हुई किसी जाय की सावल. उत्थ जभिनियम के अभीत कर दोने के जन्तरक की शास्त्रित सो क्षमी करने या उसके स्वार प्रीमिशा के किए; कीर∕या
- (ध) एंसी किसी वाय या किसी बन या अनं शारितयीं की, जिस्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1002 का 11) या उक्त अधिनियम का थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में सविधा के निवधः

ं अतः अतः तकतः अधितियम् की भागः १८७ गः कं करार्यकः वै, में उक्ता अधितियम् की भागः 269-ध की उपभागः ()) के अधीरा, विक्रिलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

2. श्री बी० के० धरमदास।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त कम्पत्ति के वर्षन के किन्न कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के संस्थान्य में कोई भी सामाप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में ही किभी स्थित इयारा;
- (स) इस मुखना क राजपळ में प्रकाशन की तारी व व 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितवहथ किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाव सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, वो उपक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए/203, जो, 2री मंजिल, न्यू ग्रीन भ्रपार्टमेंट तुरेल पाखाडी रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुमूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37—ईई/14544/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 8~7-1985

प्रकृष नाहाँ . टी . एन . एस . ------

मेसर्स ल्यूबिन इंटरप्राइजेस।

(भ्रन्तरक)

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के स्थीन सुमना

मारत तस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2'69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० ए/14, जो, 6वीं मंजिल, विलेज वालनाय, जें० बी० कालोनी, ग्रोलेंम, मालांड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आय-कर ग्रीधनियम, 1961 की घारा 269क, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को प्वांक्त तम्पत्ति के उभित्तं बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि सथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाबार मृल्य, उसके द्र्यमान प्रतिफल से एंसे द्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से निभक है और अन्तरक (मन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए ध्या स्वा प्या प्रतिफल, निम्मीलेखित उद्देश्य से उसत कन्दरण निश्चत में सास्त्रिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई फिसी लाग की बाबत, उक्स अधिनियम के बधीन कर बोने के अस्तरक को दायित्व में कभी करने था उससे बचने में सुविधा के एंसए; बॉट्र/बा
- (क) ऐसी किसी मान या किसी धन या जन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय आवकर जिपिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिखिनयम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृतारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण भाँ, माँ उक्त विधिनियमं की धारा 269-छ की उपधारा (1) हो अभीन, निध्यतिकित व्यक्तियों. बर्षात् :--- 2. श्री बी० एफ० मोन्टेरो।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना बारो करके पृत्रोंकत सम्यक्ति के अर्थन के सिध् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अप्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विभिन्न में किए जा सकेंगे।

स्थळतीकरण: इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो जकत अभिनियम के अध्याव 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिवा गवा है।

अनुसुची

क्लैंट नं० ए-14, जो, 6वीं मंजिल, विलेज वालनाय, जै० बी० कालोनी, भ्रोर्लेम, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं० ग्रई-3/37-ईई/14544- ए०, /84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

प्रकथ बाई. टी. एन. एस . ~-----

मेसर्से देशमुख बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(ग्रन्तरक)

माथकार मार्थानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूचना

नारव वरकार

कार्यांकय, तहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/14706/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, ग्रजीत पार्क-बी, सोमबार वाजार रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्दृह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए उस गया गया प्रतिफल, निम्मिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किंपित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जरि/का
- (च) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात ;——

2. श्रीमती रूपा केतन पावस्कर।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुई।

जनत तम्पत्ति के नर्जम के सम्बन्ध में कोड़ भी बार्श्य :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पृषीचत व्यक्तियों में से किसी अवित द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त विधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैंट नं० 101, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, ग्रजीत पार्क-बी, सोमवार बाजार रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37–ईई/14706/84–85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) **ग्रर्जन रें**ज–3, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

प्रकृत बाह्", टी. एक्. एक्. -===

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) में मधीद स्वका

STATE STATES

कार्यक्रम, सङ्गास्क भावकर नायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परितः, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, शिव किर्ती को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, चिंचोली बंद रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रॉर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाधार बृत्य सं कम के ब्रह्ममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कर्रा कर्रा है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके व्यवमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिवित उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) क्लाहण संहुई किसी अप की बाबस उपस अभि/तिवन के अधीन कर दोने के अन्तरक के क्षियत में क्रमी करने या उसने बचने में स्विधा के लिए, भीर/या
- (क) ऐसी किसी नाव वा किसी भन मा अस्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के अवोधकार्थ अन्तिरिती ब्वारा अकट नहीं किया ग्वा था वा किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा औ किए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अधीत् :--- 1. श्री साई बाबा बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० डी० पाटकर।

(भ्रन्तरिती)

को यह तूचना जारी करके पृवांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्ह उन्नरिष्ठ के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र .--

- (क) इब प्यान के राष्ट्रक को प्रकार की ताडी व ध 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा को जल अध्याय में दिशास्या है।

वन्सूची

फ्लैंट नं० 3, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, शिव कीर्ति को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, चिचोली बंदर रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कि सृ $\sqrt{84-3/37-66/14685/84-85}$ श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज~3, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

मोहुर 🖫

प्रकपः बाह्". टी. एन्. एस , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गारा 269-थ (1) के अधीर स्थान।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेण सं० म्रई-3/37-ईई/14705/84-85--म्नत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भित्त, जिसका उपित वाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैंट नं० 107, जो, 1नी मंजिल, श्रजीत पार्क-बी, सोमवार बाजार रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सं, एसे रह्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के विख एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्देश्य स उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अपसरण के हार्व किसी बाद की भावता, उक्स अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उसमें बचने में सृविधा के जिल्हा और/का
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्म, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) या उकल अधिनियम, एवं धनकर अधिनियम, एवं धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27, के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भाग 269-छ की ज्याभाश (१) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों अर्थात् :— 1. मेसर्स देशमुख बिल्डर्स प्राइबेट लि०।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती जें एस हिसोजा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

त्रवस सम्पन्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पड़े भूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्थार हैं।

नमस्त्री

फ्लैट नं $^{\circ}$ 107, जो, 1ली मंजिल, श्रजीत पार्क "बी" सोमवार बाजार रोड़, मालाड (प $^{\circ}$), बम्बई-64 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि % सं श्रई-3/37- ईई/14705/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

त्रक्ष भाषा हो. २१. एव

मायकर मिर्पानवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीत सुम्बा

नारत सम्बद्ध

कार्यासय, सहायक मायकर भाग्क्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-3. बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० प्रई-3/37-ईई/14437/84-85--प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- व के जधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मृज्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 203, जो, 2री मंजिल, ए-विंग, ग्रम्धा सिद्ध इमारत, तुरेल पखाडी रोड्, मालाड, बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबब ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

की पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है विद्वास करने का मुभ्ते यह कार्य कि मधापुर्वोक्त संपरित का उचित माजार मृल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वस से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरम संसूर्य किसी बाय की बायतः, उभक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तर्ज के दायित्व में कनी करने या उससे वचने से सुविधा के विष्: मरि/श
- (क) ए'सी किसी बाय वा किसी पन वा अन्य जास्तिकों कों, जिन्हों भारतीय अध्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वृधिनियम, वा भनकर विभिनिषम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरियो दुवारा प्रकट नहीं किया भवा थाय, किया याना वाहिए था क्रियाने में द्विभा में जिद्⊁

अतः ०४, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण भी, मी, धवत वीभीनयम की भग्रय 269-व की उपधार्य (1) को अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अधित् ध----

1. मेसर्स देसाई भुके श्रासोसियेट्स।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जी० एल० भोला।

(ग्रन्तरिती)

को बहु स्थाना बारी करके प्रशेषित संपत्ति सं वर्षन के विक कार्यवाहियां करता हा।

उन्त बंपरित के वर्णन के संबंध में कोड़ भी बाक्षेप &-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अयक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वांक्त श्यक्तियों में से किसी स्पनित बुनारा;
- (व) इसुसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब डे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य स्थमित दवारा सभोहस्ताकारी के पास निवित में किए वा क्केंगे।

ल्क्यौकरणः – इतमे प्रयुक्त सम्बागित पृदां का, वा उक्य अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं वर्ध होगा, जो उस बध्याय में दिया गवा

फ्लैंट नं० 203, जो, 2री मंजिल, ए-विंग, ग्रमुधा सिद्ध, तुरेल पखाडी रोड़, मालाड, बम्बई में स्थित है। 🖥 ग्रनुसूची जैमा कि क∘ स० ग्र**ई**-3/37—ईई/14437/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ध

दिनांक: 8-7-198**5**

प्रकृप कार्यः दर्ते . एम् . एस . ----वन्यवनवन

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

बाइक बहुबाह

कार्यासय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज~3, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निवेश सं • प्रई-3/37-ईई/14342/84-85--- श्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

नामकर अभिनिवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतसें इसके परचात् 'उक्त अभिनियस' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,80,000/- रु. से विधिक है

1,00,000/- रु. से विधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 403, जो, 4थी मंजिल, ए-विंग, श्रमुधा सिद्ध, मालाड तुरल पखाडी रोड़, मालाड, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984 को प्रवेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्धयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ने यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त का, निक्निकिष्क उच्चरेन से उचित बन्तरण मिवित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया नवा है :--

- (क) अस्तरण से हुए सिक्सी जाय की बाबता, उक्त लिशिन्दल के अभीन कर वोने के अस्तरक के दावित्व में कनी करने या उत्तरी क्ष्मने में सुनिधा के लिए; सींड/वा
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य आस्तिकों को जिन्हों भारतीय बाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बक्कर अफ़्रीवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, किपाने में नियम के लिए;

जत. अब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-म के अन्सरण में, में, शक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मेसर्स देसाई भुके श्रासोसियेट्न ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रार० एन० बादोदरिया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया सूक करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) वत बजना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की तात्रील से 30 दिन की अवधि, को भी वनिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचं से 45 बिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य अधिकत बुनारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्यष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त विभिनियम, के बच्चाय 20-क में वरिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 403, जो, 4थी मंजिल, ए-विंग, ध्रमुधा सिद्ध, मालाड तुरल पखाडी रोड़, मालाड, बम्बई में स्थित है।

भन्सूची जैसा कि क० सं० भई-3/37-ईई/14342/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रताद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज⊶3, बम्बई

दिनांक[ी]: 8-7-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-3, धम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/14622/84-85--- श्रतः मुसे ए० प्रमाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

गैर जिसकी सं० फ्लैट तं० 1, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, इसारत तं० 1, विग-वी, शिव कीर्ति को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, विजेली बंदर रोड़, मालाउ (प०), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणत है), श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रिशितयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गर्ड है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) निर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) निर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) कर जन्तरण सिलित में वास्तिक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के इायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री साई बाबा बिल्डर्स प्रायवेट लि०।
 - (श्रन्तरक)
- 2 डा० भानूदास भ्रनंत वालावलकर।

(भ्रन्तीरती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) २१ रूपना के प्रकार मा प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किया का कि एक किया का किया का किया कि पास लिखित में किया जा सकरीं।

स्मष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्योका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

प्लैट नं० 1, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, इमारत नं० 1, बी-विंग, शिव कीर्ति को-ग्राप० हार्जीसंग सोसायटी लि०, चित्रोली बेंबर रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्राह्-3/37-ईई/14622/84-85 और जो सक्षम पाधिकारी, वस्बई द्वारा विनांक 1-11-1984 को रिजस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज–3. बस्बई

दिनांक: 8-7-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मेसर्स मनाली कार्पोरेशन।

(बन्तरक)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ध (1) के अभीन सूचना 2. श्रीमती चिल्ला बैनर्जी ग्रीर ग्रन्य।

(बन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निवेश सं० अई-3/37-ईई/14817/84-85--अतः मुझे,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है),, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

गौर जिसकी सं० पलैट नं० सी-34, जो, 3री मंजिल, प्लाट नं० 48, 49 शौर 50 ,मनाली इमारत नं० 3, विलेज वालनाय, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (शौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में शौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिनका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की घारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984 को प्रबंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य में कम के स्वयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और म्कृतें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य उसके रूपमान प्रतिफल का प्रवृत्व उसके रूपमान प्रतिफल से, एमे रूपमान प्रतिफल का प्रवृत्व उसके रूपमान प्रतिफल का स्वरूप उसके रूपमान प्रतिफल का स्वरूप उसके रूपमान प्रतिफल से, एमे रूपमान प्रतिफल का प्रवृत्व प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- िक्षा कन्तरण से हुइ किसी बाय काँ बायत, उक्क अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक कें वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कें लिए; बार/बा
- (अ) एंसी बिस्सी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त विधिनयम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाच लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियभ, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पलैंट नं० सी-34. जो, 3री मंजिल, मनाली इमारत, नं० 3, विलेज वालनाय, मालाङ (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भई-3/37–ईई/14817/84–85 थ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, वम्बर्ड

दिनोक: 8-7-1985

प्रकार बाह्र . ही पूर्व एक

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नभीत स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायकर (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० म्राई-3/37-ईई/14309/84-85--म्नंतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

बाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षय प्रतिकारिक कि ते का कारण हैं कि स्थाप्तर सम्पत्ति, जिसका प्रतिकार प्राचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लंट नं० ए-13, जो, 1ली मंजिल, मनाली इमारत नं० 1, विलेज वालनाय, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन् मूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), भीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, सारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्स सपिल के उमिल बाबार मूल्य य कम है उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों और, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिलियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा अकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, क्रियक्षे ें सुविधा के रितए:

कतः अब, उत्तर अधिनियम की धारा 260 ए के अनुमारण मो, मी, उक्त विधिनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) ले जभीन, निम्नितिचित व्यक्तियों, ज 1. मेसर्स मनाली कार्पोरेशन।

(ग्रन्तरक)

2. श्री विजय श्रीरंगन ग्रौर ग्रन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपल सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाह्मेप 🦫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 फिल की अविधि या तत्मध्यक्षों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्वोक्त स्थितत्यों में से किसी स्थितित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- अव्यक्त किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या नकींगे।

म्बद्धिकरण ---इसमें प्रयंक्त शंक्दों और पदों का, अर्थे उक्षत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

ध्रनुसूची

फ्लैंट नं० ए-13, जो, 1ली मंजिल, मनाली इमारत नं० 1, विलेज वालनाय, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर सं० श्रई-3/37-ईई/14309/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रताद नक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रंज-3, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

प्रकप वाह् .टी. एन. एस. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याशय, तहानक नायकर नायुक्त (निरोक्षण)

ध्रजंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० भई--3/37--ईई/14360/84-85----श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का सारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्व 1.00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० श्री-2, जों, 1ली मंजिल, हरीद्वार-1, श्राफ मार्चे रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इतसे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जितका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्विकत शम्मति के उचित बाजार मूल्य से कन के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपर्तित का उचित बाबार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतर्थ के लिए तब शाबा गया प्रतिफल निम्निश्चित उक्देश्य से उक्त धन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से कायत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबतं, उक्त बीधीनयम के बधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या करक कास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, वा अस-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना जाहिए था, किएने में सृतिभा के सिए;

कतः अभ, उकत अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण म. भैं. उपत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 6. श्री कें एल तलरेजा।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती बी० एम० भहवनानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सन्परित के अर्थन के संबंध में करेड़ों भी मार्कों :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वेर सूचना की तामील से 30 दिन की बन्धि, सो धी जनिंध नाव में तनान्त होती हो, से शीक्षर पूर्णिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सम्पीध के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ब्रिजक्ष्म किसी बन्य विक्त त्वारा जभोहरूपाक्षरी के नोच तिचित में किए वा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को उचक अधिनियम, के अध्यात 20-क में परिशाविक इ³, यही अर्थ होगा को उस अध्यात में विका गया है।

जन्सू ची

फ्लैंट नं० श्रो-2, जं।, ार्ला मंजिल, हरिद्वार-1, श्राफ मार्वे रोड़, मालाड (पं०), बम्बई-64 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्रई-3/37-ईई/14360/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी इहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1964 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-3, बम्बर्ड
बम्बर्ड, विनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० मई-3/37-ईई/14623/84-85---मतः मुझे, ए० प्रसाद.

शासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 209-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

घौर जिसकी सं० फ्लंट नं० 2, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, इमारत नं० 1, बी-विंग, शिव कीर्ति को-ग्राप० हार्जिस सोसायटी लि०, चिंचोली बंदर रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984 को प्रबंखत सम्पत्ति के उभित्त बाजार मृत्य से कम के ध्रममान शतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रच्यमान प्रतिफल से, एसे रच्यमान प्रतिफल का नम्ह प्रविचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल निम्नलिबित उष्टिय से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) नन्तरण संहुई किसी नाथ की वावत सक्त निध-विसम से नधीन कर कोने के नन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अदं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिश्वत व्यक्तियों, वर्षात् क्रि---

1. श्री साई बाबा बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जगदीप जे० ग्रोझा।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे विख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया कथा है।

वनुसूची

प्लैंट नं० 2, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, इमारत नं० 1, बी विंग, शिव कीर्ति को-माप० हाउसिंग सोसायटी लि०, चिचीली बंदर रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कि से प्राई-3/37-ईई/14623/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 8-7-1985

प्ररूप आहे. टी. एन. एव. -----

नायकः निभित्तियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० प्राई-3/37-ईई/14624/84-85---प्रतः मुझे, ए० प्रसाध,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, जो, शिव कीर्ति को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, ए-विंग, विंचोली बंधर रोड़, मुालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को प्रोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोकत सस्मिति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित औं वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियाँ का, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया पया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विभा चे लिए;

जतः अथ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरणः मं, मं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित क्यिक्तियों, अर्थातः— 1. श्री साई बाबा बिल्डर्स प्राथवेट लि०।

(प्रन्तरक)

2. श्री केशव गंगाराम सालवी।

(ब्रन्तरितो)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के मिए कार्यवाहियां १-रू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्थारा;
- (व) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म स्थावित व्वाय, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकींगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो इमारत नं० 1, ए-विंग, शिव कीर्ति को-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, चिंचोली बंदर रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

प्रनुसूची जैंसा कि कि के सई-3/37-ईई/14624/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 8--7-198**5**

शक्य आहे. टी. एवं , ध्या, वात कारण

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुजना

NEG TATE

ं कार्यांचन , बहायक कार्यकर आयुक्त (पिरीक्षण)

ध्यर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निवेश सं० छई-3/37-ईई/14625/84-85-छतः मुझे, १० प्रसाद,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसर्म इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भाव 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आवार मुख्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी रं० पलैट नं० 5, जो, 1 ली मंजिल, ६मारत नं० 1, शिव कीर्ती को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० विचोली बंदर रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है, (और ६ससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), और जिसका करारनामा म्नायकर मिनियम, 1961 की दारा 269क, ख के मदीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है। तारीख 1-11-1984

कां पर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम कं दृश्यमान प्रितिक के लिए अस्तीरत की गई है और अभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप जेक्त संपोल का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा अतिफल, निम्निलिवित उद्दृष्टिय से उक्त अन्तरण जिलिक में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गमा है स्न

- (क) बन्तरण संहुद्दं किसी बाय कर बाबत, उल्ला विधिनियम के बधीन कर दोनें वो बन्तरक तो दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बांड/बा
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्दारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुनरण कें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) डे अधीन, निय्ननिक्कित व्यक्तिस्तों, अधीत् :--- 1. श्री साई बाबा बिल्डर्स प्राइवेट लि०

(ग्रन्तरक)

2. श्री भनंत बाधुराय दलकी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कस्के पूर्वोक्त संपत्ति ले अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

धनक सम्मरित के नर्बन के संबंध में कोई भी आक्षांच ह—

- (क) इस स्वान के राजधन में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविभ या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्थना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीब है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए जा सकेंगे.

रचन्द्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त धन्द्रों और पदों का, को अन्त अर्थान्यमें, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं केचे होगा को उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुस्**धी**

पलैट नं० 5, जो, 1नी मंजिल, इमारत नं० 1, शिव भीर्ती को-माप० हार्जीसंग सोसायटी लि०, चित्रोली संदर रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-3/37-ईई/14625/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-11-1984 को र्जालटर्ड किया गया है।

> ६० प्रसाद सक्षम प्राद्दकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीकण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक: 8-7-1985

प्रकम आहे. टी. एन. एव.....

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सुकता

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

भर्जन रेज-3, सम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्वेश सं० ग्रई-3/37-ईई/14627/84-85--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावन संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्या 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

और जिसकी सं० पर्लंट नं० 55, जो, 3री मंजिल, हमारत नं० 2, चिकोकी बंदर रोह, मालाह (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और इसते उपाबक्ष अनुसूकी में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की हारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के रहयभान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्रे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके रहयमान प्रितिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) को र अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निश्चित उद्वेष्ट्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बैतरण से हुए फिसी अप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे मचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त शिक्षत्रमा, रा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने वें सुविधा के लिए।

मतः मनः, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के में, जरून अधिनियम की भाग १६०-थ की उपयास (1). के कंधीनः निकालिकित व्यक्तिकारें, अधीतः—

- भी साई बाबा जिल्डक प्राइवेट लि०। (धन्तरक)
- 2. श्री भी० एन० परव।

(भ्रन्तरिक्षी)

को यह सूचना कारी करके पृत्रों कर सम्मित्स के सर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कार्ष भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष ध 45 दिन की खबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर संपत्ति में हितबक्ष किसी क्या व्यक्ति द्वारा अधाहस्साक्षरी के पास लिखित में किए आ सक्ती।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

मन्सु वी

पर्कट नं० 55, को 3री मंजिल, इमारत नं० 2, विकोशी बंदर रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ३० सं० अई-3/37-ईई/14627/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ६० १.साव सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रेंज-3, बम्बई

विनाक: 8-7-1985

मोहर

प्रकम् बार्डः दी. एतः एस -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बावर्ष

बम्बई, दिनांक 8 गुलाई 1985

निदेश रं ॰ भई-3/37-ईई/14626/84-85--भत : मुझे, ६० इ.साद,

लायकर जीधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिचार 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

उत्तर जिसकी सं० पर्वेट नं० 15, जो, 3री मंजिल, ध्मारस नं० 1, ए० विंग, शिव की ति को-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, चिन्योदी बंदर रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं (उत्तर ध्समे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत हैं), और जिमका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रोतफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते थह विश्वास करने का कारण है कि संभापबोंक्त संपत्ति का उजित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उड़त अन्तरण लिखा में शास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक औं बायित्य में कभी करमें या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाप पा किसी भन पा अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अ।, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा /१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाक् :--

- 1. श्री साई बाबा बिल्डर, प्रायवेट (ल०। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ६म० ६ल० धोटीयन। (ग्रन्तरिकी)

को यह स्वाना जारी करके प्योंक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्जवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में काहे भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, आंभी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर प्रवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर संगत्ति में कितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अधोठम्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टिशिकरणः--इस में प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, दही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्वा

पर्तट रं० 15, जो, 3ी मंजिल, धमारत मं० 1, ६-विंग, शिव भीति भो-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, चिरोली बंबर रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अन्सूदी जैसा कि २० सं० अई-3/37-ईई/14626/ 84-85 और जो सक्स प्राध्यारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-11-1984 को रजिस्टक किया गया है।

> ए० ५साव सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्राधुक्त (निरीक्षण) प्रार्थन र्रेज-3, वस्वर्ष

दिनांक: 8-7-1985

मोहर

प्रकृष वार्ष हैं ही. एन्. एक्, हुन न न न न बायकार विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-च (1) के वृधीन सुवृता

भारत सरकार

कार्यां तथ, सहायक नायकर नायुक्त (निरुक्षिण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० प्ररूप-3/37-ईई/14543/84-85--मतः, मुझे, ए० प्रसाव,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहजात् 'तकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसवी रं० पलैट नं० ए-1, जो आउण्ड पसोर, न्यू गीत श्रपार्टमेंट, तूरेल पखार्टी रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और ६ससे उपाबक्ष श्ररुस्यों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्राय-कर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंप्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के वाजित्य में कमी करने या उससे बचने में जुनिधा के सिए; भौर/वा
- (स) एसी किसी आव वा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-16---196GI|85

- 1. मेसर्स ए० ग्रार० कुरेशी एण्ड कम्पनी। (म्बन्दरक)
- 2. मेसरं बिल् कलीनिक।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की हारी का स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिशाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया दस है।

धनुसूची

पलैट मं० ए(1), को गाउण्ड पलोर, न्यू ग्रीन भ्रपार्ट-मेंट, तुरेल, पद्धाशी रोड मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

ध्रनुसूची जैसा कि २०० सं० ग्रई-3/37-ईई/14543/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ज किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्शन रेंज-3, सम्बद्धी

दिनाक: 8-7-1985

इक्ष्म बार्च , टी. एवं . एवं .----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

शारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायकर (निर्याक्तक) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिमांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/14105/84-85--अत:, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चान् 'उक्त जीभीनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

- (क) अंतरण ते हुई किती बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने वा उससे नचने में सुनिधा के किए; अहा/वा
- (क) एवी किसी बंग वा किसी धन वा कर बास्तिनों को जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कर बीधनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोचपार्थ अन्तिरियो ब्यादा प्रकट वहीं विका पर्वा वा वा विका पाना पाहिए वा, क्रियाने में बृविधा की क्रियं:

बतः नव, उनत निभिनयम की भारा 269-ग के जनसरण में, मी, उनत अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात कि न 1. मेसर्स नितेश बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. श्री मोतीराम के० लोटलीकर।

(अन्तरिती)

को बृह सूचना बाड़ी कड़के पूर्वोक्त सन्पृतिह के वर्जन के बिह्

उनत् राम्परित् के नर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नासोप:---

- (क) इस त्यना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की स्वीध या तत्संबंधी स्पन्तियों वर सूचवा की दामील से 30 दिन की स्वध्य, को ही सर्वीध बाद में संभापत होती हो, के भीतर पूर्वांक्ड स्पन्तियों में से निस्ती स्पन्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राष्प्रित में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- फिसी अन्य क्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के शख सिकित में किए आ सकोंगे।

स्थळीकरणः—इसमें प्रयुक्त सन्धों और पतों का, जो उक्त जीधनियम, के ज्थाय 20 क में परिभाषित है वही सर्थ होगा जो उस धन्याय में दिजा गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 201, जो 2री मंजिल, आकाश गंगा, बचानी नगर रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई--97 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-3/37–ईई/14105/84–85 थ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिशांक 1-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–3, बम्बई

दिनौक: 8-7-1985

मोह्र :

प्रकृष मार्च ही एन एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/14725/84-85-अत:, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० दूकान नं० 3, जो तल माला, प्लांट नं० ए०. सी० टी० एस० नं० 585, कृष्ण बाग, मुक्ताबाग लेन, मालाड, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करार-मामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दत्यमान प्रतिफल से, एसे दत्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योदय से उक्त अंतरण विखित में बास्तिकक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिभ के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. मेसर्स चैतन्य इंटरप्राइसेस।

(अन्तरक)

2. श्री ईशाक गफूर मोमीन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के शिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हानेती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अभाहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए का सकरेंगे।

स्यव्हीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गया है।

यग्युची

दुकान नं० 3, जो, तल माला, प्लॉट नं० ए०; सी॰ टी॰ एस॰ नं० 585, कृष्णा इमारत, मुक्ताबाग क्षेत्र, मालाइ, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/14725/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, वस्बई।

दिनांक: 8-7-1985

जोतर ह

प्ररूप मार्ड दी. एन. एस. -----

बायक र बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थान

भाउत चड्छाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश संब अई-3/37-ईई/14508/84-85--अतः, मुझे, ए० प्रसाद,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उधत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 5, जो, तल माला, राजेन्द्र विहार अपार्टमेंट, प्लॉट नं० 28, सर्वे नं० 26, विहलेज बालनाय, मालाड (५०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूनी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविक्ष में कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के नियः और/या
- (क) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन नार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था क्थिनने में सुविधा के लिए;

बतः वस, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में तक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिखत व्यक्तियों. अर्थात् :--- 1. श्री भती बी० एम० कामदार।

(अन्तरक)

2. श्री एस० पी० पांडे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होशी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में न्छिए जा सकों ।

स्पध्डोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

दुकाम नं० 5, जो, तल माला, राजेन्द्र विहार, अपार्टमेंट, ज्लॉट नं० 28 सर्वे नं० 52, विहलेज बालनाय, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/14508/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विमास: 8-7-1985

साहर 🕫

प्रकृष बार्ष . दी . एन . एस . ----------

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुवना

भारत सरकाड

कार्यासम, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई वम्बई, विभाक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई3/37—ईई/14075/84—85——अत:, मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसकें प्रकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव आफित नंव 31, जी, प्लांट सीव टीव एसव नंव 348, एफव पीव नंव 5-एव, लक्ष्मीनारायण मापिंग सेंटर, पोदार रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विवत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 के की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरट्री है, तारीख 1-11-1984

को प्वेमित सम्पत्ति के उचित्त बाजार मृत्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि चित्र में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तर्ण से हुई किसी आय की बाबत, उपन जीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी क्षर्व या उससे बचने में सुविधा के किए; जीर/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उन्ते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना आहिए था, छिपाने बें स्विभा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम का धारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

1. श्री पी० वी० नायडू।

(अन्तरक)

2. मैं० पार्टनर्स आफ मेसर्स पूनीत डायमंड्स। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बबतु सुन्पृतित् के वर्षन के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वाम क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख दें 45 दिन को भीतरं उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशासिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसुकी

अॉफिस नं० 31, जो प्लाट सी० टी० एस० नं० 348, एफ० पी० नं० 5-ए०, लक्ष्मीनारायण शापिंग सेंटर, पोदार रोड़, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/14075/ 84-85 और जो सेक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसा**र** सक्षम प्राधिकारी सहायक **आयकर** आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्ब**र्ध**

दिनांन: 8-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सृचना भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, विनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई०-3/37-ई०ई०/14750/84-85—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमकें रस्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक ही स्थान करने का कारण मंद्र जिसकी मंद्र स्वाप करने की और रानी सही नगर, एस॰

श्रीर जिसकी सं ज्लाट नं जी, जो रानी सती नगर, एसं वि रोड, स्टेट बेंक आफ इण्डिया के सामने, मालाड (प॰), बम्बई 64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सभा प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री, तारीख 1-11-1984 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत स अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित टक्ष्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्थिक हम से किथत नहीं किया गया है :—~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आर की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण . मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन,, निम्निचिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैससं निर्मान कन्स्ट्रक्शन ब्राईवेट लिमिटेड ।

(अन्सरक)

2. रामसकल बुझारथ गुप्ता।

(अन्तारती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

ण्लाट नं० जी, जो रानी सती नगर, एस० वि० रोड, स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के सामने, मालाड, (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई -3/37-ई०ई०/14750/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी, सह्ययक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 8-7-1985

मोहर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुम्रना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहावक नायकर बायुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई-3, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्वेश सं० आई -3,37-ई०ई०,14727,84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2'6'9-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित धाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० माला नं० 87, जो मेहता इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेस को-आपरेटिय सोसायटो लिमिटेड, गार्डन रोड नं० 3, मालाड (प०), बम्बई-46 में स्थित है (और इससे उपाबदा अनुसूची में . भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित 🏿 सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य संकम के स्वयमान प्रतिफल को लिए जन्हरित की गई है और मुक्ते यह विदयास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल ध्ययभान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिवात से बौर बंतरक (अंतरका) बौर अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के सिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्नसिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नवा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी शैंग्य की बालत, उत्तर अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक थे दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर विधिनयम, बा धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नमा या मा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिक्ट:

जतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-म के बनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की गरा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मै० लक्ष्मी आर्टस

(अन्तरक)

2. श्री एन० के० मेहसा

(अन्तरिती)

का बहु सूचना चारी कर्के पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहिक करता हूं।

उनक संपर्कि के वर्णन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राषपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबद्ध किसित में किए जा सकरेंगे।

स्वक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों आर पवां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

वन्स्ची

गाला नं 87, जो मेहतः इण्डस्ट्रीयरल प्रिमायसेस को-आपरेटिन सोसायटी लिमिटेड, गार्डेन रोड नं 3, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई -3/37-ई०ई०/14727/ 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बईद्वारा विनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, स**हायक भायकर श्रा**युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 8-7-1985

वहर ह

प्रकप आई. हो. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अहि०-3/37-ई०ई०/14318/84-85---अतः भूमे; ए० प्रसाव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुट. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 15, जो 4थी मंजिल, "साई बाबा पार्क" अभिलाषा इमारन, मित चोकी, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिजत है), श्रीर जिसका कर।रनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 1-11-1984

को प्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्वेक्ति सम्पत्ति का उचित आजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पेदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिनित्यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कः) अन्तरण भे हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दर्शियत्व भें कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (ह) एोडी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियः को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ इन्सोरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या त्रिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को जिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरणी मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

मै० अरूणकुमार एण्ड आसोसिएटस

(अन्तरक)

2. श्री एफ० डिकोस्टा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितइद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के णस तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुस्ची

पत्रैय नं 15, जो 4यी मंजिल, "साई बाबा पार्क" अभिलाषा इमारत, भित चौकी, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है। अनुसूती जैपा कि का सं अर्थ -3,37-ई व्हें ०,14318, 84-85 प्रोप ती पत्रन पाधिकारी बम्बई बारा दिनांक 1-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसा**द** सक्षम प्राधिकारी, सहायक **ग्रा**यकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, **बस्बई**

दिनांक: 8-7-1985

महिर 🏻

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के भभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

भजेंन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश स॰ आई०-3/37-ई०ई०/14322/85-84—आतः मुक्ते, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961'(1961 का 43) (जिस इसमं इनको पश्नार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269 व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह पिंश्वरूप करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जो व्हिलेज बालनाय, भीर्लेम हिनींट लेज, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूकी में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयवर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अपान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का नृत्य प्रतिफल के अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वंष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण सं हुइं किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियां को, जिन्हें भारतीय गायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोशनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिभा के नि

कतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण पं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---17---196GI|85 1. मैसर्स बी। एच० कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री टी० पी०पॉल।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहिया क्रिक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राशः;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को इक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिठ हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया प्राही।

वर्स्या

फ्लैट नं० 3, जो व्हिलेज बालनाय, क्रोलेंस डिमोटे लेन, मालाड (प०), बस्बई-64 में स्थित हैं।

धनुसूत्री जैंसा कि ऋम० सं० आई०-3/37-ई०ई०/14322/ 84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 8-7-1985

मोहर ध

प्रकप बाहु .टी.एन.एस. -----

भायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के जधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश मं० ग्राई०-3/37-ई०ई०/14296/84-85/----- अतः मुझे

ए० प्रमाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन मध्यम प्रिकारी की यह जिक्कास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उजित बाजार सन्स 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव दुकान तक 1, जो तल माला , वस्तूरबा नगर प्लाट नक एक, सब डिवीजन प्लाट नंक ए-3 से ए-6, रामचंद्र छैन एक्सटेंशन, मालाड (पक), बस्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायत्र श्रीधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बस्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984.

को पूर्विक्षा सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त नंपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके स्वयमान एतिफल से, एमे व्यवमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य में उसत अन्तरण लिखित में वास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है '---

- (का) अन्तरण म हाई किसी आय की आवत उकत अधिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उत्तरते अपने में सृषिधा के लिए; और/या
- (म) एसी फिसी बाए हा किसी धन बा अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गंगा था या जिए। जाना नाजिए था जिल्लाने में मुविधा के निए।

वत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गो की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : 1. श्री धार० एन० जन

(भन्तरक)

2. श्री एस० के० डोगलिया।

(भ्रन्तिरिती) 🐞

को यह सुचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोंई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्त में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो में अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्वित्तयों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीत हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितववृष्ट किसी जन्म स्थक्ति द्वास अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, को कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में स्थित। ववा हैं।

नप्त्यी

दुकान ने० 1, जी तल माला, कस्तुरबा नगर, प्लाट नं० ए०, सब डिवीजन प्लाट नं० ए०-3 से ए-6, रामचंद्र लेन एक्सटेंगन मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रानुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-3/37-ई०ई०/14296/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनोक 1-11-84 को रिजस्टर्ज किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बस्सई

दिनांक : 8-7-1985

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

1. स्पान बिल्डर्स और अन्य ।

(भन्तरक)

.051 का 42) की भाग 2. श्री एपल डी० देवार्या ग्रीर ग्रन्य ।

(ग्रन्तरिती)

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 8 जुलाई 1985 सं० ग्राई०-3/37-ई०ई०/14582/84-85---ग्रतः

मझाए० प्रसाद

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी सं० दुकान नं० 10, जो सुभलक्ष्मी शापिण सेंटर, क्यारी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध प्रमुम् में प्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्याक्षय में रिवस्टर्ड हैं, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और या
- (स) एसं किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों या, जिल्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पार्वादाय अविकास हिया अकट नहीं जिल्हा नहीं नहीं स्वीया वाता चाहिए चा, कियाने में सुविधा के लिए;

कतः कतः, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के के अभीन, निम्निचित्रत व्यक्तियों, अर्थात् हि— को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन को सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किये जा सकने।

स्यष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, बही अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

दुनान नं० 10, जो मुभलक्ष्मी घाषिग सेंटर, क्यारी रोड, मालाड (प०), बम्बई-97 में स्थित है।

श्रानुसूचों जैसा कि कम सं० आई०-3/37-ई०ई०/14582/84-85 प्रोरं जो नक्षन प्राधि हारों सम्बई द्वारा दिनांका 1-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधि हार्*र* सहाय रुज्ञायकर आयुष्त, (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 8-7-1985 ।

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . -----

बाय। पर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई, बम्बई दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्वेश सं० प्रई-3/37-ईई/14546/84-85--अत: मुझे,

ए० प्रसाद

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रतः से अधिक **है**

भौर जिसकी सं० प्लैंट नं० 42 जो 4थी मंजिल गोकूल अपार्टमेंट गौशाला लेन, मालाड (पूर्व) बम्बई-97 में स्थित

- है) श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित
- है) घोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्रा-धिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चित भाषार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफंल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथामुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित गाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह परिवर्तत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा **ह**ै:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (च) एंसी किसी या किसी भन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) जो प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थायाकियाजाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा ≕े शिए≀

नतः वन_ः उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के मधीना, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री ए० ए० घेडिया।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स दत्तानी कन्स्ट्रक्शन्स ।

(अन्तरिति)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षण :---

- (क) इस सूचनाक राजपत्र में प्रकाशन की तारीक क्षे 4.5 दिन की अपनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस स्वनाके रावपत्र में प्रकाशन का तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति वृवारा अधाहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पटकीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया। मया है।

मन्त्रकी

फ्लैट नं० 42 जो 4थी मंजिल गोकुल अपार्टमेंट, गौशाला लेन, मालाड (पूर्व) बम्बई-97 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क० स० मई-3/37-ईई/14546/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, सम्बद्ध

दिनांक : 8 जुलाई, 1985

प्रकप नार्षं ही. एन. एस.; नानाना

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्चना

भारत सरकार

क्षार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निर्**क्षिण**)

अर्जन रेंज-3. बम्बई बम्बई, दिनां ह 8 जुलाई 1985 निर्देश सं० अई-3,37-ईई,14607,84-85---अत: मुझै, ए० प्रसाद

जायकर जीभीनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की,, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रतः से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-24, जो, 2री मंजिल, मनाली इम।रत नं० 4, प्ल.टस नम्बर्स 48, 49 श्रीर 50, वालनाय ह्विलेज मालांड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इसते उप बद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है। ग्रीर जिसका करारनामा अध्यकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख, के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-11-84,

को पर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इदयमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल का अन्त्रह प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिहिशत में बास्तिबक रूप से कश्यित नहीं किया गया है है---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की नामत, उक्त अधि-रित्यम की अभीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवाना प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अमसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 🗝 बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

(1) मैसर्स मनाशी कार्पोरेशन

(अन्तरक)

(2) श्री अजीत एस० मेहरा

(भ्रन्तिरती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों ये से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए का सकेंगे :

ल्बक्कोकरण ह---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया 💖 👔

बन्स्ची

पलैट नं बी-24, जो, 2री मंजिल, मनाली इमारत नं 4, प्लाट नं 48, 49 भीर 50, वालनाय विहलेज मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ई-3,37-ईई,14607, 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रिजस्टर्स किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्ब**र्ध**

विनोक: 8 जुलाई 1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रोंज -3, बम्बई

बम्बई, विनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं॰ ग्रई-3/37-ईई/14603/84-85— श्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिनके सं० फ्लट नं० श्राय-10, जी, 3री मंजिल, हर्र द्वार-1 फ्लाट नं० 18, 19, 20-ए, श्राफ़ मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई 64 में हिसत हैं (श्रीर इससे पाबद श्रनुसुनं। में श्रीर पूर्ण रूप से विगा है) श्रीर जित हा करारनामा श्रायकर श्रीविनयम 1961 को धारा 269 क ख के श्रवीन , बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है तारीख 1-11-84

को पृथेकित सम्मरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्न के लिए जन्तरित की गई है और मृत्रे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्न से एसे व्ययमान प्रतिपत्न का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और एसे अंतरक (जन्तरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के जिए त्य पाया च्या अतिपत्न, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त जन्तरण जिलित में शास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, कर्धात् :— (1) श्रीः नितीन क्पूर ।

(मन्तरक)

(2) श्री सिरील हिसूजा।

(प्रन्तार्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि विकास के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया यदा हैं।

बनुस्ची

पर्लैट नं॰ भाय-10, जो, 3री मंजिल, हरीद्वार-1, प्लाट नं॰ 18, 19, 20-ए, भाफ़ मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं।

अनुसूची जैक्षा कि कर सं अर्घ-3/57-ईई/14603/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव ्सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॉज-3, बस्बई

विनोंक 🕻 8-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज-३, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० म्राई-3/37-ईई/14081/84-85—मतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परचातु 'उक्त अधिनियमः' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,,00,000/- रा. से अधिक ह श्रीर जिसकी संबद्धान नंब 11, जो, बी/7, नवजीवन निवास को-माप० हाउदिंग सोसाइटी लि०, त्यू मिल रोड़, बुली, बम्बई -70 में स्थित हैं (भ्रौर इसने उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायवर श्रीध-नियम 1961 की धारा 269 छ ख के श्रधीन, बम्बई स्थित पक्षम प्राधि हारो के कार्यालय में रिकस्टी है तारीख 1-11-84 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफंग के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापुर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धरमान प्रतिफल से एसे धरमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वोरम से उक्त अन्तरण लिसिता में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त निगम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग हो अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्रत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रा अब्दुल सतार इब्राहःम

(भन्तरक)

(2) श्रीमती हडीका बेगम ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

दुकान नं 11, जो, बी/7, नवजीवन निवास की ग्रापि हाउभिंग सोताहटी लिंग, न्यू मिल रोड, कुर्ली, बस्बई-70 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि क० सं० मई-3/37-ईई/14081/84-85 भीर जो सक्षम प्राह्मितारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 की रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर धायुक्त (निर्देशण) स्र्युक्त रोज-रोज-3, वस्बर्ध।

दिनांक: 8-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-3, सम्बद्ध सम्बद्ध, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० मई-3/37-ईई/14855/84-85---मतः भुन्ने, ए० एसाय

कायकर ग्रांभिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचार 'उन्ता अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगीत जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीट जिस की सं० 504, गुष्ता तेरेस, मच फ़ैक्टरी लेन, कुर्ली
पिष्ठम, अध्वर्ष 400070 में स्थित हैं (ग्रीट इससे उप बस ग्राम्ची में पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रीट जिसका इप्राप्त मा ग्राम प्रद ग्रीधनियम 1961 की धारा 269 के खे के प्रधीन, बस्त्रई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रिवर्ट्र है करिख 1-11-84 की

को प्रविक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विक्यास करने का कारण है कि स्थाप्येंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिकल से, एमें दश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरिया) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्मतिकत उद्वरिय से एक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; अप्रे/या
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, गिम्नलिखित ध्यक्तियाँ, अधीतः :---

- (1) श्रो भास हर भाय० पटेल (एच० यु० एफ़०) (भन्तरक)
- (2) श्री हरीलाल मेधर्जा नन्दु श्रीर श्रीमती लक्षमीवाई हरीलाल पेन्दु (श्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) एस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 फिर को अवीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) एम गृजरा की राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

504, गुप्सा तेरेय, जो भच फ़ैक्टरी लेन, कुर्ला पश्चिम, सम्बर्ष 400070 में स्थित हैं ।

अनुत्ता जीता कि ऋ० सं० आई-3/37-ईई/14855/84-85 और जो प्रक्रम प्राधि शरी बम्बई दिनांक 1-11-1984 को प्रिं किया गया है ।

> ए० प्रज्ञाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंड:-3, सम्बर्ध

दिनांक : 8 जुलाई 1985

प्रक्य बाइ". टाँ. एन : एस : ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, पहायक बायकार आयुक्स (निरीक्षण) श्रामंत रोज-3, अस्वर्ध

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयस करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्स, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ध्रो : जिनका नं १० १वैट नं १० १ तो, २२० मंजिल, लिखो अपार्टरेंट, सी० डी० एम० नं १४३८, १ घोर ४९२, पुदर गल्ली, खोलेंम, मालाड (प), बम्बई-६० में स्थित हैं (और उसमें उपावह अनुमूची में और पूर्ण कि से विभिन्न हैं) और जिस ज उपारतामा आयर प्रशिविम 1961 की बारा 269 र ख के अधीन, बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के हार्यालय में रिजिस्ट्री हैं नारंख 1-11-1984 की

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी गांव की वाबत, अवन अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भी कभी करने वा असमे दलान यो सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयाजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्हा में सुविधा के निहर

कत अद, उवत अधितियम की धारा 269 ग के. अनुसरण मी. भी, उक्त अधितियम की गुरा 269 ग की उपधारा (1) भी क्षीक जिल्लाशिक्त गाविकार्ग सुरक्षीत् । 18 =196GH85 (1) यु० के० जिल्डर्स

(श्रन्तर ह)

(2) श्रीः जोनेक केवे ग्रीर ग्रन्थ

(ग्रन्स(रर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हु:

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :- -

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि . जो भी अविध बाव में समाप्त हाती हों, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा.
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बच्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यख्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त क्रिभिनयम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित्र हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका देवा हैं औ

ग्रन्सूची

फ्लैंट नं० 9, जो, 2री मांजल, लिम्रो म्रपार्टमेंट, स्टिंग्स् नं० 492/1 म्रीर 492, सुन्दर गर्ल्ला, म्रोर्लेम, मालांड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं।

श्रनुस्वी जैमा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/14208/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकार्र, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० ्प्रमाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रागु≰त (निरीक्षण), ग्रर्जन रोज-3, बम्बई

विनांक : 8 जुलाई 1985

मुक्त वार्' . हो . दन् . एव . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में अभीन सूचना

हारत बुरबार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-3, बम्बई

वस्वई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्वेश सं० घर्ष-3/37ईई/14203/84-85—-घ्रतः मुभे, ए० प्रसाद

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रशिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

गौर जिसकी सं० टेनमेंट नं० बी-11-188, जो, ग्राउंड फ्लोग्रर, रजवाडी को-न्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, विद्याविहार (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबंध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम 1961 की धारा 269 के ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 1-11-84 की पूर्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्त यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उशके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सींधनियम के अभीन कार दोनें के अन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे वचने में सुविधा अमिष्: अप्र/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या का किया जाना चाहिए था, खिपाने में विद्या के किया

कतः अंब, उक्त अभिनियम की धारा 269-त के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन ः—

(1) श्रीमती श्राय० यू० कामदार

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती बि० एच० गांधी

(श्रन्तरिती)

कां बहु सुषता बादी करकं प्वांकत सम्परित के श्वंत के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 200

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाहन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीख से 30 दिन की अविधि, जो भंग अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वयद्यीकरणः -- इसमें अयुक्त व्यव्यों और वद्यों का, वां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

टेनमेंट नं० बी-11-188, जो, ग्राउंड फ्लोग्नर, रजवाडी को-ग्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, विद्याविहार (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित हैं।

श्रनुसूर्च। जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/14203/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा धिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी ृसहायक आयकर क्रायुक्त (निरीक्षण) क्रजन रज-3, बम्बई

दिनांक : ८ जुलाई 1985

मोहर ध

प्ररूप आहूँ.टी. एन. एस. -----

(1) श्रो रतीलाल एल० क्षत्रिय

(भ्रन्तरक)

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीम स्चना

(2) मैसर्स फार्गो मैन्टल प्राडक्टस प्रायवेट लिमिटेड (ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रर्श-3/37ईई/14100/84-85—श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट तं० 20, जो, श्रादर्श हार्डीसग को० आप० हार्डीसग सोमाइटी लि०, रामचन्द्र लेन एक्सटेंशन, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं. तारीख 1 1-1984 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को संबंध को कादि भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सस्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति रा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 20, जो, भ्रादर्श हाउसिंग को-स्राप**० हा**उसिंग सोसाइटी लि०, रामचन्द्र लेन एक्सटेंशन, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसाकि कि सं प्रई-3/37-ईई/14100/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-3, बम्बई

सतः अस, एकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, भो, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

विनांक: 8 जुलाई 1985

श्रुक्त बार्ष <u>.</u> दो_{ः एव .} एव_{ं-}-----

भावकार मुभित्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वर्भीत सम्मा

MINTER SECTION

कार्याज्ञय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्काशन)

श्वर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37ईई/14418/84-85——श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, विख्या उचित वासाई मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 2, जो, ग्राउंड फ्लोर, लक्षमी-नारायण प्रसाद इमारत, 5वी लेन, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की घारा 269 क ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 1-11-84

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ब्रियमान तिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुन्य, उसके द्रियमान प्रतिकल सं, एसे द्रियमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बतिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तब श्रीमा नया प्रतिकत, निम्निल्चित उन्देख्य से उक्त बन्दरम्म ुल्चित में बास्तविक कप सं किंबद नहीं किया ग्या है के-

- (क) अन्तरण से हुं हैं किसी आय की यायत, उक्त वर्षि[नयम् के मृथीन कर योग के मृत्यरक की कार्यक्ष में कवी करने वा उच्चे क्यने में सुविधा के निए; बाह्र/वा
- (क) ऐसी किसी बाप या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन- कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया आवा शाहिये था, कियाने में स्विता के सिद्ध।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाह ६--

(1) मै० बिजल इंटरप्राईज

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० वि० शेट्टी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यश्वाहियां सूक करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध नाद में सुपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त मंजिती में से किसी व्यक्तिया बुवारा;
- (क) ६स स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सं 45 दिन के भीतर पूर्वे क्ति उक्त स्थावर सम्मित में हिस बक्ष किसी जन्म व्यक्ति इवारा नथो हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नदा हैं।

अनुसूची

दुकान नं० 2, जो, ग्राउंड फ्लोर, लक्षमीनारायण प्रसाद इमारत, 5 वी लेन, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैया कि ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/14418/84-85 श्रीर जो सक्षय प्राधिकारी बण्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 8 जुलाई 1985 : मोहूर :

प्रकल नार्चा, द्वी. एक. एक्ट 🛎 🖛 🕬

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुख्या

प्राप्त बहुकाडु

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजीत रेंज-3, वमबई वमबई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/14453/84-85---- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद

भायकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 16, जो, 6वीं मिजल, निलकंठ कुंज, गरांडिया नगर, घाटकोपर, बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध स्ननुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रज़िस्ट्री हैं, तारीख 1-11-1984 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण किचित में बास्तिबक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी नाव की बायका, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए वरि/मा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी थन या बन्च बास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के बिष्ट

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म कै बनुसर्थ में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसृत्तिक व्यक्तियें अधीत् ॥—— (1) श्री बी० बीराराधवन ग्रांर ग्रन्य

(भ्रन्तरक)

(2) डा० प्रदीप खार० गुजर श्रौर अन्य

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया ग्रुठ करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :- -

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पित्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट स्पित्त कों में से किसी स्पित्त द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतर अव्य किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिविस में किए का सकोंगे।

स्थादीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीभीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में बिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 16, जो, 6 वी मंजिल, निलकंठ कुंज, गरोडिया नगर, घाटकोपर, बम्बई में स्थित हैं ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० म्राई-3/37ईई/14453/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 8 जुलाई 1985

प्रक्ष बार्षः टी. एर. एर. ----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के न्वीन क्ष्या

भाउत तुरुवान

कार्याज्ञय, सङ्घयक वायकर वायुक्त (निहासिक) श्रर्जन रेज-3, धम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/14456/84~85---श्रतः मुझे ए० प्रसाद

भावकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्वात् 'उक्त अधिनिय्म' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी फ्लैंट सं० 4, जो, प्राउन्ड फ्लोग्रंग, नूतन विला, प्लाट नं० 146, गरोडिया नगर स्थिम, घाटकोपर, अम्बई-77 में स्थित हैं (और इससे उपाबद प्रमुसुनी में और पूर्ण रूप से घणित है), और जिसरा दारारनामा आयक्षर अधिनियम, 1961 की धारा 269 %, ख के अधीन, अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-11-1984

को पूर्वेक्स तम्परित के उचित वाजार मून्य से क्ष्म के क्ष्यकान वितिकत के लिए क्षारित की गई है और बूखें मह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्परित का दोषत वाजार मून्य, उसके क्ष्यकान प्रतिकत के, एसे क्ष्यकान वितिकत का पंत्रह प्रतिकात से विभिन्न है और कन्तरक (कन्तरकों) और कन्तरिती (कन्तरितियों) के बीच एसे कन्तरण के निए क्ष्य पाया गया प्रतिकत किन्दिनिक्त स्वयुविकत में अस्तिकत रूप से विधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर निर्मित्रयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मित्रयम, अप्त भन-कर निर्मित्रयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया क्या या किया जाना जाहिए था कियाने में सूनिधा के बिए ।

बतः जब, जक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण औं, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

(1) श्री हरींनाल देवजी नागडा।

(ग्रन्तर

(2) श्री खिमजी ठाअरणी गोसर और ग्रन्य । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना को राज्यन में प्रकाशन की ताड़ीय बं 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अथिप, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस ब्राचन के राजपण में प्रकासन की सारीस से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति भे हित-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति त्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकरेंगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त कम्बां और पदां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ हाना जो उस अध्याभ में दिया गवा है।

वर्ष्य

फ्लैंट नं० 4, जां, ग्राउन्ड फ्लोग्नर, नूतन विला, प्लाप्ट नं० 146, गरोडिया नगर स्किम, घाष्ट कोपर, बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-3/37-ईई/14456/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारीं सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, बम्बई ।

दिनांक : 8-7-1985

मोहर '

प्रकृतस्थितः हो । प्रवृत्यान्यस्थान

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत संद्रामा

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेजि-3, अम्बर्ध

धम्बई, दिशांक 8 जुलाई, 1985

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये हे अधिक है

और जिसकी सं अौद्योगिक शेंड माला नं भी/123, जो, 1लीं मंजिल, घाटकोपर इंडस्ट्रियल इस्टेट, एल बी शास्त्रीं मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुभूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आय रूर प्रधितियम, 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया स्वा प्रतिफल, निम्नलिखित उन्दृष्टेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) मंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सिवधा के लिए अदि/शा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या कत्य नास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम . 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , या भव-कर विधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था , छिपाने मां सुविधा के लिए।

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1), के अधीन, निम्नलिखिट व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) मैंसर्स हिन्दुस्तान वुड अक्स

(अन्तरक)

(2) मैसर्स एम० जी० सल्म कारपोरेशन

(श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र म' प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पक्किरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गण हैं:

अमुस्ची

औद्योगिक शेंड माला नं० सी/123, जो 1लीं मंजिल घाटकोपर इंडस्ट्रियल इस्टेट, एक् बीं० शास्त्रीं मार्ग, घाट-कोपर, बम्बई-86 में स्थित है।

प्रमुद्धीं जैसा भि कि सं प्रई-3/37-ईई/14478/-84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद नक्षम प्राधिकारी महायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रोज-3, बम्बई

दिनां : 8-7-85

मोहर 🖫

प्ररूप आइ तो. एन. एसा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, सम्बर्ध

वम्बर्ड, नॉक 8 ज्लाई, 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसकी मं० दुशान नं० 8, जो, गगन बिहार, रायफल रेंज, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से चणित हैं), और जिसका करारनामा आयमर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-11-1984

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच। एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा अर्थ किए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: उन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री माचनी हिरजी भानूणाली

(श्रन्तरक्)

(2) श्री चन्द्रबली धन्नीं गुप्ता

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरण:---इसमें प्रस्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^{ैं}, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 8, जो, गगन विहार, रायफल रेंज, घाटकोपर (प), अम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंगा ऋ० सं० श्रई-3/37ईहै/14489/84-85 और जीं सक्षम प्राधिकारी के बस्बई द्वारा दिनाक 1-11-1984 की रिजिस्टर्ड तिया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्राधकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रोज-3, वस्यई

दिनांक 8-7-1985

प्रस्य बाह्र, टी. एन. एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक वायकर जायकत (निर्रोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, श्रस्वर्ध

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिनकी सं० पर्लंड नं० बी/9, दूपरी मंजिल, गोल्डेन सी० ऑर्चार्ड टी० एस० नं० 5676, कोले कलान किलेश, कलीना, बम्बई-100029 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रमुख्नी में और पूर्ण रूप से पणित है),/और जिसरा करारनामा भायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, रू के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिक्स्ट्री है, तारीक 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के द्रियमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्क में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधि-बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा खैं चित्रः

(1) गोस्डेन कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गौकत ग्रसरार सिधिकी

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षर :---

- (क) इस स्वना के रावपन में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन की जब्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अवधि, को भी वर्षा वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का जो जनत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया बबा है।

अनुस्थी

फ्लैट नं बी/9, जो दूसरी मंजिल, 'गोल्डेन ओचार्ड सीं टी एम० नं 5676, कोले करपान विह्लेज, कलीना, बम्बई-400029 में स्थित है।

प्रनुसूवी जैसा कि ऋ० सं० प्रई-3/37-ईई/14523/-84-85 और जो सक्षम प्राधिशारी बम्बई द्वारा विनोक 1-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भाषकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, वस्बई

दिनांक ' 8-7-1985 मोहर प्रकृष बाहै . टी. एन : एस . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यामय, सहायक नायकर नावृक्त (निर्दाक्तण) प्रार्जन रेंज-3, सम्बद्ध

बम्बई, दिनां ह 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० प्रई-3/37-ईई/14526/84-85--- प्रत: मुझे ए० प्रसाय,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लट नं० 207, जो, इमारत नं० 7, कपाडिया नगर, सीटीएस रोड, कुर्ला (प), बम्बई-70 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं),/और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीं हैं, तारीख 1-11-1984

को प्वांक्त सम्पत्ति को उचित बाजार बृस्य सं कम को क्यमान प्रतिफ ल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) को बीच एंडे जन्तरण को निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मतिबित उव्वोदय से उक्त अन्तरण लिकित में नास्त्विक रूप से किथा नहीं किया नवा है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाव की बाबत असत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सविधा भी सिप्ट बर्डि/बा
- (थ) ऐसी किसी शाय या किसी भन वा जन्म शास्तियों को चिन्हें भारतीय जायकार लेधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने असिवा की किसी की किया की किसी

जतः जव, उक्त अधिनियम का भारा 269-त को अनुसरक काँ, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)' को अधीन : निस्तिनियस व्यक्तिस्तिनी, अवित् क्र-०० (1) सैयद भौमूल अवेदीन

(भ्रन्तरकः)

(2) मोहमद तैयब हणमुख्ला

(भ्रन्तरितीं)

को यह सुचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के सिध् कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सन्पत्ति के नर्भन के बंबंध में कोई थी बाक्षेप ---

- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीत ते 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 विन के भीतपु उक्त स्थावपु सम्पत्ति में दित-बढ्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छिक्त :---इसमें प्रयुक्त धव्यों और पदों का, जो उसके सिभिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी सर्घ होगा को उस अध्याम में दिया पता हैं।

वन्त्यी

फ्लैट नं० 207, जो, इमारत नं० 7, कपाडिया नगर, सीटीएस रोड, कुर्ला (प), बम्बई-70 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/3%ईई/14526/-84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-3, **बम्बई**

विनोक - 8-7-1985 **मोहर** ■

प्रकप बाह्युं, दी, एन, एस., -----

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निर्वेक्सन) श्रर्जन रेंज-3, सम्बद्ध

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37ईई/14527/84--85---श्रत: मुसे, ए० प्रसाद,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रत. से अधिक ह

ओर जिन्नकी सं० फ्लप्ट नं० 002, जो, ग्राउन्ड फलोर, इमारत नं ० 12, कपाडिया नगर, सीएसटी रोड, कुर्ला (४), अम्बई-70 में स्थित है (ओर इससे उगावत प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से घणित है),/और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-11-1984 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करनं का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ६ व्यमान प्रतिफल से एसे ६ व्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिक्षत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरण के लिए तय <mark>पाया गया प्रति</mark>फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किंचित में गुस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, बिभिनियम के बभीन कर दोने के मंतरक के वायित्व में कभी करने वा उससे बचने में स्विभा के लिए; बौर/या
- (क) एेसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियी को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती चुवारा प्रकट महीं किया गया वा या किया चाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा 🕏 सिए;

बतः बद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण वाँ, माँ, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) 🖷 बधीन, निम्ननिवित व्यक्तियों, वर्षात् ६---

(1) श्री रफीक उस्मान सुमन।

(भ्रन्तरक)

(2) मसर्स भ्रब्दस्ता ब्रदर्स।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी कर्को पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ध-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व 45 दिन की व्यक्तिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बवारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुकारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसुधी

फ्लैंट नं० 002, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, इमारत नं० 12, कपाडिया नगर, सीरसटीं रोड, कुर्ली (प), अम्बई-70 में स्थित 🖁 ।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० **अई**-3/3*7* आईई/14527/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, भम्बई

दिनोंक 8-7-8**5**

प्रक्य आह्रै.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (†961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-3, घम्बद्द

धम्बई, दिनांक 6 जुलाई, 1985

निर्देश सं० %ई-3/37-ईई/14531/84--85----श्रतः मुसे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बालार मूस्य

1,00,000/- रंत. से अधिक हैं
और जियकी सं० पत्तैट नं० 403, जो, 4थीं मंजिल, इमारत नं० 17, कपाडिया नगर, सौएस्टी रोड, कुर्ला (प), बम्बई-70 में स्थिमे हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं),/और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का, ख के अधींत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारोख 1-11-1985 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) दिपक बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(मन्तर∗)

(2) तीफीक भहमद गमियानी ।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुस्

पर्लैंट मं॰ 403, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं॰ 17, कपा-बिया नगर, सीएसटी रोड, जुली (प), बम्बई-70 में स्थित है।

मनुसूची जैंसा कि ऋ० सं० प्राई-3/37-ईई/14531/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी धम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुमत (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, वस्बद्ध

विनोम : 8-7-8#

प्ररूप आइ . टी. एन. एस्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्वेश सं० ऋ**ई**--3/37-ईई/14582/84-85----अत' मुझे , ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित आजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुशान नं० 4, जो, प्राउन्ड फलोक्सर, पार्टिण जगह के साथ, राज कमल क्रपार्टमेन्ट, किहलेज कोले करवाण कालिया, सोताकूज (पू) बम्बई-98 में स्थित हैं (और इससे, उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विषत हैं), और जिसका करारनामा श्राधकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्दी है, तारीख 1-11-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पेन्न प्रतिफल का पेन्न प्रतिफल का पेन्न प्रतिफल का पेन्न प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचा एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि बिल में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए था, छिपाने में सूविभा के जिए।

बतः बतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अपधारा (1) के अधीन, निम्निसिख व्यक्तिसयों, अधीत् ६—

- (1) मेसर्स एच० ग्राग्० कन्स्ट्रमशन कम्पनी (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स चौधरी एण्ड चौधरीं (प्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृष्ठित सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप रे---

- (क) इस स्भान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यवित व्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रमुत्त यन्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियगः, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

दुष्ठात नं० 4, जो, ग्राउन्ड फलोर, पार्किंग रुपेत के साम राज कमल भ्रपार्टमेन्ट, व्हिलेज कोले कल्याण, क्रालिना, सांताकूज (पूर्व), धम्बद्ध-98 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि से प्रई-3/37-ईई/14582/84-85 और जो सक्षम प्राविकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टंड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक वायकर कायूक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बस्बई।

दिनोम · 8-7--1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

श्रायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमा

भारत :सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धामण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्घेश सं० अई-3/37-ईई/14529/84-85---अत: मुझे, ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पलैंट नं० 405, जो, इसारत नं० 6, कपाडिया नगर, सीएसटी रोड, कुर्ला(प०), बम्बई-70 में स्थित है (ग्रांट इतसे उनाबद्ध अनुसूची में ग्रांट पूर्ण रूप से विणित है), ग्रांट जिसका करारपामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 का,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रस्जिट्टी है, तारीख 1-11-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उणित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिकाल को तिए अन्तरित की गई है और मूर्क यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्रमान प्रतिफल से, एसे स्वमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से विधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहुं क्या गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बुचने मी सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा खे लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैं विपक बिल्डर्स प्रायवष्ट लिए।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती रशदा शमीम खान।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कपुता हूं।

डक्स संबुध्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

नम्स्धी

प्लैंट नं० 405, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं०6, कपाडिया मगर, सीएसटी रोड, कुलो (प०), बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० अई-3/37-ईई/14529/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिमांक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, सम्बर्ध

तारीख: 8-7-1985

ोहर 🛭

क्ष्म श्रापं को एक एक क्ष्मान नवासना

बायकर विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्भीन स्वा

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जीम रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विमांक 8 जुलाई 1985 निर्वेश सं० अई-3/37-ईई/14530/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावह संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

मौर जिसकी सं० त्याट नं० 405' जो, 4 थी मंजिल, इमारत न्० 18, कपाडिया नगर, सीएसटी रोड, कुर्ला प०), बम्बई-70 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में छौर पूर्ण रूप से वणित है), श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, बम्बहै स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, सारीख 1-11-1984

जो पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- कत्त निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्ति विक स्प से किया गया हैं—

- (क) बन्दार्थ वे हुए किसी नाग की वान्तु, वनस् अभिनिष्ध के वणीप कर योगे के बन्दरफ की सामित्य में कभी करने या वससे अपने में सुविधा में हिन्दु: महि/या
- (व) एसी किसी जाय या निस्ती थय या नन्त नास्तियों को, जिस्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनु-कार अधिनियम का धनु-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, कियाने में सुविधा से लिए;

बकः अब उक्त अधिनियम कौ धारा 269-म के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्य- (1) मै० दीपक बिरुडर्स प्रायवेट लि०।

(अतरक)

(2) भी अलाउदीम ए० परकार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्षाध, को भी वर्षा वाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितवक्ष किसी अन्य अपन्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

अगुलुक्त

फ्लैट नं॰ 405, जो, 4 थी मंजिल, इमारत नं॰ 18, कपाडिया नगर, सीएसटी रोड, कुर्ला(प॰), बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कि० सं० अई-3/37-ईई/14530/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-३, बम्बई

सारीख: 8-7-1985

मोह्द 🛭

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस ु -------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के नभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

धम्बई, दिभांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/14669/84-85—अत: मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निष्नास करने का कारण है कि सभाप्नोंक्त सम्परित का उचित वाजार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

कार जिसकी सं पलेट नं 501, जो, सुन्दर नगर, एस नं 365, वाकोला, सांताकृस (पूर्व), धम्बई-55 में स्थित है (क्रीर इससे उपाबत अनुसूची में क्रीर पूर्ण रूप से विणत है), क्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-11-1984 को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूलय से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गृह है और मुक्रे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्थानन प्रतिफल स्थापन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण के लिए त्यापा ग्याप्रति (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्यापा ग्याप्रतिक कन, निम्नसिसित उद्देश से अवस्य मुक्र का कारण है कि स्थापन से अस्तर (अंतरकों) बोर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्यापा गया प्रतिक कन, निम्नसिसित उद्देश से अस्त विकास मिल्ल से कार्य वास का स्थापन से कार्य वास नहीं किया प्रसार है किया से कार्य का

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के इसीयत्थ में कभी करने हा उबसे क्या के ब्रिया के लिए; सार/वा
- (च) ऐसी किसी नान या किसी भन मा नन्न नास्तिनों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनिननम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किना नवा वा सा किना जाना वाहिए वा, किनाने में ब्रिका की लिए;

बतः सन, उनत अभिनियम की भारा 269-न भी अनुसरक मी, मी, उनत अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) की अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एम०आर० राभाशत।

(अग्तरक)

(2) श्री आए० डी० मास्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्धन के सिप् कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की मनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की मामीस से 30 दिन की वनिध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अध्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त गुम्बों और वर्षों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, यही अधें होगा, को उस अध्याय में विधा गवा है।

मन्स्यी

फ्लैट नं० 501, जो, सुन्दर नगर, एस० नं० 365, वाकोला, सांताकृम (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-3/37-ईई/14669/84-85 भोर जो सक्षम प्राविकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसा**र** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन **रेंज-**3, **बम्बई**

सारीख: 8-7-1985

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालणः, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/14683/84-85——अत: मुझे, ए० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० प्लांट नं० 48 में 51, जो, गरोडिया नगर स्किम, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अश्रीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्टी हैं, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्चित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए उन्तरिक्ष की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्मत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कैलिहता में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---2 —196GI|85 (1) श्रीमती निता सी० सोमैया।

(अन्तरक)

(2) श्री सी॰एल॰ मंगे।

(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषिष्ठ ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁶।

अनुसुधी

प्लांट नं० 48 से 51, जो, गरोडिया नगर स्किम, घाटकोपर (पूर्व), अम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ०मं० अई-3/37-ईई/14683/84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया हैहैं।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारी**ख** : 8-7-1985

मोहर 🖫

कारणाव्यास्य व्याक्तास्य व्याप्त १ - व्याप्त व्याप्त स्थापत्र । **त्राप्त वार्ष , टी**, पूर्व , एक , -----

आयकार विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) की शास 269-व (1) में वभीन सूचना

भारत दरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/14742/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसकें इसकें प्रकार 'उक्त विधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के वभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्प्रीत, जिसका उचित बाजार मुन्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० सी-11, जो, 4थी मार्ग, सीटीएस नं० 1857, "गजानन निवास (नया), वाकोला व्हिलेज रोड, सांताक्र्झ (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

> (कां) अपनरण में बाई विश्मी अग्र की शाबत : जक्त अधिनियम की अभीत कर दोने के अन्तरक के राणिक को तभी करते पर पहले प्रभाने में राष्ट्रि " के लिए; और/या

(क) एंडी किसी बाब या किसी धन वा अन्य प्रस्तियों की, विक्ही भारतीय बाय-कर बीधीनवंब, 1922 १९७२ का 11) वा उबन बीधीनवंब, वा धन-कर बीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के ्योजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अल अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-छ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिखिल व्यक्तियों, अर्थात् ६--- (1) मेसर्स राव एण्ड भ्रासोसिएटस।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रक्ष्तरी बेगम श्रौर अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के जिस कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सपरित की अर्जन की संबंध में कार्य भी आक्षांम ह

- (क) इस भूचना में राज्यक में प्रकाशन की लारीब से 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सृचना की तामील से 30 दिन की जबिश, जो भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जबत स्थावर संख्यित में विभवस्थ किसी जस्य व्यक्ति इवारा अधिसम्ताक्षरी के पास विस्तित में किए १८ स्थिति।

स्वविक्षेत्ररणः ---- इसमी प्रयुक्त कवनी और पदी कत, वो उक्क ब्रोधिनियम, को अध्यास 20-क मा परिभाषित हैं, बही मर्थ होगा, जो उस्त अध्याम में दिवा गता हैं।

बन्त्यो

फ्लेट नं० सी-11, जो, 4थी मंजिल, सीटीएस नं० 1857, "गजानन निवास (नया), वाकोला व्हिलेज रोड, सांताऋक्ष (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० श्रई-3/37-ईई/14742/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 8-7-1985

मोहर 😗

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० ऋई-3/37-ईई/1471व/34-85—-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिक बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीण जिसकी सं पलेट नं 3, जो, ग्राउंड फलोग्रर, उषा, कंन बंन्क एम्प्लाईज को-ग्रांप० हाउसिंग सोसाइटी लि० गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनयम 1961-की धारा 269 क,ख के श्रधीन, बम्बई स्थित नक्षम प्राधि कारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, तारीख 1-11-1984। को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आर की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ए.से. किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जी० बी० नायक।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एस० वेंकटाचलम।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो जक्स अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 3, जो, ग्राउंड फ्लोग्नर, उपा, कंनबंन्क एम्प्लोईज को-ग्रांप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, गरोडिया नगर, घाटको र (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क०सं० अई-3/37ईई/14715/84-85 ऑर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-३, बम्बई

नारीख: 8-7-1985

मोहर 🖫

प्रारूप आर्द्दा. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देण सं० ग्रर्इ-3/37-ईई/14704/84-85—श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख टी नित सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्णित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 1, जो, फाम्स विला को-ग्रांप० हाउसिंग सोपाइटी लि०, विद्यानगरी मार्ग, सांताक्रूझ (पूर्व), बम्बई-98 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विला है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृबेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एमे दूरयमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखिता में बास्तविक हप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त निगम के अधीन कर वेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ए के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियमः की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मध्यु प्रलूक्का।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती टेरेसा जोसेफ श्रौर श्रन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसची

प्लेट नं० 1, जो, फ्राम्स विला को-ग्राप० हार्जासग सोसाइटी लि०, विद्यानगरी मार्ग, सांताऋ्क्ष (पूर्व), ब्रम्बई-98 में स्थित है।

स्रतुलूची जैसाकि क०मं० स्रई-3/37-ईई/14704/84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर श्रायु**क्त (निरीक्षण) **श्र**र्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 8-7-1985

मोहर 🖫

५स्य आई. ही. एन . १४

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुभना

बारक चंद्रकार

क्षाप्रतिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० प्रई-3/37-ईई/14784/84-85----ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन अधाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० पलेट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, सी-विग, इमारत नं० 2, शांती पार्क, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), वग्वई-81 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप स विजित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सञ्जम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-11-1984।

का पूर्वोक्ट सम्पोरत के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रामान मितफल के लिए बन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाधार मूल्य, उसके ब्रथमान प्रतिफल से एसे ब्रथमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण तिचित में बास्त-

- (क बन्तरण संह्रुं किसी अाय की बाबत, उक्त आध-निषम के अधीन कर याने के अन्तरक कं द्रायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (सा किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों अतो, जिन्हों भारतीय आयजार अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उसर अधिनयम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थितने के सुविधा के सिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम जी भारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, न्मिनलिश्वत व्यक्तियाँ, अर्थात् ध—

(1) मेसर्स निलम डेव्हलोपर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंजूला सी० शेठ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 किन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवासः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्भित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के वास लिखित में विकार वा सकती।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

पलेट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, सी-विंग, इमारत नं० 2, शांती पार्क, गरोडिया नगर, घाटकोपर(पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकी अ०भं० प्रई-3/37-ईई/14784/84-85 पौर जो सक्षत्र ब्राधिकारी बन्द्रई इंग्स दिनाक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 8-7-1985

मोहर 🗉

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० भ्रई-3/37-ईई/14220/84-85---श्रतः मुहे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख में अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिस्वाण करने कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मंठ फ्लेट नंठ 108, जो, 1ली मंजिल, इमारत नंठ 6, कपाडिया नगर, सीएसटी रोड, बुर्ला(प०), वम्बई-70 में स्थित है (और इससे उपावक अनुभूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनयम 1961 की धारा 269 के, खे के श्रक्षीन, वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ड़ी है, तारीख

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की एई है और मूमे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से वाश्यत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सहाई किसा आय की बावत, अवत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अवतर्थ के २१९७ में किसी करने या उससे बचने र स्विधा क लिए, और/या
- (स) एंसो किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में स्विधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अधित् ध— (1) दीपक बिलिडर्स प्रायवेट लिए।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निमा निक्तर परकार।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पाल को वर्जन को सम्बन्ध मी कोएं भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारोख से 45 दिन की अपिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारांश सं
 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबर्भ
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षाहरताक्षरी के पान
 लिखित में किए जा सकीर।

स्पथ्दिकरणः --- इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उथ्ह अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ुस</u>्चा

परोट लं॰ 108, जो, 1ली मंखिल, इमारत नं॰ 6, कपाडिया नगर, सीएसटी रोड, कुर्ला(प॰), बम्बई-70 में स्थित है।

प्रमुस्ची जैमाकी ऋ० मं० श्रई-3/37-ईई/14220/84-85 और जो सक्तम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांह 1-11-1984 को रिजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राधुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

नारीख: 8-7-1985

प्ररूप बार्ड. टी. एत. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारर 269-च (1) जे अभीन गुणना भारत सरकार

कारकियः संभावक भागवार आ**यक्त (निरीक्रण)**

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश २० ग्रई-3/37-ईई/14222/84-85---श्रतः, मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अबके प्रशान 'ान अधिनियम' काहा गया हैं), की धारा 260 के वे अधीन सक्षम प्रतिकारी को यह विद्याम करने का पारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका सन्ति बाबार म्ह्म 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी गं० पलेट नं० 203, जो, 2री मंजिल, ६मारत गं० 6, कपाडिया नगर, नीएसटी रोड, विदानगरी मार्ग, कुर्ना, वम्बई-70 में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणव है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 के, अ के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, लारीख 1-11-1984।

भी प्रात्मिक संपत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के रश्यमान अतिकल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विस्तान करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपत्ति का उचित बाजार ब्ल्य, उसके एश्यमान प्रतिकल से एसे अश्यमान प्रतिकल का उन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के नीच अन्तरण के लिए तय पाया पदा प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेश्य से उसत अन्तरण लिखिल भी कार्यका प्रतिकल भी करिया नहीं किया गया है :--

- (क) यस्तरण में शुर्ड किसी नाम की बावस वर्ष्य वर्षिन १९२२ के अक्टीन करू दोने के अन्तरक के बादित्य में क ं १६० ल ५ युक्त राजकों में मिना के जिये; और/या
- (म) एसी किसी बाय या किसी एन या अन्य आस्तियों भी, जिन्हीं भाग्हीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या लन भूत लिखीनयम, 1957 (1957 का 27) में प्रतिकार्ग अन्यों प्रति युगरा प्रकट नहीं किया गण भूतिकार प्रकार प्रकट नहीं किया गण भूतिकार प्रकार प्रकट नहीं किया गण भूतिकार प्रकार प्रकट नहीं किया गण

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण थें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) े अधील, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :—— (1) मेसर्स दीपक बिल्डर्स प्रायदेट लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती जे० ए० सन्तार हाजू।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्थान कारी कारके धूर्योकत सम्परित कं वर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

असर सम्बद्धि के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी सामीप :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाणन की तारीज के 45 दिन की अवधित वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अवधित को भी अवधि वह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त सम्बन्धों में से किसी स्वक्ति स्वारत;
- (क) इस मुखना के राजपण को जकाबन की शारीब से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर संपत्ति को हित-बद्ध किसी अन्य कार्यिक इसारा अभोइस्ताक्षरी के पार पिटिंग्स मो किस् का गर्कों है।

स्पष्टीकारण: ----इसमे प्राप्तत कालों और पर्वो का, जो उनते अध्यान 20-क में प्रीरभाभित हो, नहीं वर्ध होगा की उस अध्यान में दिया नहीं हो।

अनुसूची

पलेट नं० 203, जो 2री मंजिल, ६मारत नं०6, कपाडिया नगर, सीएसटी रोड, विद्यानगरी मार्ग, गुर्ला, बम्बई-70 में स्थित है।

ग्रमुम् के माकी कार्ना ग्राई-3/37-ईई/14222/84-85 और जो सक्षम प्राक्षिकारी बस्वई कारा दिनांक 1-11-1984 को रिकस्टिई विया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज-३, बस्बई

नारीषः : 8--7-1985

माहर :

प्ररूप आर्चे, टी, एन, एस.----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

नारतं बरकार

कार्यालय, महायक बायकर बायक्त (निरीक्षक)

म्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/14223/84-85---ग्रन:, स्झे, ए० ५साद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६**०-म**ाने अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास **करने का** कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका लिखा बाजार मृत्य 1,06,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी संव पलेट नंव 404, जो 4धी संजिला इमारत नं० 18, कपाडिया नगर, सीएसटी रोड, कुर्ना(प०), बम्बई-70 में स्थित है (और इससे उपाबंध प्रभमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रहिनियम 1961 की धारा 269 कुछ के ग्रहीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्टी है. तारीख 1-11-1984।

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाषार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिल की गई और मुक्तें वह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति की उपित बाजार मूल्य, उसके इत्रयमान प्रतिफल से, ऐसे इत्रयमान प्रतिफल का **क्रेन्ट्र** प्रतिकात से अधिक ह**ै और अंतरक (अंतरकों) आरि** अंतरिती (अंतरितयाें) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्रिथत नहीं किया गया है :--

- (क्र) जन्तरण सं हुइ किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क की रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा वे लिए. बीर/क
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का िन्द्री भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया वाना वाहिए था, फिपाने में सविधाके सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ए---

(1) दीपक बिल्डर्स प्राईवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) दाउद ए० परकार।

(भ्रन्तरिकी)

को बहु बुचवा जारी कहुको प्रॉक्ट सम्परित के सर्पन के लिए कार्यवाहियां करता हा ।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विच की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों स्वनाकी तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी बंबीय बाद में बमाप्त होती हो, के भीतर प्वाबित ऋ विरायों में से किसी स्पन्ति इवारा:
- (क) इस स्थान के प्राथम में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीकर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए पा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त बिधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष द्वारेग को उस वध्याय में दिना etal E.;

मन्स्ची

फ्लेट नं० 404, जो 4 थी मंजिल, इमारत नं० 18, कपाडिया नगर, सीएसटी ोड, मूर्ला(प०), बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०सं० अई-3/37-ईई/14223/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्त्रई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० ५साव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्राञ्च रेंज-3, बम्बई

तारीख: 8-7-1985

मोहर ३

प्ररूप बार्च .टी .एन .एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मं (1) के अधीन सुमन

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

बम्बई, विनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/14237/84-85—~श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उब्ल अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 52, जो, ाली संजिल, मुयोग इंडस्ट्रियल इस्टेट, एल ब्लो॰एस० मार्ग, विकोली (प०), अम्बई-83 में स्थित है (और इससे उपावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 का अ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984।

- (क) बन्तरण से हुड़ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुनिधा दायित्व के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

(1) मेसर्स सुयोग इंटरप्रायणेस ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स प्रार० पी० क्नीतदेग्रर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के सिध् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्द्र भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वर्ष हैं.
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धीं व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन को भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नेत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

वन्स्ची

य्निट सं० 52, जो, 1ली मंजिल, सुधोग इंडस्ट्रियल इस्टेट, एल०बी०एस० मार्ग, विकाली (प०), बम्बई-83 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कल्सल श्रई-3/37-ईई/14237/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० ५साद सक्ष्म प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बर्फ

तारीख: 8−7–1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

नायकर धिंतियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन मुखना

भारत संस्कार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिमांक 8 जुलाई 1985 निर्वेश सं० अई-3/37-ईई/14241/84-85—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् (जिस्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकम प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० यूनिट नं० 53, जो, 1ली मंजिल, मेसर्स सुयोग इंडस्ट्रियल इस्टेट, एल०बी०एस० मार्ग, विकोली (प०), बम्बई-83 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारमामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क.ख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, मारीख 1-11-1984।

को क्षेंक्ति सम्पत्ति के जीवत वाजार मूस्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए क्यतिरती की पर्द क्षेर मुन्ने गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूस्य, उसके व्ययमान प्रतिपन्न से, होते क्यमान प्रतिपन्न का पन्नह प्रतिकत से अधिक है और सम्पत्क (क्यामान प्रतिपन्न का पन्नह प्रतिकत से अधिक है और सम्पत्क (क्यामान के तिए तब पामा गया प्रतिफल निम्मलिशित उद्देश्य में उच्छ अध्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (का) जनसरण चंद्वार्ड किसी काय की बासत, उपत अधिसम के बधीन कर दोने के जनसरक के खासिरन में कबी करने वा उसते अपने में सुविधा के निवह; और/मा
- (स) एोनी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तिबों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उजल अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निम्नीसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) मेसर्स सुयोग इंटरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स टैकमित इंडस्ट्रिज।

(अन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिक्दे कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाकाप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अविध, जो भी बनीध बाद में जनाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ज) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज ने 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पक्ति में हिलक्ष्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निर्मित में किस आ सकोंगे।

स्वाधिकरण:----इसमें प्रयुक्त बन्धों और पदों का, वो उक्क अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. को उत अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

यूमिट नं० 53, जो, 1ली मंजिल, मेसर्स सुयोग इंड-स्ट्रियल इस्टेट, एल०बी०एस० मार्ग, विकाली (प०), बम्बई-83 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कर्लंश्अई-3/37-ईई/14241/84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

नारीख: 8-7-1985

मोहर 🚜

प्रकृप कार्च . हो . एन . एस . -----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन सुपना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/14244/84-85--अत: मुझे, ए॰ प्रसाद

बायकर मिपिनवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 6, जो, 1ली मंजिल, निलकंठ कुटीर इमारत, गरोडिया नगर, प्लाट नं० 90, घाटकोएर (पूर्व), बम्बई-77 से स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रॉर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 क,ख के अधीन, बम्बई स्थित प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है सारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिबत उद्देष्य से इक्त अन्तर्ण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बंने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जीर/वा
- (क) एसी किसी बाप या किसी धन या वन्य वास्तियाँ को, धिनहुँ भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिहा;

जतः ।। बं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिङ व्यक्तियों, अर्थीत् :— (1) श्री एच० पी० दवे श्रीर अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० एम० महा ग्रांर अन्य।

(अन्तरिती)

न्त्रे यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सक्यित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स संपत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस अ 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाष लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

थनुसूची

फ्लेट नं० 6, जो, ाली मंजिल, निलकंठ कुटीर इमारत, गरोडिंगा नगर, प्लाट नं० 90, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्रम० सं० अई-3/37-ईई/14244/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, ब्रम्बई

तारीख: 8-7-1985

माहर ्

प्रकार बाहाँ, टी. एन. एस. -----

(1) श्री यू०डी० लोदया।

(अन्तरक)

(अन्सरिती)

जायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ग (1) जे अभीन सुचना (2) श्री एस०एन० मिखाजा श्रीर अन्य।

भारत बरुकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विमांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/14248-ए/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद

कावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिस, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 10, जो, 4थी मंजिल, महावीर महल, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची सें श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-11-1984। का पूर्वोक्त सम्परित के जीवत बाजार मूरम से कम के स्वमान प्रतिफन के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्परित का उचित बाजार मूरम, उसके इश्यमान प्रतिफल सें, एस श्रम्यान प्रतिफल का क्यार क्या कारण है कि यथापूर्वोकत सम्परित का उचित बाजार क्या हिन्स से विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्परित का उचित बाजार क्या हिन्स से विश्वास से किस से विश्वास से विश्वास से किस से

- (क) बन्तरण संसुद्ध किसी आध को बाबस, उक्त अधिनिम्ब के अधीय कर दाने के बन्तरक के दामिक के कमी करमें या उससे बचारे भी मृतिक्या के लिए; बांबर्टका
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुजिधा श्री सिए;

को मह सूचना वारी कारके पर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्रोप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिला का किए जा सकता ।

स्पष्किरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अभिनियम के नध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

मनुस्ची

पलैष्ट नं 10, जो, 4थी मंजिल, महावीर महल, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी करुसंर अई-3/37-ईई/14248-ए/ 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिमांक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसा**द** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-3, **बम्बर्ध**

अतः नव, उन्त निमिनियम की धारा 269-य के अनुसरण वा, जा उन्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) की नभीत, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 8-7-1985

प्रकृत बाइ . टी . एव . एत . -----

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्न)

अर्जन रेंज-3, बम्ब**ई** बम्बई, विमांक 8 जुलाई 1985

निवेश सं० अई-3/37-ईई/14262/84-85---अत: मुझे, ए० प्रसाद

बायकर मिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिंपिनयम' कहा गया हूँ), की भारा 269-भ क अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, पिसका उचित नाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

म्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 15, जो, 3री मंजिल, णांती इमारत, प्लाट नं० 158, गरोडिया मगर स्किम, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), ग्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 का खे के अधीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्ल से कम के द्रश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विक्वास कर ने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्ण, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के विक्त प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्रे) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के जिए तम बाया गया प्रतिफल, निय्नतिक्ति उद्देश्य से उक्त बन्तरण कि विष् तम

- (क) कलारण ते हुई किसी बाय की वायत उक्त वर्षिन नियम के बभीन कर दोने के बंतरक के दासित्व में कनी करने वा उत्तदे वचने में सविधा के सिए: बीक्स/बा
- (क) इसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्विकों की, विनह' नारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्च विधिनियम, वा चनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए;

बस्तः वय, उक्त विधिनियम की थारा 269-न में अनुवरक में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसियत व्यक्तियों, अर्थातु:--- 1. श्री एस० एन० कांबली।

(अन्तरक)

2. श्री बी॰ ग्रो॰ महता।

(अन्तरिती)

की वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस ध्रमना के राज्यम में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनर की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्य होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में ते किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस स्थान के राज्यत्र के प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपत्ति में हित-वद्य कि की मन्य स्थावत इयारा स्थोहस्ताकारी के पास कि कि में किए का सकती।

स्वयक्रियण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का. वर्ग उपस् अभिनियभ के कथ्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विस् ज्या ही।

बनुसुभी

फ्लेंट नं० 15, जो, 3री मंजिल, शांती इमारत, प्लाप्ट नं० 158, गरोडिया नगर स्किम, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-3/37-ईई/14262/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टई किया गया है.।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिनारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 8-7-1985

प्रक्रम नाहाँ, टी एन्, एसं ८००० - न

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, बिनांक 8 जुलाई 1985

निर्वेश सं० श्रई-3/37-ईई/14289/84-85—श्रतः, मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 301/बी, जो, विक्रम ग्रपार्टमेंट, न्यू माणेकलाल इस्टेट, एल०बी०एस० मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-11-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण हैं कि संभाष्वीकत सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा अहे सिए; व्हार/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ

्त: भय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अमृतर्ध में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-त की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिसित स्थिनियमें, अभित :--- (1) श्री पी०एम० पटेल ग्रौर ग्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एल०पी० पटेल।

(ग्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्धः में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वर्गीय बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृष्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्पी

फ्लैट नं० 301/बो. जो विकम श्रपार्टमेंट, न्यू माणेकलाल इस्टेट, एल०बी०एस० मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कञ्सं श्रई-3/37-ईई/14289/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

तारीख: 8-7-1985

बोहर्

प्रकृष् वार्ड ,टी . एन् . एव् , -------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

नारत तरकार

कार्यानयः, सहायक जायकर भायुक्त (निर्याक्तक)

ग्नर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई 3/37 ईई/14601/84-85—अतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर स्प्यस्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० यूनिट नं० 21, जो, ग्राउंड फलोर, प्लाट नं० 13, सी०एस०टी० नं० 18 श्रीर सर्वे नं० 99 (श्रंश), हरीयाली व्हिलेज, एल०बी०एस० मार्ग, विकोली (प०), बम्बई-83 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरही है, तारीख 1-11-1984।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उजित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया क्या प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक क्य में किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा जै सिक्षा

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेरार्स डी०के० विल्डर्स एण्ड एसोसिएटम । (अन्तरक)
- (2) मेनर्स जेक इंटरप्रायजेन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध को कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ध्रुष्ट से 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळितीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्स्ची

यूनिट नं० 21, जो ग्रांउड फलोर, प्लाट नं० 13, सी०एस॰टी० नं० 18 ग्रौर सर्वे नं० 99(ग्रंग), हरीयाली व्हिलेज, एल॰बी०एम० मार्ग, विकोली (प०), बम्बई-83 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० श्रई-3/37-ईई/14601/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद नक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 8-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाबक आयकर आव्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निवेश सं० ग्रई-3/37-ईई/14307/84-85—- मतः मुझे,

ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 9, जो गाउंड फलोर, गाँपिंग सेंटर, तुलसी भवन, गोपाल लेन, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप मे वर्णित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए उन्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से एसे इरयमान प्रतिफल का पंदर प्रतिफल से अनेतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तिरित्यों) के बांच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः उव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन., निम्नलिक्तिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पी० वेंकटेश।

(भ्रन्तरक)

(2) चारू डी० छेडा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे,हस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

दुकान नं०9, जो, ग्राउंड फलोर, शांपिंग सेंटर, तुलसी भवन गोपाल लेन, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है।

भनुसूची जैसाकी कि॰ सं॰ म्रई-3/37-ईई/14307/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख : 8-7-1985

मो**इ**रः

प्ररूप आइ. टी. एन, एस.----

The state of the s

न.बफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **पाँ** भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

भार्यास**न, सहायक आङ्कर जायुक्त (गिरीक्षक)**

ग्रर्जन रें**ज**-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985 निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/14096/84-85---श्रतः मुझे,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं द्वार्य द्वाक वदवात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के बभीन तक्षम प्राधिकारी को यह विद्याध करने का सारच है कि त्यावर सम्बत्ति, विश्वका उच्चित गावार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिनकी मं० यूनिट नं० 12, जो ग्राउंड फलोर, प्लाँट नं० 13, सीटीएम नं० 18, एम०नं० 99(श्रंष), हरीयाली व्हिलेज, एल०बी०एम० मार्ग, विकोली (प०), वम्बई-83 में स्थिन हैं (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुमची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रीर जिमका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, तारीख 1-11-1984।

त्रो पूर्विता संस्थित के उचित बाजार मूल्य है कर के अवधान गिरापन के निम्न अस्तिरित की गई है जोर बहु विध्वास अस्ते का कारण है कि यथापुर्वेक्स सम्यक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अथमान प्रतिफल से, एसे अवब्यान प्रतिकल का पत्तह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंसरियी (अस्तिरितियों) के बौच एपे अन्तरण के लिए तम पाथा गया प्रविकत, निम्निचीयत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण किसित में नास्तिविध स्था से कथित नहीं किया गया है.—

- (का) जन्तप्रण में हुई किसी आय को गमन १०३ विधि-विकास के अर्थित का तीन के अन्यक के विधित्य में किसी कारण था जनके सचने में समिषा के निष्;
- ्त्रः ऐसा किसी शर्य या किसी धन या अध्य जाल्लियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रीधिनियम, वा धन-दः रुधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रवाद्मशर्य अन्तरिती प्तारा प्रकट नहीं किया गड़ा था जा किया जाना चाहिए था, दिश्वाने में सविशा की लिए:

बतः बतः उक्त विधिनियमं की धारा 269-न के बनुसरण कः भं, उक्त अधिनियमं की बाग 260-च की उपधारा (1) जन्मका विकास का विस्तरणें, अधील क्र—

- (1) मेनर्स डी०के० बिल्डर्स एण्ड श्रासोनिएटस्। (अन्तरह)
- (2) श्री टी०एच० शाह।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए काबनाइया करता हुं।

उपत सम्पत्ति वे अर्थन के बम्बन्ध में केंद्र भी आक्षेत्र :---

- (क) इस स्वाम के राज्यन में प्रकाशन की शारीब से 45 विम की नगींत ना तत्त्वंधी व्यक्तिमें पर ब्यान की तानीस से 30 दिन की अमिथ, को भी संवीध बाद में तनस्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमां में ते किसी व्यक्ति द्यारा;
- (व) इक क्ष्मा के राज्यत में त्रकाचन की तारीच वे 45 दिन के मीतर जनत स्थापर तस्यित में द्वित-नव्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास निविद्य में किए जा सकति।

स्त्रके स्थः — इसमें प्रवृक्त वन्मां और पर्धों का, जो उन्क विधिनियम, के वध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होंगा, जो उन वध्याम में दिया वक्ष हों।

अनुस्वी

यूनिट नं० 12, जो, ग्राउंड फलोग्नर, प्लाट नं० 13, सीटीएम नं० 18, हरीयाली व्हिलेज, एल०बी०एम० मार्ग, विकोली(प०), बम्बई-83 में िथन है।

अनुसूचो जैसा को कलमं ० आई-3/37-ईई/14096/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी तम्बई द्वारा दिनाक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी अहायक ग्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) प्रतित रेंज-3, बस्बई

नारीख: 8-7-1985

ांहर:

प्रकथ वार्षं .टी .एन .एस . -----

थायकार बॉभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के ब्राधीन स्वामा

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/14143/84-85—अत: मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह धिष्वास फरने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मुस्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
शीर जिन्ना फ्लेट नं० 11-ए, जो, जलाराम ज्योत,
31/32, वल्लमबाग लेन, घाटकोपर, बम्बई-77 में स्थित
हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत
हैं), श्रीर जिसेका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के क्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विक्वाल
करने का कारण है कि यथाय्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार
मृन्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का
पंत्रह प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरित्यों) के बीच ऐसे बन्तरण के निए तब पावा गया प्रतिफल निम्निकत उद्वेध्य से उच्त अंतरण निधित में बास्तिबक
कर्ण से किथत नहीं किया गया हैं:—

- को अस्मरण से हुई कियी नाम की शामक धमक अभिनियम के संधीन कर धोने की अस्पारक बी दायित्न में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) श्रेसी किसी बाय वा किसी भन या जन्य आकित्वों के किसी वास्तर अक्ष्य-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की सम्भाग (1) के अधीन निम्निसिस व्यक्तियों, अभीत :—

(1) श्री एस० एन० पौकर ।

(अन्तरक)

(2) श्री जे० आर० संघवी।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके 'पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क्त) इस सूचना को राजधन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिरवर्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिचित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकारण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस्र अध्याय में दिया गया है,

अनुसूची

फ्लैट नं० 11-ए, जो, जलाराम ज्योत, 31/32 बल्लभवाग लेन, घाटकोपर, बम्बई-77 सें स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०सं० अई-3/37-ईई/14143/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयवज्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 8-7-1985

जक्य जाई.टी.एन.एत. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक कायकर काय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, विनांक 8 जुलाई 1985

निवेश सं० अई-3/37-ईई/14195/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाव

बावकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269~- स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिमका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसका फ्लेट नं० 26, सती निवास, को-आँप० हाउसिंग मोशायटी लिमिटेड, 178, गरोडीया नगर, घाट-कोपर पूर्व, बंबई-400077 में स्थित है (भौर इससे उपा-बढ़ अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणिन है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख को अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

कां पृशेकि। संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पत्ते कर्मा प्रतिफल का पत्ते दश्यमान प्रतिफल का पत्ते प्रतिक्र से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च अन्तरण किचित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किशी बाब की बाबस, उन्स्य अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के समित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविभा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा छ लिए।

जतः अभ, उस्त अभिनियम की भारा 269-म को अमृसरक में में, उस्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) डॉ॰ बी॰एल॰ हसा।

(अन्तरक)

(2) सण्दार मुचा सिंग ग्रीर श्रीमती अमर कौर।

(अन्तरिती)

को यह स्थान भारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्द सन्परि के वर्षन के संबंध में कोई भी बाधपे :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किए जा सकोंगें।

स्यच्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त मिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे- दिया गया है।

लस्य औ

फ्लेट नं०26, जो सती निवास को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 178, गरोडीया नगर, घाटकोपर पूर्व, बंबई 400077 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ०सं० अई-3/37-ईई/14195/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीय : 8-7-1985

मोहर ः

प्रकप काइ. टी. एव. एव.-----

भागकर अभिनियम , 1961 (1961 का 43) की वास 269% (त) की अभीव स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरोक्शण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/14278/84-85-अस: मुझे ए० प्रसाद

आयकर अभिनियम (961 :1001 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि न्यावर सम्पत्ति, जिसका उदिश बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

- (क) एसा । कर्षा जाय मा किसो धन या अन्य आस्तियां का, 'जन्हा भारताय आयकार अधिक्रियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ट अधिनियम, या प्रमानियम, या प्रमानियम, अप्रियंजनार्थ केरियंजियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनार्थ केरियो खाना चाहिए था, क्रियाचे में सुविधा के सिए;

बतः अवः उक्त विभिनिषयं की भारा 269-र के बन्सरक वः, में, उक्त अभिनियमं की भारा 269-म को उपभारा (1) हि सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सभीतः :--- (1) मेसर्स श्री पद्मनाभ बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेंद्रप्रसाद बी० शर्मा।

(अन्तारती)

को नह स्थना पारी करके पृत्रोंक्ट सम्बस्ति के वर्षन थे तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपन सम्माति के वर्षन के सम्बन्ध मा कांद्रों भी बालेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी जबिध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (क) इस स्वाना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन को भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिति द्वारा. अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए का सकेंग।

स्पव्यक्तिरुकः :---इसमा प्रयुक्त शल्दां और पदों का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंग जो उस अध्याय में विस्था गया हैं।

वन्तुची

दुकान नं० 22, जो, तल जाला, पारेख मार्केट, एस० नं० 77/10, सी०टी०एस०नं० 4648 से 4667, एम० जी० रोड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैंसाकी फ़०सं० अई-3/37-ईई/14278/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिक/7 बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टड किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 8--7-1985

प्र**रूप अह**ै. टी. एन. एम. -

न्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा भारा 269-६ (1) के अधीन सुमना

भारत स्रकाह

कार्यांतय, सहायकः आग्रकः आगुक्तः (नि.रीक्षक) अर्जन नेज-3, बम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/14707/84-85—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

श्रायकर विधानियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उम्मित बाजार मूल्य 1,00-000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जमीन जा हिस्सा, जो, व्हिनेज घाटकोपर, सर्वे नं० 133, प्लॉट नं० 1(श्रंग) श्रीर 2(श्रंग), सर्वे नं० 134, प्लॉट नं० 4(श्रंग), श्रीर 5(श्रंग), सर्वे नं० 155. प्लॉट नं०-, घाटकोपर, बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, बम्बई स्थित स्थम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वे अत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल सं, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-सिवित उब्देश्य से उक्त अंतरण निम्तित में वास्तविक रूप से फीधत हों किया पया हैं:——

- ंशो मनश्ररण हो सुन्धे शिक्षी माथ भी बानस, उनस् जीवितग्रम के मधील कर दोने के अन्तरक वे विश्वरन में कमी करने मा जससे बचने में सुविधा /डे लिए; भाष/या
- (७) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भागतीय आयकर पंजियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एय या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में परिचण के निय;

अत अस, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ले जी अपने अधिनियम की भारा 269-म की उपध्यक्त (1) की अधीन, जिम्लीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) दि मनहर भिल्त (प्रायवेष्ट) लिभिटेड ।

(अन्तरक)

(2) सोगन्ध्य बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्ववाहिया करता हु

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारास से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त हांती हा, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए आ सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, वा उवस अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविष हैं, वहां अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया। गया हैं:

धनसूची

जमीन का हिस्सा, जो, व्हिलेज घाटकोपर, सर्वे नं० 133, प्लॉट नं० 1(श्रंश), 2(श्रंश), सर्वे नं० 134, प्लॉट नं० 4(श्रंश), 5(श्रंश), सर्वे नं० 155, घाटकोपर, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैनाकी क०सं० शई-3/37-ईई/14703/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद पक्षम प्राधिकारी सहायात गायकर श्राणुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: १-7-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/14425/84-85---अत: मुझे, ए० प्रसाद

क्षायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्यात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1 00,000/- रु. से अधिक है

श्रांर जिसकी सं दुराव नं 1/बी, जो तल माला, विकम अपार्टमेंट्स, न्यू माणेबलाल इस्टेट, एलंब्बी शास्त्री मार्ग, घाटकोतर (पं), बम्बई-86 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), ग्रीर जिसका करारणामा आयंकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, गारीख 1-11-1984

को पूर्विभित्त सम्पन्ति को लिखत जाकार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिपन्न को निए जन्तिरित को गई है और मूर्क यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार कृष्य, असके दृश्यमान प्रतिपन्न को एते स्वयमान प्रतिपन्न को पन्नह प्रतिचात में अधिक हो भा अंतरक (अंतरकों) और यंतरिती (अंतरितयां) के बीच एसे जेतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षा का विम्नितियां) के बीच एसे जेतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षा का विम्नितियां। के बीच एसे जेतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षा का विम्नितियां। के बीच एसे जेतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षा का का का कि स्वर्थ के किया गया हैं:---

- (क) धन्तक स शूर्व किसी बाव की वावत, जबत बिंधिनियम के संभीन कर की वे बन्तरक के बीसित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए, ब्रोविश्या
- ाका एका किसी काय या किसी धन था अस्य आसिताओं कर्त्र, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धुनारा प्रकट नहां किया अभा का या किया जाना चाहिए भा कियाने में स्वीक्षा के लिए;

बत: अब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, धवत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क्रिक्शन, निम्नितिसित व्यक्तियों, सर्थात् म— (1) मेसर्स विक्रम डेक्ट्रलोपर्स ।

(अन्तरिती)

(2) हरीलाल जेराम भाई चौहान

(अन्तरक)

को बहु सुचना जारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए। कार्यकाहियां करता हूं।

डानम् सम्परित के सर्वन के प्रभवन्त्र में कोई भी प्राक्षेत्र अ-

- (क), इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन की वर्षाय वा उत्तरकारी व्यक्तिकों वृद्ध स्वना की वामील से 30 दिन की वर्षाय, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तिकों में से विश्वी व्यक्ति दुवादा:
- (व) इस श्वना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीव वे 45 हिन के बीतर उक्त स्थावर सम्बद्धि किसी क्रन्य व्यक्ति द्वारा कभोहस्ताक्षरी के बाब े सिसा मों किए जा सकांगे।

स्यच्छोकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभुस्ची

दुकान नं० 1/बी, जो नल माला, त्रिक्रम अपार्टमेंटस्, न्यू माणेकलाल इस्टेट, एल०बी० शास्त्री मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क० सं० अई-3/37-ईई/14425/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधि-नारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, ब≭बई

तारीख: ६-7-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिगांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/14408/84-85---अत: मुझे, ए० मसाद

अध्यकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अभिके पश्चात 'जर्कत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

घौर जिसकी सं० यूनिट नं० 51, जो, अपाकी इंडस्ट्रियल को-आँप० हार्जीसग सोसाइटी लि०, सिद्धपूरा इंडस्ट्रियल इस्टेट, मसरानी लेन, कुर्ला, बम्बई-70 में स्थित है (घौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घौर पूर्ण रूप से विणत है), घौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को प्वोंक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गईं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उंजित बाजार मूल्य, असके स्वयमान प्रतिफल को पत्त्वह प्रतिकृत को पत्त्वह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पावा गवा प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्ववेष्य से उच्त अन्तरण जिल्लि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के कायित्व में कसी करने या उसमें बचने में मूजिया के निम्; और/भा
- (थ) एती किसी जाय वा किसी भव वा जन्य जास्तिवाँ को, जिल्हें भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर जिभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में एकिथा औ लिए।

अतः अभ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारः (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाव :---- 23—196(31)85

(1) श्रीमती नसीम वेगम।

(अन्तरक)

(2) श्री निर्णात एम० माहीमतूरा।

(अन्तरिती)

को बह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंशाख;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी शृन्य व्यक्ति ब्वास अधोहस्ताक्षरी के वास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त सन्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगरी

यूनिट नं० 51, जो, अपाकी इंडस्ट्रियल को-ऑप० हार्जीसन सोसाइटी लि०, सिढपुरा इंडस्ट्रियल इस्टेट, मसरानी स्नेन, कुर्ला, बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क०सं० अई-3/37-ईई/14408/84-85 ग्राँर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3,बस्बई

विनांक : 8-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाई . दी . एन . एस . -----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर नामृक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई-3/37ईई/14524/84-85---ग्रतः मुझे ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम . 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकर अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शोप नं० 1, तलगाला, गोल्डन व्हियु, सी० टी० एस० नं० 5653, कोलेकल्यान, विलेज, कालीना, बम्बई-29 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबज्ज श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके, दश्यमान प्रतिफल से, एभे दश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (बंतरिकों) और धंतरिती (अंतरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्लिलिख धद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 191 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अभूपारण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार (1) के अधीर जिम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स गोल्डन कनस्ट्रक्शनस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वी० चिलाप्पा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संवंध में क्रोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सप्ति से किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्भूषी

णोप नं 1, तलमाला गोल्डन व्हिय्, सी टी एस नं 5653 कोले कल्यान विलेज, कलीना, बम्बर्ड-29 में स्थित हैं । श्रनसूची जैसा कि क्रम भं ग्रर्ट-3/37/ईई/14524/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा विनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–3, बम्बर्ड

विनांक : 8-7-1985

प्रकल्प आर्च टी. एन एस. - - -

प्रायवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वार २६९-घ (1) के अधीन सु**प**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्र $\frac{1}{2}$ = 3/37= 3/37= 3/84= 85= -= 3/37= 14358/84= 85= -= 3/37= 14358/84= 85= -= 3/37= 14358/84= 85= -= 3/37= 14358/84= 85= -= 3/37= 14358/84= 85= -= 3/37= 14358/84= 85= -= 3/37= 14358/84= 14

भायकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-म के अथीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हो कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 3, जो, तलमाला, सी० टी० एस० नं० 5653 (श्रंग), कोलेकल्यान, कालीना, बम्बई-55 में; स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिष्ठितयम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रिजिस्ट्री है, नारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्नके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, गिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वाम्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रीप्तियम के अपीन कर क्षेत्र के अन्तरफ के वायित्व को कभी करने का उससे बचने के सुदिशा के सिए; पौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों सारतीय आय-कर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियन, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अरू रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विस्था याना चाहिए था खिपाने में मुविधा के लिए;

(1) मेसर्स गोल्डन कन्सदृक्शनस कंपनी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र मोतीचन्द हरीया।

(अन्तरिती)

को यह मुखना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में **कोड भी बाक्षण**्य--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाक्षन की तारांख स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गृचना की तामील स 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तिया में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस श्वाना के राआपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितन्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास रामस्य में विश्व का सकार

स्पञ्जोकरणः अवर्षे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित की, बढ़ी अर्थ शागा जो उस अध्याय मी दिया गया है।

नगत्त्रकी

दुकान नं. 3, जो तलमाला, सी० टी० एस० नं० 5653 (श्रंश), कोलेकल्यान, कालीना बम्बई-55 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-3/37ईई/14356/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–3, बम्बई

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण है, मैं उपल पिभिषय की भाष 269-म की उपभारा (1) के को अधीन, निम्निनिस्ति व्यक्तियों. अर्थात् :----

दिनांक : 8-7-1985

प्रारूप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई-3/37ईई/14811/84-85--श्रतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक ह"

श्रौर जिसकी सं० माला नं० 19, जो मिंग (मर्विस), इंडस्ट्रियल इस्टेट, राम मंबिर रोड़ ग्राउन्ड फ्लोर, श्राफ एस० बी० रोड़, गोरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान कित्रफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार तृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एमें दृष्यमान प्रतिफल का मन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए सब पावा च्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से किथा गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी आय की बाबत उक्त जिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (थ) एसी किसी आय या फिरी भन वा बन्द वास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रीयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उद्यत विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कराः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के बनुसर्भ कों, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री श्रार० एम० पटेल।

(अन्तरक)

(2) श्री रामचंद्र बंसराज ग्रौर ग्रन्य।

(भ्रन्तलिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस त्वाना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यथि, वो भी ववधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुकान के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए था सकोंगे।

स्पद्धीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

माला नं० 19, भो सिंग (सर्विस), इंडस्ट्रियल इस्टेट नं० 3, राम मंदिर रोड़, ग्राउन्ड क्लोर, ग्राफ एस० वि० रोड़, गोरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि अ० सं० श्चर्र-3/37ईई/14811/84-85 श्चौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ा़्० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−3, बम्बई

दिनांक : 8-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालरः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37ईई/14822/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट बेर्थारंग नं० 30, सब-डिविजन लेथ्राउट (एस० नं० 60, 61 (श्रंश), श्रौर 62 (श्रंश), मेसर्स उदय गिरि की-श्रोप० हाउसिंग सोमायटी लि०, देवनार, बम्बई में स्थित है (श्रौर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रिधकारी के कार्यालय में रजिस्ति है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दरमान प्रतिफल से एसे दरमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचल से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से किंशत निम्नी किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आर की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) जी प्रणव सरकार।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रभा कुमार।

(अन्तरिती)

का यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मां समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टिकिरण:--इसमें प्रयूचत कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्लाट बेग्नरिंग नं० 30, मब-डिविजन लेग्नाउट (एस० नं० 60, 61 (श्रंण), 62 (श्रंण), मेसर्स उदय गिरि को०-ग्रोप० हाउ।संग सोसायटी लि०, देवनार, बम्बई ;स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-3/37ईई/14822/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3. बम्बई

दिनांक : 8-7-1985

प्र**कप आह**ै. टी एन् **ए**स. ----

आयकर शिक्षिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-ध (1) के अधीन सूर्वन।

भारत सरकार

कार्यालय सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देण सं० प्राई-3/37 ईई/14332/84-85----श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनाम, 1061 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार जिसे जिसे पित्र में इसके प्रकार की अधिन मक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है हि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० फ्लैट नं० 301, जां, 3री मंजिन निर्माणाधिन इमारत, नजरन्न श्रपार्टमेंट इमारत, प्लॉट नं० 14/15, प्लाट ए, मेसमं बसंत गार्डन्म इस्टेटम प्रायवेट लि० सायन ट्रांम्बे रोड और पाटला रोड, युनियन पार्क के सामने चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है(श्रीर इमसे उपावध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 के, खे के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हे तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य स कम के रश्यमान प्रतिकास के सिए अंतरित की गई है आर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिकास से, एसे रश्यमान प्रतिकास का पन्द्रह्र प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित्ती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, गिम्बलिखन उद्देष्यों से उक्त अन्तरण निश्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (स) एसी किसी बाय या किसी थन या अन्य अपिन्तारी की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ट अधिनियम, या धन-अह अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना था, छिपाने में स्थिमा के लिए;

अतः अवः अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मेसर्स दवरन्न बिल्डर्स प्रायवेट लि०

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रबोध क्षेड कोठारी ग्रौर भ्रन्य

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति को गर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (5) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन को तारीख़ में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुधना के राज्यक मो प्रकारण की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर स्थापित में हित्सहर्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास का का का भी थिए अर सकी ।

स्थळतीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्ख लियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषिः है, बही अर्थ रोगा को उस अध्याय में विकास

श्रनुसुची

फ्लैंट नं० 301, जो, 3री मंजिल, निर्माणाधिन इमारत नवरत्न इमारत, प्लांट नं० 14/15, प्लाट ए.०, मेसर्स बसंत गार्डन्स इस्टेटस प्रायवेट लि०, सायन ट्राम्बे रोड श्रीर गार्डन्म इस्टेटस प्रायवेट लि०, सायनद ट्राम्बे रोड श्रौर घाटला रोड युनियन पार्क के भागते, चेंबूर, बम्बई-71 भें स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि अ० सं० ग्राई-3/37 ईई /14332/ 198485 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद मशम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985 भोहरः प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 ज्लाई 1985

निर्देश सं० श्राई 3/37 ईंड/14183/84-85 — अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर शिपिनगम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्शाह 'उक्त अधिनगम' कहा गया है), की धारा 269-ल के लगीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विद्रवास करने का कारण है कि स्थायर संस्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, जो, वामण दर्णद, बामण वाडी, चेंबूर, बस्बई-71 में स्थित है (भ्रीर इससे उपावद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा स्नाकर श्रधिदियम 1961 की धारा 269 कख के स्नती। बस्बई स्थित सक्षम प्राधकारी के कार्यालय में रजीस्ही है तारीण 1-11-1984

को प्रशंकत निर्माण के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिष्ठत के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिष्ठल से एसे दश्यमान प्रतिष्ठल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बील एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल निम्मिनिष्ठित रुद्वेष्टण से उक्त अन्तरण लिणिन में वाम्तिविक रुप से किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत , उंक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दागिता में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में., उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) पवनक्रार ध्रगरवाल

(ग्रन्तरक)

(2) शीमती मी० पी० दोणी

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस मूच्या के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकिस्पः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फ्लैंट नं० 8, जो, बामण दर्शद, वामण वाडी, चेंबूर, बम्बई~71 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रार्ड-3/37 ईई/14183 84 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दर्नाक 8-7-1984 मोहर : प्ररूप आर्इ.टी.एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनौंक्ष 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० स्नाई-3/37 ईई/14813/84-85—-स्नतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की कि 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/-रा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० युनिट नं० 31, जो, सिंग इंटस्ट्रियल इस्टेट नं० 3, प्लाट नं० 5, राम मंदिर रोड, एस० वि० रोड, गोरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है श्रीर इस उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है (ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 केख के श्रधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्चित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उण्चित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल में, ए दश्यमान प्रतिकाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया रया प्रतिकाल, निम्नोलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अखने में सुविधा केलिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनअर अधिनियम, या धनअर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री गुलाम मोहम्मद सुलेमाद ए० सना। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री इस्माईल ए० सुनसारा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हो।

अक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युनिट नं० 31, जो, मिंग इंडस्ट्रियल इस्टेट नं० 3, प्लाट नं० 5, राम मंदर रोड एस० वि० रोड, गोरेगांव (प), बम्बई 62 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि क० सं० आई-3/37/14813/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिदांक 1-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 8-7-1985 बोहर ध प्रकृत बार्ड . टी. एन. एस.

वायक ु विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-म (1) के अभीत सुचना

भारत सहस्रह

कार्वासय, सहायक नायकर नायक (निरक्षिक) धर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्वेश सं० भ्राई-3/37-ईई/14583/84ब85--- म्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका खिंचत माकार भूका 1,00,000/- रु. से अभिक है

ष्मौर जिसका सं० बंगला बी-1, जो, राजकुंज को-म्रॉप० हाउसिंग सोसाइटी ली०, वाधवली व्हिलेज, घार० सी० एफ० के पास, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ज्यमान प्रतिफल के लिए बन्सरित की नई हैं जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हूँ कि यथापूर्वोक्त संवरित का उचित बाजार भूल्य उसके व्यवमान प्रतिफल से, एसे वश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निक्तिशिवत उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हु-

- (क) जन्तरण से हुई किन्दी शाय की बायरा, द्वस्त विधिनियम के वधीन कार दोने के अन्तर्का के वायरव में कमी: करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एक्सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में यविभा के शिवाः

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-य के अनसरण कीं, मैं, उक्क अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन विभाविता, व्यक्तियों, अर्थात् हि—— 24—196G1|85

(1) डा० के० ए० सवगाव।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सदाशिव जी परूलकर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चर्री करको पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति ने वर्जन के संबंध में कोई भी अध्येप 🖫 🗝

- (क) इत तुष्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवस्थि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूजना की तामीम से 30 दिन की अवधि, को भी जनभि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याहा;
- (क) इस स्थान के हानएत् में प्रकाशन की तारीत ने 45 विभ के भीज़र उनच स्थानर सम्मति में हित- विभ किसी अन्य स्थानत ब्वारा मधोहस्तासरी के वाल जिल्ला में किए जा सकरेंगे।

स्वक्राकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसुची

बंगला बी-1 जो, राजकुंज को-ग्रॉप हाउसिंग सोसा ी लि॰, वाधवती व्हिलेज, श्रार॰ सी॰ एफ॰ के पास, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि नि प्राई-3/37ईई/14583/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक 8-7-1985 **मोहर**ः प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं प्रई-3/37-ईई/14698/84-85----- प्रतः मझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000 ∕- रह. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12, जो, 3री मंजिल, इमारत नं० एम-4, हिरामणी रतन को-ग्रॉप हाउमिण सोसाइटी लि०. एम० जी० रोड, नांगूर नगर, गोरेगांव (प), बम्बई-१० में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भ्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 1-11-1984 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरिदियाँ) के बीच एेमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उदत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधिन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती सी० ए० मिश्रा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन० के० चोप्रा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 12, जो, 3री मंजिल इमारत नं० एम-4, हिरामणी रतन को-श्रॉप हाउसिंग सोसाइटी लि०, एम० जी० रोड, नांगूर नगर, गोरेगांव (प), बम्बई 90 में स्थित है।

्त्रनुसुनी जैसा कि कि के सं० ग्रई-3/37-ईई/14698/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बस्बई

दिनांक :8-*7*-1985

मोष्टर:

प्रकृत कार्य : को : इस : एक :------

नावकार व्योधित्यक, 1961 (1961 का 43) हो। भारत 269-म (1) के विभीन स्थान

नारत रहकार

क्शविया, बक्सवक शायकर मानुनत (निर्यक्तिक) धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/14242/84-85--- श्रतः नृझं ए० प्रसाद,

बावकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसर्जे इसर्के पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार भून्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० औद्योगिक गाल वे अगरी सं० नं० 222 ए, जो, 3री मंजिल इमारत विरवानी इण्डस्ट्रियल स्टेट वेस्टन एक्सप्रस हायवे, गोरेगांव (पूब), बम्बई-63 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुस्वी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकरश्रधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के श्रेष्टीन बम्बई स्थित अक्षम प्राधित्तरी के कार्यालय में रजीस्ट्री है लारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्स संस्थिति के तिकास बाजार मृत्य सं काम के क्षत्रयान मिलकाम के किए जम्मिरित की नहीं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार कृष्य, उसने क्षत्रवान अतिकास सं, एसे क्षत्रयान प्रतिकास का पंत्रह प्रतिकास से जिपका है और अंतरित (अंतरिका) और अंतरित (अंतरित में प्राप्त के विष् त्य पाया गया प्रति-का कि कि तिक से पाया गया प्रति-का कि कि तिक से विष् तिका में अस्ति का कि तिक से विष् तिका में अस्ति का कि का से कि कि तिक से अस्ति का कि का से कि का से कि का से का कि का से का से

- (क) नन्स्ट्रम् सं हुव्यं किसी .बींय कर्षं वास्तरः, इत्रद्धं वीधनिष्यं के वधीन कर दोने के सम्बद्धक के आधित्यः में कसी करने या उद्यमं वष्टनं में सुविधा के लिए; सर्द/वा
- (क) एंडी कियो जाय या किशी भन ना अस्य जास्तियों को, किंक् भारतीय जायकर बीचीनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्द्रीरती द्वार प्रकट नहीं किया ग्या ना वा किया जाना चाहिए था, छिपान में स्तिया की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के क्लीन, निकासिका व्यक्तियों, वर्षात् क्ल (1) मेसर्स केमिस्टर।

(भ्रन्सरक)

(2) मेसर्स कीम फ़ार्मा इंडरिट्ज

(बन्तरिती)

को वह सूचना चाड़ी कड़की पूजींक्य संपरित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

अवत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच में 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासींच से 30 दिन की अविध, जो भी जब्धि माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स महित्यों में से किसी व्यक्ति बुकारा;
- (क) इस सूचना के गाजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी बन्द व्यक्ति द्वारा नथाहस्ताक्षरी के पास निरोधत में किए जा सकोंगे।

स्वध्यीकरण :----इतमें प्रयुक्त कच्यों जीर वर्षों का, जो उक्त विधीनयण के अध्याव 20-क में परिभावित हैं, मही अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया हैं।

अनुसुची

ग्रीद्योगिक गाला बेग्नरींग नं० ए -222 जो, 2री मंजिल इमारत विरवानी इंडिट्रयल इस्टेट, बेस्टर्न एक्सप्रेस हायबे, गोरेगांव (पूर्व) बम्बई-63 में स्थित हैं।

अनुमूची जैसा कि कि से अई-3/37-ईई/14242/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.,-----

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-में (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/14537/84-85---- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० पलेंट नं० 4, इमारत नं० बी०, ण्लाट नं० 79, श्री नव-भारत ग्रंभार्टमेंट्रंग की-ग्रांप, हाउसिंग सीसाइटी लि०, ग्रार० सी० मार्ग, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), ग्रौर जिसका कराइनामा अत्यक्षर ग्राधिनयम 1961 की धारा 269 व ख के ग्रंधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे प्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरक से हुई किसी आय ं बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

बत्तु तम, उन्त अधिनियम की धारा 269-न के सन्सरण जै, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के बधीन, निस्निवितिक स्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री इंदरजीत सिंह सम्पर्सिह भिनन ।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री कुमार श्रीचंद तलरेजा भौर 2 श्री श्री खंद भार० तलरजा।

(भ्रन्त रितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तम्मील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी स्थकित द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 4, जो, इमारत नं० बी, प्लाट नं० 79, श्री नव-भारत श्रपार्टमेंन्ट को-श्राप०हाउसिंग सोसाइटी लि०, श्रार० सी० मार्ग, चेबूर, बम्बई-74 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-3/37-ईई/14537/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड विकासमा है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-3, बम्बई

दिनांक *8*-7-1985 भोहरः प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्वेश सं० ग्रई-3/37-ईई/14482/84-85---- श्रतः ं मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 15, जो 4 थी मंजिल, इमारत नं० 2, सत्य सोनल को-म्रांप हाउसिंग सोसाइटी लि०, जे० पी० नगर रोड नं० 2, गोरंगांव (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूणं रूप से विणित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायवर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में क्लिंस्ट्री हैं. तार्र छ 1-11-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित ज्वेत्वेय से उक्त अन्तरण. लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबतः, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बागित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः तब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अजीन, निम्नलिष्टित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती एन० जे० भेडा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती तारामेन बी० शहा

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पर्लंट नं∘ 15, जो, 4 थीं मंजिल,इमारत नं∘ 2, सत्य सोनल को-ग्रांप हाउसिंग सोसाइटी लि० जे. पी० नगर, रोड नं∘ 2, गोरेगांव (पूर्व) बम्बई में स्थित है।

श्रनुमुची जैसा कि कि से ग्रई-3/37-ईई/14482 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज बस्बई

दिनांक : 8-7-1985

मोहर 🗧

प्रकल नाइं. टी, एम. एस. -----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के बंधीन सुन्दना

भारत बहुकार

कार्यासक, सहायक अध्यक्तर वायुक्त (निर्देशिक)

श्चर्जन रेंज,3 बम्बर्द बम्बर्इ, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० श्र $\xi-3/37-\xi\xi/14398/84-85---$ श्रतः मुझे, ए० प्रभाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह निश्चस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्यत बाजार मून्स 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 81/4, जो संरयू इमारत, श्री नारायण गुरू को ग्रापरेटिव हाउसिंग सोमायटी लि०, पी० एल० लोखडे रोड़, चेंबूर, वस्बई-89 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के अधील, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के इस्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाणुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार भृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे इस्यमान प्रतिकाल का पन्नक प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पावा सया प्रतिकास निम्निसित उद्वेश्य से उठत अंतरण लिचित में बास्तिका रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाव की नावत उक्त विध-त्रियम के अभीन कर दोने के बन्तरक को सामित्य को कभी करने वा उत्तर्ध वचने में सुविभा के सिए; ब्रीड/वा
- (व) ऐसी किसी नाथ ना किसी नत ना नत्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर जिन्हों से 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन् कर अधिनियम, या अन् कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्ती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या ना किया जाना जाहिए जा, कियाने में सुर्देवधा ने जिन्ह;

अंतः भव उक्त जिमियम की धारा 269-न के अनसरण की, की, कवत वीधिमयम की धारा 269-च की उपधादा (1) को नधीन, निम्मतिचित्र व्यक्तियों, व्यक्ति क्ष- (1) श्री वि० के० राषवन ।

(ग्रन्तरक)

 $\left(\stackrel{\circ}{2}\right)$ श्री वासली रामन ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना कारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन भी जिल्ल कार्यवाहियां करता हुं।

सन्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाकोप ड़-क

- (क) इस सूचना के प्रवापत में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को बी जविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्वास्त;
- (क) इस सूचना के रायपन में प्रकाशन की तारीत के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य स्थावित द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के कत विवित्त में किए वा सकें ने।

स्थब्दीकरण क्रिक्स प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उसत अधि-सियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममृस्ची

प्लैट नं∘ 81/4, जो सरयू इमारत, श्री नारायण गुरु को श्रापरेटिश हाउसिंग सोमायटी लि॰, पी॰ एल॰ लोखडे रोड़, चेंबूर बम्बई-89 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी कि सं० श्रई-3/37-ईई/14398 /84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1 नवम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3 बम्ब**र्घ**

दिनांक : 9-7-1985

माहुद्र 🛭

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 3 अम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/ 14455/84-85---श्रतः मुझे ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतनें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4 जो इमारत, नं० 28 ए नवजीवन सोसायटी, चेंबूर बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिविनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिवीन बम्बई स्थित सक्षेम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर

को प्राॅंक्स सम्परित के स्थित बाबार मृत्य से कम के असमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोंक्स संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्विचेय से उक्त अन्तरण निखित में वास्त- विक स्थ से किया नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक की दावित्य में कभी करने वा उसके वजने में सुविधा में जिए; बाँग्रं/वा
- (थ) एसी किसी नाम वा किसी वाभ या कर्य शास्त्रकों की, जिन्हें भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा के निए;

अतः अज, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) श्री तीमती पी० एस० छास्रीया

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रत्ना एच लूल्ला

(भ्रन्तरिती)

की बह सुवना जारी करके पूर्वोक्त अध्यस्ति के वर्षण के बिह् फार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप ा--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्संवंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, अरे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्थानत ब्वारा;
- (क) इस इसना के उप्यम में प्रकाशन की तारीय हैं
 45 विन के मीत्र उनत स्थाव्य सम्पत्ति में हितनपृथ
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 सिविस में किए जा सकेंगे।

स्वध्वीकरण:---इंसमी प्रमुक्त शब्दों और पदों का, थो उपर स्वित्रियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वही अर्थ जोगा, जो उस अध्याय भी दिला धवा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो इमारत नं० 28 ए नवजीवन सोसायटी चेंबूर बम्बई में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसाकी कि सं ग्रई-3/37-ईई/ 14455/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमास, मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 3 बस्बई

दिनांक : 8-7-1985

प्रचल वार्ष की स्व . एवं क्रम्प्यानकान

आप्ताकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-च (1) के बनीन प्रता

भारत सरकार कार्याजन, सहानक नामकार नामृक्त (मिद्रीकान)

श्रर्जन रेंज 3 बम्बई बम्बई, दिनांक -8 जुलाई 1985

निर्देश सं० **घई**-3/37-ईई/14057/84-85---म्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर जिनित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सकत प्राधिकारी की यह निकास करने की कारण हैं कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका उचित नाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 2/65, जो जयश्री पेस्टम सागर, तिलक नगर चेंबूर बम्बई-89 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबब श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर 1984

की प्वेंक्त क्यारित के उपित वाकार ग्रंथ से क्य के स्वकान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और ग्रंथे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मित्त को उपित वाकार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से प्रमे स्वयमान प्रतिफल का क्या प्रतिफल का क्या प्रतिकत से विश्व है बीर बंतरिक (बंतरिकों) और बंतरिती (बस्तरितिकों) से बीच एवे बन्तरण के सिए तब पावा ववा प्रतिकत, विश्वतिकार स्व के कियत वहीं किया वका क्या से सम्मित्त स्व के कियत वहीं किया वका है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाद की बादत, जनक अधिए-निवस के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा की सिए; बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अभ्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनिजय, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिजय, या भन-कर अधिनिजय, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी इवारा प्रकट नहीं किया पंजा था वा किया जाना जाहिए था, डिप्पाने में चुकिया के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

(1) श्री एस० जी० मुन्नमणियम ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जे० सिक्वेरा ।

(अन्तरिती)

की वह बुक्ता बाह्री करके पूजीकत बस्पणि के वर्षण के जिए कार्यक्राहियां करता हो।

अवस स्टब्सिक के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के हाचपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा दकी थे।

स्वकाकरणः --- इसमें प्रयुक्त करूर बीर पदों का, यो उनके विश्वित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नया है।

धनसूची

फ्लैंट नं॰ 2/65, जो जयश्री पेस्टम सागर, तिलक नगर चेंबूर बम्बई -89 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसाकी कि० सं० श्रई-3/37—ईई/1405784-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, बस्बई

दिनांक : 8-7-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज 3' बम्बई अम्बई, विनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/14539/84-85--ग्रत मुझे ए० प्रसाद,

शायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 15, जो तीसरी मंजिल, इमारल नं० ए, गुलमार्ग, को-श्रापरेटिव हाउसिंगज सोसायटी लि०, टेलेकोन एक्सचेंज के सामने चेंबूर नाका, बम्बई-71 में स्थित है (श्रौर इसमे उपावद्ध श्रनुभूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है (श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर 1984 को

को पृथांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त जिथितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दासिस्य में कमी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के, अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
25—196GI|85

- (1) श्रीमती एस० डी० सेंहटीया । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री डी० के० नागपाल : (श्रन्तरिसी)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इंड सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दवारा:
- (च) इ.स. सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार विस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इति, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है!

अनुसुची

पलैट नं० 15 जो तीसरी मंझिल, इमारत, नं० ए० गलमार्ग को-ब्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, टेलीफोन एक्सचेंज के मामने चेंबूर नाका, बम्बई 71 में स्थित है

श्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं०-3/37-ईई/14539/ 84-85 ग्रीर जी सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 1984 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्त्रायकर स्त्रायुक्त (निरीक्षण) स्त्रर्जन रेंज~3, बः⊤ै,

दिनांक : 8-7-1985

मोहरः

अक्य नाइ े.टी. एन. एक. ------

बायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भा<u>रा</u> 269-**च (1) के अधीन स्**चना भारत सरका<u>त</u>

कार्यां जय, सहायक जायक र जायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० म्रई-3/37-ईई/ 14785/84-85--मतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा भया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० पर्लंट नं० 9, जो दूसरी मंजिल, गिरी को भ्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, एम० जी० रोड़ गोरेगांव (प), बम्बई में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रम् सूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), भ्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निन्तिस्तित अद्याद्य में अक्त अत्ररण निर्मित बै बास्तरिक क्य में कृषित नहीं कि या गया है : —

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अभिनियम के अभिन सार कार के करायक के रामित्य में कमी करने या प्रससे वजने के सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर निधिनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जसिरती द्वारा धकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में म्यिम के सिए;

असः अबः, उत्थः अधिनियमं की धारा 269-म के अमृसरण भी, भी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) को गधीन निम्निलिखित श्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) एम० आर० भ्रम्भवाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एम० जे० मोट्टी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ३--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से
 45 दिन की बर्वीभ या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्थान की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी
 अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

यन् ६ थी।

फ्लैंट नं० 9 जो दूसरी मंजिल, गिरी को श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, एम० जी० रोड़ गोरेगांव (प), बम्बई मैं स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/14785/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 1984 को रिजस्टिई किया गया है।

> ए० प्रसाव, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षम) श्रर्जन रेंज ३,बस्बई

दिनांक : 8-7-1985

मोहर 🛚

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43

की भारा 269 घ (1) के अभीन सूचका भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज 3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1984

निदेश सं० श्रई० 3/37-ईई/ 14746/84-85---श्रतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, स्ट्रक्चर के साथ, गाव ठाणा, मानखर्व विलेज ट्राम्बे बम्बई-88 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है ध्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ध्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि गरी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर 1984 की

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती /अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उकत अन्तरण निकार में वास्तिक रूप से कथित नहीं कया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

शतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों,, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जभीन निम्नतिस्थित, व्यक्तिनयों, श्रथीत् हुं—— (1) जोसेफ बी० म्रन्यू भर भौर मन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) बाब् एन० कुणबी।

(भ्रन्तरिती)

कः यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सुची

जमीन का हिस्सा, स्ट्रक्चर के साथ गावठाण, मानखुर्द व्हिलेज, ट्रांम्बे, बम्बई-88 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-3/37 ईई/14746 84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 8-7-1985

पोहर:

प्रक्य आहें. टी. एन. एस. -----

बायकार निधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्थान

नारुत पर्याप

कार्याक्षयं, सहायक भायकर बाबूक्त (निरीक्षण)

भ्रजीम रेंज-3. दिनांक अम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० भ्राई-3/37-ईई/14736/84-85—श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रकात 'उन्न मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ह के अधीन सक्षम प्राभिकारी को, यह निकास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

न्नौर जिसकी सं० फलैंट नं० डी० 4/1, जो, ग्रांउं ϵ फलोग्रर, हरी रतन को भ्रांप, हाउसिंग सोसाइटी लि० बांगुर नगर, गोरेगाँव (प), बम्बई 90 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबक्क श्रनुमूची में श्रॉर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 1-11-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्क्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और नन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण गे हुई किसी बाय की बावत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी माय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया रूपा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिया के सिए;

कतः वकः, उकतं विधिनियमं की धारा 269-गं के अनुमरण भः, धः, उकतं विधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के नधीन, निम्नितिश्वतं व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री एन० एम० कामथ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ई० एन० भन्द्राकरशन।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्धन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

हक्स सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आसोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीव व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पट्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलैंट नं डी 4/1, जो, प्राउंड फलोग्नर, हरी रतनं को ग्राप, हार्जिम सोसाइटी लिं , बागूर नगर, गोरे-गाव (प), बम्बई में स्थित है।

म्रनुसूची जैसा कि कि नं भाई-3 ईई/14726 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरिक्षण) घर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 8-7-1985 मो**हर**ः

श्रुप्त बार्द्रां, डी., एवं. युत्त . - - - ----

नायकार निधिविष्यं, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अभीन स्थना

भारत सर्वास

मर्यालय , महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ः न रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दि ांक 8 जलाई 1985

निर्देश स श्र 3/37-ईई/14137/84-85—- ग्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति , जिसका उचित आधार मृस्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ु फ्लैट नं ु 1, जो, इमारत नं ु फ्ल क् 4, सक्ष्मी रामना को-श्राप हाउसिंग सोमाइटी लिं, बागूर नगर, गोरेगांव (प), बम्बई-400 090 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अत्रीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है विनांक 1 नवम्बर 1984 को

को पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मून्य ते कम के दश्यमान प्रतिकास के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापृत्रीकत संपरित का उपित बाजार मूक्य, उनके दश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे स्वयमान प्रतिकाल का कम्मह प्रतिकात से मधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय बामा क्या प्रतिकाल, निम्नितिकत उन्देश्य से उपत अन्तरक शिकार में निम्तिका ने निम्नित उन्देश्य से उपत अन्तरक शिकार में निम्तिक क्या से किया नहीं किया गया है :--

- (क) बच्चरण से हुई किश्ती आय की बानत. उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक को सायित्व में कमी करने या उत्तर बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एंबी किसी भाव या किसी भव या बन्स आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उच्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था छिपाने में सुनिधा के निया;

थतः अव, उच्च विधिनियमं की धारा 269-मं के व्यवस्थ कें, कें, उच्चतं अधिनियमं की धारा 269-मं व्ये उपधाद्य (1) कें अधीन, निम्निनिधितं व्यक्तिकों, वर्षात् ॥—— (1) श्री हरी पी० चकलाक्षार ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भागवन पाणीग्रही ।

(भ्रन्तरिती)

क्यों यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के किए कार्यनाहियां करता हो।

उन्त सम्बन्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाजेंच :---

- (क) इस स्थान के राजधन में प्रकारन की तारीधा से 45 दिन की अमिथ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामीस से 30 दिन की जबिध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी करूप व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास प्रकार में किए जा सकेंगे।

त्यध्यीकरण:---हममाँ प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क माँ परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा पदा है।

वन्तुची

पलैट नं० 1 जो इमारत, नं० एल-4 लक्ष्मी रामना को श्रापरेटिन हाउमिंग सोमायटी लि०, बंगूर नगर, गोरेगांव (प), बम्बई-90 में स्थित है।

ग्रनुमूनी जैसाकी भ० सं० ग्राह् $-3/37-\hat{\epsilon}\hat{\epsilon}/14137$ 84-85 ग्रीर जो सज़म प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर जायका (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक :- 8-7-1985 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन र्ण, 3 बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 8 जुल।ई 1985

निदेश सं० म्रई--3/37--ईई/14107/84--85---म्रतः मुझे ए० त्रसाद,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित हाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिनकें। सं० पर्यट नं० 3, जो म एत नं० 8की
नवजीवन को श्रापरेटिय हाउसिंग सो नायटीं, जेंबर बस्बई
में स्था है (श्रीर इउन उरावित श्राप्तामा श्रीप पूर्ण
स्उ प वर्णित है),श्रीर जिनका अरापनामा श्रीप पर् श्रीवियम 1961 का बात 269 ा ख के अधीन
श्रीपत बस्बई स्थित गक्षम श्रीवित्त को स्थित में
रिक्ष्म हैं दिना । यबाबर 1984

को पूर्विकत संगीत के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(+) श्रीः एधुरामग्रयः, जयधारा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विना प्रशोक तलरेजा ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो उक्त अधिनिशम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-्षित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, जो इमारत नं० 8वी नव जीवन को श्रापरेटिव सोसायर्ट!, चेंबर बम्बई में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसाकी भ० सं० श्रई-3/37-ईई/4107 84-85 श्रीर जा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1 नवम्बर 1985 को रिजस्टई किया गया है।

श्रनुसूच। जहाक। क० सं० श्रई--3/37--ईई/14107 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवस्बर 1984 को रजिस्टई दिया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम श्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 3 बम्बई

दिनांक :-- 8-7-1985

प्ररूप आहू". टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(1) श्रामता एन० डी० होनराव ।

(भ्रन्तरक)

(2) प्रभाक्त होट्टा और श्रन्म ।

(भ्रन्तरितं)

भारत तरकार

भारा 269-ध (1) को अधीन सुचना

कार्यास्य, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंच 3, बम्बई सम्सई, दिनांच 8 जुलाई 1985

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उन्स अधिनियम' कहा गवा है'), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

1,00,000/- एः. से अधिक है श्रीर जिसको सं० जमीन ा हिस्पा जो० सो०टी० एस० नं 10/बी/3(श्रंग), गवनीनेंट डेब्हलापमेंट स्ट्म नं 2, गांव मानखदं तालुका कुर्मा, बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुमूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) भीर जिसका कराण्यामा भ्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारो के कार्याक्षय में रिजस्द्री है दिन'क 1 नवरवर 1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृल्य से कम के द्वयमान इंकिसम्ब व रिवार अस्त । १ । अर्थ हा और मधी यह विश्वास कारने का कारण हो कि यथापर्वोक्त मन्यसि का अचिम बाजार भून्य, उसके सम्यमान प्रतिफल सं, एसे सम्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम भग्या गया प्रतिफल, निम्नलिसित उच्चदेव्य से उक्त संतरण सिवित में बास्तविक रूप में क्रीबत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण स हुइ किमी आय का शकत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उल्लेश क्यें में सविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां कर विस्तृ भारतीय आय कर अधिन में १००० (१५००) की १ के या स्वन अधिनियास सा कर-ध्याप करिने यह 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती कराया प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अत अब, उब्स अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (!) से अधीर निकारिकार सानिकारों अधीर — को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बन्स सम्बन्धि के कर्पन के सबध में कार्ड भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राज्यत्र से प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी सबिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (व) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विश के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अध्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हों, इहीं अर्थ होतेगा, का का करनाग का रिया गंभा हैं।

जमीन का हिस्सा, सी० टी० एस० नं० 10/बी/ 3 (ग्रंग) गर्वनमेट डेव्हलापमेंट स्किम-2, गांव मान-खुद तालुका कुल बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूजो जैमािक क० मं० श्रई-3/37-ईई/ 14862 ए/84-85--श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1 नवस्वर 1985 को प्रजिस्टर्ड दिया गया है :

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारो सहायक श्राधवर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज ३, बस्बई

दिनांनः : 8-7-1985

गाहर .

प्रकृष काह्य टी.एस.एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के कधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजेन रंज 3, बम्बर्ड

बम्बई, लिनाक 8 जुलाई 1985

निदेश अं० ग्रई-3/37-ईई/ 14772/84~85---ग्रत: मुझे ए० प्रसाद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके भात उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थार संस्थित, जिसका उचित बाबार मृन्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रीत जिनकी अंव कमीन ता हिस्सा सर्वे नंव 663, एनव नंव 14, ब्लाट नव 12 पेस्टम सागा, स्राप्त लोखडें सामे, खेब्र बम्बर्ट-89 में विध्व है (स्रीर इत्यं जाबद्ध सन्सूच में स्रीत पूर्ण हर से विधित है), स्रीत जिनका दारारनामा भाषत्र स्रीधिनियम 1961 की धारा 259 क ख के श्रधीन बम्बर्ध स्थित स्क्षम प्राधित्तरी के कार्यालय में रजिन्दों है दितांक 1 तक्षम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) को बीच एसे बतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में गर्मिं कार्या है —

- िंक) नतरण से हुई किसी शाय की वायत, उक्त अधिनियम के अभीन कार दोने के बतरक के राधिय मो कमी करने या उसस वचने में सुविधा के निए; बौर∕या
- (क) एसी किसी काय मा किसी भन या जन्य वास्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भग भाग किया जाना चाहिए था, खिपाने में विभाग के लिए,

अत: कब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण यो, बी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) बो कार्यप निम्लियिक व्यक्तियों, संधति .

- (1) श्रोमता इंडमती हरीशाचंद्र पुरंदरे । (श्रन्तरक)
- (2) मैंनर्स एक० एस० पो० इंटरप्रायजेस । (श्रन्तीरर्ता)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपह से प्रकाश की हारील में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षांहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण :—-इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

जमीन का हिस्सा, यहाँ नं० 663, एन० नं० 13 लाट नं० 12, पेस्टम सागर, श्राफ लोखंड मार्ग, घेंबूर बस्बर्ध-89 में स्थिन हैं।

भ्रानुम्बी जैसांकि कि सं० ग्राई-3/:7-ईई/ 14772 84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 1984 का रिजस्टई किया गया है।

> ग० प्रसाद. सक्षम प्राधिकारी महायक श्राधकर श्रायक (निरीक्षण) श्रजेन रेंग २, बस्बई

िन'ह : 8-7-1985

मोहर 🖫

क्रक्ष आइ.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकार जायका (निरीक्षण) ग्रजीन नेज 3, बम्बई

बाबई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निटेश सं० ग्रई--3/37 ईई/ 14756/84--85---श्रतः मुझे ए० प्रसाद,

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव माला नंव 1 , जो संत भवन शर्मा इंडस्ट्रियल इस्टेट, वालभट राइ, गारेगांव (पू), बस्बई-63 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबई प्रमुखनं में श्रीर पूर्ण रूप से विभिन्न हैं). श्रीर जिसका जरारतामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धर्म 269 में के स्थीन बस्बई स्थित सक्षण प्राधिकारी के कार्यालं में रिजस्ट्री हैं दिनी । नयस्बर 1986

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रिक्षिण के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विववास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मृत्य उसके द्र्यमान प्रित्फल से, ऐसे द्रयमान प्रित्फल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिसत उद्वदेय से उक्त अन्तरण निवित में बास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा से लिए; और√या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने से मृतिभा के लिए;

जरा: शय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें., उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) वे कभीन निम्नतिसिक्त व्यक्तियों, वर्धात् ६---26---196GI|85

. एस----- (1) श्रो एस० जे० रेग्नोमह

(अन्तरक)

(2) श्री बी० एस० जी० बेहवाल

(ग्रन्तरिति)

को सह बुखना बारी करके पृथानित प्रकारित के वर्षन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध वा कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस ब्यान के राजपत्र में प्रकारत की तारीज के 45 दिन की जबिंध का उत्संत्री व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति इसरा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी वर्ध होता, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसुषी

माला नं 1, जो, संत भवन, शर्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, वालभट रोड़, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है । अनुसूची जैसाकि ऋ० म० अई-3/37-ईई/ 14756 84-85 थ्रीर जो जक्षम प्राध्यतारी बम्बई द्वारा दिनांक

1 न-सम्बर 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसादः सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निर्दक्षण) श्रजैन रैंज 3, अध्दर्ध

दिनोक : 8-7-1985

मोहर 🧓

प्ररूप काई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकार बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 3, बम्बई बम्बई, दिनॉक 8 जुलाई 1985 निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/14554/84-85---अतः मुझे, ए० प्रात्स,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा. से अधिक ही

ग्रीर जिल्ली सं० पलैट लं० 9 जो दूसरी मंजिल, निर्माण धिन इपालन प्राट लं० 58 ग्रीर 58ए, पांड्रंग वाडंत, गोरेगांच (पूर्व), दम्बई 63 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद प्रमुक्त में ग्रीर पूर्ण इप से विणत है), ग्रीर जिल्ला लगरनामा प्रायवण ग्रीधनियम 1961 की धारा 269 ए ख के श्रधीन बाबई स्थित सक्षम प्राधितारी के ायलिय में राहिट्रं है दिनांत 1 नवम्बर 1984

कां पूर्वांक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्हरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, जिम्मिलिसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिस्त में वास्तिक रूप से कथिश नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से क्रुड़ किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम से अधीन कर दोने के अफ्तरण के बायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के न्लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्ध आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृतिथा के लिए;

बक्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्रत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस व्यक्तियों, अधित :— (1) श्री बी० जे० महात्रे ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री स्वास्तिक कुमार एन० कमतनूरकर । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां घुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यन्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, बही अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

are the

क्लैट नं० 9 जो, दूबरी भंजिल, निर्भानाधित इमारत प्लाट नं० 58 स्रीए 58 ए पाडुरंग वाडी, गोरेगांव (पूर्व) बम्बई--63 में स्थित है।

अनुसूत्री जैसिक कि सं० अई-3/37-ईई/ 14554 84-85 और जो सक्षम प्राधिहारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 1984 को रिजस्टर्ड क्रिया गया है ।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरक्षिण) भ्रजन रेंज 3; बम्बई

दिनां क :-- 8-7-1985

प्रकल बाह्र . टी. इन्. एस.-----

भाषकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व्ह (1) के भारीन सुवना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985 निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/ 14495/84-85---म्रतः मुझे ए० प्रसन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसका सं० युनिट नं० 209, जो दूसरी संजिल, इमारत लिम्फ इंडस्ट्रियल इस्टेट, गांव द्रश्लोगी,

वेस्टर्न सप्रेस ह। यवे, गोरेगांव (पूर्व) बम्बई-63 में स्थित है भीर इससे उप। बद्ध श्रनुसूचे। में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित हैं), श्रीर जिल्ली करारनाम। ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्रा है दिनांक 1 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अतरकों) और अतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्युवदेय से उक्त अंतरण लिखित बें बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) ब्यारण से हुई फिली बाय की बायत, उपत विविद्युत के ज्यीन कर दोने के बन्दरक सं वादित्य में समी करने वा उन्हों वृष्य में सृतिशा के लिए; बार्र/वा
- (क) एंसी किसी बाय वा किसी धन या अभ्य आसित्यों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, कियान में सुविधा के निष्ट;

नतः अन, उनत निभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत निभिनयम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीत, निम्नलिचित व्यक्तियों, संवाति :---

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० मुई-1/37-ईब्री 4743/84-85-

भतः मुद्ये ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव पर्लंट नंव 202, जो दूसरी मंजिल,
स्पेस एच अपार्टमेट इमारत नंव 15 ग्रांन अने स् देन्नगर, बम्बई-88 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावड़ अनुसूचा में और पूर्ण रूप से यणित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर ग्रीधिनयम 1961 की घारा 269 क ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के

कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 1 नवभ्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिश्वत में बास्तिवक क्य से किथित नहीं किया गया है :——

> (फ) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त आंधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आंट्र/या

(1) मैं सर्स डिम्पल इंटरप्रायजेस ।

(श्रन्तरहा)

(2) मैंसर्स सुपरटेक्स डाय हाउस ।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इन्द्र सम्परित में मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप

- (क) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की जबिध, जां भी नविभ नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हिटबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास चिचित में किए जा सकति।

स्वक्रीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों मीर पदों का, भो उपक विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

नम्सुची

युनिट नं० 209, जो दूसरी मंजिल, त्रिस्क इंड-स्ट्रियल इस्टेट, गांव दीनडींगी, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमाकी ऋ० सं० श्रई--3/37--ईई/ 14495 84-85 श्रीर जो एक्षम प्राधि हार्र बस्बई द्वारा दिनांक 1 नवस्बर 1984 को रिजस्टई किया गया है।

> ए प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज 3 , बम्बई

दिनोक्त 8-7-1985 मोहर

- (क) इस सूर्या अविध या तत्सबंधी व्याक्तया पर 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्याक्तया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनृसूची

फ्लैट नं० 202 जो दूसरीं मंजिल, स्पेस एख अपार्टमेंट, इमारत नं० 15 , श्रीन, अन्नेस देवनगर, बम्बई -88 में स्थित हैं।

अनुसुधी जैसाकी अ० स० अई-3/37-ईई/ 14843 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बईद्वारा दिनांक

प्रकृप बाई .टी.एन.एस .-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-म् (1) के व्यीन सूचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 3, बम्बई बम्बई, दिनाक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/ 14812/84-85---ग्रतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव्र सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी शेड स० नं० 5 श्रौर 8. जो, राम मंदिर, इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को अपारेटिव सोसायटी लि०, प्लाट नं० 1 बी, सर्वे नं० 14 ग्रीर 15, एच० नं० 3, 7, 8, इमारत नं० 2, राम मंदिर रोड़, गोरेगांव (पूर्व) बम्बई-63 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित भ्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में राजस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर 1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैसस न्यू कार्क इंडिया ।

(अन्तरक).

(2) भैसर्स प्रविण वायपर्स एण्ड ग्रनिस्लं. श्ररीज प्रायवेट लि॰ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, धो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिश में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ष जिल्लाम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

ग्रत्यूचो

शेड नं० 5 ग्रीर 8, जो राम मंदिर ंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को ग्राप सोसायटी लि०, प्लाट नं० 1 बी, सर्वे नं० 14 ग्रीर 15, एच० नं० 3,7,8, इमारत नं० 2, राम मंदिर रोड़ गोरेगांव (पूर्व) बम्बई-400063 में स्थित है।

ग्रनुसूत्रो जैसाकी कि सं० ग्रई-337-ईई/ 14812 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बन्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया या है।

> सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, बम्बई

दिनांक 8--7-1985 मोहर ॥ प्रकप आइ'.टो.एन.एस.-----

भाषकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज -I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/ 4743/84--85---ग्रतः मृद्धे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202, जो दूसरी मंजिल, स्पेत एव अपार्टमेट इमारत नं० 15 प्रांत प्रके स देवनगर, बम्बई-88 में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ अनुसूजों में और पूर्ण रूप से विणित हैं), भीर जिसका करारनामा भायकर भिनियम 1961 की धारा 269 क स्थ के मधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रों हैं दिनांक 1 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्व्यमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है 4—

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों वां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अन, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उबत मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अधीन. निम्नसिश्चित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) स्पेस, एज बिल्डर्स प्रायवेट लि॰।

(भ्रन्तरक)

(2) मार० सी० करकेरा भीर मन्य

(भन्तरती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध भा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितद्व्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

पलैट नं० 202 जो बूसरी मंजिल, स्पेस एच ग्रापार्टमेंट, इमारत नं० 15 , ग्रीन, श्रक्तेस देवनगर, बम्बई -88 में स्थित है।

भनुसूची जैसाकी कि स० भई-3/37-ईई/ 14843 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी सम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्राक्षण) ग्रजन रेंज 3 , बस्बई

दिनांक 8-7-198**5**

प्रस्य आहें. टी. एन. एस. - - - --

भायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन सुचना

भारत सरकातु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/14439/84-85-- अतः मुक्षे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलैट नं० 7, जो, कमलेश भवन, प्लाट नं० 176 बी, स्टेशन एवेन्यू रोड (4था रास्सा), चेंब्रूर, बम्बई-71 में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा अध्यकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ब अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और बुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल के पन्त्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित । अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित महीं किया गया है :——

- (क) सतरण से हुई किसी भाग की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की जैतरक के वायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के किया, मोर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अविष्यो, विवास प्रकट नहीं किया गय. सा या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) की सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्जात् ु— (1) श्री पी० एन० जगतीयानी।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० जी० सुम्रमणियम ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्हें सम्पत्ति को नर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीच हैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की बर्बीच, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षण क पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

फ्लैट नं० 7, जो, कमलेश भवन, प्लाट नं० 176बी, स्टेशन-एवेन्यू रोड, (4या रास्ता), चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/14439/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-4, बम्बर्ड

तारीख: 8-7-1985

मोहुदु 🛊

प्रकर भार्षः दौ. एष्. एतः------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धार्जन रेंज-3, बम्ब**ई** बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/14269/84-85--- अतः मुझे, ए० प्रसाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

प्रीर जिसकी सं दुकान नं 1, जो तल माला, एस नं 23 एच नं 28, सी नं नं 729, बिले ज माला ह, बम्ब ई-5 अद्मर्ग कालोनी रोड, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण का में बिलान है), ग्रीर जिसका कर रनामा अयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्ब ई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इच्चमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मृभे यह बिक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इच्चमान प्रतिकल से, एसे इच्चमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अकिरितंत्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्घेष्ट से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक कप से से किसत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुंड किसी जाय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अवसे में सुविधा के किए: सौर/मा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी अन या अल्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अक्ष: शब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, इक्त अधिनियम की भारा 269-न्य की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिभित स्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मेसर्स बी० आर० इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स वैशाली एस० बार०।

(अन्तरिती)

क्यं यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

सक्त सम्मारत के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख ₹
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति धानित के
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के
 पाम निक्ति में किए जा सकरेगः

स्मध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में रिरभाषित हैं, कही कर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या क्या है।

वनुसूची

दुकान नं 1, जो, तलाग्रला, एस० नं 23, एच० नं 8, सी०टी०एस० नं 729, विलेज मालाड, बम्बई 64 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क सं अई-3, 37ईई/14269/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 8-7-1985

प्रकप बाई. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर नायक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-4, बम्बई
बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/14497/84-85—श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फ्रारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं फ्लैंट नं 201, भीर 202 जो 2 री मंजिल, पीटर अग्रेटमेंट्स, 168, मर्जिरोड, डिमोंडे लेत, श्रोजिंम, मर्लाड (प), बम्बई-64 में स्थत है और इतसे उगाबद श्रतुसूचो में श्रीर पूर्ण का से बर्णित है), श्रौर जित्तका करारनामा श्रायकर श्रिधितियम, 1961 की धारा 269 के ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापृषेकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूप-मान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधिक है और उन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- ंक्ष) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायत्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बॉर/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में श्विभा के लिए।

मतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण र, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) देअधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स यु० के० बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमाति सी० जे० परेरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , श्रो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्वस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकों में।

स्थव्दीकरण : ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सची

पत्तैट नं ० 201 और 202, जो 2री मंजिल, पिटर अप टं-मेंटस,, 168, मार्बे रोड, डिमोटे लेन, ओर्लेम, मालाड (प), बम्बई-84 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3,37ईई,14497,84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-11-1984 को राजस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रजैन रेंज-4, बस्बई

दिनोक: 8-7-1985

मोहर ः

शास्य बाह्रं.टी.एन.एस.------

आयंकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

मारत सरकार

कार्यासर, सहायक जायकर नायकत (चिरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/14855/84-85--अत: मुझे, ए० प्रसाध,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं ज्पलैट नं उए-12, जो, 1ली मं जिल, नालन्दा इमारत नं जे 1, बालनाय विलेज, भावें रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्राँग जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उिचत बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफाल से, ऐसे ध्रथमान प्रतिफाल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचल में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण सं हुई किसी नाय की बाबत, उक्त जिथितियम के जभीत कर दोने के बस्तरफ के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी नाव या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 19:7 (1957 का 27) के प्रवोक्सार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए वा, स्थिपने में सुविधा के लिए.

(1) मेसर्स क्वीन्स पार्क।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित राधी आर० भडनानी।

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ः--

- (क) इस सृघना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्ष के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गांध सिवात में किए या संकीय।

स्वध्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्तों शौर पर्यो का, जो चल्ल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस वध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

प्लैट नं ० ए-12, जो 1 ली मंजिल, "नालन्दा" इमारत नं ० 1, वालनाय विलेज, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-3/37-ईई/14855-ए/ 84-35 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶4, बस्बई

दिनांक: 8-7-1985

मोहरः

प्रकृत बाह", डी., एव. १व., ≝*****

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) चे अधीन स्वना

RECUES THE

कार्यासन, सहायक जानकर भागूक्त (निरक्षिक) श्रजंन रेज-4, बम्बई

बस्बई, दिलांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/14847/84-85--- श्रतः मुझे, ए० असाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो. 1 ली मंजिल, अभूत इमारत साई बाबा पार्क, मित चौकी, मोलाड (प), वम्बई-64 में स्थित हैं (और इससे उपावद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं), और जिसका करारनामा श्राय-कर श्रीर्धानयम, 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, में राजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दश्यमान प्रतिफल से एते दश्यमान प्रतिकल का बन्दह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निक्निश्चित उद्देशिय से उन्त जन्तरण कि कित में संस्तिक रूप से कित कर विश्वास की स्थापन है :---

- हिंकों नम्बरण से हुई किसी बाब की बाबस्, उपस् प्रधिनियम के बधीन कर बेने के बन्दरक से सामित्य में केनी करने वा उससे बचने में तुनिका के सिक्; और√वा
- (ब) ऐसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्य बास्तियों की, चिन्हें भारतीय बाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्रेयनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया स्था वा किया बावा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के विद्या

अहाः अव, उक्त अधिनियम, कौ भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त आंधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के सभीन, जिल्लीकि व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स कन्टीनेन्टल कारपीरेशन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शेख मुहम्मद हनीफ

(अन्तरिती)

को अब् तुकान बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षत के क्षिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत सन्तरित के भर्मन के सम्बन्ध में कोई नी नाहोप हु---

- (क) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की व्यक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पढ़ सूचना की तात्रील से 30 दिन की व्यक्ति औं आई ब्रांचित वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर अकत स्थानर सम्पत्ति में दित-बद्ध कियी अन्य व्यक्ति युवारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए का इकोने।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 4, जो 1 ली मंजिल, अमृत इमारत, साई बाबा-पार्क, मित चौकी, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/14847/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेज-4, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

माहर:

प्रकृष बाड . टी. एन. एस. ----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की गरा 60 के (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यास्य, सहावक वायकर वावुक्त (वि<u>डे</u>सिन)

मजैन रेंज-4, वम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० धई-3/37-ईई/14605/84-85--- मतः भुक्ते, ए० प्रसाद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भरा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० ए-42, जो, 4थी मंजिल, नालन्दा

इमारत नं० 1, मार्वे रोड, मालाङ (प), बम्बई-64 में

स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप

से बणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनयम,

1961 की धारा 269क ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम

प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-11-84
को पूर्वेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान

प्रतिकल के लिए बंतरित की गई हैं और मुक्ते यह निक्वास

करने का कारण हैं कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाबार

बुल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से, एसे व्ययमान प्रतिकल का

प्रवृद्ध प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (बंतरका) बौर अंतरिती

(बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरक के सिए तब पाना नवा प्रति
कल निक्तिसित्त उद्वेष्य से बन्तर के बिए तब पाना नवा प्रति
कल निक्तिसित्त उद्वेष्य से बन्तर कंडरण निचित्त में वास्तिक

क्रम से किंचन नहीं किया नवा है दै—

- (क) अन्तरण में हुइ किसी जाय की वाबत, चक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के ब्रोबिटल में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए मां क्याने में सुविधा के सिए:

कतः सन, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के कर्नुकरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत्, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, वर्षात् ध— (1) मेसर्स क्वीन्स पार्क।

(अन्तरक)

(2) श्री थासू एम० ग्रडवानी।

(ब्रन्तरिती)

को सह तृत्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के तिए कार्यशाहरा करता हो।

जनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना, के राजपत्र में प्रकाधन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तस्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पार तृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस त्यना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा बकोंगे।

त्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयूक्त जन्मां और पदों का, यो उन्ह अधिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया नवादी।

श्रमसर्ची

पलैंट नं ० ए-42, जो, 4थी मंजिल, नालन्दा इमारत नं ० 1, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं गई-2/37-ईई/14605/84-85 और जो सक्सम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

ए० असाव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राप्तेन रेज-4, बस्बाई

विनांक: 8-7-1985

मोहर 🗓

1-11-1984

प्रारतप आहे, टी. एन ु एस ु-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याकय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985 निवेश सं० फ्रई-3,37ईई,14826-ए,84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है भौर जिसकी सं० दुकान नं० 27, जो, तलमाला, प्रगित शापिंग सेंटर, मालाड (प), बम्बई-97 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विशत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई हियत सञ्जम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख

कां पृथें क्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ब) एसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिङ चिक्तयों, अर्थात् ६(1) श्री अजित कुमार बुधन लाल जैन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जोशी मोहन लाज नाथजी।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुआरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाजन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्स में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

मनुसूची

दुकान नं० 27, जो, तलमाला, प्रगति सेंटर शापिंग, मालाड (प), बम्बई -97 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि का संबद्ध मार्ड-3/37ईई/14826-ए/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 8-7-1985

प्रकृप बार्च . ही . एन . एवं . ------

भारकड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्थाना

शारत सुरकार

कार्यास्य, सहायक कायकर बायुक्त (विद्रामक)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/14499/84-85—श्रतः मुझे, ए० प्रसाव

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन, सक्षम प्रधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं फिलेट नं 102, जो 1 की मंजिल, पीटर-अनार्ट मेंटस, 168, मार्वे रोड, डिमोंटे लेन, श्रोंलीम, मालाड (प), स्थित है (और ६ससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण ६प से बणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रद्धिनियम, 1961 की द्यारा 269 क, ख के श्रद्धीन स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्कोंक्त संपत्ति का उचित बाजा कृष्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्र अतिवास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नवा हित्सक, निक्लिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्षित में बास्तिक रूप से किया गया है है—

- (क) क्यारण से हुई किसी नाम की नामक काय क्षिपित्त ते बधीन कर दोने के जन्तरक में दायित्व में कमी करने या उससे बचने मी सुविधा के लिए; नार/पा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा से सिक्ट;

बन्धः शव, शक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, वें अवत अभिनियम की धारा 269-ग की अपभारा (1) कें सभीन, जिस्तिशिय अद्वित्ययों, अमृद्धि प्रकल (1) यु० कें ० बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति जी० जी० जे० परेरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां गृक्ष करता हुं।

उक्त बज्बित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राज्यत् में प्रकाशन की दारीय के 45 विन की स्वीध या तत्त्वस्वत्थी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की स्वीध, को भी सब्धि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त का किसी स्विक्त द्वारा;
- (क) इब स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किशी कन्य स्थावत इवारा क्षांहस्ताक्षरी के पात निकास में किए आ सकत्य।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्स्ची

फ्लैट नं॰ 102, जो, 1 ली मंजिल, पीटर, प्रपार्टमैंटस, 168, मार्वे रोड, डिमोंटे लेन, थ्रोलेंम, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अ० सं० अई-4/37-ईई/14499/84-85 और ओ सक्षम आधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984

ए० प्रसाय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), शर्जन रेंज-4, बम्बई।

दिनांक: 8-7-1985

बक्य बार्च दी प्रमृत्य क्रिक्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के सभीन सुमना

बाह्य सरकार

कार्याकन, बहायक बावकर बायुक्त (विद्राह्मिक्)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निदेश सं० भ्रई-3/37ईई/14499/84-85-- अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का बारा है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कमरा नं० सी०-10, जो, तलमाला, फिलरिना, को०-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, आफ टेन्क रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्णरूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के अध्यक्षात्र प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वनात्त करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का सिकत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एोसे द्वावनान प्रतिफल का पंचह प्रतिकात से जिथक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिथा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गवा प्रतिक्षक का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में बास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया नथा है:---

- (का) करारण शं शुर्भ किसी साम की नासता, उपक अधिनियंत्र को अभीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे दर्भने में त्रुविधा की किए; अरि/या
- (थ) ऐसी किसी जान या किसी धन या बच्च नास्टियों की, जिन्हों भारतीय भायकर नौधनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च निधियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधायनाथ अध्वरिती दुनार प्रकट नहीं किया ग्या था वा किया थाना थाहिए था, कियाने भे सुविधा के स्थि;

वतः वय उक्त विधिनियम की भारा 269-व वी विवृद्धित वो, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभाद्धे (1) के वधीन, निस्तृतिस्था स्थिता, अर्थात :---

(1) श्री माइकेस लोबो।

(भन्तरक)

(2) श्रीमति जे॰ परेरा।

(ग्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यनाहियां करता हूं।

बाबत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की त्रशीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भीत र शेंक्ठ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबहुभ किमी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए था सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा भया ही।

Service.

कमरा नं सी-10, जो, तलमाला, फीलरिना को -आप॰ हाउसिंग सोसाइटी लि॰ आफ टेन्क रोड, मालाद (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं धर्ड-3/37ईई/14499/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बाई

तारीख: 8-7-1985

शक्य बार्ड : टी. एन : एव : -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के अभीन स्मना

भारत हाइका

कार्याचय, सहायक जायकर मागुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जेन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985 निदेश सं० अई-3/37-ईई/13495/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त गिंधनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० ब्लाक न० 408, जो, सुन्दर नगर, सुनीता अपार्टमेंट, एस० वि० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यास्य में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सपित्स के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतििपतियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक अप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वाबत, उक्द किश्वयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्सियाँ का जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूनिका के सिए?

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् हु—- (1) श्रीमती उमा बेन जे० मेहता

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हंसा ए० पंचास

(अन्तरिती)

को यह स्वान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधिया सत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की सामीन से 30 दिन की जविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा औ उस अध्याय में दिया गृग्र है।

चन्त्र च

ब्लाफ नं० 408, जो, सुन्दर नगर, सुनीता अपार्टमेंट, एस० वी० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ई-3/37-ईई/13495/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्ब**ई**

दिनांक: 8-7-1985

प्रकर् सार्_{ति} ठी_० एव_ः एक<u>ः</u> ----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाछ 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत संस्कार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/14679/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० दुकान नं० 25 जो, मालाड शापिय सेंटर, एस० बी० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर प्रणं रूप से विणित्त हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,में रिजस्ट्री हैं तारीख 1-11-1984

को प्यों कत संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के अध्यक्षाक श्रीतफल के लिए संतरित की गई है और मृक्षे यह निव्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके इध्यमान प्रतिफाल से, एसे इश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (जन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफाल, निम्नसिचित उद्देश्यों वे उथा बन्दरण विचित्त में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरच वं हुई फिकी बाब की बाबत, व्यक्त मिनियम के बभीन कर क्षेत्र के बन्तरक के बाबित्य में कमी करने या बससे वचने में सुविशा के खिए; और/या
- (क) एरी किसी जाब का किसी घन मा बन्य जास्तिकां को जिन्हों भारतीय बाय-कर निपनियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) है अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, क्यांत् ६(1) श्री जे॰ बी॰ संपतराव।

(अन्तरक)

(2) मेंसर्स श्री राम सेल्स कारपोरेशन।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्चन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को मर्जन को सम्बन्ध यो कोड्रो भी आक्षोप हुनन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पास सिकित में किए का सकेंगे।

स्वस्तीकरण: ---इसमें प्रवृक्त शब्दों और पवों का, वो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा थीं उस अध्याय में विका न्या हैं॥

पनुसूची

दुकान नं 25, जो, मालःड शापिंग सेंटर, एस० वी० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुतूनी जैसा िक कर सं श्र धर-3/37-ईई/14679/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रिजस्टिंग किया गया है।

ए० प्रसा**र** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज–3, **बम्बई**

दिनांक: 8-7-1985

प्रकृष बाह्". टी. एन. एस,------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्गई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/14769/84-8 5-ग्रत:मुझे ए० प्रसाद,

शायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 304, जो 3री मं जिल, "अटलांट बी-विंग, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित मंक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-84

को प्वेंक्स संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य ते उक्त अन्तरण लिक्नि में अस्तिवक रूप से किथस नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाय की नावत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससे बचने में भृषिधा कंत्रिए, और/या
- (ख) एस किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं जक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीर निप्निलियित व्यक्तियों अर्थात :---28---196GI|85 (1) श्री पूरन जे० चावला ग्रीर ग्रन्य।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स आर० जी० बिल्डर्स प्राइवेट लि० (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरी।

स्थव्यकिरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं∘ 304 जो, 3री मंजिल, "अटलांटा", बी-त्रिंग, मार्चे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कि० सं० ब्रिइ-3/37-ईई/14769/ 84-85 श्रीर जो सक्षम शाधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-11-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसा**द** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अयुक्त (निरो**क्ष**ण) अर्जन रेंज-3, बम्बई।

दिनांक: 8-7-1985

मोहर 😗

प्रक्रम बार्च, टी. एत. एस ------

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन स्चना

भारत श्ररकार

कार्यालय, महायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निवेश सं० ऋई--3/37-ईई/1461**8/84--85** --- ऋतः मुझै, ए० प्रसाद

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'स्वतः अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित साजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संव दुरान नंव 2, जो, गीत। इमारत, हाजी बापू रोड, मालाड (पूर्व), बस्बई--64 में स्थित हैं (और इसमें उपायड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसवा करारलामा आयार अधिनियम 1961 की धारा 269%, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, ताराख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापवेंक्त सम्मत्ति का उण्यत बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत सं अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा नमा प्रतिकल, निम्तलिश्वल उद्दोष्ट्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तिक मूप मे किथित नहीं किया गया है:---

- (क) सन्तरण सं हुइ कि.सी नाय की बायत, बाक्ट संभितिसम के बचीन कर, दोने के बन्तरक में साविश्व में कामी कारने सा उससे स्थम में सृविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी अप या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिम्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया वा विकास वाना चाहिए था, कियाने में सुविका के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1) श्री पी० बी० जैन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन० एन० कोठारी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्शित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवीभ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी अव व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति इतार।;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दौं और पर्वों का, को स्वस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया प्रवाह हैं।

वन्त्र्यी

दुआन नं० 2, जो, जीता इमारत, हाजी श्रापू रोड़, मालाड (पूर्व), अस्बई--64 में स्थित है।

भ्रतुसूची जैसा कि क्रम सं० भ्रई-3/37-ईई/14618/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसादर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~3, बम्बई

दिनांकः : 8-7-1985

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस्।.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 3. बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेण सं० ऋ**ई**-3/3-ऋई**ई**/14541/84-85---ऋतः मुझे; ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं अधिगिक गाला, जो, मालाड इंडस्ट्रियल यूनिएस को ०-ओप० सोनायटी लि०, रामचंद्र लेन (एक्सटेंग्रन); मालाड (प), घमबई--64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्ती में और पूर्ण रूप में चिणत है) और जिसका करारनामा प्रायक्षर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है, तारीख 1--11--1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिल की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच। ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया भया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविश्वा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूमिधा के लिए;

अतः उस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री महाबीर प्रसाद भगेरिया ।

(अन्तरक)

(2) श्री दालीचंद एच० गंधानी, एच० यू० एफ० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्मों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रीरभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

औद्योगिक गाला, जो, मालाड इंडस्ट्रियल 'यूनिट्स को०-आ४० सामापटी नि०, रामचंद्र लेन (एक्सटेंशन), मालाड (पुर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि कम सं० अहै-3/37-हैंहै/15541/84-85 ओर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रयाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

विनां* : 8 · 7-- 1985

त्रकम्, बाह्री, टी. एन. एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुबत (निरक्षिण) धर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेण सं० ग्राई--3/37-ईई/14576/84--85---श्रतः मुझे : ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके प्रचात् 'उक्त् अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रतिथकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 65, जो नटराज मार्केट, एस० वि० रोड; मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (और इससे उपायद प्रमुची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृस्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्कोंक्त सम्पत्ति को उचित नाजार मृत्य, उठके क्ष्ममान प्रतिकल ले, एके क्ष्ममान प्रकिक्त का पत्ति प्रतिक्रित के विश्व हैं और स्वारक (जन्मक्रों) और नंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया स्था प्रतिक्रत निम्नसिविय उद्योध्य से उक्त अंतरण सिवित में नास्त्विक क्य से क्षित नहीं किया गया हैं :---

- (क) अंटरण से हुई किसी आय की बाबत, उचत अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक को बासिस्य में कामी करने या उससे अपने में सुविधा के खिए; आह/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी थम या कत्व जास्तियों कार्य, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

नतः नम, अन्त निभिनियम की धारा 269-ग के जनसरण ने, में, उन्त निभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के नुधीन, निभ्निलिसिक व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स हरजीवनदास एण्ड अस्पनी।

(भ्रन्मेरक)

(2) श्रीपी० एम० ठककर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के तंबंध में कोई भी नाक्षेप प्र---

- [(क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किए की जबिश मा तत्संबंधी व्यक्तिया पर कुमान की वाकीत से 30 दिन की जबिध, जो भी अनुष्य को वाकीत से 30 दिन की जबिध, जो भी अनुष्य को समाप्त होती हो, के भी उर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किनी जन्म व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंगे।

स्थापकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उन्तर भीधनिवम के जध्माय 20-क में परिभाषिक है, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

बुधान नं ० ६५, जो, नटराज मार्केट, एस० वि० रोड, मालाड (प), बम्बई-६४ में स्थित है।

ग्रनुसूची जैना कि ऋम सं० ग्रई-3/37-ईई/14576/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 1-11-1982 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 8-7-19**85**

प्रकथ बार्च. टी. एन. एस. ------

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के नधीन सुवृत्त

भारत सरकार

फार्यासय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-3, जःबई बम्बई, विनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई- 3/37-**६६**/14399/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षत प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

और जिसकी सं पलेट नं डी-8, जो, 3री मंजिल, मॉर्डन बंदना को-आंप हार्जिस मोक्षायटी लिं प्लाट नं 540, 541 के और 542, सुभाष लेन, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित हैं (औ: इससे उनाबद्ध अनुसूची में में और पूर्ग रूप में वर्णित हैं) और जिसका करारनामा प्रायक्तर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरवमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मभावृत्वेक्स तंपत्ति का उचित बाजार ब्रूच्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यकाय प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के जिए तय पास गया प्रति-फल, निक्तिसित उक्कों के ताय अंकारण सिवित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण वं हुइं किसी बाय की बाबत अवध् अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर जिथीनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत् अभिनियम, या भन-कर वाभिनियम, या भन-कर वाभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्तरिती बुंबारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया जाना काहिए था, कियाने में बुंबिभा के विक;

वत: वब, उवत विधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, मै, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, सुधित् (र—— (1) श्री मफतलाल एम० शाह।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वी० जे० महा और अन्य।

(ग्रन्तरिती)

स्त्रे बृह्य क्ष्मा चाष्ट्री करके पृत्रों कर सभ्यत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्ह सम्पृतित के अर्थन के सम्बन्ध में आई भी बाक्षव:--

- (क) इस बुचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच वें
 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्चना की ताजीस से 30 दिन की अविधि, जो भी
 वविध शव में तजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्त्रारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्मत्ति में हितसक्ष किसी अन्व व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दां और यथा का, अ उन्स् अधिनियम्, के बच्चाय 20-क में प्रिभाष्टि है, वहीं सर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भग है।

श्रनुसूची

फ्लेंट नं० डी 8, जो, 3री मंजिल, मार्डन वंदन। को-श्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 540, 541 और 542, सुभाप लेन, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित हैं।

म्रनुसूची जैसा कि कम मं० ग्रई-3/37-ईई/14399/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

प्ररूप आहें.टी.एम्.एस.,------

शाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 ज्लाई 1985

निदेश सं श्राई ०-3/37-ईई/14438/84-85--अत: मझे, ए० प्रभाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी नं० पलट नं 12, जो इमारत नं० 1, कैलाणचन्द्र को-मापरेटिय हा उभिग सो ताइटी लिमिटेड, हाजी बापू राड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है (और इनसे उपबद्ध धनसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), और जित्रक्षा करारनामा ब्रायहर ब्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, कुछ के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षत प्राधिकारी के अधीतम में रजिल्ड़ी है, नारीख 1-11-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुख्य से कम के छायमान लिए **अन्त**रित श्रीतफल के की मुभ्हे विश्वास करने का कारण **ह**ै कि य**का**⊴ पर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाषार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रति-फंल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंसरिती (अंसरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरेग से उपत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दागित्व में कमी करने या उससे बचने में नविधा को मिन्; बीए/सा
- (क्ष) ए सी किसी अग्य या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिनियम, गा वय-बार वर्षियियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाता चाहिए था, जिपाने में सुविधा कं लिए:

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण ल', म', उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अधीन, निरनलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) फांसीस जे० परेरा।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीपाल ए० अमीन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वीकर न्यक्तियों में से किसी न्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, वरिपनियम, ने बण्याम 20-क में परिभावित **हाँ, वहीं वर्ध होगा को उस अ**ध्याप का उद्या मवा 🗗 ३

अनुसूची

फ्लैंट नं० 12, जो० इमारत नं० I, केलाशचन्द्र को-म्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, हाजी बापू रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि अस सं० आई०-3/37 ईई/14438/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई हारा दिनांक 1--11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 8-7-1985

इक्स बाह'. टी. एन. एस.------

न्यकर वॉभनियम, 1961 (1961 का 43) की पादा 269-व (1) के वभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश मं० श्राई०- 3/37-ईई/14848/84--85--- श्रनः मुझे, ए० प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 262-च भी अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य

1,00,000/- स. से अभिक हैं
और जिनकी सं प्रनेट नं बी/18 जो उरी मंजिन, राजहंस
ग्रपार्टमेंट्न, प्लाप्ट नं 19, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व),
बम्बई-97 में स्थित हैं और इपने पाबद्ध ग्रनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसकी करारनाम। ग्रायकर
ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के
ग्रिधीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के ग्रायंतिय
में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1--11--1984

की पूर्वीशत सम्पर्शि के उत्तित नाजार मृश्य से कम के प्रतिफल के सिए **जन्त**िरत की गक् और विषवास करने का कारण पूर्वोक्त सम्मति का उचित माजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिपाल से, एसे स्थ्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और **अ**न्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देवय से उक्त अप्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 :----

- (को) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (ध) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, बिन्हें भगरतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा अर्थ निलए:

जतः अंथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लिमिल जीकरमें, अधीत :--- (1) श्री जेल एचल थाडेण्यर सोगवी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० डी० महा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के शिवह कार्यवाहियां सूक्त करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :~

- (क) इस सृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्यना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाय;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कथां और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में जिय वहा है।

अनुसुची

फ्लैट नं० बी/13 जो 3री मंजिल, राजहंस श्रपार्टमेंट्स, लाट नं० 19. जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैमा कि कम सं० आई-3/37-ईई/14848/ 84--85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां-1-11-1984 को रजिस्टर्ज किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई ।

दिनांक : 8-7-1985

प्रकार वाद्यी हो. एन . युवा, अस्तराज्यान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) से नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक बायकर बाक्क्ब (निरनेक्सन)

ध्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश मं० श्राई०-3/37ईई /148**50/84-85--**श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

अग्यकर अधानसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियन' कहा गवा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्तन प्राधिकरी को वह विस्थात करने का कारण है कि स्थावर कम्पत्ति, जितका उचित बाचार मूस्य 1,00,000/-छ. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 55 है तथा जो तीसरी मंजिल, इमारमें नं० 7, मालांड निधीं को-प्रापरेटिच हाउमिंग सोनांडरी लिं०, सी० टी० एस० नं० 41, 41 लिंबरीं गार्डन मालांड प), बम्बई-69 में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम, 1908 (1908 का 1961 धारा 261 कुछ के अधीन स बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय में में रजिस्ट्री है तारीख 1-11-84

को प्रवेक्शि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाण प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वात करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिफ ल्नीम्नलिशित उद्योध्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क्) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के उन्हरण के दासित्य में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एची किसी नाय या किसी धन या बज्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या अनकर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया की जाना चाहिए था, डिज्यान में तुविधा के लिए;

अतः। अव, उक्त अभिनियम की बारा 269-ग के जनुबरण भी, भी अक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीत, निक्तीलिक्त व्यक्तियों, जर्मात् :---- (1) श्री एन० एस० घोधारी।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री ताराचन्द बी० परवानी और ग्रन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वकाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोइस्ताक्षरी के बास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्त विधिनवन के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस वध्याय में दिसः गया ही।

बन्ध्यी

प्लैट नं० 55 है तथा जो तीसेरी जिल, इमारत नं० 1 मालाड निधी को-प्रापरेष्टिष हार्जिम सोसाइटी लि०, सी० टी० एस० नं० 419,41, लिबर्टी गाईन, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसुनी जैसा कि कम' सं० श्राई०3/37 आईईर०/14850/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-84 को रिजस्टर्ड किया किया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक : 8**-7-**1985

नोहर 🛭

प्रकृष कार्ड , टो , एन , एस , -----

नायकर वांधानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-3, बस्कई

भम्बई, दिलांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० **घई०--3/37ईई०**/143**5**1/84-85---धतः मुझे, ए० प्रशाद,

बायकर शांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख कं अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का शारण है' 'क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जि की ि पनैष्ट नं ए-63, ऐ। नाल्या-2 बाल्याय विलेज शाफ मार्वे रोड, मालाड पश्चिम), बामें -69 में स्थित है (अ2र इ से पावड शमुसूची में अ2र पूर्ण रूप सेवणित जहें), अ2र जिसार राज्यतमा आयर शहिरियम, 1961 की धमुण 26हा . छ के अधीन बम्में हम्में सक्षम प्राधिवारी, के सार्यालय में जिस्ही है तारीख 1-11-84

कां पूर्विका सपरित क उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि मभापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अत्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया बतिफल निकासिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुदं िकसी अस्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बच्ने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-गार्थ अन्तरिती द्वाप प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मैं० पवन कुमार विका कुमार ।

(प्रत्तरका)

(2) श्री परसो एम० अडवानी श्रीर अन्य।

(भन्तरिती)

को यह स्थान वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंप।

स्थळिकरण: --- ६समे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त किंपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

पलैट त० ए/63 जो नालदा-2 वालनाम विलेज, आफ मार्चे रोड, मालाड (प), अम्बई --64 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ऋई०--3/37ईई /14351/ 84-85 और सक्षम प्राधिकारी, अम्बई छारा दिनांक 1--11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद संसम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, वस्बई

तारीख : 8-7-1985

सक्य नार्ं, दी. एम. एस. त्रास्त्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाई 269-व (1) के बचीन क्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० म**ई**-3/37/ईई/14391/84-85--मतः

मुझे ए० असाद,

भागकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और सिकी सं माला नं 21, विशाल इंडस्ट्रियल इस्टेट विहलेज रोड़, भाडपू (प), बम्बई-78 में स्थित हैं (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वीणत हैं) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिलयम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, सारीख 1-11-1984

को प्वोंक्त सम्पर्ति के उणित बाजार मुख्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से ऐसे बश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अंतरण निश्चित मा

- (क) ब्राचरत्र वे हुई किबी नाव की नावत उपत जीध-विवय के अधीन कर दोने के बन्तरक की वाजित्य में कभी करने या समुद्धे वचने में सुविका की सिन्धे; बीर/या
- [क] एंसी किसी बाद वा किसी धन कन्य वास्तियों को, चिन्हें भारतीय नायकर विधिनयम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यक्षिनियम्, या धन-कर विधिनयम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया वाना चाहिए था कियाने में सुविधा के चिन्हें

मतः सव, उक्त स्थिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण की, भी, उक्त स्थिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को स्थीन- निम्लिनिक्त स्थीनतमों, संस्ति क्र---- (1) मेसर्स प्रकाश कुड धेकर्स ।

(भन्तरक)

(2) मेसर्स शोलेश कन्देनर्स ।

(भन्तरिती)

को यह युषाना नारी काइके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के सिप कार्यवाहियां काइता हुएं।

उक्त सम्मृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी वासंप अ--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे विस् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर सम्पर्तित में हितवक्ष किसी अन्य स्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, स्थित् :---

मग्सूकी

माला नं ा 2, जो, विशाल इंडस्ट्रियल इस्टेट, विलेज रोड़, भडिपू (प), बम्बई-78 में स्थित है।

मनुसूचा जैसा कि अम सं० प्रई-3/37ईई/14391/ 85-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विवाक 1-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकाण सहायक मायकर सायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रॅज-3, बम्बई

दिनांक : 8-7-1985

नोहर 🔞

प्ररूप आई. बी. एन . एस-======

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सहकार

कार्याजय, तहायक आयकर जायुक्त (तिरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई दिनांक 8 फुलाई 1985

निवेश सं० श्रई-3/37ईई/14723/84-85---- श्रतः सुझे ए० प्रसाद

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत निधिनियमं' कहा गमा हैं), की भाष 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित काचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० ओग्रोगिक शेंड न० ए, जो डब्स्यु० एम० आई० केन्स धमान ६ंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को- ऑप० सोसायटी के समाने 75, विकेज रोष्ट्र, भांडूंप में, बम्बई-78 में स्थित है (और ६ससे उपाबद ग्रानुसूची में और पूर्ण रूप से बांणत है) और जिमका करारनामा ग्रायकर ग्राधनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त तस्पत्ति के उपित बाजन्य मुख्य से कम के स्वयमान वितिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित वस्मान मृल्व, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और संतिकती (बंतरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ वाग ज्या प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वोक्य से उक्त संतरण सिधित में बास्तिकल क्यं से किथा नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, बायकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भून या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जम्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) कै अधीन, निम्नीसिंखित व्यक्तियों, अर्थात ह— (1) एन० एस० इंडस्ट्रीज।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स सुशील टेक्सटाईल ६ंडस्ट्रीण ।

(अन्त[रती)

को यह सूचना जाएँ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख् कर्मावाहिकों करता हूं।

क्यता सन्दिता के अर्थाप के संबंध में कोई भी नाक्षेप 🤃

- (क), इस स्थान के राज्यम में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की ताबील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ण) इस बूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वस्थ किसने जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाव निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्थळिष्टिकः च्याने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जी किया के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

কার্থী

श्रोधोगिक शेड नं० 7, को डब्ल्यु० एम० झाई० केन्स वर्धमान इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को- औप० सोसायटी लि० के सामने, 75, विलेज रोड़, भांडूप बम्बई-78 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कम सं अई-3/37ईई/14723/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई धारा विनांक 1-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्राथुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

विनोक : 8-7-1985

म्हर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज-3, सम्बद्दे

धम्बई, विनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० मई-3/37ईई/14510/84-85--मतः मुसे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिराका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही और जिसकी संव जनीत का लाट बेग्नरिंग सर्वे नंव 133.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर बने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्छे में सृष्टिभा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व के अनुमरण को, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधील, निम्निलिकिक व्यक्तियों, अधीत् ६—-

- (1) की जय सिंह केशवराध जगताप और 4 मन्य। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री भी० एच० शिलें।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसर् गया हैं।

प्रनुसूची

जमीन का प्लाट भेग्नरिग एस० नं० 133, एच० मं० 7, (अंश) सी० टी० एस० नं० 895 (अंश), ए० टी०, की० पी० रोड, मुस्ंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कम सं० मई-3/37ईई/14510/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्षारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3,बस्बई

दिनाँक 8-7-1985 मोहर ⁵ प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० भई-3/37ईई/11/14686/84-85--भत: मुझे, ६० भसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

सौर जिसकी सं० पलेट नं० 62, जो, ए-विंग, 6 टी मंजिल "निलिमा अपार्टमेंट", एस० पी० मार्ग, मांधूप, बम्बई-78 में स्थित है (और इसने उनाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण, रूप से बोगत है) और जिनहा सरारतामा आपरुर अदिनियम 1961 की धारा 2695, ख के अदीन बम्बई स्थित सक्षम आदिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिकी (अंतरिजियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

नतः नव, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के नभीन, निम्नसिधित व्यवितयों, नर्यांत :--- (1) मेसर्स गणेश बिरुडर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुलतान सिंह रावत ।

(मन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्याखीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

पलेट मं ० 62, जो, ए-विग, 6ी मंजिल, "निलिमा प्रपार्टमेंट", एम० पी० एस० मार्ग, भांकूप, बम्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-3/37ईई/14686/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्तम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्थन रेंज-3, बम्बई

विनाक : 8-7-1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

बायकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन स्वना

पारत सरकार

कार्यासय, सहायक बाय्कर बायुक्त (निर्जिक्षण)

भर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० मई-3/37ईई/14687/84-86--मत:, मुझे ए० प्रसाद,

इतके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, प्रिसका चित्र बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव पलेट नंव 24, जो, ए-विंग, 2री मंजिल, "निलिमा अपार्टमेंट एसव पीव एसव मार्ग, भांचूप, बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 1-11-1984

को प्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे स्नारण के जिए तय पात ग्वा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तीयक रूप से कियत नहीं किया गवा है ---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की वायतः, उपक अधिनियम के जमीन कर दोने के वन्तर्रक के वायत्य में कमी करने या उसके वचने में स्तिका के लिए; जोर/या
- (क) ऐसी किसी जान या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में जुनिया की सिरा?

अतः अवः, उसतः अधिनियम की धारा 269-व को अनुसरण वा, वा, उसतः अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1), के अधीन, निम्निविधित स्वीकतयों, अधीव अ--- (1) मेससं गणेश बिरुडर्स

(पन्तरक)

(2) भी विजय कुमार एस० अकार।

(भन्तरिकी)

को बह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विद् कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी नामीप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की जबिध या तत्वंबंधी व्यक्तियाँ वत स्वना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी विश्व में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात किसिक में किए वा क्केंगे।

स्था कड्र वा स्था कर्या का प्रमुख्य कर की प्रमुख्य का स्था का

मन्सूची

फ्लैंट नं 24, जो, ए विग, 2री भंजिल, "निलमा घापटेनेंट, एस० पी० एस० मार्ग, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्रई-3/37ईई/14687/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3. बम्बर्ड

विनोक : 8-7-1985

मोहर 🚁

इक्य आहु<u>ं, टी. ए</u>न. एक. ------

nas mid Tolliks Tilat and

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासम, सहायक बायकर बायुक्त (निद्धिक)

प्रज्ञन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निवेश सं० म्रई- 3/37ईई/14533/84--85---मतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उकत किंपिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के कभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

कौर जिसकी सं० दुकान नं० 5, जो तल माला, मधूर महल, पंचरस्ता के पास, एम० जी० रोड, मृहुंड (प), बम्बई—400080 में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वाणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर म्राह्मित्मम 1961की धारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-84 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपमान बतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृझे यह विकास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके असमान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का बन्दह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती अन्तरितिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती अन्तरितिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती अन्तरितिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) के वीच ऐसे ध्रम्तरूच के सिए तथ पाया गवा अविकल निम्नलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में अध्रविक क्य से कवित् नहीं विका गया है है—

- (क) अन्तरण वं शृह किसी बाय की बावस , संबद्ध विधियान के स्वीत कर दोने के बन्दरक के वासित्य वो सभी कर्यों का स्वयं वचन में सुविधा वो तिहा, बीस/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया यहा का या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में तिवधा के सिक्ट;

बत: बब, उक्त निर्धितयम की भाग 269-ए की जनसरण की, मी, उक्त निर्धितयभ की भारा 269-व की उपभारा (1) के बधीम, निस्निष्टित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री बधीलाल वेलजी धन्कर ।

(भन्तरक)

(2) मेससं सनशाईन रेफीजरेशन ।

(भ्रन्तरिती)

को नह सूचना चारी करने पूनानित सम्पत्ति में नर्चन के जिल्ला कार्यनाहियां करता हूं।

वक्त बन्गरित के वर्षन के सुम्बन्ध में कोई' भी भाशोप:----

- (क) इस वृथवा के राज्यक में प्रकारक की तारीं से 45 विन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी जविध वास में बनाया होती हो, जे भीतर वृज्येक व्यक्तियों में से विकार प्रविद्य हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा, अधोहस्ताक्षत्री के पास निवित में किसे का सकेंगे:

स्पाक्कीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सम्बों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के संभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होणा जो उस अध्याय में दिया स्वा हैं।

बन्स्पी

बुकान नं 5, जो तल माला, मथूर महल, पंचरस्ता के पास, एम जी रोड, मुलुंड (प), बम्बई-400080 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कम सं० भर्ष 3/37ईई/14533/ 84-85 और जो सङ्गम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-184 को राजस्टिक किया गया है

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायन भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्थन रेंज-3, बम्बई

ंदिनोकः :--8--7--1985 मोहरःः प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रज्न रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० प्रई-3/37ईई/14594/84-85--- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित धाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलेट रं० 5, जो टावर जी 4, गोवर्धन नगर, एल० बी० एस० रो६, मृत्रुंड (प), विश्व है – 80 में स्थित हैं (और इम्पे उपावद प्रानुस्वी में और पूर्ग रूप से बांगत हैं) और जिसका करारतामा प्रायकर प्राधित्यम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याल में रजिस्ट्री है, तारीख 1–11–1984

का पूर्वित सम्पत्ति के उत्तित याजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास भरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का सन्दृह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के थीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रनिफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के पायित्य में कमी करने या उसम बनने में स्विधा के निष्; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिभा के लिए;

अत: अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री फे॰ म्रार० मेहता और मन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मरीश जैन।

(म्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

पलेट नं० 5, जो टावर "जी', नोवर्धन नगर, एल बीठ एस० रोष्, मृह्युंड (प), बम्बई-80 में स्थित है। अनुसूकी जैसा कि कम संठ अई-3/37ईई/14594/ 84-85 और जो सकम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1985 को राजस्टर्ड किया गया ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्थन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 8-7-1985

महिन् :

प्ररूप बार्ड . टी . एच , एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर नाय्क्त (निरीक्षण)

प्रर्शन रेंज-3, बम्ब

बम्बई, दिनांक 8 शुलाई 1985

निदेश सं० ई-3/37ईई/14549/84-85---श्रतः मुझे ए० प्रसादः

नायकर मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात् 'उक्त मिशिनयम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- फ. से अधिक है

और जिसको संव गाला नंव 4, जो, ग्रग्रवाल कम्पाउन्ड, क्वारी रोड, भांधूप, वम्बई-78 में स्थित है और ६समे उपाबढ़ श्रमुसूची में और पूर्ण रूप में वणित है) और जिसका करार-नामा श्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वों क्स सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के श्रवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्परित का उणित बाजार मूल्य, उसके श्रवमान प्रतिफल से एसे श्रवमान प्रतिफल का पत्कह प्रतिस्ति से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण संहुद किसी नाय की वाबत, उक्त जीभीनयम के जभीन कर दोने के जन्तरक के सर्विष्क में कमी करने या उससे जबने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (च) एसी किसी जाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्यास्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाजा चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के निए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण वै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- 30-196GI[85

(1) श्रीकवलजीतसिंह सचदेव।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रोडिक विल्सन थेओओर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति मार्टिश के पास

स्पद्धतिकरणः --- इसमाँ प्रयुक्त कार्यों और पदों का, जो उसस अधिनियम के शिक्षण १० फ मों परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में विका मया है।

वन्त्यी

गाला नं० जो श्रश्रवाल कम्पाउन्डक्वारी रोष्, भांकूप, बम्बई-78 में स्थित है।

भ्रमुस्ची जैसा कि कम संव ग्रई-3/37ईई/14549/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को राजस्टर्श किया गया है

ए० प्रसाद
सद्दम प्राधिकारी
सहायक श्रायकार प्राध्वत (निरीक्षण)
श्रार्थन रंज-3, बम्बई

विनांक : 8-7-1985

मोहर;

प्रथम् बार्च ,क्षौ ,एन , एच , -------

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन क्षमा

मारत बर्काह

कार्यातय, सहायक मायकार मायुक्त (निरक्तिया) श्रर्जन रेंज-2, वस्वर्ष

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निवेश सं० ई-3/37ईई/14717/84-85--मतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकार किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त किभिनियम' कहा गया हैं), की वारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वतः करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित शाबार मृख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० प्लेट नं० 107, जो 1ली मंजिल, इमारत नं० ए-2/13, निर्माणाधीन इमारत सी० टी० एस० नं० 657- बी, भांडूप स्टेशन, (पूर्व), के पास बम्बई-78 में स्थित है (श्रीर इगसे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है) स्रोर जिपका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे जंतरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल निम्निलिवित उद्योग से उक्त जन्तरक जिलिक की नास्तिक रूप से कीवत नहीं किया गया है :---

- (कं) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबता, उक्त क्षिश्विम के बनीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कबी करने वा उससे बच्चे में सुविधा के सिए; बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकार अधिनियम, बा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सविधा के किए;

अतः अने, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्दीलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1) मेसर्स स्टार बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राघवन ग्रैयप्पन पिलाई।

(भ्रन्तरिती),

कार्य बहु बूचना चारी करके पृत्रों कर सम्मरित के वर्षन के जिल्ह कार्यवाहियां शुरू करता हो।

इक्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीय से 45 किन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नवीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- क्ष्म किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकेंगे।

अनुस्ची

फ्लॅंट नं ० 107, जो 1 ली मंजिल, इमारत नं ० ए-2/13, निर्माणाधीन इमारत नं ० सी ० टी ० एप० नं ० 657/की, भांडूप स्टेशन (पूर्व) के पास, ब म्बई-78 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कम सं० भ्र ई-3/37ईई/14717/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज-3, बम्बर्ष

विनांक : 8-7-1985

माहर 🖫

वस्य मार्चे. टी. एम_ः एड_{ास्टरसम्बर}ाक

जायकर जिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन त्यना

भारत बहकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37ईई/14508/84-85---ग्रसः मुझे ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"),, की भाडा 269-ख औ अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-रुक्त से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पलेट नं० 201, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० बी/3/11, निर्माणाधीन इमारत सी० टी० एस० नं० 657 बी, भांडूप, स्टेशन (पूर्व), के पास वस्बई—78 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, नारीख 1-11-1984

को प्रबोवत सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य स कम के क्यमान हिंदिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त सम्मित्त का उचित बाबाद मूल्य, उसके क्यमान प्रक्षिकत से, एसे क्यमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के सिए सम् पामा चया प्रतिकत, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण सी हुव किसी बाय की बाबत , उक्क प्रीयनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक बो शोधान भी कमी करने या उससे बचने में सुविधा या १८१५ की न
- (ग) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जब्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था कियाने में सुर्विधा के निए;

बत: अथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अगुसरण में, मैं. इस्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपघारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ु— (1) मेसर्स स्टार बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जान फान्सीस झाल्की और ग्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी कारके प्योंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस शै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अधिनायों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी कविध बाद मो समाप्त होती हो, के मी पर पृथीक्त अब कार्यों में स किसी ध्योकत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपथ गाँ प्रशासन को प्राप्त स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वें पाम लिखित मो किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पटा का, शाउनत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभागित है, वहीं अर्थ होगा जा इस अध्याय भी दिया। तथा है

अनुसूची

फ्लेट नं० 201, जो, 2री मंजिल, भारत नं० बो-3/11. निर्माणाधीन इमारत सीं० टा० एग० नं०657-जः, भोडू स्टिजा के पास (पूर्व), अम्बई-78 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/14508/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वार दिनात 1-11-1984 की रजिस्टई किया गया है।

> ए० केताव है स्माप्त प्रायक्ति आ कुल (किल्प्स्ता) स्रामेन केल - ३, ४० (हो

दिनांक : 8-7-1985

प्रकष बाह्र टी. एवं एस , ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थना

नारत बरकापु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37ईई/14509/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

मौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 216, जो, दूसरी मंजिल, इसारत नं० ए-2/15, निर्माणाधात इसारत रा० टी० एस० नं० 657-की भांडूप स्टेशन (पूर्व), क पाप, बम्बई-78 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची से श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारतामा श्राय हर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269%, ख के श्रधात बम्बई स्थित तक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नार्राख 1-11-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपन का आर मृत्य ने कम के रूस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तारत को गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य य उक्त अन्तरण कि बित में भास्तिक है पा की स्वास्त के स्वास के स्वास्त के स्वास क

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीत कर दोने के प्रन्तरक के वायित्व में कभी करने के उन्तर बचने में मुविधा के लिए। और/या
- (च) ऐसी जिसी काय ना किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रका नहीं किया गया था किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

सत् अंब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के बनुसरण में, में, उक्त ओबोनयम की भाग 269-म की उपधारा (1) के बभीन, विम्नतिक्षित अभिक्तयों, समृति :--- (1) मेसर्स स्टार बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मध्यु लोबो श्रौर श्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिस की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यन्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार न की टारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भनुसूची

फ्लैंट नं० 216, जो, 2री मंजिल, इमारल नं० ए-2/15, निर्माणाधीन इमारन मी० टी० एस० 657-बी, भांडूप स्टेशन (पूर्व), के पास, बस्बई-78 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि श्रम मं० ग्रई-3/37ईई/14509/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> **ए० प्रसाद** सक्षमः प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज--3, बम्ब**र्द**

दिनांक : 8-7-1985

न।यकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर नाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3,वस्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० ई--3/37-ईई/14586/84-85---यतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 21, जो, विग-बो, 2री मंजिल, "तिलिमा अपार्टमेंट", एस० पी० एम०मार्ग, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगत है) और जिसका करारनामा आयकर श्रिधितियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

कां पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के भन्त्रह परिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तर्कि (अन्तर्कों) के बीच एसे अन्तर्क से लिए तय पामा प्रमा प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से सकत अन्तर्क निचित्त में शास्त्रिक रूप से कंथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) बनतरण से हुव किसी बाद की बादल, सबस ारिक्सिम के अभीन कर दोने के बन्दरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा से लिए; सहि/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या कन्य कास्तियों को चिन्हें धारतीय कायकर कांधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किंगिनयम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनार्थ कन्तरिती इंकारा प्रकट नहीं किया गवा था किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा व तिय;

बतः गम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् (---

(1) मेसर्स गणेषा बिल्डसं ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गंगा देवी ग्रार० कंथी।

(भ्रन्तरिती)

भी मह सूचना चार् करके पूर्वनित सम्पृतित से अर्थन के निए कार्यनाहियां करता हैं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश ही 45 दिन की अविभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर बूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिहेक्दत में किए जा सकोंगे।

स्थलकीक रणः -- इसमें प्रयुक्त कर्कों और पर्वो का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में पृर्धिमृधित इं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 21, जो बिंग-बी, 2री मंजिल, "निलिमा प्रपार्टमेंट", एस० पी० एस० मार्ग, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसून्तां जैसा कि क्रम सं० श्रई-3/37-ई $\frac{2}{3}/14586/84$ -85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हार् दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षमः प्राधिकारी सहायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेज-3, बस्बई

दिनांक : 8-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रजन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश ग ० म्रई-3/37-ईई/14470/84-85--- मतः, मुझे, ए० प्रसाद,

अध्यंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्डात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

सौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० डो/८, जी, नथी मंजिल, ईश्वर नगर! को-फ्रॉफ हाउसिंग सीमायटी लि०, एल० बी० शास्त्री मार्ग, भाडूप, वैस्वई-78 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण एप से विजित हैं) श्रौर जिसका करारतामा श्रायकर सिंधनियम, 1961 की धारा 269%, ख के श्रधीन बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार नूल्य से कम के देशयमान्
प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गर्द है और
मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्ट, उसके देशयमान
प्रतिफल से, ऐसे देश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से बिधक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तियक रूप से किथत
नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीर, निम्नतिधिन चाक्तियों, अधीत :--- (1) श्री भ्रजय चुनीलाल सालूजा भीर ग्रन्य।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती टी० ई० लेबीस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स समास्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पन्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

मन्स्यी

पलैट नं० डी/8, जो, 4थी मंजिल, ईश्वर नगर को०-आँप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, एल० बी० शास्त्री मार्ग, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-3/37 र्स्स्ट्र 14470/ 84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम गाधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनाक : 8--7-1985 ·

मोहर 🔞

प्रकृष बाइ . टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आग्रकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 ज्लाई 1985

निर्देश सं ० ऋई--3/37-ईई/14591/84--85---यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्थ 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं माला नं 134, जो हिरानंदानी इंडस्ट्रियल इस्टेट कांजूर मार्ग, बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वांवत संपत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वासविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरम् से हुई किसी भाय की वाबत, उक्त अधिनियंत्र के अभीत कर दोने के वंतरक के दायित्व में क्ली करने वा उससे वचने में स्विभा के नियः और/या
- (स) ऐसी किसी बाय वा किसी धन वा बन्ध बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त बंधिनियम, या धन-कर बंधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा विया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :——

- (1) मेतसं हिरानदानी इंडस्ट्रियल इंटरप्रायसेस । (श्रन्तरक)
- (2) मे अर्स नवरग कलर लैंब। (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सुम्मत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीसं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए अ। सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी कर्य होता को उस अध्याय में दिया गया है।

अनम्बी

माला नं 134, जो हिरानंदानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, कांजूर मार्ग बम्बई में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि कि० मं० ग्रई-3/37-ईई/14591/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद यक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ष

दिनांक : 8-7-1985

प्रक्ष बाइं.टी.एन.एस.,--:---

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा बाद्य 269-व् (1) के वृधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक मामकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० ऋई-3/37-ईई/14592/84-85—यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० माला नं० 136, जो, 1ली मंजिल, कांजूर मार्ग, (निर्माणाधीन इमारत), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिपान के निए बन्तरित की गई है बार मुखे गह विक्वाच् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एते दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एते जन्तरम के विष् तब बाबा नवा शिक्क, जिम्मीबिक्त स्मृत्यों से दक्त बन्दरम विविध में बाक्सीबक रूप से कीच्त मही किया नवा है 4—

- (क) अन्तरम से हुई किश्री बाब की वाबस , उनस विभिन्न के सभीन कर दोने की अन्तरक के दावित्व में कनी करने वा उन्हों वचने में कृषिणा के लिए; और/बा
- (क) इंची कियी बाव् वा कियी वयं वा अन्य आस्थिकों का, चिन्हें अप्तिये वाव-कट अभिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) वा उनत अभिनियंत्र, वा भनकार विभिन्नका, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना थाहियेथा. कियाने में नुविधा के लिए;

कतः जब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिमिक व्यक्तियों वर्णात र——

- (1) मेसर्स हिरानंदानी इंडस्ट्रियल इंटरप्रायसेस । (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स मनीण प्लास्टिक्स ।

(ग्रन्तरिती)

को बहु शुक्रना बारी करके पृथानित सम्परित के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

बच्छ बज्हीत्त के वर्षन के बज्बन्य में कोई भी बाक्षेप:-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की वर्षीय या तत्त्रमाओं क्यित को पर क्यां कर क्यां की तानीब वे 30 दिन की वर्षीय, वो भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्थानक ब्रवास?
- (ज) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हिसबद्ध किसी कन्म व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताक्षरी के शक सिचित में किए या सकेंगे।

स्वकारण: --- इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, जो उनत नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया भूका हैं ॥

वन्त्यी

भाला नं० 136, जो, 1ली मंजिल, कांजूर मार्ग, (निर्माणाधीन इमारत), बम्बई में स्थित है।

भ्रनुसूची जैंसा कि क्र० सं० भ्रई-3/37-ईई/14592/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्ब**र्ड**

दिनांक : 8-7-198**5**

मोहरु 🖫

प्ररूप भाइ.टी.एन.एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क्यी धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/14625/84-85--यत:, मुझे,

ए० प्रसाद,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह मिश्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० युनिट नं० 22, जो, ग्राउंड फ्लोर, भांडूप विशाल इंडस्ट्रियल प्रिमायसेम को० श्रोप० सोसायटी लि०, विलेज रोड, भांडूप (प), बम्बई-78 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द्द है

और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मारत का उचित बाजार मृल्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्त-रण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी भन या अन्य बास्सियों की, जिम्हां भारतीय अध्य-कार ऑचितियम, 1927 (1922 का 11) या उनत अधितियम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यशा था या किया जाना चाहिए थर, कियान वें स्विका के विद्धाः

नतः नवः उक्त किथिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीतः जिस्तीलितित व्यक्तियमें अधीतः ---- 31 —-196GI[85

(1) धीरजलाल एन० कामदार ।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स रामा कैन्स प्राइवेट लि०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वर्बाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय हैं दिया गया

ग्रनुसूची

यूनिट नं० 22, जो, ग्राउंड फ्लोर, भांडूप विकाल इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को०-प्राप० सोमाइटी लि०, विलेज रोड, भांडूप (प), बम्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-3/37-ईई/14625/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए० प्रजाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 8-7-1985

मोहर

शरूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

आर्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जुलाई 1985

निर्वेश सं० अई-3/37-ईई/14656/84-85--यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

भौर जिसकी सं० गोडाउन नं० 206, जो, 2री मंजिल, पी० एन० कोठारी इस्टेट, सर्वे नं० 200 (भ्रंग), सी० टी० एस० नं० 285, श्राम्म रोड, मांडूप (प), बम्बई-78 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिष्ठित्यम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को निए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अधीत्:—

(1) पी० एन० कोठारी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गणेश चन्द्र घोष ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

द्धवत संपति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ः---

- (का) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्कान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्विंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया भवा हैं।

अनुसूची

गोडाउन नं० 206, जो, 2री मंजिल, पी० एन० कोठारी इस्टेट, सर्वे नं०200 (श्रंग), सी० टी०एस० नं० 285, ग्राग्रा रोड, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कि के सं मई-3/37-ईई/14656/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-3, बम्बई

विनांक : 8-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-3, बंबर्म्ड

बम्बई, विनांक 8 जुलाई 1985

निवेंग सं० श्रई-3/37-ईई/14507/84-85---यतः, मुझे; ए० प्रसाद,

नायकार निधिनियम 1961 (1961 का 43) (चिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के मधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित वाकार मुक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 76, जो, 1ली मंजिल, युनिक इंडस्ट्रियल इस्टेट, निर्माणाधीन इमारत, एस० नं० 310, 311 श्रीर 317, श्रार० पी० रोड मुलूंड, (प), बम्बई-80 में स्थित है (श्रार इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाबार मूल्य से कम के स्थामान श्रीतफल के लिए बन्तरित की नहां है जार बुओ वह दिखाल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्वीवत बाबार बुक्य, उसके स्वयान प्रतिफल के एसे स्वयान प्रतिफल के बुक्य प्रतिचत से अभिक है और अंबरक (बंबरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निस्तियशित स्व्योदय से उनक बंतरण सिक्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, अक्त विभिनियम के अभीन कर वेने के बंतरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वौर/या
- (च) ऐसी किसी नाव या किसी भन या बन्य जास्तियों की, विन्हें भारतीय नायकर विभिन्नयम 1922 हैं 1922 का 11) ना उक्त निभिन्नय, या भव-कर निभिन्नयम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोचनार्थ वस्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किना वना वा वा किया बाना वाहिए था, कियाने वे एविभा के सिए;

जतः स्रवः, उक्त जीवनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) युनिक बिरुडर्स।

(भन्तरक)

(2) श्रीपंकज जगजीवन टन्ना धौर ग्रन्थ ।

(भ्रन्तरिती)

को यहं सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिएं कार्यवाहियां सूक करता हूँ।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में झोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की सर्वीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस सं 30 दिन की अविध, जो भी जवीध बाद में सजाप्त होती हो को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 विन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्दभ किसी बन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शब निचित में किए या सकती।

स्पाक्त किरण: — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो उबत विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, नहीं वर्ष होना को उन्त अध्याद में दिया भवा है।

वमुस्ची

यूनिट नं० 76, जो, 1ली मंजिल, युनिक इंडस्ट्रियल इस्टैंट, निर्माणाधीन इमारत एस० नं० 310, 311 ग्रौर 317, ग्रार० पी० रोड, मुलूंड (प), बम्बई—80 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि सं धर्म-3/37-ईई/14507/84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

विनाम : 8~7~1985

मोहर 🖫

द्वन् आहे, दी , युन् , युन , -------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-थ (1) की अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं॰ श्रई-3/37-ईई/14085/84-85--यतः, मुझे, ए॰ प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसने परेचात् 'उनत अधिनियम' कहा पना हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्मित्त, चिसका उचित वाचार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 7, जो, 2ली मंजिल, प्लाट नं० एस० नं० 74, एच० नं० 1 (ग्रंश), मुल्ड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार जून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत महीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण तं हुई जिसी वाव की वावता, उत्पद जीपनियम के जपीन कर दोने के जन्तरक की दापित्व में कमी करने या उत्तवे जवने में स्विधा अंभिन्, करेंर/वा
- (त) एरेरी किसी आग या किसी वन वा वन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर सिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, धा भनकर अधिनियम, धा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया पता का वा किया चाना चाहिए था कियाने में व्विधा में किया

कतः अय, अक्त विभिनियम की धारा 269-ण वी अनुसर्ण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) भू जधीन निम्नतिस्ति स्थितियों वर्णात हिल्ल (1) मजय ब्रिल्डर्स ।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती पी० भार० बंकापूरे।

(भ्रन्तरिती)

का मह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के तिक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्मत्ति के नर्जन के बस्तम्थ में कोई भी माक्षेत्र :--

- (क) इस स्वाः के रावपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविभि या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाः की तामीस से 30 दिन की अविभि, तो भी जविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य स्थावत ब्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्यव्यक्तिरण: -- इसमें अथुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैंट नं० 7, जो, 2री मंजिल, प्लाट नं० 74, एच० नं० 1, (श्रंश), मुलूंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० भ्रई-3/37-ईई/14085/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 8-7-1985

मोहर 🕄

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस. - - -

भागकर माधितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ(1) के सधीन सूचना

भारत चहुन्त

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)
भर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं श्रर्द — 3/37-ईई/14454/84 — 85 — यत:, मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- से के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी पलैंट सं० नं० 1, जो, प्रांगेरी, कांजूर विलेज, दात्तार कालोनी, भांडूप (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269कख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृज यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिन्मलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप क्ष्य से किथा नहीं किया चना है दै—

- (क', अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए कर्र/था
- (च) एसी किसी साय या किसी धन या कन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए।

अतः अब उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, वर्धात्:--- (1) सीतालक्ष्मी एण्ड कम्पनी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री टी० एस० नायर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर म्चना की तामील में 30 दिन को अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विक्त क्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (का) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीक सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरा क
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरण :—इसमी प्रयाक्त शत्वः और पता काः ता उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के मा परिभाषित हो, वहीं अता शास्त्रः शास्त्रः अध्याप ग त्विमा गया हो ।

नग्तुनी

फ्लैंट नं० 1, जो, श्रुंगेरी, कांजूर विलेज, वासार कालोनी, भाडूप (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-3/37-ईई/14454/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहस्थक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक : 8-7-1985

प्रारूप आर्ह्दा एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/14548/84-85--यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं पूनिट नं 16, जो, रामगोपाल इंडस्ट्रियल इस्टेंट, डा॰ आर॰ पी॰ रोड, मुल्ंड (प॰), बम्बई—80 में स्थित है (ग्राँर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप में क्णित है) ग्राँर जिम हा करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का

कारण है कि यभापूर्वेक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से मिश्रक है नौर जन्तरक (जन्तरकों) नौर जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया यस प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलित वे वास्त्रिक रूप से कांचित वहीं किया गया है स्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अभि-नियम के अभीन कर कोने के अन्तरक के दावित्य में अभी करने वा उच्चे ब्यने के दुविथा के निष्; सौर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अपिस्तया को, जिन्हें भारतीय बाय-कर सिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिधिनियम, या धन-कर सिधिनियम, या धन-कर सिधिनियम, विश्व के अधोजनार्थ बन्दरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया धा वा किया जाना वाहिए था, जिल्लाने में सुविधा के सिए;

जतः जय, उत्तर अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरक में, में, उथत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्मृतिस्ति व्यक्तियाँ, अर्थात ६(1) मेसर्स कोडाको फायबर्स।

(अन्तरक)

(2) संजीव मेटल धर्क्स ।

(अन्तरिती)

को यहं सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन ।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की वाजीस से 30 दिन की अविध, जा भी अविध वास में वमाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपालक में हिन बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किया अप स्कार

स्वाक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा अवस् अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ हागा का उस्र अध्याय में दिया क्या है।

अनुसुची

यूनिट नं० 16, जो, रामगोपाल इंडस्ट्रियल इस्टेट, डा० आर०पी० रोड, मुल्ड (प०), वम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई०-3/37—ईई/14548/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिमांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिमांक: 8-7-1985

मोहर ः

प्ररूप आह्रे.टी. एन. एस. -----

-- (....

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत भूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-3/37—ईई/14661/84—85—्थत:, मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारफ है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 70, जो, 3री मंजिल, श्रीकृष्णधाम, एल० बी० एस० मार्ग, मुलूंड, बम्बई—80 में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 1 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपरित को उचित वाकार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाबार बुक्त, उसके क्रयमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिकाल लिल्ति उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाग्तक क्रय से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तर्यम सं हुई किसी बाय की बाबत, उत्क विभिन्नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; अर्डि/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बल्य अस्तियां को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती य्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, अच्छ बीभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त किभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बभीन, निम्निसिस व्यक्तियों, स्थित हिन्स

(1) प्रशांत बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) आर० अनन्थम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- '(क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की जबकि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबकि, जो भी जबकि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तिस्यों में से किसी स्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्य किसी अन्य व्यक्ति इवास अभोहस्ताकारी के पाष लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगसची

फ्लैंट नं० 70, जो, 3री मंजिल, श्रीकृष्णधाम, एल० बी० एम० मार्ग, मुल्ंड, बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई०-3/37–ईई/14661/84–85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1–11–1984 को रिजस्टर्ड किया गया हैय।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज–3, बस्बई

विनांक: 8-7-1985

मोहर 🕫

प्ररूप आहु .टी. एन. एस. -----

नावकर निर्भानस्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

बाह्य सुरक्तार

भागांसर, महारक आयक्त आयुक्त (**पिरीक्षण)** अर्जन रेंज—3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-3/37—ईई/14449/84-85--यत:, मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 15, जो, 2री मंजिल, पूनम, आफ डा० आर० पी० रोड, देवीदयाल नगर, मुलूंड (प०), बम्बई—80 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विशेष के अनुसार अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उसी जाभनियम के अभीत कर दोने के जन्तरक के वादित्य में कमी करने मा उससे बचने में सुविभा के लिए: बीर/बा

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) डे अधीन, निम्नितिमित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती लाजवंती जी॰ टोधलानी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० पी० उभडक्ष्ट।

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वावस्य सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किसिव में किए वा सर्वोचे।

स्पव्यक्तिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में विका स्याही।

वनसूची

फ्लैट नं० 15, जो, 2री मंजिल, पूनम, आफ डा० आर० पी० रोड, देवीदयाल नगर, मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37—ईई/14449/84—85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिलांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायकयआयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जम रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

मोहर 👍

बच्च बाहुं हो हो हो हिंदू

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के ब्रेगीन सूर्यना

नारव श्ररकार

कार्यालय सहायक श्रायश्रर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज-3, बम्बई
बम्बई, दिभांक 8 जुलाई 1985

निर्देश मं० अई०-3/37-ई० ई०/14745/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हु

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 8—डी, जो, मिनी लैंड, टैंक रोड़, भांडूंप (प०), बम्बई—78 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबढ़ अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 भवम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफ स के निए अन्तरित की गई है कि भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत में अभिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के किए। तब पाया गया प्रतिफल, निम्निशित उच्चेद्य से उच्त अन्तरण सिचित में वास्तविक कप से कृष्यित बहुँ किया ववा है :——

- (अ) मतारण सहाडी किसी साम की रावस, अकत अधिनियम की अधीन कर दोने की जन्तरक की बामित्व में कमी कारने या उत्तसे अधने मी बुविधा की निष्; बीट्/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतों अप्यानकों का को के का मान मान १९७२ (1922 का ११) या उनका अधिकियम, या धन-कार अधिकियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना था, खियाने में सिवधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 32-196GI|85

- (1) श्री वीर चन्द पदमशी दाघा श्रौर 2 अन्य। (अन्तरक)
- (2) श्री ठोकरणी जेथाभाई गाला श्रीर 2 अन्य । (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्णन के सि कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की रारोक से 45 दिन की अविधि या तत्संकंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पत्तीकरण:---६समें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, को उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

प्लाट तं० 8~डी, जो, मिनी लैंड, टैंक रोड़, भांडूप (प०), बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई०-3/37-ई० ई०/14745/ 84-85 ग्रीए जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिसांक 1-11-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज–3, बम्बई

दिमाक: ४-7-1985

माहर:

अरूप गराइ . ही धुन , एस . -----

श्रायकर अभिनियंत्र, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजीन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्वेश सं० श्रई०-4/37-ई० ई०/14317/84-85-- त: भुक्षे, ए० असाद,

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 13, जो, 3वी मंजिल, अवाकुपा को-प्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, प्लाट नं० 58-की, अवेर रोड़, मृलूंड (प०), वम्बई-80 में स्थित है (और ६ससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1 नवम्गर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उसत बन्तरण है बिता वे सास्तिक रूप से कथित नहीं किया नवा है सू-

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त प्रीधिनयम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने यें सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या क्रिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के हिंदू।

अत: सम, उक्त अधिनियम, भौ भारा 269-म के जनसरण में भी, उदद अधिनियम की धारा 269-म की अपधारा (1) में अधीन, निम्निनिवित व्यक्तियों, अधीत ५०-- (1) श्रीमती एन० एम० ठक्कर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एच० भ्रार० शहा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुवना कारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :- :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन की कविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि जो भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्बब्ध कियी जन्म व्यक्ति ब्वास स्थाइस्ताक्षरी के बाब विश्व में किए वा सकीने।

स्वकाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों नीर पर्यों का, वो उक्त नियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, नहीं नुर्व होना को उस अध्याय में दिका भूवा है।

ग्रन्सूची

पलैट नं० 13, जो, 3भी मंजिल, अंबाक्कपा को-ग्राप० हाउसिंग सोमाइटी लि०, प्लाट नं० 58-बी, अवेर रोड़, मुलुंड (प०), बम्बई-80 स्थित में है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई०-:/37-ई० ई०/14317/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद, स**क्षम प्राधिकारी,** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीकण), श्रर्जन रेंज−4, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

(भ्रन्तरक)

प्रकृप आर्च . दी . एन . एस . -----

(1) श्री जे० ठी० वीरा और अन्य।

(2) श्रीमती एस० के० शालिया और श्रन्य । (भ्रन्तरिती)

भागकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्र 4/37-ई० ई०/14616/84-85--म्रतः, मुक्ते ए० प्रसाद,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **कारण है कि स्था**वर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 ∕- रु. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं० पलेट नं० 5/5ए, जो, शांती कुटीर, शितल स्वप्न को-आप० हाउसिंग सोमाइटी लि०, 2री मंजिल, म्रार० एच० बी० रोष्ट्र, मुलुंड, बम्बई-80 में स्थित है (और **६ससे उपाबक श्रन्**मूची में और पूर्ण रूप से र्वाणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है, दिनांक 1 नवम्बर 1984।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे सृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिस्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिल में वास्तीयक 🕶 से कथित नहीं किया नया है 🖫 —

- (क) जन्तरण संहुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भायाकियाजानाचाहिए था, डिप्पाने में स्1ैवधा केलिए;

अप: अब, उक्ट अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 2:69-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ः---

क्षा यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए फार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की है। होस् स 45 विक की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तिकार एस सूचना की तामील से 30 दिन की अयाधि, आं भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकः। व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 🕒 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबः किसी अम्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

जगसूची

प्लैट नं 5/5ए, जो, शांती कुटीर, शितल स्वप्न को-ग्राप० हाउसिंग सोमाध्टी लि०, 2री मंजिल, ग्रार० एच० बी० रोड, मुलंड, बम्बई-80 में स्थित है ।

ग्रन्मुची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई०-4/37-ई० ई०/14616/ 84-85 और जो मक्षम प्राधिकारो, बम्बई क्षारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज;, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

मोहर 🛭

प्रकृत नार्षं हो एक एक अन्यन्यन

(1) मेसर्स अनील कन्स्ट्रनशन कम्पनी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमतीतरूणाएन० महबुबानी।

(ग्रन्तरितो)

बाथकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीव सुवना

शास चडकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० म्रई०-3/37-ई० ईई/14103/84-85---म्रन मुक्षे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' नहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने स्था कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव दुकान नंव 3, जो, तल माला, जयंती प्रपार्टमेंट, जेव टीव रोड़, मृतृड (पव), बम्बई में स्थित है (और इसमे उपाबढ़ अनुमूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 नवम्बर 198 ।

को पूर्वोक्त तस्मीत के उपित बाजार मूल्य से कम के इच्यमत्त्र शितकत के लिए अन्तरित की गई है वर्तेत्र मुक्ते बहु विद्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित सक्कार मूल्य उत्तके इच्यमान शिवक्य है एवं हुम्बनान शितकल का पन्नह प्रतिकृत विश्वक है और वंतरक (बंतरका) कोर बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे वंतरण के चिए द्वय पत्ना नमा प्रतिकृत, निस्तिसित उपूर्वेक्य से उपत बंहरण किसित में वास्तिनक कम से क्रिक्त कहीं किया गया है:—

- (क) जन्मरण से हुई किसी बाव की गावत, सबस जिथितियर को अधीन कर दोने की धन्तरक को कर्षिया में कमी कर्म वा उससे वचने में सुनिधा की सिए: धर्रिया
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी वन या जस्य कास्तियों को जिन्हें भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्तर निधिनयम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना चाहिए वा. कियाने में सुनिधा के किया

नत: नव, उनत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उनत अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को नभीन, निकालिकित स्वकियों, अधित :--- को यह ब्याना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के जर्जन के जिए कार्यनाहियां करता हां।

उक्त सम्बन्धि के सर्जन के संबंध में कोई भी नाकोब :---

- (क) इत स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक को प्रकाशक की बारीस से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थायर संपरित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा तकी।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसुचा

दुकान नं० 3, जो, तल माला, जयंती श्रपार्टमेंट, जे० डी० रोड, मुल्ड (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्राई०-3/37-ई० ई०/14103/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ्र प्रसाद, सक्षम प्राधिकारा, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरी अर्जन रेंज -3, बम्बई

दिनांक; 8-7-85

नायकर ग्राधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) से मधीन सुद्धान

RISO CENTE

कार्यातय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्रण)

भ्रजंन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निवेश सं० श्रई-3/37-ईई/14745/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का अकरण है कि: स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव पलैट नंव 15, जो, "ज्योति" क्मारत, मृलूंड हिल व्ह्यू को-श्रापव हाउसिंग सोसाइटी लिव, मृलूंड (पव), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबक श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिक्षियम 1961 की श्रारा 269 क ख के श्रिक्षीन, दिनांक 1-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार बृश्य, उसके दश्यभान प्रतिफल खे, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उन्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे वचने में मृतिधा को असर: बीर/मा
 - (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में हविका के विद्य;

अतः अय, उन्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) क अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थीक्— (1) श्री धी० पी० महावेषन् ।

(भन्तरक)

(2) श्री एस० वि० एल० नारायणन ।

(म्रन्तरिती)

वा वह वृष्या वारी करके वृष्या वर सम्पत्ति से अवीन के किया कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्द बन्दरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस सिकित में किए जा सकोंगे।

स्थप्टिक्टिकाः—-इसमें प्रयुक्त श्रुख्यों और पदों का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

फ्लैट नं० 15, जो, ''ज्योति ६मारत'' मुलूंड हिल अहयू को-म्राप० हार्जासग सोसाइटी लि०, मुलूंड (प०), अम्बई-80 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई०-3/37-ाई है/14745/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बाई क्वारा दिनांक 1-11-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

नोहर 🤢

प्ररूप बार्षः, टी. एन., एव., ----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई०-4/37-ई ई/14177/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नामकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के नभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 67, जो, 2री मंजिल, श्रीकृष्णधाम, एल० बी० एस० मार्ग, मुलूंड, बम्बई-80 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इस्यमान प्रतिफल सं, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पावा भवा प्रतिफल निम्मलिखत उद्योध से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है :—

- िंक) मन्तरण वे हुर्घ किसी बाय की बावत्, उनस व्याधिविषय को अधीन कर दोने के अन्तुरक के दासित्व वी कसी करने वा उससे वचने में सुविधा के निष्टु; प्रतेर/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भग वा बन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नाय प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा वै सिद्धाः

बक्र वय, उस्त सीधीनयम की धारा 269-म से अवस्थान में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में सुधीन, निम्नीतियत स्पृतिसयों हु स्थारी ह--- (1) प्रशांत बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जे० भार० पांडे।

(भन्तरिती)

को वह बुज्या वारी करके पूर्वोक्त स्थापित के अर्चन् के सिक्ष कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप हा--

- (क) इस स्थान के एकपत्र के त्रकालन की तारील से 45 दिन की जबकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अवृधि नाम के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के खबपन में त्रकाशन की तारीब हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किस वा सकोंगे।

स्थका करना: ---इसमें प्रयुक्त सन्दों जीड ध्वां का, जो सक्त जीं भिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्भ होगा जो उस अध्याय में विया नवा है।

अनसूची

फ्लैट नं० 67 जो 2री मंजिल, श्रीकृष्णधाम, एल० बी० एस० मार्ग, मुलुंड, अम्बई-80 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई०-4/37—ई ई/14177/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-11-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

मोहर 🕝

प्रकप बाहै टी एन . एस . -----

वायकर निधिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन सूच्ना

भारत तर्कार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रर्ड०-3/37-र्ड्ड/14232/84-85--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

गायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परचात् 'उन्त निधिनियम' नहां गया हैं), की भारा 269-च के नभीन तक्षण प्रधिकारों को वह विश्वाद करने नम गरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 1,00,000/- रह. से नधिक हैं

श्रौर जिसकी संब दुकान नंव 5, जो, हरी भवन, झवेर रोड़, मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित हैं), श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1 नवम्बर 1984,

को पूर्वेक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान गइ है गतिकस सिए अन्तिरत की गौर मभ्रे वह विश्वास करन का कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यकाम मितिफल से, एसे ध्ययमान प्रतिफल के पन्प्रह प्रतिकत से अधिक हैं नीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के **गीच** एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्नीलिखत <u> उबुदोरम से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काभित</u> नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबद, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किमी आय या किसी धर्ग या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ट अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर निर्माणि**चित व्यक्तियों, अधीत् :---** (1) श्री हरीकृष्ण चर्तभुज।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० ग्रार० मारू।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्फ्रीस्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्िक कर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राषपत्र में प्रकाधन की तारीस से 45 सिन की जनभि या तत्स्वंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीन से 30 दिन की अनिध, को भी अनिध वृद्ध में तजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुनारा;
- (क) इस त्वना के राज्यपत्र में त्रकाचन की सारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध फिली अन्य क्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकींने।

स्थाच्छीकरणः — इतके प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उच्त जिथितिका, के अध्याद 20-क में परिधारिक ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिवा गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 5, जो, हरी भवन, झवेर रोड़, मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई०-3/37–ईई/14232/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 1-11~1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–3, बस्बई

दिनोक: 8-7-1985

मोहर 🗷

प्रकार कार्य : धी श्रेक : एक : ------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) करें धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

मारद सरकार

कार्यालय, सहायक वावकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० प्रर्व०-4/37-ईई/14320/83-84-प्रतः मुझे, ए० प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें ध्रमके परचात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा अञ्चलका ए कार्यन भक्षम प्रतिबद्धानी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थानर सम्मति, जिसका उपित बाजार मुस्स 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 15 जो 3री मंजिल प्लाट ए, श्रमरदीप को-श्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि० मुलूंड (प०) बम्बई-80 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची ; श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 नवम्बर 1984,

भी पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से का के कश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वाद करने का कारण है कि बधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूस्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे कश्यमान प्रतिकल का राज्यह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गवा प्रतिकल, निस्तिलिखत उद्वेष्य से उनत अन्तरण निवित में वास्य-विक कथ म किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (१०) लूमी किसी बाब वा किसी वन या बन्य वास्तिकी को, जिन्ही भारतीय लावकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीवनियम, या वनकर जीभीनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अस्तिरियो व्यार प्रप्तत प्रश्ली किया वया वा किया जाना वाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए

(1) श्री रामकृष्णन कृष्णन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भ्रार० पी० मारू।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृशेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोद ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की जनिम मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जनिस बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों तत्त्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इंड त्वां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्मत्ति में हिंद व्याप किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सकेंगे।

भ्यक्षांकरणः---इसमें प्रयुक्त कृष्यों जीर पद्यों का, जां उत्तक जीभनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित् है, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लैट नं 15, जो, 3री मंजिल, प्लाट ए, श्रमरदीप को— श्राप हाउसिंग सोसाइटी लि०, मुलूंड (प०), बम्बई–80 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्राई०-4/37-ई ई/14320/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राजैन रेंज-4, बम्बई

वतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वं, म^त, उक्त विधिनियम की धारा 269-च उपधारा (1) क प्रधीरा पेनक्र्यालि**वत स्वरिक्तवों, अवित् ड--**-

दिनाक: 8-7-1985

मोहरः

प्रथम बार्च . हो . एन् . प्रमु

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन कुचना

कार्यात्व, सहायक वायकार वायुक्त (रिवर्गक्रिक)

अर्जन रेंज,-3; बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्वेश सं० ग्रई०-3/37-ई० ई०/14852/84-85--ग्रतः मुझे, ए० प्रमाद,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इन्नामें इसने परचात् 'डक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269-च के निभीन सक्षम प्राधिकादी की वह विकास करणे का कारण है कि स्थानर सम्भित्त, जिल्लका उचित नाचार भूका 1,00000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 20, जो, 4थी मंजिल, एस० नं० 96 (ग्रंग), सी० टी० एस० नं० 1070 (ग्रंग), मिठानगर रोड़, मुलूंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करार-नामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1 नयम्बर 1984

को पूर्वेक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूका से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते मह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मत्ति का उचित बाजार भूल्य, हुसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रपिफल का बन्कह है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्श के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्योक्यों से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अभ्यारण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (घ) एंसी सिक्सी आय या किसी घम वा अन्य वास्तिकों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जकत अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रकोचनार्थ अस्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गार या किया प्राना शाहिए घर जिल्लाने हो ब्रिक्श के किस;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) रो अधीत. निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् क्र---33—1960[85 (1) मेसर्से वस्तू विकास मंडल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एल० बी० सोनपारटे।

(भ्रन्तरिती)

को बहु बुक्श वारी करके प्राप्तित संपत्ति के कर्वन के बिए कार्यका द्विता कारका हो।

तकत सम्बद्धि के वर्षम के सम्बद्ध में कोई भी भारतेंप:---

- (क) इच् ब्रुचना के राज्यन में प्रकारन की तारीय से 45 किन की व्यक्तिय का सरकार्यों का स्वत्यों पर ब्रुचना की ताबीस से 30 दिन की सर्वाप, वो भी बक्तीय क्ला में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से सिक्ती स्वानित ब्रुवारा;
- (व) इस क्षेत्रा के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के गुरूर उक्त स्थान्द क्षेत्रात्व में दितनपुर्ण किसी नत्य ज्यानित क्षारा नथीक्ताकड़ी के पांच चित्रित में निष्णु वा सकेंगे।

बनभ्यो

फ्लैंट नं० 20, जो, 4थी मंजिल, एस० नं० 95 (श्रंण), मी० टी० एस० नं० 1070 (श्रंग), मिठानगर, रोड़, मुल्ंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई०-3/37-ई० ई०/14852/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद, मक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर ऋ(युक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–3, बस्बई

दिनांक: 8-7-1985

Mark State College Well and warming

आरापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा २६९-व (1) के नधीन सुब्जा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज→3, अस्बई

वस्बई, दिनांए 8 जुलाई 1985

सिर्देश सं० ग्रई०-3/37-ई० ई०/14762/84-85--- स्रतः मुझे, ए० प्रशतः

आयकर उपितियम, 1961 (1961 आर 43) (जिसे इसनें इसकें पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृख्य 1,00,000/- रहा. से अधिक है

और जिएकी संव पर्नेष्ट संव 18, जो, 4थी मंजिल, स्वामी नारायण दर्शन, डाव राजेन्द्र प्रसाद रोड़, एलव श्राईव मीव लालोनी के पमने, मृतुंड (४०), बम्बई—80 में स्थित है (श्रीर इक्षे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिएका लारायनामा श्रास्त्रीय श्रीविषम 1961 की प्राय 269 के खे श्रीत, बम्बई स्थित क्षेम प्राधिकारी के लार्थिय में रिजिस्ट्री है, दिनांच 1 नवस्त्र 1984।

को पूर्विश्वस सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिपत्त की निए जन्तितित की गईं है और मुफ्ते यह विश्वास करने को धारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूला, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का फुन्द्रल्भािक्षण में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और बंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्मिसिसित उद्योग्य से उन्त अंतरण निम्मिसिसित अं

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आप की वासक, उसक अधि जिसम के अधीन कर दोने के अन्तरक वी बायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा है निकार और /गा
- (स) एंसी किसी शय या किसी भन या जन्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय संयक्तर जिम्मियम, 1922 (1-2% को 11) या उक्त प्रधिनियम, एः धन-कर्ं ब्रिंगियम; 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनाय मन्तरिती सार्थ प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; कियाने में

बतः गर्व, उक्त विभिनियम कौ भारा 269-न के जन्तरन मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) मान में में कि असिस्थित व्यक्तियों, वर्षाह अ---

- (1) जमनाराम को-म्राप० हाउसिंग सोसाइटीं (नियोजित) (ग्रन्तर ६)
- (2) श्रीमती धनुभाई प्रागजी रतड़ा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्षन के जिला कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के छजन क संबंध में कोई भी बाक्षेष है---

- (क) इस सूचना हे राजरत में प्रकाशन की तारीण से 45 विन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी खबधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर शस्पत्ति में हितवड किसी सम्य स्थानित द्वारा, प्रधोतस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

•प•टी हरण :--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदी का, जा उक्त पंध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही सर्थ होया, जो उस सध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 18. जी, 4थी मंजिल, स्वामी नारायण दर्शन, डा० राजेन्द्र प्रसाद रोड़, एल० श्राई० सी० कालोनी के सामने, मलंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

प्रतुसूची जैसा कि कर संर ग्रई०-3/37ई०ई०/14762/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1--11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद, ःक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्राजैन रेज- ३, बस्बई

दिनांक: 8 - 7-- 1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइं. टी. एन., एस.,-----

बासकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्पना

बार्व बड्रमहर

कार्याबन, वहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्तिक)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांदा 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० ऋ६०-- 3/3 ७६० ६०/1 4761/8 4-- 85--- ऋतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर मिशिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्ण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, जो, तल माला, स्थामी नारायण दर्शन, डा० राजेन्द्र प्रसाद रोड़, एल० ग्राई० सी० कालोनी के समिन, मुलुंड (प०), बस्बई-80 में स्थित हैं (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्राधिनयम 1961 की धारा 269 व स्व के ग्राधीन, बस्बई स्थित भक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1 नवस्बर 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे अयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से मिथक है जीड़ अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण कि बित वे बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) नन्तरकृत शृह्द किती बाद की बादत, उनक् अभिनियम के स्थीन कर दोने के नृत्तरक के वादित्व में कवी करने वा कबसे नचने में स्विधा के शिए; शरि/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, बिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तः अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में कृतिया के लिए;

भतः जब, उसत जीभीनियम की भारा 269-ग की जनसरण में, में, उसत जीभीनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) की मधीन, निम्निचिसित व्यक्तियों, जभति :---

- (1) अनुगराम को न्याप० हार्जी भ सोसाइटीं (नियोजित) (अन्तरक)
- (2) श्री देवचंद चतुर्भुत अं.बतपुत्र ।

(भ्रन्तरिती)

की बहु सुचना बारी करके प्वॉक्त सम्पर्ति के अर्जन के श्लए कार्मवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण

- (क) इस सूचना के राजपत्र माँ जिलाशन की एरशंक अ 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिसरों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद माँ समाप्त होती हो, के भीतर पृथेंक्त व्यक्तियों में के किसी स्पनित द्वार;
- (क) इस स्वना के राजपण मां प्रकाशन करें तारीश स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हिसबद्ध किसी बन्य स्थावित द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित मों किए जा सकोंगें।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनते जीभीनयम, के नध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में १६ या गया है।

वन्त्रकी

फ्लैप्ट नं० 1, जो, तल माला, स्वामी नारायण दर्शन, डा० राजेन्द्र प्रसाद रोड़, ए५० श्राष्ट्री० कालानी के सामने, मुलुंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैना कि कर संर अई०-3/37ई० ई०/14761/ 84-485 और जो गक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ण्ड प्रताबः यक्षम प्राधिकारी, स**हा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज⊶3. बम्बई

दिनांक: 8-7-1985

माहर:

इक्ष शार्व ही एन एस् -----

वायकर विभिनियंत्र, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के स्थीन बुक्का

नावा बरकार

कार्यामय, सहायक मायकर मायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बद्द, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई०--1/37 ई० ई०/4609/84-85----- प्रतः मझे, पी० एन० दबे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति विश्वका उचित शाचार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिनकी मंज फ्लैंट नंज 14ए, जो, पहली मंजिल, धरम पलेस, हयुजेस रोड़ है तथा जो बम्बई-7 में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिनका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के खे के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राप्ति के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिलों उन्नवस्बर 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के अधिक बाजार मृख्य से कम के रहयमान प्रतिकत के सिए अन्तरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्विकत तम्पत्ति का उचित बाचाए भूल्य, उतके दृश्यमान प्रति-कत तो, इसे क्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिफल से अधिक हैं जॉर अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितौं (अंतरितियाँ) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकस, निम्नसिचित उव्यवस्य से उक्त अंतरण सिचित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से इन्हें किती जाय की बाबस, उक्स जिमितिक के जभीन कर दोने के बन्तरक के दासित में कभी करने मा उतसे कवने में सुविधा के जिए; जॉर्ट/बा
- (क) शंसा किसी बाय ना किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय भागकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कड़ विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनार्थ करहीरती क्यारा प्रकट नहीं किया नवा चा वा किया चना चा किया वा किया वा के दिवस के किया

बत: अथ, उक्त विधिनियम की भारा 269-% की अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1)

■ अधीन, निम्निवित व्यक्तिकों, वर्षाद क्र---

(1) श्रीमती गीता टंडन उर्फ राजश्री ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेनर्स एन० ग्रार० डायमंड।

(भ्रन्तरिती)

का वह तूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के खिड़ कार्यवाहिमा करता हुं।

जनत राज्यक्ति को जनकि के सज्यन्थ के कांग्रे भी बाखोर :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 विस की बनवि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीत से 30 दिन की अवधि, वो भी सन्धि बाद में सन्दर्भ होती हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्विश-वर्ष किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधाहत्त्वाक्षरी के पास मिसित में किए वा सकोंगे।

स्वाधिकरण :--- वृक्षमें प्रयुक्त कर्मी मौर पर्यो का, को उनक वृद्धिक्षिक के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होगा को उस मुध्याय में द्विका गया है।

मन्सूची

फ्लैट नं० 14ए, जो, पहली मंजिल, धरम प्रलेख, हयुजेस रोड़, बम्बई-7 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई०-1/37ई० ई०/4486/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, धम्बई द्वारा हिन्तंवः 7 नवम्बर 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० दुवे, पक्षम प्राधि गरी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंग-1, बम्बई

दिनों तं : 9-7-198**5**

मोहर 🗓

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांशय, सहायक आयकर आग्रवस (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, वस्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-1/37ईई/4576/84-85—अतः मुझे पी० एन० दबे

नाथकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसं ध्वको ध्वको प्रशाद 'उन्त निधिनयम' नहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जितका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 705, जो, 7 मजिल इमान्त न० 1 ''सुमेर टावर्स'' लब लेन, गेठ मोतीशा रोड, माझगाव, बम्बई—10 है लया जो बम्बई—10 में लिया है (और इसमें उपाबद्ध प्रनुपूची में और पूर्ण का से विज्ञा है), और जिसका अधीन आयकर अविकित्स, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित अक्षम प्राधि गरी के वार्यान्य में रजिस्ट्री है, विनांक नवम्बर 1984।

को पूर्वोक्त तम्परित के उचित बाजार बूल के कब के क्षत्रज्ञान बितिफल के लिए अर्तारत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार याच्य इसके क्षत्रमान प्रतिफल को एखे क्षत्रमान प्रतिफल का पत्थह बित्वत से अधिक है और जन्तरक (बंतरनों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तक पावा बजा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उन्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक कण से कथित नहीं किया नया है :---

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम को जभीन कर दोने के अन्तर्क को दायित्व में कनी करने या उससे न्यने में सुविधा को सिंग्; बॉर्/बा
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी भन या नन्य नास्तियां को जिन्हों भारतीय नायकार निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया का भा या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुनिधा में विश्वा

कतः जब, उक्त विधिनियम का धारा 269-ग के बनुसर्थ मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मे तर्श सुमेर असानिएटन ।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीमती कमना देवी अनराजनी चोपड़ा,और श्री प्रभय कुमार अनराजनी चोपड़ा ।

(भ्रन्तरिती)

(3) बिल्डर्स । (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अनिध या तरसंबंधी अमित्रयों पर सुमना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवास;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास बिचित में किए जा सकरेंगे।

विक्र प्राप्त का का स्था कीर पर्वो का, को उसके कि भिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

राज की

फ्लैंट नं० 705, जां, 7वीं मंजिल, इमारत नं० 1, "मुमेर टावर्स", लच लेन, षोठ मोतीशा रोड़, मासगांच, इम्बई- 10 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई०- 1/37-ई० ई०/4634/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक: 7-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> भीं एत्र दुवे मधन त्राधि त्रोते, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज-1, **बम्बई**

दिनोंक: 9-7-1985

प्रस्थ बार्ड, दी. एन, एस,------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाडा 269-म (1) के बधीन स्थान

भारत सहकार

कार्यातम, सहायक भायकर वायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई,दिनांक 9 जुलाई 1985

निवेश सं० अई-1/37ईई/4819/84-85---अतः मुझे, पी० एन० वृबे

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इत्तर्वे इसको परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 263 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वात करने का धारण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाचार मृस्व 1,00,000 /-रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1402, जो 14 वी मंजिल इमारत नं० 1, ''सुमेर टावर्स,' लव लेन, शेठ, मोतीशा रोड, माझगांव, बम्बई-10 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणत है) स्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 28-11-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वाद करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में द्रास्त्रीक रूप से किया नहीं किया गया है :--

- (क) कलारण सं हुई किसी बाव की वावत, उसा अभिनियम के अधीन कर दोने के कलारक के वाजित्व में कमी करने या उससे वचने में मृतिभा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य नास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपने में सविधा के सिए;

बात: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्मसिवित व्यक्तित्वों, बंधात् :--- 1. मैंसर्स सुमेर एसो शिएटस ।

(अन्तरक)

2. श्री पुखाराज प्रथ्वी राज कावेडिया।

(अन्सरिती)

3 बिल्डर्स

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) का गह सूचना बारी करके पृथिक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कांई भी बाक्षेप --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियाँ।
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-कः में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्तुवी

फ्लैट नं० 1402, जो 14 वी मंजिल, इमारत नं० 1, "सुमेरटार्स", लवलेन, शेठमोतीशा रोड, माझगांव, अम्बई-10 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-, 37ईई, 4943/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 28-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दु^{ने} सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) **अर्जन रेंज-1, बम्बई**

दिनांक 9-7-1985 मोहर: प्रक्रम आहे. टी. एन. एस.-----

भागकर निभिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत संस्कार

कार्यासय, सहाथक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्रण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेश सं० अर्द-1/37ईई/4521,84-85—अप्तः मुझे, पी० एन० दुवे

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात उक्त अभिनियम कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा से अभिक ही

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1102, जो 11 वीं मंजिल, इमारत, नं० 1, "सुमेर टावर्स", लव लेन, शेठ मोतीशा, रोड, माझगांव, वम्बई-10 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप मे विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है दिनांक 7-11-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूस्य से कम के दरवमाण प्रतिफल के सिए बन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिस्ता बाबार मूस्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जौर कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं बन्दरण के सिए, तब पाया गया प्रतिफल निम्मलिखत उद्योच्य से उचित अन्तरक किया गया है :—

- (क) अन्तरण ते हुई फिली बाव की आवस, उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के सायित्व में केनी करने या उससे वचने में बुविधा के लिए; वरि/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट महिं किया नय। वा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधा के सिए;

जर्तः अस, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ा, में, उवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीर क्रिम्नलि**वित स्पन्तियों, अधीत**ः—— 1. मैसर्स सुमेर एसोशिएट्स ।

(अन्सरक)

- श्रीमती पवन संपत्तराज जैन, ग्रार
 श्री संपत्तराज ग्रोटारमल, जैन (एच० यू० एफ०),
 (अन्तरिती)
- 3. बिडर्स ।

(बहुब्य देत जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को बहु सूचना बारी करके पृवास्ति सपरित के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां कारता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाध्येप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिंग की जबिंग या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की ताबीस से 30 दिन की व्यक्ति को भी जबिंग बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यापः
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहरनाक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

भ्याच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषिषे ही, यही अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया यस है।

मनुसूची

पलैट नं० 1102 जो 11 वीं मंजिल, इमारत नं० 1, सुमेर टावर्स, लव लेन, शेठ मोतीशा, रोड, माझगांव, बम्बई-10 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि कि सं अई-1,37ईई,440,84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 7-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-1, बम्बई

दिनांक: 9-7-1985

मोहर 🛙

प्रकृष बाह्र . टी. एन. एस. '-----

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षप, सहायक नायक र नायुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बम्बई बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेश सं० अई- 1_l 37ईई, 4708_l 84-85--अतः मुझे, पी० एन० दुबे

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भाव 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाचार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, जो ममता अपार्टमेन्ट्स, विग डी. 1 ली मंजिल, प्लाट नं० 926, टी० पी० एस० नं० 4, माहीम, विभाग, न्यू प्रभादेवी रोड, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) श्रीर जिसका कर रनःमा अध्यकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 17-11-1984

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरवमान प्रतिफल का कृत्व प्रतिकृत का कृत्व प्रतिकृत संपत्ति के विश्वास से विश्वास के विश्वस के विश्वास के विश्वस के विश्व

- (क) जन्तरक से हुई किमी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार्/या
- (भ) एसी (कसो आय या किसी धन या बन्य बास्तियों का. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या टक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था छियाने में सुविधा के लिए,

अतः बंब, उक्त व्यधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिबस व्यक्तियों, वर्धात् :--- 1. मैसर्स गुदेवा बिक्ष्डर्स ।

(अन्तरक)

 श्री अर्राबद गगपनलाल कोठारी, भ्रौर श्रीमतो लीलावती, गणपत्तलाल कोठारी ।

(अन्तरिती)

कां यह बूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुई।

इक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारींव रं 45 दिन की जनिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी जनिध काद में समान्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वार;
- (क) इक सूचना के ग्राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में कियू जा सर्वींचे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वका है।

बन्स्की

पर्लंट नं 11, जो ममता अपार्टमेन्टस, विंग डी. 1ली मंजिल, प्लाट नं 926, टी० पी० एस० नं 4, माहीम विभाग, न्य प्रभादेवी रोड, बस्बई में स्थित है।

अनुसूत्री जैसा कि कि सं अई-1/37ईई, 4459/84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा, दिनांक 12-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

पी० एन० धुबे मक्षम प्राग्धकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 9-7-1985

मोहर ;

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 209-थ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सदायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-1_| 37ईई_| 4633_| 84-85---अपः मुझे, पी० एन**० द**बे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से एधिक है

भीर जिसकी मं० भीटोगिक यनिट नं० 12, जो पहली मंजिल, "अमीर इंडस्ट्रियल इस्टेट", सनिमल कम्पाउन्ड सनिमल रोड, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित हैं (और इससे उपाबह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 7-11-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापवेंकित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल है, एमें इश्यमान प्रतिफल का पन्दा प्रति के विकास करने का कारण है कि यथापवोंकित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल है, एमें इश्यमान प्रतिफल का पन्दा प्रति का निए तब पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देच्य में उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त शिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वाजित्व में कमी करने वा उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्हरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की न्यधारा (1) के अधीन, निस्निलियत न्यक्तियों, अर्थातः — 34—196GI|85 1. श्री अमीर अली आर० जाफर।

(अन्सरक)

2. साहील स्टाईल्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरि।

स्वव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

धौद्यो गिक यूनिट नं० 12 जो पहली मंजिल "अमार इंडस्ट्रियल इस्टेट" सनमिल कम्पाउन्ड सन मिल रोड लोअर परेल बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-1,37ईई,4516,84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∉1, बम्बई

दिनांक: 9-7-1985

मोहरः

इक्ष्म बाहे, ही, एन, एक, नन्न

बायकर बरिधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 जुलाई, 1985

निदेश सं अई-1/37ईई/4635/84-85--अत: मुसे पी० एंन० दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं श्रीद्योगिक यूनिट नं० 3, जो पहली मंजिल, "अमीर इंडस्ट्रियल इस्टेट", सनमिल कम्पाउन्ड सनमिल रोड, लोजर परेल बम्बई-13 में स्थित है (श्रीप इससे उपाबद्ध अन्सूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विज्ञात है) श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 7-11-1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के तिलत बाजार मन्य स कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोस्य से उक्त अंतरण निकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक क दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्ता, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति जिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृत्रिया के लिए.

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-मध के अनुसरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-म की उपधारा (1) के अध्येर, विकासिकित व्यक्तियों, अर्जात :--- 1. श्रो अमीरअली अ।र० जाफर ।

(अन्तरक)

2. हाहील ट्रस्ट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

रमश संपति के अर्थन के संबंध से कोई भी साक्षेत्र :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की वविध या तत्सम्बन्धी क्यित्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बन्धि, जो भी वविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकतेंगे।

स्पर्व्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

श्रीशोगिक युनिट नं० 3, जो पहली मंजिल "अमीर इडस्ट्रियल इस्टेट" सन मिल कम्पाउन्ड सनमिल रोड लोअर परेल ईम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि कि० सं० आई-1,37ईई/4518/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन**० दुवे** हक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग 1, बम्बर्ड

विनांक: 9-7-1985

प्रकथ आई.डी.एन.एस.-----

बायकर निर्धाननव, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्थानव, सहायक गायकर भागूक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 1 वम्बई बम्बई,दिनांक 9 जुलाई, 1985

निदेश सं० अई-1,37ईई,4634,84-85,--अतः मुझे, पी० एन० दुवे

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उन्नस अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्भावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं श्रीबो गिक यूनिट नं 13, जो पहली मंजिल "अमीर इंड स्ट्रियल, इस्टेट", सन मिल कम्पाउन्ड, सन मिल रोड लोअर परेल बम्बई-13 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधियम 1961 क धारा 269 कख के अधीन बम्बई में श्रीधकारी के कार्यालय बम्बई में राजस्ट्री है दिनांक 7-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान श्रीतफल को लिए अन्तरित को गई है और मुझे सह निववास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मीटत का उभित वाकार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया पया प्रतिफल, निम्नतिश्वित उद्वयेष से उक्त अंतरण लिश्वित में बास्तरिक कम से किया नहीं किया गया है क्ष-

- (क) अन्तरण हे हुई किमी शाय की बाबत, उच्छ अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी कारने या उक्क वचने में बुबिधा के लिए; और/बा
- (बा) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने यें सुविधा के लिए;

अतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निस्तृतिकित अभिन्तवों, वर्षांत क्षान्त 1. श्री अमीरअली आर जाफर।

(अन्तरक)

2. श्री आर० मेन्सवेअर।

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के न्तर् कार्यवाहियां करता हो।

उनत संपति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारांश म 45 दिन की बनिध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रब्भ किसी जन्म स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कागे।

स्थव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कथी और पदों का, को उक्त किंपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया। गवा हैं।

वर्ष्यी

ग्रीबोगिक यूनिट गं० 13, जो पहली मंग्जिल, "अमीर इंडास्ट्रेयल इस्टेट" सनिमल कम्पाउन्ड, सन मिल रोड, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि ऋ० सं० आई-1/37ईई/4517/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 7-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक 9-7-1985 मोहर:

प्रकृत वादी, दी . एन . एवं . -----

भाषक ११ विभिन्निम, 1961 (1961 का 43) की भाष भारा 269-व (1) से अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यानथ , सहायक भागका आयुक्त (निरीक्षण) सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेअ रेंज-1, बम्कई बम्बई, दिनांक 9 जुलबई, 1985

निदेश सं० अई-1/37ईई/4632/84-85---अतः मुझे, पी० एन*०* दुबे

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं भौद्योगिक यू नेट नं 4, जो पहली मंजिल, "अभीर इन्डस्ट्रियल इस्टेट", सन मिल कम्पाउन्ड, सन मिल रोड, लोअर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है दिनांक 7-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उनित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफास के लिए जन्तरित की नई है और मुक्ते यह निश्नास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उपित बाजार मृद्य, कहके क्यमान प्रतिफास से, एसे क्यमान प्रतिफाल का पन्यह प्रतिचत से मिष्क है और मंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (जंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय गाया गया प्रतिफास निम्ननिश्चित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में नास्त्रीक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- कि वंतर्य वं हुई कि वी बाध कर्त वावर, उक्त वाधिमित्र के वाधीन कर दोने के वंतरक के वाधिस्य में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के सिद्ध; और/वा
- (च) एंसी किसी नाथ या किसी भन या अन्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय आमकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, बा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की सिक्;

बर्धः अय, अक्त साँभनियमं की भारा 269-ए को समृत्रस्थ माँ, माँ, उस्त सिभिनियमं की भारा 269-ए की उपभारा (1) मुँ सभीन, निम्नुलिखित् व्यक्तित्यों, सर्वात :---- 1. श्री अमीरअली आर० जाफर।

(अन्तरक)

2. साहील ट्रस्ट।

(अन्सरिती)

का वह सुमना चारी कारके प्रशिक्त सम्मित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त कम्परित के मजैन के तम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविश्व या तत्सी में ध्रावितयों पर सूचना की तानीत से 30 दिन की अविश्व, जो भी जनिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उपता स्थावर सम्पत्ति में हितवपृथ किसी सन्द स्थानत ब्नारा, नथोहस्ताकारी के पास लिखित में किसे का सकींगे।

स्पब्दिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, जो उक्त विभिनियम के मध्यान 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा करे उस अध्याय में दिसा गुर्सा है।

and the

भोचो। गक यूनिट नं ० 4 , जो पहली मंजिल, "अमीर इंडस्ट्रियल इस्टेट", सन मिल कम्पाउन्ड, सन मिल रोड, लोअर परेल, अम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-1/37ईई/4515/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिक।री बम्बई द्वारा, दिनांक 7-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे नक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 9-7-1985 मोहर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई,दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-1/37ईई/4636/84-85---अतः मुझे पी० एन० दुबे

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भ्रमके पर्वे प्रकृत (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

स्रीर जिसकी सं श्रीद्योगिक यूनिट नं 11, जो पहली मंजिल, "अमीर इंडस्ट्रियल इस्टेट," सन मिल कम्पाउन्ड, सन मिल रोड, लोअर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) स्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 7-1-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास रने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं भीर अंतरिक (अंतरितयों) के भीर अंतरिती (अंतरितयों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित महों किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीर, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री अमीरअली आर० जाफर ।

(अन्तरक)

2. साहील स्टाईल्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, अरे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंचे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

ग्रौद्योगिक यूनिट नं० 11, जो पहली नंजिल, "अमीर इंडस्ट्रियल इस्टेट", सन मिल कम्पान्ड, सन मिल रोड लोअर परेल, बम्बई-13 नें स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/4579/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा, दिनांक 7-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 9-7-1985

ष्ट्रक्ष बार्चः टी. एन्. एस. ----

बाब्कर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बधीन सुचना

बारत बच्चल

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1985

निक्श 'सं० ग्रई-1/37ईई/4549/84-85—- ग्रतः मुझे पी० एन० दुबे

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं शिक स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 101, जो 1ली लंजिल, बुस्सा हैवी इंडस्ट्रियल इस्टेट, बुस्सा हैवी इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्रिमायसेस को-ग्राप० सोसायटी, लि०, हनुमान लेन, लोग्रर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 7-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक वें दावित्य में कमी करने या उसमें बचने को जिल्हा के बिद्द: बीर/बा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में ख्रिशा के लिए;

वतः वस, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण कं वनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, नित्नु :— 1. मैसर्स ग्ररिस्टो ट्रेडर्स प्रा० लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्स कोलोर लैंब्स।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

्उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकिंग व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्कृता के राज्यन में प्रकाहन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-वहुत्र किसी बन्य स्थावत स्थाहरताक्षरी के पास निविद्य में किए वा सकते ।

स्पच्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ डांगा. को उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

यूनिट नं० 101, जो 1ली मंजिल, बुस्सा, 'हैंबी इंडस्ट्रियल इस्टेट, हनुमान लेन, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई /4418/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 7-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक: 9-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 1, बध्यई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदश सं० म्रई-1/37ईई/4756/84-85—-भ्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उव्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिनको सं० गाला तं० 7, जो "भारत इंडस्ट्रियल इस्टेट ठोकरसी, जीवराज रोड, सिवरी, बम्बई-15 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम 1961 की धारा 269 कला के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 26-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का अधिन बाजार कृष्य, उत्तके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के मिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निलिश्त उत्देष्य स उप्न अन्तरण जिस्ति में वास्त्रविक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुइ किसी नाय की नाबत, धचत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में अभी करने या उससे वचने में प्रविधा के लिए; और या/
- (क) एंसी किसी अब या किसी अन या बन्य जान्सियां क्यों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक बों, बों, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अर्थन अपटिलिसित क्यक्तियों, अभिनः— 1. श्रीमती लाजबंती चुनीलाल तलरेजा।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स एक्सकैलिबर ।

(ग्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरिती ।

(बह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्तिहै)

को नह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अयक्तियों पर स्वाना की तामीस से 30 दिन की जबिथ, वो भी जबिथ बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रॉक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबब्ध किसी अन्य स्थावित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गात लिखित में किए जा सकांगे।

स्वक्षांकरण:--इसमं प्रयापत कर्ना और पदों का, जो उनते जिल्हा कि पिरभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वर्षा है।

वनसंची

गाला नं० 7 जो, 'भारत इन्डस्ट्रियल इस्टेंट, ठोकरसी, जीवराज रोड, सिवरी, बम्बई-15 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/4149/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा, दिनांक 26-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 9ब7-1985 मोहर 🖫 प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज,-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1985

निवंश सं० प्रई-1/37ईई/4592/84-85—प्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूख्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

गीर जिसकी सं अधिक ह श्रीर जिसकी सं अधिक युनिट नं 212, जो 2री मंजिल, नारायण उद्योग भवन, डां बीं श्रम्बेडकर रोड, लालबाग बम्बई-12 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की घारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 7-11-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबतं, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्हिलिक्षत व्यक्तियों, वर्धात् :---

- 1. मैसर्स लाहेरा, प्रिन्टर्स, श्रौर मैसर्स हीरा श्रार्टेस,
 - (भ्रन्तरक)
- 2. मैसर्स जै०पी० एग्ररकूल सर्विसेस। (ग्रन्तरिती)
- मैसर्स पटेल, हाउसिंग फायनेन्स, एण्ड कन्स्ट्रक्शन्स (प्रायवेट) लिमिटेड।
 (बहुब्पवित जिसके प्रधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पृषेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयम्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में रिसाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्वी

सर्विस यूनिट नं० 212, जो 2री मंजिल, नारायण उद्योग भवन, डा० बी० श्रम्बेडकर रोड, लाल बाग, बम्बई-12 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्राई-1/37ईई/4645/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 7-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक 9-7-1985 मोहर : प्ररूप बाहें. टी. एन्. एव्.=--=

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायसिव, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज 1, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्धेश सं० ग्रई-1/37ईई/5402/84-85—भ्रत: मुझे पी० एन० दुवे

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० भ्राफिस नं० 401, जो 4 थी मंजिल, ट्रापिनेक्स, हाउस, शोलापुर स्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित हैं (श्रौर इसमे उपा-बद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप मे वर्णित हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 7-11-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से आधक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सविधा के किए;

ख्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) भे अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---35.—196GI|85

- मैसर्स प्रदीप रोडवेज, प्रोप्राइटर, हरभगवान बेहल (अन्तरक)
- श्री सन्त सिंह डी० वासन श्रीर श्री जमबीर सिंह वासन ।
 (ग्रन्तरिती)

का यह मुचना जारी करकं पृथोंक्त संस्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जनिध या तस्सम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी जनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित स्थितियों में से किसी स्थित ब्यानित ब्यानित इंगरा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन को तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्राफिस नं० 401, जो 4थी मंजिल, ट्रैपीनैक्स, हाउस, शोलापुर, स्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/4481/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 7-11-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दु**वें** सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनोंक 9-7-1985 ----

मोद्धर :

प्रकम् आर्थः दीः एतः २२४ ---

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज I वस्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई, 1985

निदेश संब्छई-1/37ईई/4649/84-85——ग्रनः मुझे पी० एन० दुवे

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वप्रम करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिमका उच्चित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 341, जो इमारत, नं० 3, एम० एम० एम० नगर, कोलीवाडा, बम्बई-37 में स्थित हैं (शॉर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारतामा आयकर श्रिधितयम, 1961 की धारा 269 कला के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 17-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ध हैं और मूम्में यह विश्वास करने का कारण हैं कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय धाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश्य से उक्त अन्तरण विशिष्त भें जास्तिक रूप में जीयन नहीं निशा गया है:——

- (क) मन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रीध-निवस के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कसी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए, धीर/शा
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों करे, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1932 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गयः भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुनिष्ण भे निर्ध:

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग की अन्मरण है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-थ की उपधारा () है करीन कि जिल्लाकिक न्यक्तियों, कर्षात हुन्न

1. श्री सुनील ग्रार० मतानी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री पीताम्बर, गेरीमल नारंग।

(ब्रन्करिती)

अन्तरिती ।

(बह व्यक्ति जियके श्रधिभीग में समातिहै)

की यह सूचना जारी करक पृत्रोक्द सम्परित के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोकत अविवयों में से किसी स्पिक्त अवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए शा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया के गक्षा है।

वनसूची

फ्लैंट नं० 341, जो इमारत नं० 3, एस ० एस० एस० नगर, कोलीवाडा, बस्वई-37 में स्थित है।

श्रन्भूची जैना कि ऋ० सं० श्रई-I/37ईई/4548/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 17-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे यक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जनरेंज1, अस्यर्द

दिनांक : 9-7-1985

ंह्रर :

प्ररूप बाह्र . टी. एन्. एस् , ननपन्थसननन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई०-1/37ईई/4725/85-85--श्रनः मुझे पी० एन० दुवे

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जिक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करन का कारण है जि स्थावर स्थानि, एजन्यर स्थित बाजार माल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी मं० फ्लैट नं० 301, जो नल माला, न्यू एम० एस० नगर, कोलीवाडा, बम्बई-37 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबढ़ भ्रमुस्वी में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिएका करा नामा श्रीयकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों क कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 17-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाबार मूस्य से कम के बक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाबार मूस्य, उसके सम्मान प्रतिफल से एरो सम्पत्ति प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिक्षत से विधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया नवा प्रतिकस, निम्नीमित उप्नेष्टें किया पता है हम्म

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी अध की वावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में स्विधा क लिए; और/या
- (ड) एसी किसी शन ६। किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निचित् व्यक्तियों, अभिन ६—- श्रीमती कलावती, पी० मेरानी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री लक्ष्मण एच० नरवानी, श्रीर प्रकाश एच० नरवानी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्बन्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ु---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के हाजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पट्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवा का, वो उक्त निधिनयम के नध्याय 20-क में पीरभावित है, नहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विवा नवा है ।

नगराची

पनैट नं० 301 जो तल माला, न्यू एस० एस० नगर, कोलीवाडा, वम्बई-37 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ऋई-1/37ईई/4472-84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 17-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-1, बम्बई

दिनांक : 9-7-1985

मोहर ः

प्रकृत कार्यः द्वी<u>. एस . एस . =----</u>--

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नधीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्स (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 जुलाई, 1985

निर्देश सं० म्राई-1/37ईई/4570/84-85--म्रतः मुझे, पी० एन० दुबे,

भायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० P/12, जो तस माला, णंकर माणेकर, मार्ग, दादर, बम्बई-25 में स्थित है (श्रीर इससे उपा- बद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनाक 7-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के धरयमान प्रतिफल को **अ**न्तरित गष्ट* **ਕਿ**ਦ की और म्भ्रे विद्वास करने का कारण सम्पत्ति का उच्ति बाजार मृल्यः, उसके धरयमान प्रतिफल से,, एसे दरयमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं गया £, E---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी भर या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्ब के अनुकरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-म्ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मैसर्स सिल्बर बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

 श्री प्रयाग एल खजान्ची, श्रीर श्रीमती सुशीला, पी० खजांची।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद्व सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतार;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वेकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गमा है।

ग्रनुसूची

दुकान नं० ए/12, जो तल माला, णंकर घाणेकर माग, दादर, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-1/37ईई/4628/84-85 और जो सक्षम प्राथकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 7-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 9-7-1985 माहर : प्ररूप बार्च . टी . एन् . देश . ------

बावकर विधिवयन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्वना

भारत सरकार

कार्वाक्रय, सङ्घावक आवकर भावक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 9 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ग्राई-1/37ईई/4505/84-85—-श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

कायकर अधिनियम, 196/1 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं दुकान नं 12-सी, जो जयन्त श्रपार्टमेन्टस, अप्पानाहेब, मराठे मार्ग, ल्यूकस इंडियन सर्विसेस लिमिटेड, के सामने, प्रभादेबी, बम्बई-25 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 7-11-1984,

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यभापुनीक्त सम्मत्ति का उभित बाबार मूल्य उसके श्वयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंषह प्रतिवत्त से विश्व है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितिवाँ) के कीच ऐसे अंतरण के सिए तब पाया गया प्रति-फल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाल्यविक स्थ में कथित महीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के ग्राप्टियन में कभी करने या उसने वचने में सुनिधा के किए; बीड/वा
- (स) इंबी किसी बाय पा किसी धन या सम्ब धारितयों को, जिस् धारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत विधियम, या धनकार विधियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ सन्तरिती त्यारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना लाहिए था, कियाने वें स्थिया के किए;

जतः अव, अक्त जीधीनयज्ञ की धारा 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियज्ञ की धारा 269-व की उन्धास (1) के अभीन_{की} निकासिका क्योक्सको, अर्थास् करू श्री एच० ई० एल० फर्नान्डीस भौर श्रीमती सिसिलिया फर्नान्डीस ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री बी० जी० वानी, श्रीमती एस० बी० वानी, श्री जगदीश वानी, श्री विपिन वाणी, श्री बलदेव वाणी, ग्रीर श्री लालजी वाणी।

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकासन की तारीच से 45 बिन की सविध या तरसम्बन्धी स्वित्तकों एर सूचना की तासील से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के एक्पण में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन के औतर सक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

लाकाकरण:—इसमें प्रयुक्त प्रव्यों और पर्यों का, हो उक्त विभिन्निया, के बच्चाव 20-क में परिभाषिय हाँ, वहीं वर्ष होगा को उस अप्याप के दिया वर्षा हैं।

यनुसूची

दुकान नं 12-सी, जो जयन्त श्रपार्टमेन्ट, श्रप्पा साहेब मराठे, मार्ग, त्यूकस इंडियन सर्विसेस लि० के सामने, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० श्राई-1/37ईईई/4386/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 7-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक : 9-7-1985

भाहेरु 🛚

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.-----

1. श्रीरूपचन्दर्टा० ग्रहजा।

(ग्रन्तरक)

2. डा० सुरेश गुप्ता।

(भ्रन्तरिती)

नाथकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43), 🖷 धारा १६७-छ (१) भै सधीन स्थान

मारद दरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (गिर्धामण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई/3496/84-85--- ग्रतः मुझे, पी० एन० दुबे,

बायकार आधिनियम, 19% (२५61 का 43) (विसे इतमें इसके परचात् जनत शिक्षानगर कहा गया 👸), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० फ्नैटनं० 13, जो, दरवेश निवास, प्लाट नं० 257, सायन पूर्व रोड, बम्बई-22 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कव के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 22-11-1984,

को पूर्वीयत सम्पत्ति को जीपत बाजार मृल्य से कम के उक्समान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथाएगोंक्ट संपत्ति का उचित बाबार भृत्य, उसक दश्यमान प्रति।फल से, एंसे **दश्यमान प्रटिफल का** मंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (मन्तरितियाँ) के शैक्ष एसे अन्तरण के सिए तथ पामा गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्दोरय सं उक्त अतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण हे हाहै किसी वाय की **बाबत उक्त वधि-**नियम के अभीन कार दोने के बन्तरक के दाबित्य मी काणी आपने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/धा
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्षा, रताल का कार प्रमुख्य <mark>क्रोधीनस</mark>स् । १**९७**० (1522 के 17) त जन्म अधिनियम, या धन-कर प्राथमिक 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरितौ युवारा प्रकट नहीं किया वया थाया किया थाना चाहिए था, फियाने में सुविधा केलिए;

वतः वयः, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के वनुसर्व में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-**य की तपधारा (१)** के अधीन, निम्नलिकित यक्तियों, तक्षेत् ---

का बहु सुकता आर्ग करक प्रायश सम्पादस का अर्थन के लिए कार्ययाध्या करता 💰 :

अवत सम्पति के वर्षन के सम्बन्ध में के ^{हिन} भी वाक्रोबध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया 8 ।

श्रनुसूची

फ्लैट नं० 13, जो, घरवेश निवास, प्लाट नं० 257, सायन पूर्व रोड, बम्बई-22 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/3678/84-85 भीरजो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 22-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 10-7-1985

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (¦) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/4782/84-85—ग्रतः मुझे, पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम'कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं एलैंट नं 17 बी, जो 17 वीं मंजिल, हीरा पन्ना, इमारत, सी एम नं 738 (ग्रंश), मलबार स्रौर खंबाला हिल डिवीजन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप में विणित है) सौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 30-11-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान वितिष्ठल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिष्ठल से एसे दश्यमान प्रतिष्ठल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित भें बास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) करतरण म हुइ किसी बाब की बाबत, उक्त श्रीधनियम के तथीर दार उसे के अन्तरक की दाबित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा को लिए: बीर/मा
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, स्थिनने में सविधा औ लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां. अर्थात् :— 1. श्रीमती सुरज जैन ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती कांता सोलंकी।

(ग्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

क्यें यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

र कत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन को बर्वीध या तत्र लें ती स्थासित माँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर खाकित हों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के खजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के लक्ष्णाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अन्स्ची

फ्लैंट नं० 17 बी, जो 17 वीं मंजिल, हीरा पन्ना इमारत, सी० एस० नं० 738(श्रंश), मलवार ग्रौर खंबाला हिल डिवी-जन, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-I/37ईई/4695/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारो वम्बई द्वारा, दिनांक 30-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पो० एन० दुवे
मक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक 5-7-1985

प्ररूप **बाइं.टी.एन.एस.-----**--

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के बभीन सुचना

भारत सरमार

कार्यामय, सहायक भागकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1985

निदेश सं० श्रई-1/37ईई/4501/84-85---श्रतः मुझे, ची• एन० दुवे

बावकर विभिन्नमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें बुहुको परवात् जिस्त विविचिम कहा गया है), की धार 269 व के बधीन संक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं

फ्लैट नं० 3, जो प्लाट नं० 16, "मकानी मनोर", पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा स्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 7-11-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के करवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विद्यास करने का कारण है कि संशापूर्वोक्त सम्मतित का उचित बाजार मृत्या, उसके दृदयमान प्रतिफल से, ऐसे दृदयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए इस पासा गया प्रतिफल्प, निम्निसिवत उद्वोध्य से उन्तर अन्तरण विश्वत में बान्तिविक कप से किशत नहीं किया नहा है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त स्रीभिनियम के स्थीम कर देवें के अन्तरक के दाजित्य में कानी करने का उससे क्षाने में सर्विधा के लिए; और/सा
- (च) एसी किसी बाब का किसी भन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था के किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा में स्विधा में स्विधा में स्विधा में स्विधा में स्विधा में स्विधा में स्विधा

कतः जब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, अकत अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— मैं तर्स शिव गोपाल इन्वेस्टमेन्ट एंड ट्रेपिंग, कंपनी प्रायवेट लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती श्रजाझ मोहम्मद श्रली पाटणकर, श्रौर डा० मोहम्मद श्रली, पाटणकर ।

(ग्रन्तरिती)

को नह स्वमा नारी करके प्रतिकत संपत्ति के वर्तन के जिए कार्यमाहियां शुरू करता हूं।

उन्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाओप ह--

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र बूचना की तामीस से 30 दिन की जनधि, जो भी जनधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए का सकते।

स्यम्बीकरणः - इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वों का, को उनस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विमा प्रा क्रिया

वयुक्ती

फ्लैंट नं० 3, जो प्लाट नं० 16, "मकानी मनोर", पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संर श्रई-I/37ईई/4382/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंजरि, बम्बई

दिनांक: 5-7-1985

इक्य बाइं.टी.एन,एस.-----

नामकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/4809/84-85—म्ननः मुझे, पी० एन० दुबे,

कावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उपत मिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-स के अभीन सक्षम प्राभिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से जिथक हैं

ग्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 326, जो 3 री मंजिल, चंपकलाल इंडस्ट्रियल इस्टेंट प्लाट नं० 105, सायन कोलीवाडा रोड, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रिधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 28-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूस्य से कम के क्लबान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह किस्वाच करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उक्ति बाजार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पंक् प्रतिकत से जिसक है और अन्तरका (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरि-तियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पासा नया प्रतिफल, निम्नसिवित उक्वरेय से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए: और/बा
- (ब) ऐसी जिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिन्हें नारतीन नाय-कर निधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त नीधीनवम, या धनकर विकित्सम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती ब्नास प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुविधा के निए;

बतः नव, उक्त वॉभीनवभ की भारा 269-न के अनुतर्भ में, में उक्त अभिनिवस की भारा 269-न की उपभारा (1) के अभीन निवासिक स्वित्वों, वर्षात् ह—— 36—196GI/85

- मैसर्स फुर्जा इलैक्ट्रोनिक्स प्रायवेट लिमिटेड । (भ्रन्तरक)
- 2. मैंसर्स ग्रनुपम प्रिन्टर्स ।

(भ्रन्सरिती)

3. भ्रन्तरिती ।

(बह व्यक्तिः जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के जर्जन के जिए कार्यकाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन रहे तंबंभ में करेड़ों भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अवधि या तत्संत्रीभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, को भी अविच का में सवधि होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ड स्विकत्यों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष . किसी अन्य स्थित खुबारा अधोहस्ताक्षरी के वाज विकास में किए जा सकींगे।

स्वच्छीकरण:----इसमें प्रयुक्त कटों और पदों का, जो उक्त जीभीनयम के कभ्याय 20-क में परिभाविक ही, वहीं कभी क्षोगा, जो उस अभ्याय में दिवस नवा ही।

अनुसूची

यूनिट नं० 326, जो 3री मंजिल चंपकलाल इंडस्ट्रियल इस्टेंट प्लाट नं० 105, सायन कोलीवाडा रोड, सायन (पूर्व) बम्बई-22 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कल संल ग्रई-1/37ईई/4929/84-85 श्रौरजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 28-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1 वस्वई

सारीख : 5-7-1985

प्रकार वाही, दी . एन . एस . -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्त भाग 269-व (1) में मधीन सूचना

RIDE STATE

कार्यासय, सहायक वायकर नायकत (निराज्ञण) मर्जन रेंज-1, नम्बड

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1985

निर्देश सं० मई 1/37 ईई/4710/84-85—मतः मुझे पी० एन० दुवे

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (रिक्से इतमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गना हों), की करा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विस्थास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, पिसका खिनत बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 121/ए, जो, 12वी मंजिल, हिरा पन्ना, जंक्शन श्राफ भुलाभाई देसाई रोड, ताडदेव, बम्बई 34 है तथा जो बम्बई 34 में स्थित है (श्रीर इससे उपावक मनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 17-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य वे कम के स्वयान प्रतिकल के लिए जंतरित की गई है और मृत्ये यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का पन्त्रह अतिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण जिन्दित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया नमा है "——

- (क्षा) अन्यरण ते हुई किसी बाद की बावक, क्यक अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्यक्रक की तायरण में अभी करने या उक्के स्थाने में बुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी भार या किसी भन या बन्ध बारिसकों को, जिन्हों भारतीय आवकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अभिनियम, वा भनकार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोणनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना थाहिए था, डिपाने में सुविधा के सिए;

शत: जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुतरण वों, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के वधीत, निम्नतिसित व्यक्तियों, वर्षासु क्र--- (1) श्री दीपक मधुकांत पटेल ।

(धन्तरक)

(2) डा० निरंजन पी० माथुर।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं अ

क्या क्रम्मिस के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के रायपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिव करों अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की ताजीस से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस बुचना के अध्यान में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के शीतर उन्हें स्थावर सम्पत्ति में हित-क्यूभ किकी अस्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के नव शिचित में किए जा सकेंगे।

स्वयं किया । स्तर्भे प्रयुक्त श्रव्यां और पदां का, जो उक्त अपिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वजा हैं।

वपुत्रुची

प्लैट नं० 12/ए, जो, 12वी मंजिल, हिरा पन्ना,ज भाफ भलाभाई देसाई रोड, ताडदेव, बम्बई-34 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० स्पर्ध 1/37 ईई/4461/84 85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-84 को रिजस्टर्ड किया गया है:

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर** श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीच : 5-7-1985

नोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 ज्लाई 1985

निर्देश सं० प्रई 1/37 ईई/4507/84 85—-प्रतः मुझे, पी० एन० दुवे

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका जुचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं अपियासीस बेग्रीरंग नं 4-ए, 3री मंजिल, "एल्फीन्स्टन हाऊस" इमारत, 17, मुरझन रोड, वी उटी , बम्बई-1 है तथा जो बम्बई-1 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 7-11-1984

का पूर्वीकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूमो यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) ग्राकीटेक्चरल कन्सल्टन्टस (इंडिया) प्रायवेट लि० (ग्रन्तरक)
- (2) इंटरनेशनल ट्रेडिंग कम्पनी । (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

प्रिमायसीस वेग्नरिंग नं० 4-ए, जो, 3री मंजित. "एल्फीन्स्टन हाऊस" इमारत 17, मुरमान रोड, वो० टी० वम्बई-1 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ० श्रई 1/37 ईई/4388/84-85 श्रीर जो सप्तम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> पी० एन० हुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरोक्षण) स्नर्जन रें(-1, सम्बर्द

तारीख: 5-7-1985

मांहर:

प्रकृप नाइं.टी. **एन्. एक्** अन्यतन्त्रन्तन्त्रन

भावकर जिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 ज्लाई 1985

निर्देश सं० ग्रई 1/37 ईई/4823/84 85—म्ब्रतः मुझ, पी० एन० दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के बभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी मं० श्रीद्योगिक यूनिट नं० 8, जो, ग्राउन्ड फ्लोश्नर, "वासन उद्योग भवन", श्राफ ऐनापती बापट मार्ग, लोश्नर परेल, बम्बई 13 है तथा जो बम्बई 13 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन वम्बई स्थित नक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 29-11-1984

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रपाप्त का गम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उसके अन्तरण लिश्वित में द्रास्तृषिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बृत्तरण सं हुई किसी बाय की बाबस, उच्छ बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- ह) ऐसी किसी आय या किसी धन रा अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जी निवंध, वा पप-बर अपिन्या, 1957 (1957 का 27) के प्रवोक्तपार्थ जन्तरितों द्वारा प्रकः नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः सब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) कुंबधीन, रिप्निलिस्त व्यक्तिकों कथाति :— (1) श्री मुकेश कुमार भगरवाल।

(म्रन्तरक)

(2) मैसर्स हिन्दुस्तान मेटल वर्क्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष् १:---

- (क) इस क्यना के राज्यन में प्रकारन की तार्हींच के 45 जिस की जनकि ना तरसम्बन्धी क्यनिस्त्रों दूर सूचना की तामील से 30 दिन की ननीथ, जो भी ननीथ नाम में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त क्यिक्त को से किसी व्यक्ति क्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति क्षाय अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त कि भिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्द्र की

श्रीशोगिक यूनिट गं० 8, जो, तल माला, "बासन उद्योग भवन", श्राफ सेनापती बापट मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि ऋ० मं० ग्रई-1/37-ईई/4946/84-85 भौर जो मध्यम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-84 को रजिस्टई िया गया है।

> पील एन० दुबें सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग-1, बम्बई

तारीख: 5-7-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ . ट. एन. एस. ------

श्रायक्षर अप्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/4506/84-85—म्प्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

शायकर विधिष्यमं, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिगियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के गुधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं पलैट नं 143, जो, 13वीं मंजिल, दि श्रांत्र टेरेस की-श्रापि हाऊसिंग सोसाइटी लिं , कफ परेड, बस्बई-5 है तथा जो बस्बई-5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है). श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधित्यम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 7-11-1984, को पूर्व कि सम्पत्ति के उपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिंखत उद्देष्य से उसत कन्तरण निम्निसत्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिल्ला नियम के अभीन कर घेने के अंतरण के वायित्य में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अंधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री चार्लिस ग्रन्बर्टमेक मुल्ल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमेश उत्तमचन्द ग्रजमेरा ग्रीर श्रीमती वजकुवंर उत्तमचन्द ग्रजमेरा।

(ग्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्तिहै।)

को वह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में से किए का सकींगे।

स्वयं किरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्धों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

वन्स्यी

पसैट नं ० 143, जो. 13वीं मंजिल, वि ग्रानुः टेरेस को-ग्राप० हाओंसग सोसाइटी लि०, कफ रोड, बम्बई-३ में स्थित हैं ।

श्रनुसूर्च। जैसा ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/4387/84-85 श्रौर जो सक्षम भ्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 2-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त ्निरीक्षण) श्रर्जन रज-I, बम्बई

तारीख: 9-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रोज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० अर्थ-1/37-ईई/5100/84-85----श्रतः मुझे, पीं० एत० दुवे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिमली सं जिल्हें नं 302, जो, उरी मंजिल, अनुज, सी जिए कि नं 638, मोबालिया टेन्ट रोड, बम्बई 36 है तथा जो बम्बई 36 में स्थित हैं (और इएके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण का से बणित है), और जिएशा घरारतामा श्रायकर स्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 एख के अधीन, बम्बई स्थित १क्षम प्राधिकारी के कार्याक्त में रिकिस्ट्री हैं तारीख 20-11-1984

को पृषींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोध्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन ा अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहों किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान :---

- (1) श्री मनसूबानाल मीतीलाल कांठारी (नचुरल गाडियन और फादर खाफ कुमारी सुनाता, कुमारी सानल और कुमारी टीना) (अन्तरक)
- (2) श्रीमती मंजुला जे० संघवी और श्री केणरीमल जे० संघवी । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :--

- (क) इन स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 302, जॉ, 3री मंजिता, अनुज, सी० एम० नं० 638, गोवालिया टेन्क रोड, बम्बई 36 में स्थित हैं

त्रनुमूची जैसे। कि कि के पर्द-1/37 ईई/36(1/84-85) और जो नक्षम प्राधिनारी, बम्बई दिनांक 20-1-84 की रिजिस्टर्ट विया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षप्त प्राधितारी सहाय इक्षाच १२ श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजाः **बम्बर्ध**।

सारीख: 9-7-1985

प्ररूप आहूर. टी, एन. एस.-----

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्थना

भारत मरकार

भ्रजन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई, 1985

निर्देश सं० अर्द 1/37-ईई/3680/84-85---- प्रतः मुझे, पीं० एन० दुवे

भायकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन तकम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० ब्लाक नं० 21, जो, रकमणीं निवास, 26, सेनापतीं बापट रोड. दादर, बम्बई 28 हैं निवा जो बम्बई 28 में स्था है (और इसे उसबड़ अनुसूची में और पूर्ण क्य में वर्णित हैं), जोर जिस्का अस्तुम् वी में और पूर्ण क्य में वर्णित हैं), जोर जिसका अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधियारी के कार्यालय में रिलस्ट्री है जारीया, 13-11-198 की पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का जिद्द प्रतिकार से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

फल, निम्नलिकिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्त-

विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाव की वाबस, उदस अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा अक्षीलए; और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्सियां की, जिन्हें भारतीय जाब-कर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयः शा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा के लिए;

कतः अभ, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के सधीथ, निम्निसिन्नित व्यक्तितयों, नंभति :----

(1) श्रीमती नन्दा अतुल वाधेला ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दिलीप वेंकटराच डोईजोडे ।

(श्रन्तरिती)

(3) प्रन्तरिती

(बह व्यक्ति जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेय ---

- (क) इस तुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुबना की ताशीक से 30 दिन की अविध, वो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिर्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पट्धीकरणः इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

ब्लाफ नं० 21, जो, एकमणी निवास, 26, सेनापती बापट रोड, दादर, बम्बई 28 में स्थित है।

श्रनुसूची जैगा कि कि में ग्रेड्ड 1/37 हैई/3704/84 85 और जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनाक 13-11-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

(पीं० एन दुबे) सक्षम प्राधिकारीं सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंक रेंज-1, बस्वई

तारीख: 9-7-19**8**5

प्रकार वार्षे .दी .एम . एस . -:-----

बायुकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वमा

भारत सुरकार

कार्यासय, सहायक कायकर नायुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज 1, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985 म्रई-1/37 ईई/3762/84-85--म्रतः मुझे निर्देश सं० पीं० एन० दुबे

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इ**सर्पे इसके प्रचास् 'उक्त जिमिनियम' कहा गया है"), की चारा 269-च के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित नाजार भूल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

ओं जिन हो है। इनक्र १० १, ४६, ३ विंचीजन, प्रमारत ने० 2 पीं एस वर्षी अपार्टमेन्टन, बी अी अंदि रोड, घरली नाका, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), और जिसहा करारनामा भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित तक्षत प्राधि गरी के कार्यात्य में रिजिस्ट्री है तारीख 6-11-1984

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रीतफल के सिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के बनुसार अन्त-रित की गई है और मुक्डे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णक्त संपत्ति का उपित बाजार मुल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का बलाइ प्रतिस्थत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नसिविक उच्चेद्य से उच्छ बंतरण सिवित में भास्तीबक रूप से कथित नहीं किया नवा है :---

- क) अंतरण से इ.इ. किसी नाथ की नायल, अवस् बाधनिक्य के बचीन कर देने के वन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: भौर/या
- (क) एंसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्य वास्तिकों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में त्रिया ने निया

कत्तप्त अथ उपत अधिनियम की भाग २६९-ग के अनुसरण , ही, प्रमुख क्रियमिक्स की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) पी० एम० बीं० कंन्स्ट्रक्शन कम्पनी निमिटेड । (ग्रन्तरकः)
- (2) कुमारी बेलाएस० पारीखा। (अस्तरिती) -

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर ब्यनाकी तामीस से 30 विष्कीं न्विध, यो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त **व्यक्तियाँ** में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी बन्द व्यक्ति द्वारा, बभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकती।

लक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को जस अध्यास में दिया मया 🗗 ।

वगुनुकी

पर्लंट नं 1, जो, 3री मंजिल, इमारत नं 2, पीएसबी भ्रपार्टमेन्टस, बीं० जी० खेर रोड, धरली बाजा, अम्बई में स्थित है।

ग्रनुसुची जैसा कि क० सं० अर्थ 1/37 ईई/3707/84 85 🛮 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> (पी० एन० दुवे) सक्षम प्राधि गरी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-1, बम्बई ।

तारीख: 8-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई बम्बर्ध, दिनांक 8 जुलाई, 1985 निर्देश सं० श्रई 1/37 ईई/4626/84-85-- श्रम: पीं० एन० दुबे,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक **ह**ै

और जिलकी सं. फ्लैट नं० 205, जो, इमारत "वाल्लेन श्रपार्ट-मेल्ट्स 2", जंक्णन श्राफ सूनाराम जीवाजी मार्ग और ख्लेटर गोड, ग्रन्ट रोड, अम्बई है तथा जो अम्बई में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसना करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 इस्ता के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि ारी के जायलिय में रजिस्ट्री है, तारीख 7-11-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाचार मृत्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल ते, एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुद्दै किसी आय की वाबत, **उ**ज्ल अवधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे समने में सविधा के लिए; और/या
- (क्र) एेसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गणा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा केलिए:

बत: बव:, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्यरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ट----

(1) मैसर्स वाल्लेस प्रापर्टी डेबलोपमेंटस ।

(श्रन्सन्तः)

(2) श्रीमती मुक्ताबेन चानचन्द खेलानी, श्री रमेण वानेचन्द फेलानी, श्री मकेश वानेचन्द खेलानीं, और श्री शिरीष पानेचन्द फेलानी।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के सिः कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 4.5 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

रपष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त रुखों और पवों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया 🗗 ।

फ्लैंट नं० 205, जो, वास्लेस भ्रपार्टमेन्टस-2 इमारत, जंक्णन प्राफ त्माराम जीवाजी मार्गऔर स्लेटर रोड, ग्रन्ट रोड, वस्बई में स्थित है।

भ्रनुस्ची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-1/3*7-*ईई/4510/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 7-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया ।

> (पीं० एन० दुबे) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

नारीख: 8-7-19**8**5

मोहर 🚁

37-196GI/85

इक्ष् बार्ड . टी . एन . एस . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूभना

भारत चुड़कातु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिमांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/4755/84.85—अत: मुझें, पी एम० दुबे,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वभात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं कमरा नं 514, जो, 5की मंजिल, अनंत दीप चेंबर्स, 273/77, नरशी नाथा स्ट्रीट, बम्बई-9 है तथा जो बम्बई-9 में स्थत है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जमका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है सारीख 30-11-1984 को ख़ाँबत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ख़्यमान प्रतिफल के लिए मंतरित को जचित बाजार मृल्य से कम के ख़्यमान प्रतिफल के लिए मंतरित को गई है और मुक्ते यह विख्यास करने का कारण है कि बमाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे द्रुपमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत स रिधक है और मंतरक (भंतरकों) और मंतरित (गंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया इतिफल निम्नतिचित उद्योग से उच्या जंतरण कि लिए तम पाया गया इतिफल निम्नतिचित उद्योग से उच्या जंतरण कि लिए तम पाया गया इतिफल कि एसे के किए तम से कि विचित्त में चास्तिक रूप से कि विचत नहीं कि मा गवा है:—

- (क) बन्तरण से हुई कियी बाय की बायत, उस्त अभिनियम के अभीत कार दोने के अंतरक के शियत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; सर्प/का
- (क) एती किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्थिता की सिद्ध;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धात् अस्म (1) एस० जै० के० ट्रस्ट आफ इंडिया।

(अन्तरक)

(2) मदन सेल्स कारपोरेशन।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति कै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के नर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी मासेप ह-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्त्वन्तिभी व्यक्तियों पर स्वना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में स्वास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 विन को भौत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी कन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये का सकेंगे।

स्थानकरण : - इसमें प्रयुक्त स्थान नौर पदों का, भा उनत शिक्षित्रवा के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा ही।

नगतची

कमरा नं० 514, जो, 5वी मंजिल, अनंत दीप चेंबर्स 273/77, नरशी साथा स्ट्रीट, वस्बई-9 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-6/37-ईई/4675/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकार, बम्बई द्वारा दिनांक 30-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रा**बुक्**त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 8-7-1985

प्रकल कार्यां व व प्रकार प्रकार कार्या व व व

नत्यक्र विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के मधीन तुचना

भारत सरकाह

कार्यासन, सहायक जायकर जायुक्त (निद्रीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई, 1985

निर्देश स० अई 1/37 ईई/4741/84 85—अतः मुझे, पी० एन० दुबे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा मदा हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- उ. से अधिक हैं

और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 2 जो मोहार अपार्ट मेन्ट, प्लांट ग्रीर जिसकी सं फ्लैंट नं 10, जो, सेंद्रल कोर्ट, मोटल बाई स्ट्रिट, आग्र पाडा, बम्बई 11 है तथा जो बम्बई-11 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 23-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान श्रीतफल के लिए कन्तरित की गई है और शुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे क्षयबान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) जौर अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम वामा गया प्रतिकल, निम्निलिवत उस्टोबर से उक्त अन्तरण लिकत में नास्तिक रूप से काया नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) प्रोसी किसी बाय या किसी वन या अन्य जास्तियों को बिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे अध्योजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिया की सिद्;

वर्षः वयः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वस्यस्य वो, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वर्धीन, निरुक्तिवित व्यक्तियों, व्यक्ति ह—- (1) श्री कासम मुहम्म ठाकुर श्रीर सत्तार मोहम्म ठाकुर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रमजी लासानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां भूक करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्वन के बम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी जुनीच महा में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकरा व्यक्तियां में से 'किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं
 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिंतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरा क
 पास लिखित मा किए जा सकीये।

स्वव्होकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया नया हैं।

बन्दर्भ

फ्लैंट नं० 10, जो, सेंट्रल कोर्ट, मोटलीबाई स्ट्रिट, आग्री राहा, बम्बई 11 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई 1/37 ईई/4147/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-11-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० एम० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 8=7-1985

मोहरः

प्रकष बार्च.टी.एन.एस.,------

न्त्रवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां वय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, चितांक 10 जुलाई, 1985

निर्देश सं० बम्बई-1/37-ईई/4686/84-85---अतः मुझे, पी० एन० द्बे,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संगोडाउन नं "एफ", जो, नूतन पृष्पक प्रिमायसंस को आप० मोसाईटी लि० बेसमेंट में, जक्शन आफ पलटन रोड श्रौर मुसाफीरखाना, ह्याम्बई-1 है तथा जो बम्बई 1 में स्थित है (श्रौर इससे उनाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप में विणित है), श्रौर जितका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीब 17-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से का के क्समान बितफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्विषय से उक्त अन्तरण किवा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के जिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी साय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः असं, उक्त अविनियम की धारा 269-ण के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नजिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री हरनाम सिंह इन्दर सिंह (अटारनी आफ श्री बलवन्त सिंह)। (अन्तरक)
- (2) मास्टर मोहम्मद इरफन अबुबकर कपाडिया। (अन्तरिती)ः

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के चित्र कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र तैं प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की क्षामील से 30 दिन की मजिए, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भौत्र पूर्वित व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इसन्धना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीठर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिचित में किए वा सक्ति।

स्पष्ठीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, को उक्त विधनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है :

वनुषुषी

गोडाउन नं० "एफ", जो, नूतन पुष्पक प्रिमायसेस को-ूंआप० सोसाइटी लि० के बेसमेंट में, जंक्शन आफ पलटन रोड श्रीर मुसाफीर खाना, बम्बई-1 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/4441/84-85 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-84 को रिजस्टिड िया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 10-7-1985

मान्नु 🙎

प्ररूप बाइ'. टॉ. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-इ (1) के अधीन सूचना

प्रारत राज्यार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1,बम्बई
बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1985
निर्देश सं० अई 1/37 ईई/4685/84-85—अतः मुझे,
पी० एन० दुबे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रांसे अधिक है

श्रीर जिसकी सं० गोडा उन नं० "एफ", जो, नूतन पुष्पक प्रिमाय-सेस को आप० सोसाइटी लिमिटेड के बेसमेंट में, जंक्क्षन आफ पलटन रोड और मुसाफीर खाना, बम्बई-1 तथा जो बम्बई-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित स्क्षम

प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 17-11-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमाव प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उदयमान प्रतिफल से, एसे उदयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उन्त अन्तरण लिखित के वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आप की बाबत, उसत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; औड़/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः जब, उक्त जीधीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त जीधीनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जथात ह— (1) श्री इरनाम सिंह इन्दर सिंह। अटनी आफ श्री बलवन्त सिंह

(अन्तरक)

(2) हुनारी राहीना अबुबकर कपाडिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

गोडाउन नं० "एफ", जो, नुतन पुष्पक प्रिमायसेस को-आप० सोसाइटी लिमिटेड के बेसमेंट में, जंक्शन आफ पलटन रोड़ ग्रौर मुनाफीर खाना, बम्बई-1 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई/37ईई/4440/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 17-11-84 को रजिस्टड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई ।

तारीख: 10-7-1985

मोहर 🛭

मुक्क बाद<u>् .टी. एवं . एवं .</u>-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1-, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

बायकर बिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मृत्य 1,00,000/- रह से अधिक हो

और जिसकी सं पर्लंट नं 1, जो, 11 भी मंजिल, "इन ग्रपार्ट-मेंटस, जावजी दादाजी रोड (ताडदेव रोड), लल्लू भाई ग्रमी-चन्द कम्पाउन्ड, बम्बई-7 है तथा जो बम्बई-7 में स्थित है (और इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विगित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 7-11-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफन के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वॉक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके क्ष्ममान प्रतिफन ले, एसे क्ष्ममान प्रतिफन का क्ल्यूइ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफन, निम्नितियिंत उद्विष्य से उन्त अन्तरण निम्नित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरक्षे हुई किसी काय की वावता, उक्द शीभिनियम के सभीन कर दोने के सन्तरक के शीवत्व में कभी करने वा उत्तवे क्ष्में में सूष्या के किए; बाँड/वा
- (ण) एंसी किसी आय या किसी धन या कृत्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में पृविधा के सिए;

नतः जयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित स्यक्तियों. अर्थात :--- (1) श्री नलेश लिलाधर गहा ।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० रमेण अंबालाल गांधी और डा० (श्रीमती) रेनूका रमेश गांधी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रों कर सम्मृतित के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियों गुरु करता हो।

उक्त तम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धों क्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की सविधि, को भी जनभि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति स्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्यकिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस है।

अनुसूची

पलैट नं० 1, जो, 11वी मंजिल, "इन अपार्टमेंटस, जावजी दादाजी रोड (ताडदेव रोड), लल्लूभाई अभीचन्द कम्पाउन्ड, वम्बई-7 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-1/37-ईई/4633/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 5-7-1985

मोहर 🗈

प्रक्ष बाइं.टी. एन. एस. -----

जायकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के व्यक्ति सुचना

प्राप्त चर्चाड

कार्यालय, सहायक शायकर शायकत (निरक्षिण) श्रर्भन रेंज-1, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985 निर्देश सं० प्रई-1/37-ईई/4793/84-85—म्प्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मितः. विश्वका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- एउ. प्रे अधिक हैं

और जिसकी मं व यूनिट नं व 251, जो, 2री मं जिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, एसव जे व मार्ग, लोश्रर परेल, बम्बई-13 है नथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबस अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिक्षियम, 1961 की हारा 269 क ख के श्रिकी बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 28-11-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब पाया पवा प्रतिक्ष क्ष्य विश्वनिवित्त उद्देश्य से उस्त अन्तरक विविद्त में बास्तिवक क्ष्य में कथित यहीं किया पना विश्वन

- (क) अन्तरण से हुई किसी थाय का बाबत, उक्त अधिविद्य के वधीन कर दोने के जन्तरक के दाक्तिय के कजी अध्ये वा उत्तर क्यां क्यां के व्यविधा के चित्र; क्षांक्रिया
- (का) एंती किसी नाव वा किसी थन वा वस्य वास्तियों की, चिन्हें भारतीय नाव-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वप-कर विधिनियम, या वप-कर विधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ बंतरिती इवारा प्रकट वहीं किया गया था किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्त: सब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की अवस्य में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) गाह एण्ड नहार ग्रसोसिएटस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नानीक एल० हिंगोरानी और श्रीमती चन्द्रा एन० हिंगोरानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सक्यत्ति के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति दुवारा.
- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसी या में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरणः -- इसमें प्रगृतत् वान्यों बौर पद्यों का, को अवस् विधिनियन, के वभ्याय 20-क में प्रिशाणित हाँ, वहीं वर्ष होगा वो उस अभ्याय में विका यथा हाँ।

वन्स्ची

यूनिट नं० 251, ओ, 2री मंजिल, णहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, एस० जे० मार्ग, लोग्रर परेल, बम्बई 13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि० मं० श्रई-1/37-ईई/4924/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्षारा दिनांक 28-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

नारीख : 5-7-1985

मोहर 🖫

प्रस्य नाइ. टौर् एन्, दुरा,- + × 8-स्थ

धायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुबना

नारत चरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांकः 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/4795/84-85—श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

अ। थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ए के अधीन सक्षम शिक्षकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पर्कि, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं यूनिट नं 150, जो, पहली मंजिल, णहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-2, धनराज मिल कम्पाउन्ड एस० जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 है नथा जो अम्बई-13 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 28-11-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के क्यायान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंक्र प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गना प्रतिफल निम्नसिस्त उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गना है है—

- (क) ब्रम्बद्धण वे हुए किसी वाय की वायस, उनस अधिनयम के अभीन कार दोने के अन्तरक के ्ित्य भें कमी करने मा उससे वचने में शुन्तिमा के लिए: बॉर/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया गरा था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम को भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) शाहा ६ण्ड नहार ६सोसिएटस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमणलाल प्रेमचन्द शाहा (एच० यू० एप.०) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्षन के हिनए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्बन्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क): इस स्थना के राष्पत्र में प्रकशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दक्षारा;
- (क) इस स्थान के राज्यत्र में भकाशन की तारीं से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी

स्पष्टिकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

थूनिट नं० 150, जो, पहली मंश्विल, शाहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल कम्पाउम्ड, एस० जे० मार्ग, लोग्रर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-1/37-ईई/4923/84-85 और जो सक्षम ग्रक्षिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 5-7-1985

प्रक्ष अरहां.बी.एन.एस्.-----

नावकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन मृत्रना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 5 जलाई 1985

निवेश सं० श्रई-1/37-ईई/4790/84-85--श्रतः मुझे, धी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ओर जिसकी सं० धूनिट नं० 211, जो, 28ी मंजिल, णाहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल कम्पाउन्ड, एस० जे० मार्ग, लोग्रर पारेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), ओर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय म राजस्ट्री है, तारीख 28-11-1984

को प्वेक्ति भम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रिक्षि के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पंद्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त आधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दागित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कत: अब, उक्त किंधिनियम <mark>की धारा 269-ग के बन्सरण</mark> में, में लक्त क्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) हैं क्रिपीन निम्मीलि**चित स्पवित्यों, अर्थात्**र— ()

(1) शाहा ७७९ नहार श्रक्षोसिएटस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री योगेश सी० शाहा।

(ग्रन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन को जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ या तरसंबंधी अपिकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य स्थावत क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरणः इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

यूनिट नं० 211, जो, 2री मंजिल, शाहा एण्ड नहार शंडींस्ट्रियल ६स्टेट ए-2, धनराज मिल कम्पाउन्ड, एस० जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रमुची जैसाकि ऋ० सं० ऋई-1/37-ईई/4926/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा धिनांक 28-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> भी एन दुब सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 5-7-1985

मो :

38--196GI[85

प्रकल् बार्ड , की , एन , एस , ------

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रार्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1985 निर्देश सं० श्रई-1/37—ईई/4738/84—85——श्रतः मुझे पी० एन० दुवे

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त व्यथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

श्रीर जिसकी सं० 201, जो, 2री, मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल कम्पाउन्ड, लोग्नर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 29-11-1984

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाचार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है जौर मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार भूच्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरक के सिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्निलित उच्चदेश से उक्त अन्तरण सिक्टित में बास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निष्:

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभार (३) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) शाहा एण्ड नहार ग्रासोसिएटम ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कमलाबेन ताराचन्द्र जैन ग्रौर ग्रनीलकुमार ताराचन्द्र जैन

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई बाओप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म क्यिति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में से किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः इसमें प्रयुक्त कव्यं और पवां का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया स्वाहै।

प्रमुची

यूनिट नं० 201, जो, 2री मंजिल, शाहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल कम्पाउन्ड, लोग्रर परेल, बम्बई-13 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37—ईई/4663/84—85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-11-84 को रिजन्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्ष्म प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 5-7-1985

प्रकृप आइ", टी. एन. एस. ------

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के श्रेपीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्कण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1985

निर्वेश सं० श्रर्ध-1/37-ईई/4789/84-85--- श्रतः मुझे पी० एन० बुबे

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इतके प्रवाद 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काइण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से बाधिक है

श्रीर जिसकी सं पूर्तिट नं 212-ए, जो, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल कम्पाउन्ड, एस० जे मार्ग, लोश्चर पारेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 28-11-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ६ द्यमान प्रतिफल से एसे ६ द्यमान प्रतिफल से प्रते ६ द्यमान प्रतिफल से प्रते कन्तरक (अन्तरकों) जौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे जन्तरक के सिए तब गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त किथ-नियम के जधीन कर देनेके अन्तरक के वायित्व को कभी कारने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँद/व्या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियीं की जिन्हें भारतीय आयकर जीधनियंस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियंस, या धन-कार अधिनियंस, या धन-कार अधिनियंस, 1957 (1957 का 27) जो प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुनिधा से शिष्ट;

कतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) शहा एण्ड नहार स्रासोसिएटस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रभाकर शंकर वैध

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्त तम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की जंबीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबीभ, को और अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वार जधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकते।

स्वकातिकरणः--इसमें प्रयुक्त कव्यां और पदों का, को उक्क अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

नन्स्ची

यूनिट नं० 212-ए, जो, धहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल कम्पाउन्ड, एस० जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि सं० ग्रई-1/37-ईई/4927/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी०एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज- 4, बम्बर्ड

तारीख : 5-7-1985

शक्त बार्ष <u>.डो..पून् .</u>च्च .,----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

बारत ब्रह्मार

कार्यासम तहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985 निर्देश सं० श्रई 1/37 ईई/4805/84 85—श्रतः मुझे पी० एन० दुबे

बायकर ब्रिमियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व देखने देसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर तत्र्यात्त, जितका स्वित वाबार नृस्व 1,00,000/~ क. से बिधिक हैं

भौर जिसकी सं यूनिट नं 442, जो, 4थी मंजिल, ए 1 शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० जे मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई 13 हैं तथा जो बम्बई 13 में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 28-11-1984

को पूर्वोक्त सम्मिति को उचित बाबार मृस्य है कम के अध्यक्षण प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके व्ययमाय प्रतिफल से, एसे व्यवमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकत कि विम्निमितित उच्चेष्य से धवत अन्तरण कि बित में बास्तिवक रूप से किंगत नहीं किया नवा है है—

- (क) जन्तरम् वंशुरं किसी मान की नानशः, उपस् विधिनम्ब के जभीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्व में कतीं करने ना उससे वणने में सुविधा ने जिस; करि/ना
- (क) ऐसी किसी जाब वा किसी धन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, भा अक्कर अधिनियम, भा अक्कर अधिनियम, भा अक्कर अधिनियम, 1957 (1957 को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भवा था वा किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने को स्वीका की किया वा चाहिए था, स्त्रिपाने को स्वीका की किया की किया की स्विका

नत्ति नव, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के जन्दरण वो, मी, उक्त विधिनयम् की धारा 269-म की उप्पारा (1) की अधीन, निस्नीमि<u>चित्</u> व्यक्तियों, जर्भात् ≣— (1) भहा एण्ड नहार स्रासोसिएटस ।

(प्रन्तरक)

(2) किववीप प्रिन्टस ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति को वर्षन के विष कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :→

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच में 45 दिन की जविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविश्व अधिका में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हितबद्ध किसी कन्य स्थक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सक्षेत्र।

ज्यक्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नगुस्पी

यूनिट न० 442, जो, 4थी मंजिल, ए 1 शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० जे० मार्ग, लोग्रर पारेल, बम्बई 13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई 1/37—ईई/4932/84 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 28-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी०एन० बुबे सक्षम प्राधिकारी स**हाबक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज 1, **बम्बई**

तारीख : 5-7-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मुर्जन रेंज 1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1985

निर्देश सं० श्रई 1/37-ईई/4788/84-85---श्रतः मुझे पी० एन० दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं यूनिट नं 149, जो, 1ली, मंजिल, णहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल कम्पाउन्ड, एस० जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई 13 है तथा जो बम्बई 13 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 28-11-84

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) शहा एण्ड श्रासोसिएटस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रेम प्रिन्टर्स एण्ड स्टेशनर्स

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्स्ची

यूनिट नं 149, जो, पहली मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए 2, धनराज मिल कम्पाउन्ड, एस० जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई 13 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई 1/37-ईई/4928/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 28-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी एन० दुवे सक्षम प्राधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, बम्बई ।

तारीख: 5-7-1985

प्रक्रम् बाह्यं , टडे., एव . एव .-----

जायकर जिभिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के अभीन स्वना

महित बहुक्त

कार्यालय, सहायक जावकर बायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/4787/84-85--ग्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'इस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन तक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उज्जित बाजार मुख्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

मौर जिसकी सं यूनिट नं 154, जो, पहली मंजिल, महा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एस० जे० मार्ग, लोघर परेल, बम्बई-13, है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (भ्रौर इससे उपायत अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), भ्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 28-11-1984 को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान प्रतिकल के सिए अन्तरित की एसे ख्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिकल, निम्नसिचित उद्योध से उकत अन्तरण निम्नसिचत में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरक से हुनू किल्ली जाब की बाक्त, उनक अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाक्तिक में कनी करने वा उक्क बलने में सुविधा के लिए; और मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य अहिस्तयों को, चिन्हुं भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंगरा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा को किए;

वतः वव, उक्त विधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण वों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् k-- 1. मै० शहा एण्ड नहार एसोसियेटस।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती मिना दिलीपकुमार कपाडिया।

(भ्रन्तरिती).

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सरक्षम्बन्धी व्यक्तितमों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उन्ते स्थानर संपत्ति में हितनद्ध किसी जन्म न्यन्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था सकते।

ल्ल्ब्बीकरण: — इसमें प्रयुक्त क्षव्यों बाँद प्यों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम कें विया गया है।

अभूस्ची

यूनिट नं० 154, जो, पहली मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एस० जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

प्रतुसूची जैसा कि कि सं० प्रई-1/37-ईई/4920/84-85 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-1984 को रजिस्टई किया गया है:

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 5-7-1985

नायकर निधानयन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-धा (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्स (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज⊷1, बम्बई बम्बई, विनांक 5 जलाई 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/4792/84-85---ग्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 330, जो, 3री मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, धनराज मिल कम्पाउंड, एम०जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 हैं तथा जो बम्बई 13 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 28-11-1984

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य सं कम के द्वस्थान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एमे दश्यमान प्रतिकल के पद्ध प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितिश्वित उद्विश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी बाय ना किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हीं भारतीय बायकर विधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विधा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा में सिद्ध;

मतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बेन्सेरण में. में. उधत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) दे रुपीय निस्कितिक व्यक्तियों, बेचित क्या 1. मै० शहा एण्ड नहार एसोसियेटस।

(ग्रन्तरक)

2. श्री लक्ष्मीचंद ए० महा (एच० यू० एफ०) श्रीर प्रशांत लक्ष्मीचंद विसारिया (मायनर)। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृष्णा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्णा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतः पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबंब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

and I

यूनिट नं० 330, जो, 3री मंजिल, प्राहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, धनराज मिल कम्पाउंड, एस० जे० मार्ग, लोधर परेल, बस्बई-13 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं० ग्रई-1/37–ईई/4925/84–85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28–11–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

सारीख: 5~7-1985

मोहरः

प्रकृप कार्यः द्वी. द्वाः द्वाः प्राप्तान्यसम्बद्धाः

भायकर अभिनियम, 1961 (19**61 का 43) की** भारा 269-म (1) के **अभीत ब्या**ना

नारत चरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 ज्लाई 1985

निवेश सं० ग्रई-1/37-ईई/4517/84-85--श्रतः मुझे, पी० एन० दुबे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् उन्त मधिनियम' कहा गया ही, की भाष 269-च के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्वति, जिसका उचित वाजार शृंक्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 272, जो, 2री मंजिल, शहा एण्ड बहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-2, एस० जे० मार्ग, लोगर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की घारा 269 के, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 7-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंदरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्योदय से उक्त अंतरण किवा गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्योदय से उक्त अंतरण किवा गया प्रतिफल हम से सिथत नहीं किवा गया है स्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, अवल अभिनियम के जभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के सिक्ष्; और/वा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियों को जिन्हें बारतीय जायक ह जिम्ही त्या 1922 (1922 का 11) या उनत जिधीनवय, वा धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व्ये प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा व्ये सिर्ध।

बत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै बनुसरच बो, बो, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अधीत :---- 1. मैं शहा एण्ड बहार म्नासोसियेटस।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स मुद्रक।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के थिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :----

- (क) इत त्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीश शे 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की नविभ, जो भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) एवं जूपना के डाइप्य के प्रकारन की रारीश के 45 विम के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाक लिखिद में किए जा सकरें।

रपच्यीकारण: ---इसमें प्रवृक्त बच्चें और पदों का, को उक्क विधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही कर्य होगा, को उस अध्याय में वियागवा है।

मनुसूची

यूनिट न० 272, जो, 2री मजिल, शहा एण्ड बहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एस० जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्रई-1/37—ईई/4397/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 7-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भजैन रेंज--1, बस्बई

तारीख: 5-7-1985

मोहर 🖫

प्रकार वार्षः टी. एन. एत. -----

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के संभीत स्चना

भारत तरुकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 8 जलाई 1985

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्रीद्योगिक यूनिट नं० 130, जो, 1ली मंजिल, शहा एण्ड बहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ए...1, धनरात मिल कम्पाउण्ड, सन मिल रोड़, लोग्नर परेल, बम्बई—13 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 30—11—1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने वा उत्तसे स्वने में सुविधा से लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय हा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर आधानयम.
 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
 या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अकः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के सधीनः विकास व्यक्तियों, अर्थातः :— 1. श्रीमती पी० एन० भंसाली।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स स्टलिंग इन्टरप्राइजेस।

(भ्रन्तरिती)

की बहु सूचना सारी करके पूर्वोक्त सपित के बर्चन के लिए कार्यभाहियां करता हो।

इक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध मी कोई भी आक्षप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख है 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया कर स्थान की तामील से 30 दिन की संवधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्यक्तिराः
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख एं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साकरी के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्मक्टाध्ररण. — इसमा प्रयुक्त अन्ता और पदों का, जो उक्स अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

ग्रौद्योगिक यूनिट नं० 130, जो, पहली मंजिल, ग्रहा एण्ड बहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, धनरात मिल कम्पाउण्ड, सन मिल रोड़, लोग्रर परेल, बम्बई-13 में स्थित है। श्रुनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37—ईई/4681/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 30-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुब सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 8-7-1985

मोहर 🖟

39.—196GI|85

ध्यन बाही.टी.एन.एस्.-----

बायकर बांभानियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-भ (1) के बभीन स्वना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० म्रई-1/37-ईई/4684/84-85--म्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इतमें ध्रमके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित वाचार कृष्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० श्राफिस प्रिमायसेस नं० 322, जो, 3री मंजिल, मेकर चेंबर्स 5, प्लाट नं० 221, नरीमन प्वाइंट, बम्बई-21 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, धारीख 17-11-1984

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम से कम स्रयमान गितफल के निए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत ं अधिक है और अंतरिती अन्तरितयों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या तिफल निम्निसिस्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में तिस्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण रो हुई चिडी नाथ की बावत , उक्त विधिनियम के बंधीय कार की की बन्तरक क रावित्य में कामी कारने का उसमें बचने की बिडिंग के बिए: बॉर/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वै किया

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनस्यण में अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाष (।) शभीन, निम्निसित व्यक्तियों, वर्षातः—

- (1) 1. श्री सुखवंत सिंह, (2) ईर्फन मूसा, (3) कुलवीप सिंह, (4) श्रफजल मूसा, (5) श्रस्लाम कपाडिया श्रौर (6) श्रीमती सुमैया कपाड़िया। (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्स श्रर्रावद एक्सपोर्ट प्रायवेट लिमिटेड। (ग्रन्सरिती)
- 3. ग्रन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. महाराष्ट्र सरकार, बिल्डर्स ग्रौर कन्फरमिंग पार्टीज।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उत्पत स्थावर संपत्ति में हित्तबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्सि में किए वा सकेंगे।

स्थळीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पवांका, जो उक्त स्थितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

वनुस्ची

भ्राफिस प्रिमायसेस नं० 322, जो, 3री मंजिल, मेकर चेंबर्स 5, प्लाट नं० 221, नरीमन 'वाइंट, बम्बई-400 021 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्र $\xi-1/37-\xi\xi/4446/84-85$ श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 17-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक अ।यकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जेन रैंज⊸1, बम्बई

तारीख: 8-7-1985

प्रकल् नाइं ु टी, प्रु., व्यु., ०००००००

नामकर निधित्यन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के न्धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यसन्, बुझनक नानकर नावत्व (निरीक्षन)

ग्रर्जन रेंज∽1, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निवेण सं० अई-1/37-ईई/4747/84-85---- प्रतः मुझे पी० एन० दुवे,

बावकर मिथिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसमें परवात् 'उनत अभिनियम' नहा गया हैं), की बारा 269-स के बभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नात करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उधित बाबार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 347, जो, शिवाजी नगर को-श्राप० हार्जसग सोसायटी लि०, एस० एम० जोशी मार्ग, बम्बई—13 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्राय-कर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 29-11-1984

क्षे पृत्रींक्त समपत्ति के उचित नामार मुस्य से कम के क्षत्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित याचार मुस्य उसके क्ष्यमान प्रतिकस से, एंसे क्ष्यमान प्रतिकत का पंक्र प्रतिचत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्मीलिक्त उद्देश्य से उस्त अम्बरण निम्मीलिक में नास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) जन्तरण स हुइं किसी बाव की वावंद, उक्क विधितियम के अभीत कर दोनें के जन्तद्रक के वावित्य वें क्रवी करने वा उवंचे क्यमें में वृत्तिया के तिव्ह; वार/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नृहीं किया गया या मिन्ना जाना चाहिए था, कियान में मृतियह से सिए।

शतः सव, उन्त शिश्तियमं की शारा 269-व के ननुसरण में, में. उन्त अधिनियमं की धारा 269-व की उनधारा (1) के सुधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, नमित् :--- 1. श्रीमती परायदेवी घनण्यामवास मकर।

(अन्तरक)

2. श्री चुनीलाल चिमनाजी जैन।

(भ्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

कां यह स्थाना आरी करके पृबेक्त सम्पत्ति के अर्थन के विष् कार्यवाहिमां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी नाक्षप ह—

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच धें 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी स्थानितमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, को धी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीवस स्थानतमों में ते किसी स्थानत ह्वारा;
- (क) इस तृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाइ तिस्तित में किए वा सकोंगे।

स्वकाकिरण:—इतमें प्रमुक्त सम्बा नार पर्धो का, को सबस विभिन्नम् के बच्चाय 20-क में प्रिशाणिक ही, वहीं वर्ष होता, को उस कच्याय में दिका दवा ही।

बर्युक

फ्लैंट नं० 347, जो, शिवाजी नगर को-माप० हार्जीसग सोसायटी लि०, एन० एम० जोणी मार्ग, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि से श्रई-1/37—ईई/4664/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 8-7-1985

प्रकप नाई. टी. एन. एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिका) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/4567/84-85--श्रतः मुझे पी० एन० दुजे,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के बभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थानर संस्थित, जिल्ला स्वीवत बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसको सं० दुकान नं० 5, जो, तल माला, जय गिरनार को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 69 ताउदेय रोड़, बम्बई-34 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबख अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसक करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 7-11-1984

भागे पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कस के श्रममान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूको यह विद्यास अहरे का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिकात से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ही अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिक्क का दिस्तियों के बीच है उचित अन्तरण सिचित में बास्तिक का स्था से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) नंधरण से हुइ किसी मान्की नावत, उक्त समितियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य में कमी करने या उससे वचने में स्मिधा के जिए; बॉर/शा
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी भन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंदिरी ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना थाहिए या, कियाने में स्विका के सिए;

संतत्र अस, उस्त अधिनियम की भारा 269-मृ में अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) में प्रधीन, निम्नजिसिट व्यक्तियों, बर्मात थ--∞ श्री भव्बास हाजी ग्रल्लाउद्दीन ग्रौर श्रीमती हुवीं उमर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सैफुद्दीन फललहुसेन भानपूरावाला, (2) श्री हुसेनी सैफुद्दीन भानपूरावाला, (3) श्री ग्रीझाझ सैफुद्दीन भानपूरावाला।

(भ्रन्तरिती)

3. भन्तरतियों।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्पन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब म 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वार अधोहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

वमसूची

दूकान नं० 5, जो, तल माला, जय गिरनार को-भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 69, ताडदेव रोड़, बम्बई-34 में स्थि है भ्रमुस्ची जैसा कि ऋ० सं० म्रई-1/37-ईई/4625/

अनुसूच। जसा ।क ऋ० स० ग्राइ-1/37-१६/4625/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 10-7-1985

प्रकृत बाई . टी. एन्. एक . - - --

1. श्री दिनेशचंद्र ग्रमथालाल शहा।

(भ्रन्तरक)

भारकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुभना

2. श्री रजनीकांत मफतलाल शहा।

(ग्रन्तरिती)

मारत सरकार

कार्यासय, सङ्कायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1985

निदेश सं० भ्राई-1/37-ईई/4742/84-85-भ्रातः मुझे, पी० एन० दुबे,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं पलैंट नं 24, जो, श्रोम दिरया महल नं 3, 3री मंजिल, 80, नेपियन सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 29-11-84, को पूर्वोंक्त तम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के अवसाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया क्या शितफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त बन्तरण कि सिखब में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी नाम की बानश्च, उन्तर विभिन्नियं के जभीन कर दोने के अन्तरक के श्वतिरच में कमी करने या उससे बचने में ज़्रीजका के लिए; बॉर/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६── को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिकां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्श्य :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीं है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्प्रित में हितबष्ध किसी जन्म म्बामित इनारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्थाकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उसक अभिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नमा है।

अनुसूची

पलैट नं० 24, जो, स्रोम दिरया महल नं० 3, 3री मंजिल, 80, नेपियन सी रोड़, बम्बई-6 में स्थित है। सनुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्रई-1/37–ईई/4659/84–85 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-11–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 5-7-1985

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1985

निवेश सं० प्रई-1/37-ईई/4826/84-85--श्रतः मुझे, पी० एन० बुबे,

कायकर निर्मियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 33, जो, ब्लाक-बी, ए-स्कीम, तल माला विनस को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, वरली सीफेस, बम्बई-18 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्-सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 29-11-1984

को पूर्विक्त संस्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापुर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्सरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में वास्तिवक रूप से अभित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री तुकाराम गोविन्द चौहाण।

(भ्रन्तरक)

 श्री सुरेन्द्र सिंग, मंगल सिंग श्रौर श्रीमती चिन्तामणि सुरेन्द्र सिंग।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस राभाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

फ्लैंट नं० 33, जो ब्लाक-बी०, ए-स्कीम, तल माला, विनस को-भ्राप० हार्डीसंग सोसायटी लि०, वरली सीफेस, बम्बई--18 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रंह-1/37–ईई/4372/84–85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29–11–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 10-7-1985

,मोहर 🖫

प्रकृष बार्ड . टॉ. एन , एवं , :----

बाबकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निर्देशक)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई-1/37—ईई/4777/84-85--श्रतः मुझे, पी० एन० द्वे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिनकी मं० शो-रूम नं० 2, जो, तलमाला, इमारत "टर्फ व्यू", प्लाट नं० 12-बी, डा० एनी बेसंट रोड़, बरली, बम्बई-18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 30-11-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार गृस्य,, उसके द्रश्यभान प्रतिफल से, एसे द्रश्यभान प्रतिफल का बंबह प्रतिकृत से बाधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अस्तरण कि बिवित में गारितक प्राप्त में किथार नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क अधीन, निम्निकिश्वित व्यक्तियों, अधीन, निम्निकिश्वित व्यक्तियों, अधीन,

1. मैसर्स भार्बीट कार्पोरेशन।

(भ्रन्तरक)

2. मैं ० विटेसी ट्रेडिंग प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह स्थान थारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितववृष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए या सकीने।

स्यक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दी और क्यों का, जा उक्त विश्वीत्रयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वैद्या है।

वन्स्वी

शो-रूम नं० 2, जो, तलमाला, इमारत "टर्फ ब्यू", प्लाट नं० 12—बी, डा० एनी बेसंट रोड़, वरली, बस्बई—18 में स्थित है।

ग्रनुसूत्री जैसा कि क० सं० ग्रई-1/37–ईई/4691/84–85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 30–11–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 10-7-1985

मोहरः

प्ररूप **वार्ड**ेटी <u>। एन . एस _{अवस्थनसम्ब}न्धस्</u>र

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्धई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० प्रई-1/37-ईई/4531/84-85--प्रतः मुझे, पी० एन० दुखे,

पायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बॉधनियम' कहा गया है), का धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाश करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्थ 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं श्राफिस श्रिमायसेस नं 81 ,जो, 8वीं मंजिल, मेकर चेंबर्स 3, प्लाट नं 223, ब्लाक 3, बकबे रेक्लमेशन स्कीम, नरीमन प्वाइंट, बम्बई—21 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन् मूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रीधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 7-11-1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृख्य से कम के क्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृख्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देष्य से उक्त बन्तरण हिल्लित् में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उनक बिभिनियम के बभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उन्तसे वचने में सीवधा वोसिए;
- एसी किसी जाय या किसी भन या कत्य जास्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा औ (जाए);

भ्रतः अब, उक्त स्विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिभियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियाँ, सर्थात् ः— मेसर्स प्रेम राज एण्ड कम्पनी, मैसर्स भगवानदास निगलानी एण्ड सन्स, ग्रौर मेसर्स निचलाती प्रोपर्टीज।

(भ्रन्तरक)

- 2. मेसर्स मेमर्स वेस्टर्न इण्डिया इरेक्टर्स लिमिटेड । (अन्तरिती)
- ग्रन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

4. मेनर्स प्रेरणा प्रिमायसेस प्रायवेट लिमिटेड (बिल्डर्स)
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्राधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियों करता हो।

बनत संपत्ति के नर्पन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्यक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया यदा है।

धन्सूची

ध्राफिस प्रिमायसेस नं० 81, जो, 8वीं मंजिल, मेकर चेंबर्स 3, प्लाट नं० 223, ब्लाक 3, बकबे रेक्लेमेशन स्कीम, नरीमन प्वाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37—ईई/4409/84—85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज∼1, बम्बई

तारीख: 8-7-1985

मोहर ः

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/4764/84-85---श्रत: मुझे, पी० एन० दुबे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एउचात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्रीद्योगिक यूनिट सं० 23, जो. तल माला, धनराज इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, इमारत, सन मिल रोष्ट्र लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित हैं (ग्रीर इतसे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 30-11-1984

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पदृह प्रतिदृत्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल सिम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में वास्तिक हप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आर की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--40--196 GI/85

1. मेसर्स धनराज मिल्स प्रायवेट लिमिटेड।

(श्रन्तपक)

2. मेसर्स चंदूलाल एच० मेह्ता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति हों। में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रय्क्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में रिरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रौद्योगिक यूनिट नं० 3, जो, तल माला, धनराज इंड-स्ट्रियल इस्टेट, ए-1, इमारत, सन मिल रोड, लोग्रर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कि सं० श्र $\xi-1/37-\xi\xi/4682/84-85$ श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी ,बस्बई द्वारा दिनांक 30-11-1984 को रजिस्ट है किया गया है।

पंति एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज-1, क्षम्बई

नारीख: 8-7-1985

प्ररूप शाइ^क, टी एन, एस,----

श्राधकार अभिनियम, 1961 (1**961 का 43) की** भ/पर १६९-व (1) को अभीन भू**षता**

भारत शरकार

ार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्-1, बम्बई

बम्बई, दिशांक 8 जुलाई 1985

निर्देश मं० अर्ध-1/37-ईई/4786/84-85--अतः मुझे, पी० एन० दुवे.

काश्रकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें १-१५६ पश्चात 'उस्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने स्व अपरण हैं कि भावर हंपतित, विसका तिचत वाचार मृश्य 190,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० आफिस प्रिमायमेस नं० 914-915, जो 9वी मंजिन, "नुलसियानी चेंबने" फी प्रेस, जर्नल रोड जरीमन पाइंट, बन्बई-21 है तथा जो बम्बई-21 में स्थिन है (ग्रीर इसमें उलाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप पे विणत है), ग्रीर जिल्ला करारचामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 299क, ख के अधीन, वम्बई स्थित है सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 28-11-84 के पेंटिंग प्रमत्ति के अधिन बाजार मृत्य स कम के राधमान प्रतिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूनों के समपित का उपनत माजार मृत्य, उसके राधमान प्रतिकृत में ग्रीपक है रीर जन्तरक (अन्तरकों) और जंगीरती (अन्तरिंदी) के दीच एसे अन्तरक के निए तय पादा गवा प्रति- एक जिन्नोनिक तद्वाक एसे अन्तरक के निए तय पादा गवा प्रति- एक जिन्नोनिक तद्वाक में उपने अन्तरक रिए तय पादा गवा प्रति-

- (क) अग्य अप से सूर्य किसी बाब की धावत, स्वयक व्यक्तियम के बुधीन कर दोने के बन्दरक के स्ववित्य में कभी करमें या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/वा
- (क) शिसी किसी नाम या किसी भन या अन्य नास्तियों करा जिल्हों भारतीय जार कर जीभी क्यम , 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ६२-कर जापीनियम, , 357 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया कर कर ना जिल्हा जाना साहिए था, किया के लिए:

३८. इब उक्त अधिनियम की गए 269-ए के अनुसरण
 ३. भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीर ु िस्मिति विवाद व्यक्तिवार, अर्थात :--

1. मैं० कें लिश बी० इंटरप्रायसेस।

(अन्तरक)

2. मेसर्स टी० वी० एम० इंटरप्रायसेस।

(अन्नरिती)

अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोगम सम्पत्ति है)

क्षा यह ब्र्चन वारी करके प्वानित सम्मन्ति के वर्षन् के जिंग कार्यनाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विश्व क्षणी वविश्व या ब्रह्मकरणी व्यक्तिकों प्र सूचना की तानीब से 30 दिन की स्विध, को भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्य व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर कम्पत्ति में हित्तवस्थ किसी जन्म म्यावित द्वारा अभोइस्ताक्षरी के पात निवित में किए वा सकतें ने।

स्वक्रीकरणः -- इवजे वृत्युष्ट वक्षी वृद्ध वृत्ये का, क्षेत्र वृत्युष्ट विश्व विष्य विष्य विश्व विश्व विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य

प्रनुसूची

आफिस प्रिमायमेम नं० 914-915, जो, 9वीं मंजिल, "तुलियानी चेंबर्स", फी प्रेस जर्नल रोड, नरीमन पाइंट बम्बई-21 में स्थित. है।

अनुपूची जैशा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/4921/84-85 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिलांक 28-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एत० दुबे सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजि–1, बम्बई

तारींख: 8-7-1985

क्रोडर 🐺

प्रकृष वाह .टी .पूर् . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड

क्श्यांसव, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-1/37—ईई/4975/84-85—अतः मुझे पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- एउ. स अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 402 ए०, जो, 5वीं मंजिल 571, बंगाला हिल, बम्बई-26 शालिमार अपार्टमेंडस, में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1991 की धारा 299क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 17-11-84 को पर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मल्य स कम के दश्यमान लिए अन्तरिस प्रदिफल के क्री गहर्भ कारण है विश्वास करने का यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उबुद्धेच्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तडम से हुई कियी, श्रीय की वादए, उक्स अभिनियम के अभिने कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कुन्नी करने वा उससे वचने में सुविधा की तर्म, अभिने वा
- (थ) होंसी किसी शास वा किसी बन या करण आस्तिओं को, विन्हें भारतीय नाम-कर किपिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ बन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने के सुविधा के सिए;

बतः अब, उक्त अधिनियमं की धीरी 269-ग के अनसरण मं, माँ, उक्त अधिनियम की धीरी 269-ग की उपधारा (1) के अधीर, निम्मुलि**वित व्यक्तियों, अर्थात् ध**— 1. श्री भगवाम वतनमल गिडवानी।

(अन्तरक)

 श्रीमती प्रभावती नारायणभाई भानसार ग्रौर श्री नारायणभाई श्रंबालाल भावसार।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितियों।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कांद्र भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सँ 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्थित को जिए या सकों।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं कर्ध द्वीगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

पलैट तं 402-ए, जो, 5वीं मंजिल, वामिमार अपार्टमेंट्स, 71, खंबाला हिल, बम्बई-21, में स्थित है। अनुसूची जो कि कि के सं अई-1/37-ईई/4432/84-85 और जो अम प्राधिकारी, बाबई द्वारा दिनांक 17-11-1984 को स्टर्ड किया गया है।

्रीत एस० दुवे सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रोज-1, बम्बई

नारीख: 8-7-1985

माहर 🛭

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस_------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंग-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक ४ जुलाई 1985

निर्देश सं अई-1/37 ईई/5073/84-85 -अतः मुझे ् पी० एन० दुबे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

प्रांर जिसकी सं० आफिस नं० 1205, जो, 12की मंजिल दालामल टॉबर, प्लांट नं० 211, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है (प्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पर्ण स् से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियमप 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम, प्राधिकारी क कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 20-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित आजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के श्रीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्छों स्य से अन्तरण कि लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्छों स्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया हैं:—

- (कां) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन् अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दा, रहेद के कमा करने या उराय वचन में ने।वधा के किलए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी या अन्य आस्तियाँ करे, जिन्हें भारतीय आयन अधिनियम, 1922 (1922 कर 11) उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्य जानी हुए कर नहीं किया गया था या किया जानी चीहिए कर छिपाने में सुविधा के लिए:

अंत: अब, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निस्निविश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तिलक राज हरीचंद मेहरा।

(अन्तरक)

2. मेसर्स डेक्सो लेबोरेटरीज प्राइवेट लि०

(अन्तरिती)

मेसर्स डेलाइट हस्कीन्स सेरूफ।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोगमें
 सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है।

्अनुसूची

आफिस नं० 1205, जो, 12वी मंजिल, दालामल टावर, प्लांट नं० 211, नरीमन प्वाइंटे, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईहै)8677/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विभाक 20-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी स**हायक भायक**र भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 8-7-1985`

.मोह्द 🖫

प्ररूप बाद्दं.टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/4781/84-85--अतः मुझे, पी० एम० दुबे,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्कि परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक **ह**ै ग्रांप जिसकी सं आफिस नं 218, जो, 2री मंजिल तुलिसियानी चेंबर्स, भरीमक पहिंट, बम्बई-21 में स्थित है (भ्रीर इसो उक्तबढ़ अनुसूती में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), और जिस्का करारभामा आयक्र अधिनियम, 1961 की धारा 2695, ख के अंत्रीत, बन्बई स्थित सक्षम प्राधि -कारी के कार्यालय में र्राजन्दी है, दारीख 30-11-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रत्फिल का पन्द्रह प्रतिकात से आधक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है ;---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभि-नियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा को लिए; आर्थिया
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 195/ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निनिवित स्यक्तियों, अर्थात् :—- 1. मेसर्स जयझैल इंटरप्राइजेस।

(अन्तरक)

2. मेसर्स शंकर ट्रेडिंग कम्पनी।

(अन्तरितियों)

3. अन्तरितियों ।

(बह् व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारा सा 45 दिन की अविध का तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर स्थावर सम्बक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रवी

आफिस नं० 218, जो, 2री मंजिल, तुलसियानी चेंबर्स नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं अई-1/37–ईई/478184–85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30–11–1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एम० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

नारीख: 9-7-1985

मोहर 🖫

प्रक्ष बाह् .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिमांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं ० अई-1/37-ईई/4762/84-85--अन: मुझे ' पी० ्प० दुथे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं कमरा नं 201, जो, 2री मंजिल, भारत चेंबर्स, प्लाप्ट नं 52-मी, बरोडा स्ट्रीट, बम्बई-9 है तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रौर इसमे उपायद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप, जो वर्णित है), प्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 299क, ख के अधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 30-11-84 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विरुवास करने का कार्यण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

जतः जव, उक्त अधिनियम की पारा 269-ग के अनुसरण मैं मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्िक्त व्यक्तियों, अर्थात् ः⊶ 1. श्री विनय पांडुरंग गद्रे।

(अन्तरक)

2 मैं० एसोसियेट्स करियर्स।

(अन्तरिती)

3. अन्तरको ।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- बद्ध किसी व्यक्ति धवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

कमरा नं० 201, जो, 2री मंजिल, भारत चेंबर्स प्लाट नं० 52-सी०, बरोड़ स्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/4680/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 30-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवें सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 9-8-1985

प्रकप नाइ. टी. एन, एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

शायां लय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-1, बम्बई
 बम्बई, विनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/4812/84-85--अतः पी० एन**० दु**बे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी मं० पलैट नं० 605, जो. 65ी मंजिल, विंग एफ०, "बिना बिना अपार्टमेंट्स आचार्य दो मार्ग सिवरी (प०), बम्बई-15 है तथा जो बम्बई-15 में स्थित है (स्रोर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), स्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 28-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ए'सं किसी बाय या किसी धन या जन्म आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अत. बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, बंधांत :---

- श्री गोर्धनदास शिवचंदराय गरोडिया। (अन्तरक)
- 2. श्री फैज अहमद मोहम्मदअली वाडीवाला श्रीर श्री मोहम्मदअली अब्दुल्ला वाडीवाला। (अन्तरिती)
- श्री नितिन एन० वेद।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
 सम्पत्ति है)
- 4. श्री नितीन एन० वेद (बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह)सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामीय से 30 दिन की अवधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वविस्यों में से किसी स्ववित द्वारा;
- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास मिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्विषय, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 605, जो, 6ठी मंजिल, विग - : बिना अपार्टमेंटस, आचार्य दोंदे मार्ग, सिवरी (५०), बम्बई 15 में स्थित है।

अतुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/4938 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० ए.न० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीखा: 9—7—1985

मोहर 🛭

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस्.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज~1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/4771/84-85--अतः मुझे, पी० एन० द्वे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के परदात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है । कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० ऑफिस नं 110, जो पहली मंजिल, व्यापार भवन, 49, पी० डिमेलो रोड, बम्बई-9 में स्थिल है (श्रौर इससे उपायद्ध अनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 30-11-1984

को पूर्वोक्त संस्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के बच्यजान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के श्रायित्व मां कमी करने या उससं बजने में सुविधा के लिए बार/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, पिनहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, किया सिंद्या के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निनियन व्यक्तियों, अधीन:—

- 1. मैंसर्स टोडी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड। (अन्तरक)
- 2. जहानीम के० बायरामजी, के० के वाय-रामजी, श्रौर आर० के० बायरामजी। (अन्सरिती)
- 3. अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचमा बारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के वर्षन् के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उसत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ः--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की वर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीब से 30 दिन की बर्वीध, का भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पृत्रीकत व्यक्तियों में से किकी व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (क) इस मूक्ता के राजपन में प्रकाशन की तारीच त 45 जिन के धीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हितथब्ध किसी मन्त्र व्यक्ति इतारा सभीहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सुकोंगे।

स्वच्छीच्छण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृद्धों का, जो उक्त श्रीधीनयम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उत्त अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

ऑफिस नं० 110, जो, पहली मंजिल, व्यापार भवन, 49, पी० डिमेलो रोड, वम्बई-9 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-1/37- ईहं/4686/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां -30-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एप० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, बस्मई

ताराख: 9-7-1985

प्ररूपः बाहाँ टी. एन्. एसः ----

मायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के मधीन सूचना

ब्राह्म बरकार

कार्यासव, सहामक वायकर बाव्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्ईब, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश मं० अई—1/37—ईई/4495/84—85——अतः मुझे , पी० एन० दुवें,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लैप्ट नं० 16, जो. 5वीं मंजिल, जयमह्ल इमारत, फ्रेंच ब्रांज, चौपाटी, बम्बई में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 2-11-1984

को प्रवेवित सम्पत्ति के उचि ! बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्त से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेषय से उक्त जन्तरण लिचित में वास्तिकक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्ट अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविभा के सिष्;

जतः अब उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिचित स्पीस्तयों, अर्थात :---

41-196GI|85

1. श्री मगनभाई शंकरभाई पटेल।

(अन्तरक)

2. श्री महेशभाई आर० लाखवाला।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन है लिए कार्यनाहियां करता हुं।

स्वत संवत्ति के बंदीन के संवंध में कोई भी नाशेष :---

- (क) इस स्वना के राज्यम में प्रकाशन की तारीक से 45 किन की अविक या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की अविध, जों भी व्यक्ति याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इ.च स्थान के राजपत्र में प्रकावन की तारीब से 45 बिन के मौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- भव्भ किसी बन्ध व्यक्ति ब्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए वा सकीन।

स्पव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त बच्चों और पदों का, को उक्त बिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा, जो उस बध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

फ्लैंट नं० 16, जो, 5वीं मंजिल, जयमहल इमारत, फ्रेंच ब्रोज, चौपाटो, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37—ईई/3834/84—85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-11-1984 को रजिस्ट के किया गया है।

पी० एन० दुझा सक्षम प्रधिकारीत सहायक ग्रापकर श्रायुक्त (िरोक्षण) अर्जन रोज-1, बम्बर्ड

तारीख: 9-7**-198**5

प्रस्य बाह्र ही. एन. एस. -----

आधकार रुपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मुधीन सुमना

शाउठ चडकार

कार्यालयः सहायक कायकर नामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/4802/84-85---अतः मुझे, पी० एन० दुवे,

आधकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें प्रकार प्रवस्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वस करने का कारण है कि स्थापर संपरित जिसका उचित वाजार मुल्ब ;

1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 25, जो गैरीज नं० 12 के साथ, लोटस कोर्ट इमारण, 196, जमणेदजी टाटा रोड, बम्बई-20 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणय है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख . 28 11-1984

कर प्वांक्त सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कब के क्यबान बितिक को निए कर्तिरत की गई है, और सभी यह विश्वास करने का कारण है कि बधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बादर कृष्ण, उत्तर्थ क्यान प्रतिक्रण से एमे क्यान प्रतिक्रण का पंद्र प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे कन्तरण के लिए तब पाया नृवा प्रतिक्रण, निम्मिशित अवृद्धिय से सकत वस्तरण विविद्ध में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अपरायम से हुई फिटी नाम कई नाम्स समय नियन पिसम के मधीन कर दोने के मन्तरक के दासिएम के साथी करने की उससे बचने में मुनिशा के सिय; और/म
- (भ) शामी निक्री अाय या फिसी धन या अस्य आस्तिओं को, जिन्हें भारतीय जाय-कर मणिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जिथिनियम या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अस्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया क्या वा वा किया बाना चाहिए था, जिनाने में नुविका के किए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को अधीर जिल्लानिक व्यक्तियमें, अर्थात हु--- 1. मैसर्स इंटरनेशनल कम्प्यूटर्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. मैमसं आई० सी० एन० कम्प्यूटर्स (इंडिया) प्रा० लिमिटेड।

(अन्सरिती)

3. अन्तरितयों।

् (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

अवत सन्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी कार्क्स ८---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी बुविध वाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविचय व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन को भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्यत में किए जा सकरेंगे।

न्यच्यीकरणः — इसमे प्रयूक्त कव्यों और पदों का. वो उन्त अधिनियस के अध्याक 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया च्या हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं 25, जो, गेरेज नं 12 के साथ, लोटस कोर्ट इमारत, 196, जममेदजी टाटा रोड, बम्बई-20 में स्थित है।

अनुचची जैसा कि क्र॰ सं॰ ग्राई-1/37-ईई/4933/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बाई द्वारा दिनांक 28-11-84 को रिजस्टिं किया गया है। ▮

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-1, बम्कई

तारी**ज**ः 9-7-1985

प्रकृष् बाइं.टी. एन. एस. ------

नायकर नीभनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के नधीन सुचना

SIZE EXERT

कार्यासय, सहायक वायकर वायक्त (रिनरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई बम्बई, विनांक 10 जुलाई 1985 निर्देश सं० अई-1/37-ईई/4424/84-85--अतः मुझे, पी० एन० दुवे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चित्रका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/-रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं युनिट नं 107, जो, 1ली मंजिल, केवल इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-विंग, सेनापती बापट मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 5 नवम्बर, 1984

का वृत्रोक्स सम्पास के उणित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उणित आजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल गिम्नलिखिस उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत उबत बिंबन नियम के बधीन कार दोने के बन्तरक के शमित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा जे लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी धन या जन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाम-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था किया नामा वाहिए था कियाने में सुनिधा के सिष्ट:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मैसर्स श्रीरीएन्टल फैशन एक्सपोर्टर्स।

(अन्तरक)

2. मैसर्स जे० एस० गारमेंट्स।

(अन्तरिती)

की वह सूचना बारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मित्त के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्थना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविधि या तस्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर स्त्रमा की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक शे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

वन्त्वी

यूनिट नं ० 107, जों, 1ली मंजिल, केवल इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-विंग, सेनापती बापट मार्ग, लोक्षर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि सं० अई-1/37-ईई/6432,84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-11-84 की रजिस्टई किया गया है।

पी० एन० दुवे नक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

सारीख: 10-7-1985

मोहरः

म्कन् बार्' हो . एन् . एक् . ------

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) कर भारत 269-भ (1) में नभीन सुभंग

मास्त परकार

कार्यांत्रय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० भ्रई-1/37-ईई/4553/84-85--अतः मुझे, पी० एन० दुबे

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एश्वाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लेट नं० 42, जो 4थी मंजिल, हस्सा महल दालामल पार्क, कफ परेड बम्बई-5में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधानयम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 7 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विष्यास करने का कारण है कि विष्यास वर्षेत्र का उचित बाजार क्रम, उसके अवनाम प्रतिकल के, एवं अवनाम प्रतिकल का पंसह प्रतिकत से अभिक है और नंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एवं अन्तर्क के विष् तब नाम क्या प्रतिकल कल निम्नितिथित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई जिसी बाय की बावक, उक्त अभिनियम की अभीन कर धने के अन्तरण कें बायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के निष्: बार/या
- (क) एंबी किसी बाब वा किसी पन या जन्य शास्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरक्षी द्वारा प्रकट नहीं किस: वका या वा विका बावा पाहिए वा, कियाने ने प्रविधा से तिहरू

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह--

1. श्रीमती मरीअम अदमजी पीरभॉयर श्रीर श्री अदमजी इन्नाहीम पेरभॉय।

(अन्सरक)

2. श्रीमती रेहमणि शुकुर।

(अन्तिरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूनों कर सम्पत्ति को वर्षन की निष् कार्यनाहियां करता हूं।

उपन् सम्मृतिक् के वर्षन् के सम्मृत्य में कोई भी बाक्षेत्र:--

- (क) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिव की वया प्रतासकारी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्य स्थानतारों में से किसी स्थाबल व्यन्ता;
- (व) इब सूचना के राज्यन में प्रकारन की सारीय वे 45 दिन के मौतर उनत स्थानर सम्मित्त में हितनपृष् किसी नन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के गत सिवित में किए वा सकोंगे।

स्वाधिकरणः -- इतने प्रयुक्त कर्मी भीर पर्यो का, की सम्बद्ध अधिनियम, के कृष्याय 20-क में प्रिमाणित ही, वही अर्थ होगा को उस कृष्याम में दिमा नवा ही।

अनुसूची

फ्लेट नं० 42, जी, 4थी मंजिल हस्सा महल, दालामल पार्क, कफ परेंड बम्बई-5 में स्थित है।

अनुपूची जैसाकी कि० सं० अई-1, 37-ईई, 4422, 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारीअ बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-7-1985

मोहर 🕄

प्रस्प **वाद**े. टी. **ए**न्. **एस**्च----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-व (1) के अधीन सुपना

भारत तरकार

कार्यांचय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदॅण सं० अई-1, 37-ईई, 4621, 84-85→-अत. पीं० एन० दुबे

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, जो, मंदारमाला को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०. 29, बाबरकर मार्ग, गोखले रोड़ (नार्थ) के पास, दादण, बम्बई-28 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रोण पूर्ण रूप से विणित है)। श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनयम 1961 की धारा 269 के खाफ अधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 7 नवस्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार ब्रह्म, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरिधों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि कित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीभिन्यम के बभीन कर दोने के बंतरक के श्रीयत्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐरी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्त्वां का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

बसः अतः, उक्त वर्षिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) अ**बे बधीन**ः निम्न्[बि**ट्य व्यक्तियों**⊕ **वर्षात् ⊪**—

- 1. (1) श्री रोक ग्रोलिवेरा।
 - (2) ग्रेशन भ्रोलिबेरी,
 - (3) श्रीमती पी० डिसोझा श्रीर श्रीमती एम० डिसोझा।

(अन्तरक)

 श्री मणिलाल डी० शहा ग्रीर श्रीमती दमयंती एम० शहा।

(अन्तरिती)

अन्तरितयों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाधरे :---

- (क) इस सुभाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 विन की जबिध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वाक्त क्यक्तियों मा में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बत्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में दिये वा सकी गे।

स्पथ्डीकरण:— इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषितः है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा नवा है।

अमुसूची

फ्लेट नं० 5, जो, मंदारमाला को-आप० हाउसिंग सोसायटी, 29 बाबरकर मार्ग, गोखले रोड़ (नार्थ) के के पास, दादर, बम्बई-28 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि फ्रां० म्रई-1/37-ईई/4507/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनां र 7-11-84 को रिजस्टर्ड किशा गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

नारीख: 8-7-1985

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेज-1, अम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देण मं० म्रई-1/37-ईई/4780/84-85---म्रतः

मुझे पीं० एन० दुवे

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एक्सात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावण संपन्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- एत. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नार्थ वेस्ट साईड में, जो 2रीं मंजिल, गरज के साथ, तल माला, हार्क़नेत रोड़, बम्बई में स्थित हैं (और इनसे उपायक प्रतुसूची में और पूर्ण एप में विजित हैं), और जिनका करारनामा क्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 है, ख के प्रधीन तारीका 26 नवम्बर, 1984

को पूर्विक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिपाल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक द्रायमान प्रतिपाल से, एसे द्रायमान प्रतिपाल का पंद्रह प्रतिकाद से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अत्तरिनिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-पाल निग्निलाखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिया के लिए।

अतः अव, उशत अभिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उशत अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्मिलिसत व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. कुमारीं जिनीं खेणवाला।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एस० पीं० जे० मार्कर।

(अन्तरिती)

मैसर्स माथर एण्ड प्लाट इंडिय। लिमिटेड।
 (घह व्यक्ति, जिसके प्रधिभाग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पृथींक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस मूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नार्थ वेस्ट माईड में, जो, 2री मंजिल, गैरेंज के साथ, तल माला, हार्कनेस रोड़, अम्बई में स्थित है।

जैंसािक ऋ० मं० अई-1/37-ईई/4150/84-85 और जो सक्षम प्राधिभारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> र्पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्ब**६**

तारीख: 8-7-1985

मोहर 🔅

प्रकथ आई. ही. एन. एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 8 जुलाई 1985

निर्वेण सं > ऋई-1/37-ईई/4648/84-85—- ग्रतः मुझेः पी० एन० दुवे

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 15, जो, 1ली मंजिल, "मतनाम अपार्टमेंट", वर्ल्ड ट्रेड शेंटर के लामने, अफ परेड, अम्बई-5 में स्थित है (और इमसे उपाधक अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आपकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 5 ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 17 नथम्बर 1984,

क्ष्रे पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्यः से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्य्यमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है

और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित वृद्धिया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 -(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

अतः अतः अकः अधिनियम की धारा 260-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-च की उपापरा (1) के अधीन, निम्नलिखिल परिष्णों अधीन :---

मैसर्स जसस्त्र ओवर विसा

(भ्रन्तरवः)

2. मैंसर्स सिटींझन सिल्क मिल्स लिमिटेड । (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ मं 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबप्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषा गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 15, जो, पहलीं मंजिल, सतनाम श्रपार्ट-मेंट वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के सामने कफ परेड, बम्ब**६-5** में स्थित है।

श्रनुसूची जैयाकी कि मं किई-1/37-ईई/4547/ 84-35 और जो सक्षम प्राधि ारी, बम्बई द्वारा दितांक 17-11-84 को रजिस्टई िया गया है।

> पी० एन० दुबे स्थम प्राधि परी सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 8-7-19**8**5

प्रकृत वार्षः दीः एकः एकः -----

नायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नभीन सूचना

शापुद सरकाउ

कार्याल्य, तहायक आयक्त आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -1, बम्बई

बम्यई, दिना-र 10 जुलाई, 1985

निर्देश सं० प्रई-1/37-ईई/4608/84-85~ - प्रत: मुक्को, पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परक्त (उकत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-८ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के जाईन है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्र 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० कमरा नं० 1, 2, 3, 4 और 6, जो, 1ली मंजिल, बाम्बे मार्केट क्यार्टमेंट्स, ताइदेच मेन रोड़, बम्बई-34 में स्थित हैं (और इपमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करार्यामा अप्यक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269 ज, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि अरी के जार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 6 नवम्बर 1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृस्य से कम के क्यमान अन्तरित की गह के लिए और विष्वास करने का कारण यह है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से., ऐसे इष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अध्यक्त है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उददेश्य से उक्त अंतरण निश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहां किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिभिनियम के नधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वे किए; को रूपना
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था जिनाने में सुविधा वे सिए;

अत: अत, उक्त अधिनियम की धारा 26 9-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री वांग जेन चुंग उर्फ फिलींप वांग।
 (ग्रन्तरकः)
- 2. श्री गोवर एम० गेट्टी। (अन्तरिती)
- 3. श्रन्तिरिती।

(धह व्यक्ति, जिसके धिधभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रन्तरका

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रिधोहस्ताक्षरीं जानता है कि वह अम्पत्ति में हितवब है)

को यह सूचन। बारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के बचन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्तेय :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तरलंबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्दों और पर्वो का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित इं, बड़ी अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया प्रा इंडी

अनुसूची

्समरा नं ा. २, ३, ४ और ६, जो पहली, हैमंजिल, बाम्बे मार्केट श्रालार्टकेंट्रस, ताडदेव होन रोड, बम्बई-३५ में स्थित है।

श्रन्भूची जैनाकी क० मं० यह-1/37-हर्ड/4485/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी, अम्बर्ड द्वारा दिनांक 7-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एस० दुबे रक्षम प्राधिकारी सहारक आयक्षर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंग्रेन, ब कई

तारीख: 10-7-1985

प्रकप् आई.टी.एन.एस.-----

ण्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनां 🛪 8 जुलाई 🛮 1985

निर्वेश सं० भई-1/37-ईई/4751/84-85---भतः

मुझे, पी० एन० दुबे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पर्लंट नं० 4-बी-1, जो, भिरीराज इमारत, श्रस्टामाउंट रोड, बम्बई-26 में स्थित है (और इम्रेस उपाबद अनुसूची मे और पूर्ण रूप से पणित है)/ जिसका करारनामा श्रायकर श्रिष्टिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यांजय में रजिस्ट्री तारीख 30 नकम्बर 1984,

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल लिए अस्तिरत की गइ है मभे यह विद्वास करने का कारण कि यथा पर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके छ्यमान प्रतिफल सं, एसं द्रथमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कियागया**है:--**

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया शा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----42---196 GI|85

- (1) श्रीमती शौता रानी और श्रीमती बावशा रानी। (भ्रग्तरक)
- (2) सुशाल जैन भीर श्रीमती निसम जैन। (म्रन्तरिती)
- (3) सुशिल कुमार जैन श्रीमती निलम जैन। (वह ध्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्णन के संबंध में कोई भी बाकाप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की. तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हुन्नेगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

फ्लैट नं० 4-बी-1, जो, गिरीराज इमारत, श्रस्टा-माउंट रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० अई-1/37-ईई/4673/84-85 और जो सक्षम र्प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर भायुष्ट (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 8-7-1985

बोहर 🗈

जरून बाहाँ, टी. यून. यूक.,———

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निर्दाक्षक) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 जुलाई, 1985

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/4808/84-85---श्रतः मुझे, पीं० एन० दुवे

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा १६९-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ध्राफीस प्रिमायसेस सं० नं० 401-ए, जो, 4णी मंजिल, कामर्स हाउस, नागीनवाम मास्टर रोड़, बम्बई-23 में स्थित है (और इससे उपाबद ध्रनुसूची में पूर्ण रूप से बर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर ध्रिधिनयम 1961 की धार, 269 क ख के ध्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 28 ननम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को बिचत बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त बंतरण निविद्य में बास्तिक स्प से कथित महीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण के हुई किसी बाव की बाबत, अन्त वर्षितियम के वसीन कर दोने के बंतरक के पासित्व में कमी करने या उससे वंचने में सुविधा के किए? वरि/धा
- (व) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण ,में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थातः

- 1. श्रीं पुरुषोत्तम वैलंशी सोलगामा। (भ्रन्तरक)
- मैसर्स फेडरेशन ब्राफ पेपर ट्रेडर्स ब्रासोसिएशन ब्राफ इंडिया।

(ग्रन्तरिती)

- मैसर्स न्यूज प्रिंग एण्ड ट्रेनिंग डिस्ट्रीक्यूटींग कपनीज लिमिटेड ।
 - (बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. ग्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

का बहु सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त बम्मीत के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोर :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की जबीं में सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किही व्यक्ति इसार
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित-बद्ध किसी मन्य स्थावत व्यारा वधोहस्ताक्षरी के साथ विद्या में किस् का सकेंगे।

रम्ब्युक्ररण:—इसमें प्रमुक्त सब्दों नीर पर्वों का, यो उन्तर नीधीनयम से नध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं नर्थ होना यो उत्त नध्याय में विवा भवा हो।

वनुसूची

श्राफींस त्रिमायसेंस नं० 401-ए, जो, 4थीं मंजिल, कामसें हाउस, नागीनदास मास्टर रोड़ धम्बई-23 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैमाकी कि सं ग्राई-1/37-ईई/4930/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 28-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० **दुवे** सक्षम प्राधिकारीं स**हा**यक भायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्ब**ई**

दिनांक: 11-7-1985

नोहर 🛢

प्ररूप बाइ . टी. एन. एसा. -----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-1, बंबई

बम्बई विनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० भई-1/37-ईई/4737/84-85—भतः मुझै, पी०एन० दुवे

आयकर शिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं फ्लेट नं 48, जो, 8वी मंजिल, सी-क्लांक, युकेस को-ग्रांप हाउसिंग सोसाइटी लिं , ग्रंन्टांप हिल, बम्बई-37 है तथा जो बम्बई-37 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विमत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 की भ्रारा 269 क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। तारीख 20-11-1984।

को पूर्वेक्ति सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचा एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किचित में बास्तविक रूप से किथत महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती किशोरी वैक्ठ महारमे।

(भन्तरक)

(2) श्री मोईन जोसेफ अलमेडा।

(भ्रन्तरिती)

(3) भन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उथत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त, स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

घनुसूची

पलैट नं 48, जो, 8वीं मंजिल, सी-स्लांक, यक्रैस को-म्रांप हाउसिंग सोसाइटी लिं , मन्टांप हिल, बस्बई-37 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क्र०सं०श्रई-1/37 ईई/4661/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा विनाक 29-11 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, अस्वई

सारीख: 10-7-1985

प्ररूप थाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म से अधीन सुमना

भारत सरकार कार्यातयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंजबा, बंहुई ह्यम्ह्यहं दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37रईई/3694/84-85--- ग्रतः मुझे पी० एन० दुवे

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हुं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1..00.000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पलेट नं० 26, जो, "सुनितार इमारत, बूडहाउस रोड, कुलाबा, बर्म्स-5 है तथा जो बस्बई-5 में; स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), अभौर जिसका करारनामा आयंकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। 12-11-1984।

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिष्ठत में अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलीकत उद्देश्य से, उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती लाजू गोवर्धनदास महतानी।

(भ्रन्तरक)

(2) हिन्दुस्तान लिवर लिमिटेड।

(भ्रन्तरिती)

(3) प्रन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) झन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्मित्सि में हिसबबुध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अयिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याद में विमा गया है।

वन्स्ची

फ्लेंट नं० 26, जो, "सुनिता" इमारत, वृडहाउस रोड, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क०सं० शर्द-1/37-ईई/3705/84-85 शौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-11-84 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> पी०एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-1, बम्बई

वारीव : 10-7-1985

प्रकृष बार्ड .टी.एन.एस.------

बायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउता 269-च (1) के नभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, नम्बई धम्बई दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० भई-1/37-ईई/4464/84-85—भतः मझे पी०एन० द्वे,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० श्रांफीस प्रिमाईस नं० 302, जो, पोपटलाल चेंबर्स, 4था बलाईव्ह कांस रोड, दाना बंदर, बम्बई-9 है तथा जो बम्बई-9 में स्थित है (ग्रीर इससे उण्ल मनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसक करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के,ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 5-11-1984

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्नोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके रस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त सीधिनियम के अधीन कर दोन के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तिकों का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाना शाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

बत: ब्ला, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री संपतराज पूनमचंद जीन।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती सुरेखा धशोककुमार जैन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के विष कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ६---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (प) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

श्रनुसूची

भाफीस प्रिमाईस नं० 302, जो, पोपटलाल चेंबर्स, 4था क्लाईव्ह, कास रोड, दाना बंदर, बम्बई-9 में स्थित है।

भनुसूची जैसाकि कर्लं भई। 1/37-ईई/3832/8485 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-11-84 को रजीस्टर्फ किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, सम्बद्ध

तारी**ख**: 10-7-1985

प्रकृप नार्षं टी.प्रन.प्रस. ------

नोयकर निभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन कुर्या

भारत सर्काष्ट

कार्यासम्, सहायक बायकह नामुक्त (विद्वीकर्ण)

मर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जलाई 1985

निर्देश सं॰ भई-1/37-ईई/4716/84-85---- भतः मुझे, पी॰एन॰ दुवे

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) शिवर इसमें इसमें प्रमाद 'उन्तर अभिनियम' कहा गया हैं), की भाषा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मारा, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

स्रौर जिसकी सं० गेरेज नं०4, जो, अपनाघर, तलमाला, एस०बी० सिंग रोड, कुलाबा, बम्बई-1 है तथा जो बम्बई-1 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधि_ नियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलिय में रजीस्ट्री है, तारीख 7-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मूच्य से का के क्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नहीं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाहार मूच्य, इसके दरयमान प्रतिफल से, एसे क्षमयान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्बोध्य से उक्त अंतरण सिखित में पास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्दाइने थें हुई किया बाव की वानके, उन्ध प्रीयिक्षय में बचीन कर येंगे से संदारण में दायिहन में कृती करने या उन्हों नमने में वृत्तिया के जिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी नाम ना किसी भने या नाम नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर निर्धितमम, 1922 (1922 को 11) या उन्त निर्धितमम, या भनकर निर्धितमम, या भनकर निर्धितमम, या भनकर निर्धितमम, या भनकर निर्धितमम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती द्वादा प्रकट नहीं किया ना मा कि किसी में हिसा के निर्धेत

नतः नव, उन्तं निर्मियमं की भारा 269-मृ से निर्मेश्वरं में, माँ, उन्तं निर्मियमं की भारा 269-म की उपभाग्र (1) के सभीन, जिम्मिसिस व्यक्तियों, नर्भात् उन्न

(1) डां० एन०के० डाक्टर।

(भन्तरक)

(2) रजनीश वेलफेग्नर ट्रस्ट (डा० दिनेश के० टोपरानी)।

(भ्रन्तरिती)

(3) मन्तरिती।

(बह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) भन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में झधोहस्ताक्षरी जानत है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचका चारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति को वर्णन के बिए कार्यक्राहियों करतां हूं।

बक्त संपरित के कर्षय के सम्बन्ध में कांद्र भी मासीय:---

- (क) इस धूचना के राज्यम में प्रकाशन की तार्यों के 45 दिन की नविष मा तरवानगी व्यक्तियों कर स्वाम की तामीस से 30 दिन की स्वीभ, को भी नविष नाद यें समान्त होती हो, से भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी स्वतित व्यक्ति;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की ताराँच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिल-बहुध किसी जन्य व्यक्ति बुवारा अभोहस्ताक्षरी के पात मिकित में किए वा सकरेंगे।

स्यक्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पड़ों का, जो उक्त कट्टिमनियम के अध्याय 20-क में परिधाविक ही, बहु वर्ष होगा जो उस अध्याय में विका मुदा है।

नपुसुची

गैरेज मं०4, ग्रपनाघर, जो, तल माला, एस०बी० सिंग रोड, कुलाबा, बम्बई-1 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० ग्रई-1/37-ईई/4465/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 17-11-84 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 10-7-1985

प्रकप बाह्र दी . एन . एस . ------

मायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985 निर्देश सं० भई-1/37-ईई/4759/84-85—-मृतः मृझे, भी० एन० दुबे,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

कौर जिसकी संव फलेट नंव 502, जो, 5थीं संजिल, भगरत नंव 1, "सुमेर टांवर्स" लव लेन, मोट मोतीमा रोड, माक्षगांव, बम्बई-10 है तथा जो बम्बई-10 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 का के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 30-11-1984

हो पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान शितफस के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल सो, ऐसे द्र्यमान प्रतिफल का म्लूह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण चे हुई किसी आय की बाबता, उक्त विधिनवस के ज्यीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उत्तरे वचने में तृतिथा के विष्: वांड/वा
- (क) एसा किसी जाम या किसी धन जन्म शहित्यों की विषयं भारतीय आयकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कुर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती वृदास प्रकृष्ट नहीं किया प्रया या वा किया जाना चाहिए था कियाने में सुदिशी के सिए;

बतः सब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण कों, मीं, उक्त वांधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन, निम्नालिंगत व्यक्तियों, वर्धातृ ह—— (1) मैसर्स सुमेर मासोसिएटस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कांतीजाल भायूतमल शहा और श्रीमती धरमीबाई कांतीलाल शहा।

(ग्रन्तरिती)

(3) बिस्डर।

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति ही)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुए।

इसत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी बासे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गांस सिखित में किए वा सकोंगे।

स्पथ्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पर्दों का, जो उक्ता विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होगा को उस कथ्याय में दिहा भया है।

नन्स्ची

पर्लैट नं० 502, जो, 5भी मंखिल, ६मारत नं० 1 ''सुमेर टोवर्स'' लव लेन, फोठ मोतीशा रोड, बम्बई-10 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क० सं० ग्रई-1/37-ईई/4677/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 30-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राथिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रायंन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 12-7-1985

प्ररूप वार्ष. टी. एन. एस. - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बई अम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

निदेश सं० ऋई-1/37-ईई/4593/84-85—श्रत: मुझे, पी० एन० क्थे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

कौर जिसकी रं० सर्विस यूनिट नं० 219, जो, 2री मंजिल, नारायण उद्योग भवन, डॉ॰ बी॰ प्रांदेडकर रोड, लालबाग, बम्बई-12 है तथा जो बम्बई-12 में स्थित है (और ध्ससे उपाबद प्रमुखी में और पूर्ण कप से वणित है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, द के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यलय में रजीस्ट्री है, तारीद 7-11-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक रूप सं कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अभारण से हुई कियाँ भाग की बाबक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अम्तरक के वासित्व में कमी करने पा उससे वचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था। छिपाने में सविधा के लिए:

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स शक्ती प्रेस।

(मन्तरक)

(2) मैंसर्स के० पी० मासोसिएटस।

(मन्तरिती)

(3) मैसर्स पटेल हाउसिंग फायनान्स एण्ड कस्स्ट्रक्शन्स प्रायकेट लि०।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताकरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काहे भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की जबिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्थक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्ष लिखित में किए का सकारी।

स्पध्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्विस यूनिट नं० 219, जो, 2री मंधिल, नारायण उद्योग भवन, डां० बी० ग्रांबेडकर रोड, लालबाग, बम्बई-12 में स्थित है।

अनुसूची जैसाबी ऋ०सं० अई-1/37-ईई/4896/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 7-11-84 को रजिस्टर्ध किया गया है।

> भी० एन० दुवे सक्षम आधिकारी सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, बबम्द

सारीख: 12-7-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 11 जुलाई 1985

निवेश सं० ग्राई-1/37-ईई/4651/84-85--- ग्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

और जिसकी संव पवेट नंव 49, जो, 13कों मंजिल, इिलस को-श्रापव, हाउसिंग सोमाईटी निव, 102, जीवडीव सोमानी मार्ग, कफ परेड, बम्बई-5 है तथा जो बम्बई-5 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रक्षित्यम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजीस्ट्री है, प्रधीन, तारीख 17-11-1984,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सै कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कृष से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--43 –196GI|85

(1) विजय के० तुली।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. गांती प्रकाश महाजन और2. गीता महाजन ।

(ब्रन्तरिती)

(3) मैसर्स नेपानल स्टन्डर्ड डंकन लिमिटेड ।

(वह व्यक्ति

जिसके श्रिधभोग

में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं 49, जो, 13वीं मंजिल, इलिंस को-श्रापः, हाउसिंग सोसाइटी लिंग, 102, जीव्डीं सोमानी मार्ग कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कल्सं० अई-1/37-ईई/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-84 को रजीस्टर्ड किया गया है।

भी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 17-11-1985

भूक्य काहे. टी. एस. एस. ०००००००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-६ (1) के अधीर सचना

भारत दरकाड

कार्यात्वय, बहायक बाधकर बाधकर (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

ग्रई-1/37-ईई/4829/84-85----- श्रत: भुसे, **भी० एन० दुवे**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परुषास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया 🐉), की धारा 269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1.90,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव पटलें नंव 1/की, जो, बसंत महल, बरकत-श्रली दर्ग रोष्ट, बडाला (पूर्व), बम्बई-31 है तथा जो वस्वई-31 में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्टी है, तारी**ष** 29-11-1984।

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनितं बाजार गुल्य, उसके रवयमान प्रतिफल से, एभे श्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही सीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नसिधियत उद्योश्य में स्वतं अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण **संहूर्ध किसी बाव की बाबत**, स क्ल मीध-नियम के अभीन कर वाने के अन्तर्क तो बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; बरि/वा
- (वा) ऐसी किली बाय या किसी धन या जन्य अवस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियमः, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारें। प्रकट नहीं किया गया था विश्वा जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए:

ज्ञक्ष:, ज्ञब, उक्त अभिनियम की भारा 260-व के अनसरवा **क्रॉ., मॅं, उक्त** अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 🛋 अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

(1) डॉ॰ भी०एम० नारायणस्वामी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती वाली मेधजी परमार।

(भ्रन्त(रती)

(3) अन्तरिती।

(बह र्घ्याक्त जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को बहु सूचना जारी कारके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्थन के निद् कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अद्धि, जो भी व्यविभ बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिः बुवारा:
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें:

स्पष्टीकारण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उपर निधनियम, के नध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मबाहै:

अनुसूची

फ्लैट नं० 1/बी, जो, वसंत महल, बरकतग्रली वर्गा रोड, सत्यक्षारा को-श्रांप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, वाडला (पूर्व), बम्बई-31 में स्थित है।

ग्रन्**मूची जैसाकी ऋ०सं० ग्रई-1/37-ईई/4829/84-8**5 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 29-11-84 को रजीस्टर्ङ किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 8-7-1985

प्ररूप आर्थ: टी. एन. एस. ------

सायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/4499/84-85—अतः भुक्ते, पी० एन० दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० दुकान नं० 27-डी, जो, नवधुग मेन्णन है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध प्रमुस्त्री में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269 क, के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। तारीख 7-11-1984

को पूर्शेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारजीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, म⁴, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् ः—

- (1) श्रीनाथ बद्रीनारायण कुर्मी और श्रीमती ग्रमरसतीदेवी, ग्रशोककुमार कुर्मी। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री प्रमोद हरीश चंद्र परवा

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके क्रिकिनोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स' 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ब अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

दुकान सं० 27-डी, जो, त्रवयुग को-मःशन को-श्रांप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, स्लेक्टर रोड, बम्बई-7 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी अ०सं० श्रई-1/37-ईई/4368/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-8 को रज़ीस्टर्ड किया गया है।

> पो०एन० दुबे मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (नरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 8-7-1985

भोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

क्रावालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई दिनांक 8 जुलाई 1985

निवेश सं० म्रई-1/37-ईई/4512/84-85—म्प्रतः मुझे, पी॰एन॰ दुधे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास फरने का इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्थ 1,00,000/- रु. में अधिक ही

भीर जिसकी सं धूनिट गं 20, जो, 4 थी मंधिल, भगरत "ए", ससेक्स इंडस्ट्रियल इस्टेट प्रिमायसेस को-आंप सोसाइटी लिं, दाबोजी कोंडदेब फ्रांस रोड, भायखला, बम्बई-27 है तथा जो बम्बई-27 में स्थित है (और इसम उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), और जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 7-11-1984।

को पूर्वाक्त सम्परित के जीवत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण कि बिता में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की नावत, उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- ्रेंच) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अथः, उन्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, धक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती विल्कीस गालीब बल्याली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शामजी कल्याणजी सोनी।

(भ्रन्तरिती)

(3) प्रग्तरिती।

(वह क्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4: दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किए अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित । से किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स ची

यूनिट नं० 20, जो, 4थी मंजिल, इमारत "ए" संसेक्स इंडस्ट्रियल इस्टेट प्रिमायसेंस को-प्राप० सोसाइटी लि०, दायोजी कोंइदेव क्रांसज रोड, भायखला, बम्बई-27 में स्थित है।

अनुसूत्री जैसाकी के०सं० अई-1/37-ईई/4394/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्षाराजदिनांक 7-11-84 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> पी० ए० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आमकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।, अम्बर्झ

तारीख :8-7-1985

प्ररूपः वर्दः टीः एनः एक्त्- ⇒ + + +

बायकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीय सुचना

भारत करकार

भार्जालन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेश स० म्रई-1/37:ईई/3242/84-85—म्प्रतः मुझे, भीरुएन० दुवे

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रीर जिसकी संव पलेट नंव 21 जो, 2री मंजिल, उनीधा धमारत, न्यू निर्मला को-प्रांपव हाउसिंग सोसाइटी लिव, किडवाई रोड, वडाला, बम्बई-31 प्रारव्यक है तथा जो बम्बई-31 में स्थित है (और इससे उपावक प्रमुखी में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्राधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ये के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है सारीख 15-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का बन्तर प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रित निम्निचित न्युंबिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्ष्प के किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुए किसी श्राय की बाबत, धक्त कॉभनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने मा अससे जसने में सूर्यिभा के लिए: बौर/बा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपारं में द्विया वी किए:

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, पा, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, जिम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन,

(1) किरीट नंबलाल कल्याणी।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती ताराबाई परदेशी।

(अन्तरिती)

को बहुसुषना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त बन्धरित को वर्षन् तो संबंध को कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना को राजपत्र हो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की क्षविध, को भी जबधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) अस स्वांग क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के शीदर उस्त स्थावर सम्पत्ति में दितवप् किसी वास स्थावत स्थावर सम्पत्ति में दितवप् किसी स्थावत स्यावत स्थावत स्यावत स्थावत स्थाव

स्मष्टीकरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

फ्लेट नं० 21, जो 2शी मंजिल, उनीथा, न्यू निर्मला को-म्रांप० हाउसिंग सोसाक्ष्टी लि०, म्रार०ए० किडवाई रोड, वडाला, बम्बई-31 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०सं० अई-1/37 ईई/4402/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-11-84 को रजीस्टर्ड किया गया है।

पी०एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बर्झ

तारीष : 9-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बई

वम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/4630/84-85--श्रतः मुझे, भी०एन० दुवे

अध्यक्षर जीधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे परकार जीधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,009/- एउ. से अधिक है

और जिसकी संव यूनिट नंव 31, जो, 2री मंजिल, 231, मिलन इंडस्ट्रियल इस्टेट, कांटन ग्रीन, बम्बई-33 है तथा जो बम्बई-33 में स्थित है (और इससे उपाबक श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रक्षितियम, 1961 की धारा 269 क, को श्रक्षीन वम्बई स्थित सक्षम श्राधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 7-11-1984

को पूर्वेक्स संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसक स्थमान प्रतिफल सो, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर पाने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत. जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की धपथारा (1) के अधीन, निक्निसीं **वत** व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) ए०ए० होसीयर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) ए० धन्तास फंशन्स ।

(ब्रन्तरिती)

(3) ए० क्लास फेशन्स।

(बह र्व्याक्त, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्वागा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-हौ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्ची

यूनिट मं० 31, जो, 2री मजिल, मिलन इंडस्ट्रियल इस्टेट, कांटन ग्रीन, बम्बई-33 में स्थित है।

प्रतृसूची जैसाकी ऋ०२० प्रई-1/37-ईई/4513/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्वारा दिनांक 7-11-84 को रजीस्टर्क किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 8-7-1985

प्रकप बाह्र', टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ७६९-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरक्षिक) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/4604/84-85—श्रतः मुझे, पी० एन० दबे

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाबार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 12, जो, तल माला, "गायवाडी सदन", 147, डा० विगास स्ट्रीट, रामवाडी पोस्ट श्राफीस के पास, बम्बई-2 हैं तथा जो बम्बई-2 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपायब ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है नारीख 7-11-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंबरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिचित उच्दर्थ से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वंतरण ते हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कार शेने के वंतरक के वर्षयहरू में कामी कारने या समसे अधने में स्विधा के लिए; बार/बा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उन्न अधिनियम, या धरा कर अधिनियम, या धरा कर अधिनियम, वा धरा कर अधिनियम, 1957 1957 का 27 और प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्दिथा के लिए;

कतः जन, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेयर्स बी०टी० बाधुमल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मुशिला तिर्यदास टोलानी।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्परिस को अर्थन के निष् क र्यवाहियां करतः हो।

उक्त सम्पर्तित के गर्जन के सम्बल्ध मा कोई भी माक्षेप :----

- (क) रस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स श्यक्तियों में से किमी अविधि हुन।रा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगे जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

दुकान नं 12, जो, तल माला, "गायवाडी सदन", 147, डा॰ विगस स्ट्रीट, रामवाडी पोस्ट श्राफीस के पास, बम्बई-2 में स्थित है।

प्रमुची जैसाकि क०सं० ग्रई-1/37-ईई/4483/84-85 गौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 7-11-84 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारी**ख** : १**० 7**—1987

मोहर 🕝

इस्ल बाहे. ही. एवं. एक्व ---

जायकर जिथानियस, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के जभीत सुवृता

नारत वरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज 1, बम्बई

वम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985 निर्देश सं० ग्रई 1/37-ईई/4637/84-85---श्रतः, मुझे, पी० एन० धुबे,

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्प्रें इसके पश्चात् 'उक्स विभिन्नियम' कहा गया हैं), की भाष 269-च के ज्भीन सभव प्राधिकारों को नह निश्चात करने का कारण है कि स्थादर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- का संअधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 104, जो, पहली मंजिल, वर्धमान चेंबर्स, 72, कल्याण स्ट्रीट, मस्जिद बंदर, प्लाट नं० 1, 127 जी एल्फीन्स्टन इस्टेंट टी०पी०एस०, बम्बई-19 है तथा जो वम्बई 19 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रुनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 17-11-1984

का पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाबार गुरूब से कम को क्रयजान प्रतिकाल के लिए जन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्ययमान प्रतिफल का बंबह प्रतिकात से जिथक है और जंतरक (अंक्ट्कॉ) और

जन्तरिति (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरभ के लिए तय पाया गया प्रतिकश निजनिक्षिति उद्देश्य से उक्क अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है अ—-

- (क) मुस्तरण से हुई किसी नाव की वादत, उदय विभिन्निय के अभीत कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कवीं कड़ने ना उदये वसने में सुविता औं सिए, बॉड/या
- (अ) एंसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियाँ की चिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के नधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, नथाँत् ∴— (1) मेसर्स वर्धमान इंटरप्राईज।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री देविंदर सिंग जयसिंग ग्रोबेराय ग्रीर श्रीमती त्रिपातकोर जयसिंग ग्रोबेराय।

(भ्रन्तरिती)

(3) मन्तरकों।

(वह स्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह बूचना बाही करके पूर्वोक्त बूज्यरित के वर्षन के किय कार्यनाहियां सुक करता हुई।

उनक बन्दील के नुर्वम के सर्वभ में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस त्याना के राज्यक में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की नविष वा तत्वास्त्राओं स्वित्तवाँ पर कृषणा की ताणीत से 30 दिन की समित्र को भी समृष्य वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्व स्वित्यों में से किसी स्वित्त स्वारा;
- (व) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारिक में 45 विज के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अध्येहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए वा सकेंगे।

घ्रमुसूची

दुकान नं 104, जो, पहली मंजिल, वर्धमान चेंबसें, 72 कस्याण स्ट्रीट, मस्जिद बंदर, (प्लाट नं 1), 127-जी, एस्फीन्स्टन इस्टेट टी०पी०एस०, बम्बई-19 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि ऋ०सं० श्रई 1/37 ईई/4544/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 17-11-84 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० **दुबे** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्र**र्जन** रेंज-1, **बम्बई**

तारी**ख**: 8-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं थारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ज्लाई 1985

निर्देश मं० श्रई 1/37 ईई/4709/84,85---श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं श्राफीय नं टी 1/4, जो, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, कफ परेंड, कुलाबा, वस्बई-400 005 है नथा जो विकास किया है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बस्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 17-11-1984,

को पूर्वकित सम्पत्ति वो तिश्वत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्मित्न की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यदाप्यक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दश्न प्रतिश्वत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्निलिसन उद्देश्य में उक्स अन्तरण लिलिस ब श्रम्यिक एम में अधित नहीं किया गया है है

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निनिमित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिस्स 44~196GI[85 (1) मेनलाईन ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स शिवा इंटरनेशनल।

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरका

(वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थळिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

श्राफीस नं० टी 1/4, जो, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, कफ परेड, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित हैं।

ग्रानुमूची जैसाकि ऋ०सं० ग्राप्ट 1/37 ईप्टें/4460/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-84 को रिजस्ट किया गया है।

पीं० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

सारीख: 12-7-1985

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

बायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बंबई बंबई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/4514/84-85---अतः मुझे, पी० एन० दुवे,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्राफीस नं० 54 श्रीर 55, जो, 5वीं मंजिल, श्रीर 3, कार पास्तिन जगह (खुला), मितल कोर्ट, "बी" विग नरीमन पाइंट, वस्वई-20 है तथा जो बस्बई-20 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 7-11-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक्ती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्दोस्य में उकत अन्तरण निरिखत में वास्तिबक्त रूप से कथित नहीं किया गया हैं —

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के उदिल्य में अभी करने वा उपम वच्च मा क्रिया। के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या त्रन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 19?? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलियन व्यक्तियों, अर्थात :——

- (1) वाणिजा शेम्रर्स ट्रेडर्स प्रायवेट लिमिटेड । (म्रन्सरक)
- (2) सुतलज कांटन मिल्स लिमिटेइ।

(ग्रन्तिश्वः)

(3) अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके स्रधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरितियों।

(यह व्यक्ति, जिसके वारे में ग्रधोहस्भाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिलबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, जे अध्याप 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्राफीस नं० 54 श्रीर 55, जो, 5वीं मंजिल, श्रीर कार पाकिना जगह (खुला), मित्तल कोर्ट, "बी" विग, नरीमन पाइंट, बम्बई-20 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कल्मल स्रई-1/37-ईई/4395/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 7-11-84 को रजीस्टई किया गया है।

षी० एन० दुबे पक्षम प्रधिकारी यहायक स्रायकर स्रायक्क्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीखा : 8-7-1985

मोहर

प्ररूप आहाँ . टी . एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन तुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निजीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्राई०--1/37--ई ई/4778/84--85----श्रतः, मुझे, पी० एन० दुवे,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 116, जो, हीरा पन्ना शापिंग सेंटर, कार्नर श्राफ हाजी अली और नाडदेव रोड, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई—26 है तथा जो बम्बई—26 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से बिणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, दिनांक 30 नवम्बर 1984

कां पूर्वाक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्मिसित उच्च क्य से उक्त अन्तरण कि लिए तम

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्य के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयक्त-कर अधिनियम, 1922 (1992 का 11) का उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उंक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) इंडिया भारी म्युजियम ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बातूल कुरबन हुसैन झबेरी श्रीर श्री श्री कुरबन हुसैन ताहेर भाई ढौलकावाला। (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्थन के हिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उपल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

जनस्वी

दुकान नं । 16, जो, हीरा पन्ना शापिंग सेंटर, कार्नर आफ हाजी ग्रनी ग्रीर नाडदेव रोड, भुनभाई देसाई रोड, बम्बई- 26 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैमा कि ऋ० सं० ग्रई०-1/37-ई ई/4692/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुने, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण); भ्रजीन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 10-7-1985

प्राक्त आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269 घ (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई०-1/37-ईई/4599/84-85--श्रतः, मुझे, पी० एन० दुबे,

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसमें

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 203, जो, 2री मंजिल, लक्ष्मी श्रापर्टमेंट, डा० श्रनी बेसेन्ट रोड, वरली नाका, बम्बई-18 हैं तथा जो बम्बई-18 में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 7 नवम्बर 1984,

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान विश्वास के सिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वजाप्चेंक्स संपत्ति का उजित बाबार ब्ल्य, उसके स्वयमान प्रदिक्षल सं, एते स्वयमान प्रतिकल का पल्छ प्रतिकत से बिज्य है और बन्तरक (बंदरकों) और अंखिरती (बन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नजिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निस्ति में अम्ब-भिक रूप से किंगा नदी किया गया है :---

- (क) क्यारण वे हुई किसी बाय की वायस, अध्य जीभीनयन के अधीन कर बोने के अन्तरक के वादित्व में क्या करमें मा स्थासे नवने में सुविधा के विष्; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर ऑधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) यो प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाना चाहिए था किरारे मे स्विजा के हिक्का;

बतः वब, बक्त विधिनियम की धारा 269-म के. अन्यरण की, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-च की ल्लाभार (1) ओ अधीत निमनिसित व्यक्तियों वर्षातः :--- (1) श्रीमती एस० एस० कुलकर्णी।

(ग्रन्तरक)

(2) तिलक कुंवरजी मांडा।

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) भ्रन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सन्परित् के स्थान के सम्बन्ध में सार्व भी आक्रोप

- (क) इत सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी स्थितयों पर
 सूचना की ताजील से 30 दिन की जनिथ, जो भी
 अविध नाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस ब्रुपना के राज्यका में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

रचव्यकिरणः स्वसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, जां उक्क अधिनिवम, जो अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगेंग् को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 203, जो, 2री मंजिल, लक्ष्मी श्रापर्टमेंट, डा० श्रनी बेसेन्ट रोड, वरली नाका, बम्बई--18 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई०-1/37—ईई/4480/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 10-7-1985

प्रस्प आइ. टी. एन. एस.------

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

म प्रश्तिस

कार्याच[्] ११ छ । अ प्रकृत आ**यन्त (निरीक्षण)**

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ज्लाई 1985

निर्वेश सं० ग्रई०-1/37—ईई/4784/84-85—भ्रतः मुझे, पी० एन० दुबे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थाप्य महासा कि विश्वास अधिक है कि स्थाप्य महत्य 1,00,000/- राज से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, जो, 2री मंजिल, डान श्रपार्टमेंटस, लस्लूभाई श्रमीचंद कम्पाउंड, 225/227, ताडदेव रोड़, बम्बई-7 है तथा जो बम्बई-7 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 28 नवम्बर 1984।

को पूर्विका सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से अस के इश्यभाम प्रतिफल के लिए अंतरित् की गई ही और मूफे यह विद्वास करने का कारण हो कि यथापवांकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इद्य्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक हप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण संहूई फिसी बाय की शबस, उक्त अभिनियम के जधीन का दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी शय या शिक्सी एत या शाप आस्थिती की, जिन्ही भारतीय आयकार की शायवा 1972 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या समझार अधिनियम, 1957 (1957 का 97) की एया जनार्थ अपतिरती दवारा प्रशास नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए,

अतः अवः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, अधीत :—

(1) श्री हरीश जी. वामानिया श्रौर श्री दिनेश जी. मास्टर (दामानिया)

(भ्रन्तरक)

(2) श्री निलेम लिलाधर शहा श्रौर श्री लिलाधर श्रो. दोमी ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कींगे।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें अयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वसा है।

अनुसुधी

फ्लैंट नं० 5, जो, 2री मंजिल, डान भ्रपार्टमेंटस, लल्लूभाई भ्रमीचंद कंपाउंड, 225/227, ताडदेव रोड़, बम्बई-7 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई०-1/37-ईई/4922/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 28-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 12-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई .टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जून 1985

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी फ्लैंट सं० 10, जो, 6वी मंजिल, मलबार श्रपार्टमेंटस श्राफ नेपियन सी रोड़, बम्बई—36 है तथा जो बम्बई—36 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रवीत बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 14 नवम्बर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक ते हुई किसी जाय की वाजत, उच्का अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय ता किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के सिए;

अतः अब, उक्त आंधनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अपधारा (1) के अधीन, निम्नांजियन व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती देवीबाई जेथानंद चुगानी ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री जाहिद ए० लल्लाजी।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अनीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दिवार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पवों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 10. जो, 6त्री मंजिल, मलबार श्रपार्टमेंटस, श्राफ नेपियन सी रोड़, बस्बई-36 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई०-1/37-ई ई/3749/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 14-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दनांक: 3-6-1985

मोद्दर :

पक्ष बाहे. टी. एत. एस.-----

काशकर जीभीनयमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

शार्ट स्रकार

कार्यानय, सहायक जायकर जायकर (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई०-1/37-ई० ई०/4610/84-85--ग्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्राफिस प्रिमायसेस नं० 149, जो, 14वीं मंजिल, जॉली मेकर चेंम्वर्स नं० 2 सर्वे नं० 1929, फोर्ट डिवीजन प्लाट नं० 225, निरम न पाइंट, वम्बई—21 है तथा जो बम्बई—21 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 7 नवम्बर 1984 को पूर्वोंकर संपत्ति के उपित बाबार मृत्य से कव के स्वमाव प्रविक्त के सिए वन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि मभावाँकत सम्पत्ति का स्थित बाजार मृत्य उसके स्वमान प्रतिक्रत को एसे स्वमान प्रतिक्रत का निर्वास करने का कारण है कि मभावाँकत सम्पत्ति का स्वित्त का स्वर्व उसके स्वमान प्रतिक्रत को गई है और अंतरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के तिए तथ पावा गया प्रतिक्रत जिप विश्व विश्व विश्व व्यवस्थ सं उक्त अंतरण जिला व यास्तिक हम सं कायत कहीं किया वया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्टा और/या

अप: जब उक्त विधिनियम की धारा 269-य के जनकरक जों, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिसत व्यक्तियों, नर्थात् हिल्ल (1) श्री ग्रनील वी० सालगावकर

(ग्रन्तरक)

(2) दि सोल्वेंट एक्सट्रक्सं एसोसिएशन ग्राफ इंडिया (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्ववाहियां कृष्ट करता हुं।

उन्द बुम्बरि के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रेकाशन की तारील हैं 45 दिन को जबिध या तत्सीमंत्री व्यक्तियाँ पर सूचना की तानील से 30 दिन की सर्वीभ, को औ सर्वीभ बाद में संजाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इक बूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीय सं 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी मन्य स्थित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा तकोंने।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त कथ्याय 20 क में परिभाषित अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही कर्भ होगा जो उन्ह अध्याक में दिया गया है।

वन्स्ची

श्राफिस प्रियायसेस नं० 149, जो, 14वीं मंजिल, जॉली मेकर चेंम्बर्स नं० 2, पर्वे नं० 1929, फोर्ट डिविजन, प्लाट नं० 225, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रिहैं -1/37 - है \circ है $\circ/4487/84$ - 85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बन्वई द्वारा दिनांक 7-11-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज–1, बम्बई

दिनांक: 11-7-1985

प्ररूप आहूर.टी. एन. एस. -----

खायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई०-1/37-ई० ई०/4542/84-85---श्रत मुझे, पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 504, जो, 5थी मंजिल, विग-डी विना बिना श्रपार्टमेंटस, श्राचार्य दोंदे मार्ग, सिवरी (प०) बम्बई-15 है तथा जो बम्बई-15 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है,) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है. दिनांक 7 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं सुर्हे िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिमिन व्यक्तियों, अर्थातः --- (1) श्रीमती लतिफाबी हसन खान।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीरघुनाथ बी० हेगड़े।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपक्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः --- क्ष्ममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होए जो उस अध्याप में दिया गया है।

भनस्ची

फ्लैंट नं० 504, जो, 5वी मंजिल, विंग-डी, विना <mark>बिना</mark> भ्रापार्टमेंटस, भ्राचार्य दोंदे मार्ग, सिवरी (प०), वम्बई-15 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई०-1/37-ई० ई०/4413/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 12-7-1985

मोहर

मुरूप जाइ ० टी० एन्० एस०-

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालयः, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

ब दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्धेंग सं० म्रई०-1/37-ई० ई०/4587/84-85--मतः मुझे, पी० एन० द्वे,

बाश्कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (चिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की बाख 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कर काईण है कि स्थावर तस्पत्ति जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं पूनिट नं 210, जो, शिव शक्ति इंडस्ट्रियल काम्प्लेक्स, प्लाट नं 7-बी, श्री सीताराम मिल कंपाउंड, लोभर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 7 नवम्बर 1984,

न्ये श्वांकित समपत्ति के उचित नाजार नृष्य से कम को व्यवसान प्रेतिकल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख को अनुसार जन्त-रित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मून्य क्यांके व्यवसान प्रतिफाल से एसे व्यवसान प्रतिफाल का प्रतिफाल का प्रतिफाल का प्रतिफाल का प्रतिफाल का प्रतिफाल का प्रतिफाल से विकास मानिक प्रतिहात से विभिक्त है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिकी (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पाया गया नितास, निम्निसित्ति सब्देश्य से उक्त क्यारण कि विवास की वास्तिक क्यारण की सिए तक प्राया निर्माण की साम्यरण की सिंग्स क्यारण की वास्तिक क्यारण क्यारण की वास्तिक क्यारण क्यारण क्यारण क्यारण की वास्तिक क्यारण क्यारण क्यार

- (क) अभ्तरका से हुई किसी शाय की बावड, उक्त कॉस-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविभा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, वा भनकर विधिनयम, वा भनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया नदा था या किया जाना चाहिए था, जियाने के सविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के वनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अ्थित् 45—196GI|85

(1) श्री कमलेश ग्रार० भारवानी द्वारा फादर एंड नेचुरल गार्शीयन श्री ग्रार० एम० भारवानी ।

(ग्रन्तरक

(2) मेसर्स निष्यून इंडस्ट्रीज प्रोपराष्ट्रटर स्राफ निष्यून कन्स्ट्रवणन कं० (भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्पक्ति को वर्षन की किए कार्यवाहिको कारसा हुं।

ं उपत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिंच का तरमंध्री व्यक्तियों पर क्वना की ठामीस से 30 दिन की सविध, जो बी बंबिंग कर में समान्त होती हो, से मीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क), इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्षण किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीचरण ६—इसमें प्रवृक्त कन्दी और पदों का, को उच्च अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया स्वा हैं।

म्सूची

यूनिट नं० 210, जो णिव णिवन इंडिस्ट्रियल कार्म्प्लेकस प्लाट नं० 7-बी, श्री गीताराम मिल कंपाउंड, लोग्नर परेल बम्बई-13 नें स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि करु मंद्र श्राहरू -1/37 म्हर्द हैं 0/4641/84 84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बनम्हे हारा दिनांक 7-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० **दुवे,** सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, **बम्बई**

दिनांक: 12-7-1985

इस्प तार्_थ हो_ल पुर_ं पुर_ं । • • • •

भावकड निर्मितवन, 1961 (1961 का 43) स्मी भारा 269-व् (1) के विभीन बृज्जा

भारत चडकाड

कार्यासन, बहानक शानकर नायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, बस्मई

बम्बई, विनांक 5 जुलाई 1985

निर्वेश सं० मई०-1/37-ई० ई०/4680/84-85---मत मुझे, पी० एन० दुवे,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसमें परवात 'उनत निधिनियम' सहा गया हैं), की भाग 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्ताद करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विसका डिव्ह वाचाद मूच्य 1,00,000/- रा. से जिथक है

ग्रीर जिसकी सं० भौद्योगिक यूनिट नं० 9, जो, 1 ली मंजिल "ग्रमीर इंडस्ट्रियल इस्टेट", सन मिल कंपाउंड, सन मिल रोड, लोग्रर परेल, बम्बई—13 है तथा जो बम्बई—13 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 17 नवम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाबार मृत्य से कन के अवनान जित्यक्त के लिए अन्तरित की गई है बीर मुक्ते यह विश्वाध अरम का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाबार बृथ्य, उसके अयमान प्रतिफत्त से, एसे अवनान प्रतिकत् का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है बीर जन्तरक (अन्तरकों) बीर जन्त-रितो (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्वेष्ट्य से उकत् अन्तरण विवित् के शास्त्रिक रूप से किया नृता है है——

- (45) बन्दारण ते हुन्दं किसी जाव की वायतः, उनका वृधिनियम् के स्थीन कर दोने के बन्दारक से वायित्व में कमी करने वा उससे क्यने में सृहित्सा के सिए; सौट/या
- (वा) एसे किसी जाय वा किसी धन वा बन्त जारिस्त्यों की, विक्त भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धमु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

बक्: त्रवं, उक्त विधिनियम की धारा 269-वं को वनुबरक जो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-वं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्धात् हु---- (1) श्री धमीरमली भार० जाफर।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स कीएटीव्ह गारमेंटस प्राईवेट लि०। (अन्तरिती)

को बृह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां सूक करता हुई ॥

उक्त सुरुपृत्ति के वृष्यंत् के सस्वरथ में कांद्र' भी आक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के उपजपन में प्रकासन की तारीच थें 45 दिन की जबीप या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की जबीध, जो भी जबीप बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी जन्म व्यक्ति क्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाब सिचित में किए जा सकांगे।

स्वच्यां करण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, जो उन्नर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गया ही।

बन्स्यी

षीद्योगिक यूनिट नं० 9, जो, पहली मंजिल, "श्रमीर इंडस्ट्रियल इस्टेट", सन मिल कंपाउंड, सन मिल रोड, लोग्नर परेल, धम्बई—13 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई०-1/37—ई० ई०/4436/84—85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, बन्धर्स

दिसांक: 5-7-1985

मोहर 🖫

प्रकल काद्¹.टी.एन.एस. ------

बायफर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्वना

भारत बर्डकार

कार्जालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षक)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई दिनाः 5 जुलाई 1985

निर्देण मं० ऋई०--1/37-ई० ई०/4699/84--85---**मतः** मुझे पीं० एन**्** दुबे,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस स्थामें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा वया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार जूका 1,00,000/-एः से अधिक हैं

और जिसकी संव फ्लेट नंव 3, जो 1लीं मंजिल रेखा इमारत नंव 2, 46 रिज रोड़ बम्बई-6 है तथा जो बम्बई-6 में स्थित है (और इसमें उपाबंद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधितियम 1961 की धारा 26 के खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनाक 7 नवम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और सूभ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रविफल के दृश्यमान प्रतिफल के दृश्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निम्नलिचित उच्चरेय से उक्त अन्तरण निचित् में बास्तिक रूप से कायत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण ने हुई किसी बाव की बावत, उक्त जिपनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के गावित्व में कमी करने या उससे बचने में कृषिभा के सिष्ट; बाटु/या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या कत्य नास्तियों की जिन्हीं भारतीय नायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा की लिए।

जतः अनं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधादा (1) चै अधील, निम्मीनियत स्पितनों, अर्थात् करू (1) श्री विरेन्द्र एस० सवेरीं।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हिम्मतलाल मन्सूर और भीमती उषाबेन एम० मन्सूर।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

को बह सूचना बादी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हु।

कवत सम्पत्ति के वर्षन के तम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्सक्तनधी व्यक्तियों पर स्वाग की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सम्मप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राय;
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्रहीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिशियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्त्रुवी

पलेट नं० 3 जो 1लीं मंजिल, रेखा इभारत नं० 2, 46, रिज रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

श्चनुसूची जैरा कि कि संव सईवि-1/37-ईव ईवि/4445/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाः 12-11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एस० दुवें सक्षम प्राति तारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) श्रर्जन रेंज- 1, बस्बई

दिना ।: 5--7-1985

इस्त्रम बाई. टी. एन. एस.,-----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के कभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, िवह 12 जनाई 1985

निर्देश सं० अई०--1/37अई० ई०/4620/84- 85→**-अतः** म**से**, पीं० एन० इबे

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके पश्याह 'उक्त अधिनियम' व हहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पर्यात्त, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अरि जिसकी संव आफि शिमार्यों नंव के ए यो पहली मंजिल "सुगंधी" 58/60 रुपार राज या बई- 2 है तथा जो धमबई- 2 में स्थित हैं (ऑस रिट जा जाता प्राप्त का प्राप्त में और पूर्ण रूप से घणित हैं) अंग ि जा जा जा जा जा जा जा जा राज्य है स्थित स्थान प्राधिकारों के विशे एक से प्राधिकारों के विशे प्राधिकारों के विशे एक से प्राधिकारों के विशे प्राधिकारों के विशे एक से प्राधिकार में से स्थाप विशे के प्राधिकार के सिए अंगिरत की प्राधिकार में यह विश्वास करने का कारण है कि प्रमाप्तिकार स्पति का उचित बाजार मूल्य सक्के स्थामन प्रतिपत्त के ली एक स्थापन प्रतिकार का पत्त्रह प्रतिकार से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (बन्तरितियां) को बीच एस समार्थ के लिए तम्पामा बमा प्रतिकार, निम्निकार्य उद्यास्य से जबल अन्तरण निकार में बास्तिक रूप से क्षिण हों किया गया हैं:—

- (क) ब्रम्हणम स हुए कि तो लाम की बायस वाक्स वाधि-नियम के अवस्थि कर राज का अन्तरक के कायित्व में कमी करन या असर राजने में सुविधा की नियं; कीए का
- ्ष्ये एसी किसी नाम मा किसी भन या जन्म शास्तिभी का, जिन्हें भारतिय आयकर विभ नवस, 1922 (1922 का) या जन्म अधिनियम, या भन्- कर जीधिनियम, 1957 (195 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती हवारा प्रकट नहीं किया ग्या मा या किया जाना चाहिए था, छिपार में सुनिभा के लिए.

ं ज़्त: अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269 में वै वनुबहुण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ को उपधारा (1) के विधीन, निम्तिसिक्ष अधिकतार्थ, अधीत :---

(1) श्री मंगतराम नेमचंद सुखानी।

(श्रन्तरक)

(2) मनर्स एवं पी० ट्रेडर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सुकता कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षप 🛶

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, धो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति जुनारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा वधीहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पंचीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्त्रपी

श्राफीस शिमायंसर नं० 4चए जा 1ली मंजिल "मुगंधी" 58/60 सुतार चाल, बम्बई-2 में स्थित है।

श्रनुसूची कैना कि अं० सं० ग्रई०⊶1/37 ई० ई०/4506/ 84-85 और जो अक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम शाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज-1 बम्बई

दिनांक: 12-7-1985

प्रकप बाई . ती . इन . युव . -----

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1 अम्बर्ह

बम्बर्ध, दिनां हु 10 जुलाई 1985

निर्देश मं० श्रई०-1/37-ई०ई०/4625/84-85--श्रत: मुझे पी० एउ० दुवे

अग्रयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकः अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-अ के अधी- पक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/- ं से अधिक हैं

और जिसकी संव दुकान नंव 81 जो हीरा पन्ना णॉपिंग सेंटर जानेर श्राफ होजी अली और ताडदेव रोड़ शुलाभाई देशाई रोड़ वस्वई- 26 है तथा जो बस्बई- 26 में स्थित है (और इसमे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसना करारनामा श्राय र श्रिधित्यम 1961 की श्रारा 269 व ख के श्रिधीन बस्बई स्थित रक्षम प्राधिवारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है दियों 7 नवस्वर 1984।

को पृबंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमाम प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृवंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरका) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के डायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अवत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

(1) पूरन इन्ब्हेस्टमेंट कार्पोरेशन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हुनामुद्दीन नूख्दीन भालियत ।

(भ्रन्तिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवृधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बुकान नं 81 जो हीरा पन्ना गाँपिंग सेंटर कार्नर ग्राफ हाजी अली और ताबदेव रोड़ पुलानाई वेशाई रोड़ काबई-26 में स्थित है।

प्रमुस्नी जैया कि कि सं प्राई०- 1/37-ई० ई०/4509/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-1984 की रजिस्टई िया गया है।

> पी० एन० **दुबे** सक्षम प्राधित री सहायक श्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज- , बम्बई

विनोक: 10-7-1985

प्रकप नादौ, टी. एन . एस . -------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-। अम्बई

बम्बई , दिनांक 10 जुताई 1985

कायकर वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकीं संव प्लैट नंव 34 जो भक्तवार को-श्रीपव हाउभिम सीमाइटी लिव कारायण दाशोनवर रोड़ बम्बई-6 है तथा जो बम्बई-6 में स्थित है (और इतसे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण कर में विजित है) और जिसका करार-नामा श्रीयकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रीन बन्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनां 2 नवम्बर, 1984।

को पूर्वेक्त संपत्त के उणित बाजार मूल्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे कणने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

जताः वजा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधित :--- (1) श्रीमती एक बीठ बिलिमोरीया गुल बीठ बिलिमोरीया, और एमठ बीठ सारावजी, मायनर बाय गाडियन श्री वीठ एमठ मोराबजी।

(अन्तरक)

(2) व्होल्टास इन्टरनेशनल लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरितींयों। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रन्तरितीयों। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रवोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

का बहु सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकींगे।

स्पच्छिकरणः — इसमें प्रयुक्त भन्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, कही वर्ष होंगा, जो उस अध्याय में दिवा गया

সৰ্জ্থী

पलैट नं० 34, जो, भक्तवार को जाप० हाउकिंग से वा**इटी** लिमिटेड, नारायण दाभीलकर रोड़, बम्बई--6 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैया कर संर श्रईरु-1/37 ईर्राईर्रः833/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारीं, बम्बई ढारा दिनांक 2-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे, नक्षम प्राप्ति नारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), श्रजैन रेंज- ।, बम्बई

दिनीक: 10-·7-·1985

प्ररूप आर्च, टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सर्देकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-1/37ईई/4696/84-85-मतः मुझे, पी० एन० दुबे,

नायक स् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 1, जो तल माला, "मेफलॉबर", कारमायकेल रोड़, बस्वई 26 है तथा जो बस्बई-26 में स्थित है (भीर इसमे उपावत अनुसूची में अतेर पूर्ण रूप से वर्णित है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन तारीख बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 17-11-84 को पूर्वेक्स्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की वावत, अक्त जिभिनियम के जभीन कर दोने के बन्तरक जे वायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए: और/या
- (वा) ध्रेसी किकी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ करें. जिक्क भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोधनार्थ अक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, डियाने में सुविधा के सिए;

अत: अत, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निजिक्त क्वित्रकों, अवित अ--- (1) श्री एस० एम० सचदेव।

अन्तरक)

(2) श्रीमनी रामा मोमानी, मितारामार्पन चेरिटी ट्रस्ट, ट्रस्टी : बी० के० पचिसिया ।

(ग्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में में सम्पति है)

(4) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पति में हित**बढ़ है**)

को यह सृचना अपरी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लागिल में 30 दिन की अविध , जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए का सकाँगे।

स्पष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैट नं ० 1, जो तल माला, मेपुलॉवर, कामरयकेल रोड़, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-1/37ईई/4448/84-85 श्रीरजी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक स्राकथर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज–1, बम्बई

दिनांक : 10-7-1985

प्ररूप आहें, टी. एन . एस . -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985
4750/84-85-शतः मुझे,

पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ं लेट नं ० २ 07, जो भारत नगर, को० श्रॉप० हाउसिंग सोसायटी भारत नगर, ग्रेन्ट रोड़, बस्टई-400007 है तथा जो बस्बई 7 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रुप से विणन है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 29-11-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है ध्र—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी शाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए, और/या
- (का) एंसी किसी जाय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिक्त व्यक्तिसों, अर्थात् ः—-

- (1) श्रीमती पुष्पा बाई एल० ग्रस्सारपोटा । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मणिकलाल एस० भंसाली ग्रौर श्रीमती उगमबेन एम० भंसाली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्ववाहियां सूक करता हूं।

उनतः सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी अे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वधीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पवां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याप में दिया गया है।

वन्युक्री

फ्लेट नं० 207, जो भारत नगर को० घ्रोप० हाउसिंग सोसायटी लि०, ग्रेन्ट रोड़, बम्बई--7 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-1/37ईई/4672/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक $19\sim11-1984$ की रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे मक्षम प्राधिकारी म**हायक भ्राय**कर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-7-1985

प्रकृत बार्ष, टी. एव. एस. नननननन

वायकर अधिनियम, 1961 (196-1 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

मारत सुरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

निवेश सं श्र श्र मार्थ-1/37ईई/4520/84-85--- म्रतः मुझे पी एन दुसे,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-इ के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

षौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1101, जो 11वीं मंजिल, इमारत नं० 1, "सुमेर टावर्सं", लव लेत, शेठ मोतीशा रोड माझगांव, सम्बई-10 है तथा जो बम्बई-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का से विणत है) घोर जिसका करारनामा आयक्तर श्रधितियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधी न बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 7-11-1984

को पर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मृत्य में कम को स्वयमाय इतिकास को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पित्स का उचित बाजार कृष्य जसके स्वयमान प्रतिकास से, ऐसे स्वयमान प्रतिकास का विकास प्रतिकास से सिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथ पाया गवा शीतकास निज्ञितिक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबतः, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने शे अन्तरक कैं दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दी किए; बॉर/बा
- (व) एसी किसी अध्य या किसी अन या बन्ध आस्तियों को, जिन्हों भारतीय साय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या बनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती देवारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिलाने में सुविधा के सिए;

बाह: बाब , बावल अधिनियम की धारा 269-स की समुद्दार में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निविश्वत स्पृतितयों अर्थात् है—
46—196 G1/85

(1) मेसर्सं सुमेर एसोनिएटस।

भ्रन्तरक)

(2) डा॰ चंदनमल क्रोडारमल जैन (एच॰ यु॰ एफ॰) श्रीर श्री रानेश कुमार चदनमल ।

(भ्रन्तरिती)

(3) बिल्डर।

(बह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

करें बह स्वनः वारी करके प्रांतित संपरित के अर्वन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

रुक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 4.5 दिन की अविधिया तत्यस्तरमी स्वितियों पद् स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्णेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार।,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सै 45 दिन के भीतर उक्तर स्थादर सम्पन्ति में दितस्वय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिस हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

फ्लेट नं० 1101, जो 11वीं मंजिल, इमारत नं० 1, "सुमेर टॉवर्स", लब लेन, षोठ मोतीका रोड़, भाझगांव, बम्बई— 10 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि कम सं० प्र $\xi-1/37\xi\xi/4400/84-85$ धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्ब ξ द्वारा दिनांक 7-11-1989 को रिजस्टिई किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-7-1985

मोहर् 👍

अक्य नाहर्, टी., एम., एस.,-------

नावकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

बहुत बरका

कार्यक्षव, सहायक वायकर नायुक्त (निरीक्षक)

म्रजैन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/3764/84-85--- प्रतः मुझे, पौ॰ एन॰ दुवे,

नामकर निर्धितनमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निर्धितनमं' नहा गया है), की धारा 269-वां के अपीन वसन प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, विसका उजित गाजार मूल्य 1,00,000/~ रहा से अधिक है

प्रौर जिला ा ला नं० 22, जो पहली मंजिल, ए/122, ससेक्स इंडस्ट्रियल इस्टेट, दादोजी कोंडदेव कास लेन, भागखला, बम्बई-27 है तथा जो बम्बई:-27 में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा प्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 14-11-1984

का प्रांतिक सं सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के इष्यमान इतिकस के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि अभाप्नोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार बूक्य, उसके इष्यकान प्रतिकत से इते इष्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिवास ते अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिकास निम्नोंसींचत उद्योग्य से उक्त अंतरण लिचित वे बास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वाबस, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के अंतरक के शायित्व में कमी करने वा उससे वचने में मृतिभा के लिए, बीर/या
- (चं, एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अं प्रसोधनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, विश्वपान में विश्वपान से विश्वपान से

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के बधीन, निम्मीसिकित काक्तियों, नर्भात्ः—

(1) श्री रवीन्द्र बत्ताव्रय हजरनवीस ।

(ग्रन्तरक)

(2) वेस्टर्न ट्रेडर्स ।

(भ्रन्तरिती)

(3) मन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति जिसके मधिमोग में सम्पति है)।

के वह ब्याना वारी करके पूर्वोक्त सम्माति के वर्षन के विवद कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उन्ता सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप प्र--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक की 45 दिन की जबीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्थान की तामील से 30 दिन की जबीं को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की वारीय ने 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितम्ब्य किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पर्ध्विकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित्र हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नदा है।

वनुतुर्यी

माला नं० 22, जो 1ली मंजिल, ससेक्स इंडस्ट्रियल इस्टेट, दादोजी कोंडदेव कॉन लेन, भायखला, बम्बई-27 में स्थित है। धनुसूची जैसा कि कम सं० घई-1/37ईई/3708/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे समम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-7-1985

इच्च बाईं. टी. एन्. एस.------

नावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

मार्व सरकार

कार्बोसच सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनोक 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० भई-1/37ईई/4798/84-85--अतः मुझे, पी० एन० दुवे,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं० युनिट नं० 208, जो शिव शक्ति इंडस्ट्रियल काम्पलेक्स, सिताराम मिल कम्पाउन्ड जीवराज रामजी, कोरिया मार्ग, लोअर परेल, बम्धई—13 है तथा जो बम्बई—13 में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 28-11-1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उपित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान क्रिक्स के सिए बतिएत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संधापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह इतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल , निम्निलिवित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है हि—

- (च) वृत्ती किसी बाय वा किसी भन या अन्य जास्तियाँ को जिन्ह भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया एका भाहिए था, खिपाने में सुविधा के निष्ट;

जतः अव, उक्त अभिनियम् की भाग 269-ग कं अन्सरण जें, जें, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें ज़बीन, निकासिकत् व्यक्तियोंंं ज्ञीति ६—— (1) कुमारी प्रिया ए० मनसुखानी।

(ग्रन्सरक)

(2) मेसर्स सियाराम सिल्क मिल्स निमिटेड। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत बंपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु----

- (क) इस स्वमा के रावपण में प्रकारन की तारीब है 45 दिन की अवधि ना तत्वम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वमा की तामीस से 30 दिन की बवधि, को भी जनभि नाद में तनाय्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हिरायकृष किसी अन्य स्पन्ति वृवारा अवोहत्ताक्षरी के वास निस्ति में किए जा सकींग।

स्यम्बीकरण:---इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पड़ी का, की उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में विद्याणिक इं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिसा गया है।

मसरी

युनिट नं० 208, जो, शिव शक्ति इंडस्ट्रियल काम्-पलेक्स, सिताराम कम्पाउन्ड, जीवराज रामजी मार्ग, लोकर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० ई-1/37ईई/4936/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-1984 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> पी० एन० दुखें सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

दिसांक : 12-7-1985

प्रकृप . कार्ष्ट्र . एन . एस् . - - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्भाना

धारत सरकार

कार्यालयः, सहायक कायकर काय्कः (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बर्ष बम्बर्ष, दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० भ्रई-1/37ईई/4797/84-85---अतः मुझे, पी० एन० दुवे,

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० युनिट नं० 211, जो शिव शक्ति इंडस्ट्रियल काम्पलेक्स, सिताराम मिल्स कम्पाउन्ड, जिवराज रामजी भोरीया मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 है सथा जो बम्बई-13 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है (ग्रीर जिसका करारनाम। अन्यकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 28-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूर्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का भंद्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपक बिधिनियम के अधीन कर दोने औं अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ध्याने में सुविधा के सिए; बौर/था
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एयोजनार्थ अन्याभिति हमारी हमारी एकत पर्या प्राप्त के विकास प्राप्त वार्थ प्राप्त के सिया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः कवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) कुमारी एन० भारवानी ।

(अन्तरक)

(2) राजेश कुमार दिनेश कुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्टोकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

नगृस्यी

युनिट मं० 211, जो,शिव शक्ति इंडस्ट्रियस काम्पलेक्स, सिताराम मिल्स कम्पाउन्ड जी वराज रामजी भोरीया मार्ग, लोअर परेल, अम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० ई-1/37ईई/4937/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी सम्बर्ध द्वारा विनाक 28-11-1984 को रिजस्टिश किया गया है।

> पी० एन० दुव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, वस्वहैं

दिनांक: 12-7-1985

मोहर 🗵

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसरा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विनांक 12 जुलाई 1985

मिर्देश सं॰ अई-1/37ईई/4665/84-85---अतः मुझे, भी• एन॰ दवे.

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को सधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रत. से अधिक है

भीर जित्तको सं० पजेट नं० 904, जो 9शे मंजिल, इमारत नं० 1, "सुमेर टावर्स", लव लेन, शेठ मोतीशा रोड़, माझगांव, बम्बई-10 है सथा जो बम्बई-10 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सजम शाधिकारी के कायोलय में राजस्ट्रो है, तारीख 17-11-1984

को पृश्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकस के लिए इन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, अनके क्रयमान प्रतिफल का ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पेक्ट शिवास से बाधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्लिखित में बाकाविक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अभारण से हुए किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के बधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे अवने में सूविधा के सिए; बीर/धा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए:

े अवाः इतः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, भे, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत :---

(1) मेसर्स सुमेर एसो सएटस।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शांताबेन बाबूलाल स्रीर श्री किरानकुमार बाबूलाल।

(अन्तिरिती)

(3) बिल्डर।

(वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में में सम्पति है)।

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की सारीह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त कन्दों और पवों का, जो उक्त जिनियम, के अध्याय 20-क में दिशाणित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

फ्लेट मं० 904, जो 9वीं मंजिल, इमारत नं० 1, ''सुमेर टॉवर्स'', लव लेन, शेठ मोतीशा रोड़, माझगांव, बम्बई-10 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कम सं० अई-1/37ईई/4531/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 13-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

द नोक : 12-7-1985

प्ररूपः वाहाँ , दौ. यन्. एस्_{य सम}ान न

भागकर मिनियन, 1961 (1961 का 43) की नाय 269-व (1) के मधीन सुव्या

भारत सहस्राप

कार्यासय, सहायक जावकर जावृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-1/37ईई/4732/84-85---अतः मुझे, पी० एन० दुवे,

जायकर बिशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसजें इसकें परकार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी संव युनिट नंव 30-ए, जो तल माला, बुस्सा उद्योग भवत, इंड स्ट्रेयल प्रिमायसेस कोव भोपव सोसायटी लिव, टोव जीव रोइ, सिवरी, बम्बई-15 है, तथा जो बम्बई-15 में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिजत है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19-11-1984

को पूर्वे उत्त सम्मित्त के उजित बाजार मूल्य ते कम के उत्यमान इतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूम्झे यह विश्वास करने का वारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उजित बाजार बूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे उत्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तीरात्यों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किंबत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरम् वे हुव् किती भाग् की वन्तर, उथर बन्धिनियम् थी सभीम कर योगे में मृश्तरक की वायित्व में कमी करने या उवसे बचने में वृत्तिभा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविभा की जिए:

जतः अव उक्त वीर्धीनयम की भारा 269-म के अमृहरण वें, में, एक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीम, निस्निजितिक व्यक्तियों, वर्णात् ह— (1) बुस्सा उद्योग भवन इंड स्ट्रियल प्रिमायसेस को० ग्रोप० सोसायटी लि।मटेड ।

(अन्तरक)

(1) श्री मूलचन्द पी० नहार **धीर** श्री प्रवीण पी० नहार।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्मत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्बंध ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीवार पूजीनत क्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की लारीव के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में विकास के किसी मन्य व्यक्ति व्वारा अभोक्काशवरी के पास सिवित में किए जा सकेंगी।

स्वकाकरचं:---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पद्यों का, को अकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

पद्धारा

युनिट नं 30-ए, जो, तल माला बुस्सा उद्योग भवन इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को भोप सोसायटी लि , जै जे रोड़, सिवरी, बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-1/3नईई/4146 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 19-11-1984 को र्राजस्टई किया गया है।

> पीक एन**ः दुवे** सक्षम प्राधिका**री** सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) कर्जन हेंज, क्ष्माई

दिनांक: 12-7-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

भागमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायसिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

णामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संभित्त, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00:000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 602 तथा जो छठी मंजिल, इमारत नं० 1, 'सुमेर टावर्स', लव लेन, मेठ मोतीमा रोड, समगांव, बम्बई—10 है तथा जो बम्बई—10 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धीर पूर्ण रूप से बिजत है), भीर जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 28—11—84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचात स अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पामा गया प्रतिफल निम्निलिखत ल्यूबरेय से उक्त अन्तरण लिखिश में बास्तीकक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; बीर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

बत: वष, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण की, की, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को संधोन, निम्निचित्रत व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) मैं व सुमेर एसोसिएटस ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रीमती भगवतीबेन भोहन लाल पालरेचा भौर श्री राजेन्द्र कुमार भोहन लाल पालरेचा । (भन्तरिती)
- (3) बिल्बर ।

(वह व्यक्ति, जिसके

अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्चना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जुन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की हामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद में समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रमुप्त करवां और पवां का, जो जबत अधिनियमः, के अध्याय 20-क में दिशाधित हैं, वहीं अर्थ कृषा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

वन्स्ची

फ्लैंट नं० 602 जो छठी मंजिल, इमारत नं० 1, सुमेर टावर्स, लव लेन, शेठ मोतीशा रोध, मझगांव, बम्बई-10 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कम सं० भई०-1/37 ईई०/4944/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 28-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० हुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भाग्क्त (निरीक्षण) भर्जन र्रेज-1, सम्बद्ध

तारीख: 12-7-1985

प्रकप बार्ड. टी. एन. एस्.-----

बायकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-धं (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्वेश सं ॰ फ्राई०-1/37 ईई॰/4619/84-85--- भ्रतः मुझे' पी॰ एन॰ दुवे

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें शिक्त पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), कर्गे भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विक्षास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

जसकी सं० फ्लैट नं० 505 है तथा जो पांचवीं मंजिल, इमारत नं० 1, 'सुमेर टावर्स, लव लेन, पोठ मोतीशा रोड, मझगांव, बम्बई—10 स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वाजित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 7—11—84

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूथमान शितकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने हा खारण है कि यथानुर्वोक्त मम्पनि का उचित बाजार पृष् त्यके बुशापान प्रतिकत्त में, ऐसे दृश्यमान प्रतिक ल का पश्यह प्रतिग से दिश्य है और अन्तरक (प्रत्य हों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्य प्रस्तरण निविद्य में बास्तवित्य कप से क्वित बहीं किए गया है !--

- (का) अन्तरण ते हुई किसी आय की आवत, अन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक अर्थ दायित्व में कमी करने या उससे अवने में स्विधा के लिए; और/या
- (भ) एसे किसी आय या किसी धन या अस्य अस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए; और/या

अत: बध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग रू अनुसरण भी, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उस्थारा (1) के अभी, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अधित् :---

(1) मै॰ सुमेर एसोसिएटस ।

(मन्तरक)

(2) श्री प्रवीण कुमार मंगिलाल ढोका।

(भन्तरिती)

(3) बिल्डर ।

(बहु व्यक्ति, जिसके घिष्मोन में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से वर्षन से बिडु कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बासेच ह-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीय वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वर्ड स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश्वन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-स्व्थ किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उपह अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस सध्याय में दिशा नया है।

नगृज्यी

पलैट नं० 505 है तथा जो पांचवीं मंजिल, इमारत नं० 1, 'सुपेर टावर्स', लब लेन, शेंठ मोतीशा रोड, मझगांव, बम्बई-10 में स्थित है।

श्रनुपूत्रो जैसा कि ऋन सं० श्रई०-1/37 ईई/4805/ 84-85 श्रौर जो सज्ञम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 7-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 12-7-1085

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई०-1/37ईई०/ईई०/4670/84-85--ग्रतः मुझे, पी० एन० दुबे

बाय्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचारा 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की भारा 269-269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 403 है जो चौथी मंजिल, इमारत नं० 1, 'सुमेर टावर्स', लव रेन, शेठ मोतीशा रोड, मझगांव, बम्बई-10 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विग्रित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्री है तारीख 17-11

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य संकम के इत्रामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (जन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के जिए तय पाया नदा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 💅 :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाम की बाबत उक्त बाँध-निषम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारियत्व में क्मी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए बरि/यां
- (स) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बाधन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) बे प्रयोजनीर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, वर्भांत् :---

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग क बन्सरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) 47-196 GI/85

(1) मै० सुमेर एसोसिएटस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री फुटेर मल कुन्दन मल जैन श्रीर श्रीमती म्रीबाई फुटेर मल जैन।

(ग्रन्तरिती)

(3) बिल्डर ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

की वह स्वना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र्र 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की ववीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर फ्र्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाष्यित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुपूर्वः

फ्लैट नं० 403 है तथा जो चौथी मंजिल, इमारत नं० 1, 'सूमेर टावर्स', लव लेन, शेठ मोतीशा रोड, मझगांव, बम्बई-में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्रई०—1/37 ईई०/4536/ 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुब सक्षम ग्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-7-19

मोहर 🛭

रक्ष बाद .टी. एन .एस . ------

बाधकर मिथिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक नायकर नम्बद (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्राई०-1/37 ईई0/4817/84-85—अतः मुझे पीं० एस० दबे

कारकर किभानकक, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षक प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

नं० 1, 'सुमेर टावर्स', लब छेन, शेथ मोतीशां रोड, मझगांव बम्बई—10 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्री रूप से विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 28—11—84 को पूर्वोंग्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुख, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, जिम्निसित्वत उद्वांस्य से उमत अन्तरण निवत में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उसते बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) होती किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय नामकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धनकर नीधीनवम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिन था, जिनाने में सुविधा के सिन्ह;

क्क: बंब, उक्त समिनियम की भाषा 269-न के सनुसरक रें. के उक्त नाभिनियम की भाषा 269-म की उपधारा (1) के सभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं अपुमेर एसोसिएद्स ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रीमती शांति लाल खीमराज जी जैन श्रौर श्रीमती गयान सुन्वर बाई शांति बाई जैन (धन्तरिती)
- (3) बिल्डर ।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 4.5 विन की अविधि ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किली जन्य व्यक्ति व्यास स्थाहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनिक्षम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उन अध्याय में विदार गया हैं।

अन्सूची

प्लैट नं० 703 है तथा जो सातवीं मंजिल, इमारत नं० 1, 'सुमेर टावर्स', लब लेन, शेठ मोतीशा रोड, मझगांव, बम्बई-10 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-1/37 ईई०/4945/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 28-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-7-1985

प्रकप भाइं.टी.एन.एस.-----

1. मैसर्स निप्पृत इंडस्ट्रीज

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

2. श्री नपम बनर्जी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विनांक 12 जुलाई 1985

निर्वेश सं० आई-1/37-ई ई/4588/84-85— यतः, मुझे, पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संयूनिष्ट नं० 210, जो, शिव शक्ति इंडस्ट्रियल काम्प्लेपस, प्लाप्ट नं० 7-बी, श्री सीताराम मिल कम्पाऊंड, लोअर परेल, बम्बई-13 है, तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 7 नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निचित् में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित स्यक्तियों, अधीत् ः— को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित•द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 210, जो, शिव शक्ति इंडस्ट्रीयल काम्प्लेक्स, प्लाट नं० 7-बी, श्री सीताराम मिल कम्पाऊंड, लोअर परेल, बस्बई-13 में स्थित है

श्रनुसूची जैसा कि $7 \sim 4$ क्याई- $\frac{1}{3}$ $7 \sim 5$ 4642/84 - 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनॉक $7 \sim 11 - 84$ को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुपत (निरीक्षण) अर्जन रें**ज**-1, बम्बई

तारीख: 12-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

मासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-प(1) के अधीन स्पनः

भारत सरकार

कार्यासय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, धम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1985

मिर्वेश सं० अई-1/37-ई ई/4641/84-85— अत:, मूझे पी० एन० दुवे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्न्धावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे से अधिक है

भौर जिसकी संवयूनिट नंव 108, जो, पहली मंजिल, कलियानदास उद्योग भवत सोताइटी लिव, वरली, बम्बई-25; है, तथा जो बम्बई-25 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भ्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिधकारी

के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 17 नवम्बर् 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुवै किसी. आय की बाबत, उरून अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने मा उससे बचने में सावधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सृविधा के लिए;

कतः क्रश्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण नें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- 1. श्रीमती सुधा बी० तिवारी।

(अन्तरक)

2. मैसर्स हरीश म्यूझिकल इंडस्ट्रीज

(अन्तरिती)

का ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

यूनिट नं ० 108, जो, पहली मंजिल, कालियान दास उद्योग भवन सोसाइटी लि०, वरली, बम्बई-25 में स्थित है।

> पी० एम० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख 12-7-1985 **मोहर** # प्रकप नाइं.टी.एन.एस.-----

बावश्यर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाहा 269-व (1) के बधीन सूचवा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निर्राक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश मं अई-1/37-ई ई/4548/84-85---अतः, मुझे, पी**॰** एत**ु**वे,

शायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं जिमीत, जो, वास्तू भौर इमारत के साथ, गोखले रोड़ (साउथ), दादर, "श्राफ मार्किट, बेर्आरंग सी० एस० नं० 1/1554 श्रीर 1554 (श्रीश), लोअर रेल डिबिजन, बम्बई है, तथा जो बम्बई; स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 7 नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उजिस्त बाजार जूस्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्निन्चित उद्देश्य से उच्च ज्लार्ज सिचित् में बास्तविक रूप से की प्रति महीं किया व्या है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसीं नाय का बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व को कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; ओर/या
- (ध) एंनी किसी आब या किसी धन था बन्च बास्तिवा को, चिन्हें भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तु विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के हमोचनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किश्व

अतः अब उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीरः रिक्टसिकित व्यक्तियों, अर्थात् ४---

- श्रीकमादास मोहन दास, छात्रीया श्रौर हरी पी० खंडारी। (अन्तरक)
- 2. इंद्रलोक् होटल्स प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरिती)
- 3. भाडून (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पृत्रावित संपत्ति के वर्णन के विष् कार्यनाहियां कारता हूं।

उनत सम्पत्ति को वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्चना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तासील से 30 विन की जबीध, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्जीवर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश स 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पक्षि में हिंस-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा मया है।

वम्स्यी

जमीत, जो, वास्तू श्रोर इमारत के साथ, गोखले रोड़ (साउथ),दादर, "श्राफ मार्केंट", बेऑर्ग सी० एस० नं० 1/1554 और 1554 (श्रंश), लोअर परेल डिबीजन, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ्र० सं० अई-1/37-ई ई/4417/84-85 श्रौर जो सक्षम प्रधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे जक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारी**ख: 1**1-7-1985

मोहरू 🤢

प्ररूप नाइ". टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष भारा 269-व (1) के स्थीन स्वता

धाउक प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश अई-1/37-ई ई/4650/84(अत , मुझे पी० एन० दुबे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है'), की भारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० गली नं० 20, जो शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, धनराज मिल्स कंपाउंड, लोअर परेल, बम्बई-13 है, तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर निसका कर।रनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है नारीख, 17 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिभत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए त्य पाया गमा प्रतिकस, निम्नलिखित उत्दर्भय से उक्त जन्तरण लिखित। में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सेहुई किसीमाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्टियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनिष्ठम, 1957 (1957 का 27) को प्रमोजनार्थ बन्तरियौ धुवारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभाके लिए;

मत: अम, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. मैसर्स येराप्यटिक्स इन्वेस्टमेंटस प्राइवेट लिमिटेट (अन्तरक)
- 2. मैसर्स टी० सी० आर० इंजीनियरिंग सर्विसेस प्राइवेट (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथानत सुम्पृतिक की अर्थन की जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृतित के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप है---

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की बनिथ या सत्सम्भन्भी व्यक्तियों पर चुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवेशिक न्यक्तियों में से किसी न्यक्ति बुबारा;
- (ब) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति बुवार व भोहस्ताक्षरी के पान निश्चित में किए वा सकों वे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना पया है।

अनुसूची

माला नं० 20, जो, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट धनराज मिल्म कम्पाउन्ड, लोअर परेल बम्बई-13 में स्थित है । अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-1/37 ई-ई/4549/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुब सक्षम प्राधिकारी सहायक आयककर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जाम रोंज-1, बम्बई

तारीख: 10-7-1985

मोहर 🗵

प्ररूप बाहाँ, टी. एन. एस. ---- ---

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई विनांक 12 जुलाई 1985

निदेण सं० अई-I/37ईई/4569/84-85--- अतः मुझे, पी० एन० दुवे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं युनिष्ट नं 102 जो पहलीं मंजिल बुस्सा उद्याग भवन इन्डट्रियल प्रिमायमेज, ठोडरमी जीवराज रेडि सिवरी (प) बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपाधक प्रनुसुची में और पूर्णक्य से विणत है) और जिस्ता करारनामा प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई, स्थित सक्षम प्राधि एर्री के भार्यालय में जिस्ट्री है तारीख 7-11-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी भाग की भाषत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या इससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अन्सरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिन्त क्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) श्रींमती इन्दिश जगदीश ब्यास और श्रीमती जान्हवी घनश्याम व्यास

(.. avai)

(2) श्रोमति क्त्रमणी बेन जीवराज गोगारी और श्रोमती सरला बेन दिनेश गोगारी

(भ्रन्तिरतीं)

(3) ग्रन्तरकों।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षप 🚁--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्ति में किए जा सकेंगी।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

युनिट नं 102, जो, 1ली मंजिल, कुस्सा उद्योग भवन, इन्डस्ट्रियल प्रिमायसेस, ठोकरसी जीवराज रोड, सिवरी (प), बम्बई-15 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37ईई/4627/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 7-11-1984, को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जनरेंज-1, बम्बर्

सारीका: 12-7-1985

प्रोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज-6 बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई 1/37 ईई/4552/84/85---श्रतः मुझे पीं० एन० दबे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाशार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संग्राला गंग्य 306 जो अरी मंजिल बुरना उद्योग भवन इन्डरिट्टिन प्रमाइमें को आपण सोनाइटीं लिए प्लाट एफ और जी गोलंजी हिल रोड भिवरी बम्बई-15 में स्थित हैं (और उनसे उपाबद अनुसूचीं में और पूर्णक से विगत हैं) और जिन्ना करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 1961 269 एक के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीं के बन्धीलय में रिजिस्ट्री हैं तारीख 7-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की मद्दें हैं और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण हैं कि यंथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीमिश्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्सिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री बिष्णु भगवान दास करनानी

(नमरकः)

(2) मेसर्स खोगा टेप्प्रषटाइला।

(अन्तरिती)

(1) अन्तरतियों।

(वह व्यक्ति जिनके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) प्रन्तरितयों।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रक्षो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की साराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

गाला नं 306, जो 3री मंजिल बुस्सा भवन इन्डस्ट्रियल प्रिम यसेस को अप्राप्त हाउभिंग सो माइटी लिं ज्लाट नं अप्राप्त और जी गोलंजी हिल रोड सिवरी बम्बई 15 में स्थित है। अप्रसुची जैसा कि कर सं अई 1/37ईई/4421/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वार दिनां उन्हारी किया गया है।

पीठ एसठ दुवें सक्षम प्राधिदारी सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्णन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 12-7-1985

प्ररूप **बाइं. ट**ी. एन. एस_{..}=====

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

निदेश स० श्रई-1/37ईई/ 706/84-85-- ग्रतः मुझे, भी० एन० वृत्रे

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं 0 601. को फ्लेंट नं 062ी मंजिल, "६० विग बिना अपार्टमेंटस श्राचार्य दोंदे मार्ग सिवरीं (प). बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रानुसूची में और पूर्ण रूप से बाणत है) और जिसका करारकामा श्रायकर श्रद्धिनियम 1961 की

ह) आर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधानयम 1961 क धारा 269 क% के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 17-11-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीध एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेषम से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है द

- (क) नन्तरण से हुई किसी नाव की बाबत, खब्ख श्रीविनयम के नभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुनिभा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी बाग या किसी धन या अस्य वास्तियों की जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 । 1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-रूप अधिनियम, या धन-रूप अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के निए।

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिजित व्यक्तियों, अर्थात् :---48—196GI|85

- (1) श्री गोवर्धन दास शिवानन्द राय गरोड्या। (अन्तरक)
- (2) डा॰ धसलाम सुलेमान समर।

(धन्त रती)

- (3) श्री वलभवास एम० टक्कर। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रीधभोग ; सम्पत्ति है)।
- (4) श्री वलभ दास एमः ठक्तर ।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रद्धो-हस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रोप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

नग्त्रची

प्लेट नं० 601, जो 62ी मंजिल, "एुफ" विग, बिगिना प्रपारं-मेंटस, प्राचार्य धोंदे मार्ग, सिवरी (प), बम्बई-15 में स्थित है। प्रनुसूची जैसा कि २०० सं० प्रई-1/37ईई/4408/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> भी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राप्_षत (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-7-1985

प्रकृष् नाष्ट्री, एव , एव , =--======

बावकर स्पिनिय्न, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्पीत् स्वना

CIPA MANAGEMENT

कार्यात्तय, सहायक गायकर गाय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रें ज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई, 1985

निर्देश सं० प्रदी 1/37ईई/2552/84-85— प्रत: मुझे पी० एन० दुवे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकों पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की चारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, चिसका उचित बाजार मृस्व, 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० कमरा नं० 81/82, जो, 28ी मंजिल, होली ख्यू को० प्राप० हार्जिसग सोसाइटी लि०, 52/76, जे०एस० ग्रहा मार्ग, बम्बई-9 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्ती में और पूर्ण रूप से बणित है), और जिसका कररानामा प्रायकर प्रक्रित मार्थिकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्री है, तारीख 29-11-84 को पूर्वोक्त सम्पर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान हिसम के लिए बंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरममान प्रतिक के से, एसे अयमान प्रतिक का बन्दर प्रतिक से बाजार कम, उसके दरममान प्रतिक के बीच एसे अंतरण के निय तम पामा इस प्रतिक निम्नितिवार संवाद से अंतरण के निय तम पामा इस प्रतिक निम्नितिवार संवाद से अंतरण के निय तम पामा इस प्रतिक निम्नितिवार संवाद से अवत अन्तरण मिस्ति में बास्तिवार कम से किया नहीं किया पता है:--

- (क) अन्तरण वं हुई किसी नाम की नान्तु, स्वस् विधिनवन को अधीय कर दोने के जन्तरण को विद्या को कभी करने या उन्हों ब्यून को सुविधा को किस; बीसा/का
- (च) ऐसी किसी जान वा किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिधिनियत, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियत, वा चन-कर विधिनियत, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती हुआरा प्रकट नहीं किया पना वा वा विज्ञा वाना चाहिए वा, किनाने जें स्थिभ को निरं,

नतः नय, उन्त निभिनियम की भारा 269-य के जनुसरण न, में, उन्त निभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीन, निम्नसिवित स्यक्तियों, नभीत् क्षान

- (1) श्रीमित मुमताज कासिम ग्राली हसाने। (श्रन्तरक)
- (2) हाजी ६स्मा६ल ग्रली डावरे

(ब्रन्सरिती)

- (3) श्रीमति जैनुनिस्सा हाजी ध्रमाईल डावरे,
 - 2. कुमारी जुबेदा हाजी ६स्माईल डावरे,
 - 3. सोहेब हाओ ६स्माईल डाबरे, और
 - 4. श्रीमति फातिमा।

वह व्यक्षित, जिसके ग्रविभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्वन के निध् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई शक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास सिचित में किए या सकोंगे।

स्वक्रीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में पीराभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया स्वा हैं।

मन्त्रप्री

कमरा नं० 81/82, भो, 22 मंजिल, होली ब्यू को० प्राप० हार्जीसग सोसाइटी लि०, 52/76, जे०एस० महा मार्ग, बम्बई-9 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अर्ध-1/37ईई/4082/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्राधुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 10-7-1985

कोर 🗷

प्रकप बाह्य, टी. एन. एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-ज (1) के नधीन सूचना

HIST VALUE

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

धार्जन रेंज, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० भ्रई०-1/37 -ईई/4594/84-85—भ्रतः मुझे पी० एन० दुवे,

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विषये इसवें इसकें प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूक्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

प्रांत जिसकी सं जिमान भीर हमारत जो, कामार्ठ पुरा, उरी स्ट्रीट, बम्बई-8 में है तथा जो बम्बई-8 में स्थित है (प्रांत इससे उपाबद्ध प्रमुखी में प्रांत पूर्ण रूप से बिणत है), प्रांत जिसका करारनामा है प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 7-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य ते कम के स्थमाय प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है जौर मुन्ते यह निष्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके स्थमान प्रतिफल है, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरकृसं हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- पोसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

बतः शव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ण के जन्सरण में, में, उक्त विधिनियम कौ धारा 269-ण की उपधारा (1) के जबीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, वर्षांत् क्र--

- (1) श्री डी० ग्रार० कालेवार, महेन्द्र ग्रार० कालेवार, श्री, मोहन ग्रार० कालेवार ग्रीर श्री श्री मधुकर रघुनाथराव कालेवार ग्रीर ग्रन्य (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमिति नर्मसाय वसनजी छेडा। (ग्रन्तरिती)
- (3) भन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पति है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

अवत् बन्दरित् के वर्षत्र के स्न्युत्व के कोई भी बालेग्रा--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास धिक्ति में किए जा सक्करे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कान्यों और पवों का, जो उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय बें विया गया ही।

अनुसूची

जमीन भौर इमारत जो, कामाठीपूरा, 3री स्ट्रिट, बम्बई-8 में स्थित है।

पनुसूत्री जैसाकि ऋं० सं० प्रई1/37 ईई/4647/ 84-85 भौर जो सक्षम प्रधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्राक्षण) ग्रर्जन रेंज, बम्बई

तारीख : 11-7-1985

प्ररूप नाइ ,टी.एन.एस.,-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन, रेंज बम्बई बम्बई, दिनाक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० म्रई-1137-ईई/4659/84-85—मतः मुझे, पी० एन० दुवे,

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त मिथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-रा. से अधिक ही

भीर जिसकी सं० जमीन, जो, कार्नर धाफ़ गवालिया टन्क रोड भीर फीर्जेट स्ट्रिट, बम्बई-36 है तथा जो बम्बई में स्थित है (भीर इससे उपपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा भायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 17-11-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ष्य ह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के धीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निचित् में आस्तिबक रूप से कथित नहीं किया गवा है :----

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिभिनयम के बधीन कर दोने के बन्तरक के बार्रियल में कन्मी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीए/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए।

जतः सब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित स्पवित्यों, अर्थात् :---

(1) 1. सोता होनी गमधर, 2, पी० डी० धाफ़, 3. रत्तम एस० सुर्वेयर, 4, शेरू पी० नौरोजी।

(मन्तरक)

- (2) सैलेश को-भाष हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड। (भ्रन्तरिती)
- (3) भाडुत ।

(बहु व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पति

₿)

को यह स्वना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच वें
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वा को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रींकर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

यन्स्ची

जमीन, जो, कार्नेर घाफ गवालिया टंन्क रोड ग्रीर फ़ोर्जेंट स्ट्रिट, बस्बई-36 में स्थित है।

भनुसूची जैसाकी ऋं सं भई-1/37-ईई/4526/84-85-भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बस्बई

सारी**ख:** 11-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाई.दी.एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, बम्बई बम्बई, रेनांक 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/4724/84-85—- आप्तः मुक्ते, पी० एन० ६के,

आराकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसनी कं फलेट कं ६-७, जो, हिंद को-प्रापक हाउसिंग कोसाइटी लिंक, सायन (पूर्व) बम्बई-22 है तथा जो बम्बई-22 में स्थित हैं और इससे उप बद्ध प्रमूसची में और पूर्ण रूप में विजित हैं), और जिसका करापनामा ग्रायकेर ग्राधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारिख 20-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उणित गजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है बब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषिक रूप से किथत और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित भहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण मो, मी, उक्त अधिजियक ही धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल ज्योक्तयों, कथित क्र— (1) भी मणिलाल गामजी धनकर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सी० ग्रार० दिनसे ग्रार श्री बी० एस० मोहन।

(भ्रन्त(रहती)

को यह सूचना बारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित से हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

क्यक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

पर्लंट नं० ए-7, को हिन्द को-प्रापक हाउसिंग सोसाध्टी लिंक, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि सं० म्रई-1/37-ईई/4470/84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-11-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज बम्बई

तारीख : 12-7-1984

मोहर 🖫

प्रकथ नाइ. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

धारत सरकार

कार्यासय, सहायक जामका जायका (निर्दासण)

ध्यर्जन रेंज गम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000 रू. से प्राधिक हैं

और जिसकी संव पूनिट वंव 117, जो पहली मंजिल, हिन्द राजस्थान डिपार्टमेन्टल सेंटर, 95, दादासाहेब फालके रोड, दादर, बन्बई-14 है, तथा जो बम्बई 14 में स्थित (और इसने उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बाजत है), और जिसका करारनामा आयकर प्राक्षनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन स्थित सक्षम प्राक्षकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। तारीख 20-11 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, जक्तु अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बौर/बा
- (थ) एसी किसी नाम या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था छिपाने अं सुविधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियमं की धारे। 269-ण कं अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1)} अं अधीक, निम्नजिसित स्पीक्त्यों, व्यक्तिस

- (1) स्वास्तिक लाबोरटोरी एन्ड इंडस्ट्रियल केमिक्स्स प्राइबेट लि०
 - (घन्तरक)
- (2) मिलियेम लयोरटोरीज

(मन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत संपरित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सुमाप्त होती हो, को भीतर प्रविका स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाभर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य क्यींच्त द्यारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्वीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पर्दों का, जो उक्त विधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गमा है।

प्रनुसूची

यूनिट नं । 17, जो, पहली मंजिल हिंद राजस्थाम डिपार्टमेंन्ट सेंटर, 95, दादासाहेब फालके शेष बादर, सम्बद्ध में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कं० सं० प्रई-/137-ईई/4674/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-11-84 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> भी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहाय ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज: सम्बद्ध

तारीख: 12-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बम्बई अम वर्ष दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्वेश सं० आई० 1/37-ईई/3556/84-85—अतः मुझे पी० एन० दुबे,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिन्हीं सं अन्तर्धमेंन्ट न 407, जो "प्रसाद चेबस् सी एस नं 1847, गिरगाँव डिविजन आपेरा हाउस, बम्बई-4, है तथा जो बम्बई-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 16-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूझे यह विश्वास करने का अरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबतः, उक्त नियम के अधीन कर बोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः डबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;---- (1) मेसर्स ज्ञानचंद लख्यनदास ग्रीर भागीदार।

(अन्तरक)

(2) श्री नटवरलाल शांतीलाल कोठारी। (अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्स सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तिकरणं:---इसमें प्रयाकत शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहो अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

अपार्टमेंट नं० 407, जो "प्रसाद चेम्बर्स, सी० एस० नं० 1847, गिरगांव डिविजन, आपेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फि॰ सं॰ अहि- /37-ईई/3703/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाक 16-11-1984 को रजिस्टड किया गया है।

पी० एन० दु बे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख 10-7-1985 मोहर : प्रकप बाइ , दी, एन, एस..----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याक्षयः. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई-1,37-ईई/4695,84-85—अतः मुझै, पी० एन० दुवे,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00000/-रुपय से अधिक है

घौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो संजय अपार्टमेंन्टस "ए" गडेल, रोड, दादर, बम्बई-28 है तथा जो बम्बई-28 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिगत है), श्रीर जिनका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 17-11-1984 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे ख्यमान प्रतिकल का पन्सह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पात्रा गया प्रतिकल, निम्नलिखत उद्देष्य से उथत अन्तरण सिक्ति वास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत उक्त जीध-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे व्यने में सुन्विधा के लिए; और/या
- (क्) ए सी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरक मं, मं, उवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यियता, अर्थात ह— (1) श्रीमती उल्का जे० सालवेकर।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन माधव पेडनेकर।

(अन्तिरस्ति)

(2) अन्सरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का., जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नगत्त्वी

अनुसूची जैसािक फ० स० आई-, , 37 ईई, 444, 84-85 भौर जो सञ्जम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 17-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्थाई

ारीख 12-7-1985 मोहर इ प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

जावकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालयः सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्वेश सं० आई-1/37-ईई/2551/84-85-अतः मुझे, पी० एन० दुबे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० कमरा नं० 79,80, जो, 2री मंजिल, 52-76 जे० एस० शहा मार्ग, होली व्हयू को-आंप० हाउसिंग सोताइटी लि०, बम्बई 9 है तथा बम्बई-9 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिमियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 29-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के एवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुफ्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गंधा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दीन के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बोद्/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अन, उमर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में कि है, अनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अप म, निम्निसिक्क क्यक्तियों अर्थात् :---- 49 —196GI85

(1) श्री कासमञ्जली सुलेमान मुसाने।

(अन्तरक)

(2) हाजी इस्माईल अली डावरे।

(अन्तरिती)

(3) 1 श्रीमित जैबुन्निसा हाजी इस्माञ्जली डावरे,
2 कुमारी झुबेदा हाजी इस्माईल डावरे, 3, सुहेब
हाजी इस्माईल डावरे, और 4, श्रीमती फातमा
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राज्यात्र में प्रकाशन की तारीं वे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कमरा नं० 79/80, जो, 2री मंजिल, 52-76 जे० ए.प.० $\pi \Pi \xi$ । मार्ग, होजी ट्यू को-अप० हाउसिंग सोमाइटी लि०, बम्बई-9 में स्थित है।

अनुसूत्री जैसािक ऋ० स० आई- 37-ईई/4081 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-11-84 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख : 10-7-1985

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.

कायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1. बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/4603/84-85—अतः मुझे, पी० एन० दबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेंपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 26%-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार भूस्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं रेज नं 1 ए, जो नवजीवन कुटीर, 31 ए, अल्टामाउन्ट रोड, बम्बई 26 है तथा जो बम्बई 26 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणय है श्रीर जिसका करानामा अध्यकर अधिन्यम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनांक 7-11-1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिथित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की गवत, उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरैर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस, व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्रीमती गौरीबाई सत्यनारायण भट

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स नागजी अवलदास।

(अन्त(रत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस धे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए वा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

गेरेज नं० 1 ए० जो, नवजीवन कुटीर, 31-ए अन्टामांउट रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूचो जैसाकि कक सं० अई- ,37-ईई,4482,84-85 श्रीर जो सक्षम श्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-11-1984 को रजीस्टर्ड कियागया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अत्युक्त(निरोक्षण), अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख 11-4-1984 ----

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

प्रक्ष आहे.डा.एग.एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1 बम्बई ह्यम्ह्यई, दिनांक 12 जुलाई 1985

निदेश सं० श्र $\frac{1}{3}$ 7ई $\frac{1}{3}$ 7ई $\frac{1}{4}$ 82 $\frac{1}{8}$ 4-85--श्रतः मुझे पी० एन० दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० श्रोद्योगिक युनिट नं० 127, जो, 1ली मंजिल श्राह्यारू इंडस्ट्रियल इस्टेंट , सन मिल कम्पाउन्ड, लोग्नर परेल बम्बई—13 है तथा जो बम्बई—13 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन तारीख बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 29—11—1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री मगनलाल गिरधर सोधा ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स भिव शक्ति ट्रेडर्स ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-ह¹, यही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रोद्योगिक यूनिट नं० 127, जो, 1ली मंजिल, श्रध्यारू इंडस्ट्रियल इस्टेट, सन मिल कम्पाउन्ड, लोग्नर परेल, बम्बई 13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-1/37ईई/4371/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-11-84को रजिस्टर्ङ किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1,बण्बई

दिनांक: 12-7-1985

माहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-व के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालया, तहायकं आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985
निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/4667/84-85---म्रतः सुन्ने,
पी० एन० दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 204, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० 1, "सुमेर टावर्सरु लव लेन" शेठ मोतीशा रोड़, मांझगांव बम्बई—10 है तथा जो बम्बई—10 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 17—11—1984

को प्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितौं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और∕या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अभ, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीलेखित स्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स सुमेर एसोसिएटस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री उमेदमल कुंदनमल शहा ग्रौर श्रीमती हंजाबाई उमेदमल शहा।

(भ्रन्तरिती)

(3) बिल्डर । (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 204, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० 1, "सुमेर टावर्स" लव लेन शेठ मोतीशा रोड़, मांभगांव, बम्ब ξ -10 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि क्रम मं० ध्रई-1/37ईई/4533/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 15-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-7-1985

प्ररूप बाह्", टी, पुन, पुस, ----+---

भायभार अभिनियम, 1961 (198, का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सर्कार

भार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-1 बम्बई अम्बई,दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० भ्राई० 1/37 ईई/4758/84-85--- श्रतः मुझे पी० एन० दुबे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे असमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० पलेट नं० 805, जो, 8 वी मंजिल इसार नं० 1 "समेर टावसं" लव लेन, शेठ मोतीशा रोड, माझगाव, बम्बई 10, है तथा जो बम्बई 10 में स्थित है (श्रीर इउसे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप विणत है), श्रीर जिसका कर्जरनाम श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 209 के, खे के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री। नारीख 30-11-84 को पूर्ण स्व सम्पत्ति के जार्यालय में रजीस्ट्री। नारीख 30-11-84 को पूर्ण स्व सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्थमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति को उपित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल में, एंस्ट्रे स्व्यमान प्रतिफल का प्रन्त्र, उसके स्थमान प्रतिफल में, एंस्ट्रे स्व्यमान प्रतिफल का प्रन्त्र , उसके स्थमान प्रतिफल में, एंस्ट्रे स्व्यमान प्रतिफल का क्तारति (अन्तरितया) क बीच एमं, अन्तरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित भीं

शास्तविक रूप से कथित नहीं किया! गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाइक उक्त किसी नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आहि सियं में की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, १९९२% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ए.६ धनक ह अधिनियम, १९६ धनक ह अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया. आ या किया जाना चाहिए था स्थिपान , के स्वित्रधा के निए।

कतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ए के अन्सा मों, मीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (के अभीन निम्नलिखित व्यक्तिसां, अभीत् :--- (1) मेसर्स सुमेर श्रसोसिएटस

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री नरेंद्र जे० शहा ग्रौर श्रीमती निता नरेन्द्र शहा (ग्रन्तरिती)
- (3) बिरुडर । (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)

की बहु सूचना चारी करकें पूर्वोक्त तम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन वें, सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अंशिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक्ष से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बार्श में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस सें 45 कि के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिस में किए का सकोंगे।

अनुसूची

पलेट नं०805, जो, 8 बी० मंजिल, इमारत नं० 1, "सुमेर टावर्स, लव लेन" भे० मोतीशा रोड, मासगांव, बम्बई 10 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि फ्रं॰ सर्च |37| ईई|4676|84-85| ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 20-11-84 को रजीस्टर्ड कियां गया है।

पी० एन० देवे सक्षम प्राप्त्रिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1 मम्बई

तारीख: 10-11-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यातरः।, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० अर्द 1/37 ईर्छ/4831/84-85—स्मतः मुझे, पी० एन० दुबे

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भ्राफिस नं० 62,जो, महावीर दर्शन, 5 वी मंजिल 8 नरशी नाथा और भन्छारी स्ट्रीट, बम्बई-3 में है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रौर इसमें से उपाबद्ध श्रनूस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका कराानामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 259 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। तारीख

29-11-1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशल से बीच एसे अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हूण से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबतः, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राम शंकर लोकनाथ श्राफ

(भ्रन्तरक)

(2) श्री परेश घिरजलाल वालिया श्रौर श्री जयेश घरजलाल वालिया ।

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरकः।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पर्हि)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

घनुसूची

ग्राफीस नं 62, जो, महाबीर दर्शन, 5 बी० मंजिल नरशी नाथा श्रौर भन्डारी स्ट्रीट, बम्बई 200 003 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर सर्व प्रई- 1 37-ईई/ 4377/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनॉक 29-11-84 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्ररकर ग्रायुक्त (निरीक्ष**ण) **ग्रर्जन रेंज-**1 **ब**म्बई

तारी**ख** 12-7-1984 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई, 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/4714/84-85--- श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षत्र पाधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि . स्थावर संपीत जिसका उचित् बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी संव श्राफिस प्रमायसेंस नंव 3, जो 7वीं मंजिल इमारा "श्रटलांटा", प्लाट नंव 209, नरोमन पाइन्ट, बम्ह्यई-21 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है

तारीख 17-11-1984

को पूर्विका संस्थित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एोसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से स्थित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अद, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्मरण मों, मों, जबत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निशिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जयन्तीलाल एच० बुखानवाला, ग्रीर भरविंद एच० बुखानवाला।

(अन्तरक)

(2) इलाईट बिल्डमं प्राइवेट लिम्टिड।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्राफिस प्रिमाइसेस नं० 3, जो, 7वीं मंजिल, इमारत नं० "म्रटलांटा" प्लाट नं० 209, नरीमन पाइन्ट, अम्बई-21 में स्थित है।

ग्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/4464/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनां ह 17-11-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-1, बस्बई

दिनांक: 12-7-1985

प्ररूप आहें. टी, एन. एस.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर बायुक्त (निरुक्तिक)

श्चर्जन रोंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 जुलाई, 1985

निदेश मं० ग्रई-1/37-ईई/4597/84-85---- ग्रनः मुद्ये, पी० एन. दुवे

कायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जसकी सं० फ्लैंट नं० 1, जो महेम्बर की-भ्राप० हाऊ सिंग् सोसाइटी लि०, गीत गोविंन्द हाल के सामने, सायन (पूर्व बम्बई-22 में स्थत है श्र(इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क्ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 7-11-84

कों पूर्वेकित सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यंशापूर्वों कल संपत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे उश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरफ (अंतरकों) होर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गवा प्रतिफल निम्नलिखित उष्टेक्य से उक्त अन्तरण निम्लल में कास्तिक रूप से करिस नहीं किया गवा है है--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने को सन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निग्; और/वा
- (क) एसी किसी बाव या किसी भन या बन्य आस्तियों करो, जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या भनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवाय प्रकट नहीं किया ग्रमा या मिया जाना जाहिए था, स्थिपाने प्रेमिया के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के जनसरक को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्य:—

- (1) श्रीमती साविली बाई कुकरेजा।
- (म्रन्तरक्)
- (2) श्रोमतो पुष्पायेन के० ठक्कर श्रीर श्रो कमलेश पा० ठकार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितब्र्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिबित में किए वा सकेंगे।

स्मक्कीकारण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, को अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विचा गया है।

जनसंची

पर्लंड नं 1, जो, महेश्वर को-श्राप हाउनिंग सोसायटी लि , गीत गोविन्द हाल के सामने, सायन (पूर्व) बम्बई- 22 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/4478/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राक्तिगरी, बस्बई द्वारा दिनांक 7-11-84 को रिजस्टर्ड प्रिया गया है।

> ुपो० एन० कुः सक्षम प्राधिक≀र सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण श्रजैन रोज-II, बस्कर्

दिनांक: 12-7-1985

मोहर ;

प्रकृष कार्य टी.एन.एस ----

आयकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक **आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

श्रजीन रोज-।, बम्बई

बम्बई, दनांक 12 जुलाई, 1985

नदश सं० ग्रई-/37-ईई/3388/84-85--- म्रतः मुखे, पी० एन० दुवे,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जसकी संव कमरा नंव 24, जो, 3री मंजिल, 439 कालवादेवी रोड, बम्बई-2 (दि हमम प्रेमजी को-श्रापव हाउसिंग सोनायटो लिमिटेड) में स्थित है (श्रौर इससे उपा-ह्याइ अनुसूचा में स्रीर पूर्ण रूप से बणित है), श्रीर जिसकी करारनामा स्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 कख के अबीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के जायीलय में रिजिस्ट्री है तारीख 7-11-84

क्षे पूर्वोक्त सम्पत्ति को उजित बाजार मूरम हो कम के देश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि संभापनों कर संपरित का उजित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के के ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक की, निस्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में अस्त-विक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुदं किसी साम की बाबत, हक्त बिधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक बी दायिस्य में कभी करने या उत्तसरे वचने यो सुविधा के ल्यापुर, बरिं/या
- एभी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों का. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गयर था या किया जाना वाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) ज अधिन शेनम्नलिकिय व्यक्तियों, यभीत् ड── 50—196GI|85 (1) श्रीमती लाभकुवंर छोटालाल धहा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो शःन्तिलाल पन्नालाल गुप्ता और श्री नरेश चन्द्र पन्नालाल गुप्ता।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरह ।

(बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में संपत्ति हैं) को यह सूचना जारी करके पृवर्षिक सम्पन्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कांड भी बाक्ष्य :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृथां का, थो उपर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा थी उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

कमरा नं० 24, जो, 3री मंजिल, दि हशम प्रेमची को-प्राप० हाउसिंग सोकायटो लि०, 439, पालब देवी रोड बम्बई-2 में स्थित है।

श्रमुसूर्वा जैसा कि कर मंद्र श्रदिन/37-६६/3924/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० **दुवे** गक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निर्दक्षण) श्रर्जन रोजना, बस्ब**र्ध**ा

दिनां ह : 12-7-1985

प्रकार मार्ड, टी. एवं एस.------

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीत स्वाना

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बम्बर्ष बम्बई, दिनांक 12 जुलाई, 1985 निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/2342/84-85--श्रतः मुझे पीं० एन० दुबे,

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-व के जभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है श्रौर जिनको संरक्तिट नं 802 है जो 8वीं मंजिल, नवीन भाशा दि प्रिमायसे -भ्राप० कोसोसायटी लिं०, दादासाहेब फ़ालके रोड, दादर, बम्बई-14 में स्थित है (इससे उपाबद्ध **श्र**नुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करार-नामा स्नायकर स्ननिधनियम 1961 की धारा 269वख के अधीन बम्बई कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 26-11-84 को पूर्णीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दशीमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त सम्पत्ति का उचित् बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की क्षावत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्ष्मने में सृविधा के लिए; के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, ए। धनकर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने जें सविधा के लिए:

बतः बन, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण तै. मैं: उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिकिट व्यक्तियों, बर्धातः हिन्स (1) स्टिल रोलिंग मिल्य ,आफ बेंगाल लिमिटेड। (श्रन्तर्य)

(2) श्रीमती विमलाबेन मीरारजी संगोई। (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्वारा;
- (क्रं) इस सुघना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा गकेंग।

स्पट्टीकरण :---इसमें पमक्त कट्टों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं!

नगसची

फ्लैट नं० 802, जो, 8वीं मंजिल, नवीन <mark>म्राशा प्रिमायसे</mark> को-म्राप० सोसायटी लि० दाद्यासाहेब फ़ालके रोड, दादर, बम्बई-14 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि सं प्रई-1/37-ईई/3395/84-85 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० **दुवे** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 12-7-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजेन रोंज-1, बस्बई बस्बई दिनां∜ 10 जुलाई 1985 निदेश सं० अई 1/37 ईई/4616/84 85---अत: मुझे, पी० एन० दुवे

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परवात 'उपत अभिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पण्ति, जिनका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जि.की सं० रस्टोरेंट नं० 1 जोतल माला "लोटन कोर्ट" इमान्त प्लाट नं० 12-ए० डा० अर्मी बेंसट रोड चरली और 10 जार पारिण जगह बम्बई-18 में स्थित हैं (और इससे उपाधद्व अनुसूची में जार पूर्ण रूप से पणित हैं) और जिन्हा तरारणमा आवकर अधिनियम 1961 की धारा 269 जो के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राविज्ञारों के लयीन लय में रिजिस्ट्री हैं गारीज 7-11-84

को पूर्वोक्स संपत्सि के उण्णित बाजार मून्य से कम के स्थमतान आंतफन के लिए बन्सरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्णित बाजार शृष्य, उनके क्ष्ममान प्रतिफल से, एवे क्ष्ममान प्रतिफल का पेढ़ह प्रतिस्त से अभिक है और बन्तरक (क्रन्तरकों) और बंदरिती (बन्तरितियों) के बीच एवे बन्तरण के लिए तम वासा वया प्रतिक कक निम्नलिसित उद्देशक से उक्त बन्तरण विश्वित में बाक्तीमूक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त जिभिनियन को जभीन कर दोने के अंतरक को दायित्व में कमी करने या उसके क्वाने में सुविधा को लिए; जौर/वा
- (च) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य बास्तियां को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयासनार्थ अन्द्रिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, क्रियाने बें स्थिभा के सिक्ट;

नतः स्थः उक्त निधीनसम् कौ धारा 269-म् कौ सन्तरण् को, मी, इक्त निधिनसम् कौ भारा 269-म् कौ उपधारा (1) कौ नधीर, निस्निमिचिक व्यक्तियाँ, नर्थात् ६(1) अम्बीट कार्पोरेशन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती नीलू कपूर।

(अन्तरिती)

को यह सुभना जारी कारके पृथींक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उनत सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र:---

- (क) इस सूचना के एजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनभि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अमिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूनों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के गांध निवास में किए वा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शर्वे और पदौं का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

रेस्टोरेंड नं० 1, तल माला, "लोटस कोर्ट" इमारत प्लाट नं० 12 ए, डा० अनी बेझन्ट रोड, वरलीं, और 10 कार पार्किंग जगह बम्बई-18 में स्थित है।

श्रनुसूची जसा कि ऋ० सं० श्रई 1/3के ईई/4492/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-84 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 अम्बर्ध।

विन/# 10-7-1985

मोष्ट्र 🛭

श्रक्त बाह्".टॉ..्रम्. एतः . -------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सक्षीन सुचक्षा

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक अध्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, **अम्बई** अम्बई, दिनांः 11 जुलाई 1985 निवेश सं० श्रई-1/37 ईई/4539/84-85—-ग्रतः मुझे पी० एन० दुवे

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ब्रिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्स 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिएकी सं जिमीन और इमारत है जो बेग्नरिंग सी एवं नं 2016 भूनेश्वर डिवींजन बम्बई में स्थित हैं और इसमें उपाबद अनुसुवीं में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिएका जिल्लामा शाय कर श्रीविनियम 1961 की धारा 269 भूख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारीं के वायालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 7-11-84

को पूर्वोक्त संम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई हैं और मृत्रों यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकृत से प्रधिक है और मन्तरक (सन्तरकों) भीर मन्तरिती (सन्तरितिणों) के बीच ऐसे मन्तरल के लिए तय पाया गया प्रतिकल को लिखत में बाक्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वावत,, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय भायकर मिलिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिलिनियम, या अन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किथा गया था किया जाना चाहिए वा, खियाने में पुण्या के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधास (1) भे अधीन, निम्नीशीयर व्यक्तियों, वधार हुन्। (1) मेसर्स भगवानदान पाहूमला

(ग्रन्तर∗ः)

(2) में सर्स एउ० दीपक कुमार एण्ड कम्पनी। (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, बो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थिक्त द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किय गया है।

अनुसूची

जमीन और इमारत बेर्आरंग सी एस० नं० 2016, भूलेक्ष्यर डिवीजन बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैंगा कि कि के मं क्रई-1/37-ईई/4412/84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वरा दिनांक 7-11-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन**० दुबे** सक्षम प्राधिकारी सहायक **धा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

दिनांक 11-7-1985

ग्रर्जन रैंज-1, बम्बई

मोहर ः

प्ररूप बाइ . दी . एम . एस . ------

कारकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक शायकर शायकत (निरांशण)

श्चर्णन रेंज-1, बम्बई बम्बई दिनांव 12 जुलाई, 1985 निर्देश सं० श्रई 1/37-ईई/4618/84-85→ अतः मुझे, पी० एन० दुवे

भागकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्तें इसकें प्रभार 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारक है कि स्थाबर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- क. से **अधिक हैं** और जिल्ली संविष्ट नंव 102 हैं जो पहली मंजिल "एक" विंग जिला प्रराटिंगेंट ।" प्राचार्य दोंदे मार्ग सिवरी (प०) बम्बई-15

में स्थित है (और इंन्ते उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप के घणित हैं), और जिसका करारनामा आयहर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क्ष्म के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 7--11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्हरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) मन्तरण से हुद्दं किसी शाव की, वावत, शक्त श्रीधिनयत्र के जधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (य) ऐसी किसी नाम या किसी भन वा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत् अभिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिष् था, डिज्याने में सृत्यिधा में सिम्बः;

भतः सन, उक्त अनिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, विक्निलि**वक स्पन्तिनों, वर्धात** ।

- (1) श्री गोरधन दान शिवचन्द्र राय गरोडिया। (ग्रन्तर ह)
- (2) श्री पाल एडवर्ड फर्नान्डींज।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रीं मावजी एस० वाघेर।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में संपत्ति है)

(4)श्री मावजी एन० घाघेर।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविध या तत्सेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इसस्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इचारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

वन्स्थी

फ्लैंट नं 102 जो पहतीं मंजिल "एफ" विंग वीना बिला श्रापर्टमेंट्स श्राचार्य दोंद मार्ग जिपरी बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि क० सं० अई/37 ईई/4494/84-85 और जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनों : 7--11-84 को रिनस्टई िया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनां क : 12-7-1985.

मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयक् स अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

निदेश सं० अई 1/37-ईई/4629/84-85--श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्नि संव फ्लैंट नंव 62 जो मोना विसा 6ठी मंजिल बानाजी पेटीट रोड बम्बई-36 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं) और जिल्जा करारनामा आयार श्रिधनियम 1961 की धारा 269 ख के अधीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधि रीं के न्यांत्रिय में विजस्ट्री हैं। तारीख 7-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपन्न के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का अन्तरण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्दरेप से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों कर्त, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए:

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती भगवन्ती तारापत्य श्वामदाभानी। (श्रनारार्)
- (2) श्री बाजी जहांगीर जी 'गनवाचिया और श्रीमती अन्वाजी कामपाचिया।

(भ्रन्तरिती)

- (3) ग्रींन्डबेल नार्टन निमिटेड। वह व्यक्ति, जिल्ले अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रीन्डवेल नार्टन शिनिटेड । वह व्यक्ति जि.के बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता हैं ि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इंगरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जनसंची

पलैंट नं० 62 जो मोना लिमा 6ठी मंभिल बानजी पेटीट रोड बम्बई-36 में स्थित है।

श्रनुसूत्ती जेता ि कर संराद्ध-1/37-ईई/4512/84-85 और जो तक्षम श्रवि गरी बम्बई द्वारा दिनां उन्तर 7-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पीं० एन० दुवें सक्षम प्राधिका**री** सहाय अप्रयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बम्बर्ध

दिनांक: 11-7-1985

मोहर :

अस्य आहं. टी. एवं, एस. -------- (1) मैसर्स

नाथकर मिपिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (!) के प्रधीत स्वना

भारत सर्वतर

कार्यालय, सहायक आयकर बाग्कर (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ज्लाई, 1985

निदेश सं० धर्ड-1/37-ईई/4668/84-85—-ध्रतः मुझे, पी० एन० ध्रुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावन अध्यक्ति, जिनका उचित याचार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1304, जो, 13वीं मंजिल, इमारत नं० 1, "सुमेर टावर्स" लव लेन, शेठ मोतीशा रोड, मझगांव, बम्बई-10 में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 17-11-84

को पृथेकित सम्पत्ति के एषित उप्तार मृत्य से काम के स्थामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते ग्रह विश्वाद कपने की कारण है कि स्थाप्त्रीक्त सम्पत्ति का अचित बाजार सृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल ए. १५ प्यामान परिफल का चल्क् प्रतिचात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा ग्या प्रतिलक्ष कि निम्नितियों विश्वाद से अस्त अंतरण कि सित्य में बास्तिक क्ष निम्नितियों नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्ट अभिनियम के अभीन कार वीने के अंतरक के बासिस्ट को के राज्य के स्थान की किसा के सिए कोर्यका
- (क) एंनी किसी आप मा किसी धन या अन्य अधिक्षी को, जिन्हों भारतीय आपकार अधिवित्यत्र, 1922 (1927 वा १८) या उपत अधिनियत्र, या धन-ए-ए वृद्धित्या, 1057 (1957 को १४) को प्रयोजनार्थ पंत्रिक्त, द्यारा रकाट नहीं। कि ए। नथा धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने मो मुजिधा के किए:

अतः अब, उकत अधिनियम की धारा 269-घ के, अनसरण में, मैं तक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के गंधीन, निम्नतिसिक्त अधिकतमों, संभौत :— (1) मैसर्स सुमेर एसोसिएटस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कस्तूरखाई केशवजी, ग्रौर श्री विनोद केणवजी।

(अन्तरिती)

(3) बिल्डर।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षप 🌣 🖚

- (क) इस सूजना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, का भी जनिश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कार के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्वार, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिए में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उन्नर्भ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगरा ची

फ्लैट नं० 1304, जो, 13वीं मंजिल, इमारत नं० 1, ''सुमेर टावर्स'' लव लेन, शेठ मोतीशा रोड, मझगांव बस्बई-10 में स्थित है।

श्रानुसूची जैसा कि कर संरु श्रई-1/37-ईई/4534/84- 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्ष्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 12-7-1985

मोहर:

प्रकर बाइ². ट\्एभ . एख ्न------------

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्र 269-म (1) के अधीन स्वना

बाउव स्टब्स

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 जुलाई, 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/4522/84-85—-श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्वे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित् बाबार मृत्वे 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 701, जो, 7वीं मंजिल, इमारत नं० 1, "सुमेर टावर्स" लव लेन, शेठ मोतीशा रोड, मझगांव बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 7-11-84

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यायाथ प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्कोंक्त सम्मित का उचित बाबार बुक्क् अस्त्री क्याया प्रतिफाल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर रिती (अन्तरितियों) ने बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया पतिफाल किम्मितियों उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि विश्वत में भाग्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किती अप की शावत उच्च अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा क (च्या) और /दा
- (का) एसी किली आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें धारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मित्रधा के लिए;

अत: अब उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उकत अधिनियन की धारा 269-छ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- (1) मैसर्स सुमेर एसोसिएटस।

(ग्रन्तरक)

(2) मंजूला राजकुमार सोनीगरा।

(भ्रन्तरिती)

(4) बिल्डर।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिष्य कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्त्रेष 🧢

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के की 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितब द्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त सन्दों और पतों का, को उक्त विधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष दोगा, को उस अध्याम में दिवा नदा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 701, जो, 7वीं मंजिल, इमारत नं० 1, "सुमेर टावर्से", लव लेन, शेठ मोतीका रोड, मझगांव, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-1/37-ईई/4402/84- 85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० **दुबे** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 12-7-1985

मोहर :

प्ररूप आइ².टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई, 1985

निदेश सं० प्रई-1/37-ईई/4519/84-85--- प्रतः मुझे पी० एन० बुबे,

वायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसवें इसके पश्चला 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाद करवे का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित शाचार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, जो 3री मंजिल, इमारत नं० 1, "सुमेर टावर्स", लव लेन, शेठ मोतीशा रोड , मझगांव बम्बई-10 है तथा जो बम्बई- 10 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 7-11-1984

को पूर्वोक्त अस्परित के उचित बाजार मुन्य से काम के कामान प्रितिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मुन्य, उसके कायमान प्रतिफल से, एसे कायमान प्रतिक्य का नेक्क प्रतिकृत से जिल्का के तिक्ता से जिलक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब पावा नवा प्रकिक कत निम्नितिति उद्देश्य से उक्त बन्दरण निवित्त में नास्त-विक क्य से कायस नहीं किया जना है अ---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उच्त बाध-नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दसीवरण में कमी करने या उसमें बचने में सिवधा के लिए; बॉर/बा
- (च) एवी कियी बाय वा कियी थन या अध्य बास्तियों को, चिन्हें भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, का थय-कार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा से किया चाना चाहिए चा. कियाने में सुविधा के स्मिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभाषा (1)- ल' अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :---

51-196GI|85

(1) मैसर्म सुमेर एसोसिएदस।

(भन्तरक)

(2) श्री मंगीलाल पृखराज यालंकी, श्रीर श्रीमती, पुष्पादेवी मंगीलाल सोलंकी।

(भ्रन्तरिती)

(3) बिल्डर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संम्पत्ति है)

न्त्रों बहु सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

जमत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाष होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन हो भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गत सिस्त मा किस का नक्ष का नक्ष का नक्ष

स्वाक्षास्यः ----इसमें प्रवृत्तस शब्दों और पदों का, वो उनस जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विवा वृत्ता है।

अनुसूची

पलैट नं० 301, जो, 3री मंजिल, इमारत नं० 1, "सुमेर टावर्स", लव लेन, शेठ मोतीशा रोड, मझगांव, बम्बई-10 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई-1/37 ईई/4399/84- 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-84 को रजिस्टई किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरी**क्षण**) श्रर्जन रेंज-1, **बस्बई**

दिनांक: 12-7-1985

मोहर 🖫

प्रारूप आई.टी.एन.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्तिण) भ्रजीन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई, 1985 निदेश सं० भई-1/37-ईई/4551/84-85—मतः मुझे, पी० एन० दने,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

द्योर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 503, जो, 5वीं मंजिल, इमारत नं० 1, "सुमेर टावर्स", लव लेन, शेठ मोतीशा रोड, मझगांव बम्बई-10 में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है), ग्रौर जिसका करारनामा प्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 7-11-1984

को पूर्शेक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तश्का) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है है

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, सक्ल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक करें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा की किया

नतः भव, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कें नकीन जिल्लितिका व्यक्तियों, अधित क्रिक

(1) मैसर्स सुमेर एसोसिएटस।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री छगनलाल भ्रजीर चन्द पुनिमया, श्रीर श्री भ्रशोक छगनलाल पुनिमया।

(भ्रन्तरिती,

(3) बिल्डर।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्परितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्ष्मत क्रमित के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यास्त्या पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्श व्यक्तियों में से किसी क्योंनत द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

पच्छीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया उन्हें हैं।

अनुसूची

पलैट नं० 503, जो, 5वी मंजिल, इमारत नं० 1, "सुमेर टावर्स", लव लेन, शेठ मोतीशा रोड, मझगाँव वश्वई-10 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि क० सं० ग्रई-1/37-ईई/4420/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां क 1-11-84 को रजिस्टई किया गया है

> पी० एन० दुबे, सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयकर आक्तयु (मिरीक्षण) ग्रर्जेन रेंज; बस्बई

तारीख : 12-7-1985 बोहर ॥

प्रकृष् वार्षं ,दी, एवं ,एवं

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वृ (1) के ब्वीन स्वना

भारत चरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकरु बायुक्त (निर्द्रीकाण)

अर्जन रेंज 1,

बम्बई दिनांक 12 जुल।ई 1985

निदेश सं० अ $\frac{1}{2}$ - $\frac{1}{3}$ 7ईई $\frac{1}{4}$ 4799 $\frac{1}{9}$ 84-85—अतः **मुस्रो** पी० एन० दबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृष्य, 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव यूनिट नंव 101 जो शिव शिक्त इंडस्ट्रियल काम्पलैक्स सिताराम मिल्स कम्पाउन्ड, जीवराज रामजी भौरीचा मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 28-11-1984

को पूर्वापत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके दश्वमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) मृत्युष्ण से हुई किसी बाय कर्ष बायत, स्थल स्थितियुम् के स्थीन कर्ष दोने के मृत्युरक के स्थितम् में क्सी करने या उससे म्थले के सृत्युश के लिए; बार्/या
- (क) एसे किसी बाब ना किसी वृत्त वा सूच्य बाहिस्तूरी की जिन्हों भारतीय आयकर बांबानवज्ञ, 1922 (1922 को 11) या स्वत्त अधिनियम, या सूच्य कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ जन्दिरियी द्वाय प्रकट सहीं किया व्या भा सा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविवा के विद्य;

अतः अवः, उक्त विभिन्तिम की भाग 269-ण को जनुसर्ज को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभा<u>रा (1)</u> के अधीन, निस्नि<u>स</u>िचत व्यक्तिमी, अधीत् क्र— 1. कुमारी उर्वशी सी० भारवानी।

(अन्तरक)

2. मैसर्स सियाराम सिल्क मिल्स, लिमिटेड।

(मन्तरिती)

की बृद्ध बृजना चारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के श्रवंत के जिया कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

वयत कुम्बरित के कुर्बन के सम्बन्ध में काई भी जासेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जुनिए या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पृष्ठ सूचना की तामील से 30 दिन की जन्मि, जो भी जन्भि वाद में समाप्त होती हो, के भातर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारः;
- (च) इव तृचना के राजपण में प्रकाशन की तर्रीख 4 45 दिन के भीतर जनत स्थानर सम्पत्ति में हितबध्य किसी नन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकींगे।

स्वाचिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों गरि पदों का, जो उकत अमुधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहा अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया संसाह ।

भनुसूची

यूनिट गं० 101 जो शिव शांबत इंडस्ट्रियल काम्पलेक्स सीताराम, गिल्स कम्पाउन्ड, जीवराज राम भी भोर्गाचा भागं, सोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से० अई-1,37ईई,4935,84-85 ग्रीर जो सक्ष्म प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 29-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक 12-7-1985 मोहर: वावकार अभिनियम 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

भागांतय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

सह।यक अ.यकर अ:युक्त (निरी**क्षण)** अर्जन रेजा वस्बई वस्बई, दिनांक 12 जुलाई, 1985 निर्देश सं० आई-1/37ईई/4666/84-85—अतः **मुक्ते**, पी०एन० दुबे,

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विधे इस्वाँ इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन अध्य श्रीधकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि धावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाणार मूस्य 1,00,000/- रु. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैंट न ० 202. जो, 2 री मजिल, इमारत न ० 1, "मुमेर टावर्स", तव लेग, शेठ मोतीणा रोड, माझगांव बम्बई-10 में स्थित है (और उपस्य उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विश्वत है), और जिसका करारनामा आय कर अधिनियम, 1961 की धार 269 कव के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कि कार्यालय में रजिस्ट्रो है दिनांक 17-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विकास करने का कारण है कि वस्तप्रतिकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इच्यमान प्रतिफल से एसे इच्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-इस, निम्निलिकित उद्वेश्य से उच्त अन्तरण निवित में बास्त-विक इस्प से कथित नहीं किया भया हैं:---

- हैंक) अन्तरक म हुई किया प्राय की वावतः, उक्स अधिनियम का जभीन कर दो के अन्तरक बी वावितः में कमी करने या उससे अचने में सुविधा
- (श) एसी किन्न जन्न क किसी धन या अन्य बास्तियों का जिन्न कर कि जिन्म , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम या धनकर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रातक, श्रात इका का व्यवस्थित को बारा 269-व श्री सन्तरण्या, माँ उन्ता अधिनिया को धारा 269-व की उपधारा (1) के स्थीन, निम्निविधित व्यक्तियों, स्थीत ह—

1 श्री मैसर्सं सुमेंर श्रासोसियेटस ।

(अन्तरक)

2. श्री सुमेरमल उखचन्द जी जैन, श्रौर श्रीमती शांतीदेवी एस० जैन।

(अन्ति रती-)+

3. बिल्डर्स ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्पत्ति में हितबद्ध हैं) को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के बर्धन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उपन्न संपृत्ति के अर्जन में संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खारार:
- (व) इत स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-व्युध किकी बन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पात जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, जो छक्छ अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा था उस अध्याय में दिशा गवा है।

Title 4

फ्लैंट न० 202 जो, 2 री मंजिल, इमारत न० 1, शेठ मोतीशा रोड सुमेर टावर्स, लव लेन, मांभगीय, बम्बई-10 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-37-ईई/4532/84-85 झौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बुबे सक्षत्र प्राधिकारी सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक 12-7-1985 मोहरु ॥

त्रक्ष आर्द्धः दौ. एन . एस्. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-म (1) के अधीन स्पना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निर्देशन)

अर्जन रेज I, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेश सं० औई-I_I 3 7ईई_I 4 7 4 3_I 8 4-85—अतः मु**से,** पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० आफिस नं० 238, जो 2री मंजिल पूर्वचरन प्लाट नं० 16, मैथ्य रोड़ इस्टेट क्वीन्स रोड़ बम्बई-4 में जिल हैं) ग्रीर जिसकाकरारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 काब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यांग्य में रजिस्ट्री है दिनांक 20-11-1984

को पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए त्य पावा वया प्रतिक कन, निम्निनिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिव्य स्प से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की वाक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के इन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे वक्ते में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. िष्ठपाने में सृविधा के लिए;

अतः अधः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्तरण के में उक्त अधिनियमं की धारा 269-भ की उपधारा (1) के प्रधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स के० हीरालाल एण्ड कपनी।

(अन्तरक)

2. मैं सर्स सिल्बर स्टार्स।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितयों।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

का यह सूचना जा<u>री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अणन को</u> लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अ्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्त्मक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगर ची

आफिल नं 238, जो 2 री मंजिल "प्रचलन", प्लाट नं 16, में थ्यू रोड | इस्टेट | क्वीन्स रोड बम्बई-4में स्थित है। अनुसूली जैसा कि कि सं अई-1/37ईई/4€67,84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29·11-1984 को रजिस्टई किया गया है।

पी एन० हुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, बम्बई

विनांक: 1-7-1985

मोहर

प्रकप्, जाहाँ, टी., एन., एक., -----

जात 1061 (1061 का 4**2) की**

भायकर मिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (विद्रालक)

अर्जन रेंज 1, बस्बई बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-1, 37-ईई, 4613, 84-85—अतः मुझे, पी० एन० दुबे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उपिया ग्राभार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी आफिस तं० 104-ए जो पहली मंजिल, मातृष्ठाया इमारतः 378/80, नरणी नाथा स्ट्रीट बम्बई-9 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 7-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपिरित का जायत बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसं क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरम के लिए तय शवा नया प्रतिफल, विश्वनिविद्य उद्योक्य से अस्त अन्तर्भ किया गया है हु—

- (क) अंतरण से हुई किती बाय को बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरके के दायित्व में कजी करने ना उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- । ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खियाने में सुविधा के लिए;

नतः त्रव, उन्त निमिनियम की भारा 269-ग के ननुसरण मैं, मैं, उनत निमिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीग, निम्नलिखित न्यक्ति ग्रों, नभूति :-- 1. मैसर्स कोलोर लॅंग्स ।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स अमीत सेल्स कारपोरेशन (इंट० डिवीजन)।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां सुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधीप अ---

- (क) इस त्यना के द्वाबप्त में प्रकाशन की ताड़ीय है 45 दिन की जन्मि या तत्संबंधी व्यक्तियों एर स्वाम की तामील से 30 दिन की बर्बाभ, जो भी अविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वाक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सी 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितवयुष किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास रितीबत में किए जा सकी।

स्पक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो अस अध्याय में दिया यमा है।

477

आफिस न० 104-ए, जो, पहली मंजिल मातृष्ठाया इमारत, 378/80 नरणी नाथा स्ट्रिट बम्बई-9 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/4490/84-85 ग्रौर जो सक्ष्म प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 7-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सह।यक आयकर अत्युक्त (ःनरीक्षण) अर्जनरेज 1, बम्बई

दिनांक: 12-7-1985

मोहर:

प्रकथ आहें.टी.एन.एस.,-=----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई, 1985

निदेश सं० माई-1/37ईई/4669/84-85—मतः मुझे पी० एन० दुवे

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 203, जो 2 री मंजिल, इमारत, नं० 1, "सुमेर टावर्स", लब लेन, शेट मोतीशा, रोड, माझगांव। बम्बई-10 में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध मनुसूची में भौर जो पूर्णरूप से विणत है) भौर जिसका करारनामा प्रायकर नियम 1961 की घारा 269 क ख के अधींन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 17-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उतित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान व्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्दै और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार रूत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उत्यदिय से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई फिली आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :—— मैसर्म सुमेर एसोशिएट्स।

(म्रन्तरक)

 श्री संपथराज उमेदमल शहा श्रौर श्रीमती सुखीबाई संपथराज, शहा।

(ग्रन्सरिती)

3. बिल्डर ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हूं।

उन्हा सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाध्येप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (क) इस सुकान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्रस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्मक्किरण:—इसमे प्रयुक्त शक्यों और पवाँ का, जो उक्त सिंध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 203, जो 2री मंजिल, इमारत, नं० 1, "सुमेर टावर्स", लव लेन, शेंट मोतीया रोड, माझगांत्र, बम्बई-10 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० ग्राई-1/37ईई/4535/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा, दिनांक 77-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

विनांक 12-7-1985 मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर मिपिनियम, 1961 (1961 केन 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-1/37ईई/5140/84-85;——प्रतः मुझी, पी० एन० दुवे,

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार जुल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं सी एस नं 99, सर्वे नं 7965 (श्रंष), श्रोर एस/9705, बन्सीलाल विला इमारत, जंक्यन, श्राफ फाझल श्रोर सोभानी रोड, कुलाबा डिवीजन, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 2-11-84

कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित थाणार मृत्य ते कम के क्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके उत्यमान प्रतिकत से, एसे उत्यमान प्रतिकत से विश्व है और अंतरक (अंतरका) वीच वंतरिती (अंतरित्या) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नितित उत्यथिय से उक्त अन्तरण विश्वत में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वानत्, अथत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्म में कनी करने या उससे वचने में शुविधः के सिष्ट; बरि/वा
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन वा अस्य आस्तिनों को, चिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियन, वा धनकर अधिनियन, वा धनकर अधिनियन, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्ज अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया धा सा किया जाना जाहिए था, छिपाने सें सृविधा के लिए;

हत: अन्, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के ननुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलियित अभिनायों, अर्थात् :---

6. श्री श्रशोक उमेदभाई एम० पटेल ।

(श्रन्तरक)

2. मैसर्स वैभव इस्टेटम ।

(भ्रन्तरिती)

- 3. (1) श्री कें ० कें ० लाला।
 - (2) श्री टी० सी० कपूर,
 - (3) श्री एल० टी० शिवदासानी, श्रीर
 - (4) हिम्मर्स म्राफ लेट, श्रीमती कमल इ० बुड ।

(वह व्यक्ति जिसके घ्रधिभीग में सम्पत्ति है)

4. ग्रन्तरितयों ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिमां करता हो।

उन्नत संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संवधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस तूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल्बब्ध . किसी अन्य व्यक्ति इंदारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

क्ष्यक्रीकरणः - इश्वमें प्रयुक्त कर्यो और पर्यो का, को उक्त अधिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उत कथ्याय में दिवा गवा है।

श्रनु**सू**चीं

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० बॉन 317/77 श्रीर जो उपर्जिस्ट्रार, बम्बई द्वारा, दिनांक 2-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एस० दुबे मक्षम प्राधिगरी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज I, बम्बई

दिनांक 10-7-1985 मोहर: प्ररूप आर्द्र.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1985

निवेश सं० भ्रई-1/37जी/5143/84-85--- भ्रतः पी० एन० दुखे,

बायकर जिभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया 🗗), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का **कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृ**ल्य 1,00,000 ∕- रु. से अधिक हैं।

भौर जिसकी संवसीवएसव नंव 1820, भूलेण्वर, बम्बई-400 002 भूलेश्वर डिवीजन, कविल स्ट्रीट, प्रथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्तां ग्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 13-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित शाबार मूस्य से कम के इस्यमान विफल के लिए सम्तरित की गई है भीर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाजार नुरुथ असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रष्ट ।तिशत से मधिक है भौर भन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती [ग्रम्तरितयों) के बीच ऐमें भन्तरण के लिए तथ पाया गया ।विकस, निभन**सिंख**त उद्देश्य से खन**त प्रश्वरण लिकित ों बास्त**िक **कप** से किकिश नहीं विश्व यसाई 🐎

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतं, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा की लिए; नौर/या
- (च) एरेसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध कास्तियां को जिन्ही भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम्, या धन-कर विधिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रकारभार्य क्लाइती बुवाइत प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिन, था, कियाने में वृद्धिमा के चिए।

वर्ष मृत्र, उन्त विधिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण बाँल कें उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधास (1) में अधीर, विकासिक्त व्यक्तियों, वर्षात 🛶 52-196 GII85

श्री राम दाम रणछोड्दाम

(भ्रन्तरक)

2. श्री रजनीकांत पुरुषोत्तम दास मेहता।

(भ्रन्तरिती)

३ भाड्त।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के वर्जन **के लिए** कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोर्ड भी वासीप ए----

- (क) इ.स. स्चनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अन्यपि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करते 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवुध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अपिश्रीनियमः, के अभ्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० बॉम ० 1166/81 ग्रौर जो, उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 13-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिक सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

विनांक 11-7-1985

माहर:

प्रकप आई.टी.एन.एस. ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 289-ध (1) के अधीन सूचना

नारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आनकार जायकत (विश्वीकाण)

श्रजीन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-1/37-जी/5145/84-85---श्रतः मुझे, पी० एन० दुबे,

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्टास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित राजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, "कूपर इमारत" नं० 1, 2 के साथ, जो, सर्वे नं० 3/907 (स्रंश), फाकलैंड रोड, गिरगांव डिबीजन, बम्बई में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रक्षीन दिनांक 13-11-1984

को प्रोंक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रममान प्रतिफल से, ऐसे द्रममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और जंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिकत उद्वेष्य से उन्त अंतरण जिचित में पस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जंतरक से हुई किसी आय की शावत, जनत विध-नियम के अधीन कर दोने के जंतरक की वायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; जॉर/बा
- (क) एसी किसी भाष या किसी धन वा जन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आवक्षर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृत्रिथा के चिक्

अतः बंब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के जनुसरण में, कें, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) बे क्रांच, विक्तिचित व्यक्तियों, क्योंचु :---- 1. रूस्तम जहांगिर, कूपर, पेसी डी० पोचा ग्रौर धुन एल्बीम ।

(ग्रन्तरक)

वाणिर हुई।निखान भ्रांर हुजरत माहेबा बिशिर हुई।ई।
 खान ।

(ग्रन्तरिती)

3. भाडूत ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सृष्यना जारी करके पूर्वीक्स सम्यक्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां श्रम्भ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ववधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस स्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास क्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय के विका गया है।

वगस्यी

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० बॉम 2858/81 श्रीर जो उपर्राजस्ट्रार, बम्बई द्वारा, दिनांक 13-11-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेंज 1, बम्बई

दिनांक 10-7-1985 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 जुलाई, 1985

निर्देश सं० श्रई-1/37-जी/5148/84-85--श्रतः मुझे, पी० एन० **दु**बे,

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात 'उन्त मिथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

(ग्रौर जिसकी सं० बेग्नरिंग, मी० एस० नं० 2535, भूलेश्वर डिवीजन, 324, इब्रहीम, रहीमम्हला, रोड,

बम्बई-3 में स्थित हं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दितांक 14-11-1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बूज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स जिथिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिवाने में सबिधा के लिए;

क्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण गं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्तिलिखत व्यक्तियों, अधित :— 1. जेबेदा श्रकबरमली सबेरी।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) जमालुद्दीन करमाली विरानी, श्रौर
 - (2) करमाली, नूरमोहम्भद विरानी श्रौर
 - (3) फरहाव जमालभाई विश्राम ।

(अन्तरिती)

टेनेन्टस

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी शाक्तेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारित से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किमी अन्य स्थावित द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास् निक्षित में किये का सकींग।

स्वच्छीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्र अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित्र हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अम्सूची

अनुसूची जैसा कि विलेख स० बी-1257/84 और जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा, दिनांक 14-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्तम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, बम्ब

दिनाक 1 1-7-1 985 मोहर : **इक्य भार**्ट दी_ल एक. एक. ------

भाषकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सुजना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (विद्वीक्रण)

ग्रर्जन रेंज 1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1985 निर्देश सं० ग्रई-1/37-जी/5150/84-85—-ग्रतः मुझे, पी० एन० दबे.

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित वाजार मूक्त 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जमीन बेश्वरिंग, सी० एस० न— 65, त्रिज व्ह्यू, प्रापर्टी, ग्रन्ट रोडमे, ताडवेन डिवीजन, बम्बई-7 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 21-11-84

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित वाकार मृस्य से कम के स्वयान श्रितिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित्त की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के मीच एसे अंतरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वासिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या कसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों शारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के शिक्षः

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, कों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) च बधीन, गिम्नलिख्त व्यक्तियों वर्धात् क्र— जोसेफ फान्सीस डायस श्रौर व्हिटोर पाल डायस ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती वाझदा यासीम हफीज भौर श्रीमती वी० वाई० हफीज।

(भ्रन्तरिती)

3. भाड़्त ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह स्चना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को नर्जन को सम्बन्ध में कोड़ भी वाक्षेप 1---

- (क) इस सूचना कें राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिस्थित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः इंग्रमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया। है।

जन्त्रची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० बॉमम० 2131/81, ग्रौर जो, उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा, दिनांक 21-11-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनोक 10-7-1985 मोहर : प्ररूप आहै. टी. एन. एस.------

नामकर समिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से सभीन श्वा

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-1/37-जी/5151/84ब85—ग्रतः मुझे, पी० एन० बुबे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं जमीन का हिस्सा जो, जे ०, एन ० हरेडिया मार्ग, प्लाट नं ० ८, बेलार्ड इस्टेंट, सी० एस० नं ० ८-1187, फोर्ट डिवीजन, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 21-11-1984

कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्ष्त्रजान श्रीतफल के बिए बन्तरित की नहीं है जीर नुके वह विश्वाद करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का श्रीकृष्ठ प्रतिकास से विभिक्ष है बीर बंतरक (बंतरकों) और जंतरिकी (बंतरितियों) के बीच रखे अंतरण के सिन्द तब पाना नवा प्रदेश-फल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण सिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाव की वावत, उपल अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने था उससे वचने में सुविधा के ट्रैसड्; ऑर/या
- (क) ऐसी किसी नाव ना किसी धन या बल्क आस्तिनों को, चिन्हें भाइतीय नायकर विधानयन, 1922 (1922 का 11) ना उनत वृधिनियन ना धनकर विधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना झाहिए जा, कियाने जे सुविधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसद्धाः मौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित स्विक्तयों मु अर्थात् ः 1. बी पी (इंडियन एजेन्सीज) लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

- 2. **बी** पी इंन्डियन एजेन्सीज, जॉइंट इंटरप्रायजेस लि॰ (अन्तरिती)
- 3. (1) मैसर्स गालिमार पेंटन्स
 - (2) मैससे भाय० के० मरीन, एजेन्सीज,
 - (3) मैसर्स गाम्मन इंन्डिया, लिमिटेड,, श्रौर
 - (4) मैससं भाषर एंड, प्लाटट, (इंन्डिया) लिमिटेड। (बहु व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह त्यान वारी करके प्वोंक्त संपक्ति के वर्षन के विश् कार्यवाहियां करता हों!

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन की कविष मा तत्त्वस्वन्धी स्मीनत्त्रों पर सूचका की ताबील वे 30 दिन की अविष, या भी अविष वास के दबायत होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख व्यक्तियों में किसी व्यक्ति त्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के और उक्त स्थावर कम्पत्ति में दिख-वब्ध किसी मन्य व्यक्ति व्यारा, मधोहस्ताकरी वें पास मिवित में किए वा मकारा।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त बीधनियम, के अध्याय 20-क ने परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भनुसूची जैसा कि विलेख सं० बॉम० 1066/83 भीर जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा, दिनांक 21-11-1984 को रजिस्टबं किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्णन** रेंज 1, **बस्यई**

विनांक 11-7-1985 मोहर:

प्रक्रम बाह्र¹.टी.एन.एस. ------

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कायसिय, सहायक आयकर आयक्त (निर्दाक्षण)

श्रजंन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांग 18 जुलाई, ४९८५

निदेश सं० एएसआर०/ 85- 86/22-- श्रतः मुझे, जे० प्रसाद, आई०आर०एस०,

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया कैं), की धारा 269 का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह ≀वश्वास करन का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका जीवत बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० खाली भूमि का प्लाट मैल्म टेक्स दिप्पर के पीछे, है तथा जो अमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणित है), र जिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में र जस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवस्वर, 1984,

को प्राेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उच्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके उद्यमान प्रतिफल से ऐसे उद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी को विषय स्थापा गया कि किए सम प्राया गया कि कान , कि की कित स्थ्योश्य के उच्छा अन्तरण कि विश्व संस्थित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (का) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत जक्त अभिनियम के अभीन कर घोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ वस्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था स्थितने में सुनिधा के विका

खतः। जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्निलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् क्ष्म- (1) श्रीमिति सुषमा अरोड़ा पहिन प्रेम लाल अरोड़ा निवासी बाजार जीगी शिवाला, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री भूपिन्द्र सिंह चावला पुत्र हरजीत सिंह चावला, निवासी-सराभा नगर, लुधियाना ।

(अग्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार थे। (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पक्ति है)।
- (4) श्रौर कोई। (बह व्यक्ति

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधी-हस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना कारी क्षरके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक द 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगी।

स्पष्टोकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

धनुसूची

1/2 भाग भूमि का प्लाट 562.1/3 वर्ग गज जो कोर्ट-रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं 0/5891/30-11-84रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर सें दर्ज है।

> जे० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख: 18-7-1985

मोहर:

संघ भीक सेवा बायोग

नोडिस

ब्राशुनिपिक वरीक्षा 1986

नई दिल्ली, विनांक 17 भगस्त, 1985

वं• वृक्त• 11/3/85-प०-I(क)--भारत के राज्यक विनाक 17 भगव्य 1985 में कार्मिक भीर प्रशिक्षण विभाग हारा प्रकाशित **विश्वनों के बनुसार तीके दिने गर्ने कैरा 2 में जल्लिकत सेवाओं** और वर्षों की धरणाई रिक्तिमों में वर्षों के जिने संग शोक सेना धानोग द्वारा अगरतमा, अहमधाबाद, लेजक, श्लाहाबाद, बंगशीर, भोपाल, बन्बई, कवकत्ता, भन्नीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैवराधाद, श्रुकाल, देवानगर, व्यवदुर, जस्तू, श्रोरहाव, श्रोहिमा, संवनक, नहात, भावपूर, वचनी (गोवा), वहना, वोडे कीनर, रामपूर, सिर्लाग, जीमगर, तिकपति, विवेन्त्रम, स्वयपुर, विकासापत्तनम त्रवा विदेश स्थित कुष्ट चुने हुए भारतीय मिन्नलों में 2 करवरी, 1986 से एक प्रतिभोगिता वरीका श्री वायेगी:---

भागोत यदि चाहे तो उत्त वरीका के उपर्युक्त केन्द्रों तका नारीकों वें परिवर्तन कर सकता 🕏 । यथपि सम्मीक्थारीं को जनत नरीका के लिने **उनकी** पसन्त के केन्द्र देवे के सबी प्रवास किने वार्नेगे हो भी क्रायोग परिस्थितियक किसी उम्भीदबार की भएनी विवक्षा वर भलग केन्द्र दे सकता है। जिन अल्लीदवारों को उस परीका में प्रवेश दे दिया जाता है बन्हें समय सारणी स्वापरीका स्वल (स्वली) की जानकारी दें दी चावनी । (शतुक्तक I, नैरा 11 देखिन्)।

- 2 इब वरीखा के वरिकास के आबार वर जिब देशाओं और वर्षो पर नहीं की कानों 🐍 क्रक्के नाम और विभिन्न सेवाओं और पक्षों षे बंबीबत रिक्तियों की जनुमानित तंबवा निस्तिलिबत है :---
 - (i) बारतीय निदेश सेवा (ख):--(भ्राज्ञालियिक संबर्ध का 🖮 – 🚻)
 - (ii) रेलचे बोर्ड समिनाचन त्वेबोनाचर सेवा ग्रेंब न (७ क्त बेंड की चवन कूची में सम्मि-लित करने हेनू)
 - (ili) केन्द्रीय समिवालय बाबुतिपिक सेवा-क्षेत्र ग (खनत ब्रेच की चनत सूची में सम्मिनित करने के किए)
 - (iv) सजस्य सेना नुक्यालय धानुलिपिक सेवा--
 - (V) भारत सरकार के कुळ झच्च विचामी /संगठनी तमा सम्बद्ध कार्यालयों में आसुविधियों के नव को भारतीय निषेश रोगा (क) रेक कोई त्रविवासय बाबुधिविक शेवा विश्वीय त्रविवा-बन भावतिषिक/सत्तरक सेना मुख्यालन त्राशु-लिपिक सेवा में सम्मिलित नहीं है।

*रिक्तियां सरकार द्वारा सूचित नहीं की गई हैं.।

^{कक्}शनुसूचित जातियों तथा श्रमुनुचित जनजातियों के उस्कीदबारों के लिये प्रारंभित रिक्तियों की संख्या, यदि कोई है, तो सरकार द्वारा निवारित की वाबेगी≀

बपर्बुक्त रिक्तियों को संख्या में परिवर्तन किया जा सफता है।

 तम्मीवनार तपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों में से एक वा इक्सी प्रक्रिक के बारे में परीक्षा में प्रकेश हेतंं प्रशासका केल सकत⊿ .

यदि कोई उम्पीयबार एक स मधिक नेवाओ/पदीं के लिये परीका में प्रवेश पाना वाहना हो तो भी उसे एक ही आवेदन पत्न भेजने की आवश्यकता है। नीचे पैरा ७ में उल्लिखिल शुरूक भी उसे केवल एक ही गार देना होगा, उस प्रत्येक भेवा/पद के लिये भ्रलग-ग्रलग नहीं, जिसके लिये वह माबेदन कर रहा है।

> हिप्पणी:--इस परीक्षा के माध्यम से मर्ती करने याने भारत सरकार के कुछ विभागों/कार्यालयों को केवल प्रग्रेजी प्राजुलिपिक की ही भावस्थकता होगी, भौर इस परीका के परिवामों के भाकार पर इन विभागों/कार्यालयों में भाक्षप्रियक के पर्यो कर निवृक्ति केवल उन्हीं उम्मीववारों में में की जायेगी जिन्हें लिकित परीका तथा अंग्रेजी के भागुलिपिक वरीक्षण के आधार वर भागोन हार। अनुसंसित्त किया नात। है (अव्यन्य नियम।वली के परि-बिष्ट I का पैरा 4)।

> 4. जम्मीदलारों को ग्रवने प्राचिवन पस में यह स्पन्ध रूप से अक्स्प्राना होगा कि यह किल सेवाधीँ/पदों के लिये विचार किये जाने का इच्यूक है। इसे सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार एक से भ्रक्रिक वरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता क्रम में उनके स्वाम को अधान में रचते हुए नियुक्ति करते समय जसकी वरियताओं पर भली भांति विचार किया भा सके।

> जम्मीदवारों द्वारा निर्दिष्ट उन सेवाधों/पद्दों के वरीयता ऋम में परिवर्तन से सम्बद्ध किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जावेगा जब तक देशा मलुरोध "रोजगार समाभार" में लिखिल परीका के परिचानों के बचायन की तारीय में 30 किय के अन्यर अंग मोक देशा अभ्योग के कार्याक्षय में प्रान्त नहीं हो जाता।

> वरीका में प्रवेश चाइने नाले उम्मीक्नार को निवारित आवेषन प्रपक्ष पर समित्र, संग लोक सेंगा श्रायोग, बौलपूर हाउस, नई बिल्ली--110011 को भावेदन करना चाष्टिये। निर्धारित आवेदन प्रवक्त तथा वरीका वे बम्बद्ध पूर्व विवरण को रुपये लेककर आयोग से बाला हाया प्राप्त किये जा संबंध है। वह राशि सचिव, संब लोक लेवा श्रायोग, क्रीसहर हाक्स, नई क्लिन-110011 की मनीआईर या सचिव, संब लोक सेवा भायोग को नई दिल्ली प्रधान जाक भरपर वेय भारतीय पोस्टल मार्चर द्वारा मेजी जानी चाहिये। मनीधार्डर/पीस्टल धार्डर के स्थान पर चैक का करेंसी नोट स्वीकार नहीं किये जायेंगे। ये मावेदन प्रपन्न भाग्रोग के काउनकर पर नकद भुवतान द्वारा भी प्राप्त किये जा सकते हैं। दो क्यमें की वह राशि किसी भी हाजत में बापस नहीं की आयेगी।

> टिप्पणी:~-जम्मीक्लारों को चेतावनी दी जाती है कि वे प्रपते आवेदम पक्ष प्राकृलिपिक परीक्षा 1986 के लिये निर्धारित मुद्रित अपन में ही प्रस्तृत करें। प्राज्ञुलिपिक परीक्षा 1980 के लिये निर्धारित प्रपक्तों से इतर प्रचलों पर भरे हुए ग्रावेदन बक्रों पर विचार नहीं किया आयेगा।

> भरा हुआ भागेदन पत्र आवश्यक प्रचेकों के साथ तकिक, संब लोक सेवा मानोग, धौलपुर हाउस, नर्फ दिल्ली-110011 को 14 प्रक्डबर. 1985 (14 प्रक्तूबर, 1985 से पहले की किसी तारीबा से प्रसन, मेचालय, ग्ररूणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्सिम, जम्मु श्रीर कश्मीर राज्य के लहाज प्रभाग, हिमाचल परेश के लाहील ल्पीति जिले, तथा चम्बा जिले के पाँगी उपमण्डल, ग्रण्डमान और निकोबार द्वीपसमृह मा लक्षद्वीप ग्रीर विरेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के ग्रीर जिन जम्मीवारों के प्रावेदन उपर्युक्त में से किसी एक इलाके में डाक द्वारा प्राप्त होते हैं। उनके मामले में (28 मनतुबर, 1985) तक या उससे पहले बाक द्वारा प्रवश्य भिजवा दिया जाये या स्थयं भाषोग के कालुफ्टर पर भाकर जमा कर विया जाये । निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होसे काले किली भी काबेदन-वस वर विचार नहीं किया जायेगा।

भसम, मेथालय, धरूणाचल प्रदेश, मिजोरम, मिणपुर, नागालैंड, विपुरा, सिविकम, जम्मू भीर कश्मीर, राज्य के लढ़ीख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल भीर स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमण्डल, भण्डमान भीर निकोबार श्रीप समृह या लक्षश्रीप भीर विवेशों में रहने वाले उम्मीववारों से भायोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिये कह सकता है कि वह 14 भक्तूबर 1985 से पहले की किसी तारीख से भस्म, मेथालय, भक्जाचल प्रवेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, खिपुरा, सिविकम, जम्मू भीर कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाचस प्रवेश के लाहौल भीर स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमण्डल भण्डमान भीर निकोबार श्रीप समृह या लक्षश्रीप या विवेशों में रह रहा था।

- टिप्पणी (i):--जो उम्मीवबार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहमे वाले धावेबन की प्रस्तुति हेलु धातिरकत समय के हकवार हैं छन्हें धावेबन-पक्ष के संगत काखम में धपने पतों में धातिरकत समय के हकवार इजाके या क्षेत्र का माम धर्मात् असम, मेथावम, जम्मू तथा काक्मीर राज्य का सहाच प्रमाप धावि स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिये सन्यवा हो सकता है कि उन्हें धातिरकत समय का लाम म भिले।
- टिप्पणी (ii) उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे प्रपते प्रावेदन-पन्न को स्वयं सं० लो० से० भा० के काउन्टर पर जमा करायें भ्रयवा रिजस्टक बाक बारा मेर्जे। प्रायोग के किसी भ्रम्य कर्मवारी को दिये गये भ्रावेदन-पन्नों के लिये भ्रावोग उत्तरवायी नहीं होगा।
- 7. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले जम्मीचवारों को भरे हुए प्रावेदन-पक्ष के साथ प्रायोग को द० 12.00 (बारह रुपये) का शुरूत भेजना होग. जो कि सचिव, संघ लोक सेवा प्रायोग को मई दिस्ती के प्रधान बाक बर पर देश रेखांकित भारतीय पोस्टल धाईर या सचिव, संघ लोक सेवा सायोग की नई दिल्ली के स्टेट बैंक घाफ इण्डिया की मुख्य खाखा पर देय स्टेट बैंक घाफ इण्डिया की किसी भी गाखा से जारी किये गये रेखांकित कैंक बाफ के रूप में हो।

भनुसुचित जातियों/भनुसूचित जनजातियों के उम्मीक्वारों को कोई भी शुल्क श्रदा महीं करना है।

विदेश में रहने वाले उम्भीववारों को निर्धारित शुरुक भारत के उच्च धायुक्त, राजवूत या विदेश क्यित प्रतिविधि के कार्याद्य में इस समुरोध के जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा धायोग परीक्षा शुक्ल" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाये, और उन्हें घावेवन पत्न के साथ उसकी रखीद लगाकर भजनी चाहिये।

जिन धावेवन पत्नों में यह धपेका पूरी नहीं होवी उन्हें एकदम धस्वीकार कर दिया जायेगा। यह उन उम्मीदधारों पर सागू नहीं होता जो नीचे के पैरा 8 के धन्तर्गत निर्धारित गुल्क से छूट चाहते हैं।

8. आयोग यदि चाहे तो वह उस स्थिति में निर्वारित बुल्य से चूट दें सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी 1964, से और 25 मार्च, 1971 के बीच की अविध में भूतपूर्व धूर्वी पाकिस्तान (अव बंगला देश) से भारत आया हुआ बास्तविक विस्थापित ध्यक्ति है या बर्म से वास्तविक कप में प्रत्यावितित मूलतः भारतीय ध्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद धारत घाया है या वह श्रीचंका से प्रत्यावितित मूलतः भारतीय ध्यक्ति है, जो प्रक्चूबर, 1964 के मारत श्रीलंका समझौते के घन्तर्गत 1 नवस्वर, 1964 को या उसके बाद धारत ध्राया है या धाने वाला है या तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित ध्यक्ति है, जो 1 जनवरी, 1971 धीर 31 मार्च, 1973 के बोचवा विस्थापित ध्यक्ति है, जो 1 जनवरी, 1971 धीर 31 मार्च, 1973 के बोचवा ध्राया है या धाने वाला है या तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से वास्तविक

प्रविध के दौरान भारत प्रविजन कर भाषा था भीर निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है या निम्न परिभाषा के भनुसार भृतपूर्व सैनिक है—

"भूतपूर्व सैनिक" का अभिप्राय उस व्यक्ति से है जिसने संच की सशस्त्र सेनाओं (संघ की नौसना, घल सेना या क्षायु सेना) में जिसमें भारत की भूतपूर्व रियासतों की सशस्त्र सेना सम्मिलित है, तथा असम राइफल्स सेना रक्षा कोर जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स, जम्मू और काश्मीर मिलीकिया सोक सहायक सेना, प्रादेशिक सेना सम्मिलित नहीं है, किसी भी रैंक (लड़ाक़ू या गैर लड़ाक़) में शपय ग्रहण के बाद 14 शक्तुवर, 1985 को कम से कम छह माह की शवधि तक संगाक्षर सेवा कर सी है, और

- (1) जो कवाचार या प्रक्षमता के कारण वस्त्रित या सेवा वृक्त होने या इस कारण निर्मुक्त होने तक रिजर्व में स्वानास्तरित न होकर धन्यवा निर्मुक्त हुआ है, सवधा
- (2) जिसे निर्मुक्त होने तक या रिजर्व में स्थानान्तरित होने का इकवार बनने के सिथे प्रायम्थक सेवाविध पूरी करने हेतु 14 प्रमश्चार, 1985 को 6 मास या इससे कम सेवा करनी है।
- (३) जो संगकी सगस्य सेंभान्त्रों में नांच वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद जपनी प्रार्थना पर निर्युक्त हुन्ना है।
- जिस अम्मीदवार ने निर्धारित मुल्क का भुगतान कर दिमा हो किन्तु जस भागोग द्वारा परीका में प्रवेश नहीं दिमा गया तो जसे द० 3. ♦ 8 (तीन देगमे) की राशि वापस कर दी जायेगी।

उपर्युक्त यानीचे पैरा 10 में उपबंधित स्थानभा को छोड़कर बन्न किसी वाचे की स्थिति में धाबोग को मुगतान किसे गय सुरूष की बावबी के किसी भी बावे पर न तो विधार किया आवेगा और न शुरूक को किसी भन्य परीक्षा या चवन के लिथे धारिक्तत रखा था सकैगा।

10. यदि कोई उम्मीववार 1988 में ली नई माशुलिपिक पर्शवा में बैठा हो धीर धव इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिये धावेदन करवा बाहता हो तो उसे परीक्षाफल या नियुक्त प्रस्ताव की प्रतिक्षा किये विचा ही धापना धावेदन-पक धवश्य नेज देना वाहिये ताकि वह निर्धारित धारीक तक भायोग के कार्यालय में पहुंच जायें। यदि वह 1985 के परीक्षाफल के धाधार पर नियुक्ति हेब धनुशंक्षित कर दिया जाता है को उसके धनुरोक पर 1986 की परीक्षा के लिये उसकी उम्मीववारी रह कर दी जाइबी और उसको उसी प्रकार खुक्क लौटा दिया जायेगा जिस प्रकार उस उम्मीववार को सौट दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता बच्चें कि उम्मीववारी रह करने धीर शुरुक वापस करने का धनुरोक मायोग के कार्यालय में 1985 की परीक्षा के धन्तिम परिणाम के "रोजगार समाचार" में प्रकाशन की तारीका के 30 दिन के धन्तर वा इक्ष्में पूर्व प्राप्त हो जाव।

- 11. भावेदन-पश्च प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की आपक्षी के चिये उम्मीदवार के किसी प्रकार के भनुरोध परकिसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जायेगा।
- 12. जैसा कि परीक्षा नियमाधात्री के परिविष्ट में उस्लिखित परीक्षा योजना में निर्विष्ट किया गया था सामान्य अंग्रेजी और मामान्य ज्ञान के प्रथम पत्नों में बस्तुपरक प्रथम पूछे जायेंगे। नमूने के प्रथम सिहत बस्तुपरक परीक्षण सम्बन्धी क्योरे के लिये कृपया "उम्मीववार सूचना-विवरणिका" के अमुबन्ध II का अवलोकन करें।

एम॰ बाबकुष्णम, उप क्रिय संब सोक सेवा बाबीय

ंग्रनुबन्ध-I अम्मीदवारों को ग्रनुदेश

 जम्मीदवारों को चाहिए कि धावेदन-पत्र भरते से पहले नोटिस भीर नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह वेख सें कि वेपरीक्षा में बैठने के पात्र है भी या नहीं। निर्धारित सतों में छूट नहीं दो जा सकती।

आयेदन-पत्र भेजने से पहले उध्मीधार को नोटिस के पैरा 1 में दिस गये केन्द्रों में से किसी एक को जहां बह परीक्षा- देने का इच्छुक है, धन्तिम कप से भून लेगा चाहिये।

जो उम्मीदबार किसी विदेश स्थित मारतीय मिशन में परीका देनां बाहता हो उससे मागुलिपिक परीक्षण के लिये भपने ही आवे पर विदेश स्थित किसी भी ऐसे भारतीय भिशन में बैठने के लिये कहा जा सकता है जहां इस प्रकार का परीक्षण मायोजित करने के लिये भावश्यक प्रबन्ध उपलब्ध हो।

उम्मीववारों को ध्यान रखना चाहिये कि केन्द्र में परिवर्तन है सम्बद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जायेगा। किन्तु जब कोई उम्मीववार प्रपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीका हेतु अपने आवेदन में निविष्ट किया था तो उसे सचिव, संब लोक सेवा भायोग को इस बात का पूरा भौचित्य बताते हुए एक पत्र रिजस्ट बाक से अवश्य भेजना काहिये कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गृणवना के धाधार पर विचार किया जायेगा किन्तु 2 जनवरी, 1986 के बाव प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जयेगा।

2. उम्मीदवार को प्रावेदन-पत्र तथा पावती कार्ड प्रपने हाथ से ही स्याही से या बाल प्वाइंट पैन से भरने चाहिये। प्रसूरा या गलत भरा हुगा प्रावेदन-पत्र प्रस्थीकार कर दिया जायेगा।

टिप्पणी:--उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा की नियमावली के परिणिष्ट 1 के पैरा 4 के प्रमुक्षार प्रपने धावेदन-पत्न के कालम 8 में स्पष्ट क्ष्य से उस भाषा का उल्लेख कर देना चाहिये जिसमें वे नियम्ध के प्रमन-पत्नों का उत्तर देने के इच्छुक है नया धाशुलिपिक परीक्षण बेना बाहते हैं। एक बार दिया गया विकल्प अन्तिम माना जायेगा और उक्त कालम में परिवर्तन करने से सम्बद्ध किसी भी धनुरोध को स्वीकार नहीं किया जायेगा बिंद उक्त कालम में कोई भी प्रविष्टि नहीं की गई होगी तो यह मान लिया जायेगा कि उक्त प्रमन-पत्नों का उत्तर तथा धाशुनिषिक या परीक्षण धंग्रेजी में विया आयेगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि प्रावेदन पत्नों को भरते समय भारतीय ग्रंकों के धन्तर्राष्ट्रीय रूप का प्रयोग किया जाना है। चाहे भाध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्न या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख हिन्दी ग्रंकों में दर्ज हो तो उम्मीदवार को सुनिश्चित कर लेना चाहिये कि जो धावेदन-पत्न वह प्रयोग में लाता है उसमें उसकी प्रविष्ट करते समय भारतीय शंकों से ग्रन्तर्राष्ट्रीय रूप ही प्रयोग में लाये जायें। वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि ग्रावेदन-पत्न में की यई प्रविष्टियां स्पष्ट ग्रीर सुपाठ्य हीं। यदि प्रविष्टियां श्रपाठ्य या भ्रामक होंगी तो उसके निर्वेचन में होने वाले भ्रम तथा संविष्यता के लिये एम्मीदवार उत्तरदायी होंगे।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिये कि धायोग द्वारा धावेदन-पत्न में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिये कोई पत्न धादि स्वीकार नहीं किया जायेगा। इसलिये उन्हें भावेदन-पत्न नहीं रूप से भारने के लिये विशेष सावधानी बरतनी चाहिये।

सभी उम्मीदवारों को चाउँ वे पहले से सरकारी नौकरी में हूँ। या सरकारी मौद्यो-शिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के धन्य संगठमों में हो या गैर-सरकारी संस्थाओं में निशुक्त हों सपने आवेदन-पत्र सायोग को सीसे भेजने चाहिए। मगर किसी उम्मीदवार ने प्रपना आवेदन-पत्र नियोक्ता के द्वारा, भेजा हो और वह संघ सोक सेवा आयोग में वेर से पहुंचा हो सो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया खायेगा। भने ही वह नियोक्ता को आबिरी सारीब के पहुंचे प्रस्तुत किया गया हो । 53—1956[1/85] जो ध्यक्ति पहले से सरकारी नोकरी में धाक्रस्मिक या दैनिक वर कर्मचारी से इतर स्थायी या प्रस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मभारियों की हैसियत से काम कर रहे हों, या वे लोक उद्यमों में से से भारत हों, उन्हें यह परिवचन (मंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित कप से म्रपने कार्यालय/विभाग के प्रध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए मानेवन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि प्रायोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए प्रावेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध प्रतृपति रोकते हुए कोई पक्ष मिलता है तो उनका प्रावेदन-पक्ष प्रस्थीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रह कर दी जाएगी।

- 3. अस्मीववार को प्रपते प्रावेधन-पत्र के साथ निस्निलिखित प्रशेख मनक्य मेजने पाहिएं।
 - (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित भारतीय पोस्टल आईर या बैंक ब्राफ्ट प्रथवा शुल्क में छूट का दावा करने के समर्थन में प्राप्त प्रमाण-पन्न की प्रमाणिस/प्रमृप्रमाणित प्रतिलिपि, (वेखिए नोटिस के पैरा 7 भीर 8 और मीचे पैरा 6)।
 - (ii) मायुके प्रमाण-पन्न की मनुप्रमाणित/प्रमणित प्रतिलिपि।
 - (iii) शैक्षिक योण्यता के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिकिपि ।
 - (iv) उम्मीववार के हाल ही के पासपोर्ट माकार (लगभग 5 सैंo मीo× 7 सेंo मीo) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ जिनमें से एक प्रति भावेदन-प्रपन्न पर चिपकी हो भौर दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक पर निर्धारित स्थान पर चिपकी हो ।
 - (v) जहां लागू हो बहां धनुसूचित जाति/धनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पक्त की धनुप्रमाणित प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
 - (vi) आहा जागू हो वहां प्रायु में छुटं के बावे के समर्थन में प्रमाण-पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि [देखिए नीचे पैरा 5(खा)]।
 - (vii) उपस्थिति पलक (भावेदन-पत्न के साथ विधिवत् भरकार संज्ञान)]।
 - (viii) बिना टिकट लगे हुए वो लिफाफे (लगमग 11.5 सें० मी०× 27.5 सें० मी०) जिन पर अपनापता लिखा हो।

टिप्पणी (i) -- उम्मीदवारों को प्रपने धावेदन-पक्षों के हाच उपर्युक्त मद <u>(ii), (iii), (v)</u> तथा (vi) पर जस्लिखित की केवल प्रतिलिपियां ही प्रस्कुत करनी 🖁 जो सरकार के किसी राजपन्नित ग्रधिकारी मनुप्रमाणित हों, मधवा स्वयं अम्मीदवारों द्वारा, सही प्रमाणित हों। जो उम्मीववार लिबित परिणाम के भाषार पर भागुलिपिक परीक्षण के लिए मईता, प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिवास भोषित किए जाने के तुरन्त वाद उपर्युक्त, प्रमाण-प**र्श्वाकी** मूल प्रतियां, प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के 1986 के मई मास में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों की इन प्रमाण-पत्नों को उस समय तैगार रखनाचाहिए तथा लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरन्त बाद, उन्हें भौयोग को प्रस्तुत कर देना चाहिए । जम्मीववार उस समय ध्रपेक्षित प्रभाण-पन्नों को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करते हैं। उनकी उम्मीदवारी रह कर बी जाएगी भौर य उम्मीदार पुनः विचार किए जाने का <u>दादा नहीं कर सकेंगे।</u>

- टिप्पणी (ii) --- उम्मीववारों से यह अपेक्षा की जाती है कि मानेवन-पत्न के साथ मेजे जाने वाले प्रमाण-पत्नी की मनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों पर प्रपने हस्ताक्षर करके मेजें तथा उस पर तारी का भी लिखें।
- मद (i) से (iv) में उल्लिखित प्रेलखों के निवरण नीचे दिए गए हैं भीर मद (v) भीर (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4, इ. भीर 6 में दिए गए हैं—
- (1) (क) निर्धारित कुल्क के लिए रेखांभित किए गए भारतीय पोटल धार्बर:--

प्रत्येक पोस्टल प्रार्डर प्रनिवार्यतः रेखांकित किया जाए तथा उस पर :— "सचिव, संघ लीक सेवा प्रावीग को दिल्ली, के प्रवान सकथर पर देय" निखा जाना पाहिए।

किसी धन्य ब्राक घर पर वैय पौस्टल धार्कर किसी भी स्थिति में स्थीकार नहीं किए वायेंगे। विविधित या कटे फटे पोस्टल धार्कर भी स्थीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल बार्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्कर के हस्ताक्षर धौर जारी करने वाले बाकचर की स्वच्छ मुहर होवी भाहिए।

उम्मीदवारों को प्रवास प्रधान रचाना चाहिए कि जो पोस्टल पाईर मतो रेखांकित किए गए हों भीर न सचिव, संच जोक सेवा भाषोग को नई विल्ली, प्रधान काक घर पर देव किए गए हों फर्न्से भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ब) निर्धारित मुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट :--

बैंक ब्राफ्ट स्टेट बैंक घाफ इंडिया, की किसी माखा से लिया जाना चाहिए धौर सचिव, संच लोक सेवा घायोग को स्टेट बैंक घाफ इंडिया की भुष्य माखा नई विल्ली में देय होना चाहिए तथा विकिथत् रेखांकित होना चाहिए ।

किसी सन्ध बैंक के नाम देश किए गए बैंक क्रांक्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जायेंगे। विरुपित या कटे फरे बैंक क्रांफ्ट भी स्वी-कार नहीं किए जायेंगे।

- हिष्यणी: जम्मीदवारों को प्रपने धावेदन पक्ष प्रस्तुत करते समय वैक कृष्ट, की पिछली धीर सिरै पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए । पोस्टल धार्करों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल धार्कर के पिछली धीर इस प्रयोजन के लिये निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।
- (ii) ज्ञायुक्त प्रभाण पत्र :-- झायोग जन्म की बह तारीख स्त्रीकार करता है जो मैदिकुलेशन, या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रभाण पत्न या किसी भारतीय विश्वविद्यालय हारा, मैदिकुलेशन के समकक मामे गये प्रमाण पत्न या किसी विश्वविद्यालय हारा धनुरक्षित मैदिकुलेटों, के रिजस्टर में वर्ज की गई हो और बहु उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी हारा प्रमाणित हों। जो उम्मीवनार अञ्चतर माध्यमिक परीका ग उसकी समकक परीका उत्तीर्ण कर चुका है बहु उच्चतर माध्यमिक परीका या समकक परीका उत्तीर्ण कर चुका है बहु उच्चतर माध्यमिक परीका मा समकक परीका के प्रमाण पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

द्यायु के सम्भन्ध में कोई ग्रंग्य दस्तावेक, कसे कस्य कुंदली, शयवयत्त, नगर निगम, सेवा भ्रमिलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्धरण तथा भ्रन्य ऐसे ही प्रमाण स्वोकार नहीं किये जायेंगे ।

भ्रमुदेशी के इस भाग में भाये हुए मैदिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पक्ष बाक्यांश के भ्रन्तर्गत, उपर्युक्त, वैकल्पिक प्रमाण-पन्न सम्मिलत हैं।

कथी-कथी मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीका प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होतो या धानु के केवस पूरे वर्ष या वर्ष धीर महीने ही विये होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीका प्रमाण-पत्र की धनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के बतिरिक्त, उप-संस्थान के देवमास्टर/प्रिशियस से जिए गए प्रमाण-पत्र का भनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए, जहां से उसन में ट्रकुलशन/ उच्चतर भाष्यिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस सस्या के वाचिका रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या बास्तविक भाषु लिखी होनी चाहिए।

बस्भीववारों को चेतावनी वी जाती है कि यवि सावेदन पत्न के साथ इन धनुदेशों में सथा निर्धारित धामु का पूरा प्रमाण नहीं में जा गया ती सावेदन-पत्न धस्बीकार किया जा सकता है।

- हिष्पणी (1) जिस उम्मीवनार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त

 साझ्यसिक विद्यालय प्रमाण-पत्न हो उसे केवल प्रायु नै

 सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पुष्ट की धनुप्रमाणि त/प्रमाणि त

 प्रतिक्षिप भेजनी चाहिए।
- टिप्पणी (2) -- उम्मीववार यह व्यान वें, कि प्रायोग उम्मीदवार की जन्म की उसी सारीख को स्वीकार करेगा जो कि प्रायेवन पत्न प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिकुलेशन) उक्तर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्न या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण पत्न या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण पत्न में वर्ज है भौर इसके बाद उममें परिवर्तन के किसी प्रमुरोध पर न तो विचार किया जाएगा भौर न उसे स्वीकार किया जाएगा।
- टिप्पणी (3)— उम्मीववार यह भी मोट कर लें कि उनके द्वारा किसी
 परीक्षा में प्रवेश के लिए जम्म की तारीखा एक बार
 पोषित कर देने धौर धायोग द्वारा उस अपने अभिलेख में
 वर्ज कर लेमे के बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन
 करने की अनुमति महीं दी जाएगी।
- दिप्पणी (4)—जो उम्मीदवार (i) किसी माध्यताप्राप्त उञ्चतर माध्यमिक विद्यालय, (ii) इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन, के लिए विद्याधियों को सैयार करने वाले किसी
 माध्यता प्राप्त स्कूल, (iii) श्री धर्रावद प्रस्तर्राष्ट्रीय
 शिक्षा केन्द्र पांडिचेरी का हायर सैकेण्डरी कोर्स या (iv)
 दिल्ली पॉलीटैंक्नीक के तकनीकी उच्चतर माध्यमिक
 विद्यालय को दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण हो, उसे सम्बद्ध
 स्कूल के प्रिसिपल, से पैरा 3 (iii) के नीचे नोट 3
 के घ्रधीन निर्धारित प्रपन्न पर लिया गया धाय का प्रमाण
 पन्न धनवय भेजना चाहिए और उसके ध्रतिरिक्त धायु
 के प्रमाण के रूप में कोई घन्य प्रमाण पन्न ध्रमें कित नहीं
 होगा।
- हिष्पणी (5) -- जो खब्मीदनार पहले से ही, स्थायी सरकारी सेवा में ही, उनकी सेवा पुस्तिका की प्रविष्टियों को जन्म की तारीख भीर शैक्षिक योग्यलामों के प्रमाण के रूप में स्थीकार किया जा सकता है।
- (iii) भौिकिक योग्यता का प्रमाण पत्न :—- उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्न की यनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भवश्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण पन्न उस प्राप्तिकारी (प्रप्यान विश्वविद्यालय या किसी प्रस्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिससे उसे योग्यता विश्वय प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण पन्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाये तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण प्रवश्य बताना चाहिये और प्रपेक्षित योग्यता से सम्बन्द अपने वावे के समर्थन में किसी प्रम्य प्रमाण पन्न की प्रतिलिपि भेजनी चाहिये। धायोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवर्ता के प्राप्ता पर विचार करेगा किन्तु वह उसे प्रयोग्त मानने के सिये बाध्य महीं होगा।

. टिप्पणा ।∼∽ओ उम्मादकार किसा एंसी परोक्षा मैं बैठ कुका हो जिसमें उत्तीर्ण होने पर वह घायोग को इस परीक्षा में बैठने के लिये शैकिक रूप से योग्य हो जाता है किन्तु उन्हें परिणाम की सूचना नहीं मिली हैं और वह ऐसी ध्रहेक परीक्षा में बैठने का इरादा रखता है तो वह घायोग की इस परीक्षा में प्रवेख पाने के लिये पाक नहीं होगा।

हिष्पणी 2---जिस उम्मीदबार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोडने का प्रमाण-पत्न हो उसे उस प्रमाण-पत्न की सनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि के साथ केवल एस० एस० एल० सी० परीक्षा परिणाम की प्रविष्टियों वाले पष्ठ की प्रतिलिपि भेजनी चाहिये।

टिप्पणी 3--जो उम्मीदवार (i) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर मार्ध्यामक विद्यालय (ii) इण्डियन स्कूल सर्टिफिकेट एण्जामिनेकन विद्यालय (ii) इण्डियन स्कूल सर्टिफिकेट एण्जामिनेकन विद्यालयों को तैयार करने वाले किसी मान्यताप्राप्त स्कूल (iii) श्री ग्रारचिन्द ग्रन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र पांडिचेरी का हायर सेकेण्डरी कोर्स या (iv) विन्ली पोमीटेकनीक के तकनीकी मार्ध्यमिक विद्यालय की वसवीं कक्षा में उसीर्ण हो उसे सम्बद्ध स्कूल के प्रिंसिपल/हैडमास्टर से नीचे टिप्पणी में निर्धारित फार्म पर लिया गया पीक्षिक योग्यता प्रमाज पन्न ग्रवश्य भेजना चाहिये।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्न का कार्य वृष्टच्य पैरा 3 (ii) के मीचे टिप्पणी 4 मीर उपर्युक्त टिप्पणी 3 ।

प्रमाणिस किया जाता है कि :---

(2) इस विद्यालय के दाखिल। रिजस्टर में दर्ज की गई उनकी जग्म की तारीख----हैं इस तारीख की स्थानतिरण प्रमाण-पक्ष-विद्यालय में विद्यार्थी के दाखिले के समय उसकी घोर से प्रस्तुत किये गर्वे विवरण से पुष्टि पर ली गई है।

(1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1)	हैं≉मास्टर/प्रिसिपल*	हस्ताकर
थान	(विद्यालयः	का नाम)

*ओ शस्य लागुम ही उन्हें काट वें।

(iv) फोटो की वो प्रतिया--उम्मीयवार को मपने हाल ही कै पास-पोर्ट माकार (लगमग 5 सें० मी०× 7 सें० मी०) फोटो की वो एक जैसी प्रतिया ग्रवश्य भेजनी वाहिएं। इनमें से एक प्रति भावेवन-पन्न के पहले पृष्ठ पर और (ग्रन्थ प्रति उपस्थिति पन्नक में निर्धारित स्थान पर विपक्ता देनी वाहिये) फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीयवार को स्थाही से हस्ताक्षर करने चाहिये।

विशेष ह्यान:-उम्मीदनार को चेतावनी दो जाती है कि यवि आवेवन-पक्ष के माथ ऊपर पैरा 3 (ii), 3(iii) भीर 3(iv) में उल्लिखित प्रमाण-पन्न भावि में से कोई एक संलग्न न होगा भीर उसे भेजने का उचित स्पन्टीकरण भी न विमा गया होगा तो भावेदन पन्न मस्त्रीकार किया जा सकता है भीर इस मस्त्रीकृति के विरुद्ध कोई मुपील नहीं सुनी जायेगी।

 यदि कोई उम्मीदवार किसी घनुसूचित जाति या धनुसूचित जनजाति का होने का दावा करे तो उसे घनने दावे के समर्थन में उस जिसे के जिसके माता-पिता (या जावित माना या पिता) धामलीर से रहते हैं जिला प्रिकारी या उप मण्डल प्रधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी प्रम्य प्रधिकारी से जिसे सम्बद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पन्न जारी करने के लिये सज़म प्राधिकारी के रूप में पव नामित किया हो नीचे विये गये फार्म में प्रमाण-पन्न सेकर उसी एक प्रनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी पाहिये। यदि उम्मीवनार के माता भीर पिता दोमों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पन्न उस जिने के घषिकारी से लिया जाना चाहिये जहां उम्मीवनार प्रपनी शिक्षा से मिन्न किसी प्रन्य प्रयोजन से प्रामतौर पर रहता है।

भारत सरकार के धानीन पत्नों पर नियुक्ति के लिये धावेदन करने बाले घनुसूचित जाति धौर घनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्कृत किये जाने वाले प्रमाण पक्ष का फार्म:---

प्रमाणित किया जाती है कि आ/आमती/कुमारी
मुपुत्र/मुपुत्री * भी
वो गांव/कस्वा*
HORE!
संघ राज्य केंद्र
की निवासी है
जाति/जनजाति के/
की है जिसे निक्नलिकात के भ्रमीन भनुसूचित जाति/जन ^क जाति के क्य में साध्यता दी गई है:
संविधान (धनुसूचित जातियां) झावेश 1950।@
संबिधान (धनुसूचित अन जातियां) धादेश 1950।@
संविधान (मनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)
भावेश 1951@
संविधान (धनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)
धावेण 1951@

[(म) धनुसूचित वातियां भीर धनुसूचित जन जातियां सूची (धाशोधन) धारेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन धिवनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन धिवित्यम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य प्रधिनियम, 1970 उत्तर पूर्व सेंब (पुनर्गठन) प्रक्रित्यम, 1971 भीर भनुसूचित जातियां तथा धनुसूचित जन जातियां घारेस (संबोधन) प्रधिनियम, 1976@ हारा यथा संशोधित।]

संविधान (जम्मू धौर कश्मीर) धनुसूचित जातियां धावेण 1956@
संविधान (धण्डमान धौर निकोशार द्वीपसमूह) धनुसूचित जन जातियां
अवेण 1959 @ धनुसूचित जातियां बचा धनुसूचित जन जातियां धावेण
(संविधान) प्राधिनियम 1976 द्वारा यथा संवोधित)@
संविधान (वावरा धौर नागर हवेणों) धनुसूचित जाति धावेण 1962@
संविधान (वावरा धौर नागर हवेणों) धनुसूचित जाति धावेण 1962@
संविधान (पांडिजेरी) धनुसूचित जातियां धावेण 1964@
संविधान (पांडिजेरी) धनुसूचित जातियां धावेण 1964@
संविधान (भीवा, वमन धौर वियू) धनुसूचित जातियां धावेण 1968@
संविधान (भीवा, वमन धौर वियू) धनुसूचित जातियां धावेण 1968@
संविधान (भीवा, वमन धौर वियू) धनुसूचित जन जातियां धावेण 1968@
संविधान (भागतिंड) धनुसूचित जन जातियां धावेण 1970@
संविधान (सिक्किम) धनुसूचित जाति धावेण 1978@ संविधान (सिक्किम)
धनुसूचित जन जाति धावेण 1978@।

 धनुसूचित जातियाँ/ धनुसूचित जनजातियाँ के जो स्पक्ति एक राज्य% संच राज्य सीव प्रशासन से प्रवासन कर चुके हैं उनके मामले में झास् स्थान

यह प्रमाण-पत्र शा/श्रीमता/कुमारो ^क	
निवासी प्राम/कस्वा ^क	
जिला/मण्डल *	
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र*	
जाति/जनजाति *	
जाति,जनजाति	
जिसे राज्य/संघ राज्य क्षेत्र*	
· #~	।रा दिनांक
को जारी धादेशों के मधीन प्रनुस्जित जा मान्यता प्राप्त है, के पिता/माता श्री/श्रीम सनुस्जित जनजाति* प्रभाण-पत्न के प्राधा	ते/भनुसूचित जन जाति ^क के रूप में ती ^क को जारी धनुसूचित जाति/
9/4 4/4-2/	
%3. बी/श्रीमती/क्रुमारी*	
मोर /या [≄] उनका परिवार म्रामहौर से स	गिय/कस्वा [#]
	~
जिला/मण्डल*	
संब राज्य क्षेत्र*	
में पहते/रहती* है।	
	हस्ताकार
	**प र नमि :
	77411

*जो शस्त्र लागून ही उन्हें कृपया काट दें।

@क्पया राष्ट्रपति का विशिष्ट मादेश उद्धृत करें।

% जो पैरा सागून हो उसे काट वैं।

_-----

टिप्पणी:-- "मामतौर पर रहता/रहती हैं शक्दों का धर्म वही होगा जो रिप्नेजेंटशन माफ वि थीपुल एक्ट, 1950 की धारा में हैं।

..... राज्य/संघ राज्य क्षेत्र*

(कार्यालय की मोहर सहित)

**ग्रनुसूचित आति/जनजाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षत्र प्रधिकारी।

- (i) जिला मिजिन्स्ट्रेट/प्रतिरिक्त जिला मिजिस्ट्रेट/कलैक्टर/जिप्टी कमिक्नर/ एडिजनल डिप्टी कमिक्नर/डिप्टी कलैक्टर/प्रयम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रट/सिटी मैजिस्ट्रेट /सय डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एग्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्सद्रा ग्रसिस्टेंट कमिक्नर।
 - †(प्रथम भेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट के झोत्वे से कम महीं)।
- (ii) चीफ प्रेसीबेंसी मैं जिस्ट्रेट/ एडीशनल चीफ प्रेसीबेंसी मैं जिस्ट्रेट/ प्रेसीबेंटी मैं जिस्ट्रेट।
- (iii) रेवन्यू भफसर जिसका मोहदा तहसीलवार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब डिवीजनल प्रफसर जहां उम्मीववार धौर या उसका परिवार भामतौर से रहता हो।
- (v) ऐकमिनिस्ट्रैटर/एकमिनिस्ट्रेटर का सचिव/केवलपमेंट भफ्तर लक्ष-क्रीप।
- 5. (क) नियम 6 (ख) के घन्तर्गत घायु में छूट का वाधा करने बाले घाशुलिपिकों (जिसमें भाषा धाशुलिपिक मी शामिल है) (क्लकौ/ स्टेनोटाइपिस्टों) को धपने विभाग/कार्यालय के प्रधान से निम्नलिखित अपक पर एक प्रमाण-पत्न मूल रूप में प्रस्तुत करना चाहिये।
- *(1) प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती /कुमारी के कार्यालय, जो भारत सरकार/संघ राज्य क्षेत्र*----का किमाग कार्यालय है, में नियमित रूप से नियुक्त प्राशुलिपिक के यद पर कार्य कर रहे हैं, ग्रीर पहली जनवरी, 1986 को प्राशुलिपिक/कलकं/स्टेनोटाइपिस्ट/ग्रार० एस० एस० सार्टर की हैसियत से जनकी लगातार सेवा 3 वर्ष की हो गई है/से कम नहीं होगी भीर वे इस यद पर कार्य कर रहे हैं/करते रहेंगे।

यह भो प्रमाणित किया जाना है कि व पहल सम्ब लोक सेटा भाषां द्वारा भाषोजित परीका के परिणामों के भाधार पर के० स० भा० से०/ रै० बी० स० भा० से०/भाई एफ० एस० बी० भागुलिपिक उप संवर्ग/ सग्रस्त्र सेवा मुख्यालय भागुलिपिक सेवा में नियुक्त नहीं हुए हैं।

(ii) प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी के कार्यालयं जो भारत सरकार/संघ राज्य क्षेत्र*—का विभाग/कार्यालय है, में नियमित इस्प से क्लकं/स्टेनोटाइपिस्ट/रेल डाक सेवा के सार्टर/प्राणुलिपिक के पव पर लगातार कार्य कर रहे हैं और पहली जनवरी, 1986 को क्लकं/स्टेनो-टाइपिस्ट रिलवे डाक सेवा के सार्टर/प्राणुलिपिक की हैसियत से उनकी क्ष्यातार सेवा 3 वर्ष की हो गई है/से कम नहीं होगी और वे इस पव पर कार्य कर रहे हैं/करते रहेंगे।

विनोक	हस्ताकर	
तं र गा	पदमाम	
स्थान	मंत्रालय/कार्यालय	
	कार्यालय की मोहर	

^{*}जो लागून हो उसे क्रुपशा काट दें।

- (ख) (i) नियम 6(ग)(ii)या 6(ग)(iii) के अन्तर्गंत निर्वारित आयु सीमा में छूट का और/या उकत मोटिस के पैराग्राफ 8 के प्रधीन गुरूक में छूट का बावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (ग्रव बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति की निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिये गये प्रमाण-पत्न की प्रतिलिपि यह विकालाने के लिय प्रस्तुत करनी चाहिये कि बहु भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्ताम (ग्रव बंगला देश) से ग्राया हुआ बास्तविक विस्थापित व्यक्ति है भीर 1 जनवरी, 1964 भीर 25 मार्च, 1971 के बीच की ग्रवधि के बीरान प्रवजन कर भारत भाया था:—
 - (1) वण्डकारभ्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों घषवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के कैम्प कर्माईट।
 - (2) उस क्षप्त का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
 - (3) अपने अपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रमारी ग्रातिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
 - (4) स्वयं प्रभारित सब डिबीजन का सब डिबीजनल प्रफसर।
 - (5) उप शरणार्थी पुनर्वास मायुक्त, पश्चिम यंगाल/निवेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।
- (ii) नियम 6(ग)(iv) भथवा 6(ग)(v) के भन्तगंत निर्धारित भाषु में छूट का भीर/पा उकत नोटिस के पराप्राफ 8 के भ्रधीन शुरूक में छूट का बावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावतिस या प्रत्यावतित होने वाले भूलतः भारतीय व्यक्ति श्रीलंका में भारत के उच्च भ्रापुक्त के कार्यालय से लिये गये भस भाषय के प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह एक भारतीय नागरिक है जो भक्तूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के भ्रधीन 1 नवभ्वर, 1964 को या उसके बाद भारत भ्रीलंका समझौते के भ्रधीन 1 नवभ्वर, 1964 को या उसके बाद भारत भ्रीया है या भारत भ्राने वाला है।
- (iii) नियम 6(ग)(vi) प्रथम नियम 6(ग)(vii) के प्रस्तांत धायु, सीमा में छूट चाहने वाले कीनियां, उगोडा तथा संयुक्त गण राज्य संजानिया, (भूतपूर्व टंगानिका भीर जंजीवार) से भाये हुए उम्मीववार को या जाम्बिया मलाबी, जैरे भीर इधियोपिया से प्रत्यावितित भारत मूलक उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है लिये गए प्रमाण-पत्र की एक प्रमुप्तमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि वह विखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से धाया है।
- (iv) नियम 6(ग)(viii) प्रयम (6)(ग)(ix) के प्रन्तर्गन निर्धारित ग्राम् सीमा में घौर/या उक्त नोटिस के पैरामाफ 8 के प्रधीन शुक्त में लूट चाहने वाले वर्मा से प्रत्यावितत मूलतः भारतीय व्यक्ति की भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा विये गये पहचान प्रमाण-पत्न की एक धनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह वेखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके वाल

मारत भाषा है अथवा उसे जिस क्षत्र का यह निश्रासा है उसके जिला
मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण-पक्ष की प्रनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह
दिखलाने के लिये प्रस्तृत करनी चाहिये कि वह बर्मा से प्राया कुमा वास्तविक
प्रत्यावित व्यक्ति है भीर 1 जून, 1963 को या उसके बाव भारत भागा है।
(v) नियम 6 (ग)(x) भ्रथवा 6(ग)(xi) के भ्रन्तर्गत आयु सीमा में
खुट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए

(v) नियम 6 (ग) (x) भ्रथवा 6(ग) (xi) के भ्रन्तगंत भ्रायु सीमा में छुट चाहुने वाले ऐसे उस्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुन्ना है, महानिदेणक, पुनः स्थापन, रक्षा मंत्रालय, से निम्नलिखित निर्धारित कार्म पर इस ग्राणय कः एक प्रमाण-पत्न लेकर उसकी एक भनुप्रमाणित/प्रमः णित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिये कि बहु रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विवेशी शञ्च देश के ग्राण संघर्ष में भ्रथवा भ्रणांतिग्रस्त क्षेत्र में कार्य करते हुए विवेशी शञ्च देश के ग्राण संघर्ष में भ्रथवा भ्रणांतिग्रस्त क्षेत्र में कार्य करते हुए विवेशी शञ्च देश के ग्राण संघर्ष में भ्रथवा भ्रणांतिग्रस्त क्षेत्र में कार्य परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुमा।

🔭 जो शब्द लागून हो उसे कृपया काट दें।

- (vi) नियम 6(ग)(xii) प्रथवा नियम 6(ग)(xiii) के प्रन्तर्गत प्रायु में छूट का दावा करने वाले थियतनाम से प्रत्यार्थीतत मृलतः भारतीय ध्यक्ति को फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रट से लिये गये प्रमाणपत्र की प्रनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह वियतनाम से प्राया हुआ वास्तविक प्रत्यावित व्यक्ति है भीर वियतनाम से जुलाई 1975 से पहले भारत महीं ग्राया है।
- (vii) जो भूतपूर्व सैनिक तथा कमीशन प्राप्त प्रधिकारी (प्रापातकालीन सेवा कमीशन प्राप्त प्रधिकारियों/प्रस्पकालिन सेवा कमीशन प्राप्त प्रधिकारियों/प्रस्पकालिन सेवा कमीशन प्राप्त प्रधिकारियों सिह्न) नियम 6(ग)(XiV) या 6 /ग) (XV) की शर्तों के प्रधीन प्राप्य भीमाधों में छूट का दावा करते हैं उन्हें सम्बद्ध प्रधिकारियों से निम्नलिखिन निर्धारित प्रपन्न में उन पर लागु होने वाले प्रमाण-पन्न को, एक प्रमाणित प्रमुप्तमाणित/प्रतिलिपि प्रस्तुन करनी चाहिए।
- - (क) उन्होंने पांच या पांच से प्रधिक वर्षों तक सैनिक सेवा को है ग्रीर कार्यकाल के समापन पर कंदाचार या प्रक्षमता के कारण वर्ष्वास्त या कार्यमुक्त होने के प्रलावा धन्य घाधार पर कार्य मुक्त हुए हैं।
 - (ख) वें सैनिक सेवा के कारण हुई शारीरिक घ्रषंगता या घक्षमता के कारण ------को कार्यमुक्त हुए हैं। सक्षम प्राधिकारी का नाम तथा पदनाम मुहर

स्यान=====	
वारीख	

(ख) स्वारत कामिका पर लागू
प्रमाणित किया जाता है कि सं०
रैक
जिसकी जन्म तिथि
में सेवा कर रहे हैं।
2. उन्हेंसे कार्य सुक्त/
सेवा निवृत्त होना है। उनका पांच वर्ष का कार्यकाल
संभावना है।
समय प्राधिकारी का नाम
तथा पदनाम मृहर
स्यान

प्रमाण-पक्त जारी करने वाले सक्षम प्राधिकारी निम्नलिखित है:----

- (क) कमीशन प्राप्त प्रधिकारियों (धापातकालीन कमीसन प्राप्त प्रधिकारियों/प्रस्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त प्रधिकारियों सहित) के मामले में :-
 सेना--मिलिटरी सेक्टरी की शाखा, सेना मुख्यालय, वर्द दिल्ली।
 नौसेना--कार्मिक निदेशालय, गौसेना, मुख्यालय, नदी दिल्ली।
 वायु सेना--कार्मिक निदेशालय (प्रधिकारी) वायु सेना मुख्यालय,
- (viii) नियम, 6 (ग) (xvi) या 6(ग) (xvii) के अन्तर्गत जान में रियायत का ग्रीर/या नोटिस के पैरा 8 के अन्तर्गत जुरूक में कुंड का दावा करने वाले तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से विस्वापित अनिज को निम्न प्राधिकारियों से इस प्राणय के प्रमाण-पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह पश्चिमी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है भीर 1 जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की प्रविध में भारत प्रवर्णन कर प्रायाणी:---
 - (1) विभिन्न राज्यों में स्थित ट्रॉजिट केम्ब्रों या रा**हत लिकिएँ के** कैम्प कमाबेंट ।
 - (2) जहां वह फिलहाल रहता है उस इमार्क का जिला मैजिस्ट्रेड।
 - (3) भ्रमने-भ्रमने जिलों के शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी भ्रतिरिक्ट जिला मजिस्ट्रेट।
 - (4) प्रपते प्रभार के मस्तर्गत सब विवीजन के मस्पर सब विवीजनक प्रफसर ।
 - (5) उप शरणाची पुनर्वास प्रायुक्त।

नई विल्ली।

6. जो उम्मीवनार अपर पैरा 5(ख), (i), (ii), (iv), बौर [(viii) में से किसी भी वर्ग के अन्तर्गत नोटिस के पैरा 8 के अनुसार शृत्क में छूट का दावा करता है, उसका किसी जिला प्रक्रिकारी मा सरकार के राजपन्नित अधिकारी मा संसद सदस्य मा राज्य विधान मण्डल के संदर्भ से, यह विधाना के लिए कि वह निर्धारित शृत्क देने की स्वितं में नहीं है, इस माणय का एक प्रमाण-पन लेकर सकती अनुप्रमाणित/प्रमाणिक प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी।

उद्यम नोटिंग के पेरा 8 के प्रस्तात शृल्क से श्रूट का दावा करने ताले भूतपूर्व सैनिक को स्थल सेना/बाय सेना नो रोना प्राधिकारियो द्वारा उसके भूतपूर्व सैनिक होने के प्रणमाणस्वरूप दिये गए सेना मुक्ति प्रमाण-पत्न को एक धनुभमाणित प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए । इस प्रमाण-पत्न लिक्स सेना में सम्मिलित होने नाला नास्तविक तारीख, तथा सेना से निर्मुक्त या संशस्त्र सेना के रिजर्व में स्थानास्तरण की सारीख या निर्मुक्ति या संशस्त्र सेना के रिजर्व में स्थानास्तरण की सम्भावित तारीख संवर्ध लिखी ही।

7. जिस उम्मीदवार के मामले में पालता प्रमाण-पत्न भावप्यक हो छसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उमे नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे भावप्यक पालता प्रकाण-पत्न जारी कर दिया गया हो।

अस्मीदवारों को चेताबनी दी जाती है कि वे भावेदन-पत्न भारते
 सजब कोई झठा क्यौरा न दें भाषवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपायें।

स्वसीधवारों को यह भी बेतावनी दी जाती है कि वह प्रयने द्वारा भ्रस्तुत किये गये किसी प्रलेख प्रयवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि की किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें, न उसमे परिवर्तन करें भीर न कीई केरबदल करें भीर न ही फेरबदल किये गए शुठे प्रमाण-पन्न प्रस्तुत करें सीद ऐसे वो या प्रधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई प्रणुद्धि प्रयवा विसंगति हो तो, विसंगति के सम्बन्ध में, स्पर्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

9. द्वाबेदम-पत्न देर से प्रस्तुत किये जाने पर देरी के कारण के रूप में, यह सके स्वीकार नहीं किया जायेगा कि धावेदन-प्रपक्ष ही श्रमुक तारीख को भेजा गयाथा। श्रावेदन प्रपक्ष का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक म होगा कि प्रपक्ष पाने वाला परीक्षा में बैठने का पास हो गया है।

10. प्रायोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक प्रावेदन-पत्न (जिलम्ब से प्राप्त प्रावेदन-पत्न सहित) की पावती दी जाती है तथा धावेदन-पत्न की प्राप्त के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को प्रावेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के धावेदन-पत्न प्राप्त करने के लिए निर्धारित प्रन्तिम तारीक्ष से एक मास के प्रन्दर पावती वृद्धि मिलती है तो उसे तस्काल धायोग से पावती हेतु सम्पर्क करना चाहिए ।

दस तथ्य का कि जम्मीयवार को प्रावेदन पंजीकरण संबया जारी कर
 दी गई है प्रपते प्राप यह पर्य नहीं है कि प्रावेदन-पत्र सभी प्रकार पूर्ण हैं
 तथा प्रायोग द्वारा, स्वीकार कर लिया गया है।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदशार को उसके आंकेदन-पत्न के परिणाम की सूचना यथाशीध्र दे दी जायेगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि परिणाम कम सूचित किया जायेगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीना पहले तक उम्मीदवार को सपने आवेदन-अब के परिणाम के बारे में, संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्वापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो यह अपने आयोग में विचार किये जाने के दावे से बंचित हो जायेगा।

12. संघ लोक सेवा भायोग ने 'संघ लोक सेवा भायोग की वस्तु-परक परीक्षाभों हेसु उम्मीदवार विवरण का' शीर्षक से एक समूल्य पुस्तिका जापी है। इस प्रकाशन का उद्देश्य यह है जिससे सं० लो० से० भायोग की परीक्षाभों या चयनों के भावी उम्मीदवारों को सहायता मिल सके।

यह दुस्तिका भीर पिछली पांच परीक्षाओं की नियमावली तथा परम्पराक्त प्रश्न-पत्नों का उल्लेख करने वाले पैम्पलेटों की प्रतियां प्रकाणन नियन्त्रक, सिवल लाइन्स, देहली-110054 के पास विकी के लिए सुलभ हैं भीर इन्हें उगसे सीधे मेल भाईर द्वारा या नकव भुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें, केवल नकद भुगतान पर (i) किताब महल, रिवोली सिलेमा के सामने, एम्पोरिया विल्डिंग "सी" ब्लाक, बाबा खड़ग मिह मार्ग, नई दिल्ली-110011 और (ii) उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 विलंक प्रकाशन शाका का विकी काउन्ट भीर (iii) गवर्नमेन्ट ऑफ इण्डिया

बुक क्षिपा, पन्केल एसल्लीण राह कलकला-20000ा रो भी लिया आ सकता है। मैनुभ्रल पिम्पनेट भारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मुकसिल शहरों में स्थित एजेटो, से भी अपलब्ध है।

13. परीक्षा में सम्मिलित होने के लिये संघ लोक सेवा ग्रायोग द्वारा कोई यात्रा भन्ना नहीं दिया जायेगा।

14 प्रावेदन-पन्न में सम्बद्ध पत्न-श्यवहार: — प्रावेदन पन्न में सम्बद्ध समी पन्न-श्यवहार सचित्र, संघ लोक सेवा प्रायोग, घौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 से किया आये तथा उसमें नीचे लिखा ब्यौरा प्रनिवार्य कप से दिया आए।

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का महीना भीर वर्ष
- (3) उम्मीदवार की घावेदन पंजीकरण संख्या/घनुक्रमांक घ्रथवा जन्म की तारीख यदि घावेदन पंजीकरण संख्या/ घनुक्रमांक सूचित महीं किया गया है।
- (4) उम्मीववार का नाम (पूरा तथा वह प्रक्षरों में)
- (5) भावेदन पद्म में दिया गया द्वाक का पता ।

विशेष ध्यान (i) जिन पत्नी में यह ध्यीरा नहीं होगा, संमव है कि उन पर
ध्यान नहीं दिया जायेगा।

विशेष घ्यान (ii) यदि किसी जम्मोदबार से कोई पत्न/प्रेषण परीक्षा हो चुकने के बाद प्राप्त होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम अंधनुकमांक नहीं है इस पर ध्यान न देते हुए कोई कार्यवाही नहीं की जायेगी।

15. पते में परिवर्तन :-- उम्मीदवार की इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके भावेदन-पत्न में उल्लिखित पते पर भेज गये पत्न भावि, भावश्यक होने पर, उसको बदले हुए पत्त पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर भायोग को उसकी सूचना उपर्यृत्त पैरा 14 में बल्लिखित स्थौर के साथ यथाणीझ की जानी चाहिए। भायोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है। किन्तु इस विचय में यह कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकता।

भ्रमुबन्ध-[[

उमीववारों को सूचनार्थ विवरणिका

(क) वस्तुपरक परीक्षाः

प्राप सामान्य प्रंप्रेजी प्रौर सामान्य जान में जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं वह "वस्तुपरक परीक्षण" होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में सापको उत्तर लिखने नहीं होंगे।प्रत्येक प्रश्न (जिसको प्राग प्रश्नाण कहा जाएगा) के लिये कई सुझाए गए उत्तर (जिसको प्राग प्रत्युत्तर कहा जाएगा) विए जाते हैं। उनमें में प्रत्येक प्रश्नांक के लिये ग्रापको एक उत्तर वृत लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य प्रापके इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिसमें कि परीक्षा के स्वक्ष्य से परिचित न होने के कारण प्रापक्षी कोई हानि न हो।

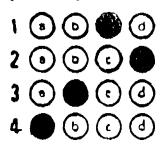
(सा) परीक्षण का स्वरूपः

प्रश्न पक्ष "प्रश्न पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में कम संख्या1,2,3 छादि के अप में प्रश्नांग होंगें। हर अश्नांग के नीचे ए, बी, सी, डी चिह्न के साथ सुझाए गए प्रत्युत्तर लिख होंगे। धापका काम एक सही या यदि प्रापकी एक से अधिक प्रत्युत्तर नहीं लगें तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (मंत में दिए गए नमृने के प्रश्नांग देख लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांग के लिए भ्रापको एक सही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से मधिक चूल नेते हैं तो भ्रापका प्रत्युत्तर गलत माना जायेगा।

(ग) उत्तर देने को विधिः

परीक्षा भयन में भापको भ्रलग एक उत्तर पक्षक (जिसकी एक नमूना प्रति भापको प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ भेजी जाएगी) दिया जाएगा। भापको भ्रपने प्रस्युत्तर इस उत्तर पक्षक में लिखने होंगे। प्रश्न पुस्तिका में या उत्तर पक्षक को छोड़कर भ्रन्य किसी कागज पर लिखी गए उत्तर महीं जांचे जायेंगे।

जलर पत्रक में प्रथमांगों की संख्याएं 1 से 160 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रथमें प्रथमों के सामने ए, बी. सी, दी चिह्न वाले बुलाकार स्थान छपे होते हैं। प्रथम, पुस्तिका के प्रथमें प्रश्नाण को पढ़ लेने भीर यह निर्णय करने के बाद कि कीन मा प्रत्युत्तर सही या सर्धोत्तम है भाषको उस प्रथ्ति हैं के भक्षर वाले बुल को पेंसिल से पूरी तरह काला बना कर उसे संकित कर देना है, जैसा कि (भाषका उत्तर दर्शाने के लिए) नीचें विखाया गया है। उत्तर पत्रक के बुल को काला बनाने के लिए स्थाही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यहजरूरी है कि:---

- प्रकाशों के उत्तरों, के लिए केवल ग्रक्छी किस्म की एच० बी० पैंसिल (पैंसिलें) ही लाएं ग्रीर उन्हीं का प्रयोग करें।
- गलत निणान को ग्रदलने के लिये उसे पृरा मिटाकर पिर से सही उत्तर पर निणान लगा दें। इसके लिए भ्राप घपने साथ एक रवड़ भी लागं।
- 3. उत्तर पश्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी ग्रसावद्यानी न ही जिससे बहफट जाये या उसमें मोड़ वसिलवट ग्रादि पड़ जाए या बह खराव हो जाए ।

(६) कुछ महत्वपूर्ण विनियमः

- ग्रापको परीक्षा प्रारम्म करने के लिये निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा मधन में पहुंचता होगा ग्रीर पहुंचते ही भ्रपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- 2 परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं होने दिया जायेगा।
- 3 परीक्षाशुक्त होने के बाद 4.5 मिनट सक किसी की परीक्षा भवन छोड़ ने की प्रनुसित नहीं सिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, प्रश्न पुस्तिका और उत्तर पत्रक, निरीक्षक पर्यवेक्षक को सौंप दें। प्रापको प्रश्न पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की प्रन्मित नहीं है। इस नियम का उस्लंपन करने पर कड़ा व्यव्य दिया जाएगा।
- 5. भ्रापको परीक्षा भवन में उत्तरपत्नक परकुछ विवरण भरना होगा। भ्रापको उत्तर पत्नक पर कुछविवरण कृटबद्ध भी करना होगा। इसके बारे में भ्रमुदेश स्त्राप के प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ भेज दिए जाएंगे।
- 6. प्रष्न पुस्तिका में विए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्ट संविष्ध है, तो उस प्रश्नाण के प्रत्युक्तर के लिए आपको कोई नम्बर, न मिलेगा । पर्यंविक्षक के अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यविक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भया समाप्त करने को कहें, तो उनके अनुदेशों का सब्हाल पालन करें।
- जाप अपने प्रयोश प्रमाण-५त्र साथ लाएं, आपको अपने साथ एक एच. बी. पेंसिल, एक रबड़, एक पेसिल धार्पनर और

नीली या काली स्याही बाली कलम भी लानी होगी। अगफको सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक-एक क्लिप बोर्ड या हार्ड बोर्ड रा कार्ड बोर्ड भी लाएं जिस र कुछ नहीं लिखा हो। आपको परीक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का ट्रकड़ा या पैसाना या आरक्षण उपकरण नहीं लाने हैं उनकी जरूरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप अच्चा काम शब्द करने में पहले उस पर परीक्षा का नाम. अपना रोल नम्बर, और परीक्षा की तारीक लिलों और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उसर-पत्रक के साथ परीवेक्षक को बापसी कर वै।

(ङ) विशेष अनुविश :

परिक्षित भवन भी अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक आपको उत्तर-पत्रक दोंगे। उत्तर-पत्रक पर अपेक्षित समाना भर दों। यह काम परा होने के बाद निरीक्षक आपको प्रवन परिक्षण दोंगे। परिक्षण पस्तिका मिलने पर आप यह अवस्य घेंच लों कि जम पर पस्तिका की मंख्या लिखी हुई है अन्यथा, उसे बवलवा लों। प्रवन पस्तिका को खोलने से पहले उसके प्रथम परठ पर अपना अनक्षमांक लिखियो। आपको परीक्षण पस्तिका तब तक खोलने की अनुमित नहीं है जब तक पर्यवेक्षक एसा करने के लिए न कही।

(च) काछ उपयोगी सभाव :

यहाँप इस पर क्षण का उत्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शृद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का यथासंभव हक्षता से उपपोग करों। संतलन के साथ आए जितनी जल्दी काम कर सकते हैं करों, पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं हो पाते हों तो चिन्ता न करों। अप्पक्षों जो पहन अत्यंत कठित मालम पड़ों उन पर समय व्यर्थ न करों। दूसरे ग्रहनों की डोर बढ़ों बोर उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करों।

सभी पश्रताणों के ग्रंक समान होंगे। जन सभी के उत्तर **हैं। धापके** द्वारा संकित सशी पत्यत्तरों की संक्ष्या के ग्राधार पर **ही धापको संक दिये** जायेंगे। सलत जनरों के लिए श्रंक नहीं का**े जायेंगे।**

(%) परीक्षण कासमापनः

जैसे ही पर्यवेक्षक चापको लिखना अन्य करने को कहें, घाप जिल्लामा बन्य कर हैं। घाप घपने स्थान पर तब तक सैंडे उहें अस तक निरोधक घापके पास घाफर घापने सभी घाषण्यक वस्ता ले जायें घीर घापको हाल छाइन को धन्मति हैं। घापको परीक्षण प्रिष्टका घीर उत्तर पक्क तथा करने कार्य का काग्रज परीक्षा भनन से बाहर ले जाने की धन्मति नहीं है।

मम्ते के प्रश्नोश (प्रश्न)

(टिप्पणी-- मनही/नवींलम उत्तर विकल्प को निर्विष्ट करता है)।

1. समिष्य प्रदयन :

बहुत ऊंचाई पर पर्वेकारोहियों के नाम नया कान से निम्मनिश्चित में से किम कारण से रमन स्नाय होता है:--

- (a) रक्त का साब वायुमण्डल के दाव से कम होता है।
- *(b) रक्तका दाब वायुमण्डल के दश्व से मधिक होता है।
- (८) रस्त वाहिकाओं की भन्दरूनी तथा वाहरी शिराधों पर दाव समान होता है।
- (d) रक्त का दास वायु मः इल के दास के प्रनुक्तपः कटला सङ्का हु।

2. (English)

(Vocabulary-Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

a. (春年))

बरहुर वें फुलों का अपड़नानिस्नलिखित में से किसी एक उपाय से कम क्रिया का सकता है।

- *(a) वृद्धि नियन्नक द्वारा छिव्कावः
 - (b) दूर-दूर पौथे लगाना।
 - (C) सही चहतू में पौध लगाना।
 - (d.) वोड़-बोड़े फासले पर पौन्ने लगाना।

4. (रसायन विज्ञान)

H3VO4 का एनहाईब्राइड निम्नलिखित में से क्या होता है:--

- (a) VO₃
- (b) VO₄
- (c) V₂O₃
- *(d) V2O5

5. धर्मलास्क

अवस का एकाविकारी योजण निस्नलिखित में से किस स्थिति में ्योग है ?

- (a) सीमान्त राजस्य उपाद से मजदूरी कम हो।
- (b) मजतूरी तथा सीमान्त राजस्व उत्पादन दोमों बराबर हों।
- (c) मञ्जूरी सीमान्त राजस्य जन्माद से ऋष्टिल हो।
- (d) मजदूरी सीमास्त भौतिक उत्पाद के बरावर हो।

(वैद्युत इंश्लीनियरी)

एक समझ रेखा भवेकित पैरावैध्तांक 9 के पैरावैध्त से मम्पूरित किया गया है। यदि सो भुक्त अन्तराई न में सबरण वेग दशीता है तो लाइन में समरण का वंग क्या होगा?

- (a) 3C
- (b) C
- (c) C/3
- (d) C/9

7. (मृ-विकान)

बेसास्ट में प्लैजियोक्लेज क्या होता है?

- (a) भालिगोक्नेज
- ●(b) संबोदोराइट
 - (c) एस्वाइट
 - (d) एनावर्धस्ट

a. (मणिन)

तंत्रत रखने वाला वक-परिवार निस्नलिकित में से किस**्से निर्दि**ध्ट

- (a) y=ax+b
- (b) y-ax
- (c) y=acx×bcx
- \bullet (d) y+aex--a

ः (चीविकी)

चक्त स्रोतशा कव्या इंजन 400° के० 300° के० तापक्रम के मध्य काथ करता है। इसकी अमता निम्नलिखित में से नया होगी?

- (a) 3/4
- *(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d))3/(3+4)

10. (साव्यका)

यविद्विपव विचार का माध्यम 5 है तो इसका प्रसरण निम्नलिखित में से बया होगा?

- (a) 4² (b) 3
 - (c) ∞
- (d) -5

11 (मृगोल)

सर्मा के दक्षिणी भागकी ग्रस्यधिक समृद्धिका कारण् निस्मलिखित में

- (a) यहापर क निज साधनों का विपृत्त भड़ार है।
- 🗚 (b) बर्माकी ग्रधिकौश निवियों का बेल्टाई भाग है।
- (c) यहां श्रेष्ट वन सम्पदा है।
- (d) देश के प्रधिकांश तल क्षक इसी माग में हैं।

12. भारतीय इतिहास

बाह्य र बाद के संबंध में निम्नलिखित में से बया सत्य नहीं है ?

- (a) बीज्रधर्म के उत्कर्षकाल में की क्राह्मणवाद के धनुयायियों की संक्या बहुत ग्रधिक मी।
- *(b) वाह्मणवाद बद्दुत ग्रधिक कर्मकांक और ग्राड-वार से पूर्ण धर्म
 - (C) काह्मणबाद के प्रम्युक्य के साथ बिल संबंधी यज्ञ कर्म का महत्वकम हो गया।
 - (d) क्यक्ति के जीवन विकास की विभिन्न दशाबों को प्रकट करने के लिए धार्मिक संस्कार निर्धारित ये।

13 (হর্ঘন)

निम्नलिचित में से निरीश्वरवादी दर्शन समृहकौन साहै?

- (8) क्रीज, न्याय, चावकि, मीमांसा
- (b) न्याय, बग्नेविक, जैन भी श्रीडः, चार्वाक
- (c) ग्रहित, वेदाम्त, सामग्र. चार्वाक, योग
- ≠(d) बौद्ध, सीक्ष्य, भीमसिः, चार्वकि

14. (राजनीति विज्ञान)

विस्तित प्रतिनिधान का ग्रर्थनिम्नलिखन में से क्या है ?

- (a) व्यवसाय के ब्राधार पर विधानमञ्जल में प्रतिनिधियों का
- (b) किसी समृह या किभी व्यावसायिक समृदाय के पक्त का समर्थन ।
 - (c) किसी रोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिश्चियों का अनाव ।
 - (d) श्रमिक संघों द्वारा सप्रत्यक्त प्रतिनिधित्व।

15. (मनोविज्ञान)

लक्य की प्राप्ति निश्नलिखित में से किस को निर्देशित करती हैं?

- (a) लड्य संबधी धावश्यकता में बृद्धि
- +(b) भावात्मक भ्रवस्था में न्यूनता.
- (c) ज्यावहारिक ग्रीधगम
- (d) पक्षपात पूर्ण घश्चिगम

16. (समाजणास्त्र)

______ भारत में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से कौन सी है?

- (a) ग्राम सरकार में महिलाग्नों तथा कमजोर वर्गों को भ्रोपचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुमा है।
 - (b) छ्याञ्चकम हुई है।
 - (c) विचित्र वर्गों के लोगों को भृस्वामित्य का लाभ मिलाहै।
- (d) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

हिल्पणी-- उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि उपर्युक्त नमृते के प्रश्नोग (प्रश्न) केवल उदाहरण के लिए दिए गए हैं क्रीर यह अकरी नहीं कि ये इस परीक्षा की पाठ्यकर्या के अनुसार हो ।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 8th July 1985

No. A.32013|1|80-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints S|Shri M. L. Rustogi and J. P. Aggarwal, permanent Programmers in the office of Union Public Service Commission to the post of Senior Programmers in the Commission's office on ad-hoc basis for a period of six months with effect from 2-5-1985 to 1-11-85 or until further orders whichever is earlier.

2. The above said appointments as Senior Programmers are purely on ad-hoc basis and will not confer upon the officers any title for regular appointment or seniority in the post of Senior Programmer.

The 11th July 1985

No. A-32011|3|85-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Shingal, TRS (C&CE), presently working as Deputy Secretary in UPSC as Joint Secretary in the scale of Rs. 2000-2250 with effect from 1-8-85(FN) in this office, for the remaining period of his tenure at the Centre or until further orders, whichever is earlier.

2. This issues with the approval of the Appointment Committee of the Cabinet.

M. P. JAIN, Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING,) CFNTRAL BUREAU OF INVESTIGATION New Delhi-110003, the 25th July 1985

No. A-19020|1|80-AD.V.—The service of Shri S. N. Sinha, IPS (OR-1956) Dy. Inspr. Genl. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police, Establishment, on repatriation are placed at the disposal of Govt. of Orlssa with effect from the afternoon of 25th June, 1985.

No. A-19021|8|80-AD.V.—The services of Shri Anand Kumar, IPS(MP-1967) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, CIU(E-II) Branch on repatriation are placed at the disposal of Govt, of Madhya Pradesh with effect from the forenoon of 30th June, 1985 after availing 90 days E.L. from 1-4-85 to 29-6-85.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) | CBI

(DIRECTORATE GENERAL, CRPF)

New Delhi, the 22nd July 1985

No. O.II-1083|73-Estt.—Consequent on his retirement from service on superannuation, Shri Raghubir Singh, Asstt. Commandant, 38th Bn CRPF, relinquished the charge of his post on the AN of 30th April, 85.

No. O.II-1573 81-Estt.—Consequent on his appointment as Chairman JIC (External) in Cabinet Secretariat and also as Secretary of Policy Planning Group on National Security Shri R. K. Khandelwal, IPS (UP-1953), relinquished the charge of IGP, SIII, CRPF, New Delhi on the AN of 28-4-85.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI, Asstt, Director (Estt.)

DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL FORCE

New Delhi-110003, the 23rd July 1985

No. E-32015(3) |24|84-Pers-I.—President is pleased to appoint Shri M. K. Chopra as Commandant CISF Unit IPCL. Baroda with effect from the forenoon of 8th July, 1985 on purely ad-hoc basis and temporary for a period up to 27-8-85 or till such time regular apointments are made, which ever is earlier, 54—196 GI|85

The 24th July 1985

No. E-16013(2)|12|85-Pers-I.—On appointment on deputation Shri M. Laxminarayana, IPS (AP:SPS) assumed charge of the post of Commandant CISF Unit, V.S.P. Visakhapatnam with effect from the forenoon of 4th July 1985.

No. E-28017 10 84-Pers.II.—Consequent on his retirement from Government service on attaining the age of superannuation. Shri Babban Singh relinquished charge of the post of Assistant Commandant. CTSF Unit, BHEL, Bhopal on the afternoon of 31st May, 1985.

The 26th July 1985

No. E-32015(3)|23|84-Pers.I.—President is pleased to appoint Shri S. R. Sharma as Commandant CISF Unit CTPS (DVC). Chandrapura with effect from the afternoon of 10th July, 1985 on nurely ad-hoc basis and temporary for a period up to 27-8-85 or till such time regular appointments are made which ever is earlier.

No E-32015(3)|7|85-Pers I.—President is pleased to appoint Shri Sheoraj Singh on promotion as Deputy Commandant CISE Unit CCWO Dhanbad with effect from the forencon of 8th July 1985 on purely ad-hoc basis and temporary for a period puto 27-8-85 or till such time regular appointments are made whichever is earlier.

S ANANDARAM Director General CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 25th July 1985

No. 10|6|82-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion, Shri Pradeep Mehra, Assistant Director (Programme), who is at present working as Deputy Director (Programme) on ad-hoc basis, in the office of the Registrar General, India, New Delhi, to post of Deputy Director (Programme), on a regular basis, in temporary capacity, in the same office with effect from the forenoon of the 12th July, 1985, until further orders.

2. The headquarters of Shri Pradeep Mehra shall be at New Delhi.

V. S. VERMA Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF REVENUE

OFFICE OF THE CUSTOMS, EXCISE & GOLD (CONTROL) APPELLATE TRIBUNAL

New Delhi-110066, the July 1985

F. No. 6|CEGAT|85.—Shri M. R. Sharma. formerly working as Junior Analyst in the Ministry of Finance. Department of Revenue (T.R.U), New Delhi and Office Superintendent in the Directorate of O.&M. Services (Customs & Central Excise), New Delhi assumed charge as Assistant Registrar, Customs, Excise & Gold (Control), Appellate Tribunal, New Delhi in the afternoon of 5th July, 1985.

F. S. GILL President.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES-I.

New Delhi, the 24th July 1985

No. Admn.I O.O. No. 197.—The Director of Audit, Central Revenues-1. New Delhi hereby appoints Shri Vimal Kumar Verma, a Permanent Section Officer (now Asstt. Audit Officer) of this office to officiate as an Audit Officer

in the scale of Rs. 840—1200 with effect from the afternoon of 19th July, 1985 until further orders.

Sd|- ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) ANDHRA PRADESH

Hvderabad-500 463, the 25th July 1985

No. Admn.I]A&E|I¹8-88|85-86|104.—The Accountant General (A&E) Andhru Pradesh, Hyderabad is pleased to promote the following section officer to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—10—100—12B—40— 1200 with effect from the date noted against his name until further orders.

Name and Date of assumption of charge

Shri Rama Rao-I, 19-07-1985 F.N.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, if any, and is also subject to the result of writ petitions pending in the Andhra Pradesh High Court Supreme Court.

> Sd|- ILLEGIBLE Dy. Accountant General Admn.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I KARNATAKA

Bangalore, the 8th July 1985

OFFICE ORDER

Audit I[Admn I[A-1]85-86[207.—The General (Audit)-I, is pleased to promote the following four Section Officers (Audit) as Asstt. Audit Officers in a purely temporary capacity until further orders without prejudice to the claims of their Seniors, if any, with effect from the date of their taking over charge.

S|Shri

- 1. C. Subba Rao (1)
- 2. V. Gopalan. 3. G. Prakash Rao.
- 4. David Joseph.

Consequent on their promotion as Asst. Audit Officers the option to be exercise for fixation for pay in the higher scale as per Government of India, decision (15) below FR 22 (C) Swami's compilation (VIIth Edition) (G.I.M.H.A, Department of Personnel & Administrative Reforms O.M. No. F-7|1|80 Estt. P. I dated 26th September 1981) should be exercised within one month from the date of promotion

The 9th July 1985

OFFICE ORDER

No. AG(Au)I|Admn.I|A-1|85-86|208.—Sri T. S. Krishna No. AG(Au)1|Admn.||A-1|85-86|208.—Sri T. S. Krishna Rao, Assistant Audit Officer on foreign service with Karnataka Co-operative Milk Producers' Federation Limited, was promoted as Audit Officer with effect from the date of his taking over charge in the parent Department vide Office Order No. AG(Au)1|Adm.1|A-1|85-86|131 dated 30th May, 1985. The present term of foreign service of Sri T. S. Krishna Rao with Karnataka Co-operative Milk Producers' Federation Limited as Asstt. Audit Officer expires on 22nd July, 1985. The foreign employer has however, expressed July, 1985. The foreign employer has however expressed the need to retain his services upto 22nd July, 1985, by accommodating him in the higher grade of Audit Officer or an equivalent post in his organisation.

Under the circumstances explained above, the Accountant General Audit I is pleased to accord Proforma Promotion to Sri T. S. Krishna Rao, Assistant Audit Officer as Audit Officer under next below Rule with effect from 1-6-85 F.N. under FR 30 the date on which his immediate junior Sri S. Narasimhan (1) took charge under government parent Department.

> Sd., ILLEGIBLE Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) ORISSA

Bhubaneshwar, the 16th May 1985

No. Admn.I(Au)-17-2-258.—E.O.-5.—Accountant General (Audit) is pleased to appoint the following Asstt. Audit Officers of this office to officiate as Audit Officers in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 from the dates noted against each in accordance with the provision of the IA&AD (Administrative Officer) Accounts Officers and Audit Officer) Recruitment Rules—1964. Their promotion is on adhoc basis and subject to the final decision of the High Court Supreme Court on the cases subjudice in the court and without prejudice to the claim o the seniors.

- 1. Sri M. N. Kasinath-27-4-85 (F.N.)
- 2. Sri M. C. Dey-7-5-85 (F.N.)

The 28th May 1985

No. Admn.I-(Au)-17-1|492.—The Accountant General is pleased to appoint substantively Sri A. C. Dutta, officiating Audit Officer of this office in the cadre of Audit Officer with effect from 1.8.84 (F.N.).

> II BHATTACHARYA Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-1, the 22nd July 1985

No. 27|G|85.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri M. N. Shukla, Additional DGOF (Subst. ADG Grade I/GM Grade I) retired from service w.e.f. 30th June, 1985/A.N.

> V. K. MEHTA DDGOF/Estt.

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES) New Delhi, the 24th July 1985

No. 12(331) 62-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri D. B. Kar, Dy. Director (Leather Footwear), Small Industries Service Institute, Kanpur as Director (Gr. II) (Leather Footwear) in the small Institute on adhoc basis with effect from the forenoon of 10.6.1985 until further orders.

No. A-19018(611)|82-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. R. Deshpande, Asstt. Director (Gr. II) (Chemical) Small Industries Service Institute, Bangalore as Asstt. Director (Gr. I) (Chemical) at Br. Small Industries Service Institute, Gulbarga under Small Industries Service Institute, Hubli with effect from the forenoon of 30.5.1985.

A-19018(744)|84-Admn.(G).--The President Assistant Director pleased to appoint Shri J. R. Devdass as Assistant Director (Grade I) (Electronics) at Small Industries Service Institute. Calcutta with effect from the forenoon of 31.5.1985 until further orders.

> C. C. ROY, Dy Director (Admn.)

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 22nd July 1985

No. 5|11|54-Est.I.—Consequent on attaining the age of superannuation Shri A. N. Parmesh, relinquished charge of the post of producer, Southern Regional Production Centre. Films Division, Bangalore on the afternoon of 30th June, 1985.

The 23rd July 1985

No. 6|85|54-Est.I.—Consequent on attaining the age of superannuation Shri M.S.V. Vinod Babu, relinquished charge of the post of Branch Manager in Films Division at Bombay in the afternoon of 30th June, 1985.

> N. N. SHARMA, Administrative Officer for Chief Producer

New Delhi, the 1st July 1985

No. A-19012|2|76-Admn—Consequent on attaining the age of superannuation, Shri N. P. Sitaram, Permanent Chief Recordist relinquished the charge of his post in the Films Division, New Delhi on the afternoon of 30th June, 1985.

Asstt. Administrative Officer for Deputy Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES New Delhi-110011, 22nd July 1985

No. A. 12025|3|83-PH(CDL).—The President is pleased to appoint Dr. Arvind Rai to the post of Deputy Assistant Director (Microbiology) in the National Institute of Communicable Diseases, Delhi, in a temporary capacity with effect from the forenoon of 18th June, 1985 and until further orders.

> NARAIN SINGH Dy. Director Admnistration (PH)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 23rd July 1985

No. A|1054|CED|Estt. II|2655.—Shri Rajaram Athale relinquished charge of the post of Scientific Officer Engr. Grade SD. on 16-1-85 FN consequent on Voluntary Retirement.

> T. A. LAKSHMINARAYANAN Controller

Bombay-400 085, the 23rd July 1985

No. K-926|Est. II|2654.—Shri Udhav Shankar Karmarkar relinquished charge of the post of Asstt. Personnel Officer on 31-5-1985 AN consequent on superannuation.

K. VENKATAKRISHNAN Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombhy-400 001, the 24th July 1985

No. DPS|41|1|85-Adm.|5193.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Chowannur Vijayan a permanent Purchase Assistant to officiate as Assit. Purchase Officer on an ad-hoc

basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810— EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 from 3-6-1985 (FN) to 19-7-1985 (AN) in the same Directorate vice Shri S. N. Deshmukh, A.P.O. granted leave.

> P. GOPALAN Administrative Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 24th July 1985

No. RAPS|Rect|7(9)|85|S|198.—The Chief Superintendent, Rajasthan Atomic Power Station is pleased to appoint Shri K. George, a permanent UDC in PPED Pool and officiating Assistant Accountant in RAPS as Assistant Accounts Officer (Rs. 650-960) in Rajasthan Atomic Power Station in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1-6-1985 until further orders.

> R. K. CHOPRA Assistant Personnel Officer (R)

DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-17, the 18th July 1985

No. 080|1(15|4|85-Estt.—Director ISRO Satellie Centre is pleased to accept the resignation from the services of Shri S. V. S. Prasanna Kumar, from the post of Scientist Engineer SB' in the ISRO Satellite Centre, Bangalore, of the Department of Space with a first form the services of the Department of Space with a first form the services of the Department of Space with a first form the services of the Department of Space with a first form the services of the Department of Space with a first form the services of the Department of Space with a first form the services of Space with the services with the services with the services of Space with the services wi ment of Space, with effect from the afternoon of July 1985.

> H. S. RAMADAS Administrative Officer-II

SHAR CENTRE

Shriharikota, the 13th July 1985

No. SCF/P&GA/Estt./1.72.--The Director, SHAR Centre hereby appoints on promotion the following personnel to the posts noted against each in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates noted against them.

Name		Promoted to the post of	Date from which pro- moted
S/Shri			
1. K.R. Nair		Asstt, Admn. Officer	21-7-1983
2. K. M. Samuel .		Asstt. Stores Officer	29-8 -1983
3. P. Kamalakara Rao		Asstt. Accts. Officer	1 3-9- 1984
4. R. Janardhana Nair		Asstt. Admn. Officer	15-10-1984
K. Geethanandan		Asstt. Admn. Officer	11-3 -1985
6. S. Sankara Sastry		Asstt. Admn. Officer	4- 4-1985
7. P. Raveendra .		Hindi Officer	6-4-1985
8. N. Gopinadhan .	•	Asstt. Admn. Officer	24- 5-1985

P. S. NAIR

Head, Personnel & General Admn.

Division.

for Director

MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi, the 24th July 1985

No. E(1) 00896.—Dr. Krishna Nand, Meteorologist Grade I, India Meteorological Department, has retired voluntarily from the Government service with effect from the afternoon of 9-7-1985 under Rule 48(A) of CCS(Pension) Rules, 1972.

S. D. S. ABBI Director (Establishment) for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 19th July 1985

No. A. 32013|14|84-EC(.).—The President is pleased to appoint the following Senior Technical Officers in the Civil Aviation Department to the grade of Assistant Director of Communication on regular basis w.e.f. 28th May, 1985 and until further orders.

- (1) Shri P. S. Mullick, Senior Technical Officer.
- (2) Shri Roop Chand, Senior Technical Officer.

V. JAYACHANDRAN Dy. Director of Administration

FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 26th July 1985

No. 16|437|85-Ests-I.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Dr. (Km.) Rashmi as Research Officer (other than Engineering and Statistical) under the Scheme "Environmental Research Station" at Ootacamund Centre of the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, with effect from the forenoon of the 14th June 1985, in a temporary capacity, until further orders.

J. N. SAXENA Registrar Forest Research Institute & Colleges

COLLECTORATE OF CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

Madras-1, the 20th April 1985

No. C2|78|85-Corr.—In exercise of the powers conferred upon the Collector of Customs, under Section 8(b) of the Customs Act, 1962, I hereby specify the following limits of the Madras Airport at Meenambakkam.

"The whole of the Madras Airport including the Runways, taxiways, parking bays, Terminal buildings, Cargo Complex, all hangars including those for parking and repairs, airlines offices, Fire station, buildings, oil installations, car parks and all structures bounded by and within the following":—

- 1. In the South.—By the National Highway 45 from 14.1 Kilometres to 17.9 Kilometres and by a line drawn towards North from 17.9 kilometres upto a distance of 300 metres and again from there towards west upto the Military S.T. Road to a distance of 340 metres and from there towards north along with Military S.T. Road to a distance of 375 metres upto north Barracks Road.
- 2. In the West.—By a line drawn from junction of north barrack Road and Military S.T. Road 75 metres to South along the Military S.T. Road and from there towards northwest to a distance of 140 metres and from there towards West to Manikka Odai to a distance of 625 metres and from there towards north cutting across the Manikka Odai to a distance of 150 metres and from there towards West to a distance of 60 metres, an area covering 1.5 hectares and from the point after cutting across Manikka Odai towards East to a distance of 275 metres from Aerodrome Boundary Pillar No. 69 and joining aerodrome boundary pillars 70, 71, 72 and 73 and to southern bank of Adyar River.

- 3. In the North.—By a line drawn from the Western end of Cowl Baza $_{\rm T}$ towards North.—East to the southern bank of Adyar River.
- 4. In the East.—Flanked by the Southern bank of Adyar River and thereafter by a line drawn towards O.T.S. Camp and from there towards south to a distance of 375 metres upto the National Highway 45 at 14.1 Kms.

C. BHUJANGASWAMY Collector of Customs

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400 038, the 25th July 1985

No. 11-TR(1)|82.—The President is pleased to relieve Shri T. N. Sakrkar, Administrative Officer, Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta with effect from 30-5-1985 (A.N.).

No. 23-TR(6)|85.—President is pleased to appoint Captain R. A. D'Rozario as Nautical Officer in the Lal Bahadur Shastri Nautical & Engineering College, Bombay, with effect from 10-7-1985 on ad-hoc basis until further orders.

A. CHANDRA Deputy Director General of Shipping

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110 066, the 26th July 1985

No. A-19012|1077|84-Estt. V.—On the recommendations of the Department Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission appoints under "Next Below Rule" Shri Rabindra Mohan Sen, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director|Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of 31-12-1984 until further orders.

(2) The above mentioned officer will be on probation in the grade of E.A.D. A.E. in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

MEENAKSHI ARORA Under Secy. (C) Central Water Commission

MINISTRY OF SUPPLY & TEXTILES

DEPARTMENT OF SUPPLY

NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta-27, the 15th July 1985

No. G-318|A,—The Director General, National Test House, Calcutta has been pleased to appoint Shri T. G. Joseph, Assistant, Ministry of Works & Housing as Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the National Test House, Madras Branch, Madras on deputation basis w.e.f. 29-4-85 (F|N) until further orders.

J. M. BHATTACHARJEE
Deputy Director (Administration)
for D.G., National Test House, Calcutta-27

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 of Mis. Vadamalai Transports Private Ltd.

Madras-600 006, the 15th July 1985

No. 4196|560|85.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M|s. Vadamalai Transports Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of Ms. Superior Transports Private Ltd.

Madras-600 006, the 15th July 1985

No. 4419|560|85.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M|s. Superior Transports Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd-ILLEGIBLE
Asst. Registrar of Companies
Tamil Nadu MADRAS

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, M-1|C, GREEN AVENUE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th July 1985

Ref. No. ASR 85-86 22 .- Whereas, I, J. PRASAD, IRS

being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rg. 1,00,000/-Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Vacant Plot of land situated at Behind Sales Tax Office.

Amritsar

Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on Nov. 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent. consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the ebject of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Sushma Arora wo. Shri Prem Lal Arora, r|o Bazar Jangi Shivala, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Bhupinder Singh Chawla s o. Shri Harjit Singh Chawla r o Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property).

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days froza the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share of plot of land, measuring in total 562.1|3 sq. yds. situated at court road, Backside of Sales Tax, Amritsar, as mentioned in Sale Deed No. 5891 dated 30-11-1984 of registering authority, Amritsar.

> J. PRASAD IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-7-1985.

Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, **JAIPUR**

Jaipur, the 18th July 1985

Ref. No. Raj. IAC(Acq.) 2597.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Shop situated at Indiana.

Shop situated at Jodhpur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jodhpur on 14-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Madan Raj Clo Mls. Madanraj Sohanraj, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntala Wlo Shri Om Prakash, through Mls. Birla Stores, Station Road. Jodhour.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop situated on Station Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 3040 dated 14-11-84.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 18-7-1985

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Hulash Chand Kothari S|o Shri Tolaram Kothari, Ward No. 21, Churu.

(Transferor)

(2) Shri Jugraj Kothari Slo Shri Hulashchand, Rlo Ward No. 21, Churu.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1985

Ref. No. Raj.|IAC(Acq)|2598.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Nohara situated at Churu.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Churu on 23-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Nohara including construction situated at Ward No. 21. Churu and more fully described in the sale deed registered by Sub-Registrar, Churu vide Registration No. 941 dated 23-11-84.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 18-7-1985

Şçal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, **JAIPUR**

Jaipur, the 18th July 1985

Ref. No. Raj. IAC(Acq.) 2599.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

monan Singh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Shop No. 3 situated at Jaipur,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 14-11-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
55—196 GI|85 (1) Shri Kishan Slo Shri Radheshyamji Mahajan Khandelwal. Rlo Sonkhiyon ka Rasta, Kishanpole Bazar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Jindaram So Shri Tarachand Sindhi, Ro House No. 102, Jhalanion ka rasta. Chowkri Topkhana Desh, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Khanda Modikhana situated below Raja Udai Singhii's Haveli, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide registration No. 2760 dated 14-11-84.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissional of Income-tax Acquisition Range Jaiput

Date: 18-7-1985

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, **JAIPUR**

Jaipur, the 18th July 1985

Ref. No. Raj||LAC(Acq.)|2600.—Whereas, I. MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Plot No. A-54 situated at Jaipur. (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Major Ramesh Narayan Mathur So Shri Jagdish Narayan Mathur, Plot No. A-45. Major Shaltan Singh Colony, Bani Park, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Hansraj Parwal Slo Shri Ganesh Narain Parwal, Rlo B-12, New grain mandi, Chandpole, Jalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein pre defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of Plot No. A-54, Major Shaitan Singh Colony, Jaipur and more fully described in the sale deed register by the Sub-Registrar, Jaipur vide registration No. 2748 d 17-11-84.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income (2x Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sold Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 18-7-1985

Seal;

Shri Lakshmi Narayan Slo Shri Hanumandas Chaudhry, Telipara, Bikaner.

(Transferor)

 Smt. Meena Devi Wo Shri Dhanrai Sunar, Sunaron ki Gavar, Bikaper.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMME SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION: RANGE, JAlpur

Jaipur, the 18th July 1985

Ref. No. Raj.|IAC(Acq.)|2601.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Residential House situated at Bikaner.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bikaner on 17-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid caceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of garages with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; rad/ears
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Residential House situated in Mohalla-Chipan, logion ka Chowk, Bikarer and more fully described in the sale deet registered by Sub Registrar, Bikaner vide Registration No. 2888 84 dated 17-11-84.

> MOHAN SINGE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Neome-tax. Acquisition stances Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act I nearby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 18-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II, CALCUTTA

Calcutta, the 18th July 1985

Ref. No. AC-33|R-11|Cal|85-86,---Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the incomplete having a few property beauty as few property and the property as few property as few property as few property and the property as few property

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. No. 87 situated at Sarat Chatteriee Road, Calcutta-89, P. S.

Lake town. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at Sub Registrar of Assurance, Calculta on 24-11-84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and 200
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Inco ne-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said I ct, to the following persons, namely:—

 M|s. Real Estate, a Registered Partnership Firm of 23|AE, Sector-I, Salt Lake City. Calcutta-64.

(Transferor)

(2) Shri Sambhu Nath Sen. 87, Sarat Chatterjee Road, Calcutta-89. Flat No. 3 C, 3rd Floor.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

678.50 Sft. flat situated 87, Sarat Chatterjee Road, flat No. 3 C on the 3rd floor, P. S. Luke Town, Calcutt. 89. More particularly described in Deed No. I 14107 of S.R.A., Cal. of 1984,

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16,

Date : 18-7-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 18th July 1985

Ref. No. AC-32|R-II|Cal|85-86.-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, hvaing a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]— and bearing No. No. 87 situated at Sarat Chatterjee Road, Calcutta-89, P. S.

Lake Town.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub Registrar of Assurance, Calcutta on 24-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any the ourness of the Indian Incone-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Inco ne-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest to property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mis. Real Estate, A registered Partnership Firm of 23 AE, Sector-I Salt Lake City, Calcutta-64.

(Transferor)

(2) Shri Paresh Kumar Saha of 87, Sarat Chatterice Road, Flat No. 1/C, 1st floor, Calcutta-89.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

678.50 Sr. flat situated at 87, Sarat Chatterjee Road, Calcutta-89, Flat No. 1|C. 1st floor, P. S. Lake Yown, More particularly described in Deed No. 1 14103 of S.R.A. Cal. of 1984.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed kidwai Road Calcutta-16

Date: 18-7-1985

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, **CALCUTTA**

Calcutta, the 18th July 1985

Ref. No. AC-31[R-H]Cal[85-86.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under 5 ction 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

No. 87 situated at Sarat Chatterjee Road, Calcutta-89, P. S. Lake Town.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Sub Registrar of Assurance, Calcutta on 24-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lightlifty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any reconcys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely -

(1) M/s. Real Estate, A registered Partnership Firm of 23 AE, Salt Lake City, Sector-1, Calcutta-64.

(Transferog)

(2) Sri Radbashyam Poddar of, 87, Sarat Chatterjee Road, Flat No. 2|C, 25d floor, Calcutta-89.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the dete of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

678.50 Sft. flat situated at 87, Sarat Chatterice Road, Calcutta-89, Flat No. 2|C, 2nd floor, P. S. Lake Town, More particularly described in Deed No. I 14103 of SR.A. Cal. of 1984.

> SHAIKH NA! MUDDIN Competent Authority Lispecting Assistant Commissioner of income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 18-7-1985

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, CAI CUTTA

Calcutta, the 18th July 1985

Ref. No. AC-30[R-II]Cal]85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1361 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

No. 87 situated at Sarat Chatteriee Road, Calcutta-89, P. S. Lake Town.

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Sub Registrar of Assurance, Calcutta on 24-11 84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, pamely:—

 M|s. Real Estate, A registered Partnership I-irm of 23|AE, Sector-I Salt Lake City. Calcutta-64.

(Transferor)

(2) Shri Arun Kumar Mukherjee of, 87, Sarat Chatterjee Road, Flat No. 1|C. 1st floor, Calcutta-89.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

761.50 Sft. flat situated at 87. Sarat Chatterjee Road, Calcutta-89, Flat No. 3A. on the 3rd fleor, P.S. Luke Town More particularly described in Dec.l No. 1 (4105) of S.R.A. Cal. of 1984.

SHAIKH NAIMUD.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-It.
54, Rafi Ahmd Kiedwai Road.
Calcuttn-16

Date: 18-7-1985

Soal t

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

Calcutta, the 18th July 1985

Ref. No. AC-29|R-II|Cal|85-86,--Whereas, I, SAIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value enseeding Rs. 1,00,00]- and bearing

No. 87 situated at Sarat Chatterjee Road, Calcutta-89, P. S. Lake Town.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Sub Registrar of Assurance, Calcutta on 24-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M|s. Real Estate, A registered Partnership Firm of 23|AE, Sector-1 Salt Lake City, Calcutta-64.

(Transferor)

(2) Miss. Devika Narayan of, Flat No. 2A, 2nd floor, 87, Sarat Chatterjee Road, Calcutta-89.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

761.50 Sft. flat situated at 87, Sarat Chatterjee Road, Calcutta-89, Flat No. 2A second floor, P. S. Lake Town. More particularly described in Deed No. I 14104 of S.R.A. Cal. of 1984.

SHAIKH NAIMUDD'N Competent Authori'y Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-1' 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-7-1985

FORM ITNS———

(1) R-Xar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pravin Dua.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 19th July 1985

Ref. No. 1852. R-III/85-85.—Whereas, I. SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000]- and bearing No. 180 (A & B), situated at Rash Behor' Avenue, Calcutta (and more fully described in the calculus expressed in the calculus express

180 (A & B), situated at Rash Behor' Avenue, Calcutta (and more fully described in the schedu'e annexed hire(o), has been transferred and registered with the Competent Authority uls 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 Officer at Calcutta

No. 37EE[Acq. R-III]497 dated 12-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall more the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. D-3, 180(A&B) Rash Behari Avenue, Calcutta. Measuring 1039 sq. ft.

SANKAR BANNERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the role of this notice tuide; subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely .--

56-196 GI 85

Date: 19-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. ROHTAK

Rohtak, the 5th July 1985

Ref. No. HSR|70|84-85.--Whereas I, S. K. SHARMA, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Plot No: measuring 294'×80' situated at State Bank Colony, Hissar (and more fully described in the Schedule below).

has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority uls 21GAB of the said Act read with rule 48DD(u) of Income-tax Rule 1952 dated

23-4-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Des Raj (D. R. Ahuja) so Sh. Hakim Rai, rlo State Bank Colony, Hissar (now 1404, New Housing Board Colony, Panipat, Distt. Karnal).

(Transferor)

(2) Smt. Usha Mongia woo Sham Sunder Mongia, H. No. 2, State Bank Colony, Delhi Road, Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert: may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from: the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 2 measuring 291'×80' situated at State Bank Colony, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3809 dated 9-11-1984 with the Sub-Registrar, Hissar.

> S. K. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 5-7-1985 Seal:

FORM I'INS-

омительного — обществия именентивност т. Туг^{ред}

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th July 1985

Ref. No. HSR|75|84-85.—Whereas I, S. K. SHARMA, being the Competent Authority authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]— and bearing land measuring 36 kanal 3 marla situated at Village Mayar Teh. Distt. Hissar (and more fully described in the Schedule below)

has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Authority us 269AB of the said Act read with rule 48DD(4)

of Income-tax rules 1952 on 23-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: --

(1) Sh. Chandgi Ram so Hari Ram, slo Sh. Tokha,

rjo Mayar Teh. & Distt. Hissar.

(Transferor)

(2) M/s. M. P. Cotton Textile Mills Ltd.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 36 kanal 3 maria situated at Village Mayar Teh. & Distt. Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3984 dated 23-11-84 with the Sub Registrar, Hissar.

> S. K. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Dr.o: 5-7-1985

⊸eál:

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. ROHTAK

Rohtak, the 5th July 1985

Ref. No. SPT|89|84-85.--Whereas I, S. K. SHARMA, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

House No. 569-B2

situated at Sarang Gurdwara Road, Sonepat (and more fully described in the Orhe lule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat under Registration No. 3429 of Income-tax, Rules, 1962 dated 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Ravinder Lai slo Sh. Raylinder Lai sjo Sh. Gobind Lal, Clo Telephone Exchange, Sonepat, Smt. Parvati Devi, Sh. Surinder Kumar, Sh. Ved Farkash, Raj Kumari, Sudesh Kumari, Urmila Rant, r o Sonepat

(Transferor)

(2) Sh. Sital Kumar Chadha slo

Sh. Jai Ram, slo Sh. Madan Lal, rlo G. T. Road, Phagwara (Punjab)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and exxpressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 569 B-2, Sarang Gurdwara Road, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3429 dated 12-11-1984 with the Sub-Pegistrar, Sonepat.

> S. K. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow of porsons, namely :---

Date: 5-7-1985

28351

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th July 1985

Ref. No. PNP|104|84-85.—Whereas I, S. K. SHARMA, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this benall under Section 269B of the Income tax Act, 1961(43 of 1961) (herematter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000], and bearing No. Land measuring 37 Kanal 3 marla situated at Village Mahrana (and more fully described in the Schedule below), has been transferred and registered under the Registering Officer Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 dated 28-11-1984

dated 28-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Iqbal Chand slo Sh. Chiranji Lal, rlo 844 Urban Estate, Karnal.

(Transferor)

(2) Sh. Jai Ram soo Sh. Parbhu Ram, roo Village Barana Teh. Kernal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 37 kanal 3 marla situated at village Mahrana and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4179 dated 28-11-84 with the Sub-Registrar, Panipat.

S. K. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this sertice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-7-1985

FURM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KOHTAK

Rohtak, the 5th July 1985

Ref. No. PNP 100 84-85.—Whereas I, S. K. SHARMA, being the Competent Authority authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Plot measuring 1112 sq. yds.
situated at Model Town, Panipat
(and more fully described in the Schedule below),
has been transferred and registered under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Authority u|s 269 AB of the said Act read with rule 48
DDC4) of Income-tax rule 1952
dated 28-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Managing Committee Inderbhan Laiya Highl Hr. School, Panipat through Sh. Ram Kishan Gandhi slo

Sh. Fatch Chand Vice President,

 Sh. Lal Chand Garg s|o Naval Kishore Asandh Road, Panipat.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot measuring 1112 sq. yds. situated at Model Town, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4155 dated 28-11-84 with the Sub-Registrar, Panipat.

S. K. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak-

Date : 5-7-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th July 1985

Ref No. PNP 97 84-85.—Whereas I, S. K. SHARMA, being the Competent Authority authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- andbearing No. Land measuring 80 kanal 16 merla situated at Village Jatol Panipat under Registration No. 3799

(and more fully described in the Schedule below), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules 1952 dated 14-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the conceamient of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Durga Dutt soo Shri Moloo, Ishwar Dass, Jain Parkash Anil Kumar sslo Hukem Chand rlo Vill. Jatol.

(Transferor)

(2) Shri Modh Raj slo Shri Hem Raj slo Nihal Chand rlo 63, Model Town, Jalandhar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetic.

EXPLANATION: The terms and expressions used litrein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same specially as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 80 kanal 16 marla situated at Village Jatol and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3799 dated 14-11-84 with the Rtgistrar, Panipat.

> S. K. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date : 5-7-1985

_____ FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Iqbal Chand slo Chiranji Lal, rlo 844 Urban Estate, Karnal.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Snit. Panpori wlo Sh. Ram Bhai rlo Jataul, Teh. Panipat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th July 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ref. No. PNP[103]84-85.—Whereas, I, S. K. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

land measuring 15 kanal 12 marla situat-d at Village Mahrana

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registring Officer at

Panipat under Registration No. 4178 dated 25-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by than affects per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shalt have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being land measuring 15 kanal 12 marla situated at Village Mahrana and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4178 dated 25-11-1984 with the Sub-Registrar, Panipat.

> S. K. SHARMA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely :---

Date: 4-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th July 1985

Ref. No. PNP 105 84-85.—Whereas, I, S. K. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

and bearing No. Lond measuring 20 Kanal 7 Marla situated at Village Jataul, Teh! Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Panipat under Registration No. 4180 dated 28-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferound.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the sake act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

57-196 GI|85

Sh. Iqbal, Chand slo
 Sh. Chiranji Lal
 rlo 844 Urban Estate, Karnal.

(Transferor)

(2) Sh. Sanjay Kumar slo Sh. Ram Bhaj, rlo Village Jataul, Teh. Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 20 Kanal 7 marla situated at Village Jataul, Teh. Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4180 dated 28-11-84 with the Sub-Registrar, Panipat.

S. K. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 4-7-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAA ACI, 1961 (45 OF 1961)

S|o Sh. Ram Kishan Dass Gupta r|o Bedi Niwas, Ramesh Nagar, Karnal. (Transferor)

Smt. Shushma Gupta Wo Sh. Vijay Kumar

(2) Sh. Harbhajan Singh Soo Nihal Singh roo H. No. 15, Prem Nagar Karnal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 4th July 1985

Ref. No. KNL|131|84-85,—Whereas, I, S. K. SHARMA,

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

House No. 64 situated at Friends Colony, Opp. Prem Nagar,

Karnai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority uls 169AB of the said Act read with rule 48DD(4) at Karnal under Registration No. 6851 of Income-tax Rules, 1962 dated 30-11-84 tell an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-

sideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice in the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that hapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 64 measuring 250 sq. yds. situated at Friends Colony, Kaithal Road, Karnal City and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6851 dated 30-11-84 with the Sub Registrar, Karnal.

S. K. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 4-7-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 4th July 1985

Ref. No. KNL|126|84-85.--Whereas, I, S. K. SHARMA,

being the Competent Authority authorised by the Central Comment in this behalf under section 269B of the Government in this behalf under section 269B of the fincome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing No. land measuring 9 bigha 4 bishwa situated at Village Deepo Tab & Dist Kernel

Teh & Distt. Karnal

(and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u|s 169AB of the said Act read with rule 48DD(4) at Kannal under Registration No. 6851 of Income-tax Rules, 1962 dated 30-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Jeewan Daes Slo Mela Ram Slo Sh. Budh Ram rlo Old Mandi, Karnal,

(Transferor)

(2) Sh. Samar Singh s|o Sh. Panna Lal, Varinder Kumar s|o Sh. Samar Singh r|o Shiv Colony, Karnal, Sh. Raj Kumar s|o Sh. Barkat Ram r|o Sadar Bazar, Karnal, Sh. Janak Raj s|o Sh. Bihari Lal r|o WX-248, Bastinaw, Jalandhar, Sh. Barkat Ram s|o Sh. Sadha Ram, Sh. Vinod Kumar s|o Sh. Barkat Ram r|o Sadar Bazar Karnal Bazar, Karnal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 9 bigha 4 bishwa situated at village Deepo Teh. & Distt, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6756 dated 23-11-84 with the Sub Registrar, Karnal.

> S. K. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-7-85

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF_1561)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 1st July 1985

Ref. No. GRG|548|84-85.—Whereas, I, S. K. SHARMA, being the Competent Authority Autorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and Land measuring 38 Kanal 7 Marla situated at Vill. Chandu Distt Gurganon

(and more fully described in the Scheduled below), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority uls 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) at Gurgaon under Registration No. 6418 of Incometax Rules, 1962 dated 16-11-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any asoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motion under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

- Sh. Kanwar Singh s|o Sh. Phool Singh uraf Harphool s|o Sh. Khubi resident of Chandu Teh & Distt. Gurgaon.
 - (Transferor)
- (2) Sh. A. L. Arora s|o Sh. Des Raj s|o Sh. Karam Chand, Virawali wd|o Hukam Chand Bagga, Raghu Nath Rai Grover s|o Boota Ram r|o 15|42 Punjabi Bagh, Delhi. (Transferee,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 38 Kanal 7 Marla situated at 11. Chandu Distt. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6418 dated 16-11-84 with the Sub Registrar, Gurgaon.

S. K. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 1st July 1985

Ref. No. GRG|542|84-85.—Whereas, I, S. K. SHARMA,

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that te immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

land measuring 28 Kanal situated at Farrukh Nagar Distt. Gurgaon

(and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer With the Competent Authority uls 269AB of the said Act read with rule 48DD|4) at Gurgaon under Registration No. 6331 of the Income-tax Rules, 1962 dated 12-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Shiv Kumar S|o Sh. Nirmal Dass s|o Sh. Dhalla Ram, Farukh Nagar Distt, Gurgaon.

(Transferor)

(2) S|Sh. Meer Singh, Dunger Singh, Kanwar Lal, Bishamber Dayal, Mehar Chand, ss|o Sh. Banwari Lal, Ram Pal, Jainarayan, Kuljeet Singh ss|o karan Singh r|o Vill, Cahkarpur Teh. & Distt. Gurgaon.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 28 Kanal situated at Farrukh Nagar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6331 dated 12-11-84 with the Sub Registrar, Gurgaon.

S. K. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 1st July 1985

Ref. No. GRG|544|84-85.-Whereas, I,

S. K. SHARMA, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that te immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Land measuring 56 Kanal situated at Vill. Farrukh Nagar Teh. & Distt. Gurgaon

(and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u|s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) at Gurgaon under Registration No. 6334 of the Income-tax Rules, 1962 dated 12-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect bf any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Satish Kumar s|o Sh. Nirmal Dass r|o Vill. Farukh Nagar Teh, & Distt. Gurgaon. (Transferor)

(2) S|Sh. Meer Singh, Dunger Singh, Kanwar Lal, Bishamber Dayal, Mehar Chand, ss|o Sh. Banwari Lal, Ram Pal, Jainarayan Kuldeep Singh ss o Dharam Singh r o Vil. Chakarpur step-Teh. & Distt. Gurgaon. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 56 kanal situated at vill. Farrukh Nagar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. Sr. No. 6332 dated 12-11-84 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

S. K. SHARMA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely : -

Date: 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 1st July 1985

Ref. No. GRG|541|84-85.-Whereas, 1, S. K. SHARMA,

Government in this behalf under section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Land measuring 52 Kanal situated at Vill. Farrukh Nagar

Distt. Gurgaon

(and more fully described in the Schedule below) has been (and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority uls 269AB of the said Act read with rule 481DD(4) at Gurgaon under Registration No. 6330 of the Income-tax Rules, 1962 dated 12-11-84 for an appearant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair nearlest value of the property as aforesaid.

believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

(1) Sh. Arjan Dass slo Sh. Nirmal Dass rlo Vill. Farrukh Nagar Distt. Gurgaon. (Transferor)

(2) S|Sh. Meer Singh, Dunger Singh, Kanwar Lal, Bishamber Dayal, Mehar Chand, ss|o Sh. Banwari Lal, Ram Pal, Jainarayan. Kuljeet Singh sso Dharam Singh ro Vill. Chakarpur Teh. & Distt. Gurgaon.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 52 kanal situated at Vill. Farrukh Nagar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6330 dated 12-11-84 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> S. K. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Date: 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 1st July 1985

Ref. No. GRG|543|84-85.—Whereas, 1, S. K. SHARMA,

Government in this behalf under section 269B of the Incometax Aut, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Land measuring 48 Kanal situated at Vill. Farrukh Nagar

Tch, & Distt. Gurgaon
(and nore fully described in the Schedule below) has (and nore fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority uls 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) ta Gurgaon, under Registration No. 6332 of the Income-tax Rules, 1962 dated 12-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid.

believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly thated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; analor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Tilak Raj slo Nirmal Dass rlo Vill. Farrukh Nagar Teh & Distt. Gurgaon. (Transferor)

(2) S|Sh. Mccr Singh, Dunger Singh, Kanwar Lal, Bishamber Dayal, Mehar Chand, ss|o Sh. banwari Lal, Ram Pal, Jainarayan, Kulject Singh ss|o Dharam Singh r|o Vill. Chakarpur Tab & Digit Guacara Singh r|o Vill. Chakarpur Teh, & Distt, Gurgaon.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person laterested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Property being land measuring 48 Kanal situated at Vill. Farrukh Nagar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6332 dated 12-11-84 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> S. K. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D o fthe said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 1st July 1985

Ref. No. GRG[552]84-85.—Whereas, I, 3. K. SHARMA,

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that te immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No.

Land measuring 48 Kanal situated at Vill. Farrukh Nagar (and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer With the Competent Authority uls 269AB of the said Act read with ule 48DD|4) at Gurgaon under Registration No. 6527 of the Income-tax Rules, 1962 dated 26-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persone namely:—
58—196GI[85]

- (1) Sh. Kuldeep Singh slo Sh. Nirmal Dass rlo Vill, Farrukh Nagar Teh. & Distt. Gurgaon. (Transferor)
- (2) S|Sh. Meer Singh, Dunger Singh, Kanwar Lal, Bishamber Dayal, Menar Ch. nd, ss|o Sh. Banwari Lal, Ram Pal, Jainarayan, Guldeet Singh ss|o Dharam Singh r|o Vill, Chakarpur Teh. & Distt. Gurgaon. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 48 kanal situated at vill. Farrukh Nagar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6527 dated 26-11-84 with the Sub-Registrar Gurgaon.

S. K. SHARMA
Commetent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 1-7-1985

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 4th July 1985

Ref. No. FBD|19|84-85.—Whereas ,I, S. K. SHARMA

of transfer with the object of :--

Government in this behalf under section 269B of the Incometex Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that te immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. Land measuring 14 kanal 19 marla situated at Mathura Road. Faridabad

(and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer With the Competent Authority uls 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) at Faridabad under Registration No. of the Income-tax Rules, 1962 dated 19-11-84

of the Income-tax Rules, 1962 dated 19-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M|s. General Rubber Co. Pvt. Ltd. 14|6, Mile Stone, Mathura Road, Faridabad through Managing Director Shri K, L, Malhotra S|o. Shri Lajpat Rai r|o 18 Birbal Road, Jangpura, New Delhi.
- (2) S|Shri Kamal Kumar Aggarwal, Vijay Kumar Aggarwal ss|o. Shri Shiv Lal Aggarwal Shri Pawan Kumar Aggarwal Karta of Joint Pawan & Renu HUF r|o 13|19, Panjabi Bagh (East), New Delhi-26.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 14 kanal 19 marla situated at Mathura Road, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1171 dated 19-11-84 with the Sub Registrar, Faridabad.

S. K. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date: 4-7-1985, Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 5th July 1985

Ref. No. FBD|6|84-85.--Whereas. I. S. K. SHARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a Rs. 1.00,0000; and bearing fair market value exceeding

No. Plo measuring 1059 sq. yds. situated at Sect. 11,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 1153 dated 19-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) facilitating the consealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: end/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Dr. R. K. Sood Slo. Pyare Lal rlo Sarhind.
 Shri Om parkash Chawla Slo. Shri Dharam Singh. Dr. Ashok Chawla Slo. Shri Om Parkash rlo I.A. 44, NIT, Faridabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter :-

THE SCHEDULE

Property being plot measuring 1059 sq. yds. situated at Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1153 dated 19-11-84 with the Sub Registrar, Faridabad.

> S. K. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohlak

Date: 5-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohiak, the 4th July 1985

Ref. No. FBD. |7|84-85.—Whereas, I, S. K. SHARMA S. K. SHARMA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. land measuring 11 kanal 13 marla situated at village Mewla Maharajput Teh, Ballabgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) (and more fully described (Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority under section 269AB of the said Act read with the rule 48 DD(4) rule 48 DD(4) at Faridabad under Registration No. 1255 dated 23-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mander with the ablect of transfer with the transfer with tra

of manafer with the object of :-

- of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intijate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Baldev Krishan Mehan Slo. Shri Salig Ram Mehan, rlo H. No. 59, Sector 9-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) M/s. Esctors Dealers Development Association Ltd. r/o 19/6 Mathura Road. Faridabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 11 kanal 13 marla situated at vill. Mewla Maharajpur Tch. Ballabgarh and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1255 dated 23-11-84 with the Sub Registrar, Faridabad.

> S, K, SHARMA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Date: 4-7-1985.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Med Singh, Shri Zile Singh Ss|o. Shri Ghasi & Shri Subhash Chand Slo. Shri Surajbhan rlo Bohar, Distt. Rohtak.

(Transferor)

(2) Inderprasth House Building Society Regd. Rohtak Clo Shri Devinder Kumar Chadha, Secretary of the Society.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 4th July 1985

Ref. No. RTK|44|84-85.—Whereas, I,

S. K. SHARMA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. land measuring 54 kanal 5 marla situated at village

Bohar Distt. Rohtak

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at at Rohtak under Registration No. 5894 dated 20-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 54 kanal 5 marla situated at village Bohar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5894 dated 20-11-84 with the Subi Registrar, Rohtak.

> S. K. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-7-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 14th July 1985

Ref. No. HNS|4|84-85.—Whereas, I, S. K. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. land measuring 42 kanal 2 marla situated at Hansi Distt. Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hansi under Registration No. 1887 dated 19-11-84

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideraconsideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the kability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Ram Sarup Slo Shri Prabhu Diyal, R/o Hansi Distt. Hissar.

(Transferor)

(2) Shri Ved Parkash Slo Shri Parbhu Diyal, R/o Hansi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 42 kanal 2 marla situated at Hansi and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1887 dated 19-11-84 with the Sub-Registrar, Hansi.

> S. K. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-7-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1985

Ref. No. HNS[5]8T4-85.—Whereas, I. S. K. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.

1,00,000|- and bearing House No. 151/11 situated at Mohalla Cheta, Hansi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908) in the Office of the Registering Officer at Hansi under Registration No. 1817 dated 7-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(*) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Mahadev Parshad s/o Shri Siri Ram S/o Shri Kalu Ram and Smt. Misra Devi wd/o Shri Siri Ram R|o Hansi (now P4|12 Sunder Nagar, Swami Vivekanand Road, Bombay).

(Transferor)

(2) Smt. Bhagwati Devi wd/o Shri Rattan Lal S/o Sh. Siri Ram Gheewala, Delhi Gate, Hansi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, wachever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 day on date of the publication of this notice in the Official Gazette.

explanation — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Ac, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 151/41 situated at Mohalla Chetta, Hansi and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1817 dated 7-11-84 with the Sub Registrar, Hansi,

> S. K. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-7-85

~=_= <u>-</u> - .==

FORM I.T.N.S.—— ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NOOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1985

Rcf. No. KNL|118|84-85.-Whereas, I, S. K. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. Shop No. 655-C situated at G.T. Road, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karnal under Registration No. 6657 dated 16-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; BZ**NÁ** /OT
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) SShri Gordhan Dass, Askaran, Madan Gopal, Shyam Sunder ss/o Shri Kanhaya Lal R/o Karnal.

(Transferor) (2) S/Shri Madan Mohan, Surinder Kumar, Mahinder Kumar, ss/o Shri Hukam Chand, Sanjay Kumar S/o Shri Jai Parkash, R/o Karnal,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall make it terms meaning at given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property, being shop No. 655, G.T. Road, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6657 dated 16-11-84 with the Sub-Registrar, Karnal.

> S. K. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-7-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 11th July 1985

Ref. No. FBD 18 84-85.—Whereas, I,

S. K. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hareinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. House No. 210 measuring 650 sq. yards, situated at Sector 7-A, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 1135 dated 19-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the 'blect of :—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
59—196GI|85

 Shri Partap Singh s/o Capt. Todar Singh R/o 210 Sector 7-A, New Township, Faridabad,

(Transferor)

(2) S/Shri Gulshan Kumar, Som Nath Ss/o Shri Gobind Ram Sikka R/o K-17, Green Park Extension, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 210 situated at Sector 7-A, New Township, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1135 dated 19-11-85 with the Sub-Registrar, Faridabad.

S. K. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Robtak

Date: 11-7-85

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1985

Ref. No. PNP|95|84-85.—Whereas, I, S. K. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000|- and bearing No. Land measuring 13 bigha 13 bishwa situated at Village Toraf Rajputan Teh. Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panipat under Registration No. 3793 dated 14-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ch. Ranbir Singh s/o Ch. Parma Nand R/o 104 Model Town, Panipat.

(Transferor)

(2) M/s. Layalpur Rubber Mills, Jalandhar Through Shri Hans Raj Dhawan S/o Mahla Ram partner of the firm.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 13 bigha 43 bishwa situated at village Tarf Rajputan Tch. Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3793 dated 14-11-84 with the Sub Registrar, Panipat.

S. K. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Date: 10-7-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 5th July 1985

Ref. No. 7, 8, 9, and 10|Nov.84|R-II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred ncome-tax Act, 1901 (45 of 1901) (hereinalter electron to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Land and building at 197, Peters Road Madras

situated at Madras-14

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer 1113[84, 115]84|Madras Central|Dec. No. 1106[84, 1112184 on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. Ammini Joshua, 15, Balfor Road, Madras-10.

(2) Sri G. Ganesan, 3, Desikachari Road, Madras-18.

(2) Sri V. M. Syed Ahamed, 9, Nallappan Street, Madras-4. Miss Sajeetha Begam, 188-1, Hospital Road, Koothanallur.

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 197, Peters Road, Madras-14 Madras Central[Doc. No. 1106]84, 1112[84, 1113]84 and 1115]84

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nervine namely:-

Date: 5-7-1985

FORM ITNS ---

 Smt. Malathi w/o V. Somasundaram, Widow of M. R. Rajasekaran, No. D. 52, Anna Nagar, Madras.

(2) Sri K. Bhakyaraj, No. 8, V Cross Street, Lake Area, Nungambakkam,

Madras -34.

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th July 1985

Ref No. 16|Nov.84|R.II.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
Agricultural land in S. Nos. 759|2, 759|3, 824|1, 824|2
824|4A, 824|4B, 826|2
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Ollice of the Registering Officer at
Madras Central|Doc. No. 1124|84 on November 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Agricultural land at S. Nos. 759|2, 759|3, 824|1, 824|2, 824|4A, 824|4B, 826|2.

Madras Central Doc. No. 1124 84

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been any which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1987);

MRS. M, SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-to Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 5-7-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd July 1985

Ref. No. 17 Nov.84 R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Rs. 1,00,000 and 1,000 an Agricultural lands in S. No. 836 1, 836 3 with 10 H.P. Motor (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central Doc. No. 1125 84 on November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evaden of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Ind an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Jayalakahmi, Erunapatti Village Madathur Chetty Gardon, Periyar Dist.

(Transferor)

(2) Mr. K. Bakyaraj, No. 8, Fifth Cross Street, Lake Area, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands in Survey No. 836|1, 836|2 together with 10 HP Motor.

Madras Central Doc. No. 1125 84

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 5th July 1985

Ref. No. 18|Nov.84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000l, and hearing No.

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Bhavani Taluk, Kurinji village situated at Bhavani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central Doc. No. 1126 84 on Nov. 1984

Madras Central Doc. No. 1726 84 on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Ast, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferon for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Jayalakshmi Ammal W/o Athianna Gounder, Madathin Chetty Street, Erumalpatti Village, Sangagiri.

(Transferor)

(2) M|s. Raja Farm, No. 10, Lake Area, II Cross Street, Nungambakkam, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land: Kurinji Village, Bhavani Taluk. S. No. 825|1.

Madras Central|Doc. No. 1126|84

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 5-7-1985

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 5th July 1985

Ref. No. 24|Nov.84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the landary movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Rs. No. 1585, Kasthuri Range Street, Mylapore, Alwarpet

R.S. No. 1585, Kasthuri Range Street, Mylapore, Alwarpet (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central Doc. No. 1056 84 on November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which eaght to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mrs. Rajalakshmi Parthasarathy, 29, Kasthuri Ranga Street, Madras-18.

(Transferor)

Sri Ramesh Kumar Reddy,
 Sriman Srinivasa Iyengar Road,
 Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land: Kasthuri Ranga Street, R.S. No. 1585 part, 1576 part, Alwarpet, Mylapore.

Madras Central|Doc. No. 1056|84

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following regions, premely:

Date: 5-7-1985

Scal:

-186 GI/85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 5th July 1985

Ref. No. 25|Nov.84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Commetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central Doc. No. 1064 84 in Nov. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1937):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mls. Rosy Apartments and others, 4. Khader Nawaz Khan Road, Madras-6.

(Transferor)

 Smt. Pudma Unni w/o Narayanan Unni, Gopalapuram I Street. Madras.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaustie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the mid immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat: Undivided share 1700|42000, R.S. No. 1250|2, 1204|7, 81|5 Gopalapuram I Street, Madras.

Madras Central Doc. No. 1064|84

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-60000

Date : 5-7-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 5th July 1985

Ref No. 26 and 27|Nov.84|R.II.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

and bearing No. 27, Gopalapuram 1st Street,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central Doc No. 1065 and 1066 84 on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the persons, namely:—60—196GI 85

(1) Rosy Apartments and others, No. 4, Khader Nawaskhan Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) S/Shri K. Ramakrishna Iyer, K. R. Iyer, Smt. C. V. Rukmani Ammal, No. 28, 4th Trust Cross Street, Mandavallipakkam, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O fficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

HE SCHEDULE

I and: 27, Gopalapuram Frist Street, Madras-86, Madras Central Doc. No. 1065, 1066/84

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11.
Madras-600006

Date : 5-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th July 1985

Ref. No. 30|Nov. 84|R.II.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
No. 23-A. Sir Daslka Road, Madras-4
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Madras Central|Doc. No. 1076|84 on Nov. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and the
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferi and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

 Sri S. Chandrasekaran and S. Viswanathan, 120, Sullivans Garden St., Madras-4.

(Transferor)

 Sri Chhotalal Nanalal Shah and others,
 14, Cathedral Road, First Floor, Madras.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: 23A, Sir Deslka Road, Madras-4, Madras Central Doc. No. 1076 84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely;—

Date: 5-7-1985

Scal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th July 1985

Ref. No. 68|Nov. 84|R.II.—Wheeras, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Old Door No. 4|130, New No. 644, Nungambakkam, Anna

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights Doc. No. 469 84 on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mrs. Chitra Naidu, 20, Asperin Garden, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

 Mls. Madras Investment and Construction, 192, Lloyda Road, Madras-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sand handers able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: New No. 644, O. S. No. 96, R. S. No. 44/14 part, Nungambakkam, Anna Salai.

Thousandlights Doc. No. 469 84.

MRS. M. SAMJEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomet as Acquisition Pance-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 4-7-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th July 1985

Ref. No. 70|Nov. 84|R.II.--Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Land at No. 18 and 19, Nungambakkam R. S. No. situated at Madras-34 528|45140 undivided share, High Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thounsandlights Doc. No. 480|84 on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limberty of the transferon to pay tax under the said Act, in respect on any memore assume troin the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any momeous or any momeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said ct, I heleby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under sub-section) of Section 2690 of the said Act, to the following cons, namely:

 Mls. Markland (P) Ltd., C—2C, Nungambakkam High Road, Madras-34.

(Transferor)

(2) M/s, Farmers Forum (P) Ltd., G.84, Anna Nagar, Madras-102.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land: 528|45140 undivided share in Nungambakkam High Road, door No. 18 and 19, Madras.

Thousandlights Doc. 480 84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Fange-II, Madras-600 006

Date: 4-7-1985

Scal :

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-Π, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th July 1985

Ref. No. 75|Nov. 84|R.II. -Whereas, I, MRS. M. SAMUEL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ta. Act, 1961 143 of 1961) (hereinefter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and hearing No. 1, Krishnama Road, Nungambakkam, Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights Doc. No. 503 84 on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which enght to be disclosed by the ransferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri D. Rajagopalan and others, No. 1, Krishnamachari Road, Madras-34.

(Transferor)

(2) Miss T. Mashkura (Minor), represented by father and guardian Mr. T. Rafeeq Ahmed, 26, Vepery High Road, Periament, Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquiretion of the said property may be made in writing to the unacraigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the sorvice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building in Door No. 1, Krishnama Road, Nungambakkam, Madras-34.

Thousandlights Doc. No. 503]84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Impleme Asserted Congressioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Madras-600-000

Date: 4-7-1985

(1) Mrs. Usha P. Nair. 943, Poonamallee High Road. Madras-84,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri D. Mamutty Haji and others, 138, Broadway, Madras-108.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd July 1985

Ref. No. 93|Nov. 84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeimeter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value excooling Rs. 1,00,000 and bearing House and ground No. 943, Poonamallee High Road, Madras-

84

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

of 1908) in the Office of the Registering Officer at Purasawalkam/Doc. No. 1914/84 on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of suc! apparent consideration and that the consideration for suc! transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

and /or

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: No. 943, Poonamallee High Road, Madras-84.

Purasawalkam Doc. No. 1914 84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 2-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMESTAX

ACQUISITION PANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd July 1985

Ref. No. 105|Nov. 84|R,II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Antiverity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the safe Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 86, Secretariat Colony, 7th St., situated at Kilpauk, Madras-10

Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Purasawalkam|Doc. No. 2036|84 on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with object of --

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri A. Murugan, No. 9, Lattanga Road, Vepery, Madras-600 007.

(Transferor)

(2) Mrs. D. Sushila, No. 86, Secretariat Colony, 7th St., Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: 86, Secretariat Colony 7th St., Kilpauk, Madras-10.

Purasawalkam/Doc. No. 2036/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 3-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd July 1985

Ref. No. 131|Nov. 84|R.II.---Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereina ter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Vacant land—in T. S. No. 7053, Block No. 113 Old No. 10,

Lodikhan St., T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

T. Nagar Doc. No. 1360/84 on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid receeds the apparent consideration therefor by more than Piteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri P. M. Sreenivasan and others, No. 7, Lodi Khan St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri T, Kranthi Kumar, No. 27, Tilak St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacent Land: 3 grounds (7200 sq. ft. in T. S. No. 7053, Block No. 113, Old S. No. 54, 68, 69 1, part of No. 7 (Old No. 10), Lodi Khan St., Block No. 20, T. Nagar, Madras-

MRS. M. SAMULU Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 0c6

Date: 2-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th July 1985

Ref. No. 141|Nov. 84|R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tha Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 75, Venkatarangam Pillai St., situated at Triplicane. Madras-5

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been considered and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

Triplicane Doc, No. 782 84 and 783 84 on Nov. 1984 to an apparent consideration which is less than the fair may bet value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of our imome arming from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Arr or the Weal Act, 1957 (27 of 1957); or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,:--61-196GI 85

(1) 1. Sri M. O. Alasingarachari, 2. M. O. Tirunarayanan

by Power Agent M. O. Narasimhan, 12, 19th Cross Road,

Bangalore-55,
3. Sri M. O. Parthasarathy and
4. M. O. Ravi Chander,
15|12 B. Bharathi Park, Cross Road, No. II, Coimbatore-641043.

(Transferor)

(2) Sri N. Shanthilal, Rosary Church Road, Mylapore, Madras-600 004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sail Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: 75, Venkatarangam Pillaj St., Triplicane, Madras-5.

Triplicane Doc. No. 783 84 and 782 84.

MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 5-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-14X ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd July 1985

Ref. No. 145 Nov. 84 R.II.—Whereas, I,

MRS, M. SAMUEI., being the Competent Authority under Section 269B of the income-tait Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ro. 1,00,000 and bearing No.

Uthukuli, Pollachi, situated at Thiruppur (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pollachi Doc. No. 2205, 2206, 2207 84 on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lint lety of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and lor
- b; racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said aft. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D 4f the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri A. M. R. Mohan Raj, Kalingarayar, slo Agathur Muthuramasamy, Kalingarayar Jameen, Oethukuli.

(Transferor)

(2) 1. Sri Ganesa Mudaliar, s o Muthusamy Mdr, Mahalingapuram, Pollachi,

2. Sri M. Marimuthu Mudaliar, slo Muthusamy Mdr.

Mahalingapuram, Pollachi.

Sri Subramania Mudaliar, slo Muthusamy Mdr. Mahalingapuram, Pollachi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Oothukuli Village, Pollachi, Thiruppur, Pollachi Doc. No. 2205, 2206, 2207/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

D.45 3-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd July 1985

Ref. No. 150|Nov. 84|R,II.—Wheeras, I , MRS. M, SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Ootacamund Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Uthagamandalam Doc. No. 908|84 on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fastitisting the reduction or avasies of the insbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Hebron Schools Association
by Executive Council Members,
2. Park Parky John Wesley Janking a

 Rev. Barry John Wesley Jenkins and
 Joanathan Cecil Ingleby, Oolacamund

(Transferor)

(2) Smt. Kappini, w/o Muthappa Gowder and others, Glenrock Road, Ootacamund,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 37—10|16 cents in R. S. No. 4221|1A of Ootacamund

Uthagamandalam Doc. No. 908|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

 $D_{\rm PHc}=3\text{-}7\text{-}1985$ Seal .

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd July 1985

of transfer with the object of : --

Ref. No. 151|Nov. 84|R.II.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property between 100 000/s. property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
"Willingdon Cottage" situated at R. S. No. 4085|1, S. No. 4085|2A S. No. 4075|1
(and ruore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Uthagamandalam Doc. No. 915 84 in November. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 3957 (27 of 1957);

(1) Smt. Margret (Peggy) Turner and another, Ladies Club, Maplecroft, Ootacamund.

(Transferor)

(2) Sri Joseph Prabhu, Willingdon Cottage, Ootacamund.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land: R. S. No. 4085[1; S. No. 4085[2A and S. No 4075] 1, and Bldg: "Willingdon Cottage"

Uthagamandalam Doc. No. 915/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd July 1985

Ref. No. 152|Nov. 84|R.II,-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Coropetent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable as the said Act'), have reason to believe that the immovable as the said Act'), have reason to believe that the immovable as the said Act'), have reason to believe that the immovable as the said Act'), have reason to believe that the immovable as the said Act'), have reason to believe that the immovable as the said Act'), have reason to believe that the immovable as the said Act'). property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

1.22 acres land in R. S. No. 773 2B1A1, situated at Ootaca-

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Uthagamandalam Doc. No. 916 84 on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or thesaid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Estate of Rani Pushpavathi Vidyavathi Devi. Maharani of Vijayanagaram, 31, South Bank Road, Mandavalli, Madras-28. 2. Karamjit Singh Gill, Dilkush Mahal, Ootacamund.

(Transferor)

(2) Sri S. M. Abdul Shukoor, Slo Mohd. Ibrahim, Frome Lodge, Finger Post, Ootacamund.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a persot of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at: Ootacamund, Uthagamandalam Doc. No. 916 84 & 917184

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 3-7-1985

FORM ITNS------

Sri L. Ramaiah,
 Slo Sri M. Lakhiah,
 Gounder Kandal, Upper Road,
 Ooty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mr. Balakrishnan, Slo Sri M. R. Sreenivasan, Club Road, Ooty.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th July 1985

Ref. No. 153 Nov.84 R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Nilgiris situated at Ooty (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Uthagamandalam Doc. No. 873 84 in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heroig as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

any or for

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at Ooty; Nilgiris, R.S. No. 32, Uthagamandalam Doc. No. 873 84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-7-1985

28393

FORM ITNS ---

(1) Sri A. K. Palanisamy and others, Attaiampalayam.

(Transferor)

(2) Smt. R. Suseela, Wo Sri Malli Chettiar, Avanasi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME LAY ACT, 1961, (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras600 006, the 4th July 1985

Rel. No. 155|Nov. 84|R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUFL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Land

situated at Avanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Avanashi Doc. No. 1591 84 in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzate

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Property as specified in schedule to doc. No. 1591[84. Avanasi|Doc. No. 1591[81.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 4th July 1985

Ref. No. 157 Nov. 84 R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

1,00,000]- and bearing
Palladam, Veerapandy Village situated at Thiruppur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Tiruppur|Doc. No. 1894|84 in November, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason for

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Parvathiammal,
W|o Subbaraya Chettiar,
4. Thennampolayam, Thiruppur Town.

(Transferor)

(2) Sri G. Jagannathan, Slo Sri P. R. Govindasamy Gounder Royappapuram, Thiruppur Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : Veerapandy village, Palladam Taluk, Thiruppur, Taluk.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 4-7-1985

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri K. Krishnan and others, Ayodhya, 8 North Huzur Road, Coimbatore.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri K. K. Ramasamy, For Coimbatore Dt. Small Scale Industries Association.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd July 1985

Ref. No. 160|Nov. 83.—Whereas, I, MRS. M. SAMUFIL., being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Survey No. 185, Town Survey No. 1|94,
situated at North Huzur Road, Coimbatore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Coimbatore|Doc. No. 4769|84 in November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (110f 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at North Huzur Road, (Traveller's Bungalow Road), in Survey No. 185, Town, Survey No. 194, Coimbatore.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 C06

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely: 62-196GI 85

Date: 3-7-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th July 1985

Ref. No. 163|Nov.84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property, having a rair market value exceeding Ro. 1,00,000, and bearing Sanganoor Village, T.S. No. 12|25 situated at Site No. 8, Coimbatore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer a Gandhipuram|Doc. No. 4368|84 in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as after the perfect of the property as a street of the property and the profiles have not been trained as after the consideration. between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sri N. Shanmugasundaram, So Sri A. Nanjappa Chettiar, No. 833, West Portobellow, Mesa Arizona State, USA-By Power Agent A. Nanjappa Chr. Soo Sri Ankana Chettiar, No. 20, East Thiruvengadasamy Road, R.S. Puram, Combatore.

(Transferor)

(2) Sri M. Manohar. Slo Late Mndhava Prabhu Apartment, C-3, Vijay Apartments, 405, Thadagam, Road, R.S. Puram, Coimbatore-40.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land: -- Sanganoor Village, T.S. No. 12|25 Colmbatore Taluk Gandhipurain Doc. No. 4368 84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 005

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D (1) of said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-7-1985

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd July 1985

165|Nov. 84|R. II.—Whereas, I, Ref. No. 165|No MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Sanganur Village situated at Coimbatore Town (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram Doc. No. 4370 84 in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the imbair? of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri R. Sivaraman, S|₀ Sri Ram Krishna Bhagavan 15|5, Janakar Nagar, Coimbatore.

(Transferor)

 Smt. Sedha Ammal Wo Sri A. R. Vedhanayaga Mudaliar, Shanmuga Nilayam, Anamalai, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Sanganur Village, Coimbatore Town, Gandhipuram|Doc. No. 4370|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 3-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI MADRAS-600 006

Madras600 006, the 4th July 1985

Ref. No. 200]Nov.84]R.II.—Whereas, [, MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 45, New No. 61, Nehru St., situated at Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry Doc. No. 2213 84 in Novtmber, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the ollowing persons, namely:—

(1) 1. Smt. Mecnakshiammal Minor Babu alias Murugan,

 Sri Somasundaram, 100, Kalvey Subbaraya Chettiar St., Pondicherry-1.

(Transferor)

(2) Sri Subramania Mudaliar alias Palaniandi,12, Mariamman Koil St.,Kadingamam, Pondicherry-9.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Old No. 45, New No. 61, Nehru St., Pondicherry.

Doc. No. 2213/84/Pondicherry.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 4-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th July 1985

Ref. No. 201|Nov. 84|R. 11.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tart, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 1 and and building, Nehru St. situated at Pondicherry

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry Doc. No. 2214 84 in November 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Smt. Meenakshiammal Minor Babu, 2. Sri Somasundaram, 100, Kalvey Subbaraya Chettiar St., Pondicherry-1.

(Transferor)

(2) Smt. Dhanabaghyam, 12, Mariamman Koil St., Kadirgamam, Pondicherry-9.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building:—Nehru St., Pondicherry Town. Pondicherry [Doc. No. 2214]84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the skd Act to the following persons, namely.—

Date: 4-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd July 1985

Ref. No. 203 Nov. 84 R.II. - Whereas, I, MRS. M. SAMÜEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to me the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Door No. 29, Ward D. Block No. 30, T.S. No. 49, R.S. No. 239, Romain Rolland St., situated at Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry Doc. No. 2689 84 in November 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

- (1) 1. Sri Dicudonne Lourdessamy S[o Late Sri Dicudonne Sandanasamy, 12, Sominathan Building, I'illaithottam, Pondicherry.
 - Smt, Diedonne Aroquiamary Wo Sri Volcy Mathians, 3|31, Kasturbai Gandhi St., Netaji Nagar, Pondicherry,
 - Smt. Dieudomma Egalamalle, Wlo Late Ponlain Joseph, 36. Romain Rolland St., Pondicherry

(Transferor)

(2) M[s. Akar Associates, No. 2, Rue Victor Simond, Pondicherry by partners: Arvind V. Mistry and others.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 29, Ward D. Block No. 30, T.S. No. 49, R.S. No. 2391 Romain Roland St., Pondicherry. Pondicherry Doc. No. 2689 84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Il
Madras-600 006

Date · 3-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd July 1985

Ref. No. 215 Nov.84 R.II—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

2-A Monthorehiae St., situated at Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry Doc. No. 2762 84 in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeand property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-ta Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submedian (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Christop Marry Joseph Zerar Francein Sle Su Francin Perianayagam, and another, No. 10, Mondorchiae St., Pondicherry-1.

(Transferor)

 Sri Telis Arma, S|o Sri Telis Andhuvan, and another, No. 27, Natesan Nagar, Pondicherry-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building:—2-A Mondorchiae Veedhi, Pondicherv.

Pondichery Doc. No. 2762 84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Competing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 3-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd July 1985

Ref. No. 216|Noc.84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair marke value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing

Dry land at Kurumambakkam Village situate at Bahour Commune,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondichery Doc. No. 2777 84 in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor te pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Aroul Devadoss Gandhi Armel and another, Rangapillai St., Pondicherry-1.

(Transferor)

(2) M/s. Madhu Leathers Pvt. Ltd. 445/1, 6th Cross 7th Block, Kanakapura Road, Bangalore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry Land: Kirumambakkam Village, Bahour Commune, Pondicherry.

Pondicherry Doc. No. 2777 84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 2-7-1985

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-II MADRAS-600 006

Madres-600 006, the 4th July 1985

Ref. No. 217|Nov.84|R.JL.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

Dry Land situated in MangalamVelli Vadamangalam village, Villianupr Commune, R.S. No. 16[1, 16]2 and

16 4 situated at Fondicherry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been (transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vilhanut Doc. No. 1111 [84, 1112]84 and 1113 [84 in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer applies
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—63—196GI|85

(1) Sri Dhanapal Chettiar, 2. Smt. Meenakshi 3. Pavadaj Chettiar, 4. Ramanathan Chettiar, 5. Subbarayan Chettiar, Mangalam Village, Pondicherry, Kamatchi alias Kokilambal, Wlo Radhakrishna Reddiw, Sellancheri Village, Pondicherry, Mrs. Krishnaveni Ammal Wlo Sundara Reddiar, Mangalam Village, Pondicherry,

(Transferor)

(2) Messrs. Pond's (I) Ltd. 26, Commander-in-Chief Road, Egmore, Madras-60e 105.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Dry land situated at Mangalam Veli, Vadamangalam Village Villianur, R.S. No. 16|1, 16|2 and 16|4 Villianur| Doc. No. 1111|84, 1112|84, 1113|84.

MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 4-7-1985

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11 MADRAS-600 006

Madras-600,006, the 4th July 1985

Ref. No. 224 Nov. 84 R.II. - Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Door No. 25, Perumal Koil Sannadi St.,

situated at Nagapattinam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering

Officer at

Officer at Nagapattinam Doc. No. 1224 84 in November 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in gampet of any income arising from the transfer;
- (e) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) Sri S. Balasubramanian, 25, Perumal Koil Sannadhi St., Nagapattinam. (Transferor)
- (2) Smt. B. Megnakshi, Wo S. R. Balasubramanian 25, Perumal Sannadhi, Nagaputtinam. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 25, Perumal Koil Sannadhir St., Nagapattinam. Nagapattinam Doc. No. 1334 84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 4-7-1985

(1) Shrimathi D. Saroja Wo M. Thiagarajan, No. 44, South Koovam Salai, Madras-2. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri E. Govindarajulu Naidu, Soo Sri Kuppusamy Naidu, No. 1, Yadaval St., Poondamaliee, Madras-56. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th July 1985

Ref. No. 139|Nov.84|R.II.-Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL,

MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
No. 171, Pycrofts Road, Royapettah, situated at Madras-17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred, and registered, under the Registration.

has been transferred and registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at

Triplicanc Doc. No. 769 84 in November 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building: 171, Pycrofts Road, Royapettah, Madras-17. Triplicane Doc. No. 769 84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority

> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-7-1985

FORM ITNS----

(1) Mr. Laxmishwar Choudhary.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. J. J. Chatlani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III]37EE[14481]84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing
No. Unit No. 126, 1st fl. Guru Gobind Singh Indl. Estate, Wester Express Highway, Goregaon (E), Bombay-63

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 126, 1st fl. Guru Gobind Singh Indl. Estate, Wester Express Highway, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III | 37.EE | 14481 | 84-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985

FORM ITNS-----

(1) Shri Mausukhlai Pranlal Popat, Smt. Kusum Mansukhlal Popat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vinod Dhudalal Parikh.

.(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Rei. No. AR.II|37EE|14739|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat No. I Ground floor, Building No. 1, in Laxme Estate Co.op Housing Society Ltd., Old Nagardas Road, Andheri (East), Bombay-69

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property av be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, Building No. 1, Laxmi Estate Co.op Housing Society Ltd., Old Nagardas Road, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.U[37EE]14739[84-85 on 19-11-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Rembay

Date: 8-7-1985

(1) Mr. V. D. Lakhani & Ors.

(Transferor)

(2) Shri I. B. Sinha & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMME SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14264|84-85.-Whereas, J. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inunevable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

and bearing
No. Flat No. B|63, 6th Fl. Nalanda-II, Plot No. 32 & 33,
Village Valnai, Off Marve Road, Malad (W), Bombay-64.
situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax xunder the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferon for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act. 1957 (27 ed 1967):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B|63, 6th fl. Nalanda-II, Plot No. 32 & 33 Village Valnai Off Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,III 37.EE 14264 84-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this nectes under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, samely:-

Date: 8-7-1985

(1) Mr. Narang Lal Podar.

(Transferor)

(2) Shri Murari Lal Mohan Lal Jalan.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III ROMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37ΕΕ|14577|84-85.--Whereas, I, Λ. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. Hat No. 34, 4th fl. Malad Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Podar Park, Malad (E), Bombay-64

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of causing with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax leet, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 34 Malad Co-op Hsg. Sct. Ltd. Podar Road, Bldg. No. 4, Podar Road, Podar Park, Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. $AR.\Pi I [37EF] 14577 [84-85]$ dated 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

FORM ITNS....

(1) Deepak Puilders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Neema Nazir Parkar.

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period explres later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. ΔR. III|37-EF|14220|84-85.—Whereas I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bonding Flat No. 108, 1st fl. Bidg. No. 6. Kapadia Nagar, CST Rd.

Kurla West, Bombay-70. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Vidyanagari Marg, Kurla, Bombay-70 has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason value of the property as to believe that the fair market aforesaid exceeds the apparent coansideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay eax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 108, 1st fl. Bldg. No. 6, Kapadia Nagar, CST Rd. Kurla West, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III 37-EE 14220 84-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforegoid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 8-7-1985

Scal:

(1) Mr. B. t. Mittal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr Arun Narayan Nagre.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.EF|14776|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereixafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 14, Nidhi Apt. No. 1, Plot No. CTS No. 419 Liberty Garden, Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the valid instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as

are defined in Chapter XXA of the said Act

shall have the same meaning as given in
that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been est which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Flat No. 14, 1st fl. N.dhi Appatments, No. 1 Liberty Garden Malad (W), Bombay-64.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competers Authoricy, Bembay under No. AR.HH[37.J]E[14776]84-65 dated 1-11-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A:t, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Acr is the following persons namely:—

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985

SeaI :

(1) Pavan Kumar Jain (HUF) & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bhawarsingh M. Chadana & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|14417|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing

No. Shop No. 15, Dwarkesh, Bldg. at Rani Sati Marg, Malad (E), Bombay-97.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the treasferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 15, Dwarkesh Bldg, at Rani Sati Marg, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 14417 84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 8-7-1985

Şeal :

(1) Smt, Ushaben L. Mehta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s Ashwin Industries.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|14263|84-85.--Whereas, 1, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Gala No. 129, first fi. Sonal Heavy Indl. Estate, Ramchandran Lane, Malad (W), Bombay-64

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any rioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if say, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 129, first fl. Sonal Heavy Indl. Estate Ramchandra Lane Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Connectent Authority, Bonnbay under No. AR.III | 37EE | 14263 | 84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

Date: 8-7-1985

(1) Smt. D. G. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Habib Mehtab Shaikh,

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bomba, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37.1/E [14551]84-85.--Whereas, I, A. FRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinal er referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. Gala No. 85, Mehta Indl. Emate Liberty Garden Rd. No. 3 Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-ton Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unnafer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment c my meome or any enoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-lax Act, 1922 (11 of 1922) or the said tor or the Weslib-tan Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance in section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26912 of the said Act to the following persons namely

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 86, Mehta Indl. Estate, Liberty Garden Rd. No. 2, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Borrbay under No. AR.III 37.EE 14551 84-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985

FORM I.T.N.S.---

M|s Manali Corporation.
 Dr. Dineshchandra Sharma.

(Transferor)

(Tiansferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ret. No. AR,III|37.EE|14310|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

heing the Competent Authority under Section 269B of the recome 'Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. 14at No. 63, 6th fl. Manali Bldg. No. 5, Village Valnai, Madad (W). Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties his not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The volume and expressions used below as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer end or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1967);

Hat No. 63, 6th fl. Manali Bldg. No. 5, Village Valnai Malad (W), Rombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bort buy under No. AR.III[37.EE]14310]34-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection () of Section 269D of the said Act, to the following persons ramely ;-

Date: 8-7-1985

FORM 1.T.N.S.—

(1) M|s. Karmali Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

(2) Mrs. Mehmooda Rahmatullah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III]37.EE]14245]84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tas. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 202, Rukniya Place, Somwar Badar, Malad (W), Bombay -64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the "ransferee for the purposes of the Indian Income-tux Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-2(2, Rukaiya Place, Somwar Bazar, Bombay Talkies compound, Malad (W), Bombay-64.

The agreemen: has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 14245 84-85

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Hombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

dated 8-7-1985. Seal:

FORM ITNS--

(1) M|s. Karmali Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Rashid Khan.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION' RANGE-JII, BOMBAY Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 14247 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. B-105, Rukaiya Palace Somwar Bazar, Behind Bom-

bay Talkies, Compound, Malad (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. B-105, Rukaiya Palace, Somwar Bazar, Behind Bombay Talkies, compound S. No. 388|2, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III|37.EE|14247|84-85 Authority, dated 1-11-84.

> A. PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incom-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

FORM TINS----

(1) M/s. Karmali Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. V. V. Nazare.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

erename

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37.FE 14248 84-85,---Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1361 (43 of 1961) (hereinster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]— and bearing Hat No. 104. Al-Sabah, Somwar Bazar, Behind Bombay Talkies, Compound, Malad, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by anore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person. whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, A1-Sabah, Somwari Bazar, Behind Bombay Talkies, Malad, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III 37.EE 14248 84-85 Authority, ldated 1-11-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the losur of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date 8-7-1985 Seal :

(1) M|s. Karmali Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

(2) Mr. G. V. Nazare.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 14246 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 103, A1 Sabha, Somwari Bazar, Behind Bombay Talkies C-Compound, S. No. 388|2, Malad, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by mote than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer to accordance to the period of the property as aforesaid to be transfer to the consideration for such transfer to accordance to the period of the period of the period of the period to the period of the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aferceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat ..o. 103 A1-Sabah, Somwari Bazar, Behind Bombay Talkies C-Compound, S. No. 388/2, Malad, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III|37.EE|14246|84-85 Authority, Bordated 8-7-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ac'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— 65-196GI 85

Date: 8-7-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. J. H. Ved.

(Transferor)

(2) Smt. U. N. Thakker.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 14544 84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

Office No. 32, Laxminarayan Shopping Centre, Poder Rd.,
Malad (E), Bombay-97

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 32, plot CTS No. 248, F.P. No. 5-A, Laxminarayan Shopping Centre, Poddar Rd., Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE|15539|84-85 dated 1-11-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date:, 8-7-1985

FORM ITNS

(1) Shri Prabhudas Bhimji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. S. P. Khandare.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 14546 84-85.—Whereas, J. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Office premises No. 124 & 127, 1st Il., Malad Natraj Mkt. Co.-op. Sct. Ltd., Malad (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of .unnafer with the object of .--

- tm) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer: and/or
- (D) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the West Street Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Office premises Nos. 124 & 127 1st fl. Malad Natraj Market Co-op. Sct. Ltd., Station Rd., Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 14546 84-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

No., therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date ', 8-7-1985

(1) Shri Brijesh V. Guria & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Reliance Builders & Developrs.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/14265/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing
Plot No. 14, Village Valnai Tal. Borivali, Malad (W),

Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by eany other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 14, Village Valnai Borivali, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37-EE|14265|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date, 8-7-1985

FORM ITNS----

(1) Shri B. C. Jadhwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rukashana Merchant.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|14480[84-85,-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 305, 3rd Fl., A-Wing, La-Chappelle CHSL., Near Evershine Nagar, Off Marve Rd., Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, inal/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305, 3rd fl. A-Wing, La-Chappelle C.H.S. Ltd Near Evershine Nagar, Off Marve Rd., Malad (W), Bombay-64

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE|14480|84-85 dated 8-7-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Seal:

Date: 8-7-1985

(1) Shri B. I. Guria & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Reliance Builders & Developers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

ÖFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|14266|84-85.---Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Plot No. 1, Village Valuai, Tal. Borivali, Malad West, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 1, Village Valnai, Taluka Borivali, Malad West, Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE|14266|84-85 dated 1-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Competent Authority Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 8-7-1985

Scal:

(1) Shri Jagdish Kumar Lalchand Curia & Ors. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Reliance Builders & Developers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|14267|84-85.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

Plot No. 15, Village Valnai Tal. Borivali, Malad, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15, Village Valnai, Tal. Borivali, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 14267 84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

Seal;

(1) M|s. Manali Corporation,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shakuntala Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14606|84-85.-Whereas, I,

A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

ks. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 61, 6th Fl. Manali Bldg. No. 5, Valnai Village, Malad (W),

Berabay-64

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 61, 6th fl. Manali Bldg, No. 5, Plot Nos. 48, 49 & 50, Valnai Villad, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent thority, Bombay under No. AR-III 37-EE 14606 84-85 Authority, Bomb dated 1-11-19884.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :--

Date: 8-7-85

FORM I.T.N.S .-

(1) Mr. Jawahar Kapoor,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sayad Abdul Kadar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37EE 14193 84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the improv-

Rs. 1.00,000/- and bearing
No. Shop No. 12, Gr. Fl. "Atlanta"
B-Wing plot No. 38, Off Valani
Village, Marve Rd. Malad Bombay-64.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair imarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen user cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; بد/ أنمه

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 12, Gr. Fl. Atlanta, B-Wing plot No. 38, Off Valnai Village, Marve Rd. Malad, Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EF|14193|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

66-196G1185

Date: 8-7-85

Scal:

FORM I.T.N.S.

(1) Narain P. Lakhani & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Premlata Fogla.

(Transferes)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14312|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Nalanda No. 1, Evershine Nagar,

Village Valnai, Marve Rd, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Naland No. 1, Evershine Nagar, plot No. 32, & 33, Village Valnai, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/14312/84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
_aspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-85

(1) Ms. Manali Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Avtar Singh Vermani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III]37EE|14308|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000 and bearing
No. Flat No. 11, 1st fi Bldg. No. 5,
Village Valnai, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objecti of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferot to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 1st fl. Manali Bldu. No. 5, Village Valrai, Malad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered by the Authority, Bothley unde No. AR.III 37EF 14308 84 35 date 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-85

FORM TINS- -

(1) M|s. Hemal Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vilas P. Ambre.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14410|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and benting No. Flat No. 34, 2nd fl. Hemal Apt. Village Malwani, Malad (W),

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tix Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 34, 2nd fl. Hemal Apartment, Village Malwani, Malad (W), Bombay.

agreement has been registered by the Competent y, Bombay under No. AR.III/37EE/14416/84-85 Competent Authority, Bom dated 1-11-1984.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 8-7-85

(1) M/s. Hemal Enterprises.

(2) Mr. B. N. Bhoir.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR,III[37EE]14413[84-85.---Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000; and bearing No.
No. 24, 1st fi. Hemal Apt.
plot No. 19, 41, Village Malwani,
Malad (W), Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the .ransferee for the purposes of the Indian Income-tix Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 'Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 24, 1st fl. Hemal Apt, plot hearing CS No. 19,41 Nos. 85|5, 96|1. At Village Malwani, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|14413|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date: 8-7-85

(1) M/s. R. G. Builders Pvt, Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Ajai Kumar Singh.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 169D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37FE|14465|84-85,-Whereas, I, A. PRASAD

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000]- and bearing No. Hat No. 502, 5th fi. "Atlanta" 'F' Wing plot No. 38, Off Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (1.7 of 1957)*

Now, therefore, in pursuance of Section 26%; of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the mid Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 5th fl. "Atlanta" F-Wing plot No. 38, Off Valnai, Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE[14465]84-85 dated 1-11-1984. Cornetent

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985

FORM I.T.N.S.~---

(1) Mjs. A. R. Qureshi & Co.

(Transferor)

() V. K. Dharmdas.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III | 37EE | 14544 | 84-85.—Whereas, I. PRASAD

being the Competent Authority

inder Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to elieve that the immovable property, having a fair market exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. lat No. A|203, 2nd fl. lew Green Apt. Turel Pakhadi land, Malad (W), Bombay-64.

ituated at Bombay

and more fully described in the schedule annexed hereto), as been transferred and the agreement is registered under ection 269AB of the Income-tax Act, 1991 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957):

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaining as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A|203, 2nd fl. New Green Apt. Turel Pakhadi Road, Malad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III[37EE]14544[84-85 dated 1:11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Lubin Enterprises,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. B. F. Monteire.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14544A|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here natter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. A|14, sixth fl. Village Valnai, J.B. Colony, Orlem, Malad, (W), Bombay-64. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule agreed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lubility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-14, sixth fl. Village Valnai, J.B. Colony, Orlem, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|14544A|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

FORM I.T.N.S.--

(1) M/s. Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rupa Ketan Pawaskar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37EE 14706 84-85.—Whereas, J, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing No. Flat No. 101, Gr. Fl. Ajit Park

'B', Somwar Bazar Rd. Malad (W),

Bombay-64, situated at Bombay

(and more fully described in the schedule anenxed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--67-196 GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, Gr. Fl. Ajit Park-B, Somwar Bazar Road Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III]37EE|14705|84-85 dated 1-11-1984. Competent

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985

Scal:

(1) Shri Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri S. D. Pathar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14685|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]— and bearing No. Flat No. 3 Gr. Fl. Shiv Kirti CHSL, Chincholi Bunder Rd. Malad West, Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for ar apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Gr. Fl. Shiv Kirtl C-H.S. Ltd. Chincholi Bunder Rd. Malad (W), Bombay-64.

ement has been registered by the Competent Bombay under No. AR.III 37EE 14685 84-85 The agreement has been Authority, Bordated 1-11-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III,

Date: 8-7-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Ms. Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. J. S. D'Zouza.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.IIII|37EE|14705|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Flat No. 107, first fl. Ajit
Park-B, Somwar Bazar Road, Malad (W),
Bombay-64, situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **₽**00 /01

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 107, first fl. Ajit Park, 'B' Somwar Bazar Road Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.III|37EE|14705|84-85 dated 1-11-1984.

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-7-1985

- (1) M|s. Desai Bhurke Associates.
- (Transferor)
- (2) Shri G. L. Bhola.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX · ACQUISITION RANGE-III,

BOMBAY Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.-III|37-EE|14437|84-85.--

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No. Flat No. 203, 2nd fl. A-wing Amugha Siddha Bld. Tural Pakhadi Rd. Molad, Bombay-64

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -- The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd Fl. A-Wing, Amugha Siddha, Tural

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III 37-EE 14437 84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 8-7-1985

FORM IT'NS

(1) M[s. Desai Bhurke Associates.

(Transferor)

(2) Shri R. N. Vadodariya.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-III 37-EE 14342 84-85 .--

Whereas, I, A. PRASAD,

whereas, 1, A. P.R.A.A.D., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the insmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. Flat No. 403, 4th fl. A-Wing Amugha Sindha Malad Tural Pakhadi Rd. Malad, Bombay situated at Rombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of -957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th fl. A-Wing Amugha Sidha, Malad Tural Pakhadi Rd. Malad, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III|37-EE|14342|84-85 under No. dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Bhanudas Anant Walwalkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-JII|37-EE|14622|84-85.--

Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs .1,00,000|- and bearing Flat No. 1 Gr. Fl., Bldg. No. 1, Wing-B Shiv Kirti Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Chincholi Bunder Rd. Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if say, to the acquisition of the said property stay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the sarvice of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Gr. Fl., Bldg. No. 1, B-Wing, Shiv Kirti Co-op. Hsg. Sct. Ltd., Chincholi Bunder Rd. Malad (W), Bombay-64. The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-III|37-EE|14622|84-85 Authority. Bondated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-7-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) M|s. Manali Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Chitra Bancriee & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-III|37-EE|14817|34-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/-and bearing No. Flat No. C-34, 3rd fl. Malnali Bldg. No. 3, Plot No. 48, 49 & 50 Valnai Village, Malad (W), Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable. property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. C-34, 3rd fl. Malnali Bldg. No. 3, Village Valnal,

THE SCHEDULE

Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJII|37EE|14817|84-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

FORM I.T.N.S .---

(1) Mls. Manali Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Vijay Srirangan & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-III 37-EE 14309 84-85,-

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. A-13, 1st fl. Manali Bldg. Village Valnai, Malad

(W), Bombay-64. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

whichever period expires later;

from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-13, 1st fl. Manali Bldg. No. 1, Village Valnai, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under No. AR-JII|37-EE|14309|84-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Bombay

Date: 8-7-1985

- (1) Mr. K. L. Talreja.
- (Transferor)
- (2) Mrs. B. M. Bhavnani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-III|37-EE|14360|84-85.--

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No.

Flat No. 0-2, 1st fl. Haridwar-1, Off Marve Rd. Malad (W), Bombay-64 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely is 68—196GI85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 0-2, 1st fl. Haridwar-1, Off Marve Rd. Malad-(W) Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III 37-EE 14360 84-85 Authority, Borndated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 8-7-1985

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt, Ltd.

(Fransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jagdeep J. Cza.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-III]37-EE|14623|84-85.---

Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing Flat on Gr. F. Bldg. No. 1-B-Wing, Shiv Kirti CHSL, Chincholi Bunder Rd. Molad (W), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 192. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein so are defined in Chapter XXA of the saw Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on Gr. F. Bldg. No. 11, B-Wing Shiv Kirti C.H.S. Ltd. Chincholi Bunder Rd. Malad (W), Eombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37-EE/14623/84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III Bombny

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-7-1985

FORM ITNS -

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Keshav Gangaram Solvi.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-III|37-EE|14624|84-85.--

Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269 B of the the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 2, Shiv Kith C.H.S.L. A-Wing Chincholi Bunder Rd. Malad (W), Bombay-64, situated at Bombay, (and more tully described in the Schedule appeared beauty)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the inbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 2, Bldg. No. 1-A-Wing Shiv Kirit C.H.S. Ltd. Chincholi Bunder Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III|37-EE|14624|84-85 dated 1-11-1984.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

A. PRASAD Competent Authority

Bombay

Acquisition Range-III

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this votice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Anant Baburao Dalvi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACOUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No. Flat No. 5, 1st fl. Bldg. No. 1, Shiv Kirti Co-op-Hsg. Sct. Ltd. Chincholi Bunder Rd. Malad (W), Bombay-64. situated at Hombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferrel and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ca

Flat No. 5, 1st Fl. Bldg. No. 1, Shiv Kirti Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Chinnels Sunder Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-III|37-EE|14625|84-85 dated I-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

Scal :

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

IOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. V. N. Parab.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-III|37-EE|14627|84-85.— Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,000,000]- and bearing Flat No. 55, 3rd fl. Eldg. No. 2, Chincholi Bunder Rd. Malad

(W), Bombay-64.

vituated at Bombay

has been transferrel and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- 'b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Flat No. 55, 3rd fl. Bldg. No. 2, Chincholi Bunder Rd. Maiad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III|37-EE|14627|84-85 dated 1-11-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 8-7-1985

FORM ITNS-----

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri N. L. Kotian.

RING AND ADMINISTRAÇÃO DE CONTRAÇÃO DE LA SULVEIXA DE LA SULVEIXA DE LA SULVEIXA DE CONTRAÇÃO DE LA SULVEIXA DE LA SULVEIX

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|14626|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

the the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Fiat No. 15, 3rd floor Bldg. No. 1, A-Wing Shiv Kirti CHSL, Chincholi Bunder Road, Malad (W), Bombay-64.

situated at Bomaby

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of granafor with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 3rd floor Bldg. No. 1, A-Wing, Shiv Kirti C.H.S.L. Chinchili Bunder Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 14626 84-85, dated 1-11-1984.

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dato: 8-7-1985

Soal:

(1) M/s. A. R. Qureshi & Co.

(Transferor)

(2) Mls Vinoo Clinic.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|14543|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

and bearing No.

**Receding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

**Flat No. A-1, Gr. Fl. New Green Apt. Turel Pakhadi Road,

**Valad (W), Bombay-64

[and more fully described in the Schedule annexed hereto),

**Leading Translation of the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competen Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the falt

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-(1), Gr. Fl. New Green Apt. Turel Pakhadi Road, Malad (F), Bombay-64. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 14543 84-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following percons. namely :---

Date: 8-7-1985

FORM ITNS----

(1) Mls Nitesh Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Motiram K. Lotlikar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|14105|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]. and bearing

Flat No. 201, 2nd fl. Akash Ganga Bachani Nagar Road,

Malad (E), Bombay-97 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 201, 2nd fl. Akash Ganga, Bachani Nagar Road, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III]37.EE.14105|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: :8-7-1985

Feal:

(1) M|s Chitanya Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Eshaque Gafoor Momin.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III]37.EE|14725|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section

269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Shop No. 3, Gr. Fl. Plot No. A, Malad, Bombay

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground Fl. Plot No. A, CTS No. 585, Krishna Baug, Muktabaug Lane, Malad, Bombay.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE|14725|84-85 dated 1-11-1984.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
9 —196GI|85

Date: 8-7-1985

(1) Mrs. V. N. Kamdar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. P. Pandey.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Pombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|14508|84-85.--Wherea, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Shop No. 5, Gr. Fl. Village Valnai, Rajendra Vihar Apt. Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclored by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Gr. Fl. Rajendra Vihar Apartment, Plot No. 28, Survey No. 26, Village Valnai, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay pnder No. AR.III|37EE|14058|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985

(1) Poluru V. Naidu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Partner of Mis Punit Diamonds.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 14075 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Office bearing No. 31, iaxminarayan Shopping Centre Podar Road, Malad (E), Bombay-97

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this not
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 31, Plot CTS No. 348 F.P. No. 5-A Laxminarayan shopping Centre, Podar Road, Malad (E), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARAIII/37.EE14075/84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 14750 84-85.--Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

Plot No. G. Rani Sati Nagar, S. V. Road, Opp. State Bank
of India Malad (W), Bombay-69
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mls Nirman Const. Pvt. Ltd.
- (2) Ramsakal Busrath Gupta.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot N. G. Rani Sati Nagar, S.V. Rd. Opp. State Bank of India Malad (W), Bombay-64.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 14750 84-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

(1) M|s. Laxmi Arts.

(Transferor)

(2) Mr. N. K. Mehta.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, вомвлу

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37-EE|14727|84-85.--Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the

mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and, bearing Gala No. 87, Mehta Indl. Premises Co-op. Sct. Ltd. Garden Rd. No. 3, Malad (W), Bombay-64, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority. of the Competent Authority

Bombay on 1-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market vaue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) faccilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1744 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 87, in Mehta Indi. Premises Co-op. Sct. Ltd. Garden Road No. 3, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37-EE|14727|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent_ Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-7-1985.

28456

FORM ITNS-

(1) M/s. Arunkumar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Fleix D'Costa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37-EE|14318|84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat No. 15, 4th fl. Mith Chowki, Sai Baba Park, Abhilasha Blg. Malad (W), Bombay-64,

fund more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the correlation of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 4th fl. "Sai Baba Park" Abhilasha Bldg. Mith Chowki, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37-EE|14318|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Date: 8-7-1985.

(1) M/s. B. H. Const. Co.

(2) Mr. T. P. Paul.

(Transferee) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III[37-EF]14322[84-85,-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 3, Gr. Fl. Village Valuai, Malad (W), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Officer at S.R. Pathankot on Nov. 1984

Bombay on 1-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transfetor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Art. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

lat No. 3, Village Velnai, Orlem D'Monte Lane, Molad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.III|37-EE|14322|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following remons namely

Dale: 8-7-1985.

FORM ITNS----

(1) Mr. R. N. Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. K. Doglia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37-EE|14296|84-85.-Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Shop No. 1, Gr. Fl. Kaustubha Nagar, Ramchandra Lane
Extn. Malad (W), Bombay-64
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), tand more sumy described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-11-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facil tating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Shop No. 1, Gr. Fl. Kaustubha Nagar plot No. A of sub Div. plot Nos. A3 to A6, Ramchandra Lane Extn. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37-EE 14296 84-85 dated 1-11-1984,

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Asett. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 8-7-1985.

FORM I.T.N.S.---

(1) M|s. Span Builders & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. D. Desai & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37-EE 14582 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Shop No. 10, Quarry Road Malad (E), Subhlaxmi shopping

Centre, Bombay-97,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than "fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the sarvice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPIANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

70 - 196GI 85

THE SCHEDOL

Shop No. 10, Quarry Rd. Malad (E), Subhlaxmi Shopping Centre Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37-EE 14582 84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III

Date: 8-7-1985.

Scal :

(1) Shri A. A. Ghedia.

(2) Mls. Dattani Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. A. PRASAD, AR.III|37-EE|14546|84-85.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Flat No. 42, 4th fl. Gokul Apt. Gaushal Lane, Malad (E), Bombay-97

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-11-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

> Flat No. 42, 4th fl. Gokul Apartment, Gaushala Lane, Malad (E), Bombay-97.

> The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III 37-EE 14546 84-85 Authority, dated 1-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assisstant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985.

(1) M/s. Manali Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ajit S. Mehra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37-EE|14607|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing Flat No. B-24, Manali Bldg, No. 4, Valnai Village Malad

(W), Bombay-64,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office
of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. B-24, 2nd fl. Manali Bldg. No. 4, plot Nos. 48, 49 and 50 at Valnai Village Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR.III|37-EE|14607|84-85 Authority, Boπ dated 1-11-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ; -

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Date: 8-7-1985, Seal:

of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

FORM TINS-----

(1) Mr. Nitin Kapoor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Cyril DeSouza.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, вомвач

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III[37-EE[14603[84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Flat No. 1-10, 3rd fl. Haridawar-I, Plot No. 18, 19-20-A, Marve Road, Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fakt market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as screed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said 7Act, in respect of any lucome arising from the bansfer; Buck . to

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as all defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. I-10, 3rd fl. Haridwar-I, plot No. 18, 19, 20-A, Oil Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.III|37-EE|14603|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income to Acquisition Range-III Bombay

Dated: 8-7 1987 Seal ·

(1) Mr. Abdul Satar Ebrahim.

(2) Mrs. Hadika Begum.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.111[37-EE]14081[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov able property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and benjing Shop No. 11, B|7, Navjivan Niwas, Co-op. Hsg. Sct. Ltd. New Mill Road, Kurla, Bombay-70, (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority of Bombay on 1-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducteion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givein that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11, at B|7, Naviivan Niwas Co-op. Housing Society Ltd. New Mill Road, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR.III|37-EE|14081|84-85 Authority, Bon dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property 3, the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons ramely:--

Date: 8-7-1985

(1) Shri B. L. Patel (H,U.F.),

(Transferor)

(2) Shri H. M. Nandu & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX $Ac_{\rm s}$ (1) (1) (4.1 (4.1 (6.2) 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Rcf. No. AR.III|37-EE|14855|84-85,—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00.000l- and bearing

Rs. 1,00.000]- and bearing 504, Gupta Terace Match Factory lane, Kurla (W), Bombay-70

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

504, Gupta Terace Match Factory Lane, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37-EE|14855|84-85 dated 1-11-1984.

'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1947 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 8-7-1985

(1) M|s, U, K. Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Joseph Keve & Qrs.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III]37-EE|14208|84-85.-Whereas. I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the im-Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 9, 2nd fl. Leo Apartments, CTS No. 492|1, 492 Sunder Galli, Orlem, Malad (W), Bombay-64,

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the other than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd fl. Lco Apartments, CTS No. 492 1, & 492 Sunder Galli, Orlem Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III|37-EE|14208|84-85 Authority, Born dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 7 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

Date: 8-7-1985.

(1) Mrs. I. U. Kamdar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37-EE|14203|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No.

Corner House, Gr. Fl. in Rajawadi C.H.S. Ltd. Vidyavihar

(E), Bombay-77,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 209AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the roperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(2) Smt. V. H. Gandhi, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Corner House Gr. Fl. in Rajawadi C.H.S. Ltd. Vidyavihar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III|37-EE|14203|84-85 Authority, Bordated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Date: 8-7-1985.

FORM ITNS ----

(1) Mr. Ratilal L. Kshatriya.

(Transferor)

(2) M|s. Fargo Mantle Products Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 14100 84-85. Whereas I. A. PRASAD.

Whereas I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

Plot No. 20, Adarsh Housing Co-op. Hsg. Sct. Ltd., Malad-(W) Rombau.

(W), Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 20, Adarsh Housing Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Ram-chandra Lane Extn. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomay under No. AR.III]37.EE]14100|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Ill, Bombay

Dow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—71—196GI|85

Date: 8-7-1985

(1) M|s. Bijal Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. V. Shetty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

FICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.FE|14418|84-85.... Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

no as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000]—and bearing No. Shop No. 2, Gr. Fl. Laxminarayan Prasad Bldg. 5th lane, Ghatkopar (W), 'Sombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Sombay on 1-11-1984

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid succeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No 2, Gr. Fl. Laxminarayan Prasad Bldg. 5th Lane, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 14418 84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

(1) Mr. V. Veeraraghavan & Ors.

(Transferor)

(2) Dr. Pradeep R. Guiar & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|14453|84-85.-

Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Flat on 6th il. known as 128|129 Nikant Kunj, Garodia Names Chatkoner Rombay.

Nagar, Ghatkopar, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authorny at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have meason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traily stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, on 6th fl. Nilkhant Kunj, Garodia Nagar, Ghatkopar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE.14453|84-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Impecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqueition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-7-1985

(1) Shri H. D. Nagda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Khimji T. Gosar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|14456|84-85....

Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act) have reason to believe that the diffinovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 146, Nootan Villa, Flat No. 4, Gr. Fl. Garodia Nagar, Ghatkopar, Bomaby-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incorne-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same receing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Plot No. 146, Garodia Nagar, Scheme, Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 14456 84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 8-7-1985

Scal:

(1) M|s. Hindustan Wood Works.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. M. G. Sales Corporation.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|14478|84-85.— Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authrity under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 1.00,000 and bearing No. Gala No. C 123, Ghatkopar Indl. Estate, 1st fl. L. B. S.

Marg, Ghatkopar, Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the effice of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income un any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used better are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Indl. Shed Gala No. C|123, Ghotkopar Indl. Estate, 1st Fl. L. B. S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE|14478|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

(1) Shri Mavji Hirji Bhanyshali.

(Transferor)

(2) Shri C, D. Gupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTTION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|14479|84-85.--

Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred ta as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing.

No. Shop No. 8, Gagan Vihar, Faifal Range, Ghatkopar (W),

Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property

be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) factifiating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Shop No. 8, Faifal Range, Gagan Vihar, Ghatkopar (W). Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE|14479|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

- (1) M|s. Golder Const. Company.
- (Transferor)
- (2) Mr. Shaukat Asrar Siddiki,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|14523|84-85.—
/hereas I, A. PRASAD,
eing the Competent Authority under Section 269B of the
rcome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred)
as the 'said Act'), have reason to believe that the
mavable property, having a fair market value
rceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.
lat No. B|9, 'Golden Orchard' on 2nd Fl. at CTS No.
676, Village Kole Kalyan Kalina, Bombay-29
and more fully described in the schedule annexed hereto),
as been transferred and the agreement is registered under
ection 269AB of the Income-iax Act, 1961 in the office of
he Competent Authority at
lombay on 1-11-1984

as been transferred and the agreement is registered under, ection 269AB of the Income ax Act, 1961 in the office of he Competent Authority at tombay on 1-11-1984 or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more nan fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. B|9|2nd fl. CTS No. 5676 village Kole Kalyan, Kalina, Bombay-29.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE|14523|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

(1) S. Z. Abedin.

(Transferor)

(2) M. T. Hashmulla,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III ROMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|14526|84-85.--

Ref. No. AR.III|37.EE|14526|84-85.—Whereas J. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the moome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 207. Bldg. No. 7, Kapadia Nagar. CST Road, Kurla (W), Bombay-70 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-max Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 207, Bldg. No. 7, Kapadia Nagar, CST Rd. Kurla West, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE|14526|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsction (1) of Section 269D of the said Act, to the followw persons, namely :--

Date: 8-7-1985

FORM !TNS----

(1) Mr. R. U. Suman.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Abdulla Brothers.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME, TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.FE|14527|84-85.--

Whereas J. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. Flat No. 002, Gr. Fl. Bldg. No. 12, Kapadia Nagar, CST Rd. Kurla (W), Bombay-70 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB or the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affice and of such apparent of such apparent. Afteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 002, Gr. Fl. Eld. No. 12, Kapadia Nagar, CST Rd. Kurla (W),, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.1:F | 14527 | 84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqusition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985 Scal ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

72 - 196G185

FORM ITNS ---

(1) Ms, Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Taufique Ahmed Gaziani.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 14531 84-85.—

Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No. Flat No. 403, 4th fl. Bldg. No. 17, Kapadia Nagar, CST Rd. Kurla (W), Bombay-70 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th fl. Bldg, No. 17, Kapadia Nagar, CST Rd. Kurla West, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Compotent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 14531 84-85 dated 1-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957):

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqusition Range-III, Bombay

... www. therefore. in pursuance of Section 269C of the said eact, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

Scal:

FORM NO. ITNS-

(1) M/s. H. R. Construction Co.

(Transferor)

(2) M/s. Choudhuary & Choudhury.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|14582|84-85.—
Whereas I, A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the Said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing No.
No. Shop No. 4, Gr. Fl. Raj Kamal Apt. Village Kole Kalyan,
Kalina, Santacruz (12), Bombay-98
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

and/or

(a) lacilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—In terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Gr. Fl. Raj Kamul Apt. Village Kole Kalyan Kalina, Santacruz (F), Bombay-98.

The agreement has been registered by the Competent Authority, 30mbay under No. AR.h1[37.1·E] 4582[84-85] dated 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tox
Acquisition Range-I J. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I neceby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

Seal 5

FORM ITNS

(1) M|s. Deepak Builders Pvt, Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. R. S. Khan.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III[37.EE]14529[84-85.--

Whereas I, A. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'and Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing

Flat No. 405, 4th Il Endg No. 6, Kapadia Nagar, CST Rd.

Kurla Bombay-70

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the freezoo tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair merket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the iair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefor to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any snoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property enay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 450, 9th fl. Bldg. No. 6, Kapadia Nagar, CST Rd. Kurla West, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III]37-EE[14529]84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this no ice under sub-section (1) of Section 269D of the said Acr to the following cornons, namely :

Date: 8-7-1985

Scal:

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. A. Parkai.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIL BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR III|37-EE|14530|84-85.--Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding

Rs. (.00,000/- and bearing Flat No. 405, 4th fl. Ilidg. No. 18, Kapadia Nagar, CST Rd. Kurla (W), Bombay-70.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1 11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (ii) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer endler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incosse-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th fl. Bldg. No. 18, Kapadia Nagar, CST Rd. Kurla (W), Bombay-70,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Hombay under No. AR, III 37-EE 14530 84-85 dated 1-11-984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Nov, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeraid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7 1985

(1) M. R. Ranawat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

STATE OF THE PERSON OF THE PER

(2) Mr. R. D. Nasta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR. 111/37-EE:14669/84-85.-- Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, faving a fact market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Plat No. 501, S. No. 365, Vakola Sautacruz (E), Bombay-55 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid between the apparent consideration therefor by more than affiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 clays from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, Sunder Nagar, S. No. 365, Vakola Santacruz (E), Bombay 55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III 37-EE 14669 84-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the requisition of the society of the said Act, to the follow-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 8-7-1985

FORM IT: S-----

(1) Smt. Neeta C. Somaiya.

(Transefror)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR. III 37-EE 14683 84-85,—Whereas I. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Plot No. 48 to 51 Gurodia Nagar Scheme, Ghatkopar (E), Bombay-77.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri C. I. Mange

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATIFN.:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall nave the same meaning as given in the Cimpter.

THE SCHEDULE

Plot No. 48 to 51 Garodia Nagar Scheme, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III|37-EE|14683|84-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

(1) M|s, Rao & Associates.

(Transferor)

د موالار در المحادث

(2) Mr. Akhtri Begam & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

No. AR. III 37-EE 14742 84-85.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. C, 11, 4th fl. Gajanan Niwas (New), Vakola Village Santacruz (E), Bombay-55.

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trnsfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-11, 4th fl. CTS No. 1857 'Gajanan Niwas' (New Vakola Village Road, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. J11|37.EE|14742|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

Scal:

(1) G. B. Navak.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. S. Venkntachalam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IIL

BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR. JII 37-EE 14715 84-85.—Whereas I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing Flat No. 3, Gr. fl. Usha Canbank Employees C.H.S. Ltd. Garedia Nagar, Ghatkopar, Bombay-77.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Gr. fl. Usha Canbank Employees C.H.S. Ltd. Garodia Nagar, Ghatkepar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III|37-EE|14715|84-85 Dated 1-17-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely :-

Seal:

Date: 8-7-1985

73---196GI 85

FORM TINS-

(1) Shri Mathew Alukka.

(Transferor)

(2) Smt, Theresa Joseph and Ore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE (NCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No AR. III|37-FE|14704|84-85.--Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000] and bearing
Flat No. 1, Framps Villa, Ramps C.H.S. Ltd. Vidyanagri
Marg, Santacruz (E), Bombay-98
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: eed/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Framps Villa, Ramps C.H.S. Ltd. Vidyanagri Marg, Santacruz (E), Bombay-98.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR. III 37-EE 14704 84-85 Authority, dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Ms. Neelam Developers.

(Transferor)

(2) Smt. Manjula C. Sheth.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE PERPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Pombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR. III 37-EE 14784 84-85.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 401, 4th fl. C-Wing, Bldg. No. 2, Shanti Park,

Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-81.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property an aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Western Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Charter

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th fl. C. Wing, Bldg. No. 2, Shanti Park, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III 37-EE 14784 84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985

(1) Mis Dispol Industries.

(Transferor)

NOTICE UNDOR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls. Nutan Metal Finishing.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III[37,EE]14696[84-85,-Whereas, I, A. PRASAD,

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter rerecreed to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Gala No. 69, 2nd fl. Mehta Indl. Estate, Liberty Garden

Rd. No. 4, Malad (W), Bombay-64. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transier with the object of : -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

Gala No. 69, 2nd fl. Mehta Indl. Estate, Liberty Garden Rd. No. 4, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 14696 84-85 dated 1-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :--

Date: 8-7-1985

FORM ITNS----

(1) Mis. Deepak Builderas Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. J. A. Sattar Haju.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR, III 37-LE 14222 84-85.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0:01-and bearing No. Flat No. 203, 2nd fl Bldg. No. 6, Kapadia Nagar, CST Rd. Vidyanagari Marg, Kurla. Bombay-70 situated at Rambay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of ... the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any contracting of other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd fl. Bldg. No. 6, Kapadia Nagar, CST Rd. Vidyanagari Marg, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III|37-EE|14222|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

PORM ITNS...

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Dawood A. Parkar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR. III|37-EE|14223|84-85.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

Flat No. 404, 4th fl. Bldg. No. 18 Kapadia Nagar, CST Road, Kurla, Pombay-70

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteer per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official contents.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th fl. Bldg. No. 18 Kapadia Nagar, CST Road, Kurla West, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III|37-EE|14223|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985

FORM I.T.N.S.~

(1) M s. Suyog Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s. R. P. Knitwear.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

No. AR. III 37-FE 14237 84-85.—Whereas I, PRASAD,

seling the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,00|- and bearing

and bearing No. Unit No. 52, 1st fl. M/s. Suyog Indl. Estate, Vikhrdi (W), Bombay-83 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the eonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the believeme persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 52, 1st fl. Suyog Indl. Estate, L.B.S. Marg. Vikhroli (W), Bombay-83.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III]37-EE]14237[84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 8-7-1985

FORM ITNS ----

(1) Mis. Suyog Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961) (2) M.s. Technit Industries.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III,

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR. III|37-EE|14241|84-85.--Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Unit No. 53, 1st fl. M|s. Suyog Indl. Estate, L.B.S. Marg, Vikhroli (W), Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 53, 1st fl. M|s. Suyog Indl. Estate, L.B.S. Marg, Vikhroli (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III 37-EE 14241 84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 8-7-1985

(1) Mr. H. P. Dave & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R. M. Shah & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR III|37-HE|14244|84-85,---Whereas I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000]—and b_aring Flat No. 6, 1st fl. Neell anth Kutir Bldg. Garodia Nagar, Plot No. 90, Ghatkopar (E). Bombay-77, circust of Power of the Company of the Company

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Anthority at

the Competent Anthority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and!or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act or the Wealth-tax set, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Inforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--74—196GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st fl. Neelkanth Kutir Bldg. Garodia Nagar, Plot No. 90, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. 1II|37-EE|14244|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985

(1) Shri U. D. Lodaya.

(Transferor)

(2) Shri S. N. Makhija & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

No. AP. III|37-EE|14248-A|84-85.—Whereas I. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00||- and bearing No. Flat No. 10, 4th fl. Mahavir Mahal, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of '-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 4th fl. Mahavir Mahal, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III|37-EE|14248-A|84-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

(1) Shri S. N. Rambli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri B. O. Mehta.

be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-III[37EE]14262[84-85, --Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 15, 3rd floor, Shanti Building, Plot No. 158 Garodia Nagar ,Scheme Ghatkoper (E)

Bombay-77 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objection, if any, to the acquisition of the said property may

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the s Act, shall have the same meaning as given; in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 3rd fl. Shanti Bldg. Plot No. 158, Garodia Nagar Scheme Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent uthority. Bombay under No. AR.III 37-EE 14262 84-85 Authority. dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

(1) Shri P. M. Patel & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii L. P. Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA SIONER OF INCOME-TAX, ASSISTANT COMMIS-

> ACQUISITION RANGE-III, ROMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR H|37-EE|14289|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 3018, Vikram Apartment New Mancklal Estate L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fari market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301|8, Vikram Apt., New Maneklal Estate, L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered by the Authority, Borr dated 1-11-1984. Bombay under No. AR.III|37.EE|14289|84-85

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7 1985

Mls. D. K. Builders & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls. Jeck Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

> Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III[37.dE[1460][84-85 --- Whereas, I. A. PRASAD.

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 |43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Unit No. 21, Gr. Fl. Plot No. 13, CSJ No. 18, Village Hariali, L.B.S. Marg, Vikhroli (W)., Bombay-83 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1951 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 21, Gr. Fl. Plot No. 13, S. No. 99, Hariali Village L.B.S. Marg, Vikhroli (W), Bombay-83.

The agreement has been registered by the Compet Authority, Bombay under No. AR.IU[37.EE]14601[84-85] dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons. namely :-

Date: 8-7-1985

FORM NO. ITNS----

(1) Shri P. Venkatesh.

(Transferor)

(2) Charu D. Chheda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|14307|84-85.--Whereas, 1. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immersable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Shop in Shopping Centre of Julsi Bhuvan, Gopal Lane,

Ghatkopar (W), Bombay-86-situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Internative Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tables with the object of:

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (h) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop in shopping Centre of Tulsi Bhuvan, Gopal Lane, Ghatkopar (W), Bombay 86.

The agreement has been registered by the Competer Authority. Bombay under No. AR,III|37.EE|14307|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

- (1) M|s. D. K. Builders & Associates.
- (Transferor)

(2) Shri T. H. Shah,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR. III/37-EF/14096/84-85.—Whereas, J, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1 00 0001, and heaving

Rs. 1,00,000]- and bearing
Rs. 1,00,000]- and bearing
No. Unit No. 12, Gr. 1-1. Plot No. 13, CTS No. 18, S. No. 99(p) Hariyali Village, L B.S. Marg, Vikhroli West, Bombay-

83 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Said Act in
in rtspect of any income arising from the transfer;
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 12, Gr. Fl. Plot No. 12, CTS No. 18, Gr. Fl. Hariyali Village, L.B.S. Marg, Vikhroli (W), Bombay-83.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III[37-EE]14096[84-85 dt. 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Combay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

(1) Shri S. N. Pokar.

(Transferor)

(2) Shri J. R. Sanghyi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR. III 37-EE 14143 84-85.--Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Flat No. 11-A. Jahram Jyot. 31|32, Vallabhbaug Lane, Ghatkopar, Bombay-77, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Preometera Act, 1961 in the office of the Competent Authority at the Competent Authority at at Bombay on 1-11-1984

at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of .-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
 - (b) by any other person interested in the said immova-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 11-A. Jalaram Jyot, 31/32, Vallabhbaug Lane, Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. III/37-EE/14143/84-85 dt. 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-7-1985

FORM ITNS———

(1) Dr. B. L. Mehta,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sardar Sucha Singh & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR. III 37-EE 14195 84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No. Flat No. 26, Sati Niwas C.H.S. Ltd. 178, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77, situated at situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the vald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast 142. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 26, Sati Niwas C.H.S. Ltd. 178, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, UI | 37-EE | 14195 | 84-85 dt. 1-11-1984.

> A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :— 75—196GI|85

Date: 8-7-1985

(1) Mis. Anitha Art Printers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri B. G. Ningad & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR. [II]37-EE|14212|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

seeing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the im-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Shop No. 1, Kailash, Nehru Road, Vakola Bridge, Santacruz (E), Bombay-55 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration more than fiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any monne or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Kailash, Nehru Road, Vakloa, Bridge, Santacruz (E), Bmbay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III[37-EE]14212[84-85 cruz (E), Bembay-55.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-7-1985

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(2) Amina A. Hamdulay.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III[37-EE]14219[84-85.-Whereas, I. A. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 504, 5th ft. Bldg. No. 24, Kapedia Nagar CST Road, Kurla West, Bombay-70 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires laters
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaustie.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504, 5th fl. Bldg. No. 24, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla West, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III|37-EE|14219|84-85 dt. 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Thow, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

Date: 8-7-1985

(1) Mis. Shree Padmanabh Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri B. B. Sharma.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-FAX

ACQUISTTION RANGE-111, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37-EE 14278 34-85,--Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

No. Shop No. 22, Gr. Fl. Parekh Market, M.G. Road, Ghatkopar (E), Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid sexceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 22, Gr. Fl. Parekh Market, S. No. 77/10, CST No. 4648 to 4667 M. G. Road, Gharkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III 37-EE 14278 84-85 dt. 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-UI, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-7-1985

FORM ITNS----

(1) The Manhar Mills Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sonrup Builders Pvt. Ltd.

made in writing to the undersigned-

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR. III|37-EE|14703|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and beating No. Piece of land Village Ghatkopar, S. No. 133, Plot No. 1 (p), Ghatkopar, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the pose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of and at Village Ghatkopar S. No. 133, Plot No. 1 (p) and S. No. 134, Plot No. 4 (p) and 5 (p) S. No. 155, Plot No. —, Ghatkopar, Bombay.

The agreement has been registered by the Connecent Authority, Bombay under No. AR.III|37-EE|14703|84-85 dated 1-11-184.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of he Said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

(1) Mis. Vikram Developers.

(Transferor)

(2) H. J. Chouhan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37. EE 14425 84-85,-Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair murket value

exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No.

Shop No. 1 B, Gr. Fl., Vikram Apt. New Manekial Estate L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been only stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Shop No. 1 B. Gr. Fl. Vikram Apt., New Maneklal Estate, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent No. AR.HI 37.EE 14425 84-85 Authority, Bombay under dated 1-11-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

T- ------

FORM ITNS-

(1) Mrs. Nascem Begum.

(Transferor)

(2) Mr. N. M. Mahimtura.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NULICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|14408|84-85.--Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Incrementar Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Unit No. 51, Bldg. Apaki Ind. Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Sidhpura Indl. Estate, Masrani Lane, Kurla, Bombay-70

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 51, Bldg. known as Apaki Indl. Co-op Sct. Ltd. Sidhpura Indl. Estate, Masrani Lane, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III[37.EE]14408[84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Nove, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons, namely :---

Date: 8-7-1985

(1) Mis. Golden Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. V. Cheelapa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|14524|34-85.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Shop No. 1, Gr. Fl. Golden View CIS No. 5633 Village Kole Kalyan, Kalina, Bombay-29, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tix Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Efteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Gr. Fl. Golden View, CTS No. 5653 Village Kole Kalyan, Kalina, Bombay-29.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.III|37.EE|14524|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers andlor

,(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :-

Date: 8-7-1935 Seal:

(1) Ms. Golden Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Mahendra M. Haria.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1951 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III]37-EE[J4356]84-85.--Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,0000|- and bearing

Shop No. 3, Gr. Fl. CTS No. 5653 (P), Kole Kalyan, Kalina, Rombay-55

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 3, Gr. Fl. at CTS No. 5653 (P) Kole Kalyan, Kalina, Bombay-55.

Authority, Bombay under No. AR,III|37.EE|14356|84-85 dated 1-11-1984.

THE SCHEDULE

A. PRASAD mpetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone manualy :--

Date: 8-7-1985 Seal:

76-196GI[85

(1) Mis. Navratna Builders Pyt. Ltd.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Prabodh Z. Kothari & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III[37.EE]14332[84-85.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing No.
Premises on 3rd Fl. of Bldg. on plot No. 14|15 of plot A,
M|s. Basant Gardens Estates Pvt. Ltd. Sion Trombay Road,
& Ghatia Road Opp. Union Park, Chembur, Bombay-71 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises on 3rd fl. of Bldg. on sub-plot No. 14|15 of plot A, of M/s. Basant Garden Estates Pvt. Ltd., S. T. Road, Ghatla Road, Opp. Unnion Park, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE|14332|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-7-1985

FORM LT.N.S.

(1) Shri Pranab Sarkar.

(Transferor)

(2) Smt. Prabha Kumar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III. **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 14822 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gracius

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Plot bearing No. 30 of Sub-Division layout S. No. 60, 61 (p) and 62 (p) proposed by M|s, Uday Giri Co-op, Hsg. Sct. Ltd., at Deonar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37-EE|14822|84-85 dated 1-11-1984 Competent

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

scal :

(1) Shri R. M. Patel.

(Transferor)

(2) Shri Ramchandra Bansraj & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/14811/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 19, Sing (Service) Indl. Estate No. 3, Ram Mandir Road, Gr. Fl. off, S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 19, Sing (Service) Indl. Estate No. 3, Ram Mandir Road, Gr. Fl. off, S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Compete Authority, Bombay under No. AR.III]37.EE[14811]84-85 dated 1-11-1984. Competent

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under a ubsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-7-1985

Seal ·

PART III—SEC. 1]

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Pawankumar Agarwal

(Transferor)

28511

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. C. P. Doshi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37-EE 14183 84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act5), have reason to believe that the immovimmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,06,000, and bearing Flat No. 8, Waman Darshan, Waman Wadi, Chembur Bombay-71 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 8, Waman Darshan Waman Wadi, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Compentent Authority, Bombay under No. AR.JIJ|37-EE|14813|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIII, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 8-7-1985.

(1) Shri Gulam Mohammad Sulemon A. Sanna

(Transferor)

(2) Shri Ismail A. Sunsara

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37-EE|14813|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Unit No. 31, Singh Indl. Estate No. 3, Plot No. 5, Ram Mandir Read, S.V. Road Goregaon (W), Bombay-62,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at at Bombay on 1-11-1984.

at Bombay on 1-11-1984. For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Unit No. 31, Singh Indl. Estate No. 3, Plot No. 5, Ram Mandir Rd. S. V. Rd. Goregaon(W), Bombay-62

The agreement has been registered by the Compentent Authority, Bombay under No. AR.III]37-EE]14183|84-85 dated 1-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act. 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIII, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

Scal

2851

FORM ITNS.....

(1) Dr. K. A. Savagaon,

(Transferor)

Shri Sadhashiy G. Parulkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37-EE|14583|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Bunglow B-1, Rajkunj CHS Ltd. Wadhavli Village, Near RCF Chembur, Bombay-74 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesoid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: aid exceeds the apparent consideration therefor by more than

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Bunglow B-1, Rajkunj CHS Ltd. Wadhavli Village, Near RCF Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Auhority. Bombay under No. AR.III 37EE 14583 84-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely: -

Date: 8-7-1985

FORM I.T.N.S.---

Smt. C. A. Mishra.
 Shri N. K. Chopra.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,

Bombay, the 8th July 1985

BOMBAY

Ref. No. AR.III|37-EE|14689|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. M4|12, Heera Mani Ratan C.H.S. Ltd. M. G. Road, Bengur Nagar Goregaon(W), Bombay-90 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid intereseds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaflette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

M13 Heera Mani Ratan C.H.S. Ltd. M. G. Road, Beugur Nagar Gpregaon(W), Bombay-90.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37-EE|14698|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 8-7-1985

(1) M/s. Chumistar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls. Chemi Pharma Industries.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III]37-EE]14242[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Indl. Geta No. 222A, 2nd floor of Building of Virmani Indl. Estate Western Express Highway, Goregaon (E), Rombay-63

Bombay-63.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of changer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the afteresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

77-196GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Indl. Gala No. 222-A, 2nd floor Bldg. Virmani Indl. Estate, Western Express Highway, Goregaon (E), Bombay-63. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37-EE 14242 84-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri I. S. Bhasin.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kumar S. Tulreja & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III]37-EE|14537|84-85,-Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Flat No. 4, Bldg. No. B, Plot No. 79, Shree Nav Bharat Apartments C.H.S. Ltd., R. C. Marg, Chembur, Bombay-74 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- i(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Bldg. No. B Plot No. 79, Shree Nav-Bharat Apartments C.H.S. Ltd., R. C. Marg, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent ty, Bombay under No. AR.III[37-EE]14537[84-85 dated rity, Bor 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 8-7-1985

(1) Smt. N. J. Bheda.

(Transferor)

(2) Smt. Taraben B. Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37-EE 14482 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|- and hearing Flat No. 15, 4th floor Bldg. No. 2, Sataya Sonal C.H.S. Ltd.,

J.P. Nagar Road, No. 2, Goregaon (E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 ef 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 4th floor Bldg. No. 2, Satya Sonal C.H.S. Ltd. J. P. Nagar Road, No. 2, Goregaon (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37-EE|14482|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37-EE 14398 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a Fair Market Value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 81 4 Saray Blg. Natayanguru C.H.S. Ltd. Chembur,

Bombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. samely :--

(1) Shri V. K. Raghavan.

(Transferor)

(2) Shri Valli Raman.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 81 4 Suraya Bldg. Naranguru C.H.S. Ltd. P. L. Lokhande Road, Chembur, Bombay-89.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bom 1-11-1984. Bombay under No. AR.III 37-EE 14398 84-85 dated

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985

PORM ITNS

(1) Smt. P. S. Chhabria.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt, Ratna H. Lulla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37-EE|14455|84-85,---Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Flat No. 4, Bldg. No. 28-A, Navjivan Society, Chembur,

Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said iramovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Bldg. No. 28-A, Navjivan Society, Chembur, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III]37-EE]14455[84-85] dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority 'nspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-Ill, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

Date: 8-7-1985

FORM ITNS-

(1) Mr. S. G. Subramaniam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. J. Segueira.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37-EE 14057 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000]- and bearing Flat No. 2|65, Jayshree Pestomsagar Tilak Nagar, Chembur, Rombay, 80

Bombay-89, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in sespect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2|65, Jayshree Pestomsagar, Tilak Marg, Chembur, Bombay-89.

The agreement has been registered by the Competent Autho-y, Bombay under No. AR.III|37-EE|14057|84-85 deted 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:--

Date: 8-7-1985

LORM ITNS---

(1) Smt. S. D. Sahetia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D. K. Nagpal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR,III|37-EE|14539|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 15, 3rd floor Bidg. No. A, Gulmarg C.H.S. Ltd.

Flat No. 15, 3rd floor Bldg. No. A, Gulmarg C.H.S. Ltd. Opp. Telephone Exchange, Chembur Naka, Bombay-71.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 3rd floor Bldg. No. A, Gulmarg C.H.S, Ltd. Opp. Telephone Exchange Chembur Naka, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37-EE|14539|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 8-7-1985

(1) M. R. Agarwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. M. J. Shetty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37-EE|14785|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No 9, Second floor Bldg. No. R. 3, Giri C.H.S.L. Bangur Nagar, M.G. Road Goregaon (W), Bombay-90, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule approved hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability

of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assers which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd floor Giri Co-op. Hsg. Society Ltd. M. G. Road, Goregaon (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bon 1-11-1984, Bombay under No. AR.III|37-EE|14785|84-85 dated

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombav

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

Date: 8-7-1985

(1) Joseph B. Aguiar & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Babu N. Kunbi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

Ref. No. AR.III|37-FE|14746|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. Open land & one old ramshackle house Gaothan of Mankhurd village Tombay, Bombay-88.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to petween the parties has not been truly stated in the said metrument of transfer with the object of t-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land & one old ramshackle house at Gaothan of Mankhurd village, Tombay, Bombay-88.

The agreement has been registered by the Competent Authory, Bombay under No. AB.III[37-EE]14746]84-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—78—196 GI[85]

Date: 8-7-1985

FORM ITNS----

(1) Shri N. M. Kamath,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri E. N. Bhandrakshan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR,III|37-EE|14726|84-85.-Whereas, J, A. PRASAD,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

D4|1, Gr. Floor Hari Ratan C.H.S.L. Bangur Nagar,

Goregaon (W), Bombay-90.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stored in the consideration. ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D4 1, Ground floor Hari Ratan Co-op. Hsg. Socty. Ltd. Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authory, Bombay under No. AR.III/37-EF[14726[84-85] dated rity, Born 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

(1) Shri Hari P. Chakladar.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhagaban Panigrahi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37-EE|14137|84-85.-Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 1 lat No. 1. Bldg. L-4, Laxmi Ramana Co-op. Hsg. Society

Ltd. Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Bldg. No. L-4, Laxmi Ramana Co-op. Hsg. Society Ltd. Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90.

The agreement has been registered by the Competent Autho-y, Bombay under No. AR.III]37-EE[14137[84-85] dated rity, Bom 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985

FORM ITNE-

(1) Shri Radhuram I, Jaidhara.

(Transferor)

(2) Smt. Veena Ashok Talreja,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37.EE | 14107 | 84-85.—Whereas, J,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 3, Bldg. No. 8-B, Navjivan Co-operative Sct.

Chembur, Bombay. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the first

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the effect of:—

(a) facilitating the reduction or evasion o fthe liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Bldg. No. 8-B, Navijvan Co-operative Sct. Chembur, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III|37.FE|14107|84-85 Authority, dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income tag Acquisition Range-JII, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under susception (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

(1) Mrs. N. D. Honiao.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Prabhakar Shetty & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.HIJ37.EE.14862-A|84-85.---Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Land bearing CTS No. 10|B|3(p) Village Mankurd, Taluka

Khurla, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Veant Land No. 10|B|3(p) of plot of large piece of land of the Government Development Scheme-II at Village-Mankkurd, Taluka Kurla, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III 37.EE 14862-A 84-85 Authority, Bom dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:--

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D[1] OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. A.R.III]37.EE|14772|84-85.—Whoreas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/~ and bearing

Piece of land S. No. 663, Hissa No. 13, Plot No. 12, Pestom Sagar, Chembur, Bombay-89.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1934

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Indumati Harishchandra Purandare.

(Transferor)

(2) M|s. H. S. P. Enterprises.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land S. No. 663, Hissa No. 13, plot No. 12, Pestom Sagar, Chembur, Bombay-89.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE|14772|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985

Seal 1

(1) Shri S. J. Behmani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri B. S. G. Behwal,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

'Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|14756|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. Gala No. 1, Sant Bhavan. Sharma Indl. Ustate, Walbhat

Rd. Goregaon (E), Bombay-63,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: mad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 1, Sant Bhavan, Sharma Indl. Estate, Walbhat Rd. Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 14756 84-85

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Schil:

Date: 8-7-1985

(1) Shri B. J. Mhatre.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Swastik Kumar N. Kamatnurkar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

'Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR,III|37,EE|14554|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- an bearing
No. Flat No. 9, 2nd fl. Plot No. 58 & 58A Pandurangwadi,
Goregaon (E), Bombay-63,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
(and more fully described and the agreement is ergistered under has been transferred and the agreement is ergistered under Section 269AR of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of F922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd fl. bldg. on plot No. 58 & 58A, Panlurangwadi Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent

Bombay under No. AR.III 37.E5 14554 84-85 Authority, B dated 1-11-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

8-7-1985 Date:

THE STATE OF THE S

(1) Ms Dimple Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s Supertex Dye House.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|14495|84-85.-Wheeras, I, A. PRASAD,

A. PRASAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Unit No. 209, 2nd fl. Bldg. Triumph Indl. Estate, Village Dindhoshi, Wester Express Highway, Goregaon (E), Bombay-63, situated at Rombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is ergistered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are degreed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 209, 2nd fl. Bldg. Triumph Indl. Estate, Village Dindhoshi Western Express Highway, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III_37.EE | 14475 | 84-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the is of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

79-196 GI[85

Date: 8-7-1985

KOKM CANS

(1) Mls New Cork Industries.

(Transferor)

NOTICE UNDER 8FCT0 N 269 (c.1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 CF 1961)

(2) Ms Provin Wipers & Ancilliaries P. Ltd.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IMPRECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMEDIAX

ACQUISITION PANCETH BOMBAY

Bombay the Oth July 3105

Ref. No. AR.III/37.EE 4812/84-85.-- Micreas, I,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (perchaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a tilt market young exceeding

No. Plot No. 7 & 8. Congaon (D. Bember 53, situated at Bershare

(and more fully described in the School de annexed horseto), has been transferred and the ground in larger oil under Section 269AB of the transferred as Act. 1901 is the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesait property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian become tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. of the Vyanto-iax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby it islate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made a gaing to the understand :-

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Odicial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whenever period expires lister;

(b) by any offer reason interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the mild companies of the in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The forths and expressions used herein as are defired in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plet No. 1|B. S. No. 14 & 15, Hissa No. 3, 7, 8, Bldg. No. 2, Shed No. 5 & 8, Goregaoa (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Dowbay under No. AR.III]37.EE]14812|84-85 dated 1-11-1064.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985 Seal: FORM NO. ITNS-

and the second of the second o

(1) Space Age Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) R. C. Karkera & Oths.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

'Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|14843|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1901) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,600] and bearing

No. Flat No. 202, 2nd floor, Space Age Agartment, Bldg. No. 15, Green Acres, Deonar, Eombay-83,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to pelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202. 2nd floor, Space Age Apartment, Bldg No. 15,

Green Acres, Deonar, Bombay-88.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.HH 37.EE 14843 84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985

(1) Mr. P. H. Jagtiani.

_____ (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. G. Subramaniam.

(Transferce)

57 WERNMENT OF INDIA

VERICL OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the 8th July 1985

Ref. No. AR,III[37.EE]14439[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

No. telat No. 7, kamlesh Ehavan, Plot No. 176B, Station Avenue Rd. (4th Ed.) Chembur, Bombay-71,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bomoay on 1-11-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) identifiating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charpten

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Kamlesh Bhavan, Plot No. 176B, Station Ave-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.FE [14439]84-85 dated 1-11-1984.

Λ. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :--

Date: 8-7-1985

Seal

(1) M/s B. R. Enterprises.

(2) M|s Vaishali S. Bar.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

المسترسيل المرابع المنابع والمسترية المستراجة المستراجة المستراجة المستراحة المستراحة المنابع المنابع المستراحة المس

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR,III|37.EF|14269|84-85.—Whereas, I, A. FRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100 000; and bearing

movable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000|- and bearing Shop No. 1, Gr. F. S. No. 23, H. No. 8, CTS Nos. 729, 729(1 to 9) Adarsh Colony Road, Malad(W), Bombay-64 (and more fully describe) in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of markets with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought so be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Control of the second s

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Gr. F.S. No. 23, H. No. 8, CTS No. 729, Village Malad, Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under No. AR.III 37.EE 14269 84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-lil, Bombay

Date: 8-7-1985

(1) M/s U.K. Builders.

(Transferor)

(2) Smt. C.I. Pereira.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III LOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Reg. No. AR, B1 [37.11 | 1449 / 64-85,---V/hereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No. Flat No. 201, & 102, Ind fl. Peter 4 a intest, Marve Rd. Malad (W), Bornbay-64,

siluated at Bombiny (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is resistered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an agreement rensite action which is less than the fair market value of the afterestic property, and I have reason to believe that the fair relationships.

to believe that the fair mirket varie of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income ansing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

THE SCHEDULE

Flet No. 201 & 202, 2nd fl. Peter Apartments, 168, Marve Road, Demonte Lane, Orlem, Make (W), Bombay-64.

The agreement has been registered of the Competent Authority, Fombay under No. AR.HI 37.EF 14497 84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985

FORM ITNS-----

(1) M|s Queens Park.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Radhi R. Adnani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX COMMIS-

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|14855-A|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. A-12, 1st fl. Nalanda Bldg. No. 1 at Valani Village, Marye Rd. Mylad (W), Bombay-64,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1951 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that take fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfreor (s) and the transferee (s) has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. A-12, 1st fl. "Nalanda" Bldg. No. 1 at Valnai Village Marve Rd. Malad (W), Bombay 64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 14855-A 84-85 dated 1-11-1984.

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 219D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-7-1985

FORM I.T.N.S .---

(1) M/s Continental Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Shri Shaikh Mohamed Hanif.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III[37.EE]14847[84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. No. Flat No. 4, 1st Il. Mith Chowki Malad (W),

Bombay.

3situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annued hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the 1 fo 1 and property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st fl. Amrut Bldg, Sai Baba Park, 1st Fl. Mith Chowki, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37.EE/14847/84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

row, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, agmely :-

Date: 8-7-1985

(1) M|s Queens Park.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vashu M. Advani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III ВОМВЛҮ

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.JII|37.EE|14605|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. A.42, 4th Fl. Nalanda Bldg, No. 1, Marve Road, Malad (W), Bombay-64,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer sad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Acr. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this ties in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-42, 4th fl. Nalanda Bldg. No. 1, on Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR.III]37.EE|14605|84-85 Authority, Bom dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the action (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:— 80-196GIJ85

Date: 8-7-1985

Scal

(1) Shri Ajitkumar Budhanlal Jain.

(Transferor)

(2) Shri Joshi Mohanlal Nathii.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR, III 37, EE 14826-A 84-85, -Whereas, 1, A. PRASAD.

boing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Shop No. 27, Gr. Fl. Pragati Shopping Centre, Malad (E), Bombay,

situated at Bombuy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(in) facilitating the concentrate of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act, or the Westeb-text Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 27, Gr. Fl. Pragati Shopping Centre, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR,111[37.FE]14826-A[84-85] dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) U. K. Builders

(Transferor)

(2) Smt. G. J. Pereira

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III[37EE]14499]84-85.— Whereas, !, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 102. 1st fl. Petter Apt, Marve Rd. Malad (W).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesad exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective person,
whichever period expires later,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sud/or

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st fl. Peter Apartments, 168, Marve Road, Demonte Lane, Orlem, Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been tegistered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, III | 37EE | 14499 | 84-85 dated 1-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any unoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-7-1985

(1) Mr. Micheal Lobo

(Transfecor)

(2) Mrs. Jacintha Pereira & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX

may be made in writing to the undersigned :-OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-III,

Bombay, the 8th July 1985

BOMBAY

Ref. No. AR.III|37PE|14499.A|84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Room No. C-10, Ground Fl. Philreena C.H.S. Ltd., Off Tank

Road, Malad(W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Room No. C-10, Ground Fl. Philreena C.H.S. Ltd., Off Tank Road, Malad (W), Bombay-64. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III | 37EE | 14499.A | 84-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 8-7-1985

- (1) Smt, Umaben J. Mehta
- (Transferor)
- (2) Smt. Hensa A. Panchal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-III|37EE|14395|84-85.--Whoreas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Block No. 408, 4th floor, Sunder Nagar, S. V. Road, Malad

(W), Bombay-64

(w), Bolindy-04 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Block No. 408, Sunder Nagar, Sunita Apartment, 5. V. Road, Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 14395 84-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this effice notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

(1) Shri J. V. Sampatrao

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s.S hree Ram Sales Corporation

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. . A. PRASAD AR.III 37EE 14679 84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Shop No.. 25, Malad Shopping Centre, S. V. Road, Malad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 25, Malad Shopping Centre, S. V. oad, Malad (W), Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 14679 84-85 dated 1-11-1984.

THE SCHEDULE

 Λ . PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely : --

Trate: 8-7-1985

- (1) Mr. Pooran J. Chawla & Ors.
- (Transfetor)
- (2) M[s. R. G. Builders P. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37EF|14769|84-85.--Whereas, I, Λ. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred t. as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[-

and bearing No. Flat No. 304, 3rd Floor, "Atlanta" B-Wing, Marve Road, Malad(W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the farties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of the said Act, shall have the same meuning no given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the trensfer;
- and or
- . I facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd Floor, "Atlanta" B-Wing, Marve Road, Malad(W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 14769 84-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

FORM ITNS

(1) Shri P. B. Jain

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. N. Kotharl

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14618|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing
Shop No. 2, Geeta Building, Haji Bapu Road, Malad (E),

Bombay-64.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given EXPLANATION :in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 2, Geeta Building, Haji Bapu Road, Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No.AR.III|37EE|14618|84-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

Date: 8-7-1985

.__:.----(1) Shri Mahavir Prasad Bhageria

(Transferor)

(2) Shri Dalichand H. Gopani, HUR

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, ROMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14541|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000

Indi. Gala in Malad Indi. Units Co-op. Soc. Ltd. Ram-chandra Lanc, Malad(W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Indl. Gala in Malad Indl. Units Co-op. Soc. Ltd. Ramchandra Lane, Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|14541|84-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 81-196 GI 85

Date: 8-7-1985

M|s. Harjivandas & Company

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. M. Thakkar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14576|34-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Shop No. 65, Natraj Market, S. V. Road, Malad (W), Bom-

bay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any name is concentrating the concentration of any income or any name is or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 65, Natraj Market, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|14576|84-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Hembay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-7-1985

(1) Shri Mafatlal M. Shah

(Transferor)

(2) Shri B. J. Shah & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III[37EE]14399[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Modern Vandana C.H.S. Ltd., Flat on 3rd floor, Subash Lane, Moled (E) Rombay 97

Malad(E), Bombay-97.

(and more fully described in the Schedule nanexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on 3rd Floor, Modern Vandana C.H.S. Ltd., Plot No. 540, 541 and 542, Subash Lane, Malad (E), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/14399/84-85 dated 1-11-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Roubay

Date: 8-7-1985

FORM ITNS----

(1) Francis J. Pereira

(Transferor)

(2) Gopal A. Amin

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DEFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14438|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00.00|- and bearing Flat No. 12, Bldg. No. 1, Kailashchandra C.H.S. Ltd., Haji Bapu Road, Malad (E), Bombay-97.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lasue of this notice under subvection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, Bldg. No. 1, Kallashchandra C.H.S. Ltd., Haii Bapu Road, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|14438|84-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985

(1) J. H. Thadeshwar Soni

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. D. Shah

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14848|84-85.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Hat No. B13, 3rd Floor, Rajhans Apartments, Plot No. 19, Jitendra Road, Malad, Bombay-97.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the first market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of sunsfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B[13, 3rd Floor, Rajhans Apartments, Plot No. 19, Jitendra Road, Malad, Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III]37EE|14848|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 8-7-1985

. ವಿಧಾ<mark>ರ್ಷದಲ್ಲಿ ಮ ಪ**್ರಮತ್ ಪಲ್ಲಿಯಾದ**ದ್ದಾರೆ ಅದ್ದು ಮಾರ್</mark>ಗಳ ಇನ್ನು ಪ್ರಶ್ನಿಸಿ ಕಾರ್ ಸ್ಟ್ರಾನ್ಸ್ ಕಾರ್ಯವರ್ತಿ ಪ್ರಸ್ತಿಸಿ ಅವರ ಪ್ರಶ್ನಿಸಿ ಕಾರ್ಯವರ್ಷ ಪ್ರವಸ್ತಿಸಿ ಕಾರ್ಯವರ್ಷ ಪ್ರವಸ್ತಿಸಿ ಕಾರ್ಯವರ್ಷ ಪ್ರವಸ್ತಿಸಿ ಕಾರ್ಯವರ್ಷ ಪ್ರವಸ್ತಿಸಿ ಕಾರ್ಯವರ್ಷ ಪ್ರವಸ್ತಿಸಿ (1) N. S. Ghoghari

(Transferor)

(2) Shri Tarachand B. Parwani & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14850|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Rs. 1,00,000 and bearing
Flat No. 35, 3rd Floor, Building No. 1, Malad Nidhi
C.H.S. Lid., CTS No. 419, 41 Liberty Garden, Malad (W),

Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid preperty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) *neclitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any success or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 55, 3rd Floor, Building No. 1, Malad Nidhi C.H.S. Ltd., CTS No. 419, 41 Liberty Garden, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|14850|84-85 dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 8-7-1985

(1) M|s. Pawan Kumar Vijay Kumar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III/37EE/14351/84-85.-Whereas, I. A. PRASAD.

he ing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. A|63, Nalanda, Plot No. 32 & 33, Valnai Village, Off Marve Road, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Mr. Parso M. Advani & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the scratce of nonce on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A|63, Nalanda, Plot No. 32 & 33, Valnai Village, Off Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

ne agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|14351]84-85 dt. 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

Date: 8-7-1985

FORM I.T.N.S.

(1) M/s. Prakash Wood Packers.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls. Shailesh Containers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-HI **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37FF|14391|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 196!) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable as the saint Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000], and bearing No. Gala No. 12, Vishal Indl. Estate, Village Road, Bhandup (W), Bombay-78.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 (b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Gala No. 12, Vishal Indl. Estate, Village Road, Bhandup (W), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|14391|84-85 dt. 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-7-1985

(1) N. S. Industries.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Sushil Textile Industries.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

> Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14723|84-85.-Whereas, I, A PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said A't'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000l- and bearing No.

Indl. Shed No. 7, Opp. WMI Cranes Vardhman Indl. Premises C.H.S. Ltd. 75, Village Rd., Bhandup, Bombay-78. (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- far Conducting the reduction or evasion of the finding of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the conceatment of any income or any contage a off and a back love to because which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the love in the other fax. Act. 1922 (11) of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Indl. Shed No. 7, Opp. WMI Cranes Vardhman Indl. Premises C.H.S. Ltd. 75, Village Rd., Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bembay under No. AR.III|37EE|14723|84-85 dt. 1-11-1984.

> A: PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

82-196 GI/85

Date: 8-7-1985

(1) Shri J. K. Jagtap & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. H. Shirke.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RAINGE-ITE BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14510|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]

and bearing No. Plot of land S. No. 133, H. No. 7(P) CTS No. 895 (P) Mulund (E), Bombay-81.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-84

for an apparent consideration which is less on the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for meh transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195; (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land S. No. 133, H. No. 7(P) CTS No. 895 A.T.D.P Riad, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III | 37EE | 14510 | 84-85 dt. 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 8-7-1985

Scal ;

A SALEST PROCESSES OF LAND SECTION 1971 SECT

FORM ITNS

- (1) M|s. Ganesh Builders.
- (Transferor)
- (2) Shri Sultan Singh Rawat.

may be made in writing to the undersigned .--

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 265D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III/37EE/14686/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing No. Flat No. 62, A—Wing 6th Floor "Neelima Apartment, S.P.S. Marg, Bhandup, Bombay-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the trainfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days fro mthe date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 62, A-Wing 6th Floor "Neelima Apartment" S.P.S. Marg, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|14686|84-85 dt. 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 8-7-1985

-=----

FORM TINS-

(1) M|s. Ganesh Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vijay Kumar M. Thakar.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR'III/37EE/14687/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Flat No. 24

Marg, Bhandup, Bombay-70.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of :

- (a) by of the aforesaid persons within a period forty live days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within farty live days from the date of the production of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used become as are defined in Chapter XXA of the Said Act, thall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No., 24, A-Wing, 2nd Floor Neelima Apartment, S.P.S. Marg, Bhandup, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|14687|84-85 dt. 1 11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice uder sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date: 8-7-1985

FORM ITNS----

(1) Shri Budhi Lal Velji Thakkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Sunshine Refrigeration.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref .No. AR-III|37EE|14533|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a rair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Shop No. 5, Gound floor, Mayur Mahal, Near Panchrasta, M. G. Road, Mulund (West), Bombay-400 080

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the regarding Officer at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the prorsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per occor or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or --

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer waa/or

(b) facilitating the conceaiment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground floor, Mayur Mahal, Near Panchrasta, M. G. Road, Mulund (West), bombay-400 080.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III|37EE|14533|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 8-7-1985

(1) Shri J. R. Mehta & Ots.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amrish Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAINGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14594|84-85,--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 5, Tower "G". Goverdhan Nagar, L.B.S. Road, Mulund (W), Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evenion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer). and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Tower "G", Goverdhan Nagar, L.B.S, Road, Muluod (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|14594|84-85 dt. 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tary.
> Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-7-1985

FORM TINS-

(1) Mr. Kawaljit Singh Sachdev.

(Transferor)

(2) Mr. Fredrick Wilson Theodor.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-III]37EE|14549|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/and bearing No.

Gala No. 4. Agarwal Compound, Querty Road, Bhandup, Bombay-400 078.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Gala No. 4, Agarwal Compound, Querry Road, Bhandup, Bombay-400 078.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III 37EE 14549 84-85 on 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-7-1985

FINISH LINS

(1) M|s. Star Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R. A. Pillai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Joinbay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III]37.G.2578]84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the izamovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 107, first floor Bldg, No. A-2[13, CTS No. 657-B, Near Bhandup Station (H), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office or the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: gad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferent for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act. (947 (97 pt 1947);

Now, therefore in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (13) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid porsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 107, first floor Bldg. No. A-2|13, CTS No. 657-B, Near Bhandup Station (11). Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|14717|84-85 dt. 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 8-7-1985

FORM ITNS— ---

- (1) M|s. Star Builders.
- (Transferor)
- (2) Mr. John Francis Zalki & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14508|84-85.-Whereas, I. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 201. 2nd floor Bldg. No. B-3|11, Near Bhandup

Station, Bombay-78,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfesred under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 201, 2nd floor Bldg. No. B-3 11, Near Bhandup Station, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 14508 84-85 dt. 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 8-7-1985 Scal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: 83-196GI/85

(1) M|s. Star Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Mathew Lobo & Ora.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14509|84-85.—Whereas, I. PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 216, 2nd floor Bldg. No. A-2|15, Near Bhandup (E) Bernhauf (F)

Station (E), Bombay-78. (and more fully described in the Schedule agnexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of transfer with the objects of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in manufact of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 216, 2nd floor Bldg. No. A-2|15, Near Bhandup Station (E), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|14509|84-85 dt. 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :-

Date: 8-7-1985

Soal :

(1) Ms. Ganesh Builders.

(Transferor)

(2) Smt. Ganga Devi R. Kanthi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37EE 14586 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and

bearing Flat No. 21, B-Wing Second Fl. Neelima Apt. S.P.S. Marg,

Bhandup, Bombay-78.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer: und /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21, B-Wing, Second Fl. Neelims Apartment, S. P. S. Marg, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 14586 84-85

dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

rrow, mererore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

(1) Mr. Ajay Chunikal Saluja & Ors.

(Transferor)

(2) Mrs. Tracy Eric Lewis.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37EE 14470 84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing bearing No. Flat No. D[18, 4th fl. Ishwar Nagar C.H.S. Ltd. L.B.S. Marg, Bhandup

Bombay-78,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfesred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid poreptry and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections ,if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. D-18, 4th fl. Ishwar Nagar, C.H.S. Ltd. L.B.S. Marg, Bhandup Bombay-78. The agreement has been registered by No. AR.III 37EE 14470 84-85 Authority, Bombay under

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

dated 1-11-1984.

- (1) M|s. Hiranandani Indl. Enterprises.
- (Transferor)
- (2) Mis. Navrang Colour Lab.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37EE 14591 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Incompanyable property having a foir market value according movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000!- and

bearing No. Gala No. 134, Hirandani Indl.

Estate, Kunjur Marg, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transfesred under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on

1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion at the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arisins from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein se are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 134, Hiranandani Indl. Estate, Kanjur Marg, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III 37EE 14591 84-85 Authority, Bom dated 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14592|84-85.--Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and

bearing No. Gala No. 136, 1st Fl. S. No. 57 & 58 Kanjur Marg,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfesred under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on

1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under sub-Markon (1) of Scetion 269D of the said Act to the following persons. namely :-

(1) Ms. Hirandani Indl. Enterprise.

(Transferor)

(2) M|s. Manish Plastics.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 136, 1st fl. Kanjur Marg, S. No. 57, & 58 Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIII|37EE|14592|84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 8-7-1985

FORM ITMS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14625|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 22, Bhandup.

Vishal Co-op, Sct. Ltd.

Village Road, Bhandup, Bombay.

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfesred under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument Liransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor. andior
- t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) D. N. Kamdar.

(Transferor)

(2) Ms. Rama Cans Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shalf have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 22, Gr. Fl. Bhandup Vishal Indl. Premises C.H. S. Ltd. Village Road, Bhandup, Bombay.
The agreement has been registered by
Authority, Bombay under No. AR.III 3
dated 1-11-1984. the Competent under No. AR.III 37EE 14625 84-85

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 8-7-1985

(1) Mr. P. N. Kothari Indl. Estate.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ganesh Chandra Ghosh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

AR.III 37EE 14656 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property, having a fair market, value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. 206, P. N. Kothari Inid. Estate, CTS No. 285,

Agara Road, Bhandup, Bombay-78, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfessed under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on

1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arrang from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 206, P. N. Kothari Estate, CTS No. 285, Agra Road, Ilhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 14656 84-85 dated 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

Scal:

FORM ITNS-----

n new fin fire under the control matter in least to the in the control decorate the control decorate the control

- (1) M|s. Unique Builders.
- (Transferor)
- (2) Sh. Pankai J. Tanna & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37EF|14507|84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinather referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Unit No. 76, 1st 'll. Unique
Indl. Estate, S. No. 310,
Mulund (W), Bombay,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed herete),
has been transferred and the acceptant in presistent band. has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to have and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not bees truly stated in the said instru-thent of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazatte or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sold Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 76, 1st fl. Unique Indl. Estate, Mulund (W),

The agreement has been registered by the Competent athority. Bombay under No. AR.JII 37EE 14507 84-85 Authority. 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-ing Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following reasons, namely:— 84-196GT/85

Date: 8-7-1985

(1) Ajay Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. P. R. Bankapure.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37EE 14085 84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 7, 2nd fl. Plot S. No. 74, Mulund (E), Bombay-81.

situated at Bombay

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd fl. plot S. No. 74 H. No. 1 (p) Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 14085 84-85

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 8-7-1985

1-11-1984.

FORM ITNS -- ----

(1) Sitalakshmi & Co.

(Transferor)

(2) Sh. T. S. Nair.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR, III 37EE 14454 84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[and bearing

Flat No. 1, Sringeri, CS No. 736, Kanjur Village, Dattar Colony, Bhandup (E),

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Sringeri, Kanjur Village, Dattar Colony, Bhandup (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJII|37EE|14454|84-85 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

FORM ITNS-

(1) M|s. Kodaco Fibres.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sanjeey Metal Works.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14548|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and

bearing No. Unit 16, Ramgopal Indl. Estate Dr. R. P. Road, Mulund (W), Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 16, Ramgopal Indl. Estate, Dr. R. P. Road, Mulund (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 15548 84-85 1-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 8-7-1985

(1) Prashant Builders.

(2) R. Anantham.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14661|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat 70, 3rd Fl. Shrikrishnadham L.B.S. Marg, Mulund, Bombay-80

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 {11 of 1922} or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 70, 3rd Fl. Shrikrishnadham, L.B.S. Marg, Mulund, Bombay-80,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 14661 84-85 4-11-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

Scal:

(1) Smt. Lajvanti G. Totlani.

(Transferor)

(2) Smt. B. P. Unsadatkat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.III|37EE|14449|84-85.--Whereas, I,

A. PRASAD, beaing the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the competence of the competence as the 'Said Act'), have reason to believe that the immevas the same Act), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing No. Flat No. 15, 2nd fl. Punam Off Dr. R. P. Road, Devidayal Nagar, Mulund (W), Bombay-80 situated at Pershau

Mulund (W), Bombay-80 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: --- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 15, 2nd fl. Fl. Punam, Off Dr. R. P. Road, Devidayal Nagar, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III]37EE]14449[84-85]

Authority, 1-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue II this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following versons, namely :--

Date: 8-7-1985

Scal :

FORM LT.N.S.--

(1) Mr. Virchand P. Dagha & Ors.

(Transferor)

(2) Mr. T. J. Gala.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.[II[37EE]14745[84-85.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the instance of the competence of the competenc movable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing

Plot No. 8-D, Mini Land, Tank Road, Bhandup (W), Bombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereta),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbality of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8-D, Mini Land, Tank Road, Bhandup (W),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|14331|84-85 dt. 1-11-1984,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-7-1985

(1) Smt. N. M. Thakkar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Shri H. R. Shah,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

> Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14317|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Ptot No. 58-B, Room No. 13, Saver Road, Mulund (W), Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961 in the Office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be transfer as agree between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or synalog of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 58-B, Room No. 13, Ambacrupa C.H.S. Ltd. Zaver Road, Muland(W). Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 14317 84-85 dt. 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

Scal:

(1) Mr. J. T. Veera & Ons.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. S. J. Shalia & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMU-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III]37EE|14616|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 5 5A, Shanti Kutir Sheetal Swapana C.H.S. Ltd., 2nd floor, R.H.B. Road, Muland, Bombay-80

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-85-196GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein in are defined in Chapter XXA of the said the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5/5A, Shanti Kutir Sheetal Swapana C.H.S. Ltd., 2nd floor, R.H.B. Road, Mulund, Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|14616|84-85 dt. 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 8-7-1985

FORM ITNS-

(1) M/s. Anil Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Taruna N. Mabbubani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14103|84-85.--Whereas, I. A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable oroperty, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Shop at Ground floor, Jayanti Apartment, Shop No. 3, J. D. Road, Mulund (W), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement by registered under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shop No. 3, ground floor Jayanti Apartment, Shop J. D. Road, Mulund (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 14103 84-85 dt. 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date: 8-7-1985

(1) Shri T. P. Mahadevan.

(Transferor)

(2) Shri S. V. L. Narayanan.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37EE 14745 84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred w as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 15, Building Jyoti, Mulund Hills View C.H.S. Ltd., Mulund (W), Bombay-80,

situated at Bombay

fand more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tal Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, i, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, Building Jyoti, Mulund Hills View Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|14745|84-85 dt. the Competent 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 8-7-1985

(1) Prashant Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri J. R. Pandy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-III|37.EE|14177|84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000; and bearing No. Flat No. 67, 2nd Fl. Shri Krishanadham L.B.S. Marg. Mulund, Bombay-80 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration for such apparent consideration for such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 67, 2nd floor, Shrikrishnadham, L.B.S. Marg, Mulund, Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE|14177|84-85 dt, 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Date: 8-7-1985

(1) Shri Harikrishan Chathurbhui.

(2) Shri P. R. Maru.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-III 37-EE 14232 84-85.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/and bearing No. Shop No. 5. Hari Ehuwan, Saver Road, Mulund (W), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULB

Shop No. 5, Hari Bhuwan, Saver Road, Mulund (W). Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 14232 84-85 dt. 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 8-7-1985

Scal:

(1) Shri Ramakrishnan Krishnan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) R. P. Maru.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III ВОМВЛҮ

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37.FE | 14320 | 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. A, 3rd floor, Amardeep Bldg. Mulund Amar Deep C.H.S. Ltd. Mulund (W), Bombay-80

rituated at Bombay

fand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-i-1-1984

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have renson (b) believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreal to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 3rd floor, Plot A, 3rd floor Amardeep Co-op. Hsg. Soct. Ltd. Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE|14320|84-85, dt. 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 8-7-1985 Date: 28-6-1985.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

FORM ITNS ---

(1) Mis. Vastu Vikas Mandal.

(Transferor)

(2) Smt. L. B. Sonparate.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR III]37.EF|14852|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

pering the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0000 and bearing No. Flat No. 20, 4th floor, Plet S. No. 96, CTS No. 1070(p),

Mithanagar Road, Mulund (E), Bombay-81

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesame exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saki Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used hereia as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 20, fourth floor, S No. 96(p), CTS No. 1070(p) Mithanagar Road, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|377.EE|14852|84-85. dt. 1-11-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 8-7-1985

Scal:

FORM ITNS

(1) Mrs. D. P. Ratda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jamparam Co-op. Hsg. Soct.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

> Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR.III 37.EE 14762 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PKASAIJ, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|- and bearing No. Flot No. 18, 4th floor, Swami Narayan Darshan, Dr. R. P. Rond, Opp. L.I.C. Colony, Mulund (W). Bombay-80 situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is 'registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authorty at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weekth-tuer Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:--The terms and expressions used bersin se are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEHDULE

Flat No. 18, 4th floor, Dr. R. P. Road Opp : L.LC. Colony Mulund (W) Bombay-89.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 14762 84-85 dt. 1-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subscetion (1) of Section 269D of the said Ast. to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

FORM ITNS ----

(1) Jamnaram Co.op. Hsg. Sct. Ltd.

(Transferor)

(2) Swami Narayan Darshau.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No AR.III 37.EE | 14761 | 84-85. - Whereas, I, A. PRASAD,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Flat No. 1, 3rd floor, Dr. R. P. Road Opp; L.I.C. Colony, Muland (W), Mombay-64

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transierred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984

on 1-11-1904

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the ransferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1932 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Acts hereby in tiate proceedings for the acquisition of the afore ail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2690 of the said Act to the following namely :---

86--196 GI[85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used hereig as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have t that Chapter. have the same meaning as given in

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 3rd floor Swami Narayan Darshan Opp: L.C. Colony, Mulund (W), Bombay-80.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 14761 84-85, dt. 1-11-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 8-7-1985

Scal:

FORM 11No-

(1) Smt. Geet Tandon alias Rajshree.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. N, R. Diamond.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-1|37EE|4609|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000|- and bearing

Office No. 14-A. Dharam Palace Hughes Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed herefo), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 7-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Jucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 14-A, 1st floor, Dharam Palace, Hunghes Road, Bombay-7.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/14486/84-85 on 7-11-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 9-7-1985

(1) M|s. Sumer Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TACK ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kamladevi A Chopra and Shri Abhaykumar A. Chopra

(Transferee)

(3) Builder.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 9th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4576|84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

Flat No. 705 in Sumer Towers No. 1 situated at Seth Motisha (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Fransfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 705 on 7th floor, Building No. 1 in SUMER TOWERS, at Love Lane, Seth Motisha Road, Mazgaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|4634|84-85 on 7-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I **Bom**bay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persuance accounts. ing persons, namely:—

Date: 9-7-1985

FORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

GOVERNMENT OF INDIA

INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th July 1985

Ref. No. AR-I]37EE|4819|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 1402, Sumer Towers No. 1 situated at Seth Motisha Road Maybaon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M|s Sumer Associates.

(Transferor)

(2) Shri Pukhraj P Kavedia.

(Transferee*

(3) Builder.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovalbe property,, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1402 on 14th floor, Building No. 1 of SUMER TOWERS, at Love Lane Seth Motisha Road, Mazgaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, uneder Serial No. AR-I|4943|84-85 on 28-11-84.

P. N. DUBFY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bogabay

Date: 9-7-1985

FORM ITNS ...

(1) M/s Sumer Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Paven S. Jain and Shri Sampatraj O. Jain HUF

(Transferee)

(3) Builder.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th July 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(Person in occupation of the property)

Ref. No. AR-I[37EE]4521[84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 1102 in Sumer Towers No. 1 situated at Seth Motisha Road, Mazgaon. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the paragraph in registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income ro any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 1102 on 11th floor in Building No. 1 of SUMER TOWERS at Love Lane, Seth Motisha Road, Mazgaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I[4401]84-85 on 7-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date · 9-7-1985

Scal :

FORM NO. I.T.N.S.--

(1) Mls. Gundecha Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Arvind G. Kothari and Mrs. Laliavati G. Kothari.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th July 1985

AR-1|37EE|4708|84-85.-Whereas, I, Ref. No. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 11 on 1st floor Plot No. 926 situated at New Prab-

hadevi Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 12-11-84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tag under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sction 2697 of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, ... shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11. Wing 'D' on 1st floor, Plot No. 926, T.P.S. No. IV, Mahim area, New Prabhadevi Road, Bombay. The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I 4459 84-85 on 12-11-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bombay

Date: 9-7-1985

Scal:

FORM UTNS

(1) Mr. Amirali R. Jaffer.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Saahil Styles,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4633|84-85.—Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Industrial Unit No. 12, Amir Industrial Estate situated at

Lower Parel.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 7-11-84.

fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer y and 1 have value of the as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which englit to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

. Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act., shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 12 on 1st floor of Amir Industrial Estate. Sun Mill Compound, Sun Mill Road, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-J|4516|84-85 on 7-11-84,

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II

Date: 9-7-1985

(1) Mr. Amirali R. Jaffer.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Saahil Trust.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th July 1985

Ref. No. AR-1/37EE/4635/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Industrial Unit No. 3 Amir Industrial Estate situated at Lower Parel.

(and more fully described in Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 7-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 3 on 1st floor of 'Amir Industrial Estate & Sun Mill Compound, Sun Mill Road, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|4518|84-85 on 7-11-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Bombay

Date: 9-7-1985

FORM ITNS (1) Amirali R. Jaffer,

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) R A Menswear

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th July 1985

Ref. No. AR-I 37EH 1634 84-85,--Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00 000 and bearing

Industrial Unit No. 13, Amir Industrial Es ate situated at Lower Parel.

rand more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the important Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 7-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair mark't value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires laters
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION;—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 13 on 1st floor of 'Amir Industrial Entry's' Sun Mill Compound, Sun Mill Road, Lower Parel. Bombay-13.

The structurent has been registered by the Competer Authority Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I[4517]84-85 on 7-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) o fSection 269D of the said Act, to the following persons, namely,-

87---196 GI 85

Date: 9-7-1985

FORM 1.T.N.S.—

(1) Mr. Amirali R. Jaffer.

(Transferor:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Saahil Trust,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4632|84-85.--Whereas, I.

P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Industrial Unit No. 4. Amir Industrial Estate situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-11--1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said lumiovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used herein as ere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 4 on 1st floor of 'Amir Industrial Estate' Sun Mill Compound, Sun Mill Road, Lower Parel, Bombay-

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4515|84-85 on 7-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Bombay

Date: 9-7-1985

(1) Mr. Amirali R. Jaffer.

(Transferor)

(2) Saahil Styles.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4636|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Industrial Unit No. 11, Amir Industrial Estate situated at Lower Parel.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the iability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 11 on 1st floor of Amir Industrial Estate, Sun Mill Compound, Sun Mill Road, Lower Parel, Bombay-13,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4519|84-85 on 7-11-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-7-1985

(1) Ms Aristo Traders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s Color Labs.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4549|84-85.--Whereas, 1, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Unit No. 101, Bussa Heavy Industrial situated at Lower

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the far market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ac., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Unit No. 101 on 1st floor in Bussa Heavy Industrial Estate, Hanuman Lane, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4418|84-85 on 7-11-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-take Acquisition Range-I Bombay

Date: 9-7-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

and the property of the proper

FORM ITNS-

(1) Sm¹. Lajwanti Chunilal Talreja.

(Transferor)

28599

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M s Excalibur.

(3) Transferee.

(Trunsferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(Person in occupation of the property)

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

Bombay, the 9th July 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of rublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. AR-I[37EE|4756|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

> (b) by any other person interested in the said immovable projectly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that 'he immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

Gala No. 7, Bharat I'dl. E tate situated at Sowri.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is regisered under section 269AB of the harome-tax Act 1961 in the office of the Competent Authoricy

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

at Bombay on 7-11-1984, for an apparent consideration which is less than the 'air market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Tran for with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpo es of the Indian Income-'ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Gala No. 7, Bharat Industrial Estate, Tokersi Jivraj Road, Sewri, Bombay-15. AP-1|4149|84-85 on 26-11-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Roman Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby ir diste proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-7-1985

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY Bombay, the 9th July 1985

Ref. No. AR-I 37EE 4592 84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Unit No. 212 Narayan Udyog Bhavan situated at Lalbaug

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

28600

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. Chereny initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Lahera Printers & M s Heera Arts

(Transferor)

(2) M|s. J. P. Aircool Services

(Transferee

(3) Nil.

(Person in occupation of the property)

(4) M|s Patel Housing Finance & Construction (P) Ltd.

> (Person whom the undersigned knews to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as-are defined in Chapter XXA of the sald Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Service Unit No. 212 on 2nd floor of Narayan Bhavan, Dr. B. Ambedkar Road, Lalbaug, Bombay-12.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4645|84-85 on 7-11-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Bombay

Date: 9-7-1985

(1) M|s Pradeep Roadways, Prop. Harbhagwan Behal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sant Singh D. Vasan & Shri Jasbir Singh Vasan

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 9th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4602|84-85.-Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the inmoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Office No. 401, Traninex House situated at holapur Street

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent, Authority,

at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office No. 401, 4th floor, Trapinex House, 15, Sholapur Street, Bombay-9.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I | 4481 | 84-85 on 7-11-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid properly by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-7-1985

FORM ITNS ---

(1) Shri Sunil R. Matani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Phamber Gerimal Narang

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th July 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-I|37EE|4649|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a for market value exceeding Rs. 100,000 and beging No.

able property, having a for market value exceeding Rs 1.00,000] and bearing No. Flat No. 341, S.S.S. Nagar situated at Koliwada, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 17-11-1984

28602

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said A.s., shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, we respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 341, Building No. 3, S.S.S. Nagar, Koliwada, Bombay-400 037.

THE SCHEDULE

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I]4548]84-85 on 17-11-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afteresaid property by the usue of the notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-7-1985

FORM ITNS----

(1) Smt, Kalawanti P. Mehrani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Laxman H. Narwani & Prakash H. Narwani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4725|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Flat No. 301. New S.S. Nagar situated at Koliwada, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 369C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this actice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

88—196GI[85]

Objectios, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, Gr. Floor, New S.S. Nagar, Koliwada, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I|4471|84-85 on 17-11-1984.

P. N. DUBFY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Bombay

Date: 9-7-1985

Scal;

(1) M|s. Silver Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prayag L. Khajanchi & Smt. Sushila P. Khajanchi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 9th July 1985

Ref. No. AR-I]37EE]4570[84-85,--Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Shop No. A.12. Gr. floor situated at Dadar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred.

Jias been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyo or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. A-12, Ground floor, Shankar Ghenekar Marg. Dadar, Bombay-59,

The tatement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I]4628|84-85 on 7-11-1984.

> P. N. DUBLY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-to-Acquisition Rore Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely:--

Date: 9-7-1985

Shri H. E. L. Fernandes & (1)Smt. Cecilia Fernandes

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri B. G. Wani, Smt. S. B. Wani, Shri Jagdish Wani, Shri Bipin Wani, Shri Baldeo Wani & Shri Lalit Wani.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I. **BOMBAY**

Bombay, the 9th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4505|84-85.-Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Shop No. 12-C, Jayant Aptt. situated at Prabhadevi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ad jer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the source in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 12-C, Jayant Apartment, Appasaheb Murathe Marg, Prabhadevi, Bombay-25.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4386|84-85 on 7-11-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ranse. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-7-1985

(1) Shri Roopchand T. Ahuia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Suresh Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR-1|37EE|3496|84-85.--Whereas, I. P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 13, Darwesh Niwas Sion East Road, Bombay

situated at Rombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

at Bombay on 22-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as apparent consideration and that the consideration for such transfer as apparent consideration and that the consideration for such transfer as apparent consideration than the consideration for such transfer as apparent consideration. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning is given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, Darwesh Niwas, Plot No. 257, Sion East Road, Bombay-22.

The Statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-J|3678|84-85 on 22-11-1984,

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-7-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs. Suraj Jain,

(Transferor)

IOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kanta Solanki.

(Transferce)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. **BOMBAY**

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR-I 37EE 4782 84-85.—Whereas, I, N. DUBEY,

neing the Competent Authority under Section 269B of the neome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

ks. 1,00,000]- and bearing No.
dat No. 17-B, Heera Panna Bdg. situated at Jn. of B. Desai load at Turdeo Road, Bombay-26

and more fully described in the schedule annexed hereto), as been transferred

ind the Agreement is registered under section 269 AB of he Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

it Bombay on 30-11-1984

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fait market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used nerein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 17-B, 17th floor, Hecra Panna, Juntion of Bhulabhai Desai Road and Tardeo Road, Bombay-26.

The Statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-1/4695/84-85 on 30-11-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-7-1985

(1) M/s. Shiv Gopal Investment & Trading Co. Pvt. Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR-1|37EE|4501|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing No.

and bearing No. Flat No. 3. Makani Manor Bldg. situated at Pedder Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto) and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mrs. Ajan Mohammed Ali Patankar, Dr. Mohammed Ali Patankar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Makani Manor building, Plot No. 16, Peddar Road, Bombay-26.

The Statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-J|4382|84-85 on 7-11-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR--I|37EE|4809|84-85.--Whereas, I,

P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ind bearing No. Unit No. 326, Champaklal Indl. Estate situated at sion (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269 AB o the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

ar Bombay on 28-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the applicant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of icansier with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay an under the said Act, in respect of pry income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957); (1) Ms. Fuji Electronics Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Anupam Printers,

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 326, 3rd floor of Champaklal Indl. Estate. Plot. No. 105, Sim Koliwada Road, Sion East, Bombay-22.
The Statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|4989|84-85 on 28-11-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Merabite Hamely .--

Date: 5-7-1985

Sacl:

(1) Mr. Deepak M. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Niranjan P. Mathur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4710|84-85.--Whereas, I P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 121|A, Heera Panna Bldg, situated at Junction of B Desai Road and Tardeo Road, Bombay-34

and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 121-A, 12th floor, Heera Panna, Junction of Bhulabhai Desai Road & Tardeo Road, Bombay-26.

The Statement has been registered by the Mompetent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I | 4461 | 84-85 on 17-11-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-7-1985

FORM ITNS ----

(1) Architectural Consultants (India) P. 1td.

(Transferor)

(2) International Trading Company

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4507|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property. having a fair Rs. 1,00,000 and bearing market value excoeding

Office Premises No. 4-A, Elphinstone House situated at

Murzban St.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly atated in the said intrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 der from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used htrein as are defined in Chapter AAA of the said Act, shall have the same mouning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; earl /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act on the Wealth-Lax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Offic, Premises No. 4 %, 3rd floor, Elphistone House, 17 Murzhan Road, V.T. Bombay-1.

The Statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I[37EF]4388[84-85] on 7-11-1984.

P. N. DUBFY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-f Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

89-196 GI 85

Date: 5-7-1985

(1) Shri Mukesh Kumar Agrawal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis Hindusten Metal Works.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4823|84-85.-Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Unit No. 8, Vasan Udyog Bhavan situated at Lower Parel and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby indiste proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons; namely ;-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 8, Ground floor, 'Vasan Udyog Bhavan' Off Senapati Bapat Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I | 4946 | 84-85 on 28-11-1984.

P. N. DUBEY Computent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Lecome-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-7-1985

Scal:

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4506|84-85.-Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereimafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immo-

vable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 143. The Atur Terrace situated at Cuffe Parade
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Charles Albert Mac Mull.

(Transferor)

(2) Mr Ramesh Uttamchand Ajmera and Mrs. Vaikuvar Aimera.

(Transferec)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons wi hin a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and regulations used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE COMEDULE

Flat No. 143, 13th floor, The Attribute Co-op. Hisg Soc. Ltd., Cuffe Parade, Bombay 400 005.

The statement has been registered by the Commetant Authority, Acquisi ion Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4387|84-85 on 2-11-1984.

> P. N. D. BAY Competent Introdity Inspecting Assistant Commissioner of Jacoure tax Acquisition Range-I, Bermbar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-7-1985

Scal:

(1) Shri Mansukhlal M. Kothari (Natural Guardian and Father of Miss Sujata, Miss Sonal & Miss Tina). (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) QF THE INCOME-TAX ACT 1951 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Manjula K. Sanghvi and Mr. Keshrimal J. Sanghvi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-L BOMBAY

Bombay, the 9th July 2985

Ref. No. AR-1|37EE|5100|84-85,-Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing No. Flat No 302, Anuj Bidg Stuated at Cowalia Tank

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authoritat Bombay on 20-11-1984

for an apparent consucration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there or by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay for under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the conscatours of any income or any moneys or other assets wind have not been of which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the fudual Income-far Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of pub lication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, Anuj, C.S. No. 638 at Gowalia Tank Road, Bornbay-36.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3661|84-85 on 20-11-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :--

Date: 9-7-1985

Scal :

FORM ITNS----

(1) Shri Dilip Venkatrao Dijode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nanda Atul Waghela,

(3) Shrl Dilip Venkatrao Doijode.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th July 1985

Ref. No. AR-1|37EE|3680|84-85.-Whereas, I. P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
Flat No. 21, Rukmani Nivas situeted at Dadar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bitween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULF

(b) facilitating the concealment of any income of any inco

Block No. 21, Rukmani Nivas, 26 Senapati Bap & Road,

Dadar, Bombay 28.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I/3704/84-84 on 13-11-1984.

therefore in pursuance of Section 2690 of the said Act. I he ely initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely -

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Rombay

Date: 9-7-1985

(1) PSB Construction Co. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Bela N. Parikh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 8th July-1985

Ref. No. AR-I/37EE/3762/84-85.—Whereas, 1, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax A.1, 1931 (13 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 1, PSB Apartments situated at Worli Naka (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated by the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the enid Act in respect of any income arising from the transfer; and por
- (b) ficilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometan Act. 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 3rd floor in Building No. 2, PSB Apartments, B, G. Kher Road Worli Naka, Bombay, The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-|3707|84-85 on 6-11-1984.

P. N. DUBEY Competent Au hority Inspecting Assistant Commissioner of Inco ne-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquilition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1, of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-7-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) Wallace Property Development.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-I/37FF 4628 84-85.—Whereas, I, . N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the Said Act'), have reason to believe that the immov-ble property, having a far market value

xceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. lat No 205, Wallace Apartments 11, situated at Grant Road,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred and the agreement is registered under ection 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of he Competent Authority it Bombay on 7-11-1984

or an apparent consideration which is less than the fair or an apparent consideration when is consideration market value of the aforesaid property, and I have reason o believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor hy nore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to better the market has not been tally stated in the said internal veen the parties has not been truly stated in the said instru-nent of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

(2) Mrs. M. V. Ghelani, Mr. R. V. Ghelani, Mr. Mukesh V. Ghelani, Mr. Shirish V. Ghelani.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205, Wallace Apartments II, Junction of Tokarshi Jivaji Road and Sleater Road, Bombay-7. The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-I|4510|84-85 on 7-11-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 8-7-1985

Ceal:

The state of the s

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) S. J. K. Trust of India.

(Transferor)

(2) Nandan Sales Corporation.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4755|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000 and bearing

Room No. 514 on Anant Deep Chambers situated at Narshi

Natha Street

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section, 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1937); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 514 on 5th floor in Anant Deep Chambers, 273|77 Narshi Natha Street, Bombay-9.

The statement has been registered by the Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4675|84-85 on 30-11-1984.

P N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

eligin i depletor designar se<u>lle e</u>

(1) Kasam Mohamed Thakur, Sattar M. Thakur. FORM ITNS ---(Transferor)

(2) Premji Lakhani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4741|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-Rs. 1,00,000]-and bearing

Flat No. 10, Central Court situated at Motlibai Street Agripada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to balieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of counter with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Central Court, Motlibai Street, Agripada, Bombay-11.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4147|84-85 on 23-11-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---90-3196 GI 85

Date: 8-7-1985

Scal :

(1) Mr. Harnam Singh Inder Singh, Constituted Attorney of Mr. Balwant Singh,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Waster Mohammed Irfian Abubakar Kapadia. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4686|84-85.-Whereas, I,

P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No. Godown No. 'F' Nutan Pushpak Premises Co-op. Soc. Ltd., situated at Bombay-1

28620

(and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ?---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Agt, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Godown No. 'F' in Basement of Nutan Pushpak Premises Co-op. Soc. Ltd., Junction of Palton Road, and Musafirkhana, Bombay-1.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I | 4441 | 84-85 on 17-11-1984. the Competent

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Date: 8-7-1985

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT OFFICE OF THE INSPECTING COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR-I 37EE 4685 84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing Godown No. F. Manish Market situated at Bombay-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

at Bombay on 17-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mr. Harnam Singh Inder Singh, Constituted Attorney of Mr. Balwant Singh. (Transferor)
 - (2) Miss Rahila Abubaker Kapadia.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown No. 'F' in Basement of Nutan Pushpak Premises Co-op. Soc. Ltd., Juction of Palton Road and Musafir Khana, Bombay-1.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-4440 84-85 on 17 11 84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-7-1985

(1) Mr. Nilesh Shah.

(Transferor)

PUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Ramesh A. Gandhi and Dr. (Mrs.) Renuka Ramesh Gandhi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4575|84-85.--Whereas, I. P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Flat No. 1, Dun Apartments situated at Jaojee D Road (Tordeo Road)

and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the Jate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 11th floor, 'Dun Apartmenta' Jeojee Dadajee Road (Tardeo Road) Lallubhai Amichand Compound, Bombay-7.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I 4633 84-85 on 7-11-1984. Competent

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-7-1985

Scal :

(1) Shah & Nehar Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Nanik L. Hingorani and Mrs. Chandra N. Hingorani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

AR-I[37EE|4793|84-85.-Whereas, I. Ref. No. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Siad Act'), hwe reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Unit No. 251, Shah & Nahar Indl. Estate A-1 situated at

Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section, 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) (acilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilifating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 251 on 2nd floor in Shah & Nahar Estate A-I, S. I. Marg, Lower Parel, Bombay-13. Industrial

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I 4924 84-85 on 28-11-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

7 Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 5-7-1985

Scal:

FORM LT.N.S.

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

[PART I]]-SEC.)

(2) Shri Ramanlal Premchand Shah (HUF)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR-1|37EE|4795|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Unit No. 150, Shah & Nahar Indl. Estate situated at Lower

Parel

28624

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Hombay on 28-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 150 on 1st floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-2, Dhanraj Mill Compound, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay 13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I-4023 84-85 on 28-11-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I,

Now, therefore, in pursuance of Section, 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-7-1985.

Soal :

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Yogesh C. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION PANGE-I,

Bombay, the 5th 1985

Ref. No. AR-I|37EE|44008AB 4-VASTeas. I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Unit No. 211, Shah & Nahar Indl. Estate situated at Lower

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said kustrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 211 on 2nd floor in Shah & Nahar Industrial Estate, A-2, in Dhanraj Mill Compound, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I]37EE|4926|84-85 on 28-11-84.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; s od / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date 5-7-1985. Scal .

FORM ITNS----

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

> Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR-|137EE|4738|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[and bearing No. Unit No. 201, Shah & Nahar Indl Estate situated at Lower

Parel, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration the ofor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und / th
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(2) Smt. Kamlaben Tarachand Jain & Shri Anil Kumar T. Jain.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Clapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Unit No. 201, 2nd floor in Shah & Nahar Industrial Estate, A-2, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|37EE|4663|84-85 on 29-11-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1,7
> Bombay

Dato: 5-7-1985.

Scal:

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Prabhakar Shankar Vaidya.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF NCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 8th July 1985

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-1|37EE|4789|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Unit No. 212-A, Shah & Nahar Indl. Estate situated at Lower Parel. Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Boinbay on 28-11-1984

Boinbay on 28-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of : transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Unit No. 212-A, in Shah & Nahar Industrial Estate, A-2, in Dhanraj Mill Compound, S. J. Marg, Lower Parel, Bomba<u>y-</u>13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I[4927]84-85 on 28-11-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 5-7-1985.

Seal:

91---196 GI|85

FORM ITNS

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Kavideep Prints.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR-1]37-EE[4805[84-85,---Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Unit No. 442, Shah & Nahar Indl. Estate situated at Lower Parall Persham

Parel, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28-11-1984

Bombay on 26-11-1984 ror an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE Unit No. 442 on 4th floor in A-L, Shah & Nahar Industrial Estate, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Scrial No. AR-II4932|84-85 on 28-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombuy

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely :--

Date: 5-7-1985.

FORM ITNS-

(1) Shah & Nahar Associates.

(2) Prem Printers & Stationers.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR-J|37EL|4788|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Unit No. 149 on 1st floor in Shah & Nahar Industrial Estate,

A-2 situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Sald Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 149 on 1st floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-2 in Dhanraj Mill Compound, S. J. Marg, Lower Parel. Bombay-13.

The statement has been registered by the Competerst Authority, Acquisition Range-I, Bombuy, under Serial No. AR-I | 4928 | 84-85 on 28-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 5-7-1985.

FORM ITNS-

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

· There are the second of the

(2) Mrs. Meena Dilipkumar Kapadia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immov-

Bombay, the 5th July 1985

able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotto.

Ref. No. AR-I[37EE]4787[84-85.--Whereas, I,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the isamov-

able property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000|- and bearing Unit No. 154, Shah & Nahar Indl. Estate situated at Lower

Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evarion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 154 on 1st floor in Shah & Nahar Indl. Estate, A-2, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I | 4920 | 84-85 on 28-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquiritien of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-7-1985.

(1) Shah & Nahar Associates,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR-I[37EE]4792[84-85.--Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Unit No. 330, Shah & Nahar Ind. Estate situated at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office

of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mr. Laxmichand A Shah, HUF & Present Laxmichand Visaria (Minor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 330 on 3rd floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-1 in Dhanraj Mill Compound S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-1/4925/84-85 on 28-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-7-1985.

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Mudrak

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-1|37E12|4517|84-85. -- Whereas, 1, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Unit No. 272, Shah & Nahar Ind. Estate situated at Lower Pared

Parel

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

Unit No. 272 on 2nd floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-2, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I | 4397 | 84-85 on 7-11-84.

(b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-7-1985.

FORM ITNS----

(1) Mrs. P. N. Bhansali

(Transferor)

(2) M/s. Sterling Enterprises

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4763/34-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961–133 of 1961. Thereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Industrial Unit No. 130, Shah & Nahar Indf. Estate situated at Lower Parel

at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-11-1984

and for

for an apparent consideration which is less that the fair market' value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeadd exceeds the approved consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument t transfer with the object of :-

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act in the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

respect of any income wrising from the transfer:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULF

Industrial Unit No. 130 on he floor of Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Dhanraj Mill Compound, Sun Mill Road, Lower Parel, Bomboy-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4681|84-85 on 30-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiale proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985.

FORM IT'NS

NOTACT UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4694|84-85.--Wherens, 1, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Offlice Premises No. 322. Maker Chamber V situated Nariman Point

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of a rate with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income of any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) 1. Mr. Sukhwant Singh, 2. Mr. Kuldeep Singh, 3. Arfan Moosa, Aslam Kapadia, Mrs. Sumaiya Kapadia

(Transferor)

- (2) M|s. Arvind Exports Private Ltd.
- (3) Transfered

(Transferee)

(Person in occupation of the property)
(4) Govt, of Maharashua, Builders & Conf. Parties
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 322 on 3rd floor of Maker Chamter V at Plot No. 221, Nariman Point, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. A-I/4446/84-85 on 17-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Religional Religion Bombay

Date: 8-7-1985.

(1) Smt. Paraidevi G Makar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chunilal Chimnaji Jain,

(Transferce)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I. **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4747|84-85.-Whereas, I,

P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No.

Flat No. 347, Shivaji Nagar CHSL situated at N. M. Joshi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 347, Shivaji Nagar Co-op. Housing Society Ltd.,

THE SCHEDULE

N. M. Joshi Marg, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4664|84-85 on 29-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subSection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-92---196 GI|85

Date: 8-7-1985, Seal ;

(1) Shrì Abbas Haji Allauddin & Smt. Hurbi Umar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

OF INCOME-TAX

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4567|84-85.-Whereas, I,

P. N. DEBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and hearing No.

and bearing No.
Shop No. 5, Girnar CHSL situated at Tardeo Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (2) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Mr. Saifuddin Faslehusein Bhanpurwala, Mr. Huseni Saifuddin Bhanpurwala, Mr. Aijas Saifuddin Bhanpurwala.

(Transferee)

(3) Transferees,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5 on the ground floor of Jai Girnar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 69, Tardeo Road, Bombay-34.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1!4625|84-85 on 7-11-84.

P. N. DUBEY

** Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-I

Bombay

Date: 10-7-1985,

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bembay, the 5th July 1985

Ref. No. AR-1[37EE]4742[84-85.—Whereas, I, P. N. DEBEY,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 24, Om Dariya Mahal No. 3 situated at Napeansea Road. Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 29-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/er
- (b) facrditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the afores: I property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

(1) Shri Dineshchandra A. Shah.

(Transferor)

(2) Shri Rajnikant M. Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 24, Om Dariya Mahal, Building No. 3, 3rd floor, 80 Napeansea Road, Bombay-6.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-14659|84-85 on 29-11-84

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 5-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No AR-I|37EE|4826|84-85.—Whereas, I, P. N. DEBEY,

being the Compeent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 33 Venus CHSI situated at Worli Sea Face, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 29-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mr. Tukaram Govind Chavan.

(Transferor)

(2) Mr. Surendra Singh Mangal Singh & Mrs. Chintamani Surendrasingh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 33, Rlock-B, A-Scheme, Ground floor, Venus Coop. Housing Society, Worli Seaface, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serlal No. AR-I|4372|84-85 on 29-11-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 10-7-1985.

(1) M|s. Orbit Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vitessee Trading Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4777|84-85.—Whereas, I, P. N. DEBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market vaue exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Showroom No. 2, Turf View situated at Worli, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered
under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961
in the Office of the Competent Authority, at Bombay
on 30-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (z) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Show-room No. 2 on ground floor in building 'Turf View' at Plot No. 12-B Der. Annie Besan Road, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I]4691|84-85 on 30-11-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4531|84-85.—Whereas, L. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Office Pre. No. 81 Maker Chambers III situated at Nariman Point Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- M|s. Prem Raj & Co., M|s. Bhagwandas Nichlani & Sons, M|s. Nihlani Properties.
- (2) Ms. Western India Erectors Ltd.

(Transferor) (Transferee)

(3) Tranferor.

(Person in occupation of the property)
(4) M|s. Prema Premises Ltd. Builders.
(Person whom the undersigned knows)

to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the alors and persons within a person of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 81 on the 8th floor of Maker Chambers III, Plot No. 223, Block III of the Backbay Reclamation scheme, Nariman Point, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4409|84-85 on 7-11-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax Acquisition Range-I

Bombay

Date: 8-7-1985

Scool:

FORM I.T.N.S.—

(1) M|s. Dhanraj Mills Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Chandulal H. Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMSSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref No. AR-I|37EE| 4764|84-85.--Whereas, L P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,00|- and bearing

Unit No. 23, Dhanraj Indl. Estate situated at Lower Parel

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 30-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ed-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the sale property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein ... are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Industrial Unit No. 23, Ground floor, Dhanraj Industrial Estate A-I building, Sun Mill Road, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|4682|84-85 on 30-11-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4786|84-85.—Whereas, I P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,0001, and bearing

Rs. 100,000 and bearing
Office Pre. No. 914-915, Tulsiani situated at Chambers
Naria 155 t, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered
under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961
in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 28-11-1984

consideration which is less than the fair for an apparent market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the far market value of the property and of the property are the constant of the property are the constant of the property are the constant of the c aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) K. C. B. Enterprises.
- (Transferor)
- (2) M|s. T. V. M. Enterprises.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 914-915 on 9th floor of 'Tulsiani Press Journal Road, Nariman Point, Chambers' Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I]4921]84-85 on 28-11-1984

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

bombay, the 8th July 1985

Ref. No AR-I 137 FE 1675 64-85.—Whereas, I, P. N. DOBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. I,00,000|- and bearing Flat No. 402, Shalimar Apartments situated at

Cumballa Hill, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

93---196 GJI85

(1) Mr. Bhagwan V. Gidwani.

(Transferor)

(2) Mrs. Prabhavati N. Bhavsar & Mr. Narayanbhai A. Bhavsar.

(Transferee)

(3) Transferces.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402-A, 5th floor, Shalimar Apartments, 571, Cumballa Hill, Rombay-26.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-1/4432/84-85 on 17-11-1584.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-f Bombay

Date: 8-7-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) Mrs Tilak Raj Harichand Mehra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Dexo Laboratories Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Mis. Decilttee Haskins plus self. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-I ROMBAY

Bonibay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-I 37EF 5073 84-85.—Whereas, I, P. N. DUBLY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Office No. 1205 on 12th floor, Dalamal Tower, situated at Plot No. 211, Nariman Point, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 20-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the copy deration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4f days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office No. 1205 on 12th floor, Dalamal Tower, Plot No. 211, Nariman Point, Pombay-21

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AU-I/3677/84-85 on 20-11-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, ramely :-

Date: 8-7-1985,

(1) Mis. Jaizal Enterprises.

(Transferor)

(2) Mls. Shankar Trading Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th July 1985

Ref. No. AR.I|37EE|4781|84-85,-Whereas, I.

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,600/-

and bearing Office No. 218, Tulsiani Chambers situated at

Nariman Point, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 30-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office Nos, 218 on 2nd floor of Tulsiani Chambers, Nariman Point, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4694/84-85 on 30-11-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-7-1985.

(1) International Computers (India) Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) ICL Computers (India) Pvt. Ltd.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th July 1985

may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-I/37EE/4802/84-85,---Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing Flat No. 25 and Garage No. 12 situated at Jamshedji Tata

Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority, at Bombay on 28-11-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Is come-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ac, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(b) facilitating the concealment of any income or any

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

THE SCHEDULE

Flat No. 25 and Garage No. 12, Lotus Gourt building, 196 Jamshedji Tata Road, Bombay-400 020.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|4933|84-85 on 28-11-84.

> P. N. DUBEY
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I Bombay

Date: 9-7-1985

(1) Vinay Pandurang Gadra.

(Transferor)

(2) Associated Carriers

(3) Transferces.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th July 1985

Ref. No. AR-I|37EL|4762|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Room No. 201, Bharat Chambers situated at Beroda St. Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1951 in the Office of the Competent Auhtority, at Bombay on 30-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettee.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 201, 2nd floor, Bharat Chambers, Flat No. 52-C, Baroda Street, Bombay-9.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|4680|84-85 on 30-11-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 9-7-1985.

Seal

(1) Shri Gordhandas S. Garodia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4812|84-85.—Whreas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000] and bearing Flat No. 605, Veena Beena Apartments situated at Sewri (W), Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 28-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facil.taing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(2) Mr. Faizahmed M. Wadiwala & Mohammedali A. Wadiwalla.

(Transferce)

(3) Shri Nitin N. Ved.

(Person in occupation of the property)

Shri Nitin N. Ved.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personwhichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 605, 6th floor in Wing F, Veena Beena Apartments, Acharya Donde Marg, Sewri (W), Bombay-15.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|4938|84-85 on 28-11-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date : 9-7-1985,

PORM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-1|37-EE|4621|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY.

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 3, Mandarama CHSL situated at Dadar. Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 7-11-84, for an apparant consideration which is less than the fair

for an apparant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1 Roque Oliveira, Gration Oliveira, Mrs. Phyllis D'Souza, Mrs. Margart D Souza.

(Transferor)

(2) Manilal D Shah and Mrs. Damayanti M Shah.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5. Mandarmala Co-op. Housing Society, 29, Babarkar Marg, Dadar, Bombay-28.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I-4507|84-85 on 7-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 8-7-1985

(1) Miss Jini Kheshwalla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) ASPI J. MARKAR.

(Transferce)

(3) M|s. Mather and Platt India Ltd. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4780|84-85.-Whoreas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

I lat on the North West side, Dunkold alongwith Garage situated at Harkness Road Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat on the North West side on 2nd floor, Dunkeld alongwith Garage, Ground floor, Hakness Road (Jamnadas Mehta

Road) Bombay-6.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|4150|84-85 on 26-11-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-7-1985

(1) Mls. Jaisons Overseas.

(Transferor)

(2) M]s. Citizen Silk Mills Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-I]37EE|4648|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY.

using the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 15 Garden Apartment and situated at Prarade, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 17-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferel to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaustie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires letter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 1st floor, Satnam Apartment, Opp. World Trade Centre, Cuffe Porade, Bombay-400 005.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/4547[84-85] on 17-11-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 8-7-1985

(1) Mr. Wang Chung alias Phillip Wong.

(Transferor)

(2) Mr. Shekhar M. Shetty.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4608/84-85.—Wheeras, J, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Room No. 1, 2, 3, 4 & 6 in Bombay Market Apartments stuated at Tardeo Main Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair pracket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys on other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Room No. 1, 2, 3, 4 & 6 on 1st floor of Bombay Market Apartments, Tardeo Main Road, Bombay-34.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4485|84-85 on 7-11-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4751|84-85.--Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 4-B-1 in Giriraj Bldg, situated at Altamount Road (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparat consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- (1) Smt. Shanta Rani & Smt. Badsha Rani. (Transferor)
- (2) Sushil Jain & Mrs. Neelam Jain, (Transferee)
- (3) Transferees (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4-B-1, Giriraj, Altamount Road, Bombay-6. The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/4673/84-85 on 30-11-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1985

Ref. No. AR-I 37EE 4808 84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Office No. 401, A Commerce House (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax, Act 1961 in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 28-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Purushottam Velji Solgama,

(Transferor)

- (2) Federation of Paper Traders Association of India. (Transferee)
- (3) News Print Trading & Distribution Co. Ltd. (Person in occupation of the Property)

(4) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office Premises No. 401-A, 4th floor, Commerce House, Nagindas Master Road, Bombay-23

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4930|84-85 on 28-11-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

now, meretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date 11-7-1985

(1) Smt. Kishorl Vaikunth Mahatme.

(Transferor)

(2) Shri Gordon Joseph Almeida.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Transferec.

GUVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR-1|37EE|4737|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

not bearing No. Flat
No. 48, Eucress C.HSL situated at Antop Hill Bombay 37
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incomestax Act, 1961, in the Office at the Competent Authority. at Bombay on 29-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-95—196GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

(Person in occupation of the (property).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used htrein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as shall hat Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 48, 8th floor, C Block at Eucress Co-op. Housing

Soc. Ltd., Antop Hill, Bombay-37.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4661|84-85 on 29-11-1984.

P. N. DUBFY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date 10-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR-I[37EE]3694|84-85.—Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Flat No 26, Sunita Bldg. Wodehouse Road situated at Colaba (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 12-11-1984

at Bombay on 12-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or where each to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Laju Goverdhandas Mahtani.

(Transferor)

(2) Hindustan Lever Limited.

(Transferee)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferce.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 26, 'Sunita' building, Wodehouse Road, Colaba, Bombay-5.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3705|84-85 on 13-11-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incompetax Acquisition Range-J, Bombay

Date: 10-7-1985

(1) Shri Sampatraj Poonamchand Jain

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4464/84-85.—'Vhereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Premises No. 302 Popatlal Chambers situated at Dana Bunder (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

Bombay on 5-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act_{e.} I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under cub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Mrs. Suresh Ashok Kumar Jain

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 302, Popatlal Chambers, 4th Clive Cross Road, Dana Bunder, Bombay-400 009.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-13832|84-85 on 5-11-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-7-1985

(1) Dr. N. K. Doctor

('Transferor)

(2) Dr. D. K. Toprani, of Rajnish Welfare Trust (Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th, July 1985

Ref. 1.0. AR-I]37UE]4716[84-85.—Whereas, 1, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act) have reason to believe that the indiv-able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,90,000/- and bearing No. Garage No. 4, Appa Ghar situated at Solaba (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority,

Bombay on 17-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the ransfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Characer

THE SCHEDULE

Garage No. 4, Apna Ghar, Ground Floor, S.B. Singh Road, Colaba, Bombay.

The statement has been registered by the Competent

Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4465/84-85 on 17-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following cernom, numely :--

Date: 10-7-1985

FORM ITNS ----

(1) M|s. Sumer Associates

(Transferor)

(2) Shii Kantifal Bhabutmal Shah & Smt. Dharmibai K. Shah

(Transferee)

(3) Builder

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-I|37EF|4759|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing No.

Flat No. 502 in Sumer Towers No. 1 situated at Mazgaon (and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred and the agreement is registered under and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

at Bombay on 30-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of sansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 502 on 5th floor in Building No. 1 in 'SUMER TOWERS' at 1 over Lane, Seth Motisha Road, Mazgaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Scrial No. AR-I/4677/84-85 on 30-11-84.

P. N. DUBEY
Competent Anthority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 12-7-1985

FORM ITNS----

(1) M[s Shakti Press

(Transferor)

(2) M|s J. P. Associates

(Transferee)

(4) M/s Patel Housing Finance & Construction P Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> > ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-1[37EE]4593[84-85.-Whereas, I, P. N. DUBEY,

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.
Service Unit No. 219 on 2nd lloor of Narayan Udyog

Bhavan, Dr. A. Ambedkar Road, Lalbang, situated at Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Autho-

at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Service Unit No. 219 on 2nd floor of Narayan Udyog Bhavan, Dr A Ambedkar Road, Lalbaug, Bombay-400 012 The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, undersigned No. AR-I| 4646|84-85 on 7-11-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 12-7-1985

Seal 1

FORM ITNS----

(1) Shri Vijay K. Tuli

(Trans.Jun)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shanti Prakash Mahajan & Gita Mahajan

(Transferee)

(3) Mis National Standard Duncan Ltd.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1985

Ref. No. AR-1|37EE|4651|84-85.—Whereas, I, N. DUBFY,

cing the Competent Authority under Section 269B of the necome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable coperty, having a fair market value exceeding

soperty, having a fair market value exceeding is, 1,00,00]- and bearing No. lat No. 49, his CHSL cituated at Cuffe Parade and more fully described in the Schedule annoxed here(o), as been intended.

nd the Agreement is registered under section 269AB of the accine-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authorty at Bombay on 17-11-1984.

or an apparent consideration which is less than the fair arket value of the aforesaid property and I have reason to flieve that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more that teen per cent of such apparent consideration and that the mideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 49, 13th floor, Iris Co-op. Housing Society Ltd., 102, G.D. Somuni Marg, Cuffe Parade, Bombay-400 005.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-II 4651[84-85 on 17-11-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Stetion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1985

(1) Dr. C. M. Narayanswamy

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Vali M. Parmar.

(3) Tronsferee

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-I[37FE]4829[84-85,-Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing No. Flat No. 11B, Sotya Dheea CHSI Basant Mahal Wadala East

situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bembay on 29-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of mansfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 B., Basant Mahal, Satyadhara Co-op, Housing Soc. 1td. Barkatali Rond, Wadala East, Bombay-31,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquitision Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I 4375 84-85 on 29-11-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bomb

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortential property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act to the following persons remely:-

Date: 8-7-1985

(1) Shri Shrinath B. Kurmi & Mrs Amrsattidevi A Kurmi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Promod H Parab

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA (3) Transferor

(Person in occupation of the property)

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Bombay ,the 8th July 1985

Ref. No. AR-I|37-FE|4499|84-85.---Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Shop No. 27-D, Navyug Mansion Sleater Rd., situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 7-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per sent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Shop No. 37-D, Navyug Mansion, Sleater Road, Bombay-7. The statement has been registered by the Competent Authority, Acquitision Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I, 4368[84-85 on 7-11-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
96—196GI|85

Date: 8-7-1985

(1) Smt. Bilguis G. Bachooali.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shamji K. Soni.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferce

(Person in occupation of the property)

INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-I 37EE 4512 84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Unit No. 20 Susex Indl. Estate Byculla situated at Bombay

has been transferred

(and more fully described in the schedule annexed hereto), and the Agreemnt is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interestedin the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Whilth to Act 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Unit No. 20, 4th floor, Sussex Industrial Estate, Dadoji Konddeo Cross Road, Byculla, Bombay-27.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-II 4394|84-85 on 7-11-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Incometax Acquisition Range-I, Bonfbay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 8-7-198

(1) Kirit Nandlal Kalyani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Tarabai Pardeshi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th July 1985

Ref. No. AR-I|37-EE|3242|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 21, New Nirmal Colony CHSL Wadala situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreemnt is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 15-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the faoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21, New Nirmal Co-op. Hsg. Soc. Ltd., R.A. Kıdwai Road, Wadala, Bombay-31.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Scrial No. AR-I| 4402|84-85 on 15-11-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-to-x
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-7-1985

Seat:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-I|37-EE|4630|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Unit No. 3.1 Milan Indl. Estate situated at Cotton Green Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 7-11-84.

for an appurent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) A A Hosiers

(Transferor)

(2) A Klass Fashions

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 31, 2nd floor, Milan Industrial Estate, Cotton Bombay-33.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I] 4513[84-85 on 7-11-84]

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 8-7-1985

(1) M/s B T Wadhumal

(Transferor)

(2) Smt. Sushiia T Tolani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay ,the 8th July 1985

Ref. No. AR-I]37EE]4604|84-85.--Whereas, I.

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoving the competent of the competence of the co able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Shop No. 12, Gaiwadi Sadan situated at Dr Viegas St. Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Autho-

at Bombay on 7-11-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 12, Ground floor, Gaiwadi Sadan, 147, Dr. Viegas Streen, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Autho-Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1 4483 84-85 on 7-11-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4637/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY

oeing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Shop No. 104, Vardhman Chambers,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tex Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to oclieve that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manafer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or an, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ateresaid property by the lastic of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Vardhman Enterprises

(Transferor)

(2) Shri Devinder singh Jaising Oberai & Smt. Tripatkaur J. Oberai

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 104, 1st floor, Vardhman Chambers, 72 Kalyan Street, Bombay-9.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I| 4544|84-85 on 17-11-85

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Seal :

Date: 8-7-1985.

FORM ITNS-

(1) Mainline

(Transferor)

(2) Mls Sheeba International

(Transferce)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-1|37EE|4709|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[and bearing Office No. 7-1]4 World Trade centre at Cuffe Parade situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule amexed hereto), and the Agreement is registered under section 269 ΛB of the Income-tex Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to with the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. T-1|4, World Centre, Cuffe Parade, Colaba Bombay-5.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I] 4460[84-85 on 17-11-84

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1985

Ref. No. AR-1/37E1/4514/84-85.—Wherens, I, P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Office No. 54 & 55 Mittal Court situated at Nariman reint Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tex Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traffy stated in the said instrument of transfer with the object of :----

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for tne purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, rankely:—

(1) Vaniya Shares Traders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Sutlaj Cotton Mills Ltd.

(Transferec)

(3) Transferce

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

XPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 54 and 55 on the 5th floor, and three car parking scace (Open) Mittal Court B Wing, Nariman Point, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I 4395 [84-85 on 7-11-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bomba

Date: 8-7-1985.

Seal ;

(1) India Saree Museum.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR-1/37EE/4778/84-85.--Whereas, L. P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Shor No. 116, Harra Fanna Shopping Centre, Corner of Haji Ali & Turdeo Road, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26 stuated at Bombay-26.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 30-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1937)

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subrection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 97—196GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Mr. Kurbanhusain Taherbhay Djolkawalla.

(2) Mrs. Batul Kurbanhusain Zaveri,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 116, Heera Panna Shopping Centre, Corner of Haii Ali & Tardco Road Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|4692|84-85 on 30|11|84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-7-1985.

(1) Smt. S. S. Kulkarni,

(3) Transferor.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Ti

(Person in occupation of the property)

terested in the property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be in-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Shri Tilak Kunverji Gada & Geeta Tilak Gada.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notic; on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR-1[37EE|4599|84-85.—Whereas, 1, P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

No. Flat No. 203, Laxmi Apartment situated at Worli Naka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-Tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

rity Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

no) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, Laxmi Apartment, Dr. Annie Besant Road, Worli Naka, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I[4480[84-85] on 7-11-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting A sistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Harish G. Damania & Mr. Dinesh G. Master (Damania).

(Transferor)

(2) Mr. Nilesh Liladhar Shah & Mr. Liladhar O Doshi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. ΛR -I|37EE|4784|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 5, Dun Apartments situated at Tardeo (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 28-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 2nd floor, Dun Apartments, Lallubhai Amichand Compound, 225/227, Tardeo Road, Bombay-400 007.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|4922|84-85 on 28-11-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 12-7-1985.

FORM ITNS----

(1) Mrs. Devibai Jethanand Chugani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Zahid Λ. Nees Laljec.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

> Bombay, the 7th June 1985

Ref. No. AR-I/37EE/3831/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat 10, 6th fl. Malbar Apts, off Nepean sea Rd. Bombay-36

No. 20 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transforred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 10. 6th floor, Malbar Apartments, off. Nepean Sea Road, Bombay-36.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/3749/84-85 on 14-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 3-6-1985.

(1) Anil V Salgaonkar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The solvent Extractors Association of India (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE I, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay 11th July 1985

Rcf. No. AR-1|37EE|4n10|84-85 —Whereas, I, P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. office premise No. 149 Jolly Marker Chambers No.2 situated at Nariman point Bombay

and more fully described in the schedule annexed hereto

at homology on 7-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tex Act, 1961, in the Office of the Competent Autho-

has been transferred

at Bombay on 7-11-84

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: und/or

THE SCHEDULE

.b) incilitating the concealment of ally fricome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office Premises No. 149, 14th fioor, Jolly Maker Chambers No. 2, Survey No. 1929 of Fort Division, Plot No. 225, Nariman Point, Bombay-211

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Scrial No. AR-I 4487 84-85 on 7-11-84

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I,
> Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-7-1985.

and the control of th

FORM LT.N.S.-

(1) Smt. Latifabi Hassen Khan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raghunath B Hegde

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay the 12 July 1985

Ref. No. AR 1|38HE|4542|84-85,—Whereas, 1, P. N. DUBHY

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the un-Movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and

bearing No. Flat No. 504, Veena Beena Apartments situated at Sewri (W) (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Autho-

rity. at Bombay on 2-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and / Or

(b) facilitating the consecutions of any racome or any moneys or other masets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION. -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504 on 5th floor in Wing D, Veena Beena Apartments, Acharya Donde Marg, Sewri (west) Bombay-15.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I 4413 84-85 on 7-11-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-7-1985.

MCTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay 12th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4587|84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the

income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs 1.00,000|- and begging No Unit No. 210, Shiv Shakti Indl. Complex

situated at Lower Parel

at Bombay on 7-11-1984 (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tex Act, 1961, in the Office of the Competent Autho-

at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Farties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afersaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Kamlesh R Bharwani, through Father & Natural Guardian Shri R. S. Bharwani

(Transferor)

(2) Mis Nippon Industries, Prop. of Nippon Construction Co.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 210, Shiv Shakti Industrial Complex, Plot No. 7-B, Sharee Sitaram Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I 4641 84-85 on 7-11-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissione r of Income-tax, Acquisition Range-I. Bombay

Date: 8-7-1985

FORM TING

(1) Mr. Amirali R. Jaffer.

(Transferor)

NOTICE: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls. Creative Garments Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR-I|37FE|4680|84-85.—Whereas I, F. N. DÜBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

No. Indl. Unit No. 9 Amir Indl. Estate.

No. Indl Unit No. 9 Amir Indl. Estate

situated at Lower Parel, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fair market the property is agreed to between the parties consideration for such thansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given : that Chapte:

THE SCHEDULE

Indl. Unit No. 9 on 1st floor of Amir Industrial Estate, Sun Mill Compound, Sun Mill Road, Lower Parel, Bom-

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No AR-I/4436/84-85 on 17-11-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 5-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1985

Ref. No. AR-I]37EE|4690|84-85,-- Whereas I P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

roperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
Flat No. 3, Rekha Building No. 2,
situated at Ridge Road, Lombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 17-11-1984

persons. namely :-- 98--196GI;85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) Mr. Virendra S Jhaveri.

(Transferor)

(2) Shri Himatlal Mansoor & Smt. M. Mansoor.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st floor, Rekha Building No. 2, 46, Ridge Road, Bombay-6.

The statementhas been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I 4445 84-85 on 12-11-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-7-1985

(1) Mangatmal Nemchand Sukhani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.

(2) Messrs, S. P. Traders.

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-L BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No P. N. DUBEY. AR-I[371-I]4620[84-85.--Whereas

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000[- and bearing No.

Rs. 1,00,000| and bearing No.

Office No. 4-A. Sugandhi Bldg.

situated at Sutar Chawl, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is rogistered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority, Bombay on 7-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any ranneys or other areas which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-eax Act. 1957 (27 of 1957);

whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The and expressions used terms herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 4-A. 1st floor, 'Sugandhi' 58/60, Sutar Chawl, Bombay-2.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4506|84-85 on 7-11-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

14.3w therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ac', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely :- -

Date: 8-7-1985

FORM ITN9-

(1) Pooran Investment Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Hussamuddin Nuruddin Kauka.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

AR-J|37EE|4625|84-85.--Whereas No. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Shop No 81, Heera Panna Shopping Centre, Corner of Haji

Ali & Tardeo Road Bhulabhai Desai Road, Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

publication of this notice in the Official Gazette.

(b) by any other person intersted in the said immov

able property, within 45 days from the date of the

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

Shop No 81, Heera Panna Shopping Centre, Corner of Haji Ali & Tardeo Road, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400026

The statementhas been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Scrial No. AR-I|4625|84-85 on 7-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Fombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsens, namely:--

Date: 10-7-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4475|84-85.JWhereas I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Hat No. 34, Bakhtawar Co-operating Housing Society Ltd. Narayan Dabholkar Road, Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 2-11-1984 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any mensys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Aloo B Billimoria, Gool B Billimoria Mehr B Sorabji, minor by Guardian Mr B. M. Sorabji,

(Transferor)

(2) Voltas International Limited.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 34, Bakhtawar Co-op. Housing Society Ltd. Marayan Dabholkar Road, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|3833|84-85 on 2-11-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Rombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR-1|37EE|4696|84-85.—Whereas, 1, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No. Flate No. 1, Mayflower Bldg. situated at armichael (and more fully described in the schedule in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Computer Authority at

the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. S. S. Suchdev.

(Transferor)

(2) Mrs. Rama Somani, Sitaram Arpan Charity Trust Trustee B, K. Pachisia.

(Transferee)

(3) Transferor.(4) Transferee.

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gwzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 1, Ground floor, Mayflower, Carmichael Road, Bombay-26.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4448|84-85 on 17-11-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-I, Bombay

Date :10-7-1985

FORM LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-I|37FF|4750|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 207, Bharat Nagar CHSL situated at Grant Road, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 29-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which wight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

- (1) Smt. Pushpabai Lalchand Assarpota.
- (Transferor)
 (2) Shri Maneklal S. Bhansali & Smt. Ugmadevi M.
 Rhansali

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 207, Bharat Nagar Co-op. Housing Society, Grant Road, Bombay-7.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4672/84-85 on 29-11-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-7-198

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

AR-I|37EE|4520|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 1101, Sumer Towers No. 1, situated at Seth Motisha Road, Mazgaon

(and more fully described in the schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Copetent Authority.

Bombay on 7-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subrection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mls Sumer Associates.

(Transferor)

- (2) Shri Chandanmal Otarmal Jian (HUF) Shri Rakeshkumar C. Jain,
- (3) Builder.

_--

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1101 on 11th floor Building No. 1 of Sumer Towers at Love Lane, Seth Motisha Road, Mazgaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4400|84-85 on 7-11-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-7-1985

FORM TINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ravindra Dattatraya Harjanavis.

(Transferor)

(2) Western Traders.

(Transferee)

(3) Western Traders.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Rcf. No. AR-I|37EE|3764|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Gala No. 22, Sussex Ind. Estate situated at Bombay-27. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 14-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the thability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE

Gala No. 22, 1st floor, Sustex Indl, Estate, Dadoji Konddev Cross Lane, Byculla, Bombay-27.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|3708|84-85 on 14-11-1984.

P. N. DUBLY
Competent Author
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

persons, namely :-

Date: 12-7-1985

FORM ITNS-----

(1) Kumari Priya A. Mansukhani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 195)

(2) Mls Sivaram Silk Mills Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4798|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-No. Unit No. 208, Shiv Shakti Indk. Complex and bearing

situated at Lower Parel,

(and more fully described in the schedule annexed herto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 28-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of 'the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the followne persons, namely:---

99-196GI|85

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 208 at Shiv Shakti Industrial Complex, Sitaram Mill Compound, Jivraj Ramji Bhoricha Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1|4936|84-85 on 28-11-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-7-1985

(1) Miss Sheila N. Bharwani.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rajesh Kumar Dinesh Kumar.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4797|84-85.-Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

No. Unit No. 211 Shiv Shakti Indl. Complex.

situated at Lower Parel,

and/or

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 211 at Shiv Shakti Industrial Complex, Sitaram Mills Compound, Jivraj Ramji Bhoricha Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|4937 84-85 on 28-11-1984.

(b) faiilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versions, namely

Date: 12-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|1665|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Flat No. 904 on 9th floor situated at Mazgaon.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 17-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

(1) M|s Sumer Associates.

(Transferor)

(2) Smt. Shantaben Babulal & Shri Kirankumar Babulal.

(Transferee)

(3) Builder.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 904 on 9th floor, Building No. 1 in 'Sumer Towers' at Love Lane, Seth Motisha Road, Mazgaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4531|84-85 on 17-11-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-7-1985

FORM ITNS----

- (1) Bussa Udyog Bhavan Ind, Premises Co.op Soc. Ltd.
- (2) Mr. Mulchand P Nahar & Mr. Pravin P. Nahar. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4732|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Unit No. 30A, Bussa Udyog Bhavan situated at Sewri (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a))facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor
- facilitating the concealment of any moone of any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 (b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 30A, Ground floor, Bussa Udyog Bhavan, T.J. Road, Sewri, Bombay-15.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-J, Bombay, under Serial No. AR-I/4146/84-85 on 19-11-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1985

Sent:

(1) Sumer Associates.

(Transferor)

(2) Smt. Bhugwatiben M. Palrecha, Shri Rajendrakumar M. Palrecha,

(Transferce)

(3) Builder.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4818|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

No. Flat No. 602, Sumer Towers No. 1 situated at

Mazgaon,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Compotent Authority at Bombay on 28-11-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); may be made in writing to the undersigned:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 602 on 6th floor in Building No. 1 of Sumer Towers, Love Lane, Seth Motisha Road, Mazgaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4944|84-85 on 28-11-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay the 12th July 1985

Ref. No. AR-1[37HE]4619]84-85.—Whereas, I. P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. Flat No. 505, Sumer Towers situated at Seth Motisha

Road, Mazgaon,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellewing persons, namely :-

(1) M|s Sumer Associates.

(Transferor)

(2) Shri Pravin Kumar Mangilal Dhoka.

(Transferee)

(3) Builder.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 505 on 5th floor in building No. 1 in Sumer Towers, Love Lane, Seth Motisha Road, Mazgaon, Bombay-

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/4505/84-85 on 7-11-1984.

> P. N. DUBFY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-I, Bombay

Date: 12-7-1985

FORM LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMAY

Bombay, the 12th July 1985

Rcf. No. AR-I|37-EF|4670|84-85,—Whereas, I P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Flat No. 403, Sumer Towers No. 1 situated at Mazgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 17-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the and property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affirem per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

a) lacintating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) M|s. Sumer Associates
- (Transferor)
 (2) Mr. Phutermal K. Jain & Mrs. Nuribai P. Jain
 (Transferee)
- (3) Builder.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403 on 4th floor in Building No. 1 in Sumer Towers, at Love Lane, Seth Notisha Road, Mazgaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Rainge-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4536/84-85 on 17-11-84.

P. N. DUBEY

Competent Authority
Inspecting Amistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-7-1985

Seal ;

(1) Mls. Sumer Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shantilal K. Jain & Smt. Gayansynderbai S. Jain.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

(3) Builder.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No AR-I 37EE 4670 84-85.—Whereas, I P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Flat No. 703, Sumer Towers No. 1 situated at Mazgaon

(and more fully described in the Schedule annexed bereto). has been transfered

and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 28-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of wansfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 703 on 7th floor in Building No. 1 in Sumer Towers, at Love Lanc, Seth Motisha Road, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under S. No. AR-I | 4945 | 84-85 on 28-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-7-1985

FORM ITNS-------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4588/84-85.—Whereas, 1 P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269AB(i)(b) Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing

No. Unit No. 210, Shiv Shakti Industrial Complex situated at Lower Parel.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or whi is ought to be disclosed by the manaferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 14 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 11. 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. Nippon Industries, Prop. of Rippon Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Tapan Banerice.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. hever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 210, Shiv Shakti Industrial Complex, Plot No. 7-B, Shree Sitaram Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13. The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I[4642]84-85 on 7-11-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Act, l. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

100-196GI[85]

Date: 12-7-1985

FORM ITNS----

(1) Smt, Sudha B, Tiwari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Harish Musical Industries.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Hombay, the 9th July 1985

Ref. No. AR-1|37EE|4641|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs.

1,00,000] bearing
Unit No. 108, Kalindas Udyog Bhavan Society Ltd.
Worli situated at Hombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than he fair market alue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sed/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No 108, 1st floor, Kalindas Udyog Bhavan Society Ltd., Worli, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4540/84-85 on 17-11-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 9-7-1985

FORM LT.N.S.~

(1) Shri Tikamdas Mohandas Chhabria, Hari P. Khandari.

(Transferor)

(2) Inderlok Hotels Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombag, the 11th July 1985

AR-I[37EE[4548[84-85.—Whereas, I. kef. No. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Land and premises with buildings situated at Gokhale Road (South) Dadar known as Shroff Market situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and What the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land hereditaments and Premises with buildings standing thereon at Gokhale Road (South) Dadar known as 'Shroff Market' bearing CS No. 1 1554 and 1554 Part of Lower Parel Division.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I|4410|84-85 on 7-11-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preopedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BCMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref No. AR-I/37FE/4650/84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Cola No. 20, Shah & Nahar Industrial Estate
situated at Lower Farel, Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and the Agreement is registered
under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961,
in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M|s. Thorapeutics Investments Pvt. Ltd.
- (Transferor) (2) M/s TOR Engineering Services Pvt. Ltd
 - (Transferee)
- (3) Transferee (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said proptrty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 20 Shah & Nahar Industrial Estate, Dhanraj Mills Compound, I ower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4549/84-85 on 17-11-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-7-1985

(1) Shri Vishnu Bhagwandas Karnani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Khemke Textiles

(Transferce)

(4) Transferce.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-I 37EE 4552 84-85.—Whereas, I.

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act I have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Gala No. 306 Bussa Udyog Bhavan situated at

Sewri, Bombay-15

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; Gala No. 306, 3rd floor of Bussa Udyog Bhavan Industrial Premises Co-op. Soc. Ltd., Plot No. F&G, Golanji Hill Road, Sewri Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4421|84-85 on 7-11-1984.

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bembay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-1]37EE|4569|84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Unit No. 102, Bussa Udyog Fhavan situated at

Sewri (W) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AD of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay ол 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Indira Jagdish Vyas & Smt. Janhavi G. Vyas.

(Transferor)

(2) Smt. Ruxmaniben Jivraj Gogari, Smt. Sarlaben D. Gogari.

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 102, 1st floor of Bussa Udyog Bhavan Industrial Premises Tokersi Jivraj Road, Sewri (West), Bombay-15.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|4627|84-85 on 7-11-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-I Bombay

Date: 12-7-1985

(1) Shr Gordhandas S. Garodia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri (Dr.) Aslam Suleman Samar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri Vallabhdas M. Thakar.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Vallabhdas M. Thakkar.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I POMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-I[37EE]4706[84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[and bearing No.

Flat No. 601, Veena Beena Apartments situated at Sewri (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1984

fig an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforepaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a perjod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 601 on 6th floor in F Wing of Veena Beena Apartments, Acharya Donde Marg, Sewri (West), Bombay-400 015.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Pange-1, Bombay, under Serial No. AR-I/4408/84-85 on 17-11-1984.

(5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-7-1985

(1) Smt. Mumtaz kassamali Husane.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Haji Ismail Ali Dawray.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

- (3) 1. Smt. Jaibuneisa Haji Ismail Dawray,
 - Miss Zubeda Haji Ismail Dawray,
 Soheb Haji Ismail Dawray and
 - 4. Smt. Fatma.

(Person in occupation of the property)

OF FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|2552|84-85.--Whereas, I, P. N. LUBFY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Rooms No. 81|82, Holy View CHSL situated at Bombay-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

Rooms No. 81|82, Holy View CHSL situated at Bombay-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULF
Rooms No. 81/82, 2nd floor, Holy View Co-op. Housing Society Ltd., 52/76, J. S. Shah Marg, Bombay-400 009.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-J, Bombay, under Serial No. AR-1|4082|84-85 on 29-11-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistan Commissioner of Incommiss
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 10-7-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mr. D. R. Kalewar, Mr. Mahendra R. Kalewar Mr. Mohan R. Kalewar and Shri Madhukar R. Kalewar.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Vasanji Cheda.

(Transferce)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th July 1985

Ref. No. AR-I[37FE]4594[84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of, the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Land & building situated at Kamathipura 3rd Street, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered in the Office of the Competent Authority at Bombay under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situate at Kamathipura 3rd Street, Bombay-8.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1[4647]84-85 on 7-11-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
101—196GI|35

Date: 11-7-1985

Scal;

28708

-- <u>-- -- --</u>

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th July 1985

Ref. No. AR-I[377E|4659|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refered to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Land situated at corner of Gowalia Tank Road & Forlett

Strect.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:-

(1) Soona Homl Gazder, Pallon D Shroff, Rattan S Surveyor, Sheroo P Nawrojee.

(Transferor)

(2) Sailesh Co.op. Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at the corner of Gowalia Tank Road and Forjett Street, Bombay-400 036.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Scrial No. AR-1|4526|84-85 on 17-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-7-1985

(1) Manilal Shamji Thakkar

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. C. R. Dinase & Mr. B. S. Mohan

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4724|84-85.-Wheeras, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. A-7, Hind Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Sion East Bomburg.

bay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office

section 269AB of the income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 20-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-7, Hind Co-op. Housing Society Ltd., Sion

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

East. Bombay. The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|4470|84-85 on 20-11-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ran Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following регоров, изместу:--

Date: 12-7-1985

(1) Swastik Laboratory & Industrial Chemicals (P)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Milichem Laboratories

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4754|84-85.—Wheeras. I. P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Unit No. 117, Hind Rajasthan Departmental Centre situated

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 30-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, la enect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 117, 1st floor, Hind Rajasthan Departmental Centre, 95, Dadasaheb Phalke Road, Dadar, Bombay-14.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4674|84-85 on 30-11-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMESSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, ВОМВЛУ

Bombay, the 10th July 1985

AR-I|37EE|3556|84-85.-Whereas, I, Ref. No. AI P. N. DUBEY,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereisafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
Apartment No. 407, Prasad Chambers situated at Opera

House

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 16-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M]s, Gyanchand Lachmandas

(Transferor)

(2) Shri Natwarlal Shantilal Kethari

(Transferce)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understanced :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period capties than it
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 407, 'Prasad Chambers' C.S. No. 1847 of

Giraum Division, Opera House, Bombay-4.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Hombay, under Serial No. AR-I/3703[84-85] on 16-11-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-7-1985

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS ---

(1) Smt. Ulka J Salpekar

(3) Transferee

(Transferor)

(2) Shri Mohan Madhav Pednekar

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4708/84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 4, Sanjay Apartments 'A' Cadell Road, Dadar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 17-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 4, Sanjay Apartments 'A', Cadell Road, Dadar, Bombay-28.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No AR-I|4447|84-85 on 17-11-84.

P. N. DUBEY Compotent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition, Rangell. Bombay

Date: 12-7-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, вомвлу

Bombay, the 10th July 1985

AR-I|37EE|2551|84-85.—Wheeras, 1, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing Rooms No. 79 80, Holy View CHSL situated at Bombay-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bembay on 29-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. Jad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957))

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Shri Kassamali Suleman Musane

(Transferor)

(2) Haji Ismail Ali Dawray

(Transferec)

- (3) 1. Smt. Jaibunisa Haji Ismail Dawrey,
 2. Miss Zubeda Haji Ismail Dawray.
 3. Sohob Haji Ismail Dawray, and

 - 4. Smt Fatma.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice ia the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 79/80, 2nd Floor, 52-76, J. S. Shah Marg, Holy View Co-op. Housing Society Ltd., Bombay-9. The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No, AR-I/4081/84-85 on 29-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Date: 10-7-1985

FORM ITNS ----

- (1) Smt. Gouribai Satyanarayan Bhat
- (Transferor)
- (2) M|s. Nagji Achaldas

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1985

Ref. No. AR-1|37EE|4603|84-85.--Wheeras, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Garage No. 1A. Navijivan Kutir at Altamount Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 7-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta-Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Garage No. 1A, Navjivan Kutir. 31-A, Altamount Road, Bombay-26.

The statement has been registered by the Compet-Authority, Acquisition Range-I, Bombay; under Serial No. AR-I|4482|84-85 on 2-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Date: 11-7-1985

(1) Mr. Maganlal Girdhar Sodha

(Transferor)

(2) Mls. Shiv Shakti Traders

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-I]37EE|4824|84-85.-Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Indl. Unit No. 127, Ahyaru Ind. Estate, Sun Mill Compound situated at Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the of the Competent Authority, at Bombay on 29-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bilieve that the fair market value of the property as aforcasid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for 1922

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

(b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Industrial Unit No. 127 on 1st floor, Adhyaru Ind. Estate, Sun Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4371|84-85 on 29-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

102--196GI|85

Date: 12-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4667|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 204, Sumer Towers No. I situated at Mazgaon (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is recistared under

Flat No. 204, Sumer Towers No. 1 situated at Mazgaon (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:—

- (1) Mls. Sumor Associates
- (Transferor)
- (2) Mr. Umedmal K Shah & Mrs. Hanjabai U Shah

(Transferee)

(3) Builder.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204 on 2nd floor in Building No. 1 in 'Sumer Towers' at Leve Lane, Seth Motisha Road, Mazgaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4533|84-85 on 17-11-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 12-7-1985

PORM ITNS-

(1) Mis. Sumer Associates.

(Transferor)

(2) Shri Narendra J. Shah & Smt. Nita N Shah.

(Transferce)

(3) Builder.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th Juny 1985

Ref. No. AR-I|377|4758|84-85.—Whereas, L. P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,300|- and bearing

Flat No. 805, Sumer Towers No. 1 situated at Mazgaon. at Bombay on 30-11-1984.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), Aus been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1984.

at Bombay on 1-11-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said proposite

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mouning as given in that Chaoter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the restudion or seasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und /or

Flat No. 805 on 8th floor, Bldg. No. 1 of 'Sumer Towers' at Love Lane, Seth Motisha Road, Mazgaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4676|84-85 on 30-11-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said 9ct, to the following persons, namely:-

Date: 12-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

.Ref. No. AR-I|37EE|4831|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Office No. 62, Mahavir Dharshan situated at Narsi Natha Street.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-11-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the collect of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any memors or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (31 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

(1) Shri Ram Shankar Loknath Shroff.

(Transferor)

(2) Shri Paresh D Valia and Shri Jayesh D Valia.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 62, Mahavir Darshan, 5th floor, Narsi Natha Street, Bombay-3.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-I]4377|84-85 on 29-11-84

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 12-7-1975

FORM ITNS----

(Transferor)

Arvind H Bukhanwala.
(2) Elite Builders Pvt. Ltd.

(1) Jayantilal H Bhukhanwala and

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSIST SIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4714|84-85.-Whereas, L P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Office Premises No. 3, Atlanta Bldg. situated at Nariman

Point,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Jays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not

been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 1—

THE SCHEDULE

Office Premises No. 3|7th floor in building 'ATLANTA' Plot No. 209, Nariman Point, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4464|84-85 on 17-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 12-7-1975

(1) Smt. Savitribai B Kukreja.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpaben K Thakkar and Shri Kamlesh P Thakkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4597|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, veing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 1, Maheshwar CHSL situated at Sio n(E). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties as not been truly stated in the said instrument of transfer th the object of :--

- (14) The literating the reduction or evaluate of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (41 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 in Maheshwar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Opp. Git Govind Hall, Sion East, Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4478/84-85 on 7-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 12-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|3388|84-85.—Whereas, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

Room No. 24, Hasham Premji situated at Kalbadevi Road.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-11-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the farties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Labhkuvar Chhotalal Shah.

(Transfero:

(2) Mr. Sant Lal Pannalal Gupta and Mr. Nareshchand P Gupta.

(Transferee)

(3) Transferor.

(TISTANTELEC)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Example 2. The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Room No. 24, The Hasham Preji Co-op. Housing Society Ltd., 439, Kalbadevi Road, Bombay-2.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3924|84-85 on 2-11-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1985

- (1) Steel Rolling Mills of Bengal Limited.
- (2) Smt. Vinlaben M Sangoi.

(Transferc (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th Juny 1985

Ref. No. AR-I|37EE|2342|84-85.-Whereas, L. P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing Flat No. 802, Navin Asha Premises CHSL situated at Dador

(and moref ully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1984.

at Bombay on 26-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any incomic arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment or any lacome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 802, 8th floor, Navin Asha Premises Co-op. Society I.td., Dadarsaheb Phalke Road, Dadar, Bombay-14.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3395|84-85 on 26-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Acquisition Range-L Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-7-1975

(1) Ambit Corporation.

(Transferor)

(2) Smt. Neelu Kapur.

(Transieree

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-Il37EE|4616|84-85.—Whereas, I. P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Restaurant No. 1, Lotus Court situated at Worli,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 17-11-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fift en per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Restaurant No. 1, Ground floor in building 'LOTUS COURT' Plot No. 12-A, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18 together with 10 car parking space.

Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|4492|84-85 on 7-11-84. The statement has been registered by the Competent

> P. N. DUREY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 12-7-1985

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely :-103—196GI 85

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th July 1985

Ref. No. AR-1]37EE|4539|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Land building bearing C.S. No. 2016 of Bhuleshwar Division (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M|s, Bhagwandas Pohumal.

(Transferor)

(2) Mis. S Deepak Kumar & Co.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE.

Land & building bearing C. S. No. 2016 of Bhuleshwar Division. Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4412|84-85 on 7-11-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 11-7-1985

FORM NO. I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4618|84-85.-Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 102, Veena Beena Apts, situated at Sewri (W). (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered und. section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reducction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Gordhandas S Garodia.

(Transferor)

(2) Mr. Paul Edward Fernades.

(Transferee)

(3) Shri Mavji S Wadher.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Mavji S Wadher.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102 on 1st floor in F Wing, Veena Beena Apartments, Acharya Donde Marg, Sewri (West), Bombay-15.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Scrial No. AR-I|4494|84-85 on 7-11-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 12-7-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4629|84-85.---Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. Flat No. 62 Mona Live Bildy.

Flat No. 62, Mona Lisa Bldg. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competetent Authority, at Bombay on 7-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the upparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evarion of the finbility of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transferor and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Mrs. Bhagwanti Tarachand Shamdasani. (Transferor)

(2) Mr. Baji Jehangirjee Kalwachia & Mrs. Aloo Baji Kalwachia,

(Transferee)

(3) Grindwell Norton Ltd. (Person in occupation of the property)

(4) Grindwell Norton Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovbie property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazztia.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 62, Mona Lisa, 6th floor, Banaji Petit Road. Bombay-400 036.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. No. AR-I | 4512 | 84-85 on 7-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4668|84-85.—Whereas, J. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Flat No. 1304 in Sumer Fowers No. 1, situated at Seth Motisha Road, Mazgaon (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competetent Authority, at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely: (1) M|s. Sumer Associates.

(Transferec)

(2) Mrs. Kesturbai Keshavji & Shri Vinod Keshavji.

(Transferor)

(3) Builder.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal! have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1304 on 13th floor, Building No. 1 in 'Sumer Towers' at Love Lane, Seth Motisna Road, Mazgoan, Bombay-400 010.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. No. AR-I | 4534 | 84-85 on | 17-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-7-1985

(1) Mis. Sumer Associates.

(Transferor)

(2) Manjula Rajkumar Sonigara.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Builder.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION, RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4522|84-85,--Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 701, Sumer Towers No. 1,

situated at Mazguon (and more fully described in the Schedule annexed hereta) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competerent Authority, at

Bombay on 7-1-84
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfeor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 701, on 7th floor in Building No. 1 in 'Sumer Towers' at Love Lane, Seth Motisha Road, Mazgaon,

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Ronge-I, Bombay, under Serial No. AR-I,4402 84-85 on 7-11-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the su Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 12-7-1985

(1) M/s. Sumer Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-I]37EE|4519|84-85.--Whereas, I,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 143 of 1961) (heroinefter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovproperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 301, in Sumer 100 is No. 1, situated at Seth Motishi Road, Mazgaon (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under rection 269 AB of the Incomestax Act, 1961, in the office of the Competetent Authority, at Bombay on 7-11-84

or an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have cason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer The agreed to between the parties has not been truly stated in the said hastrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and[or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(2) Shri Mangilal P. Solanki & Smt. Pushpadevi M Solanki.

(Transferce)

(3) Builder.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, on 3rd floor in Building No. 1, in Sumer Towers' at Love Lane, Seth Motisha Road, Mozgaon. Bombay--10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I 4399 84-85 on 7-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR P. N. DUBEY, AR-I[37EE|4551]84-85.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 503, Sumer Towers No. 1, situated at Seth Motisha Road, Mazgaon (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competetent Authority, at

Bombay on 7-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-metion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

(1) Ms. Sumer Associates.

(Transferor)

(2) Shri Chhaganlal Abirchand Punmiya & Shri Ashok C Punmiya.

(Transferce)

(3) Builder.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503 on 5th floor in Building No. 1 in Sumer Towers at Love Lane, Seth Motisha Road, Mazgaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4420|84-85 on 7-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-7-1985

(1) Kumari Urvashi C Bharwani.

(Transferor)

(2) Mls. Siyaram Silk Mills Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4799|84-85.-- Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Unit No. 101, at Shiv Shakti Industdial Complex Sitaram situated at Lower Point

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competetent Authority, at

Bombay on 28-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and That the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-104 -196GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 101, at Shiv Shakti Industrial Complex Situram Mills Compound, Jivraj Ramji Bhoricha Marg, Lower Purel, Rombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-I|4935|84-85 on 28-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-7-1985

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-I|37EF|4666|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 202, Sumer Fowers No. 1,

situated at Mazagaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesnid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument a transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other access who had not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

- (1) M|s. Sumer Associates.
- (Transferor) (2) Shri Sumermal U Jain &
- Smt. Shanddevi S Jaiu

(Transferee)

(3) Builder.

(Person in occupation of the property)

=== ===

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said minimable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 202 on 2nd floor. Building No. 1 in 'Sumer Towers' at Love Lane, Seth Motisha Road Mazgaon, Bombay-

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bomban, noder Serial No. AR-I]4532]81-85 on 17-11-84.

P. N. DUBEY Competent Austrite Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-I, Bombay

Date: 12-7-1985

FORM ITNS ---

(1) M|s, K. Hiralal & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis, Silver Stars.

(3) Transferce.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th July 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4743|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Office No. 238, Panchranan Bldg, situated at Queens Road, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered ander section 269 AB of the Income-tan Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 29-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen por cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act. in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weaki-ax Act 1957, (27 of 1957);

rvew, therefore, in purusance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(Person in occupation of the property).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 238 on 2nd floor in 'Panchratna' on Plot No. 16, Mathew Road Estate, Queens Road, Bomoay-400 004.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|4667|84-85 on 29-11-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-7-1985.

Scal

(1) Ms. Color Labs.

(Transferor)

(2) Mls, Amit Sales Corporation (Int. Div)

be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-I 37EE 4613 84-85.—Whereas, 1,

P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Office No. 104-A, Matruchaya Building itterted at Nursi Naths St.

situated at Narsi Natha St. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of said property may

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office No. 104-A, 2nd floor, Matruchaya, Building, 378|80, Narsi Natha Street, Bombay-9.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range Range I, Bombay, under Serial No. AR-1|4490|84-85 on 7-11-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-7-1985

PARI III—SEC. I

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1985

Ref. No. AR-I[37EE]4669[84-85.—Whereas, 1, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

Flat No. 203, Sumer Towers No. 1, situated at Mazgaon

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1901, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 17-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s. Sumer Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Sampathraj U Shah & Mrs. Sukhibai S Shah.

(Transferee)

(3) Builder.

(Person in occupation of the property))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, on 2nd floor in Building No. 1 in 'Sumer Towers' at Love Lane, Seth Motish Road, Mazgaon, Bombay-

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4535|84-85 on 17-11-84.

P. N. DUBFY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 12-7-1985

(1) A Umedbhai S Patel.

(Transferor)

(2) Mls. Vaibhay Estates.

(4) Transferces.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR-I/37G/5140/84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tae Act 1964 (43 of 1961) (hereinafter referred to property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

C.S. No. 99 of Colaba Division

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the tighteement is registered under section 269.88 of the Incometax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 2-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(3) Shii K. K. Lula, Shri T. C. Kapoor, Shri R. T. Shivdasani & Heirs of late Mrs. Kamal E Wood, (Person in occupation of the property))

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall bave the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 317/77 and registered on 2-11-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1985

FORM ITNS-----

(1) Shri Ramdas Ranchhoddas.

(2) Rainikant Purshottandas Mehta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Tenants.

(Transferec)

(Person in occupation of the property))

GOVERNMENT OF INDIA

INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

BOMBAY

Bombay, the 11th July 1985

Ref. No. AR-1/37FF/5143/84/85. Whereas, I. P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.0001- and bearing

C. S. No. 1820 of Bholephwar Diva

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 13-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1166/81 and registered on 13-11.84 with the Sub-registrar. Bombay.

P. N. DUBFY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I.
Bombay

Date: 11-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR-I|37EP|5145|84-85 —Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and behaving No.

C. S. No. 3|907(pt) of Girgaum Divn. situated at Girgaum

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Incorne-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 13-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of me liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 It of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Rustom Jahangir Cooper, Pesi D Pocha & Dhun Elvis.

(Transferor)

(2) Bashir Habib Khan, Hazrar Saheba Bashir Habib Khan.

(Transferce)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the stell Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as registered in the Registered Deed No. BOM, 2858¹81 and registered on 13-11-1984 with the Subregistrar, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

owing 17-1585 Seal :

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Zubeda Akberally Zaveri.

(Transferor)

(2) samaludda Karmali Virani, Karatali Noormohamed Viranii & Pachad Jamalbhai Vishrani.

(Transference

(3) Tenams.

(Person in occupation of the groperty))

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGU-I, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5148/84-85.---Whereas. I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herematter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. C. S. No. 2535 of Bhuleshwar Divi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 14-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

Objections, if any, to the acquisition of the said property

from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. B-1257 84 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 14-11-1984.

P. N. DUBFY Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1. Bombay

Date: 11-7-1985

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1985

Ref. No. AR-I|37-G|5150|84-85.---Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 196:) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Land bearing C. S. No. 65 Bridge View situated at Grunt Road, Bombay

(and more fully described in the achedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax / ct. 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 21-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys of other assers which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Joseph Frances.

(Transferor)

(2) Miss. Wajda Yasin Hafiz & Mrs. V. X. Hafiz.

(Transferce)

(2) Tenants.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOMI 2131|81 and registered on 21-11-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1985

Seal:

FORM ITNS-

(1) BP (Indian Agencies) Ltd.

(Transferor)

(2) BP Indian Agencies foint Enterprises Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACCUISITION RANGES, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1985

Ref. No. AR-I[37-G]5151[84-85,---Whereas, I. **P. N. DUBEY**,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000,- and bearing No.

C. S. No. 8-1187 of Fort Divn.

situated at Bombay

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the herecoment is registered under section 26% LB of the foreign fax Act. 1961 on the Office of the Competent Authority.

at Bombay on 21-11-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income prising from the liquide, and cor.

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Acts 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortistid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follows: 106-196G1|85

Mis. I. K. Marine Agencies

(3) Mls. Shahmar Painty,

Ms. Gammon Indian Ltd.

Mis. Mather And Platt (India) Ltd.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as oven in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM: 1066|83 and registered on 21-11-84 with the Sub-registrar, Bombay

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income has
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 11-7-1985

Scal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, M-1|C, GREEN AVENUE, AMRITSAR

Amritsar, the 18th July 1985

Ref. No. ASR|85-86|21.-Whereas, I, J. PRASAD, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0000- and bearing

No. vacant Plot of land situated at Behind Sales Tax Office Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has beentransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar on Nov., 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said market when the consideration with the object of transfer with the object instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reconston or evasion of the hability of the transferor to say tax under the said Act, in respect of any meome arming from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or otheτ assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:— (1) Smt. Sushma Arora wlo. Shri Prem Lal Arora, rlo Bazar Jangi Shivala, Amritaar.

(Transferor)

 Smt. Rajindra Kaur wo Shri Harjit Singh rlo Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferres)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property withm 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Half share of a plot of land measuring in total 562, 1/3 eq. yds. situated at Court Road, Backside of Sales Tax Office, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 5822 dt. 29-11-84 of registering authority, Amritsar.

> J. PRASAD IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amritsar

Date: 18-7-1985.

Seal:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1986

New Delhi, the 17th August, 1985

No. F11|3|85.EI(B).—A competitive examination for recruitment to temporary vacancies in the services and posts mentioned in para 2 below will be held by Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHABAD, BANGALQRE, BHOPAL, BOMBAY, CAI CUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHAFI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NACRUR, PANAU (GOA), PATNA, PORTBLAIR, RAIPUR, SHILLONG, SHILLONG, SHILLONG, SHILLONG, SHILLONG, SHANAGAR, TIRUPATI, TRIVANDRUM, UDAIPUR VISHANAGAR, TIRUPATI, TRIVANDRUM, UDAIPUR VISHANAHAPATNAM, and at selected indian Missions abroad commencing on 2nd February, 1986 in accordance with the Rules published by the Deptt, of Personnel & Training in the Gazette of India, dated the 17th August, 1985.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION, WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OF PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I Para 11).

- 2. The Services and posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various Services and posts are given below:
 - (i) Indian Foreign Service (B)— (Grade II of the Stenographers Cadre)
 - (ii) Railway Board Secretariat Stenographers' Service— Grade C (for inclusion in the Select List of the Brade)
 - (iii) Central Secretariat Stenographers' Service Grade C (for inclusion in the Select List of the Grade)
 - (iv) Armed Forces Healquarters Stenographers' Service—

103**

- (v) Posts of Stenographers in other departments/organisations—and Attached Offices of the Government of India not participating in the I.F.S (B)/Railway—Board Secretariat—Stenographers'—Service/Central—Service/Armed Forces—Headquarters—Stenographers'—Service.
 - Vacancies not intimated by Government,
- **Reservations will be mide for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

The number of vacancies mentioned above is liable to alteration.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services posts mentioned in para 2 above.

If a candidate wishes to be admitted for more than one's Service post he needs send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 7 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the Services/posts for which he applies.

- Note Some departments of the Government of India making recruitment through this examination will require only English Stenographers and appointments to posts of Stenographers in these departments offices on the results of this examination will be made only from amongst those who are recommended by the Commission on the basis of the Written Test and Shorthand Test in English (Cf. para 4 of Appendix I to the Rules).
- 4. A candidate is required to specify clearly in the application form the Services Posts for which he wishes to be considered. He is advised to indicate as many preferences as he wishes to show that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences, when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences tor the Services Prosis for which he is competing would be considered from a candidate unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the result of the written examination, in the Employment News.

- 5. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary. Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs 2.00 which should be remitted to the Secretary. Union Public Service Commission. Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by Indian Portal Order payable to the Secretary. Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office, Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on each payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.
- NOTE—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY
 MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON
 THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE
 STENOGRAPHERS' EVAMINATION, 1986, APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE
 ONE PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1986 WILL NOT BE
 ENTERTAINED.
- 6. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by nost or by nersonal delivery at the counter on or before the 14th October, 1985 (28th October, 1985, in the case of condidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of L&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-division of Chamba district of Himachal Pradesh. Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 14th October, 1985 and whose applications are received by post from one of areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

.-----

A candidate residing in Assam, Meghanya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh, Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad, may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam Mighalaya, Arunachal Itadesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi sub-division of Chamba District of Himachal Pradesh, Antiaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 14th October, 1985.

- Note (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam. Meghalaya, Ladakh Division of J&K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.
- Note (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.
- 7. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 12.00 (Rupees Twelve) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India Main Branch, New Delhi.

CANDIDATES PELONGING TO SCHEDULED CASTES SCHEDULED TRIBES ARE NOT REQUIRED TO PAY ANY FEE.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH, THE ABOVE REQUIREMENTS WILL BE SUMMARILY REJECTED, THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 8 BELOW.

8. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pak'stan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March 1971, or is a bona fite repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964 or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan who had migrated to India during the period between 1st January 1971 and 31st March, 1973, and is not in a position to pay the prescribed fee or is an ex-serviceman as defined below.

"Ex_Serviceman" means a person, who has served in any rank (whether as a combatant or as non-combatant) in the Armed Forces of the Union (viz., Naval, Military or Air Force of the Union) including the Armed Forces of former Indian States but excluding the Assam Rifles, Defence Security Corps, General Reserve Engineer Force Jammu & Kash-

mir Militia, Lok Sahayak Sena and Territorial Army, for a continuous period of not less than six months after attestation as on 14th October, 1985.

- (i) has been released, otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or has been transferred to the reserve pending such release, or
- (ii) has to serve for not more than six months as on 14th October, 1985 for completing the period of service requisite for being entitled to be released or transferred to the reserve as aforesaid, or
- (iii) has been released at his own request after completing five years service in the Armed Forces of the Union.
- 9. A refund of Rs. 3.00 (Rupees Three) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in pare 10 below, nor can be fee be held in reserve for any other examination or selection

- 10. If any candidate who took the Stenographers' Examination held in 1985 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commissions' Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1985 Examination, his candidature for the 1986 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's Office within 30 days from the date of publication of the final results of the 1985 Examination in the Employment News
- 11. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 12. The question papers in General English and General Knowledge, as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules, will consist of objective Type questions. For details pertaining to objective Type Tests including sample questions, reference may be made to "candidates Information Mannual" at Appendix 11.

M BALAKRISHNAI Secretary,
Union Public Service Commission

ANNFXURE I

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORF SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATES MUST SFIFCT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE FXAMINATION.

A candidate wishing to take the examination at an Indian Mission abroad may be required to appear at his own expense, for the Stenegraphy Tests at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 2nd January, 1986 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form and the acknowledgement card wast be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball-point pen. All entries answers should be in words not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

NOTE—CANDIDATES SHOULD CLEARLY SPECIFY IN COLUMN 8 OF THE APPLICATION FORM THE LANGUAGE IN WHICH THEY WISH TO ANSWER THE QUESTION PAPER ON ESSAY AND TAKE THE STENOGRAPHY TESTS VIDE PARAGRAPH 4 OF APPENDIX 1 TO THE RULES OF THE EXAMINATION. THE OPTION ONCE FXERCISED SHALL BE TREATED AS FINAL AND NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE SAID COLUMN SHALL BE ENTERTAINED. IF NO ENTRY IS MADE IN THE SAID COLUMN IT WILL BE ASSUMED THAT THE PAPER WILL BE ANSWERED AND THE SHORTHAND TESTS TAKEN IN ENGLISH.

Candidates should note that only international form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

andidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should therefore take special care to fill up the application form correctly.

107---196GI|85

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even, if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under the Public Enterprises, are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office Department that they have applied for the Framination.

Candidadtes should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their application shall be rejected candidature shall be cancelled.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
 - CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested|certified copy of certificates in support of claim for fee remission (See paras 7 and 8 of Notice and para 6 below).
 - (ii) Attested Certified copy of Certificate of Age.
 - (iii) Attested Certifled copy of certifleate of Educational qualification.
 - (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm× 7 cm. approx.) photograph of the candidate, one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided for it.
 - (v) Attested Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Castel Schedule Tribe where applicable (See para 4 below).
 - (vi) Attested|Certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable [See para 5(b) below].
 - (vii) Attendance sheet (attached with the application form duly filled in).
 - (viii) Two self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms × 27.5 cms

NOTE (i) CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (v) and (vi) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR SHORTHAND TESTS ON THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULT OF MAY, 1986. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CI AIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

NOTE (ii) CANDIDATES ARE FURTHER REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED CERTIFIED COPIES OF ALL THE CERTIFICATES SENT ALONG WITH APPLICATION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4, 5 and 6:

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee-

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary. Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(h) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India Main Branch, New Delhi and should be duly crossed

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft will also not be accepted.

Note—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidate on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

(li) Certificate of Age

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above, Sometimes the Matriculation|Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested|certified copy of the Matriculation|Higher Secondary Examination Certificate, an attested|certified copy of a certificate from the Headmaster|Principal of the Institution from where he passed the Matriculation|Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application the application will be rejected.

NOTE 1—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION|HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATF OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM, AND ENTERID IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

Note 4--A Candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised school preparing students for the Indian School Certificate examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of age in the form prescribed under Note 3 below para 3 (iii) from the Principal|Headmaster of the school concerned and no other certificate as evidence of age will be required.

Note 5—In the case of candidates who are already in permanent Government Service the entries in their Service Book may be accepted as proof of the date of birth and educational qualifications,

(iii) Certificate of Educational Qualifications.—A Candidate must submit an attested certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must experience for a submit such other evidence, as he can to port his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

Note i.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also the candidate who intends to appear as such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

Note 2.—A Candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries regarding the result of the S.S.L.C. examination.

Note 3.—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised School preparing students for the Indian School Certificate Examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of educational qualification in the form prescribed below from the Principal/Headmaster of the school concerned:—

The form of certificate to be produced by the candidate [cf.: Note 4 under para 3(ii) and Note 3 above].

This is to certify that :-

- (2) His/Her* date of birth as recorded in the Admission Register of this School is

 This has been verified from the Transfer. Certificate/Statement made on behalf of the student at the time of his/her* admission to the school.

(Signature of Headmaster/Principal*)

(Name of the School)

Date—

Place-

*Strike out whichever is not applicable.

(iv) Two copies of photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm \times 7 Cm. approximately) photograph one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under tagraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer, as indicated below of the District in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate. If both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the District, in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his owneducation.

The form of certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* son/daughter* of of village/town*
Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950.@

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950.@

the Constitution (Scheduled Tribes Order, 1950.@

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories)
Order, 1951.@

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories)
Order, 1951.

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956; the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act, 1970; the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956.@

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962.@

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962.@

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled 1964.@

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967.@

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968.@

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968.@

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970@ the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978.* the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978.@

%2. Applicable in the case of Scheduled Castes/Scheduled Tribes persons who have migrated from one State/Union Territory Administration.

This certificate is issued on the basis of the Scheduled Caste/Scheduled Tribe certificate issued to Shri/Shrimati* Father/mother of Shri/Shrimati/Kumari*	seried to Shri/ R,M.S. Sorter* employed in the Office of the which is a Department Office of the Government of Judia Union Territory* of and has rendered would render not less than 3 years continuous service as a Clerk Steno-Typist R.M.S. Sorter Stenographer* on 1st January 1986 and continues would continue to be employed as a Clerk Steno-Typist R.M.S. Sorter*
of village/town* in District/Division* of the State/Union Territory* who belong to the caste/tribe* which is recognised as a Scheduled Caste	
Scheduled Tribe*	Place
in the State/Union Territory*	Signature
dated ————————————————————————————————————	Designation—————
%3. Shri/Shrimati/Kumari* and/or* his/her* family ordinarily reside(s) in village/town* of District/Division* of the	Date
State/Union Territory* of ———.	Ministry Office
Signature	Office Stamp
**Designation	*Strike out whichever is not applicable.
(with seal of Office)	Spino one windings in the spinores
Place Date State/Union Territory*	(b) (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6 (C) (ii) or 6 (C) (iii) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/Certified copy of a certificate from one of the following authorities to

- *Please delete the words which are not applicable.
- @ Please quote specific Presidential order.
- % Delete the Paragraph which is not applicable.
- Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the people Act, 1950.
 - **List of authorities empowered to issue Caste/Tribe Certificates.
 - (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/ Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Stipendiary Magistrate/Taluka Magistrate/Execu-Divisional tive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
 - †(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
 - (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
 - (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
 - (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
 - (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer (Lakshadweep).
- Stenographers (including language Stenographers) Clerks/Stenotypists claiming age concession under Rule 6(B) should submit a certificate in original from the Head of their Department/Office in the following form :-
- *(i) Certified that Shri/Shrimati/Kumari* - is a regularly appointed Stenographer employed in the Office of ______ which is a Department/Office of the Government of India/Union Territory* of and has rendered/would render not less than 3 years continuous Service as Stenographer/Clerk/ Steno-Typist/R.M.S. Sorter* on 1st January, 1986 and continues/would continue to be employed as a Stenographer.

Certified further that he/she* has not been appointed on the results of an earlier examination held by the Union Pub-tic Service Commission in CSSS/RBSSS/IFSB stenographers Cadre/Armed Forces Headquarters Stenographer's Service.*

- fee under paraattested Certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971. 1971 :---
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various
 - (2) District Magistrate of the Area in which he may for the time being, be resident;
 - (3) Additional District Magistrates in Charge of Refugee Rehabilitation in their respective Districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge;
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner West Bengal Director (Rehabilitation), in Calcutta,
- (ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6 (C) (iv) or 6 (C) (v) and or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (iii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda (iii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 6 (C) (vi) or Rule 6 (C) (vii) should produce an attested certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the the light of the state of the area in which he may for the time that the state of the area in which he may for the state of the area in which he was a state of the area in which he was a state of the area in which he was a state of the area in which he was a state of the area in which he was a state of the area in which he was a state of the area in which he was a state of the area in which he was a state of the area in which he was a state of the area in which he was a state of the area in which he was a state of the area in which he was a state of the area in which he was a state of the area in which he was a state of the area in which he was a state of the area in which he was a state of the area in which he was a state of the area in which he was a state time being, be resident to show that he is a bona side migrant from the countries mentioned above.
- (iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 6(C) (viii) or 6(C) (ix) and or remission of fee under paragraph 8 of the Notice shaperoduce an attested certified copy of the identity certificate used to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested certified copy of

Part III—Sec. 1]	THE GAZETTE OF IN
a certificate from the District he may be resident to show t	Magnitrate of the area in which hat he is a bong fide repatriate I to India on or after 1st June,
claiming age concession unde should produce an attested of the form prescribed below, it settlement, Ministry of Defen abled while in the Defence S	while in the Defence Services, or Rule 6(C) (x), 6(C) (xi) erutied copy of a certificate in rom the Director-General, Rece, to show that he was discervices in operations during ountry or in a disturbed area ce thereof.
The form of certificate to b	pe produced by the candidate,
of Unit ———— was Services in operations during	disabled while in the Defence hostilities with a foreign counwas released as a result of such
Signe	ature
Designa	ntion
1	Date
*Strike out whichever is n	ot applicable.
(vi) A repatriate of Indian	origin who has migrated from

(vi) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 5(C) (xii) or Rule 6 (C) (xiii) should produce an attested certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area which he may, for the time being, be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July 1975.

(vii) Ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs|SSCOs claiming ago concession in terms of Rule 6(C) (xiv) or 6(C) (xv) should produce an attested|certified copy of the certificate, as applicable to them, in the form prescribed below from the authorities concerned :--

(A) Applicable for Release Retired Personnel

- (a) Has rendered five or more years military service and has been released on completion of assignment otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency,
- (b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on invalidment

Name and Designation of the Competent Authority

Station

Seal

Date -

Applicable for serving personnel

It is certified that No. Rank Name whose date of birth is is serving in the Army|Navy|Air Force from

2. He is due for release/retirement w.c.(. ---- and is likely to complete his assignment of five years by ----

Name and Designation of the Competent Authority

Station

Scal

Date:

Authorities who are competent to issue certificate are as follows:---

(a) In case of Commissioned Officers including ECOs/ SSCOs.

Army—Military Secretary's Branch, Army Hqrs., New Delhi.

Navy—Directorate of Personnel, Naval Hqrs., New Delhi.

Air Force—Directorate of Personnel (Officers), Air Hqrs., New Delhi.

(In case of ICOs|ORs and equivalent of the Navy and Air Force.

Army-By various Regimental Record Offices.

Navy-BABS, Bombay.

Air Force—Air Force Records, (NERW), New Delhi.

- (viii) A displaced person from erstwhile West Pakistan claiming age concession under Rule 6(C)(xvi) or 6(C)(xvii) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973:—
 - Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States;
 - (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;
 - Additional District Magistrates in Charge of Refugee Rehabilitation in their respective District;
 - (4) Sub-Divisional Officer, within, the Sub-Division in his charge;
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.
- 6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(b) (i), (ii), (iv) and (viii) above and seeking remission of the fee under paragraph 8 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

An ex-serviceman claiming remission of fee under para 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of the Discharge Certificate issued to him by the Army/Air Force/Naval authorities, as proof of his being an ex-serviceman. The certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces, or the anticipated date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces.

- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment should be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India.
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tempered fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not tpso facto make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. Every application including late one received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidate does not, *ipso-facto*, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. Every candidate for this examination will be informed at the carnest possible taste of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But it a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a ommunication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Fallure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Types Examinations". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Fxamination or Selections.

This publication as also the copies of pamphlets containing rules and conventional type question papers of the five preceding examinations are on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110 054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (1) the Kitab Mahal. Opposite Rivoti Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg. New Delhi-110 001 and (ii) Sale counter of the Publications Branch at Gdvog Bhavan, New Delhi-110 011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutts-700 001.

The Manual pamphicis are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

- 13. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.
- 14. Communications regarding Application,—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110 011, AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - (1) NAME OF EXAMINATION.
 - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - (3) APPLICATION REGISTRATION NO.|ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO.|ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.
- N.B. (i)—Communications not containing the above particulars may not be attended to.
- N.B. (ii) —If a letter communication is received from a candidate after an examination has been held and it does not give his full name and roll number, it will be ignored and no action will be taken thereon.
- 15. Change in Address.— A CANDIDATE MUST SETTHAT COMMUNICATION SENT TO HIM AT THE ALDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE I-ARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICUI ARS MENTIONED IN PARAGRAPH 14 ABOVE, ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE II

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. Objective Test

Your examination in General English and General Knowledge will be what is called an OBJECTIVE TEST. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have choose one answer to each item.

This Manual intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

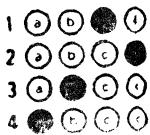
B. Nature of the Test

The question paper will be in the form of TEST BOCK-LET. The booklet will contain items bearing numbers—2, 3....etc. Under each item will be given suggested answers marked a. b. c. d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then best answer (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer, if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. Method of Answering

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you alongwith the Admission Certificate). will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item. circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best; yot have to mark the circle containing the letter of the selected inswer by blackening it completely with paperil as shown below (to indicate the selected the selected inswer by black the selected inswer by black the selected inswer by black the selected the selected inswer by black the selected inswer by black the selected the selected inswer by black the selected the selected inswer by black the selected the selected the selected inswer by black the selected th it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blatening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT-

- 1. You should bring and use only god quality HB pencil(s) for answering the items.
- 2. To change a wrong marking, eraseit completely and re-mark the new choice. For this urpose, you must bring along with you an eraser also
- 3. Do not handle your Answer Sheet 1 such a manner as to mutilate or fold or wrinkle pspoil it.

D. Some Important Regulations

- 1. You are required to enter the examinan hall twenty minutes before the prescribed time to commencement of the examination and get scates immediately.
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 inutes after the commencement of the test.
- 3. No candidate will be allowed to leave the amination hall until 45 minutes have elapsed aftethe commencement of the examination.
- After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invitator Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTE TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THEXAMINATION HALL, YOU WILL BE SEVILLY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You ill also be required to encode some particulars on Answer Sheet. Instructions about this will be sent; you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

you. You 7. Bring your Admission Certificate should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpner, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rought) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Sepa-rate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the exa-mination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

E. Special Instructions

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. Write your Roll Number on the first page of the Test Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

F. Some Useful Hints

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. Conclusion of Test

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall.

SAMPLES ITEMS (QUESTIONS) (Note: -- *Denotes the correct best any

(General Studies)

experienced at high

Bleeding of the nose and the ease altitudes by mountain climbers be is less than the atmosphe-(a) the pressure of the b

ric pressure.

od is more than the atmospheric

(b) the promine. (c) the blood vasels are subjected to equal pressures on the innetand outer walls.

(d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

2. (English)

(Vocabulary-Synowms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly knom.
- (h) only those rejstered
- (c) very large.
- *(1) largest so far.

3 (Agrifulture) 🐔

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below

- *(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) flanting with close pacing

4. (Chemistry)

The anhydride of H₃ Vo. is

- (a) VO.
- (b) VD.
- (c) V2O2
- *(d) V_aO_a

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- *(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) plage is equal to marginal physical product

6. (Electrical Engineering)

A odxial line is filled with a dielectric of relative permttivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space the velocity of propagation in the line will be

- (a) C
- (b) C
- *(c) |C/3
- (d) C/9

7. (Geblogy)

Magioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- *(b) Laboradorite

Albite

8. (Mathe little

The family.

fying the equationives passing through the origin and satis-

$$\frac{dxy}{dx^2} = \frac{d}{dx}$$
 given by

- (a) y= ax+b
- (c) y = aex + be -x
- *(it) y=-aex_

9. (Physics)

Ap ideal heat of engine works between temperatures 400°K and 300°K. Its efficiency is

- (n) 3/4
 - **(4.-3)/4**
 - (0) 4(3+4)
 - (d) 3/(3+4)

10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5, the variance is

- (a) 4²
- *(b) 3

The same of the sa

- (c) a
- (d) --5

11. (Geography)

The Southern par ... Burma is most prosperous because

- (a) it has mak deposits of mineral resources
- *(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excilent forest resources
- (d) most of he oil resources are found in this part of the Jounty.

12. (Indian Histor)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmenim always claimed a very large following even in te heyday of Ruddhism
- (b) Brahmanim was a highly formalised and pretentious reliion
- * (c) With therise of Brahminism, the Vedic sacrificial fire was elegated to the background.
 - (d) Sacrames were prescribed to mark the various stages is the growth of an individual.

13. (Philosophy)

Identify the abustic group of philosophical system the following

- (a) Buddhisr 1 1 1 1 1 2 2 Carvaka, Mimamsa
- (b) Nyāyā, viseseikā, Jainism and Buddhism, Cārvākā
- (c) Advaita, Vidāntā, Sāmkhya, Cārvākā, Yogā
- •(d) Buddhie Sāmkhya. Mimāsā, Cārvākā

14. (Political Science)

'Functions representation' means

- *(a) eltion of representatives to the legislative on the his of vocation.
- (b) rading the cause of a group or a professional sociation
- (c) ection of representatives in vocational organi-

(dundirect representation through Trade Unions

15. (Pchology)

Obpio: a goal leads to

- I) inverse in the need related to the goal
- of a function of the drive state
- c) instrumental learning
- (d) discrimination learnage

WSociology/

anchaveti Rei institutions in India have brought abe e of the following

- *(, formal representation of women and weaker tions in village government
- (b) intouchability has decreased.
- (c) land-ownership has spread to deprived classes.
- (d) education has spread to the masses

Conditions should note that the above sample items (que aions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with

the syllabus for this examination